



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 10] नई दिल्ली, फरवरी 27—मार्च 5, 2005 शनिवार/फाल्गुन 8—फाल्गुन 14, 1926
No. 10] NEW DELHI, FEBRUARY 27—MARCH 5, 2005, SATURDAY/PHALGUNA 8—PHALGUNA 14, 1926

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(आयुक्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क)

सं. 02/2004-सीमा-शुल्क (अधि.)

कोलकाता, 17 अगस्त, 2004

का.आ. 696.—सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 के अधीन प्रदत्त अधिकार के तहत अधिसूचना सं. 33/94-सीमाशुल्क (अधि.) दिनांक 1 जुलाई, 1994 के साथ पठित वि. मं. (रा. वि.) परिपत्र सं. 31/2003-सीमाशुल्क दिनांक 07-04-2003 द्वारा प्रत्यायोजित अधिकार के अनुसार सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 के अधीन कोननगर, जिला हुगली, पश्चिम बंगाल को इसके साथ मालगोदाम स्टेशन के रूप में घोषित किया जाता है, ताकि वहां विकास आयुक्त फलता एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन, वाणिज्य एवं औद्योगिक मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदन प्राप्त एक शत प्रतिशत निर्यात उमुखी इकाई स्थापित की जा सके।

[सं. सं. IV(11)1/सीई/पीआर ओ/कोल-IV/2004]

डी.के. दत्ता, आयुक्त

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(OFFICE OF THE COMMISSIONER OF
CENTRAL EXCISE)

No. 02/2004-Customs (N.T.)

Kolkata, the 17th August, 2004

S.O. 696.—In exercise of the powers conferred under Section 9 of the Customs Act, 1962 as delegated by Notification No. 33/94-Customs (NT) dated 1st July, 1994 read with M.F. (D.R.) Circular No. 31/2003-Customs dated 07-04-2003; Konnagar, Dist—Hooghly, in the State of West Bengal is hereby declared to be Warehousing Station under Section 9 of the Customs Act, 1962 for the purpose of setting up 100% Export Oriented Unit as approved by the Development Commissioner, Falta Export Processing Zone, Ministry of Commerce and Industry, Government of India.

[C. No. IV(11)1/CE/PRO/CAL-IV/2004]

D. K. DATTA, Commissioner

सं. 03/2004-सीमा-शुल्क (अधि.)

कोलकाता, 24 अगस्त, 2004

का.आ. 697.—सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 के अधीन प्रदत्त अधिकार के तहत अधिसूचना सं. 33/94-सीमाशुल्क (अधि.) दिनांक 1 जुलाई, 1994 के साथ पठित वि. सं. (रा. वि.) परिपत्र सं. 31/2003-सीमाशुल्क दिनांक 07-04-2003 द्वारा प्रत्यायोजित अधिकार के अनुसार सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 के अधीन ग्राम व डाकघर—खडीयाल, जिला हुगली, पश्चिम बंगाल को इसके साथ मालगोदाम स्टेशन के रूप में घोषित किया जाता है, ताकि वहां विकास आयुक्त फलता एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन, वाणिज्य एवं औद्योगिक मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदन प्राप्त एक शत प्रतिशत निर्यात उमुखी इकाई स्थापित की जा सके।

[सी. सं. IV/(11)1/सीई/पीआर ओ/कोल-IV/2004]

डी.के. दत्ता, आयुक्त

No. 03/2004-Customs (N.T.)

Kolkata, the 24th August, 2004

S.O. 697.—In exercise of the powers conferred under Section 9 of the Customs Act, 1962 as delegated by Notification No. 33/94-Customs (NT) dated 1st July, 1994 read with M.F. (D.R.) Circular No. 31/2003-Customs dated 07-04-2003 Village & P.O. Khariyal, Dist.—Hooghly, in the State of West Bengal is hereby declared to be Warehousing Station under Section 9 of the Customs Act, 1962 for the purpose of setting up 100% Export Oriented Unit as approved by the Development Commissioner, Falta Export Processing Zone, Ministry of Commerce and Industry, Government of India.

[C. No. IV(11)1/CE/PRO/CAL-IV/2004]

D. K. DATTA, Commissioner

सं. 04/2004-सीमा-शुल्क (अधि.)

कोलकाता, 13 सितम्बर, 2004

का.आ. 698.—सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 के अधीन प्रदत्त अधिकार के तहत अधिसूचना सं. 33/94-सीमाशुल्क (अधि.) दिनांक 1 जुलाई, 1994 के साथ पठित वि. सं. (रा. वि.) परिपत्र सं. 31/2003 सीमाशुल्क दिनांक 07-04-2003 द्वारा प्रत्यायोजित अधिकार के अनुसार सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 के अधीन मौजा, थाना व डाकघर—भद्रेश्वर, जिला हुगली, पश्चिम बंगाल को इसके साथ मालगोदाम स्टेशन के रूप में घोषित किया जाता है, ताकि वहां विकास आयुक्त फलता एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन, वाणिज्य एवं औद्योगिक मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदन प्राप्त एक शत प्रतिशत निर्यात उमुखी इकाई स्थापित की जा सके।

[सी. सं. IV/(11)1/सीई/पी आर ओ/कोल-IV/2004]

डी.के. दत्ता, आयुक्त

No. 04/2004-Customs (N.T.)

Kolkata, the 13th September, 2004

S.O. 698.—In exercise of the powers conferred under Section 9 of the Customs Act, 1962 as delegated by

Notification No. 33/94-Customs (NT) dated 1st July, 1994 read with M.F. (D.R.) Circular No. 31/2003-Customs dated 07-04-2003, Mouza-Bhadreswar P.S. & P.O. Bhadreswar, Dist.—Hooghly, in the State of West Bengal is hereby declared to be Warehousing Station under Section 9 of the Customs Act, 1962 for the purpose of setting up 100% Export Oriented Unit as approved by the Development Commissioner, Falta Export Processing Zone, Ministry of Commerce and Industry, Government of India.

[C. No. IV(11)1/CE/PRO/CAL-IV/2004]

D.K. DATTA, Commissioner

आदेश

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 2005

स्टाम्प

का.आ. 699.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पावर फाइनैस कार्पोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली को मात्र एक करोड़ ग्यारह लाख सैंतीस हजार रुपये के समेकित स्टाम्प ड्यूटी अदा करने की अनुमति प्रदान करती है, जो उक्त नियम द्वारा जारी किये जाने वाले मात्र तीन सौ एक करोड़ रुपये के समग्र मूल्य के प्रत्येक दस लाख रुपये के 00000001 से 00003010 तक की विशिष्ट संख्या वाले ऋणपत्रों के स्वरूप के 6.80% असुरक्षित, विमोच्य, गैर-परिवर्तनीय गैर-संचयी करयोग्य बंध-पत्रों (2011)-XXI ए शृंखला पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभाव्य है।

[सं. 5/2005-स्टाम्प/फा. सं. 33/6/2005-बि.क.]

आर.जी. छाबड़ा, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 8th February, 2005

STAMPS

S.O. 699.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits Power Finance Corporation Limited, New Delhi to pay consolidated stamp duty of rupees one crore eleven lakh thirty seven thousand only chargeable on account of the stamp duty on 6.80% Unsecured Redeemable Non-Convertible Non-Cumulative Taxable Bonds (2011)-XXIA Series in the nature of Debentures bearing distinctive numbers from 00000001 to 00003010 of rupees ten lakh each aggregating to rupees three hundred one crore only, to be issued by the said Corporation

[No. 5/2005-STAMP/F.No. 33/6/2005-ST]

R.G. CHHABRA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2005

स्टाम्प

का.आ. 700.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा ट्रांसमिशन कार्पोरेशन लिमिटेड, आन्ध्र प्रदेश को मात्र एक करोड़ बयालीस लाख पचास

हजार रुपए के समेकित स्टाम्प ड्यूटी अदा करने की अनुमति प्रदान करती है, जो उक्त नियम द्वारा जारी किये जाने वाले मात्र तीन सौ अस्सी करोड़ रुपये के समग्र मूल्य के ऋणपत्रों के स्वरूप वाले असुरक्षित, विमोच्य, गैर-परिवर्तनीय अपट्रांसकों विद्युत बंधपत्रों (शृंखला 1/2004) पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभाय है।

[सं. 6/2005-स्टाम्प/फा. सं. 33/48/2004-बि.क.]

आर.जी. छाबड़ा, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 21st February, 2005

STAMPS

S.O. 700.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits Transmission Corporation of Andhra Pradesh Limited, Hyderabad to pay consolidated stamp duty of rupees one crore forty two lakh fifty thousand only on account of the stamp duty on Unsecured Redeemable Non-Convertible APTRANSCO Vidyut Bonds (Series I/2004) in the nature of debentures aggregating to rupees three hundred eighty crore only, to be issued by the said Corporation.

[No. 6/2005-STAMP/F.No. 33/48/2004-ST]

R.G. CHHABRA, Under Secy.

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

(आयकर)

का.आ. 701.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा "तिरुमाला तिरुपति देवस्थानमस, तिरुपति, चित्तूर, आन्ध्र प्रदेश" को निर्धारण वर्ष 2005-2006 से 2007-2008 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उनका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;

(iv) कर निर्धारिती आय कर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आय- कर प्राधिकारी के समक्ष दाखिल करेगा;

(v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 54/2005/फा. सं. 197/77/2004-आयकर नि-1]

दीपक गर्ग, अवर सचिव

(Central Board of Direct Taxes)

New Delhi, the 15th February, 2005

(INCOME TAX)

S.O. 701.—In exercise of powers conferred by the sub clause (v) of clause (23) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Tirumala Tirupati Devasthanams, Tirupati, Chittoor, A.P." for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 2005-2006 to 2007-2008 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 54/2005/F. No. 197/77/2004-ITA-I]

DEEPAK GARG, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2005

(आयकर)

का.आ. 702.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा "याचिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली" को निर्धारण वर्ष 1999-2000 से 2001-2002 तक के लिए निम्नलिखित

शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उनका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आय कर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आय कर प्राधिकारी के समक्ष दाखिल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 63/2005/फा. सं. 196/5/2003-आयकर नि-1]

दीपक गर्ग, अवर सचिव

New Delhi, the 21st February, 2005

(INCOME TAX)

S.O. 702.—In exercise of powers conferred by the clause (23) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Yachting Association of India, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1999-2000 to 2001-2002 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to

the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;

- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 63/2005/F. No. 196/5/2003-ITA-I]

DEEPAK GARG, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

(आयकर)

का.आ. 703.—आयकर अधिनियम, 1961 (19961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा "पंजाब इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड, (पी. आई. डी. बी.) चण्डीगढ़" को निर्धारण वर्ष 2003-2004 से 2005-2006 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उनका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आय-कर प्राधिकारी के समक्ष दाखिल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 55/2005/फा. सं. 197/124/2004-आयकर नि-1]

दीपक गर्ग, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 2005

(INCOME TAX)

S.O. 703.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby

notifies the "Punjab Infrastructure Development Board, (PIDB), Chandigarh" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 2003-2004 to 2005-2006 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of account are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 55/2005/F. No. 197/124/2004-ITA-I]

DEEPAK GARG, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2005

(आयकर)

का.आ. 704.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा "दि भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स, नई दिल्ली" को निर्धारण वर्ष 2004-2005 से 2006-2007 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आय कर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आय कर प्राधिकारी के समक्ष दाखिल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 59/2005/फा. सं. 197/159/2004-आयकर नि-I]

दीपक गर्ग, अवर सचिव

New Delhi, the 21st February, 2005

(INCOME TAX)

S.O. 704.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "The Bharat Scouts and Guides, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 2004-2005 to 2006-2007 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of account are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 59/2005/F. No. 197/159/2004-ITA-I]

DEEPAK GARG, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2005

(आयकर)

का.आ. 705.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा “इंस्टीट्यूट फॉर फाइनेन्शियल मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च, चैन्नई” को निर्धारण वर्ष 2002-2003 से 2004-2005 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उनका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आय कर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आय कर प्राधिकारी के समक्ष दाखिल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 60/2005/फा. सं. 197/157/2004-आयकर नि.-I]

दीपक गर्ग, अवर सचिव

New Delhi, the 21st February, 2005

(INCOME TAX)

S.O. 705.—In exercise of powers conferred by the sub-clause (iv) of (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Institute for Financial Management and Research, Chennai for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 2002-2003 to 2004-2005 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment

years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 60/2005/F. No. 197/157/2004-ITA-I]

DEEPAK GARG, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2005

(आयकर)

का.आ. 706.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा “इंदिरा गाँधी नेशनल सेंटर फॉर दि आर्ट्स, जनपथ, नई दिल्ली” को निर्धारण वर्ष 2004-2005 से 2006-2007 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आय कर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आय कर प्राधिकारी के समक्ष दाखिल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 61/2005/फा. सं. 197/05/2005-आयकर नि.-I]

दीपक गर्ग, अवर सचिव

New Delhi, the 21st February, 2005

(INCOME TAX)

S.O. 706.—In exercise of powers conferred by the sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Indira Gandhi National Centre for the Arts, Janpath, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 2004-2005 to 2006-2007 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 61/2005/F. No. 197/05/2005-ITA-I]

DEEPAK GARG, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2005

(आयकर)

का.आ. 707.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली" को निर्धारण वर्ष 2004-2005 से 2006-2007 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उनका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित

स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करेगा;

- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आय कर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आय कर प्राधिकारी के समक्ष दाखिल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पत्तियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं. 62/2005/फा. सं. 197/158/2004-आयकर नि.-1]

दीपक गर्ग, अवर सचिव

New Delhi, the 21st February, 2005

(INCOME TAX)

S.O. 707.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Indian Institute of Public Administration, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 2004-2005 to 2006-2007 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 62/2005/F. No. 197/158/2004-ITA-I]

DEEPAK GARG, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 2005

(आयकर)

का.आ. 708.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उप-खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा “द थियोसोफिकल सोसायटी, अडयार, चेन्नई” को निर्धारण वर्ष 2005-2006 से 2007-2008 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर निर्धारिती अपनी आय का इस्तेमाल अथवा अपनी आय का इस्तेमाल करने के लिए उनका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर निर्धारिती उपर्युक्त कर निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक ढंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा अनुरक्षित स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों;
- (iv) कर निर्धारिती आय कर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अपनी आय विवरणी नियमित रूप से आयकर प्राधिकारी के समक्ष दाखिल करेगा;
- (v) विघटन की स्थिति में इसकी अतिरिक्त राशियाँ और परिसम्पतियाँ समान उद्देश्यों वाले धर्मार्थ संगठन को दे दी जाएंगी।

[अधिसूचना सं० 64/2005/फा.सं० 197/23/2005-आयकर नि. I]

दीपक गर्ग, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd February, 2005

(INCOME TAX)

S.O. 708.—In exercise of powers conferred by the Sub-clause (iv) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the “The Theosophical Society, Adyar, Chennai” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 2005-2006 to 2007-2008 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its fund (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or

more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business;
- (iv) the assessee will regularly file its return of income before the Income-tax authority in accordance with the provisions of the Income-tax Act, 1961;
- (v) that in the event of dissolution, its surplus and the assets will be given to a charitable organisation with similar objectives.

[Notification No. 64/2005/F. No. 197/23/2005-ITA-I]

DEEPAK GARG, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 2005

का.आ. 709.—इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया लिमिटेड के संगम अनुच्छेद के अनुच्छेद 116(1)(ख) के अधीन केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री जे०एन० गोडबोले को तत्काल प्रभाव से 31 मई, 2005 तक की अवधि के लिए या अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक की नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल में पूर्णकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त करती है। श्री जे०एन० गोडबोले उपर्युक्त नियुक्ति के जारी रहने के दौरान इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का कार्यभार भी संभालेंगे।

[फा. सं. 24 (2)/2003-आईएफ-1]

अतुल कुमार राय, निदेशक

(Department of Economic Affairs)

(BANKING DIVISION)

New Delhi, the 18th February, 2005

S.O. 709.—The Central Government hereby appoints with immediate effect Shri J.N. Godbole, as a whole time Director on the Board of Directors of Industrial Development Bank of India Limited under Article 116(1)(b) of the Articles of Association of Industrial Development Bank of India Limited for a period up to May 31, 2005 or until the appointment of Chairman and Managing Director whichever is earlier. Shri J.N. Godbole during the currency of the above appointment would also discharge the functions of Chairman and Managing Director of Industrial Development Bank of India Limited.

[F. No. 24 (2)/2003-IF. I]

ATUL KUMAR RAI, Director

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 2005

का.आ. 710.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सरकार के

राजपत्रित अधिकारियों के स्तर के समकक्ष अधिकारी होने पर निम्नांकित सारणी के कालम (1) में उल्लिखित अधिकारियों को उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा अधिकारियों के रूप में नियुक्त करती है जो सारणी के कालम (2) में उल्लिखित सरकारी स्थानों के संबंध में उक्त अधिनियम के द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे और उन्हें सौंपे गए कर्तव्यों को पूरा करेंगे :—

सारणी

क्रम सं०	अधिकारी का पदनाम	सरकारी स्थानों की श्रेणियां तथा क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाएं
1	2	3
1.	सहायक महाप्रबन्धक, परिसर विभाग, प्रधान कार्यालय, स्टेट बैंक आफ हैदराबाद, गनफाउन्ड्री, हैदराबाद	स्टेट बैंक आफ हैदराबाद का अपने प्रधान कार्यालय, गनफाउन्ड्री शाखा एवं सिकंदराबाद स्थित प्रधान कार्यालय एवं अंचल कार्यालयों के नियंत्रण के तहत शाखाओं/कार्यालयों एवं वहां तैनात/कार्य कर रहे अधिकारियों के आवास सहित अन्य उद्देश्यों के लिए उसकी संपत्ति वाले अथवा उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए या अधिगृहित एवं आन्ध्र प्रदेश एवं तमिलनाडु में अवस्थित परिसर
2.	मुख्य प्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक का कार्यालय, स्टेट बैंक आफ हैदराबाद, अंचल कार्यालय, वारांगल	बैंक की संपत्ति वाले अथवा बैंक द्वारा पट्टे पर लिए गए या उनकी ओर से अधिगृहित एवं कर्नाटक राज्य में अवस्थित सभी शाखाएं, कार्यालय एवं अन्य परिसर
3.	मुख्य प्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक का कार्यालय, स्टेट बैंक आफ हैदराबाद, अंचल कार्यालय, वारांगल	अंचल कार्यालय, वारांगल के परिचालन क्षेत्र में अवस्थित अपनी शाखाओं एवं वहाँ कार्य कर रहे अधिकारियों के आवास के लिए बैंक की संपत्ति वाले अथवा उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए या उनकी ओर से अधिगृहित सभी शाखाएं कार्यालय एवं अन्य परिसर
4.	मुख्य प्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक का कार्यालय, स्टेट बैंक आफ हैदराबाद, अंचल कार्यालय, विशाखापत्तनम	अंचल कार्यालय, विशाखापत्तनम के परिचालन क्षेत्र में अवस्थित अपनी शाखाओं एवं वहाँ कार्य कर रहे अधिकारियों के आवास के लिए बैंक की संपत्ति वाले अथवा उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए या उसकी ओर से अधिगृहित सभी परिसर
5.	मुख्य प्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक का कार्यालय, स्टेट बैंक आफ हैदराबाद, अंचल कार्यालय, औरंगाबाद	बैंक की संपत्ति वाले अथवा उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए या उनकी ओर से अधिगृहित एवं अंचल कार्यालय, औरंगाबाद के परिचालन क्षेत्र में अवस्थित सभी शाखाएं, कार्यालय एवं अन्य परिसर

1	2	3
6.	मुख्य प्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक का कार्यालय, स्टेट बैंक आफ हैदराबाद, क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली	बैंक की संपत्ति वाले अथवा उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए या उसकी ओर से अधिगृहित एवं अंचल कार्यालय, दिल्ली के परिचालन क्षेत्र में अवस्थित सभी शाखाएं, कार्यालय एवं अन्य परिसर
7.	मुख्य प्रबन्धक, उपमहाप्रबन्धक का कार्यालय, स्टेट बैंक आफ हैदराबाद, क्षेत्रीय कार्यालय, मुम्बई	बैंक की संपत्ति वाले अथवा उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए या उसकी ओर से अधिगृहित एवं क्षेत्रीय कार्यालय मुम्बई के परिचालन क्षेत्र में अवस्थित सभी शाखाएं, कार्यालय एवं अन्य परिसर

[फा. सं. 13/3/2005-बी ओ ए]

डी०पी० भारद्वाज, अवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 2005

S.O. 710.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being officers equivalent to the rank of Gazetted Officers of the Government, to be Estate Officers for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Estate Officer by or under the said Act in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2	3
1.	The Asstt. General Manager, Premises Department, Head Office, State Bank of Hyderabad, Gunfoundry, Hyderabad.	Premises belonging to or taken in lease or requisitioned by or on behalf of the State Bank of Hyderabad for its Head Office, Gunfoundry Branch and Branches/Offices under the control of the Head Office and Zonal Offices at Hyderabad and Secunderabad and other purposes including accommodation for officers posted/working thereat and situated in A.P. and Tamilnadu.
2.	The Chief Manager, O/o Deputy General Manager, State Bank of Hyderabad, Zonal Office, Warangal	All Branches, Offices and other premises belonging to or taken in lease or requisitioned by or on behalf of the Bank and situated in the State of Karnataka.
3.	The Chief Manager, O/o Deputy General Manager,	All premises belonging to or taken in lease or requisitioned by or on behalf of the Bank for

1	2	3
	State Bank of Hyderabad, Zonal Office, Warangal.	its branches, accommodation of officers working thereat etc, and situated within the operational area of the Zonal Office, Warangal.
4.	The Chief Manager, O/o Deputy General Manager, State Bank of Hyderabad, Zonal Office, Visakapatnam.	All premises belonging to or taken in lease or requisitioned by or on behalf of the Bank for its branches, accommodation of officers working thereat etc, and situated within the operational area of the Zonal Office, Visakapatnam.
5.	The Chief Manager, O/o Deputy General Manager, State Bank of Hyderabad, Zonal Office, Aurangabad.	All Branches, Offices and other premises belonging to or taken in lease or requisitioned by or on behalf of the Bank and situated within the operational area of the Zonal Office, Aurangabad.
6.	The Chief Manager, O/o Deputy General Manager, State Bank of Hyderabad, Regional Office, Delhi.	All Branches, Offices and other premises belonging to or taken in lease or requisitioned by or on behalf of the Bank and situated within the operational area of the Regional Office, Delhi.
7.	The Chief Manager, O/o Deputy General Manager, State Bank of Hyderabad, Regional Office, Mumbai.	All Branches, Offices and other premises belonging to or taken in lease or requisitioned by or on behalf of the Bank and situated within the operational area of the Regional Office, Mumbai.

[F. No. 13/3/2005-B O A]

D. P. BHARDWAJ, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 2005

का.आ. 711.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अम्भोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और दिनांक 9-4-90 के भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग) की अधिसूचना सं. 13/5/89-बीओ-III तथा तत्पश्चात् दिनांक 9-3-1996 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना सं. का. आ. सं. 632 का अधिक्रमण करते हुए, ऐसे अधिक्रमण से पूर्व उन बातों के सिवाय, जिन्हें किया गया है या किए जाने के लिए छोड़ दिया गया है, केन्द्र सरकार एतद्वारा सरकार के राजपत्रित अधिकारी के स्तर के समकक्ष अधिकारी होने पर निम्नलिखित सारणी के कालम (1) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है जो सारणी के कालम (2) में उल्लिखित सरकारी स्थानों के संबंध में उक्त अधिनियम के द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे और उन्हें सौंपे गए कर्तव्यों को पूरा करेंगे :—

सारणी

अधिकारी का पदनाम	सरकारी स्थानों की श्रेणियां तथा क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाएं
सहायक महाप्रबंधक (विधि), देना बैंक, प्रधान कार्यालय, मुम्बई	देना बैंक, जिसका प्रधान कार्यालय, मुम्बई में है, के स्वामित्व वाले/उनकी संपत्ति वाले तथा उनके प्रशासनिक नियंत्रण वाले समूचे भारत में स्थित स्थान।

[फा. सं. 13/2/2005-बी ओ ए]

डी०पी० भारद्वाज, अवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 2005

S.O. 711.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), and supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Dept. of Economic Affairs (Banking Division), No. 13/5-89B.O. III dated 9-4-90 and subsequent notification published in the Gazette of India under S.O. No. 632 dated 9-3-1996 except in respect of things done or omitted to be done before such/supersession, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being officers equivalent to the rank of a Gazetted Officers of Government to be Estate Officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the Estate Officers by or under the said Act in respect of the public premises specified in column (2) of the said table.

TABLE

Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
The Asstt. Gen. Manager (Legal), Dena Bank, Head Office, Mumbai.	Premises situated any where in India owned by/belonging to, and under the administrative control of the Dena Bank having Head Office at Mumbai.

[F. No. 13/2/2005-BOA]

D. P. BHARDWAJ, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2005

का.आ. 712.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार 26 मार्च, 1983 को भारत के राजपत्र (असाधारण) भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), (बैंकिंग प्रभाग) का.आ. सं. 222(अ) दिनांक 26 मार्च, 1983 की अधिसूचना में एतद्वारा, निम्नलिखित संशोधन करती है :

उपर्युक्त अधिसूचना में “नैनीताल को उस स्थान के रूप में निर्धारित करती है, जहां पर नैनीताल-अल्मोड़ा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का मुख्य कार्यालय होगा” शब्दों के स्थान पर “हल्द्वानी को उस स्थान के रूप में निर्धारित करती है, जहां पर नैनीताल-अल्मोड़ा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का मुख्य कार्यालय होगा” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[फा. सं. 7 (7)/2004-आरआरबी]

एम० के० मल्होत्रा, अवर सचिव

टिप्पणी : प्रमुख नियम 26 मार्च, 1983 की अधिसूचना सं. का.आ. 222(अ) के तहत प्रकाशित किए थे।

New Delhi, the 21st February, 2005

S.O. 712.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 4 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) (Banking Division), number S.O. 222 (E) dated the 26th March, 1983 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II Section 3 Sub-section (ii) dated the 26th March, 1983.

In the said notification, for the words "Nainital as the place where Nainital Almora Kshetriya Gramin Bank shall have its head office" the words "Haldawani as the place where Nainital Almora Kshetriya Gramin Bank shall have its head office" shall be substituted.

[F. No. 7(7)/2004-RRB]

M. K. MALHOTRA, Under Secy.

Note : The principal rules were published vide notification number S.O. 222 (E) dated the 26th March, 1983.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 713.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खण्ड 5 के उपखण्ड (I), खण्ड 7 और खण्ड 8 के उपखण्ड (I) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करने के पश्चात, एतद्वारा श्री आर.पी. सिंह, आई.ए.एस. (आन्ध्र प्रदेश-1976) को उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए अथवा अगला आदेश जारी होने तक, जो भी पहले हो, पंजाब एण्ड सिंध बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. एफ. 9/12/2004-बी.ओ.-I]

जी० बी० सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 713.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 5, clause 7 and sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri R. P. Singh, IAS (A. P. 1976) as the Chairman and Managing Director of the Punjab and Sind Bank, for the period of three years from the date of his taking charge or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 9/12/2004-B.O.-I]

G. B. SINGH, Under Secy.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 2005

का.आ. 714.—भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग) की अधिसूचना संख्यां का.आ. 57 तारीख 26 दिसम्बर, 2003, जो भारत के राजपत्र भाग 2,

खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 10 जनवरी, 2004 को प्रकाशित की गई थी, के पृष्ठ 136 में—

	के स्थान पर	पढ़े
(i) नियम 1 के उपनियम (1) में,	"नियम, 2003"	"नियम 2004",
(ii) नियम 2 में,	"(क) अनुपूरक नियम का.नि. 317-कज-9 में, उपनियम (1) के खंड (5) में "पात्र आश्रित/संबंधी को हकदारी से एक टाईप नीचे का निवास आबंटित किया जाएगा" शब्दों के स्थान पर "पात्र आश्रित/संबंधी को उसकी हकदारी का निवास आबंटित किया जाएगा" शब्द रखे जाएंगे;"	"(क) का.नि. 317-कज-9 में, उप नियम (1) के खंड (5) में निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :— "(V) पात्र आश्रित/संबंधी को उसकी हकदारी का आवास आबंटित किया जाएगा।"

[फा.सं. एसएम/29/025/1994]

एस. चक्रवर्ती, अवर सचिव

MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

(Department of Science and Technology)

CORRIGENDA

New Delhi, the 18th January, 2005

S.O. 714.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Science and Technology (Department of Science and Technology) number S.O. 57 dated the 26th December, 2003 published in the Gazette of India, Part II, Section 3 Sub-section (ii) dated the 10th January, 2004 at page 136,—

	for	read
(i) in rule 1, in sub-rule (1),	"Rules, 2003"	"Rules, 2004";
(ii) in rule 2,	"(a) in Supplementary Rule S.R. 317-AH-9, in sub-rule (1), in clause (v), for the words "the eligible dependant/relation shall be allotted residence one type below the entitlement" the words "the eligible dependant/relation shall be allotted residence of his entitlement" shall be substituted;"	"(a) in Supplementary Rule S.R. 317-AH-9, in sub-rule (1), in clause (v), the following clause shall be substituted, namely:- "(v) The eligible dependant/relation shall be allotted residence of his entitlement."

[F. No. SM/29/025/1994]

S. CHAKRAVARTHY, Under Secy.

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2005

का.आ. 715.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दुग्ध उत्पाद के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, निरीक्षण और मानीटरिंग) नियम, 2000 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दुग्ध उत्पादों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, निरीक्षण और मानीटरिंग) संशोधन नियम, 2005 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. दुग्ध उत्पादों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, निरीक्षण और मानीटरिंग) नियम, 2000 में नियम 8, के उपनियम 8.4 स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“8.4 अपील का निपटारा उसकी प्राप्ति के तीस दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।”

[फा. सं. 6/1/2000-ईआई एण्ड ईपी]

राज सिंह, निदेशक

टिप्पण : मूल नियम, अधिसूचना सं. का.आ. 2720 तारीख 16 दिसम्बर, 2000 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् अधिसूचना सं. का.आ. 3719 तारीख 30 नवम्बर, 2002 और का.आ. 999(अ) तारीख 13 सितम्बर, 2004 द्वारा संशोधित किए गए थे।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

New Delhi, the 25th February, 2005

S.O. 715.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Export of Milk Products (Quality Control, Inspection and Monitoring) Rules, 2000, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of Milk Products (Quality Control, Inspection and Monitoring) Amendment Rules, 2005.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Milk Products (Quality Control, Inspection and Monitoring) Rules, 2000, in rule 8, for sub-rule 8.4, the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“8.4 The appeal shall be disposed of within thirty days of its receipt.”

[F. No. 6/1/2000-EI&EP]

RAJ SINGH, Director

Note : The principal rules were published in the Gazette of India vide notification number S.O. No. 2720 dated the 16th December, 2000 and subsequently amended vide notifications number S.O. 3719 dated 30th November, 2002 and S.O. 999(E) dated the 13th September, 2004.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2005

का.आ. 716.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बासमती चावल के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 2003 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बासमती चावल के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, और निरीक्षण) संशोधन नियम, 2005 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. बासमती चावल के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 2003 में नियम 8,—(i) खंड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(घ) अपील का निपटारा उसकी प्राप्ति के तीस दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।”

(ii) खंड (ङ) का लोप किया जाएगा।

[फा. सं. 6/2/2000-ईआई एण्ड ईपी]

राज सिंह, निदेशक

टिप्पण : मूल नियम, अधिसूचना सं. का.आ. 68 (अ) तारीख 23 जनवरी, 2003 के द्वारा भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किए गए थे।

New Delhi, the 25th February, 2005

S.O. 716.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Export of Basmati Rice (Quality Control and Inspection) Rules, 2003, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of Basmati Rice (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 2005.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Basmati Rice (Quality Control and Inspection) Rules, 2003, in rule 8,—

(i) for clause (d) the following clause shall be substituted, namely :—

“(d) The appeal shall be disposed of within thirty days of its receipt.”

(ii) clause (e) shall be omitted.

[F. No. 6/2/2000-EI&EP]

RAJ SINGH, Director

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary vide notification number S.O. No. 68 (E) dated the 23rd January, 2003.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2005

का.आ. 717.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ताजी, शीतित, और प्रसंस्कृत मछली

और मछली उत्पादों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, निरीक्षण और मानीटरिंग) नियम, 1995 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ताजी, शीतित, और प्रसंस्कृत मछली और मछली उत्पादों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, निरीक्षण और मानीटरिंग) संशोधन नियम, 2005 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. ताजी, शीतित, और प्रसंस्कृत मछली और मछली उत्पादों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, निरीक्षण और मानीटरिंग) नियम, 1995 में नियम 17, के उपनियम 17.4 के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“17.4 अपील का निपटारा उसकी प्राप्ति के तीस दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।”

[फा. सं. 6/2/2001-ईआई एण्ड ईपी]

राज सिंह, निदेशक

टिप्पण : मूल नियम, अधिसूचना सं. का.आ. 730(अ) तारीख 21 अगस्त, 1995 द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् अधिसूचना सं.का.आ. 415 (अ) तारीख 11 अप्रैल, 2002 और का.आ. 1029(अ) तारीख 24 सितम्बर, 2002 और का.आ. 1034(अ) तारीख 9 सितम्बर, 2003 द्वारा संशोधित किए गए थे।

New Delhi, the 25th February, 2005

S.O. 717.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Fresh, Frozen and Processed Fish and Fishery Products (Quality Control, Inspection and Monitoring) Rules, 1995, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of Fresh, Frozen and Processed Fish and Fishery Products (Quality Control, Inspection and Monitoring) Amendment Rules, 2005.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Fresh, Frozen and Processed Fish and Fishery Products (Quality Control, Inspection and Monitoring) Rules, 1995, in rule 17, for sub-rule 17.4, the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"17.4 The appeal shall be disposed of within thirty days of its receipt."

[F. No. 6/2/2001-EI&EP]

RAJ SINGH, Director

Note : The principal rules were published in the Gazette of India Extraordinary vide notification number S.O. 730(E) dated the 21st August, 1995 and subsequently amended vide notifications number S.O. 415(E) dated 11th April, 2002 and S.O. 1029(E) dated the 24th September, 2002 and S.O. 1034(E) dated the 9th September, 2003.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2005

का.आ. 718.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बायवाल्व मोलस्कस के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण निरीक्षण और मानीटरिंग) नियम, 2003 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बायवाल्व मोलस्कस के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण निरीक्षण और मानीटरिंग) संशोधन नियम, 2005 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. बायवाल्व मोलस्कस के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण निरीक्षण और मानीटरिंग) नियम, 2003 में नियम 10, के उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(4) अपील का निपटारा उसकी प्राप्ति के तीस दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।”

[फा. सं. 6/3/2002-ईआई एण्ड ईपी]

राज सिंह, निदेशक

टिप्पण : मूल नियम, अधिसूचना सं. का.आ. 668(अ) तारीख 10 जून, 2003 द्वारा भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किए गए थे।

New Delhi, the 25th February, 2005

S.O. 718.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Export of Bivalve Molluscs (Quality Control, Inspection and Monitoring) Rules, 2003, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of Bivalve Molluscs (Quality Control, Inspection and Monitoring) Amendment Rules, 2005.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Bivalve Molluscs (Quality Control, Inspection and Monitoring) Rules, 2003, in rule 10, for sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(4) The appeal shall be disposed of within thirty days of its receipt."

[F. No. 6/3/2002-EI&EP]

RAJ SINGH, Director

Note : The principal rules were published in the Gazette of India Extraordinary vide notification number S.O. 668(E) dated the 10th June, 2003.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2005

का.आ. 719.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ताजा मुर्गी मांस और मुर्गी मांस उत्पादों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, निरीक्षण और मानीटरिंग)

नियम, 2002 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ताजा मुर्गी मांस और मुर्गी मांस उत्पादों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, निरीक्षण और मानीटरिंग) संशोधन नियम, 2005 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. ताजा मुर्गी मांस और मुर्गी मांस उत्पादों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, निरीक्षण और मानीटरिंग) नियम, 2002 में नियम 8, के उपनियम (6) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(6) अपील का निपटारा उसकी प्राप्ति के तीस दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।”

[फा. सं. 6/2/98-ईआई एण्ड ईपी]

राज सिंह, निदेशक

टिप्पण : मूल नियम, अधिसूचना सं. का.आ. 1378(अ) तारीख 30 दिसम्बर, 2002 द्वारा भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किए गए थे।

New Delhi, the 25th February, 2005

S.O. 719.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Export of Fresh poultry meat and poultry meat Products (Quality Control, Inspection and Monitoring) Rules, 2002. namely :—

1 (1) These rules may be called the Export of Fresh poultry meat and poultry meat Products (Quality Control, Inspection and Monitoring) Amendment Rules, 2005.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2 In the Export of Fresh poultry meat and poultry meat Products (Quality Control, Inspection and Monitoring) Rules, 2002, in rule 8, for sub-rule (6), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(6) The appeal shall be disposed of within thirty days of its receipt.”

[F. No. 6/2/98-EI&EP]

RAJ SINGH, Director

Note : The principal rules were published in the Gazette of India Extraordinary *vide* notification number S.O. 1378(E) dated the 30th December, 2002.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2005

का.आ. 720.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सूखी मछली के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 2002 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सूखी मछली के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 2005 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सूखी मछली के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 2002 में नियम 9 के उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा अर्थात् :—

“(4) अपील का निपटारा उसकी प्राप्ति के तीस दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।”

[फा. सं. 6/5/2000-ईआई एण्ड ईपी]

राज सिंह, निदेशक

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं. का.आ. 1376(अ) तारीख 30 दिसम्बर, 2002 द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् अधिसूचना सं. का.आ. 233 तारीख 31 जनवरी, 2004 द्वारा संशोधित किया गया था।

New Delhi, the 25th February, 2005

S.O. 720.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Dried Fish (Quality Control and Inspection) Rules, 2002, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of Dried Fish (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 2005.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Dried Fish (Quality Control and Inspection) Rules, 2002, in rule 9, for sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely :

“(4) The appeal shall be disposed of within thirty days of its receipt.”

[F. No 6/5/2000-EI&EP]

RAJ SINGH, Director

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary *vide* notification number S. O. 1376(E) dated the 30th December, 2002 and subsequently amended *vide* notification number S. O. 233 dated the 31st January, 2004.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2005

का. आ. 721 .—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अंडा उत्पाद के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, निरीक्षण और मानीटरिंग) नियम, 1997 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अंडा उत्पादों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, निरीक्षण और मानीटरिंग) संशोधन नियम, 2005 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अंडा उत्पादों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण, निरीक्षण और मानीटरिंग) नियम, 1997 में नियम 8 के उपनियम 8.6 के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा अर्थात् :—

“8.6 अपील का निपटारा उसकी प्राप्ति के तीस दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।”

[फा. सं. 6/1/95-ईआई एण्ड ईपी]

राज सिंह, निदेशक

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं. का.आ. 2078 तारीख 23 अगस्त, 1997 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् अधिसूचना सं. का.आ. 1443(अ) तारीख 19 दिसम्बर, 2003 द्वारा संशोधित किए गए थे।

New Delhi, the 25th February, 2005

S.O. 721.—In exercise of the powers conferred by the Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Egg Products (Quality Control, Inspection and Monitoring) Rules, 1997, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of Egg Products (Quality Control, Inspection and Monitoring) Amendment Rules, 2005.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Egg Products (Quality Control, Inspection and Monitoring) Rules, 1997, in rule 8, for sub-rule 8.6, the following sub-rule shall be substituted, namely :

“8.6 The appeal shall be disposed of within thirty days of it receipt.”

[F. No. 6/1/95-EI&EP]

RAJ SINGH, Director

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, *vide* notification number S. O. 2078 dated the 23rd August, 1997 and subsequently amended *vide* notification number S. O. 1443(E) dated the 19th December, 2003.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2005

का.आ. 722.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सूखी मछली माक्स के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 2002 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सूखी मछली माक्स के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 2005 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सूखी मछली माक्स के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 2002 में नियम 9,—

(क) उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा अर्थात् :—

“(4) अपील का निपटारा उसकी प्राप्ति के तीस दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।”

(ख) उपनियम (5) का लोप किया जाएगा।

[फा० सं० 6/6/2000/ईआई एण्ड ईपी]

राज सिंह, निदेशक

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं० का०आ० 2877 तारीख 14 सितम्बर, 2002 द्वारा भारत के राजपत्र, में प्रकाशित किए गए थे।

New Delhi, the 25th February, 2005

S.O. 722.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection)

Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Export of Dried Fish Maws (Quality Control and Inspection) Rules, 2002, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of Dried Fish Maws (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 2005.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Dried Fish Maws (Quality Control and Inspection) Rules, 2002, in rule 9, —

(a) for sub rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely:

“(4) The appeal shall be disposed of within thirty days of it receipt.”

(b) sub-rule (5) shall be omitted.

[F. No. 6/6/2000-EI&EP]

RAJ SINGH, Director

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, *vide* notification number S. O. 2877 dated the 14th September, 2002.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2005

का.आ. 723.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, काजू की गिरियों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1986 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम काजू की गिरियों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन नियम, 2005 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. काजू के गिरियों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1986 में नियम 4, के खंड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(घ) अपील का निपटारा उसकी प्राप्ति के तीस दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।”

[फा० सं० 6/(9)/83/ईआई एण्ड ईपी]

राज सिंह, निदेशक

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं० का०आ० 783 तारीख 1 मार्च, 1986 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे।

New Delhi, the 25th February, 2005

S.O. 723.—In exercise of the powers conferred by the Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963); the Central Government hereby makes the following rules to amend the Export of Cashew Kernels (Quality Control and Inspection) Rules, 1986, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export of Cashew Kernels (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 2005.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Cashew Kernels (Quality Control and Inspection) Rules, 1986, in rule 4, for Clause (d), the following clause shall be substituted, namely:

“(d) The appeal shall be disposed of within thirty days of it receipt.”

[F. No. 6(9)/83-EI&EP]

RAJ SINGH, Director

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, vide notification number S. O. 783 dated the 1st, March, 1986.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 2005

का.आ. 724.—केन्द्रीय सरकार, दिनांक 17 फरवरी, 2004 की समसंख्यक अधिसूचना के अधिक्रमण में और चलचित्रकी अधिनियम (प्रमाणन) नियमावली, 1983 के नियम 43 के साथ पठित चलचित्रकी अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5घ की उप-धारा (1) और (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सुश्री सागरिका घोष, डा० अलका बी. वडेक्कन और श्री आई नरसिंह राव को फिल्म प्रमाणन अपीलीय अधिकरण के सदस्यों के रूप में नियुक्त करती हैं। इनकी नियुक्ति श्री नितिन देसाई, श्री श्याम किशोर शर्मा और श्री राकेश सिन्हा के स्थान पर है तथा सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, के लिए है।

[फा० सं० 811/1/2004-एफ (सी)]

विश्वजीत महाय, निदेशक (फिल्म)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 10th January, 2005

S. O. 724.—In exercise of the powers conferred by Sub-sections (1) and (3) of Section 5D of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rule 43 of the Cinematograph Act (Certification) Rules, 1983, and in supersession of notification of even No. dated 17th February, 2004, the Central Government hereby appoints Ms. Sagarika Ghosh, Dr. Alka B. Vadakkan and Shri I. Narsinga Rao as Members of the Film Certification Appellate Tribunal. The appointment is vice Shri Nitin Desai, Shri Shyam Kishore Sharma and Shri Rakesh Sinha and is for a period of three years from the date of publication of this notification in the Official Gazette or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 811/1/2004-F(C)]

VISHVAJIT SAHAY, Director (Films)

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2005

का.आ. 725.—चलचित्र (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 3 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सदस्यों की नियुक्ति से संबंधित पूर्व अधिसूचनाओं के अधिक्रमण में केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित व्यक्तियों

को इस बोर्ड के सदस्यों के रूप में तत्काल प्रभाव से और अगले आदेशों तक नियुक्त करती है :—

1. श्रीमती मृणाल पांडे
2. श्री संजीव गोयनका
3. श्री एल. सुरेश
4. डॉ. मृणालिनी डी. पटेल
5. श्री टी. एस. एस. चौहान
6. श्री हिमांशु जोशी
7. श्री पी. एस. भक्तवत्सलम उर्फ पुन्नीलन
8. श्री श्रवण श्रॉफ
9. श्री एस. बी. भास्कर राव
10. श्री वीरेन्द्र सक्सेना
11. श्री के. टी. माही
12. श्री संजीव भार्गव
13. श्री ए. नटराजन
14. श्री विनोद के. बक्शी
15. श्री कृष्ण मोहन
16. श्री अनीस दुर्गानी
17. श्रीमती बोब्बिता शर्मा
18. डॉ. (श्रीमती) प्रियंवदा मोहंती हेजमाड़ी
19. डॉ. (सुश्री) शांता पी. हैलंगी
20. श्रीमती के. इंदिरा बनर्जी
21. श्री राजीव अरोड़ा

[फा. सं. 809/12/2003-एफ(सी)]

विश्वजीत सहाय, निदेशक (फिल्म)

New Delhi, the 5th February, 2005

S. O. 725.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rule 3 of the Cinematograph Act (Certification) rules, 1983 and in supersession of the earlier Notifications relating to appointment of members of the Central Board of Film Certification, the Central Government is pleased to appoint the following persons as members of the said Board with immediate effect and until further orders :—

1. Smt. Mrinal Pandey
2. Shri Sanjiv goenka
3. Shri L. Suresh
4. Shri Mrunalini D. Patel
5. Shri T.S.S. Chauhan
6. Shri Himanshu Joshi
7. Shri P.S. Bhaktavatsalam alias Ponneclan
8. Shri Shravan Shroff
9. Shri M.V. Bhaskar Rao
10. Shri Virendra Saxena

11. Shri K. T. Mahi
12. Shri Sanjeev Bhargava
13. Shri A. Natarajan
14. Shri Vinod K. Bakshi
15. Shri Krishna Mohan
16. Shri Anis Durrani
17. Smt. Bobbeeta Sharma
18. Dr. (Smt.) Priyambada Mohanty Hejmadi
19. Dr. (Ms.) Shanta P. Halagi
20. Smt. K. Indira Banerjee
21. Shri Rajiv Arora.

[F. No. 809/12/2003-F(C)]

VISHVAJIT SAHAY, Director (Films)

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2005

का.आ. 726.—चलचित्र (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 और 8 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के हैदराबाद सलाहकार पैनल का पुनर्गठन करती है और निम्नलिखित व्यक्तियों को उक्त पैनल के सदस्यों के रूप में तत्काल प्रभाव से दो वर्षों की अवधि तक या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करती है। यह मंत्रालय के दिनांक 4 फरवरी, 2004 की समसंख्यक अधिसूचना के अधिक्रमण में है।

1. श्री पी. आर. सुभाष चंद्रन
2. श्री एम. आर. कौंडल रेड्डी
3. श्रीमती वडलामुडी अम्माजम्मा
4. श्रीमती मधु निर्मला देवी
5. श्रीमती कोटा सुनीला
6. डा. हसीना
7. श्री सी. वी. सुब्बा राव
8. श्री बी. राजेश बाबू
9. श्रीमती के. अरूणा व्यास
10. श्री जी० भगीराधा
11. डॉ. आर. वत्सला
12. श्रीमती जी. विजया लक्ष्मी
13. डॉ. तल्लुरी अंजनेयुलु
14. श्रीमती बी. सुगुना
15. श्री श्रीपदा जिट्टु मोहन मित्रा
16. श्रीमती के. अनीता रेड्डी
17. श्री राकेश जायसवाल
18. श्रीमती पी. गीता
19. श्रीमती रत्नासरी
20. श्री एम. सूर्यानायक
21. श्रीमती एस. राधा बालासुब्रमण्यम
22. श्री ए. वी. रामाना
23. श्री जी. चन्द्रसेखर
24. श्री एम. रामाराव
25. श्री मंददी उदया कुमार
26. श्रीमती के. ज्योत्सना
27. श्री अरनन्दा बाबू सुंगरापती
28. श्री श्रीराम यादव
29. श्री मो. युसुफुद्दीन (वाई.आर. बाबू)
30. श्रीमती नरेल्ला सारदा
31. श्रीमती सीवरा
32. श्रीमती सौदामनी
33. श्रीमती अनुराधा के. राजू
34. श्री जे. सी. पवन रेड्डी
35. श्रीमती सरन्या लोका रेड्डी
36. श्री याला सोनिया रेड्डी
37. डॉ. वड्डेपल्ली कृष्णा
38. श्रीमती टी. विजया लक्ष्मी
39. श्री एन. शिवा राम
40. श्रीमती डी. विजयालक्ष्मी
41. डॉ. वी. सीतादेवी
42. श्री के. सी. शेखर रेड्डी
43. श्री जी. रघुवीर सिंह ठाकुर
44. डॉ. ए. सुधाकर यादव
45. श्री बी. वेंकटरामा रेड्डी
46. श्री पी. पुरुषोत्तम रेड्डी
47. श्री एम. मनमोहन रेड्डी
48. श्रीमती के. शालिनी रमेश कुमार
49. श्री जोन्ना सत्यनारायण
50. सुश्री गुडलुरु वेंकटा अरूणा
51. श्री पोगाकु विश्वेश्वर
52. श्री वी. नारायणाराव
53. श्री मुपल्ला गोविंदा राव
54. श्री कट्टा वेंकटेश्वरा राव
55. श्री पक्कला सूरि बाबू
56. श्री के. रामना वेंकट
57. श्री वी. विष्णु वर्धन रेड्डी
58. श्री पी. प्रजोथ रेड्डी
59. श्रीमती मनोरमा
60. डॉ (श्रीमती) सुशीला
61. श्री पी. सरथ कुमार
62. श्रीमती स्त्रीमणी एम०
63. श्री आई तिरूमला राव
64. श्रीमती सोभा रानी
65. श्रीमती पोलावरम कल्याणी
66. श्रीमती पी. अंजनी देवी
67. श्री बूला प्रसाद सैम्यूल
68. श्री वाई अमरेंधर रेड्डी
69. श्री ए. राजेंद्र
70. श्री डोकला मुरली

71. श्री दीदी रामबाबू
72. श्री एस. हरिनाथ रेड्डी
73. श्री ए. विजय कुमार
74. श्रीमती अपराजीता
75. श्री संबासिवा राव अला
76. श्री जगदीश चन्द्रा प्रसाद
77. श्री सीता रामा राजू
78. श्रीमती नमेलिकांति स्वर्णलता
79. श्रीमती कौशल्या सुरम
80. श्रीमती दीपिका रेड्डी
81. श्रीमती ई. जया लक्ष्मी
82. श्री एस. गोपाल रेड्डी
83. श्रीमती अनंता लक्ष्मी
84. सुश्री पोद्टा भारती
85. श्री टी. एन. विश्वंभर
86. श्रीमती बी. विजया रेड्डी
87. श्री जें नरसिंह राव
88. श्री पोद्दुरी रंगा राव

[फा० सं० 809/3/2004-एफ(सी)]

पी० पी० नायर, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th February, 2005

S. O. 726.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) rules, 1983 the Central Government is pleased to reconstitute the Hyderabad advisory panel of the Central Board of Film Certification and to appoint the following persons as members of the said panel with immediate effect for a period of two years or until further orders, whichever is earlier. This supersedes this Ministry's notification of even number dated 4th February 2004.

1. Shri P. R. Subhash Chandran
2. Shri M. R. Kondal Reddy
3. Smt. Vadlamudi Ammajamma
4. Shri Madhu Nirmala Devi
5. Smt. Kota Suneela
6. Dr. Haseena
7. Shri C. V. Suba Rao
8. Shri B. Rajesh Babu
9. Smt. K. Aruna Vyas
10. Shri G. Bhageeratha
11. Dr. R. Vatsala
12. Smt. G. Vijaya Lakshmi
13. Dr. Talluri Anjaneyulu

14. Smt. B. Suguna
15. Shri Sripada Jittu Mohan Mitra
16. Smt. K. Anita Reddy
17. Shri Rakesh Jaiswal
18. Smt. P. Geetha
19. Smt. Ratnasri
20. Shri M. Surya Naik
21. Smt. S. Radha Balasubramanyam
22. Shri A. V. Ramana
23. Shri G. Chandrasekhar
24. Shri M. Rama Rao
25. Shri Mandadi Udaya Kumar
26. Smt. K. Jyotsna
27. Shri Ananda Babu Srungarapati
28. Shri Shri Ram Yadav
29. Shri Modh. Yousufuddin (Y. R. Babu)
30. Smt. Narella Sarada
31. Smt. Srivara
32. Smt. Soudamani
33. Smt. Anuradha K. Raju
34. Shri J. C. Pavan Reddy
35. Smt. Saranya Loka Reddy
36. Dr. Yala Sonia Reddy
37. Dr. Vaddepalli Krishna
38. Smt. T. Vijaya Lakshmi
39. Shri N. Shiva Ram
40. Smt. D. Vijaya Laxmi
41. Dr. V. Sitadevi
42. Shri. K. C. Sheker Reddy
43. Shri G. Radhuveer Singh Thakur
44. Dr. A. Sudhakar Yadav
45. Shri B. Venkatrama Reddy
46. Shri P. Purushottam Reddy
47. Shri M. Manmohan Reddy
48. Smt. K. Shalini Ramesh Kumar
49. Shri Jonna Satyanarayana
50. Ms. Gudluru Venkata Aruna
51. Shri Pogaku Vishweshwer
52. Shri V. Narayana Rao
53. Shri Muppalla Govind Rao
54. Shri Katta Venkateswara Rao
55. Shri Pakkala Suri Babu
56. Shri K. Ramana Venkat
57. Shri B. Vishnu Vardhan Reddy
58. Shri P. Prajoth Reddy

59. Smt. Manorama
60. Dr. (Smt.) Susheela
61. Shri P. Sarath Kumar
62. Smt. Sreemani M.
63. Shri I. Tirumala Rao
64. Smt. Ch. Sobha Rani
65. Smt. Polavaram Kalyani
66. Smt. P. Anjani Devi
67. Shri Boola Prasad Samuel
68. Shri Y. Amarendhar Reddy
69. Shri A. Rajender
70. Shri Dokala Murali
71. Shri Diddi Rambabu
72. Shri S. Harinath Reddy
73. Shri A. Vijay Kumar
74. Smt. Aparajita
75. Shri Sambasiva Rao Alla
76. Shri Jagadish Chandra Prasad
77. Shri Seetha Rama Raju
78. Smt. Namelikanti Suvaranalatha
79. Smt. Kousalya Suram
80. Smt. Deepika Reddy
81. Smt. E. Jaya Laxmi
82. Shri S. Gopal Reddy
83. Smt. Anantha Laxmi
84. Ms. Potta Bharati
85. Shri T. N. Viswambar
86. Smt. B. Vijaya Reddy
87. Shri J. Narsing Rao
88. Shri Potturi Ranga Rao.

[F. No. 809/3/2004-F(C)]

P. P. NAIR, Desk Officer

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 2005

का.आ. 727.—चलचित्र (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 और 8 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के चैन्सलर सलाहकार पैनल को पुनर्गठन करती है तथा निम्नलिखित व्यक्तियों को दो वर्षों की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, तत्काल प्रभाव से उक्त पैनल के सदस्यों के रूप में नियुक्त करती है। यह अधिसूचना इस मंत्रालय के दिनांक 4 फरवरी, 2004 की समसंख्यक अधिसूचना के अधिक्रमण में है।

1. श्री कविंगर
2. श्री राजेम एम. पी. नाथन
3. श्री सी. रत्नासामी

4. श्रीमती एस. कथीजा शीरीन
5. सुश्री एस. जोतिमणि
6. सुश्री ए. गिरिजा
7. श्री रामा नारायणन
8. श्री मुक्ता वी. श्रीनिवासन
9. श्री ए.ए. जिन्नाह
10. श्री त्यागराज
11. श्रीमती एम. सरोजा
12. श्री ई. वी. राजन
13. श्री कायल दिनाकरन
14. श्री सा. गणेशन
15. श्री एस. कन्नाप्पन
16. श्री कू.का. सेल्वम
17. श्री ए. कामराज (नक्कीरन)
18. श्रीमती निर्मला सुरेश
19. सुश्री जयश्री सुन्दर
20. श्री गुना सेखरन
21. प्रो. एम.पी. बालसुब्रमण्यम
22. डॉ. निर्मला सुरेश
23. श्री मू. मेहता
24. श्री पी. वी. कल्याणसुन्दरम
25. श्री अल्लाफ हुसैन
26. प्रो. डॉ. इरोड तमिलनबन
27. श्री एस. अब्दुल रहमान
28. श्री एस. त्यागु
29. श्री के. स्वर्णम
30. श्री आर. श्रीनिवासन
31. श्री पूची एस. मुरुगन
32. श्रीमती वसन्ती स्टेनले
33. डॉ. नल्ली कुप्पुस्वामी चेदिटयार
34. श्रीमती गीता लक्ष्मी
35. श्री पी. एन. राजेन्द्रन
36. श्री वेंकटचलम थायाबन
37. श्री एस. मुथुकृष्णन
38. श्री बी. सेल्वन
39. श्री आर. एल. कन्नन
40. श्री एच. एम. मुस्तफा
41. श्री अरुल अनबरासु
42. श्री ए. एस. टी. जयारमन।

[फा. सं. 809/4/2004-एफ(सी)]

पी. पी. नायर, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th February, 2005

S. O. 727.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rule 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 the Central Government is pleased to reconstitute the Chennai advisory panel of the Central Board of Film Certification and to appoint the following persons as members of the said panel with immediate effect for a period of two years or until further orders, whichever is earlier. This supersedes this Ministry's notification of even number dated 4th February, 2004.

1. Shri Kavingar
2. Shri Rajem M.P. Nathan
3. Shri C. Rathnasamy
4. Smt. S. Katheerja Sheereen
5. Ms. S. Jothimani
6. Ms. A. Girija
7. Shri Rama Narayanan
8. Shri Muktha V. Srinivasan
9. Shri A. A. Jinnah
10. Shri Thiagaraja
11. Smt. M. Saroja
12. Shri E. V. Rajan
13. Shri Kayal Dinakaran
14. Shri Sa. Ganesan
15. Shri S. Kannappan
16. Shri Ku. Ka. Selvam
17. Shri A. Kamraj (Nakkeran)
18. Smt. Nirmala Suresh
19. Ms. Jayashree Sundar
20. Shri Guna Sckaran
21. Prof. M. P. Balasubramanian
22. Dr. Nirmal Suresh
23. Shri Mu. Metha
24. Shri P.V. Kalyansundaram
25. Shri Althaf Hussain
26. Prof. Dr. Erode Tamilanban
27. Shri S. Abdul Rahman
28. Shri S. Thiyaagu
29. Shri K. Swarnam
30. Shri R. Srinivasan
31. Shri Poochi S. Murugan
32. Smt. Vasanthi Stanley
33. Dr. Nalli Kuppuswami Chettiar
34. Mrs. Geetha Lakshmi
35. Shri P.N. Rajendran

36. Shri Venkatachalam Thayanban
37. Shri S. Muthukrishnan
38. Shri B. Selvan
39. Shri R. L. Kannan
40. Shri H. M. Musthafa
41. Shri Arul Anbarasu
42. Shri A.S.T. Jayaraman.

[F. No. 809/4/2004-F(C)]

PP. NAIR, Desk Officer

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

(पी०एम०एस० अनुभाग)

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 2005

का. आ. 728.—दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् के साथ परामर्श करने के पश्चात्, एतद्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

2. डॉ. एम० जी० आर० मेडिकल विश्वविद्यालय, टी. एन. चेन्नई के संबंध में दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I में क्रम सं० 34 के सामने कालम 2 एवं 3 की मौजूदा प्रविष्टियों के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी :

XI. वी०एम०एस० डेंटल कालेज, सेलम

- (i) मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी— एम.डी.एस. (ओरल सर्जरी)
ओरल सर्जरी टी.एन. डॉ. एम.जी.आर. मेडिकल
(यदि 21 अक्टूबर, 2003 को यूनिवर्सिटी, चेन्नई
अथवा उसके पश्चात् प्रदान
की गई हो)
—आर्थोडॉन्टिक्स एम.डी.एस. (आर्थोडॉन्टिक्स)
(यदि 21 अक्टूबर, 2003 को टी.एन. डॉ. एम.जी.आर.
अथवा उसके पश्चात् प्रदान मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई
की गई हो)
—प्रोस्थोडॉन्टिक्स एम.डी.एस. (प्रोस्थोडॉन्टिक्स)
(यदि 21 अक्टूबर, 2003 को टी.एन. डॉ. एम.जी.आर.
अथवा उसके पश्चात् प्रदान मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई
की गई हो)
—पेरिओडॉन्टिक्स एम.डी.एस. (पेरिओडॉन्टिक्स)
(यदि 27 अप्रैल, 2004 को टी.एन. डॉ. एम.जी.आर.
अथवा उसके पश्चात् प्रदान मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई
की गई हो)

[सं० वी०-12017/19/1997-पी०एम०एस०]

ए० के० सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

(P.M.S. SECTION)

New Delhi, the 16th February, 2005

S.O. 728.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with Dental Council of India, hereby makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :— :

2. In the existing entries of column 2 & 3 against Serial No. 34, in Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to Dr. M.G.R. Medical University, T. N. Chennai the following entries shall be inserted thereunder :—

XI. V.M.S. Dental College, Salem**(i) Master of Dental Surgery**

—Oral Surgery	M.D.S. (Oral Surgery) The
(if granted on or after	T.N. Dr. M.G.R. Medical
21st October, 2003)	University, Chennai.
—Orthodontics	M.D.S. (Orthodontics)
(if granted on or after	The T.N. Dr. MGR Medical
21st October, 2003)	University, Chennai.
—Prosthodontics	M.D.S. (Prosthodontics)
(if granted on or after	The T.N. Dr. M.G.R. Medical
21st October, 2003)	University, Chennai.
—Periodontics	M.D.S. (Periodontics) The
(if granted on or after	T.N. Dr. M.G.R. Medical
27th April, 2004)	University, Chennai.

[No. V-12017/19/97-PMS]

A. K. SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 2005

का. आ. 729.—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजन हेतु मिनेसोटा यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. द्वारा प्रदत्त चिकित्सा अर्हता डाक्टर ऑफ मेडिसिन, उक्त अधिनियम की धारा 14 के अधीन एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता है;

और, डा० डी० जॉंग ब्रूस एडवर्ड, अमेरिकी नागरिक, जिनके पास उक्त अर्हता है, ए.एच.एम. ट्रस्ट, अनुराधा क्लिनिक, बी. धर्माथुपट्टी, बोदिनायकानुर (टी.के.) थेनी (जिला) तमिलनाडु—625582 से धर्मार्थ (चैरिटेबल) कार्य हेतु और न कि व्यक्तिगत लाभ हेतु, जुड़े हैं;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) के अनुसरण में, केन्द्र सरकार एतद्वारा विनिर्दिष्ट करती है कि भारत में डा० डी० जॉंग ब्रूस एडवर्ड द्वारा आयुर्विज्ञान की प्रैक्टिस करने की अवधि :—

क. 1 दिसम्बर, 2004 से आगे छह माह की अवधि; अथवा

ख. उस अवधि जिसके दौरान डा० डी० जॉंग ब्रूस एडवर्ड ए.एच.एम. ट्रस्ट, अनुराधा क्लिनिक, बी धर्माथुपट्टी, बोदिनायकानुर

(टी.के.) थेनी (जिला) तमिलनाडु-625582 से जुड़े हैं, इनमें से जो भी कम हो, तक सीमित रहेगी।

[सं० वी.-11016/1/2004-एम०ई० (नीति-I)]

पी० जी० कलाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 2005

S. O. 729.—Whereas medical qualification Doctor of Medicine granted by the University of Minnesota, USA, is a recognized medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) under Section 14 of the said Act;

And whereas Dr. De Jong Bruce Edward, American national, who possess the said qualification is attached to A.H.M. Trust, Anuradha Clinic, B. Dharmathupatti, Bodinayakanur (T.K.) Theni (Dt.) Tamilnadu-625582 for charitable work and not for personal gain;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies that the period of practice of medicine by Dr. De Jong Bruce Edward in India shall be limited to :

- a period of six months from 1st December, 2004 onward; or
- the period during which Dr. De Jong Bruce Edward is attached to A.H.M. Trust, Anuradha Clinic, B. Dharmathupatti, Bodinayakanur (T.K.) Theni (Dt.) Tamilnadu-625582 whichever is shorter.

[No. V-11016/1/2004-ME (Policy-I)]

P. G. KALADHARAN, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 730.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में के.वि.डि.ऐ. से के.वि.ऐ.डि. 1/C तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, राजमुन्द्रि एसस्ट.के.जी. बेसिन, ओ.एन.जी. सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमुन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसे आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची**आर.ओ.यू. पाइप लाइन : के.वी.डी.ए. से के.वि.ऐ.डी.**

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : साखी नेतिपल्ली

जिले : पूर्व गोदावरी

गांव : अंत्वेदि

आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेन्टेयर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
680/2A	0	01	5	0	04
680/2B	0	02	0	0	05
682/1A	0	02	5	0	06
682/1B	0	02	0	0	05
682/1C	0	02	0	0	05
682/2A	0	01	0	0	02
682/2B	0	01	5	0	04
682/2C	0	02	0	0	05
682/1A	0	10	0	0	25
684/3A	0	04	0	0	10
683/1B	0	01	0	0	03
684/3B	0	05	5	0	13
684/3D	0	01	5	0	04
684/3E	0	02	5	0	06
684/4A	0	01	5	0	04
Total	0	40	5	1	01

[सं. ओ-12016/1/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 730.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from KVDA to KVAD1/C in the A.P. state pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land Act), 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G. Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE**ROU Flow Line from KVDA TO KVAD**

State : Andhra Pradesh

Mandal : Sakshinetipalli

District : East Godavari

Village : Antervedi

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
680/2A	0	01	5	0	04
680/2B	0	02	0	0	05
682/1A	0	02	5	0	06
682/1B	0	02	0	0	05
682/1C	0	02	0	0	05
682/2A	0	01	0	0	02
682/2B	0	01	5	0	04
682/2C	0	02	0	0	05
682/1A	0	10	0	0	25
684/3A	0	04	0	0	10
683/1B	0	01	0	0	03
684/3B	0	05	5	0	13
684/3D	0	01	5	0	04
684/3E	0	02	5	0	06
684/4A	0	01	5	0	04
Total	0	40	5	1	01

[No. O-12016/1/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 731.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में के.वी.ऐ.डी. से मोरी ई.पी.एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है;

वशातः कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, राजमुन्द्रि एस&के.जी.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमुन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

अनुसूची					
आर.ओ.यू. पाइप लाइन : के.वी.ए.डी. से मोरी ई.पी.एस					
राज्य : आन्ध्र प्रदेश			मंडल : सखिनेतिपल्लि		
जिला : पूरब गोदावरी			गांव : अंतर्वेदि		
आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टेयर्स	एक्रर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
668/1B	0	01	5	0	04 ½
668/6C	0	05	0	0	12
668/2B	0	02	0	0	05
668/3B	0	03	5	0	09
668/4B	0	01	0	0	03
668/5B	0	01	5	0	04
668/6B	0	01	0	0	03
668/10B/1	0	01	5	0	04
668/10B/2	0	01	5	0	04 ½
668/10C	0	03	5	0	07
668/14B	0	05	0	0	12
668/14C	0	09	5	0	24
667/1PT	0	02	5	0	07 ½
667/3	0	01	0	0	02
667/2	0	03	0	0	07 ½
667/4	0	02	5	0	06
667/5	0	02	0	0	04 ½
667/6	0	02	5	0	06
667/7	0	05	5	0	13
667/8	0	03	0	0	07
667/9	0	03	0	0	07
667/11	0	02	0	0	05
667/19	0	06	0	0	15
667/10	0	03	5	0	07 ½
667/12	0	01	5	0	04
667/13	0	01	5	0	04
667/18	0	01	0	0	03
667/17	0	01	0	0	03
667/14	0	02	0	0	04 ½
667/16	0	03	0	0	07
667/15	0	02	0	0	04 ½
667/20	0	01	0	0	02
667/21	0	02	0	0	06
TOTAL	0	88	0	2	18
539/1B	0	01	5	0	04 ½
539/1C	0	01	5	0	04
539/1D	0	02	0	0	05
539/1E	0	01	5	0	04
539/1F	0	00	5	0	01
539/4E	0	03	0	0	07

1	2	3	4	5	6
539/4C	0	05	0	0	11 ½
540/4B	0	02	0	0	05
539/4D	0	05	5	0	13
540/4C	0	01	5	0	04
539/4E	0	02	5	0	05 ½
540/1B	0	02	5	0	05 ½
540/7B	0	02	0	0	05
540/1C	0	02	0	0	05
540/1E	0	01	5	0	04
540/1D	0	02	0	0	05
540/3B	0	02	5	0	06
540/6B	0	02	0	0	05
540/8C	0	02	0	0	05
540/3C	0	02	0	0	05
540/8B	0	01	5	0	04 ½
542/6B	0	02	0	0	05
542/6C	0	03	5	0	09
542/6D, 7A	0	02	0	0	04 ½
542/7C, 10B	0	03	5	0	07 ½
542/7B	0	02	0	0	05
553/1A2	0	08	0	0	20
553/2A2	0	07	5	0	17 ½
553/1A2	0	07	5	0	18
554/1A2	0	04	5	0	11 ½
554/1A3	0	04	5	0	11 ½
554/2B	0	05	5	0	13
554/2C	0	05	5	0	14
557/3A/H	0	04	0	0	10
557/3A/G	0	03	0	0	08
554/2D	0	02	5	0	06 ½
556/3B	0	03	0	0	08
556/3C	0	06	5	0	15
557/3A	0	01	0	0	03
557/3A, 1E	0	04	0	0	10
557/3AH	0	03	5	0	09 ½
557/3AC	0	03	0	0	07 ½
557/3A/B	0	05	0	0	12
558/2	0	02	0	0	02 ½
558/3	0	00	5	0	00 ½
570/2C	0	07	0	0	18
558/4	0	02	0	0	05
570/1D	0	03	5	0	07 ½
570/2b	0	06	0	0	15
570/3b	0	09	5	0	23
558/5	0	02	5	0	06
569/1bp	0	05	5	0	14

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
569/1c	0	04	5	0	11	393/2D,3A	0	03	5	0	09
570/1b pt	0	04	5	0	11	393/2B	0	03	5	0	09 ½
502/5B	0	04	5	0	11	499/10	0	00	5	0	00 ½
570/1C	0	03	0	0	07 ½	393/1A	0	01	0	0	02
502/1C	0	01	5	0	04	392/5A	0	03	0	0	07 ½
502/1B	0	02	0	0	05	392/5C	0	04	5	0	11
502/1D	0	04	0	0	10	392/5L	0	04	0	0	10
392/51	0	05	5	0	13	392/5B	0	07	5	0	19
502/1A	0	16	0	0	39	392/5D	0	02	5	0	06
500/2A	0	01	0	0	02	392/5F	0	03	0	0	07
498/20D	0	03	0	0	07	392/5G	0	03	0	0	07
500/2B	0	01	0	0	03	392/5J	0	02	5	0	06
494/11 PT	0	00	5	0	01	392/5K	0	03	5	0	07 ½
494/12 PT	0	09	5	0	24	390/1B	0	01	0	0	02
392/5E	0	03	5	0	09	390/2A	0	04	0	0	10
500/2C	0	02	5	0	06	390/5B	0	01	5	0	04
500/2D	0	02	5	0	06	390/5C	0	02	0	0	05
500/2E	0	01	0	0	02	390/6B	0	01	0	0	03
499/3B	0	03	0	0	07	390/4C	0	01	0	0	03
499/3A	0	01	0	0	02	390/9A	0	08	0	0	20
499/9PT	0	01	5	0	04	390/9B	0	06	0	0	15
499/8PT	0	04	0	0	10	390/4B	0	01	0	0	03
393/1B	0	03	5	0	09	390/4D	0	01	0	0	03
393/2A	0	04	5	0	11	420/PT	0	31	0	0	76
499/7	0	01	0	0	02	Total	4	42	5	10	92 ½
499/4C	0	04	0	0	10	[सं. ओ-12016/2/2005-ओ एन जी डी-IV]					
499/4D PT	0	01	0	0	03	एन. सी. जाखूप, अवर सचिव					
499/12	0	04	0	0	10	New Delhi, the 23rd February, 2005					
499/13	0	00	5	0	01	S.O. 731. —Whereas it appears to the Central					
399/2C	0	01	5	0	02 ½	Government that is necessary in the public interest that					
399/3B	0	16	0	0	40	for the transport of petroleum from KVAD to MORI EPS in					
399/5A	0	02	5	0	06	the A.P. state pipeline should be laid by the Oil & Natural					
399/4A	0	07	0	0	17	Gas Corporation Ltd.					
392/5H	0	09	5	0	22 ½	And Whereas it appears that for the purpose of					
499/4B	0	05	5	0	14	laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of					
499/11PT	0	04	0	0	10	user in the land described in the schedule annexed here-					
498/20D	0	03	0	0	07	to :					
498/20B	0	02	5	0	06	Now Therefore, in exercise of the powers conferred					
495/7 PT	0	09	5	0	24	by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and					
495/15 PT	0	03	0	0	08	Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users) in the					
356/1A	0	00	5	0	01	land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby					
498/20A	0	02	5	0	06	declares it's intention to acquire the right of user therein :					
495/6	0	00	5	0	02	Provided that any person interested in the said land					
495/14	0	00	5	0	00 ½	may object within 21 days from the date of this notification,					
357/1A	0	01	5	0	04	to laying the pipeline under the land to the Competent					
390/8B	0	01	0	0	03	Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd.,					
						Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base					
						Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.					

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM: KVAID TO MORI EPS

State : Andhra Pradesh Mandal : Sakshinetipalli

District : East Godavari Village : Antervedi

R.S. No.	Hectares	Areas	Centi Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
668/1B	0	01	5	0	04 ½
668/6C	0	05	0	0	12
668/2B	0	02	0	0	05
668/3B	0	03	5	0	09
668/4B	0	01	0	0	03
668/5B	0	01	5	0	04
668/6B	0	01	0	0	03
668/10B/1	0	01	5	0	04
668/10B/2	0	01	5	0	04 ½
668/10C	0	03	5	0	07
668/14B	0	05	0	0	12
668/14C	0	09	5	0	24
667/1PT	0	02	5	0	07 ½
667/3	0	01	0	0	02
667/2	0	03	0	0	07 ½
667/4	0	02	5	0	06
667/5	0	02	0	0	04 ½
667/6	0	02	5	0	06
667/7	0	05	5	0	13
667/8	0	03	0	0	07
667/9	0	03	0	0	07
667/11	0	02	0	0	05
667/12	0	06	0	0	15
667/10	0	03	5	0	07 ½
667/12	0	01	5	0	04
667/13	0	01	5	0	04
667/18	0	01	0	0	03
667/17	0	01	0	0	03
667/14	0	02	0	0	04 ½
667/16	0	03	0	0	07
667/15	0	02	0	0	04 ½
667/20	0	01	0	0	02
667/21	0	02	0	0	06
TOTAL	0	88	0	2	18

Village : Kesavadusupalem

539/1B	0	01	5	0	04 ½
539/1C	0	01	5	0	04
539/1D	0	02	0	0	05

1	2	3	4	5	6
539/1E	0	01	5	0	04
539/1F	0	00	5	0	01
539/4E	0	03	0	0	07
539/4C	0	05	0	0	11 ½
540/4B	0	02	0	0	05
539/4D	0	05	5	0	13
540/4C	0	01	5	0	04
539/4E	0	02	5	0	05 ½
540/1B	0	02	5	0	06
540/7B	0	02	0	0	05
540/1C	0	02	0	0	05
540/1E	0	02	5	0	04
540/1D	0	02	0	0	05
540/3B	0	02	5	0	06
540/6B	0	02	0	0	05
540/8C	0	02	0	0	05
540/3C	0	02	0	0	05
540/8B	0	01	5	0	04 ½
542/6B	0	02	0	0	05
542/6C	0	03	5	0	09
542/6D,7A	0	02	0	0	04 ½
542/7C,10B	0	03	5	0	07 ½
542/7B	0	02	0	0	05
553/1A2	0	08	0	0	20
553/2A2	0	07	5	0	17 ½
553/1A2	0	07	5	0	18
554/1A2	0	04	5	0	11 ½
554/1A3	0	04	5	0	11 ½
554/2B	0	05	5	0	13
554/2C	0	05	5	0	14
557/3A/H	0	04	0	0	10
557/3A/G	0	03	0	0	08
554/2D	0	02	5	0	06 ½
556/3B	0	03	0	0	08
556/3C	0	06	5	0	15
557/3A	0	01	0	0	03
557/3A,1E	0	04	0	0	10
557/3AH	0	03	5	0	09 ½
557/3AC	0	03	0	0	07 ½
557/3A/B	0	05	0	0	12
558/2	0	02	0	0	02 ½
558/3	0	00	5	0	00 ½
570/2C	0	07	0	0	18
558/4	0	02	0	0	05
570/1D	0	03	5	0	07 ½
570/2b	0	06	0	0	15

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
570/3b	0	09	5	0	23	357/1A	0	01	5	0	04
558/5	0	02	5	0	06	390/8B	0	01	0	0	03
569/1bp	0	05	5	0	14	393/2D,3A	0	03	5	0	09
569/1c	0	04	5	0	11	393/2B	0	03	5	0	09 ½
570/1b pt	0	04	5	0	11	499/10	0	00	5	0	00 ½
502/5B	0	04	5	0	11	393/1A	0	01	0	0	02
570/1C	0	03	0	0	07 ½	392/5A	0	03	0	0	07 ½
502/1C	0	01	5	0	04	392/5C	0	04	5	0	11
502/1B	0	02	0	0	05	392/5L	0	04	0	0	10
502/1D	0	04	0	0	10	392/5B	0	07	5	0	19
392/51	0	05	5	0	13	392/5D	0	02	5	0	06
502/1A	0	16	0	0	39	392/5F	0	03	0	0	07
500/2A	0	01	0	0	02	392/5G	0	03	0	0	07
498/20D	0	03	0	0	07	392/5J	0	02	5	0	06
500/2B	0	01	0	0	03	392/5K	0	03	5	0	07 ½
494/11 PT	0	00	5	0	01	390/1B	0	01	0	0	02
494/12 PT	0	09	5	0	24	390/2A	0	04	0	0	10
392/5E	0	03	5	0	09	390/5B	0	01	5	0	04
500/2C	0	02	5	0	06	390/5C	0	02	0	0	05
500/2D	0	02	5	0	06	390/6B	0	01	0	0	03
500/2E	0	01	0	0	02	390/4C	0	01	0	0	03
499/3B	0	03	0	0	07	390/9A	0	08	0	0	20
499/3A	0	01	0	0	02	390/9B	0	06	0	0	15
499/9PT	0	01	5	0	04	390/4B	0	01	0	0	03
499/8PT	0	04	0	0	10	390/4D	0	01	0	0	03
393/1B	0	03	5	0	09	420/PT	0	31	0	0	76
393/2A	0	04	5	0	11	TOTAL	4	42	5	10	92 ½
499/7	0	01	0	0	02	[No. O-12016/2/2005-ONGD-IV]					
499/4C	0	04	0	0	10	N. C. ZAKHUP, Under Secy.					
499/4D PT	0	01	0	0	03	नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005					
499/12	0	04	0	0	10	का.आ. 732.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि					
499/13	0	00	5	0	01	लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में मंडपेटा-22 से					
399/2C	0	01	5	0	02 ½	मंडपेटा-11 आई/सी से मंडपेटा-16 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये					
399/3B	0	16	0	0	40	पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;					
399/5A	0	02	5	0	06	और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के					
399/4A	0	07	0	0	17	प्रयोजन के लिए एतद् आबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का					
392/5H	0	09	5	0	22 ½	अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;					
499/4B	0	05	5	0	14	अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग					
499/11PT	0	04	0	0	10	के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3					
498/20D	0	03	0	0	07	की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय					
498/20B	0	02	5	0	06	सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय					
495/7 PT	0	09	5	0	24	एतद्द्वारा घोषित किया है ;					
495/15 PT	0	03	0	0	08	बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे					
356/1A	0	00	5	0	01	पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक					
498/20A	0	02	5	0	06	गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजामुन्द्री एसट/के.जी.बेसिन,					
495/6	0	00	5	0	02	ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरि भवन, राजामुन्द्री, आन्ध्र प्रदेश					
495/14	(00	5	0	00 ½	अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।					

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : मंडपेटा 22 से मंडपेटा-11 आई/सी से मंडपेटा-16

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : मंडपेटा

जिले : पूर्व गोदावरी

गांव : अंगरा

आर. एस. नं.	हेक्टेयर	एर्स	सेन्टेएर्स	एकर्स	सेंट्स
1	2	3	4	5	6
153/1Pt	0	01	0	0	03
154/2Pt	0	02	5	0	06
155/5Pt	0	03	5	0	09
155/6Pt	0	08	0	0	20
155/6B	0	05	0	0	12
155/7Pt	0	04	0	0	10
155/8Pt	0	02	5	0	05
155/9Pt	0	04	0	0	10
155/10Pt	0	06	0	0	15
176/2A	0	03	5	0	09
200/1	0	24	5	0	60
197/1A	0	06	0	0	15
197/1B	0	05	5	0	14
197/2A	0	05	5	0	14
176/3	0	26	0	0	64
177/2	0	11	5	0	29
183/2A	0	09	5	0	23
Total	1	28	5	3	18

[सं. ओ-12016/3/2005-ओ.एन.जी.डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 732.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from "MANDAPETA-22 TO MANDAPETA-11 I/C TO MANDAPETA-16" in the A.P. state pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification,

to laying the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM MANDAPETA-22 TO MANDAPETA 11 I/C TO MANDAPETA-16

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mandapeta

District : East Godavari

Village : Angara

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
153/1Pt	0	01	0	0	03
154/2Pt	0	02	5	0	06
155/5Pt	0	03	5	0	09
155/6Pt	0	08	0	0	20
155/6B	0	05	0	0	12
155/7Pt	0	04	0	0	10
155/8Pt	0	02	5	0	05
155/9Pt	0	04	0	0	10
155/10Pt	0	06	0	0	15
176/2A	0	03	5	0	09
200/1	0	24	5	0	60
197/1A	0	06	0	0	15
197/1B	0	05	5	0	14
197/2A	0	05	5	0	14
176/3	0	26	0	0	64
177/2	0	11	5	0	29
183/2A	0	09	5	0	23
Total	1	28	5	3	18

[No. O.-12016/3/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 733.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में के.वि.ऐ.सि. से के.वि.ऐ.ऐ. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तैल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् आबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है;

बशर्त कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तैल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजाहमुन्द्रि एसट/के.जी.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजाहमुन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : के.वि.ए.सि. से के.वि.ए.ए.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : सकिनेटिपल्लि

जिला : पूर्व गोदावरी

गांव : अंतर्वेदि

आर. एस. नं.	हेक्टेयरस	एर्स	सेन्टीएर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
887/1A2 pts	0	05	0	0	12
887/1B Pt	0	08	0	0	20
884/P	0	01	0	0	02 ½
883/P	0	01	0	0	02
849/2 Pt	0	03	0	0	07 ½
849/3 Pt	0	01	0	0	03 ½
847/1	0	05	5	0	13
849/9 Pt, 3 Pt	0	01	0	0	02
849/9Pt	0	03	0	0	07
849/10 Pt	0	01	5	0	04
849/10Bpt	0	00	5	0	01
849/13 Pt	0	01	5	0	04
849/17F	0	01	0	0	03
849/14 pt	0	03	0	0	07
849/17C	0	01	0	0	02
849/15	0	08	0	0	20
849/17 pt	0	01	0	0	03
849/17Bpt	0	00	5	0	01 ½
849/17E	0	00	5	0	01
849/17D	0	01	0	0	03
850/5B	0	10	0	0	25
581/1A	0	03	0	0	08 ½
848/1A	0	03	0	0	07
848/1B1	0	01	5	0	04
851/1B	0	03	5	0	09 ½
848/1B2	0	02	0	0	05
848/3pt	0	07	5	0	19
847/6	0	02	0	0	05
847/2	0	04	0	0	10 ½
847/3	0	03	0	0	07 ½
847/5	0	04	0	0	10 ½
847/4	0	02	0	0	05
847/7	0	05	0	0	12
847/8	0	04	5	0	11 ½
846/1A1	0	02	0	0	05
846/1A2A	0	02	0	0	05
846/1A2pt	0	10	0	0	25
846/1B1pt	0	03	0	0	08 ½

1	2	3	4	5	6
846/1B3	0	07	5	0	19
846/1B4	0	03	5	0	09
728/1	0	11	5	0	29 ½
728/2	0	07	5	0	19 ½
727/1A	0	10	5	0	26 ½
725/6C	0	01	0	0	03 ½
727/1B	0	03	0	0	08
727/1C	0	03	0	0	07
726/3	0	04	5	0	11
726/4A	0	03	5	0	09
726/4Bpt	0	03	0	0	08
726/12	0	01	5	0	04 ½
726/14	0	01	5	0	04
726/15,18,19	0	04	0	0	10
725/2A	0	05	0	0	14
725/1A	0	03	5	0	09
725/6B	0	07	5	0	18
725/6A	0	02	0	0	05 ½
749/1A	0	05	0	0	12
749/1B	0	02	5	0	06
749/1C	0	02	5	0	06
749/1D	0	02	5	0	06 ½
749/1E	0	02	5	0	06 ½
749/1F	0	06	0	0	15 ½
Total	2	24	5	5	70

[सं. ओ-12016/4/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 733.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from KVAC to KVAA in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin. Godavari Bhavan. Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM KVA C TO KVA A

State : Andhra Pradesh

Mandal : Sakshinetipalli

District : East Godavari

Village : Antervedi

R.S. No.	Hectares	Ares	Centi	Ares Acres	Cents
887/1 A2 pts	0	05	0	0	12
887/1B Pt	0	08	0	0	20
884/P	0	01	0	0	02 ½
883/P	0	01	0	0	02
849/2 Pt	0	03	0	0	07 ½
849/3 Pt	0	01	0	0	03 ½
847/1	0	05	5	0	13
849/9 Pt, 3 Pt	0	01	0	0	02
849/9Pt	0	03	0	0	07
849/10 Pt	0	01	5	0	04
849/10Bpt	0	00	5	0	01
849/13 Pt	0	01	5	0	04
849/17F	0	01	0	0	03
849/14 pt	0	03	0	0	07
849/17C	0	01	0	0	02
849/15	0	08	0	0	20
849/17 pt	0	01	0	0	03
849/17Bpt	0	00	5	0	01 ½
849/17 E	0	00	5	0	01
849/17D	0	01	0	0	03
850/5B	0	10	0	0	25
581/1A	0	03	0	0	08 ½
848/1A	0	03	0	0	07
848/1B1	0	01	5	0	04
851/1B	0	03	5	0	09 ½
848/1B2	0	02	0	0	05
848/3pt	0	07	5	0	19
847/6	0	02	0	0	05
847/2	0	04	0	0	10 ½
847/3	0	03	0	0	07 ½
847/5	0	04	0	0	10 ½
847/4	0	02	0	0	05
847/7	0	05	0	0	12
847/8	0	04	5	0	11 ½
846/1A1	0	02	0	0	05
846/1A2A	0	02	0	0	05
846/1A2pt	0	10	0	0	25
846/1B1pt	0	03	0	0	08 ½
846/1B3	0	07	5	0	19
846/1B4	0	03	5	0	09
728/1	0	11	5	0	29 ½

1	2	3	4	5	6
728/2	0	07	5	0	19 ½
727/1A	0	10	5	0	26 ½
725/6C	0	01	0	0	03 ½
727/1B	0	03	0	0	08
727/1C	0	03	0	0	07
726/3	0	04	5	0	11
726/4A	0	03	5	0	09
726/4Bpt	0	03	0	0	08
726/12	0	01	5	0	04 ½
726/14	0	01	5	0	04
726/15,18,19	0	04	0	0	10
725/2A	0	05	0	0	14
725/1A	0	03	5	0	09
725/6B	0	07	5	0	18
725/6A	0	02	0	0	05 ½
749/1A	0	05	0	0	12
749/1B	0	02	5	0	06
749/1C	0	02	5	0	06
749/1D	0	02	5	0	06 ½
749/1E	0	02	5	0	06 ½
749/1F	0	06	0	0	15 ½
Total	2	24	5	5	70

[No. O.-12016/4/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 734.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह आवश्यक प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में पी.एस.ऐ.ओ से पार्श्वलपूडी 12½ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के.जी.प्रोजेक्ट, राजामुंद्री-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाईपलाइन : पि.एस.ए.ओ. से पाशर्लपूडी 12 ½

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : मामिडिरू

जिले : पूरब गोदावरी

गांव : पाशर्लपूडी

आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टेयर्स	एकर्स	सेन्ट्स
401/2D	0	00	5	0	01
401/2F	0	01	5	0	03.5
401/4C	0	03	0	0	07
401/5B	0	02	0	0	05
401/6I	0	03	5	0	07.5
Total	0	10	5	0	24

[सं. ओ-12016/5/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 734.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from PSAO to Paslapudi 12 ½ in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of Users in the Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., K. P. project, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM PSAO TO PASARLAPUDI
12 I/C

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mamidikuduru

District : East Godavari

Village : Pasarlappudi

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
401/2D	0	00	5	0	01
401/2F	0	01	5	0	03.5
401/4C	0	03	0	0	07
401/5B	0	02	0	0	05
401/6I	0	03	5	0	07.5
Total	0	10	5	0	24

[No. O.-12016/5/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 735.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह आवश्यक प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में पि.एस.ए.के से एनुगुपल्लि-2 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के.जी. प्रोजेक्ट, राजामुंद्री-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाईपलाइन : पि.स.ए.के से एनुगुपल्लि

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : मामिडिकुदुरु

जिले : पूरब गोदावरी

गांव : पाशर्लपूडी

आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टेयर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
115/3B1	0	06	0	0	15
115/3A1	0	16	0	0	39
115/1A	0	05	5	0	14
36/1B	0	04	0	0	10
35/5	0	03	0	0	08
35/6	0	03	0	0	08
35/4	0	03	5	0	09
35/3	0	04	0	0	10
35/1	0	04	5	0	11
35/2	0	04	5	0	11
33/1C	0	04	5	0	11
33/1D	0	03	0	0	08
33/1B	0	05	0	0	12
32/1C	0	08	5	0	21
32/1A	0	04	5	0	11
32/1B	0	07	5	0	19
32/1A	0	04	0	0	10
25/2pt	0	01	5	0	04
25/1A	0	17	0	0	42
10/1A-2A	0	03	0	0	07

1	2	3	4	5	6
10/8A	0	01	5	0	04
16/1A,2A	0	03	0	0	07
16/8A;18/1	0	01	5	0	04
16/1A,2A,7A	0	03	0	0	07
18/1	0	01	5	0	04
18/1A,2A,8A	0	03	0	0	07
18/8pt	0	01	5	0	04
16/1a,2a	0	03	0	0	07
18/1	0	01	5	0	04
Total	1	32	0	3	28

[सं. ओ-12016/6/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 735.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from PSAK to Enugupalli-2 in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of Users in the Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., K. P. Project, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE**ROU FLOW LINE FROM PSAK TO ENUGUPALLI-2**

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mamidikuduru

District : East Godavari

Village : Pasarlapudi

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
115/3B1	0	06	0	0	15
115/3A1	0	16	0	0	39
115/1A	0	05	5	0	14
36/1B	0	04	0	0	10
35/5	0	03	0	0	08
35/6	0	03	0	0	08
35/4	0	03	5	0	09
35/3	0	04	0	0	10

1	2	3	4	5	6
35/1	0	04	5	0	11
35/2	0	04	5	0	11
33/1C	0	04	5	0	11
33/1D	0	03	0	0	08
33/1B	0	05	0	0	12
32/1C	0	08	5	0	21
32/1A	0	04	5	0	11
32/1B	0	07	5	0	19
32/1A	0	04	0	0	10
25/2pt	0	01	5	0	04
25/1A	0	17	0	0	42
10/1A-2A	0	03	0	0	07
10/8A	0	01	5	0	04
16/1A,2A	0	03	0	0	07
16/8A;18/1	0	01	5	0	04
16/1A,2A,7A	0	03	0	0	07
18/1	0	01	5	0	04
18/1A,2A,8A	0	03	0	0	07
18/8pt	0	01	5	0	04
16/1a,2a	0	03	0	0	07
18/1	0	01	5	0	04
Total	1	32	0	3	28

[No. O.-12016/6/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 736.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में पी.एस.ऐ.एल से पासल्लपूदी-8 ई.पी.एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्रि एस&के.जि.बसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाईपलाइन : पि.यस.ए.यल से पार्शलपूडि

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : अल्लवरम

जिले : पूर्व गोदावरी

गांव : गुदाला

आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेन्टेयर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
188/2A	0	01	0	0	02
188/2B	0	04	5	0	11
188/2C	0	03	0	0	07
285/1D	0	00	5	0	005
285/1C	0	10	0	0	25
285/1B	0	11	0	0	27
285/1A	0	06	5	0	16
283/1P	0	01	0	0	03
280/3A	0	01	0	0	03
280/3B	0	02	5	0	06
280/4P	0	03	0	0	08
280/5P	0	01	0	0	03
280/6P	0	04	0	0	10
280/8P	0	01	0	0	03
280/7P	0	09	5	0	23
274/9P	0	09	5	0	23
274/8P	0	13	0	0	32
272/1P	0	14	0	0	35
255/4P	0	05	5	0	13
255/6P	0	07	0	0	18
255/1P	0	02	0	0	05
254/1P	0	02	0	0	05
254/2P	0	01	5	0	04
254/3P	0	00	5	0	01
257/8AP	0	01	5	0	04
257/8BP	0	00	5	0	01
246/3B	0	01	5	0	04
246/3A	0	02	5	0	07
254/5P	0	00	5	0	005
246/3B	0	01	5	0	04
246/4P	0	01	0	0	015
246/1B	0	01	0	0	02
246/1A	0	11	5	0	29
246/2AP	0	05	0	0	12
246/5AP	0	02	0	0	05
244/9P	0	06	5	0	16
244/8P	0	06	0	0	15
264/4C1	0	01	0	0	03
264/4C2	0	03	0	0	08
Total	1	59	5	3	98 ½

गांव : अल्लवरम

1	2	3	4	5	6
00/0	0	20	0	0	64
87/2P	0	04	0	0	10
87/3A	0	02	5	0	06
87/1A	0	01	5	0	04
88/4	0	09	5	0	24
Total	0	43	5	1	08

गांव : बोदसकुरु

311/4P	0	26	0	0	63
311/3P	0	13	5	0	33
311/2P	0	01	0	0	02
310/3A	0	01	0	0	03
310/2P	0	01	0	0	03
313/2B	0	08	0	0	19
313/2A	0	16	0	0	39
313/1P	0	08	5	0	21
304/4A2P	0	09	0	0	22
304/2P	0	08	0	0	20
307/7D	0	06	5	0	16
303/7C	0	04	5	0	11
303/7A	0	01	0	0	03
303/7B	0	02	0	0	05
302/8B	0	04	5	0	11
302/8A	0	03	0	0	08
302/10P	0	02	5	0	08
302/7B	0	06	0	0	15
302/6P	0	00	5	0	01
Total	1	22	5	3	01

[सं. ओ-12016/7/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 736.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from PSAL to PASARLAPUDI-8 in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of right of Users in the

land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., RAJAHMUNDY ASSET/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM PSAL TO PASARLAPUDI#8

State : Andhra Pradesh Mandal : Allavaram

District : East Godavari Village : Guda'a

R.S. No.	Hectares	Ares	Centures	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
188/2A	0	01	0	0	02
188/2B	0	04	5	0	11
188/2C	0	03	0	0	07
285/1D	0	00	5	0	005
285/1C	0	10	0	0	25
285/1B	0	11	0	0	27
285/1A	0	06	5	0	16
283/1P	0	01	0	0	03
280/3A	0	01	0	0	03
280/3B	0	02	5	0	06
280/4P	0	03	0	0	08
280/5P	0	01	0	0	03
280/6P	0	04	0	0	10
280/8P	0	01	0	0	03
280/7P	0	09	5	0	23
274/9P	0	09	5	0	23
274/8P	0	13	0	0	32
272/1P	0	14	0	0	35
255/4P	0	05	5	0	13
255/6P	0	07	0	0	18
255/1P	0	02	0	0	05
254/1P	0	02	0	0	05
254/2P	0	01	5	0	04
254/3P	0	00	5	0	01
257/8AP	0	01	5	0	04
257/8BP	0	00	5	0	01
246/3B	0	01	5	0	04
246/3A	0	02	5	0	07
254/5P	0	00	5	0	005
246/3B	0	01	5	0	04

1	2	3	4	5	6
246/4P	0	01	0	0	015
246/1B	0	01	0	0	02
246/1A	0	11	5	0	29
246/2AP	0	05	0	0	12
246/5AP	0	02	0	0	05
244/9P	0	06	5	0	16
244/8P	0	06	0	0	15
264/4C1	0	01	0	0	03
264/4C2	0	03	0	0	08
Total	1	59	5	3	95 ½

Village : Allavaram

1	2	3	4	5	6
83/3	0	26	0	0	64
87/2P	0	04	0	0	10
87/3A	0	02	5	0	06
87/1A	0	01	5	0	04
88/4	0	09	5	0	24
Total	0	43	5	1	08

Village : Bodarakurru

1	2	3	4	5	6
311/4P	0	26	0	0	63
311/3P	0	13	5	0	33
311/2P	0	01	0	0	02
310/3A	0	01	0	0	03
310/2P	0	01	0	0	03
313/2B	0	08	0	0	19
313/2A	0	16	0	0	39
313/1P	0	08	5	0	21
304/4A2P	0	09	0	0	22
304/2P	0	08	0	0	20
307/7D	0	06	5	0	16
303/7C	0	04	5	0	11
303/7A	0	01	0	0	03
303/7B	0	02	0	0	05
302/8B	0	04	5	0	11
302/8A	0	03	0	0	08
302/10P	0	02	5	0	06
302/7B	0	06	0	0	15
302/6P	0	00	5	0	01
Total	1	22	5	3	01

[No. O-12016/7/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 737.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में पासल्लपूदी 27 से पासल्लपूदी 1 I/C ई.पी.एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, राजामुन्दरी एसट/के.जी.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : पासल्लपूदी 27 से पासल्लपूदी 1 I/C

राज्य : आन्ध्र प्रदेश मण्डल : मामिडिकुदुरु

जिला : पूर्व गोदावरी गांव : पासल्लपूदी

आर. एस. नं.	हेक्ट.	एर्स	सेन्टेएर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
101/1B	0	06	0	0	15
140/3B	0	14	0	0	35
140/2B	0	08	0	0	20
140/1B, 4B	0	08	0	0	20
141/1F2	0	02	5	0	08
139/2	0	01	5	0	04
138/3B2	0	08	5	0	21
141/1D2	0	06	5	0	16
141/1E2	0	05	5	0	14
Total	0	60	5	1	51

[सं. ओ-12016/8/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 737.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pasarlapudi-27 to Pasarlapudi-1 I/C in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in

the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G. Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM : PASARLAPUDI 27 TO PASARLAPUDI 1I/c

State : Andhra Pradesh Mandal : Mamidikuduru
District : East Godavari Village : Pasarlapudi

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
101/1B	0	06	0	0	15
140/3B	0	14	0	0	35
140/2B	0	08	0	0	20
140/1B, 4B	0	08	0	0	20
141/1F2	0	02	5	0	06
139/2	0	01	5	0	04
138/3B2	0	08	5	0	21
141/1D2	0	06	5	0	16
141/1E2	0	05	5	0	14
Total	0	60	5	1	51

[No. O.-12016/8/2005-ONGD-IV]

N C ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 738—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में केसनपल्ली (i)6 से केसनपल्ली (i)2 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, राजमुन्दरी एसट/

के.जी.बेसिन,ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमुन्दरी, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : केसनपल्लि (पश्चिम) 6 से
केसनपल्लि (पश्चिम) II

राज्य : आन्ध्र प्रदेश		मंडल : मलिकिपुरम			
जिला : पूर्व गोदावरी		गांव : गोगन्नमटम सिवरु कखका			
आर. एस. नं.	हेक्टेर्स	एअर्स	सेन्टेएर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
146/2	0	06	5	0	16
147/1B	0	25	0	0	62
447/1C	0	12	0	0	30
447/1D	0	07	0	0	17
450/5B	0	04	5	0	11
Total	0	55	0	1	36

गांव : केसनपल्लि सिवरु गोल्ल पालेम

568/2C1	0	04	0	0	10
568/2D3	0	04	0	0	10
568/2C2	0	01	5	0	04
56/2D1	0	01	5	0	04
568/2D2	0	07	0	0	17
568/2D4	0	03	0	0	08
568/2EP	0	12	5	0	31
Total	0	33	5	0	84

[सं. ओ-12016/9/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 738.—Whereas it appears to the Central Government that is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kesanapalli (W) 6 to Kesanapalli (W) 2 in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wish to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

**ROU FLOW LINE FROM : KESANAPALLI (W) 6 TO
KESANAPALLI (W) 2**

State : Andhra Pradesh Mandal : Malikipuram
District : East Godavari Village : Gollapalem
H/o Kesanapalli

R.S. No.	Hectares	Ares	Centuares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
568/2C1	0	04	0	0	10
568/2D3	0	04	0	0	10
568/2C2	0	01	5	0	04
56/2D1	0	01	5	0	04
568/2D2	0	07	0	0	17
568/2D4	0	03	0	0	08
568/2EP	0	12	5	0	31
Total	0	33	5	0	84

Village : Karawaka H/o Gogannamatham

146/2	0	06	5	0	16
147/1B	0	25	0	0	62
447/1C	0	12	0	0	30
447/D	0	07	0	0	17
450/5B	0	04	5	0	11
Total	0	55	0	1	36

[No. O.-12016/9/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 739.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में कैकुलूरु 12 से कैकुलूरु 11 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, राजमहेन्द्र, एस&के.जि.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची					
आर.ओ.यु. पाईप लाईन : कैकुलूर - 12 से कैकुलूर-11					
राज्य : आन्ध्र प्रदेश					
मंडल : कैकुलूर					
जिला : कृष्ण					
गांव : राचपटनम					
आर. एस. नं.	हेक्टेर्स	एस	सेन्टेएस	एकड़	सेन्टस
1	2	3	4	5	6
269/1B2C	0	03	0	0	08
269/1B2B	0	02	0	0	05
29/1B1	0	06	5	0	16
287/3B	0	06	0	0	15
298/1E2	0	03	0	0	08
298/1E3	0	14	0	0	35
288/3E	0	01	0	0	02 1/2
298/1E1	0	05	5	0	14
298/1Dp	0	03	0	0	08
288/3D	0	01	5	0	04
298/1C	0	00	5	0	00 1/2
288/3C2	0	03	0	0	07 1/2
288/3C1	0	03	0	0	07 1/2
288/3B	0	03	0	0	08
288/3A	0	04	5	0	11
287/3A	0	06	0	0	15
285/3Cp	0	03	0	0	08
285/3B3	0	16	5	0	41
285/3A3	0	01	5	0	04
285/3B2	0	02	5	0	06
285/3A2	0	09	0	0	22
285/3B1	0	04	5	0	11
285/3A1	0	09	5	0	23
285/3Bp	0	07	0	0	17
285/2Ap	0	08	5	0	21
Total	1	27	5	3	18
गांव : तामराकोल्ल					
121/1B	0	00	5	0	01
121/1A	0	01	0	0	03
122/2C3	0	01	5	0	04
122/2C2	0	02	0	0	05
122/2C1	0	05	0	0	12
123/1C	0	05	5	0	13
122/2A	0	01	5	0	04
122/1B	0	03	0	0	07
123/1B	0	05	5	0	13
122/1A	0	03	0	0	07
123/1A	0	06	0	0	15
123/3D	0	11	0	0	27
123/3C	0	03	5	0	09
123/3B	0	08	5	0	21
123/3A	0	04	0	0	10
142/P	0	22	0	0	54

1	2	3	4	5	6
143/1E	0	06	0	0	15
143/1B	0	01	0	0	02
143/1C	0	01	0	0	02
143/1B	0	01	0	0	02
143/1A	0	05	0	0	12
140/1D	0	08	0	0	20
140/1C	0	03	0	0	07
140/1B	0	01	0	0	3
140/1A	0	01	0	0	02
141/3P	0	14	5	0	36
151/6A	0	00	5	0	01
138/2	0	19	0	0	47
138/1	0	12	0	0	30
148/2Bp	0	09	5	0	24
148/2Ap	0	13	5	0	33
151/6B	0	08	0	0	20
151/1A	0	11	0	0	27
159/10Bp	0	02	0	0	05
159/9B4	0	01	0	0	03
159/9B3	0	01	5	0	04
159/9B2	0	01	5	0	04
159/9B1	0	01	5	0	04
159/8B2	0	01	5	0	04
159/8B1	0	01	5	0	04
159/7p	0	03	5	0	09
159/4B2	0	03	0	0	07
159/3B	0	01	0	0	03
159/4B1	0	01	5	0	04
159/2B	0	01	0	0	03
159/1B	0	01	5	0	04
174/1	0	06	5	0	16
175/3A4	0	08	0	0	20
175/3A3	0	06	5	0	16
175/3A2	0	06	0	0	15
175/3A1	0	06	0	0	15
179/3p	0	18	0	0	45
184/5Ap	0	07	0	0	17
194/2Ap	0	07	0	0	17
184/4A2	0	03	0	0	08
184/1A1	0	03	0	0	08
184/2A1	0	04	5	0	11
184/1A2	0	03	5	0	09
184/1A1	0	03	0	0	07
194/4Ap	0	11	0	0	27
194/3Ap	0	04	0	0	10
194/1A2	0	13	0	0	32
194/1A1	0	05	5	0	13
196/6P	0	08	5	0	21
196/2C	0	04	0	0	10
196/7p	0	04	0	0	10

1	2	3	4	5	6
196/2B	0	04	5	0	11
196/2A	0	05	0	0	12
196/3p	0	05	5	0	14
214/3B	0	04	5	0	11
214/3A	0	14	0	0	34
214/2p	0	07	0	0	17
214/1p	0	12	0	0	30
212/1A	0	06	0	0	15
212/1C	0	33	0	0	81
212/1B	0	05	0	0	12
207/2p	0	11	5	0	28
207/1p	0	13	5	0	33
23/p	0	23	5	0	58
28/1p	0	06	5	0	16
29/5p	0	05	0	0	12
29/4p	0	04	5	0	11
29/3A1	0	05	5	0	13
29/3A2	0	04	5	0	11
29/3Bp	0	00	5	0	01
29/2A	0	07	0	0	17
29/2C	0	02	5	0	06
29/2B	0	01	5	0	04
29/1p	0	03	5	0	09
31/1A1/p	0	05	0	0	12
31/1Cp	0	05	5	0	13
31/1A2p	0	04	0	0	10
Total	5	59	5	13	80

[सं. ओ-12016/10/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 739.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from KAIKALUR-12 to KAIKALUR-11 in the A.P. state pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE					
ROU FLOW LINE FROM KAIKALUR-12 TO KAIKALUR-11					
State : Andhra Pradesh			Mandal : Kaikalur		
District : Krishna			Village : Rachapatnam		
R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
269/1B2C	0	03	0	0	08
269/1B2B	0	02	0	0	05
269/1B1	0	06	5	0	16
287/3B	0	06	0	0	15
298/1E2	0	03	0	0	08
298/1E3	0	14	0	0	35
288/3E	0	01	0	0	02 1/2
298/1E1	0	05	5	0	14
298/1Dp	0	03	0	0	08
288/3D	0	01	5	0	04
298/1C	0	00	5	0	00 1/2
288/3C2	0	03	0	0	07 1/2
288/3C1	0	03	0	0	07 1/2
288/3B	0	03	0	0	08
288/3A	0	04	5	0	11
287/3A	0	06	0	0	15
285/3Cp	0	03	0	0	08
285/3B3	0	16	5	0	41
285/3A3	0	01	5	0	04
285/3B2	0	02	5	0	06
285/3A2	0	09	0	0	22
285/3B1	0	04	5	0	11
285/3A1	0	09	5	0	23
285/3Bp	0	07	0	0	17
285/2Ap	0	08	5	0	21
Total	1	27	5	3	18
Village : Tamarakollu					
121/1B	0	00	5	0	01
121/1A	0	01	0	0	03
122/2C3	0	01	5	0	04
122/2C2	0	02	0	0	05
122/2C1	0	05	0	0	12
123/1C	0	05	5	0	13
122/2A	0	01	5	0	04
122/B	0	03	0	0	07
123/1B	0	05	5	0	13
122/1A	0	03	0	0	07
123/1A	0	06	0	0	15
123/3D	0	11	0	0	27
123/3C	0	03	5	0	09
123/3B	0	08	5	0	21
123/3A	0	04	0	0	10

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
142/p	0	22	0	0	54	196/7p	0	04	0	0	10
143/1E	0	06	0	0	15	196/2B	0	04	5	0	11
143/1B	0	01	0	0	02	196/2A	0	05	0	0	12
143/1C	0	01	0	0	02	196/3p	0	05	5	0	14
143/1B	0	01	0	0	02	214/3B	0	04	5	0	11
143/1A	0	05	0	0	12	214/3A	0	14	0	0	34
140/1D	0	08	0	0	20	214/2p	0	07	0	0	17
140/1C	0	03	0	0	07	214/1p	0	12	0	0	30
140/1B	0	01	0	0	03	212/1A	0	06	0	0	15
140/1A	0	01	0	0	02	212/1C	0	33	0	0	81
141/3P	0	14	5	0	36	212/1B	0	05	0	0	12
151/6A	0	00	5	0	01	207/2p	0	11	5	0	28
138/2	0	19	0	0	47	207/1p	0	13	5	0	33
138/1	0	12	0	0	30	23/p	0	23	5	0	58
148/2Bp	0	09	5	0	24	28/1p	0	06	5	0	16
148/2Ap	0	13	5	0	33	29/5p	0	05	0	0	12
151/6B	0	08	0	0	20	29/4p	0	04	5	0	11
151/1A	0	11	0	0	27	29/3A1	0	05	5	0	13
159/10Bp	0	02	0	0	05	29/3A2	0	04	5	0	11
159/9B4	0	01	0	0	03	29/3Bp	0	00	5	0	01
159/9B3	0	01	5	0	04	29/2A	0	07	0	0	17
159/9B2	0	01	5	0	04	29/2C	0	02	5	0	06
159/9B1	0	01	5	0	04	29/2B	0	01	5	0	04
159/8B2	0	01	5	0	04	29/1p	0	03	5	0	09
159/8B1	0	01	5	0	04	31/1A1/p	0	05	0	0	12
159/7p	0	03	5	0	09	31/1Cp	0	05	5	0	13
159/4B2	0	03	0	0	07	31/1A2p	0	04	0	0	10
159/3B	0	01	0	0	03	Total	5	59	5	13	80
159/4B1	0	01	5	0	04	[No. O-12016/10/2005-ONGD-IV]					
159/2B	0	01	0	0	03	N. C. ZAKHUP, Under Secy.					
159/1B	0	01	5	0	04	नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005					
174/1	0	06	5	0	16	का.आ. 740. —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में के.एस.पी. 1 ई.पी.एस. -(जी.एस.-15/23) से सी शोर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।					
175/3A4	0	08	0	0	20	और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।					
175/3A3	0	06	5	0	16	अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।					
175/1A2	0	06	0	0	15	बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्रि एसट/के.जि.बेसिन,ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरि भवन, राजमहेन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।					
175/3A1	0	06	0	0	15						
179/3p	0	18	0	0	45						
184/5Ap	0	07	0	0	17						
194/2Ap	0	07	0	0	17						
184/4A2	0	03	0	0	08						
184/1A1	0	03	0	0	08						
184/2A1	0	04	5	0	11						
184/1A2	0	03	5	0	09						
184/1A1	0	03	0	0	07						
194/4Ap	0	11	0	0	27						
194/3Ap	0	04	0	0	10						
194/1A2	0	13	0	0	32						
194/1A1	0	05	5	0	13						
196/6P	0	08	5	0	21						
196/2C	0	04	0	0	10						

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यु. पाइप लाइन : के.एस.पी. 1 ई.पी.एस -
(जी.एस.-15/23) से सी शोर

राज्य : आन्ध्र प्रदेश			मंडल : अल्लवरम		
जिले : पूर्व गोदावरि			गांव : वोडलरेवु		
आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेन्टेएस	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
949/1B12	0	30	5	0	75
949/1B13	0	02	0	0	05
949/2pt	0	28	5	0	71
947/1A	0	35	0	0	87
947/1B,2A	0	40	5	1	00
947/2B10	0	02	0	0	05
939/1pt	0	40	0	0	99
939/2A	0	24	5	0	60
939/2B	0	28	5	0	70
939/2C	0	29	5	0	73
940/1A	0	17	0	0	42
940/1B,2A	0	37	0	0	91
940/2A,941/pt	0	51	5	1	27
941/2pt	0	46	5	1	15
TOTAL	4	13	0	10	20

गांव : कोमरगिरिपटनम					
1033/1C	0	16	0	0	40
1033/1D	0	12	0	0	30
1033/2pt	0	46	0	1	14
TOTAL	0	74	0	1	84

[सं. ओ-12016/11/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 740.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from "KSP IEPs-(GS 15/23) to SEA SHORE." in the A.P. state pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent

Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Rajahmundry Asset/K.G., Basin. Godavari Bhavan. Base complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM KSP I EPS-(GS 15/23) TO SEA SHORE

State : Andhra Pradesh			Mandal : Allavaram		
District : East Godavari			Village : Odalarevu		
R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
949/1B12	0	30	5	0	75
949/1B13	0	02	0	0	05
949/2pt	0	28	5	0	71
947/1A	0	35	0	0	87
947/1B,2A	0	40	5	1	00
947/2B10	0	20	0	0	05
939/1pt	0	40	0	0	99
939/2A	0	24	5	0	60
939/2B	0	28	5	0	70
939/2C	0	29	5	0	73
940/1A	0	17	0	0	42
940/1B,2A	0	37	0	0	91
940/2A,941/pt	0	51	5	1	27
941/2pt	0	46	5	1	15
TOTAL	4	13	0	10	20
Village : Komaragiripatnam					
1033/1C	0	16	0	0	40
1033/1D	0	12	0	0	30
1033/2pt	0	46	0	1	14
TOTAL	0	74	0	1	84

[No. O.-12016/11/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 741.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में एल.एस.ए.ए. से आर.सी.एम.टी. नर्सपूर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्षात कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्रि एसट/के.जि.ब्रेसिन,ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरि भवन, राजमहेन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यु. पाइप लाइन : एल.एस.ए.से

आर.सी.एम.टी. नर्सपूर

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : नर्सपूर

जिले : पच्छिम गोदावरि

गांव : रूस्तुमबादा

आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टेएर्स	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6
544/12B	0	01	0	0	02 1/2
544/13B	0	01	0	0	03
544/9A2	0	02	0	0	05
544/10	0	01	0	0	03
544/11	0	01	0	0	03
544/12	0	00	5	0	01
530/1A2	0	03	0	0	07
530/3B1	0	01	0	0	02 1/2
527/5B	0	01	0	0	03
544/9C2	0	07	5	0	18
544/6	0	02	0	0	05
544/8	0	02	0	0	05
544/7A2	0	01	5	0	04
544/2B	0	01	5	0	04
544/3B	0	00	5	0	01
544/4A	0	02	5	0	06
505/2B	0	16	0	0	40
547/2P	0	08	0	0	20
551/3A	0	02	0	0	05 1/2
551/2C1	0	01	5	0	04
551/2A	0	01	0	0	03
551/1A1	0	01	0	0	03
551/1B2	0	01	0	0	02
529/1C1	0	01	0	0	02
529/1B1/1	0	01	0	0	02
529/1B2/1	0	00	5	0	01
529/1B1/1	0	00	5	0	01
529/1A1	0	01	0	0	02
530/3A2	0	03	0	0	08
530/2C	0	03	5	0	09
530/2B	0	03	0	0	07
530/1B1	0	05	0	0	12 1/2
531/2B4	0	05	5	0	13 1/2
531/2B3	0	03	0	0	08
531/2B2	0	03	0	0	08
531/2A2	0	03	5	0	09
531/1D1	0	04	5	0	11

1	2	3	4	5	6
527/10B	0	04	5	0	11
527/8C2	0	06	0	0	15
527/7B	0	04	5	0	11
527/6B	0	03	0	0	08
526/3D2	0	01	0	0	03
527/7C	0	01	5	0	04 1/2
504/1C1	0	00	5	0	01 1/2
382/5B3/A2	0	14	0	0	34
382/5B3/A1	0	05	0	0	12
506/2J3	0	06	0	0	15
382/5B3/D2	0	00	5	0	01
382/5B3/C3	0	06	0	0	15
378/3B	0	01	5	0	04
506/2i2	0	04	5	0	11
506/2H2	0	02	0	0	05
506/2G2	0	02	5	0	06 1/2
506/2F2	0	03	0	0	08
506/2D2	0	02	0	0	05
506/2C2	0	01	5	0	04 1/2
507/3D1	0	01	0	0	02
507/3C1	0	01	0	0	02
507/2B	0	11	5	0	29
506/2A2	0	03	0	0	07
507/3B1	0	01	0	0	03
507/2A1	0	01	5	0	04 1/2
508/6D1	0	03	0	0	08
508/6E1	0	01	0	0	03
508/5C2	0	01	0	0	02 1/2
508/6A2	0	02	0	0	05
508/5D2	0	01	5	0	04 1/2
508/2B	0	03	5	0	09
508/5A2	0	02	0	0	05 1/2
508/6C2	0	01	0	0	02
508/5C2	0	02	0	0	05 1/2
510/5C2	0	03	5	0	09
510/5D2	0	00	5	0	01 1/2
510/5E2	0	01	0	0	02
510/5F2	0	01	0	0	02 1/2
510/2A2	0	04	5	0	11
510/2B2	0	03	5	0	09
510/2C2	0	01	5	0	04 1/2
510/2D2	0	05	0	0	12 1/2
510/2E2	0	07	5	0	19
510/3A2	0	00	5	0	01
510/4D2	0	01	0	0	03
510/4E2	0	01	0	0	03
510/4F2	0	01	0	0	02 1/2
390/2	0	07	0	0	17
TOTAL	2	41	5	6	09 1/2

[सं. ओ-12016. 12/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 741.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from L.S.A.A. to R.C.M.T. Narasapur in the A.P. state pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE**ROU FLOW LINE FROM LSAA TO RCMT
NARASAPUR**

State : Andhra Pradesh

Mandal : Narasapur

District : West Godavari

Village : Rustumbada

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
544/12B	0	01	0	0	02 ^{1/2}
544/13B	0	01	0	0	03
544/9A2	0	02	0	0	05
544/10	0	01	0	0	03
544/11	01	01	0	0	03
544/12	0	00	5	0	01
530/1A2	0	03	0	0	07
530/3B1	0	01	0	0	02 ^{1/2}
527/5B	0	01	0	0	03
544/9C2	0	07	5	0	18
544/6	0	02	0	0	05
544/8	0	02	0	0	05
544/7A2	0	01	5	0	04
544/2B	0	01	5	0	04
544/3B	0	00	5	0	01
544/4A	0	02	5	0	06
505/2B	0	16	0	0	40
547/2P	0	08	0	0	20
551/3A	0	02	0	0	05 ^{1/2}
551/2C1	0	01	5	0	04
551/2A	0	01	0	0	03
551/1A1	0	01	0	0	03
551/1B2	0	01	0	0	02

1	2	3	4	5	6
529/1C1	0	01	0	0	02
529/1B1/1	0	01	0	0	02
529/1B2/1	0	00	5	0	01
529/1B1/1	0	00	5	0	01
529/1A1	0	01	0	0	02
530/3A2	0	03	0	0	08
530/2C	0	03	5	0	09
530/2B	0	03	0	0	07
530/1B1	0	05	0	0	12 ^{1/2}
531/2B4	0	05	5	0	13 ^{1/2}
531/2B3	0	03	0	0	08
531/2B2	0	03	0	0	08
531/2A2	0	03	5	0	09
531/1D1	0	04	5	0	11
527/10B	0	04	5	0	11
527/8C2	0	06	0	0	15
527/7B	0	04	5	0	11
527/6B	0	03	0	0	08
526/3D2	0	01	0	0	03
527/7C	0	01	5	0	04 ^{1/2}
504/1C1	0	00	5	0	01 ^{1/2}
382/5B2/A2	0	14	0	0	34
382/5B3/A1	0	05	0	0	12
506/2J3	0	06	0	0	15
382/5B2/D2	0	00	5	0	01
382/5B3/C3	0	06	0	0	15
378/3B	0	01	5	0	04
506/2I2	0	04	5	0	11
506/2H2	0	02	0	0	05
506/2G2	0	02	5	0	06 ^{1/2}
506/2F2	0	03	0	0	08
506/2D2	0	02	0	0	05
506/2C2	0	01	5	0	04 ^{1/2}
507/3D1	0	01	0	0	02
507/3C1	0	01	0	0	02
507/2B	0	11	5	0	29
506/2A2	0	03	0	0	07
507/3B1	0	01	0	0	03
507/2A1	0	01	5	0	04 ^{1/2}
508/6D1	0	03	0	0	08
508/6E1	0	01	0	0	03
508/5C2	0	01	0	0	02 ^{1/2}
508/6A2	0	02	0	0	05
508/5D2	0	01	5	0	04 ^{1/2}
508/2B	0	03	5	0	09
508/5A2	0	02	0	0	05 ^{1/2}
508/6C2	0	01	0	0	02
508/5C2	0	02	0	0	05 ^{1/2}
510/5C2	0	03	5	0	09
510/5D2	0	00	5	0	01 ^{1/2}

1	2	3	4	5	6
510/5E2	0	01	0	0	02
510/5F2	0	01	0	0	02 1/2
510/2A2	0	04	5	0	11
510/2B2	0	03	5	0	09
510/2C2	0	01	5	0	04 1/2
510/2D2	0	05	0	0	12 1/2
510/2E2	0	07	5	0	19
510/3A2	0	00	5	0	01
510/4D2	0	01	0	0	03
510/4E2	0	01	0	0	03
510/4F2	0	01	0	0	02 1/2
390/2	0	07	0	0	17
TOTAL	2	41	5	6	09 1/2

[No. O-12016/12/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 742.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में टि.पि.डि.बि. से ताटिपाका 9 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदाअबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्रि एसट/के.जि.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यु. पाइप लाइन : टि.पि.डि.बि. से
ताटिपाका 9

राज्य : आन्ध्र प्रदेश	मंडल : राजोलु				
जिले : पूर्व गोदावरी	गांव : कदलि				
आर. एस. नं.	हेक्टेन्स	एस	सेन्टेएस	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
375/2P	0	04	5	0	11
397/5P	0	02	0	0	05
376/4P	0	12	0	0	30
TOTAL	0	18	5	0	46

गांव : गेदादा

1	2	3	4	5	6
120/3B	0	00	5	0	01
120/3A	0	05	5	0	14
122/6B	0	06	0	0	15
122/6A	0	03	0	0	07
122/5P	0	11	5	0	27
122/2P	0	04	0	0	10
122/3P	0	09	5	0	24
122/4P	0	01	5	0	04
109/P	0	01	5	0	04
108/2P	0	01	0	0	02
TOTAL	0	44	0	1	08

[सं. ओ-12016/13/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 742.—Whereas it appears to the Central Government that is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from TPDB to TATIPAKA 9 in the A.P. State pipeline should be laid by the OIL & NATURAL GAS CORPORATION LTD.

AND WHEREAS it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines, Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

PROVIDED THAT ANY person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

AND every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE**ROU FLOW LINE FROM TPDB TO TATIPAKA 9**

State : Andhra Pradesh Mandal : Razole
District : East Godavari Village : Kadali

R.S. No.	Hectares	Arcs	Centi Ares	Acres
1	2	3	4	5
375/2P	0	04	5	0
397/5P	0	02	0	0
376/4P	0	12	0	0
TOTAL	0	18	5	0

Village : Geddada

1	2	3	4	5	6
120/3B	0	00	5	0	01
120/3A	0	05	5	0	14
122/6B	0	06	0	0	15
122/6A	0	03	0	0	07
122/5P	0	11	5	0	27
122/2P	0	04	0	0	10
122/3P	0	09	5	0	24
122/4P	0	01	5	0	04
109/P	0	01	5	0	04
108/2P	0	01	0	0	02
TOTAL	0	44	0	1	08

[No. O-12016/13/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 743.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में टि.पि.डि.सि. से ताटिपाका 8 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्र एसट/के.जि.बेसिन,ओ.एन.जि.सि. लिमिटेड, गोदावरि भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यु. पाइप लाइन : टि.पि.डि.सि. से ताटिपाका 8

राज्य : आन्ध्र प्रदेश मंडल : राजोलु
जिले : पूर्व गोदावरि गांव : कडलि सिवरू वेगिवारिपालेम

आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टेयर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
350/2APt	0	06	0	0	15
350/1Pt	0	04	0	0	10
347/1A5	0	03	0	0	08
346/2A	0	09	5	0	23
335/1	0	04	0	0	10
TOTAL	0	26	5	0	66

गांव : गेददाडा

1	2	3	4	5	6
82/2B	0	12	0	0	30
79/2	0	01	0	0	03
TOTAL	0	13	0	0	33

[सं. ओ-12016/14/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 743.—Whereas it appears to the Central Government that is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from TPDC to TATIPAKA 8 in the A.P. State pipeline should be laid by the OIL & NATURAL GAS CORPORATION LTD.

AND WHEREAS it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines, Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

PROVIDED THAT ANY person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G. Basin, Godavari Bhavan, Base complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

AND every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM TPDC TO TATIPAKA 8

State : Andhra Pradesh Mandal : Mamidikuduru
District : East Godavari Village : Vegivaripalem
H/O Kdadal

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
350/2A pt	0	06	0	0	15
350/1 pt	0	04	0	0	10
347/1A5	0	03	0	0	08
346/2A	0	09	5	0	23
335/1	0	04	0	0	10
TOTAL	0	26	5	0	66

Mandal : MAMIDIKUDURU

Village : Geddada

1	2	3	4	5	6
82/2B	0	12	0	0	30
79/2	0	01	0	0	03
TOTAL	0	13	0	0	33

[No. O-12016/14/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 744.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में एस.आई.ए.ए. से मगटापल्लि-2 I/C तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्अवबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्र एसटी.के.जि.वेसिन, ओ.एन.जि.सि. लिमिटेड, गोदावरि भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची**आर.ओ.यु. पाइप लाइन : एस.आई.ए.ए. से मगटापल्लि 2 I/C**

राज्य : आन्ध्र प्रदेश		मंडल : मामिदिकुदुरु			
जिला : पूर्व गोदावरि		गांव : मगटापल्लि			
आर. एस. नं.	हेक्टेर्स	एर्स	सेन्टेर्स	एक्रस	सेन्टस
1	2	3	4	5	6
85/2	0	10	5	0	26
84/2एफ	0	06	0	0	15
84/2एच	0	09	5	0	24
84/2के	0	05	0	0	12
87/1सी	0	05	0	0	12
88/1बी	0	07	0	0	18
84/2सी	0	05	0	0	12
84/1बी	0	04	5	0	11.5
87/1जे	0	04	0	0	10
87/1एच	0	02	0	0	05.5
87/1सी	0	04	5	0	11.5
87/1एफ	0	08	5	0	21
100/2ई	0	07	5	0	18.5
100/2बी	0	06	5	0	16
100/1जी	0	05	0	0	12
100/1डी	0	05	5	0	14.5
102/2आई	0	03	5	0	09
102/2एच2	0	00	5	0	01
102/2एल1	0	00	5	0	00.5
102/2के2	0	03	0	0	08.5

1	2	3	4	5	6
102/1बी2	0	08	0	0	20
102/1ए2	0	00	5	0	01
103/7ए2	0	03	5	0	09.5
103/7बी2	0	05	0	0	12.5
103/6बी	0	01	0	0	02
103/5ए2	0	09	5	0	24
013/3ए5	0	06	5	0	16.5
103/3ए2	0	05	5	0	13
103/1बी2	0	01	5	0	03.5
103/1सी2	0	03	5	0	09
103/1ए2	0	01	0	0	02
71/1ए2	0	01	0	0	02
71/1बी2	0	04	5	0	11
52/2	0	09	0	0	22
51/2	0	14	0	0	36

जोड़	1	77	5	4	42.5
------	---	----	---	---	------

गांव : आदुरु

318/1ए5/2	0	00	5	0	01
319/2	0	22	5	0	54.5
318/1ए3-4	0	02	5	0	05.5
319/3	0	03	5	0	07.5
318/1ए3-2	0	03	0	0	07
319/4	0	00	5	0	01
318/1ए1-2	0	08	0	0	20
318/1ए2-2	0	09	5	0	24
316/8-1	0	11	0	0	27
317/4-2	0	02	5	0	06
317/3-2	0	06	0	0	15
316/9-2	0	08	5	0	21
316/7-2	0	13	5	0	33
316/6-2	0	06	0	0	15
316/5-2	0	02	5	0	06.5
316/4-2	0	02	0	0	06
316/3-2	0	03	5	0	08.5
316/2-2	0	02	0	0	05
316/1-2	0	01	0	0	02.5

जोड़	1	08	5	2	66
------	---	----	---	---	----

[सं. ओ-12016/15/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 744.—Whereas it appears to the Central Government that is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SIAA to MAGATAPALLI-2 I/C in the A.P. state pipeline should

be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM : SIAA TO MAGATAPALLI-2 I/C

State : Andhra Pradesh Mandal : Mamidikuduru

District : East Godavari Village : Magatapalli

R.S. No.	Hectares	Ares	Centi	Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	
85/2	0	10	5	0	26	
84/2F	0	06	0	0	15	
84/2H	0	09	5	0	24	
84/2K	0	05	0	0	12	
87/1C	0	05	0	0	12	
88/1B	0	07	0	0	18	
84/2C	0	05	0	0	12	
84/1B	0	04	5	0	11.5	
87/1J	0	04	0	0	10	
87/1H	0	02	0	0	05.5	
87/1C	0	04	5	0	11.5	
87/1F	0	08	5	0	21	
100/2E	0	07	5	0	18.5	
100/2B	0	06	5	0	16	
100/1G	0	05	0	0	12	
100/1D	0	05	5	0	14.5	
102/2I	0	03	5	0	09	
102/2H2	0	00	5	0	01	
102/2L1	0	00	5	0	00.5	

1	2	3	4	5	6
102/2K2	0	03	0	0	08.5
102/1B2	0	08	0	0	20
102/1A2	0	00	5	0	01
103/7A2	0	03	5	0	09.5
103/7B2	0	05	0	0	12.5
103/6B	0	01	0	0	02
103/5A2	0	09	5	0	24
103/3A5	0	06	5	0	16.5
103/3A2	0	05	5	0	13
103/1B2	0	01	5	0	03.5
103/1C2	0	03	5	0	09
103/1A2	0	01	0	0	02
71/1A2	0	01	0	0	02
71/1B2	0	04	5	0	11
52/2	0	09	0	0	22
51/2	0	14	0	0	36
TOTAL	1	77	5	4	42.5

Village : Aduru

318/1A5/2	0	00	5	0	01
319/2	0	22	5	0	54.5
318/1A3-4	0	02	5	0	05.5
319/3	0	03	5	0	07.5
318/1A3-2	0	03	0	0	07
319/4	0	00	5	0	01
318/1A1-2	0	08	0	0	20
318/1A2-2	0	09	5	0	24
316/8-1	0	11	0	0	27
317/4-2	0	02	5	0	06
317/3-2	0	06	0	0	15
316/9-2	0	08	5	0	21
316/7-2	0	13	5	0	33
316/6-2	0	06	0	0	15
316/5-2	0	02	5	0	06.5
316/4-2	0	02	0	0	06
316/3-2	0	03	5	0	08.5
316/2-2	0	02	0	0	05
316/1-2	0	01	0	0	02.5
TOTAL	1	08	5	2	66

[No. O-12016/15/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 745.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में पासल्लपुदी 28 से पासल्लपुदी-12 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और अतः, यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः, अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है :

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्र एसट/के.जी.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर. ओ. यू. लाईन : पासल्लपुदी 28 से पासल्लपुदी 12 तक

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : मामिडिकुदुरु

जिले : पूर्व गोदावरी

गांव : पासल्लपुदि

आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टेयर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
407/5ए	0	02	5	0	06 1/2
407/2बी	0	02	5	0	06 1/2
407/3बी	0	02	5	0	06 1/2
407/4बी	0	06	5	0	16 1/2
408/3बी	0	08	0	0	20
407/1ए2	0	02	0	0	05
403/2सी	0	03	5	0	09 1/2
405/1ए	0	11	5	0	28
403/2डी	0	02	0	0	05
403/2बी	0	09	0	0	22
406/4बी	0	04	0	0	10 1/2
403/2ए	0	09	5	0	24 1/2
400/6सी	0	02	0	0	05 1/2
400/6बी	0	02	5	0	06 1/2
400/6ए	0	02	0	0	05 1/2
400/5सी	0	16	0	0	39
400/5बी	0	09	5	0	24
406/4सी	0	02	5	0	06 1/2
406/1बी	0	06	5	0	16 1/2
जोड़	1	04	5	2	64

[सं. ओ-12016/16/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 745.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pasarllapudi-28 to Pasarllapudi-12 in the A.P. state pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G. Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM PASARLLAPUDI 28 TO PASARLLAPUDI 12

State . Andhra PradeshMandal . Mamidikuduru

District : East Godavari Village : Pasarllapudi

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
407/5A	0	02	5	0	06 1/2
407/2B	0	02	5	0	06 1/2
407/3B	0	02	5	0	06 1/2
407/4B	0	06	5	0	16 1/2
408/3B	0	08	0	0	20
407/1A2	0	02	0	0	05
403/2C	0	03	5	0	09 1/2
405/1A	0	11	5	0	28
403/2D	0	02	0	0	05
403/2B	0	09	0	0	22
406/4B	0	04	0	0	10 1/2
403/2A	0	09	5	0	24 1/2
400/6C	0	02	0	0	05 1/2
400/6B	0	02	5	0	06 1/2
400/6A	0	02	0	0	05 1/2
400/5C	0	16	0	0	39
400/5B	0	09	5	0	24
406/4C	0	02	5	0	06 1/2
406/1B	0	06	5	0	16 1/2
Total	1	04	5	2	64

[No. O-12016/16/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP. Under Secy

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 746.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह आवश्यक प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में नंदिगामा 3 से नंदिगामा 1 इपीएस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः, अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के.जी. प्रोजेक्ट, राजामुन्द्री-533103 को अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन नंदिगामा 3 से नंदिगामा 1 इपीएस

राज्य : आन्ध्र प्रदेश मंडल : पेडना

जिला : कृष्णा गांव : नंदिगामा

आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टिेर्स	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
307/पी	0	22	0	0	54
306/3पी	0	07	0	0	18
306/2पी	0	05	5	0	13
305/2पी	0	10	5	0	26
305/1पी	0	10	5	0	26
304/4पी	0	09	5	0	23
304/2पी	0	08	5	0	21
223/2पी	0	07	5	0	19
224/2पी	0	07	0	0	18
225/2बी	0	10	0	0	25
225/2ए	0	09	5	0	23
226/2पी	0	07	0	0	17
202/5पी	0	00	5	0	01
202/6पी	0	05	0	0	14
202/7पी	0	05	0	0	13
202/8पी	0	00	5	0	01
202/9पी	0	05	0	0	12
202/10पी	0	01	5	0	04
230/3पी	0	04	5	0	11
230/1पी	0	10	5	0	26
228/पी	0	09	5	0	23
229/2पी	0	00	5	0	01
199/2पी	0	08	0	0	21

1	2	3	4	5	6
230/पी	0	12	0	0	30
202/3बी	0	05	5	0	14
202/3ए	0	02	0	0	05
202/1पी	0	01	0	0	02
202/14बी	0	04	0	0	10
201/12पी	0	01	0	0	03
201/13पी	0	01	5	0	04
201/14पी	0	01	0	0	03
201/16पी	0	03	0	0	07
201/11पी	0	02	5	0	06
201/10पी	0	03	0	0	07
201/5पी	0	03	0	0	07
201/7पी	0	03	0	0	07
201/4पी	0	03	0	0	08
201/3पी	0	01	5	0	04
199/1पी	0	09	0	0	22
199/4पी	0	09	5	0	23
185/5पी	0	01	5	0	04
190/6पी	0	05	5	0	14
190/7सीपी	0	00	5	0	01
190/8एपी	0	01	0	0	02
190/7बीपी	0	03	0	0	08
190/7एपी	0	03	0	0	08
190/2पीपी	0	05	0	0	13
191/7बीपी	0	01	5	0	04
190/8बीपी	0	01	5	0	04
190/8सीपी	0	00	5	0	01
Total	2	53	5	6	31

[सं. ओ-12016/17/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 746.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from **Nandigama #3 to Nandigama #1EPS** in A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd., K.G. Project, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM NANDIGAMA #3 TO
NANDIGAMA #1 EPS

State : Andhra Pradesh Mandal : Pedana
District : Krishna Village : Nandigama

R.S. No	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
307/P	0	22	0	0	54
306/3P	0	07	0	0	18
306/2P	0	05	5	0	13
305/2P	0	10	5	0	26
305/1P	0	10	5	0	26
304/4P	0	09	5	0	23
304/2P	0	08	5	0	21
223/2P	0	07	5	0	19
224/2P	0	07	0	0	18
225/2B	0	10	0	0	25
225/2A	0	09	5	0	23
226/2P	0	07	0	0	17
202/5P	0	00	5	0	01
202/6P	0	05	0	0	14
202/7P	0	05	0	0	13
202/8P	0	00	5	0	01
202/9P	0	05	0	0	12
202/10P	0	01	5	0	04
230/3P	0	04	5	0	11
230/1P	0	10	5	0	26
228/P	0	09	5	0	23
229/2P	0	00	5	0	01
199/2P	0	08	0	0	21
230/P	0	12	0	0	30
202/3B	0	05	0	0	14
202/3A	0	02	0	0	05
202/1P	0	01	0	0	02
202/14B	0	04	0	0	10
201/12P	0	01	0	0	03
201/13P	0	01	5	0	04
201/14P	0	01	0	0	03
201/16P	0	03	0	0	07
201/11P	0	02	5	0	06
201/10P	0	03	0	0	07
201/6P	0	03	0	0	07
201/7P	0	03	0	0	07
201/4P	0	03	0	0	08
201/3P	0	01	5	0	04
199/1P	0	09	0	0	22
199/4P	0	09	5	0	23
185/5P	0	01	5	0	04
190/6P	0	05	5	0	14
190/7CP	0	00	5	0	01
190/8AP	0	01	0	0	02
190/7BP	0	03	0	0	08

1	2	3	4	5	6
190/7AP	0	03	0	0	08
190/2P	0	05	0	0	13
191/7DP	0	01	5	0	04
190/8BP	0	01	5	0	04
190/8CP	0	00	5	0	01
Total	2	53	5	6	31

[No. O-12016/17/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 747. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में के. डब्ल्यू.ए.के., के.डब्ल्यू.डी.बी., के.डब्ल्यू.ए.आई. से केसनपल्लि जी.सी.एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, राजमहेन्द्रि एसट/के.जी.वेसिन,ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश को अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : के.डब्ल्यू. ए, के.डब्ल्यू.डी.बी.,
के. डब्ल्यू.ए.आई से केसनपल्लि जी.सी.एस.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश मंडल : मलिकिपुरम
जिला : पूर्व गोदावरी गांव : गोगन्मटम मिवारु करवाका

आर. एस. नं.	हेक्टेर्स	एर्स	सेन्टेएर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
395/2, 394/2, 389/2	0	04	0	0	10
389/1बी	0	05	5	0	13
389/1ए	0	03	0	0	07 ½
389/3ए	0	08	0	0	20
382/पी	0	00	5	5	09
382/2पी	0	03	0	0	08
381/4ए	0	05	5	5	12 ½
380/एफ	0	02	5	5	06 ½
380/बी	0	01	0	0	03
380/बी2पी	0	02	5	5	06
372/2बी	0	03	5	0	09
372/एफ	0	03	5	0	09

1	2	3	4	5	6
372/पी	0	12	0	0	30
371/एफ	0	02	5	0	06
371/सी	0	05	5	0	13 ½
371/सी, पी	0	07	5	0	17 ½
363/2ए, पी	0	05	0	0	12
372/पी	0	18	0	0	44
381/पी	0	04	0	0	10
363/1	0	04	0	0	10
जोड़	0	03	0	2	56 ½

गांव : केसनपल्लि सिवारु गोल्लापालेम

आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेंटेएस	एकड़	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
492/1पी	0	02	0	0	05
532/1पी	0	05	0	0	12
491/4पी	0	01	0	0	02
532/1पी	0	01	0	0	02
502/6पी	0	01	5	0	04
492/2पी	0	09	0	0	22
492/6पी	0	08	0	0	20
489/2ए पीटी	0	13	5	0	33 ½
489/2पी	0	03	5	0	09
486/4पी	0	06	5	0	16
556/सी पीटी	0	05	0	0	12
जोड़	0	56	0	1	37 ½

[सं. ओ-12016/18/2005-ओ एन जी डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 747.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from **KWAK, KWDB, KWAI TO KESANAPALLI GCS** in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore as, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

56562/05-7

SCHEDULE**ROU FLOW LINE FROM KWAK, KWDB, KWAI TO KESANAPALLI GCS**

State : Andhra Pradesh Mandal : Mamidikuduru
District : East Godavari Village : Karavaka H/O Gogannamatham

R. S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
395/2,394/2,389/2	0	04	5	0	10
389/1B	0	05	0	0	13
389/1A	0	03	0	0	07 ½
389/3A	0	08	0	5	20
382/P	0	03	5	0	09
382/2P	0	03	5	0	08
381/4A	0	05	5	0	12 ½
380/F	0	02	5	0	06 ½
380/B	0	01	5	0	03
380/B2P	0	02	0	0	06
372/2B	0	03	5	0	09
372/F	0	03	5	0	09
372/P	0	12	0	0	30
371/F	0	02	5	0	06
371/C	0	05	5	0	13 ½
371/C,P	0	07	5	0	17 ½
363/2AP	0	05	0	0	12
372/P	0	18	0	0	44
381/P	0	04	0	0	10
363/1	0	04	0	0	10
Total	0	03	0	2	56 ½

Village : Gollapalem H/O Kesanapalli

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
492/1P	0	02	0	0	05
532/1P	0	05	0	0	12
491/4P	0	01	0	0	02
532/1P	0	01	0	0	02
502/6P	0	01	0	0	04
492/2P	0	09	0	0	22
492/6P	0	08	0	0	20
489/2Apt	0	13	5	0	33 ½
489/2P	0	03	5	0	09
486/4P	0	06	5	0	16
556/C Pt	0	05	0	0	12
Total	0	56	0	1	37 ½

[No. O-12016/18/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 748.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में **ई.पी.ए.ए. से ताटिपाका जी.सी.एस.** तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्बद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्र एसट/के.जि.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाईप लाईन : ई.पी.ए.से. ताटिपाका जी.सी.एस.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : मामिदिकुदुरु

जिले : पूर्व गोदावरी

गांव : अप्पनपल्लि

आर. एस. नं.	हेक्टेन्स	एस	सेन्टेएस	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6
238/3C	0	19	5	0	48
239/8	0	03	0	0	07
239/9	0	14	0	0	35
131/2B	0	01	0	0	03
131/3C	0	02	5	0	06
188/2	0	02	5	0	06
239/5	0	01	0	0	02
245/4	0	01	5	0	04
245/5	0	02	0	0	05
245/7B	0	05	5	0	13
245/7C	0	08	5	0	21
245/6	0	34	0	0	84
245/8A	0	12	0	0	30
245/8B	0	01	0	0	02
246/2B	0	33	5	0	83
245/5	0	02	0	0	05
246/1	0	32	5	0	80
246/2A	0	02	0	0	05
220/2	0	09	5	0	24
220/3	0	08	0	0	20
204/1,2,3,4	0	24	5	0	61
205/4	0	02	5	0	06
205/5	0	02	5	0	06
205/6	0	06	5	0	16
201/13B	0	14	0	0	34
205/7	0	11	5	0	29
201/13C	0	09	5	0	24
197/1	0	07	0	0	18

1	2	3	4	5	6
198/6B	0	17	5	0	43
198/6C	0	05	0	0	12
198/6D	0	03	0	0	07
183/3B	0	08	0	0	20
188/3C	0	08	0	0	20
188/4B	0	05	0	0	12
188/4C	0	12	0	0	30
201/1,3,7,8	0	98	0	2	42
188/5	0	16	0	0	40
187/3	0	15	0	0	37
146/1A	0	0	5	0	01
146/1B	0	24	5	0	60
146/3	0	04	0	0	10
146/2	0	06	0	0	15
149/6	0	13	0	0	32
135/1	0	01	0	0	03
136/2	0	01	5	0	04
136/4A3	0	05	5	0	14
136/3B,3C	0	09	5	0	24
136/3D	0	05	0	0	12
136/4A2	0	05	5	0	14
133/1	0	09	5	0	23
129/3	0	01	5	0	04
131/1P	0	07	5	0	18
131/2A	0	00	5	0	01
131/2B	0	01	0	0	03
131/2C	0	02	0	0	05
131/3B	0	10	5	0	26
131/3A	0	08	0	0	20
131/2C	0	02	0	0	05
131/3D	0	01	5	0	04
131/2D	0	02	5	0	06
131/3E	0	01	0	0	02
131/2E	0	03	0	0	08
Total	6	03	5	14	93

गांव : पेदपटनमलंका

1	2	3	4	5	6
21/4B	0	06	0	0	15
21/4C	0	02	0	0	05
21/5P	0	07	0	0	17
53/9C	0	08	0	0	20
54/1C	0	05	5	0	14
54/3C	0	06	5	0	16
19/2	0	07	0	0	18
19/3B2	0	01	5	0	04
19/3B3	0	02	5	0	06
19/3B4	0	03	0	0	07
76/1B	0	05	5	0	14
76/4	0	17	0	0	42
80/1B	0	11	5	0	29

1	2	3	4	5	6
80/1C	0	04	5	0	11
142/4C	0	13	0	0	32
80/2A	0	03	5	0	09
80/3B	0	24	5	0	60
84/2	0	28	0	0	69
153/3	0	20	0	0	50
152/4B	0	01	5	0	04
152/4C	0	25	5	0	63
151/7B	0	10	0	0	25
151/11	0	00	5	0	01
134/6P	0	02	5	0	06
142/4B	0	13	0	0	32
142/5B	0	19	5	0	48
136/5B	0	03	0	0	08
136/4	0	11	5	0	28
136/5C	0	34	5	0	85
136/1P	0	32	5	0	80
134/5A	0	01	0	0	02
136/3P	0	07	0	0	18
135/7	0	22	5	0	55
135/5	0	35	0	0	87
135/6	0	05	0	0	12
151/7C	0	04	5	0	11
134/5B	0	02	5	0	06
134/5C	0	03	0	0	08
134/4	0	12	0	0	30
Total	4	23	0	10	47

गांव : मामिदिकुदुरु

50/5AP	0	10	0	0	25
50/3B	0	10	0	0	25
50/3A	0	06	5	0	16
49/1,2A	0	14	0	0	35
50/1	0	02	0	0	05
50/2	0	03	0	0	08
48/2	0	05	5	0	13
48/3	0	05	5	0	13
55/P	0	08	5	0	21
36/6A	0	05	0	0	12
56/4	0	18	0	0	44
56/2	0	01	0	0	03
56/3	0	03	0	0	07
56/5A	0	06	0	0	15
39/5	0	07	0	0	17
39/7B	0	05	5	0	14
36/2	0	11	0	0	27
36/4	0	10	0	0	25
36/5	0	05	0	0	12
33/P	0	20	0	0	50

1	2	3	4	5	6
18/1	0	06	0	0	15
18/3	0	06	0	0	15
18/2	0	03	5	0	09
16/4A	0	02	5	0	06
39/1C	0	09	0	0	22
39/3	0	06	0	0	15
39/8A	0	05	0	0	14
16/4B	0	03	0	0	07
16/4E	0	05	5	0	13
16/5A	0	03	5	0	09
16/5B	0	05	0	0	14
16/2B,3	0	08	0	0	20
14/2B	0	06	5	0	16
14/2C	0	08	0	0	20
5/1A	0	07	5	0	18
5/1B	0	22	5	0	56
5/B2	0	12	0	0	30
5/B3	0	04	5	0	11
6/1B	0	07	5	0	18
6/1C	0	06	0	0	15
7/A	0	48	5	1	20
7/IE1	0	01	0	0	03
Total	3	43	0	8	53

गांव : पासार्लपूडि

203/2	0	03	5	0	09
202/1	0	10	0	0	25
4/2,3C	0	17	0	0	42
4/3D,5/3	0	12	0	0	30
4/3B,5/2	0	11	5	0	29
10/1A,1B,1	0	38	0	0	94
10/2,15/4B	0	09	0	0	22
14/6B	0	05	5	0	13
14/4,5,6	0	14	0	0	34
17/1B	0	06	0	0	14
17/1C	0	05	0	0	12
17/1D	0	06	5	0	16
17/1E	0	03	5	0	09
17/1F	0	03	5	0	09
17/1G	0	03	5	0	09
16/1B,2B	0	26	5	0	65
Total	1	75	0	4	32

गांव : नगरम

232/15A1	0	10	0	5	25
224/1A2	0	04	0	0	10
232/15A2	0	04	0	0	10
233/P	0	16	5	0	41
236/1B6	0	14	0	0	34

1	2	3	4	5	6
236/B5	0	03	5	0	09
236/B4	0	14	5	0	36
184/P	0	03	0	0	07
236/B3	0	08	5	0	21
240/P	0	07	5	0	19
236/B2	0	07	0	0	17
236/B1	0	18	5	0	46
239/P	0	01	5	0	04
181/1A	0	01	0	0	02
180/P	0	25	0	0	62
181/C	0	01	5	0	04
242/2P	0	10	0	0	25
175/P	0	07	5	0	19
243/1B	0	16	0	0	39
145/5A	0	03	0	0	08
145/4C	0	09	5	0	24
145/5B	0	03	0	0	08
146/3	0	01	0	0	02
146/4	0	03	0	0	07
169/1A3	0	06	0	0	14
169/1A4	0	08	0	0	20
169/1A5	0	04	0	0	10
181/2A	0	09	5	0	23
181/2B	0	11	0	0	27
Total	2	31	0	5	71

[सं. ओ-12016/19/2005-ओ एन जी डी-IV]
एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 478.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from **EPAA TO TATIPAKA GCS** in the A.P. State pipeline should be laid by the OIL & NATURAL GAS CORPORATION LTD.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE
ROU FLOW LINE FROM : EPAA TO TATIPAKA GCS

State : Andhra Pradesh Mandal : Mamidikuduru
District : East Godavari Village : Appa napalli

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
238/3C	0	19	5	0	48
239/8	0	03	0	0	07
239/9	0	14	0	0	35
131/2B	0	01	0	0	03
131/3C	0	02	5	0	06
188/2	0	02	5	0	06
239/5	0	01	0	0	02
245/4	0	01	5	0	04
245/5	0	02	0	0	05
245/7B	0	05	5	0	13
245/7C	0	08	5	0	21
245/6	0	34	0	0	84
245/8A	0	12	0	0	30
245/8B	0	01	0	0	02
246/2B	0	33	5	0	83
245/5	0	02	0	0	05
246/1	0	32	5	0	80
246/2A	0	02	0	0	05
220/2	0	09	5	0	24
220/3	0	08	0	0	20
204/1,2,3,4,6	0	24	5	0	61
205/4	0	02	5	0	06
205/5	0	02	5	0	06
205/6	0	06	5	0	16
201/13B	0	14	0	0	34
205/7	0	11	5	0	29
201/13C	0	09	5	0	24
197/1	0	07	0	0	18
198/6B	0	17	5	0	43
198/6C	0	05	0	0	12
198/6D	0	03	0	0	07
183/3B	0	08	0	0	20
188/3C	0	08	0	0	20
188/4B	0	05	0	0	12
188/4C	0	12	0	0	30
201/1,3,7,8,10	0	98	0	2	42
188/5	0	16	0	0	40
187/3	0	15	0	0	37
146/1A	0	0	5	0	01
146/1B	0	24	5	0	60
146/3	0	04	0	0	10
146/2	0	06	0	0	15
149/6	0	13	0	0	32
135/1	0	01	0	0	03
136/2	0	17	5	0	43

1	2	3	4	5	6
136/4A3	0	05	5	0	14
136/3B,3C	0	09	5	0	24
136/3D	0	05	0	0	12
136/4A2	0	05	5	0	14
133/1	0	09	5	0	23
129/3	0	01	5	0	04
131/1P	0	07	5	0	18
131/2A	0	00	5	0	01
131/2B	0	01	0	0	03
131/2C	0	02	0	0	05
131/3B	0	10	5	0	26
131/3A	0	08	0	0	20
131/2C	0	02	0	0	05
131/3D	0	01	5	0	04
131/2D	0	02	5	0	06
131/3E	0	01	0	0	02
131/2E	0	03	0	0	08
Total	6	03	5	14	93

Village : Pedapatnamlanka

21/4B	0	06	0	0	15
21/4C	0	02	0	0	05
21/5P	0	07	0	0	17
53/9C	0	08	0	0	20
54/1C	0	05	5	0	14
54/3C	0	06	5	0	16
19/2	0	07	0	0	18
19/3B2	0	01	5	0	04
19/3B3	0	02	5	0	06
19/3B4	0	03	0	0	07
76/1B	0	05	5	0	14
76/4	0	17	0	0	42
80/1B	0	11	5	0	29
80/1C	0	04	5	0	11
142/4C	0	13	0	0	32
80/2A	0	03	5	0	09
80/3B	0	24	5	0	60
84/2	0	28	0	0	69
153/3	0	20	0	0	50
152/4B	0	01	5	0	04
152/4C	0	25	5	0	63
151/7B	0	10	0	0	25
151/11	0	00	5	0	01
134/6P	0	02	5	0	06
142/4B	0	13	0	0	32
142/5B	0	19	5	0	48
136/5B	0	03	0	0	08
136/4	0	11	5	0	28
136/5C	0	34	5	0	85
136/1P	0	32	5	0	80
134/5A	0	01	0	0	02
136/3P	0	07	0	0	18

1	2	3	4	5	6
135/7	0	22	5	0	55
135/5	0	35	0	0	87
135/6	0	05	0	0	12
151/7C	0	04	5	0	11
134/5B	0	02	5	0	06
134/5C	0	03	0	0	08
134/4	0	12	0	0	30
Total	4	23	0	10	47

Village : Mamidikuduru

50/5AP	0	10	0	0	25
50/3B	0	10	0	0	25
50/3A	0	06	5	0	16
49/1,2A	0	14	0	0	35
50/1	0	02	0	0	05
50/2	0	03	0	0	08
48/2	0	05	5	0	13
48/3	0	05	5	0	13
55/P	0	08	5	0	21
36/6A	0	05	0	0	12
56/4	0	18	0	0	44
56/2	0	01	0	0	03
56/3	0	03	0	0	07
56/5A	0	06	0	0	15
39/5	0	07	0	0	17
39/7B	0	05	5	0	14
36/2	0	11	0	0	27
36/4	0	10	0	0	25
36/5	0	05	0	0	12
33/P	0	20	0	0	50
18/1	0	06	0	0	15
18/3	0	06	0	0	15
18/2	0	03	5	0	09
16/4A	0	02	5	0	06
39/1C	0	09	0	0	22
39/3	0	06	0	0	15
39/8A	0	05	0	0	14
16/4B	0	03	0	0	07
16/4E	0	5	5	0	13
16/5A	0	3	5	0	09
16/5B	0	05	0	0	14
16/2B,3	0	08	0	0	20
14/2B	0	06	5	0	16
14/2C	0	08	0	0	20
5/1A	0	07	5	0	18
5/1B	0	22	5	0	56
5/B2	0	12	0	0	30
5/B3	0	04	5	0	11
6/1B	0	07	5	0	18
6/1C	0	06	0	0	15
7/A	0	48	5	1	20
7/1E1	0	01	0	0	03
Total	3	43	0	8	53

Village : Pasarlapudi

1	2	3	4	5	6
203/2	0	03	5	0	09
202/1	0	10	0	0	25
4/2.3C	0	17	0	0	42
4/3D.5/3	0	12	0	0	30
4/3B.5/2	0	11	5	0	29
10/1A.1B.15/5	0	38	0	0	94
10/2.15/4B	0	09	0	0	22
14/6B	0	05	5	0	13
14/4.5.6	0	14	0	0	34
17/1B	0	06	0	0	14
17/1C	0	05	0	0	12
17/1D	0	06	5	0	16
17/1E	0	03	5	0	09
17/1F	0	03	5	0	09
17/1G	0	03	5	0	09
16/1B.2B	0	26	5	0	65
Total	1	75	0	4	32

Village : Nagaram

232/15A1	0	10	0	0	25
224/1A2	0	04	0	0	10
232/15A2	0	04	0	0	10
233/P	0	16	5	0	41
236/1B6	0	14	0	0	34
236/B5	0	03	5	0	09
236/B4	0	14	5	0	36
184/P	0	03	0	0	07
236/B3	0	08	5	0	21
240/P	0	07	5	0	19
236/B2	0	07	0	0	17
236/B1	0	18	5	0	46
239/P	0	01	5	0	04
181/1A	0	01	0	0	02
180/P	0	25	0	0	62
181/C	0	01	5	0	04
242/2P	0	10	0	0	25
175/P	0	07	5	0	19
243/1B	0	16	0	0	39
145/5A	0	03	0	0	08
145/4C	0	09	5	0	24
145/5B	0	03	0	0	08
146/3	0	01	0	0	02
146/4	0	03	0	0	07
169/1A3	0	06	0	0	14
169/1A4	0	08	0	0	20
169/1A5	0	04	0	0	10
181/2A	0	09	5	0	23
181/2B	0	11	0	0	27
Total	2	31	0	5	71

[No. O.-12016/19/2005-ONGD-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 749.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में **पि.ओ.दि.बि. से मुलिकिपल्लि-1** तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्अबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद् कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्र एमट/के.जि.बेसिन,ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड. गोदावरी भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाईपलाईन : पी.वो.दि.बि. से मुलिकेपल्लि

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : रजोलु

जिला : पूर्व गोदावरी

गांव : पोन्नमंदा

आर. एस. नं.	हेक्टेक्स	एस	सेंटे एस	एकर्स	सेंटेस
1	2	3	4	5	6
638/2	0	05	0	0	14
422/14	0	06	5	0	16
422/15A	0	03	0	0	08
422/11C	0	05	0	0	14
422/8	0	01	5	0	04
422/9A	0	01	5	0	04
422/12	0	05	0	0	12
422/13A	0	04	0	0	10
422/1B	0	02	0	0	05
422/2B	0	08	0	0	20
421/3B	0	02	0	0	05 ½
421/3C	0	02	0	0	05 ½
421/3D	0	02	0	0	05 ½
421/3E	0	02	0	0	05 ½
421/3F	0	01	5	0	04
421/3G	0	01	0	0	03 ½
425/9B	0	02	0	0	05
425/8C	0	04	5	0	11
425/8B	0	05	0	0	12
425/1C	0	05	5	0	13
425/1B	0	05	5	0	13 ½
482/1BPT	0	04	0	0	10

1	2	3	4	5	6
481/2E	0	05	0	0	14
481/2C	0	06	0	0	15 ½
481/2G	0	02	5	0	06 ½
481/2B	0	04	0	0	10 ½
449/5	0	14	0	0	34 ½
480/4B	0	02	0	0	05
480/3B	0	01	0	0	03 ½
480/1B	0	02	0	0	05 ½
480/2B	0	02	0	0	05
479/5B	0	01	0	0	02
479/6B	0	01	0	0	03
479/18D	0	04	5	0	11
479/18C	0	03	0	0	08
479/2	0	04	0	0	10
479/14	0	01	0	0	02
479/15	0	01	0	0	02 ½
479/16	0	01	0	0	02 ½
479/17	0	01	0	0	02 ½
478/4B	0	02	0	0	05
478/5B	0	01	0	0	02 ½
478/3A	0	01	0	0	02 ½
478/6C	0	01	0	0	02 ½
478/2B	0	01	0	0	02 ½
478/6B	0	02	0	0	02 ½
478/1B	0	05	0	0	12
452/11C	0	04	5	0	11
452/10B	0	02	5	0	06
452/3B	0	01	0	0	03
452/1B	0	01	5	0	04 ½
452/4B	0	02	0	0	05
452/6B	0	02	5	0	06
452/2B	0	01	0	0	02
452/5B	0	02	0	0	05
459/9B	0	03	5	0	09
459/5CP	0	06	0	0	15
495/5P	0	05	5	0	13
421/3A	0	01	5	0	04
482/1B PT	0	06	5	0	16
482/1B PT	0	06	5	0	16
Total	1	93	0	4	89 ½

[सं. ओ-12016/20/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]
एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 749.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from PODB TO MULIKIPALLI-1 in the A.P. state pipeline should be laid by the OIL & NATURAL GAS CORPORATION LTD.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right

of user in the land described in the schedule annexed here to :—

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

PROVIDED THAT ANY person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

AND every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM PODB TO MULIKIPALLI-1

State : Andhra Pradesh Mandal : Razole
District : East Godavari Village : Ponnamanda

R.S. No.	Hectares	Ares	Centi ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
638/2	0	05	0	0	14
422/14	0	06	5	0	16
422/15A	0	03	0	0	08
422/11C	0	05	0	0	14
422/8	0	01	5	0	04
422/9A	0	01	5	0	04
422/12	0	05	0	0	12
422/13A	0	04	0	0	10
422/1B	0	02	0	0	05
422/2B	0	08	0	0	20
421/3B	0	02	0	0	05 ½
421/3C	0	02	0	0	05 ½
421/3D	0	02	0	0	05 ½
421/3E	0	02	0	0	05 ½
421/3F	0	01	5	0	04
421/3G	0	01	0	0	03 ½
425/9B	0	02	0	0	05
425/8C	0	04	5	0	11
425/8B	0	05	0	0	12
425/1C	0	05	5	0	13
425/1B	0	05	5	0	13 ½
482/1B PT	0	04	0	0	10
481/2E	0	05	0	0	14
481/2C	0	06	0	0	15 ½
481/2G	0	02	5	0	06 ½
481/2B	0	04	0	0	10 ½
449/5	0	14	0	0	34 ½
480/4B	0	02	0	0	05
480/3B	0	01	0	0	03 ½
480/1B	0	02	0	0	05 ½

1	2	3	4	5	6
480/2B	0	02	0	0	05
479/5B	0	01	0	0	02
479/6B	0	01	0	0	03
479/18D	0	04	5	0	11
479/18C	0	03	0	0	08
479/2	0	04	0	0	10
479/14	0	01	0	0	02
479/15	0	01	0	0	02 ½
479/16	0	01	0	0	02 ½
479/17	0	01	0	0	02 ½
478/4B	0	02	0	0	05
478/5B	0	01	0	0	02 ½
478/3A	0	01	0	0	02 ½
478/6C	0	01	0	0	02 ½
478/2B	0	01	0	0	02 ½
478/6B	0	01	0	0	02 ½
478/1B	0	05	0	0	12
452/11C	0	04	5	0	11
452/10B	0	02	5	0	06
452/3B	0	01	0	0	03
452/1B	0	01	5	0	04 ½
452/4B	0	02	0	0	05
452/6B	0	02	5	0	06
452/2B	0	01	0	0	02
452/5B	0	02	0	0	05
459/9B	0	03	5	0	09
459/5CP	0	06	0	0	15
495/5P	0	05	5	0	13
421/3A	0	01	5	0	04
482/1BPT	0	06	5	0	16
482/1BPT	0	06	5	0	16
Total	1	93	0	4	89 ½

[No. O.-12016/20/2005-ONGD-IV]

N. C. JAKHUP. Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 750.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाईप लाइन: 'मोरि-10 से मोरि-8' तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

यशर्त कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक

गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्र एसट/के.जि.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची**आर.ओ.यू. पाईप लाइन : मोरि-10 से मोरि-8**

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : मलीकिपुरम

जिले : पूर्व गोदावरी

गांव : कत्तिमंड

आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टे एर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
53/4,5	0	07	5	0	18
58/9pt, 10pt	0	11	0	0	27
88/13pt	0	06	0	0	15
58/10pt	0	07	0	0	17
58/9pt	0	07	0	0	17
54/5pt	0	01	5	0	04
58/10pt	0	02	5	0	06
58/10pt	0	07	5	0	18
45/8pt	0	01	5	0	04
56/1A	0	05	5	0	13
57/5pt	0	00	5	0	01
54/4pt	0	01	0	0	03
54/6	0	02	0	0	05
56/1B	0	12	0	0	30
54/14pt	0	05	5	0	14
57/5A	0	02	0	0	05
85/1A	0	07	0	0	17
85/3A, 4A	0	01	0	0	02
85/7pt, 8pt	0	10	5	0	26
88/2,3,6,7&8	0	13	5	0	33
94/4pt	0	02	0	0	05
88/14	0	05	5	0	13
88/15	0	02	5	0	06
89/2pt	0	02	5	0	06
88/9	0	02	0	0	05
88/12	0	05	5	0	13
88/10	0	02	0	0	05
88/11	0	06	5	0	16
89/1	0	01	0	0	02
89/2	0	15	0	0	37
89/14	0	04	0	0	10
90/1	0	01	5	0	04
90/C	0	02	0	0	05
90/B	0	02	5	0	06
92/12pt	0	04	5	0	11
92/11pt, 10pt	0	09	0	0	22
94/5	0	22	5	0	55
94/2pt	0	03	0	0	07
76/pt	0	06	0	0	15

1	2	3	4	5	6
96/1B	0	03	0	0	07
96/1A,72/pt	0	13	5	0	33
Total	2	28	0	5	58

मंडल : साखीनेटीपाल्ली गांव : मोरिपोडू

38/2	0	06	5	0	15
328/2B	0	03	0	0	08
328/1G	0	05	5	0	14
328/1F	0	08	0	0	20
312/4pt	0	04	0	0	10
328/1B	0	16	0	0	39
328/1A	0	10	5	0	26
312/2P	0	02	0	0	05
312/2pt	0	02	0	0	06
311/3pt	0	15	5	0	38
300/3pt	0	03	0	0	07
301/4	0	03	5	0	09
301/5	0	18	0	0	45
300/1pt	0	08	0	0	20
300/2A	0	08	0	0	20
300/2B	0	03	0	0	08
299/1A	0	05	5	0	14
302/2pt	0	06	5	0	16
299/5B	0	06	0	0	15
Total	1	34	5	3	35

[सं. ओ-12016/21/2005-ओ एन जी डी-IV]
एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 750.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from “**MORI 10 TO MORI - 8**” in the A.P. state pipeline should be laid by the OIL & NATURAL GAS CORPORATION LTD.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

AND every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE**ROU FLOW LINE FROM Mori-10 to Mori-8**

State : Andhra Pradesh

Mandal : Malikipuram

District : East Godavari

Village : Kathimanda

S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
53/4,5	0	07	5	0	18
58/9pt, 10p	0	11	0	0	27
88/13pt	0	06	0	0	15
58/10pt	0	07	0	0	17
58/9pt	0	07	0	0	17
54/5pt	0	01	5	0	04
58/10pt	0	02	5	0	06
58/10pt	0	07	5	0	18
54/8pt	0	01	5	0	04
56/1A	0	05	5	0	13
57/5pt	0	00	5	0	01
54/4pt	0	01	0	0	03
54/6	0	02	0	0	05
56/1B	0	12	0	0	30
54/14pt	0	05	5	0	14
57/5A	0	02	0	0	05
85/1A	0	07	0	0	17
85/3A, 4A	0	01	0	0	02
85/7pt, 8pt	0	10	5	0	26
88/2,3,6,7&8	0	13	5	0	33
94/4pt	0	02	0	0	05
88/14	0	05	5	0	13
88/15	0	02	5	0	05
89/2pt	0	02	5	0	06
88/9	0	02	0	0	05
88/12	0	05	5	0	13
88/10	0	02	0	0	05
88/11	0	06	5	0	16
89/1	0	01	0	0	02
89/2	0	15	0	0	37
89/14	0	04	0	0	10
90/1	0	01	5	0	04
90/C	0	02	0	0	05
90/B	0	02	5	0	06
92/12pt	0	04	5	0	11
92/11pt, 10pt	0	09	0	0	22
94/5	0	22	5	0	55
94/2pt	0	03	0	0	07
76/pt	0	06	0	0	15
96/1B	0	03	0	0	07
96/1A,72/pt	0	13	5	0	33
Total	2	28	0	5	58

Mandal : Sakhinetipalli Village : Moripodu

1	2	3	4	5	6
38/2	0	06	5	0	15
328/2B	0	03	0	0	08
328/1G	0	05	5	0	14
328/1F	0	08	0	0	20
312/4pt	0	04	0	0	10
328/1B	0	16	0	0	39
328/1A	0	10	5	0	26
312/2P	0	02	0	0	05
312/2pt	0	02	0	0	06
311/3pt	0	15	5	0	38
300/3pt	0	03	0	0	07
301/4	0	03	5	0	09
301/5	0	18	0	0	45
300/1pt	0	08	0	0	20
300/2A	0	08	0	0	20
300/2B	0	03	0	0	08
299/1A	0	05	5	0	14
302/2pt	0	06	5	0	16
299/5B	0	06	0	0	15
Total	1	34	5	3	35

[No. O-12016/21/2005-ONGD-IV]

N. C. JAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 751.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाईप लाइन: 'कैकलूर ई.पी.एस. से लिंगाल जी.सी.एस' तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्र एस्ट/के.जि.बेसिन,ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐमा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाईप लाइन : कैकलूर ई पी एस से लिंगाला जी.सी.एस.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश		मंडल : मुदिनेपल्लि			
जिला : कृष्णा		गांव : चिगुरुकाकोटा			
आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेन्टे एस	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
375/1DPt	0	02	5	0	06
375/2E2/Bpt	0	02	0	0	05
387/1C4pt	0	02	0	0	05
375/3E2	0	01	0	0	03
382/1B	0	01	0	0	02
375/3E2 Bpt	0	01	0	0	02
382/5B1	0	00	5	0	01
382/4D1	0	01	0	0	02
380/1A1	0	00	5	0	01
382/4A1	0	02	0	0	05
382/5A1	0	00	5	0	01
380/2A	0	01	0	0	02
380/1B1	0	00	5	0	01
382/4C1	0	01	0	0	02
Total	0	16	5	0	38

गांव : चिनाकामनपूडि

21/1A1A	0	01	0	0	02
21/1A2A	0	00	5	0	01
21/1A4A	0	00	5	0	01
21/1A5A	0	00	5	0	01
23/1A1	0	00	5	0	01
23/1C1	0	00	5	0	01
23/2A	0	00	5	0	01
23/3A	0	00	5	0	01
23/4A	0	00	5	0	01
23/5A1	0	00	5	0	01
23/5B1	0	00	5	0	01
23/5C1	0	01	0	0	02
23/5D1	0	01	0	0	02
23/5E1	0	00	0	0	00½
23/5E3	0	00	5	0	01
24/2A	0	03	0	0	07
24/1B	0	01	0	0	03
24/1C	0	01	0	0	02
Total	0	13	5	0	29 ½

गांव : पेदकामनपूडि

24/2B	0	03	0	0	07
24/3A	0	03	0	0	08
24/3B	0	06	0	0	15
24/3D	0	05	0	0	13
94/2A1	0	03	0	0	08
94/6B	0	03	0	0	07
94/7Pt	0	03	0	0	07

1	2	3	4	5	6
97/4A	0	03	0	0	07
97/4B	0	01	5	0	04
97/5P	0	05	5	0	13
97/6P	0	04	5	0	11
97/8P	0	05	0	0	12
100/4	0	06	0	0	15
122/1P	0	08	0	0	20
123/4	0	05	5	0	14
125/1A	0	01	0	0	02
123/3	0	04	0	0	10
125/1D	0	05	5	0	14
24/3C	0	02	0	0	05
94/2A2	0	01	5	0	04
94/6A	0	01	0	0	03
123/2	0	03	5	0	09
125/3B	0	06	5	0	16
126/1A	0	03	0	0	07
122/4P	0	08	0	0	20
123/1	0	03	5	0	09
126/1B	0	03	0	0	08
126/2A	0	07	5	0	19
126/2B	0	07	5	0	18
Total	1	22	5	3	05

गांव : पेदकामनपूडि

7/1	0	07	5	0	19
7/2	0	09	5	0	23
19/1A	0	06	0	0	15
19/1B	0	06	0	0	15
7/3	0	09	5	0	23
19/2	0	12	5	0	31
21/1A	0	03	0	0	08 ½
21/1B	0	03	0	0	08 ½
21/C	0	07	0	0	17
33/P	0	14	5	0	36
32/1	0	30	0	0	74
32/2	0	14	5	0	36
32/3	0	18	0	0	45
32/4	0	11	5	0	28
30/1A	0	07	0	0	17
31/P	0	14	5	0	36
30/1B	0	07	0	0	17
30/2A	0	07	0	0	17
30/2B	0	07	0	0	17
156/1	0	07	0	0	17
156/2	0	04	0	0	10
156/3	0	07	0	0	17
156/4	0	14	5	0	36
161/1	0	09	5	0	24
161/2	0	06	5	0	16
161/3	0	07	5	0	19
161/4	0	08	0	0	20

1	2	3	4	5	6
166/1B	0	06	0	0	15
166/2P	0	02	5	0	06
166/3P	0	03	0	0	07
166/1A	0	06	0	0	15
166/4A	0	10	5	0	26
166/4B	0	06	5	0	16
165/1A	0	04	0	0	10
165/1B	0	13	5	0	33
165/2	0	05	5	0	13
165/3	0	01	5	0	04
165/4	0	02	0	0	05
165/5	0	02	0	0	05
165/6	0	02	0	0	05
165/7	0	02	0	0	05
Total	3	26	0	8	07

गांव : वडालि

3/P	0	09	5	0	24
6/5A	0	03	5	0	09
29/1P	0	10	0	0	25 ½
6/5B	0	04	5	0	11
6/8P	0	02	5	0	06
32/12A	0	02	5	0	06
7/3A	0	02	5	0	06
7/3B	0	02	0	0	05
7/2	0	05	5	0	13
8/7	0	11	5	0	28
9/P	0	08	5	0	21
11/P	0	07	5	0	19
12/P	0	11	5	0	29
20/2P	0	05	0	0	12
20/1P	0	05	5	0	14
20/5P	0	07	0	0	17
22/1P	0	21	5	0	53
31/2A	0	09	5	0	23
31/5A	0	02	0	0	05
32/7A	0	01	0	0	03
32/7P	0	01	0	0	03
33/8A	0	01	0	0	03
32/8B	0	01	0	0	03
32/11A1	0	01	0	0	03
32/11B2	0	01	0	0	03
81/1A	0	03	5	0	09
81/3P	0	05	5	0	13 ½
82/1B	0	02	5	0	06
82/6B	0	03	0	0	07
84/3A	0	02	0	0	06
84/4A	0	02	0	0	06
85/7A	0	01	0	0	03
66/2A	0	02	0	0	05
67/2A	0	03	0	0	08
70/1B1	0	03	0	0	08
70/2A1	0	01	0	0	02

1	2	3	4	5	6
70/3A1	0	01	5	0	04
70/4A1	0	01	5	0	04
72/6*Govt	0	01	5	0	04
72/4*Govt	0	01	0	0	02
201/1C	0	03	0	0	08
69/1A	0	03	0	0	08
66/2A	0	02	0	0	05
65/1A	0	01	0	0	02
Total	1	81	0	4	55

गांव : चेवूरु

35/3	0	06	0	0	15
33/3C	0	04	5	0	11
36/2C	0	04	0	0	10
38/2C	0	02	0	0	05
Total	0	16	5	0	41

[सं. ओ-12016/22/2005-ओ. एन. जी. डी-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 751.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from “**KAIKALUR EPS LINGALA GCS**” in the A.P. state pipeline should be laid by the OIL & NATURAL GAS CORPORATION LTD.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE**ROU FLOW LINE FROM KAIKALUR:
EPS TO LINGALA GCS**

State : Andhra Pradesh Mandal : Mudnenapalli
District : Krishna Village : Chigurukota

R.S.No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
375/1DPt	0	02	5	0	06
375/2E22/Bpt	0	02	0	0	05
387/1C4pt	0	02	0	0	05

1	2	3	4	5	6
375/3E2	0	01	0	0	03
382/1B	0	01	0	0	02
375/3E2 Bpt	0	01	0	0	02
382/5B1	0	00	5	0	01
382.4D1	0	01	0	0	02
380/1A1	0	00	5	0	01
382/4A1	0	02	0	0	05
382/5A1	0	00	5	0	01
380/2A	0	01	0	0	02
380/1B1	0	00	5	0	01
382/4C1	0	01	0	0	02
Total	0	16	5	0	38

Village : Chinakamanapudi

21/1A1A	0	01	0	0	02
21/1A2A	0	00	5	0	01
21/1A4A	0	00	5	0	01
21/1A5A	0	00	5	0	01
23/1A1	0	00	5	0	01
23/1C1	0	00	5	0	01
23/2A	0	00	5	0	01
23/3A	0	00	5	0	01
23/4A	0	00	5	0	01
23/5A1	0	00	5	0	01
23/5B1	0	00	5	0	01
23/5C1	0	01	0	0	02
23/5D1	0	01	0	0	02
23/5E1	0	00	0	0	00
23/5E3	0	00	5	0	01 ½
24/2A	0	03	0	0	07
24/1B	0	01	0	0	03
24/1C	0	01	0	0	02
Total	0	13	5	0	29 ½

Village : Chinakamanapudi

24/2B	0	03	0	0	07
24/3A	0	03	0	0	08
24/3B	0	06	0	0	15
24/3D	0	05	0	0	13
94/2A1	0	03	0	0	08
94/6B	0	03	0	0	07
94/7Pt	0	03	0	0	07
97/4A	0	03	0	0	07
97/4B	0	01	5	0	04
97/5P	0	05	0	0	13
97/6P	0	04	0	0	11
97/8P	0	05	0	0	12
100/4	0	06	0	0	15
122/1P	0	08	0	0	20
123/4	0	05	5	0	14
125/1A	0	01	0	0	02
123/3	0	04	0	0	10
125/1D	0	05	5	0	14
24/3C	0	02	0	0	05

1	2	3	4	5	6
94/2A2	0	01	5	0	04
94/6A	0	01	0	0	03
123/2	0	03	5	0	09
125/3B	0	06	5	0	16
126/1A	0	03	0	0	07
122/4P	0	08	0	0	20
123/1	0	03	5	0	09
126/1B	0	03	0	0	08
126/2A	0	07	5	0	19
126/2B	0	07	5	0	18
Total	1	22	5	3	05

Village : Pedakamana

7/1	0	07	5	0	19
7/2	0	09	5	0	23
19/1A	0	06	0	0	15
19/1B	0	06	0	0	15
7/3	0	09	5	0	23
19/2	0	12	5	0	31
21/1A	0	03	0	0	08 ½
21/1B	0	03	0	0	08 ½
21/C	0	07	0	0	17
33/P	0	14	5	0	36
32/1	0	30	0	0	74
32/2	0	14	5	0	36
32/3	0	18	0	0	45
32/4	0	11	5	0	28
30/1A	0	07	0	0	17
31/P	0	14	5	0	36
30/1B	0	07	0	0	17
30/2A	0	07	0	0	17
30/2B	0	07	0	0	17
156/1	0	07	0	0	17
156/2	0	04	0	0	10
156/3	0	07	0	0	17
156/4	0	14	5	0	36
161/1	0	09	5	0	24
161/2	0	06	5	0	16
161/3	0	07	5	0	19
161/4	0	08	0	0	20
166/1B	0	06	0	0	15
166/2P	0	02	5	0	06
166/3P	0	03	0	0	07
166/1A	0	06	0	0	15
166/4A	0	10	5	0	26
166/4B	0	06	0	0	16
165/1A	0	04	0	0	10
165/1B	0	13	5	0	33
165/2	0	05	5	0	13
165/3	0	01	0	0	04
165/4	0	02	0	0	05
165/5	0	02	0	0	05
165/6	0	02	0	0	05
165/7	0	02	0	0	05
Total	3	26	0	8	07

Village : Vadali

1	2	3	4	5	6
3/P	0	09	5	0	24
6/5A	0	03	5	0	09
29/1P	0	10	0	0	25 ½
6/5B	0	04	5	0	11
6/8P	0	02	5	0	06
32/12A	0	02	5	0	06
7/3A	0	02	5	0	06
7/3B	0	02	0	0	05
7/2	0	05	5	0	13
8/7	0	11	5	0	28
9/P	0	08	5	0	21
11/P	0	07	5	0	19
12/P	0	11	5	0	29
20/2P	0	05	0	0	12
20/1P	0	05	5	0	14
20/5P	0	07	0	0	17
22/1P	0	21	5	0	53
31/2A	0	09	5	0	23
31/5A	0	02	0	0	05
32/7A	0	01	0	0	03
32/7P	0	01	0	0	03
33/8A	0	01	0	0	03
32/8B	0	01	0	0	03
32/11A1	0	01	0	0	03
32/11B2	0	01	0	0	03
81/1A	0	03	5	0	09
81/3P	0	05	5	0	13 ½
82/1B	0	02	5	0	06
82/6B	0	03	0	0	07
84/3A	0	02	0	0	06
84/4A	0	02	0	0	06
85/7A	0	01	0	0	03
66/2A	0	02	0	0	05
67/2A	0	03	0	0	08
70/1B1	0	03	0	0	08
70/2A1	0	01	0	0	02
70/3A1	0	01	5	0	04
70/4A1	0	01	5	0	04
72/6*Govt	0	01	5	0	04
72/4*Govt	0	01	0	0	02
201/1C	0	03	0	0	08
69/1A	0	03	0	0	08
66/2A	0	02	0	0	05
65/1A	0	01	0	0	02
Total	1	81	0	4	55

Village : Chevuru

35/3	0	06	0	0	15
33/3C	0	04	5	0	11
36/2C	0	04	0	0	10
38/2C	0	02	0	0	05
Total	0	16	5	0	41

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 752.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाइप लाइन : 'केसनपल्लि के. डब्ल्यू. डी.ए. और के.डब्ल्यू. ए.ए. (6 और 10) से जी.सी.एस. केसनपल्लि' तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए। और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्रि एसट/के.जि.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 23 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइपलाइन केसनपल्लि के. डब्ल्यू.डी.ए. और के.डब्ल्यू.ए.ए. (6 और 10) से जी.सी.एस. केसनपल्लि

राज्य : आन्ध्र प्रदेश	मंडल : मलिकिपुरम				
जिले : पृथ्वी गोदावरी	गांव : केसनपल्लि सिवरु गोल्ल पालेम				
आर.एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेन्टेयर्स	एकर्स	सेन्ट्स
497	0	12	0	0	30
TOTAL	0	12	0	0	30

[फा. सं. ओ-12016/23/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 752.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from "Kesanapalli KWDA and KWAA (6 and 10) to GCS Kesanapalli" in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

Rajahmundry Asset/K.G. Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

Rou flow line from Kesanapalli KWDA and KWAA (6 and 10) to GCS Kesanapalli

State : Andhra Pradesh Mandal : Malikipuram
District : East Godavari Village : Gollapalem H/O Kesanapalli

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
497	0	12	0	0	30
TOTAL	0	12	0	0	30

[F. No. O-12016/23/2005-O.N.G.D.-IV]

N C ZAKHUP Under Secy

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 753.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाइप लाइन : 'एल.एस.ए.ए. से जी.सी.एस. नर्सापुर' तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्रि एसट/के.जि. बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 23 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : 'एल.एस.ए.ए. से जी.सी.एस. नर्सापुर

राज्य : आन्ध्र प्रदेश मंडल : नर्सापुर
जिला : पश्चिम गोदावरी गांव : सरिपल्लु

आर.एस. नं.	हेक्टेयर्स	एस	सेन्टेयर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
385	0	32	0	0	79
350	0	05	0	0	12
349	0	41	5	1	03
336/24P	0	01	0	0	02
336/23P	0	02	5	0	06

गांव : सरिपल्लि

1	2	3	4	5	6
257/6	0	01	0	0	02
323/P	0	15	5	0	38
321/1	0	04	5	0	11½
321/1B	0	19	5	0	48
323/P	0	07	5	0	19
320	0	22	5	0	55
280/3	0	03	0	0	07
279/1	0	09	0	0	22
279/2	0	13	0	0	32
287/2.3	0	11	0	0	27
288	0	29	5	0	73
286/2	0	12	0	0	30
286/3	0	16	0	0	40
195/2	0	28	5	0	70
196	0	28	5	0	70
268/2	0	17	5	0	43
269/2	0	03	0	0	07
269/1	0	01	0	0	03
286/4	0	07	5	0	18
270/P	0	11	5	0	28
267	0	26	5	0	65
261	0	21	5	0	53
260/IP	0	16	0	0	40
256/3.4	0	07	5	0	19
260/2P	0	09	5	0	23
238/P	0	03	0	0	08
286/4	0	07	0	0	17
287/3.4	0	11	0	0	27
TOTAL	4	45	5	10	97½

गांव : रुस्तुमबादा

178/1J.2	0	40	5	1	00½
186/1A, 1C,					
186/B	0	15	0	0	37
186/1B	0	08	0	0	20
186/2J	0	02	5	0	06
186/2I	0	03	0	0	08½
186/2H	0	02	0	0	05½
186/2C	0	06	0	0	15
177/12	0	21	5	0	53
136/1A	0	03	0	0	07½
135/3	0	03	0	0	07½
137	0	41	5	1	03
144/1	0	07	0	0	17
145/1, 146/1C	0	39	5	0	98
148/2	0	09	5	0	24
148/1	0	18	0	0	44
TOTAL	2	20	0	5	46½

गांव : चिनमामिझिपल्लि

1	2	3	4	5	6
350	0	37	5	0	93
332/4	0	01	5	0	04
331/1B	0	44	5	1	10
325/1	0	20	0	0	50
332/5	0	05	0	0	12
324	0	12	0	0	30
195/3P	0	03	0	0	07
195/2	0	01	0	0	03
195/1	0	03	0	0	07
183/1	0	31	5	0	78
140/2	0	09	5	0	24
136	0	08	5	0	21
386	0	09	0	0	22
406/3	0	12	0	0	30
138/3.2	0	23	0	0	57
115/1P	0	26	0	0	64
115/2	0	18	5	0	46½
115/3	0	05	5	0	13
116/1	0	06	5	0	16
116/2	0	39	0	0	96
116/5	0	08	5	0	21
74/4	0	29	0	0	72
72/P	0	21	5	0	53
83	0	21	5	0	53
73/3	0	06	0	0	15
74/3	0	31	0	0	77
73/1	0	02	5	0	06½
73/2	0	06	0	0	15
TOTAL	4	42	5	10	96

[सं. ओ-12016/24/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 753.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from "LSAA to GCS NARASAPUR" in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G. Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM LSAA TO GCS/ NARASAPUR

State : Andhra Pradesh Mandal : Narasapur
District : West Godavari Village : Saripalli

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
385	0	32	0	0	79
350	0	05	0	0	12
349	0	41	5	1	03
336/24P	0	01	0	0	02
336/23P	0	02	5	0	06
257/6	0	01	0	0	02
323/P	0	15	5	0	38
321/1	0	04	5	0	11½
321/1B	0	19	5	0	48
323/P	0	07	5	0	19
320	0	22	5	0	55
280/3	0	03	0	0	07
279/1	0	09	0	0	22
279/2	0	13	0	0	32
287/2, 3	0	11	0	0	27
288	0	29	5	0	73
286/2	0	12	0	0	30
286/3	0	16	0	0	40
195/2	0	28	5	0	70
196	0	28	5	0	70
268/2	0	17	5	0	43
269/2	0	03	0	0	07
269/1	0	01	0	0	03
286/4	0	07	5	0	18
270/P	0	11	5	0	28
267	0	26	5	0	65
261	0	21	5	0	53
260/1P	0	16	0	0	40
256/3, 4	0	07	5	0	19
260/2P	0	09	5	0	23
238/P	0	03	0	0	08
286/4	0	07	0	0	17
287/3, 4	0	11	0	0	27
TOTAL	4	45	5	10	97½

Village : Rustumbada

178/11, 2	0	40	5	1	00½
186/1A, 1C, 186/B	0	15	0	0	37
186/1B	0	08	0	0	20
186/2J	0	02	5	0	06
186/2I	0	03	0	0	08½

1	2	3	4	5	6
186/2H	0	02	0	0	05½
186/2C	0	06	0	0	15
177/12	0	21	5	0	53
136/1A	0	03	0	0	07½
135/3	0	03	0	0	07½
137	0	41	5	1	03
144/1	0	07	0	0	17
145/1, 146/1C	0	39	5	0	98
148/2	0	09	5	0	24
148/1	0	18	0	0	44
TOTAL	2	20	0	5	46½

Village : Chinanamidipalli

350	0	37	5	0	93
332/4	0	01	5	0	04
331/1B	0	44	5	1	10
325/1	0	20	0	0	50
332/5	0	05	0	0	12
324	0	12	0	0	30
195/3P	0	03	0	0	07
195/2	0	01	0	0	03
195/1	0	03	0	0	07
183/1	0	31	5	0	78
140/2	0	09	5	0	24
136	0	08	5	0	21
386	0	09	0	0	22
406/3	0	12	0	0	30
138/3, 2	0	23	0	0	57
115/1P	0	26	0	0	64
115/2	0	18	5	0	46½
115/3	0	05	5	0	13
116/1	0	06	5	0	16
116/2	0	39	0	0	96
116/5	0	08	5	0	21
74/4	0	29	0	0	72
72/P	0	21	5	0	53
83	0	21	5	0	53
73/3	0	06	0	0	15
74/3	0	31	0	0	77
73/1	0	02	5	0	06½
73/2	0	06	0	0	15
TOTAL	4	42	5	10	96

[No. O.-12016/24/2005-O.N.G.D.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 754.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाइप लाइन : एल.जी.डी.सी. से जी.सी.एस. लिंगाला तक पेट्रोलियम

के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, राजमहेन्द्र एसट/के.जी. बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश को अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : एल.जी.डी.सी. से जी.सी.एस. लिंगाला

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : मुदिनेपल्लि

जिला : कृष्णा

गांव : पेरिकिगूडेम

आर.ओ.यू. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टीस	एकड़	सेन्ट्स
883/3ए	0	00	5	0	01
883/3बी	0	06	0	0	15
883/4ए	0	02	5	0	06
883/4बी	0	01	0	0	03
883/4सी	0	02	5	0	06
883/4डी	0	01	0	0	03
883/4ई	0	01	0	0	03
884/1पी	0	03	0	0	07
884/2पी	0	02	0	0	05
884/10पी	0	05	0	0	12
884/4पी	0	03	5	0	09
TOTAL	0	28	0	0	70

[सं. ओ-12016/25/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 754.—Whereas it appears to the Central Government that is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from "LGDC to GCS LINGALA" in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government

hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G. Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM LGDC TO GCS LINGALA

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mudinepalli

District : Krishna

Village : Perikigudem

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
883/3A	0	00	5	0	01
883/3B	0	06	0	0	15
883/4A	0	02	5	0	06
883/4B	0	01	0	0	03
883/4C	0	02	5	0	06
883/4D	0	01	0	0	03
883/4E	0	01	0	0	03
884/1P	0	03	0	0	07
884/2P	0	02	0	0	05
884/10P	0	05	0	0	12
884/4P	0	03	5	0	09
TOTAL	0	28	0	0	70

[No. O-12016/25/2005-O.N.G.D.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 755.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाइपलाइन : ई.एम.ए.ई.-7 से एंडमूरू-ई.पी.एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, राजमहेन्द्र एसट/के.जी.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश को अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : ई.एम.ए.ई.-7 से ऐंडमूरु-ई.पी.एस.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : करपा

जिला : पूर्व गोदावरी

गांव : पेदापुराप्पाडु

आर.एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टेएर्स	एकड़	सेन्ट्स
67/2B	0	22	0	0	54
68/1B	0	05	5	0	13
68/1C	0	23	5	0	58
69/3B	0	18	0	0	45
70/2B	0	09	0	0	22
62/4B	0	07	0	0	17
62/3B	0	04	0	0	10
52/5A, 5B, 3B	0	31	5	0	78
TOTAL	1	20	5	2	97

गांव : पातल्लगदा

65/5A	0	05	0	0	12
65/5B	0	11	0	0	27
65/5C	0	05	0	0	13
65/7	0	02	0	0	06
142/3B	0	27	0	0	67
65/8B	0	05	0	0	12
143/2B	0	12	0	0	30
143/1B	0	13	5	0	33
144/2Pt	0	09	0	0	22
190/Pt	0	30	0	0	74
192/1B	0	10	0	0	25
192/2	0	20	0	0	50
192/8	0	08	0	0	20
193/Pt	0	35	5	0	75
191/1	0	08	0	0	20
191/2	0	02	5	0	06½
192/3	0	02	5	0	06
192/4	0	02	5	0	06
191/5	0	02	0	0	05
191/6	0	02	0	0	05½
191/7	0	02	0	0	05
205/1	0	09	0	0	22
210/Pt	0	03	0	0	07
205/2			0	11	5
TOTAL	2	34	0	5	77

गांव : वेमुलवाडा

308/2B	0	08	5	0	21
309/1BPt	0	07	0	0	17
310/7Pt	0	07	5	0	18
310/6BPt	0	05	0	0	12
310/5BPt	0	04	5	0	11
311/2Pt	0	09	5	0	23

1	2	3	4	5	6
312/8A	0	06	0	0	15
312/7Pt	0	04	5	0	11
312/6B	0	01	5	0	04
312/7Pt	0	03	0	0	08
312/6A	0	03	0	0	08
312/5C	0	02	0	0	05
312/5BPt	0	02	0	0	05
312/5A	0	02	0	0	05
324/9APt	0	13	5	0	33
324/8APt	0	17	0	0	42
324/5A	0	36	0	0	89
324/4A	0	13	0	0	32
392/2A	0	16	0	0	40
328/6B	0	05	0	0	12
325/2A	0	01	0	0	03
32/5C4	0	06	0	0	15
328/5C3	0	01	5	0	04
328/5A2	0	03	0	0	07
328/5C2#	0	03	0	0	08
328/5A1	0	03	0	0	07
328/5C1	0	03	0	0	08
328/5B1	0	02	0	0	05
392/4Pt	0	09	5	0	24
392/4Pt	0	09	0	0	24
392/8BPt	0	14	0	0	35
324/9APt	0	14	0	0	35
324/8APt	0	17	0	0	42
392/1E1	0	11	0	0	27
392/1D1	0	06	0	0	16
392/1A1	0	09	0	0	22
391/9A, 9B	0	36	5	0	90
391/6A	0	04	5	0	11
391/1A	0	16	0	0	40
391/3A	0	04	0	0	10
391/4A	0	06	5	0	16
391/5A	0	05	0	0	12
472/2B	0	07	0	0	18
472/1B	0	11	5	0	28
470/1B	0	16	5	0	41
470/2A	0	01	0	0	02
419/1	0	12	0	0	30
436/1	0	02	0	0	05
432/3, 1B	0	23	5	0	58
433/2	0	12	5	0	31
434/2B	0	26	5	0	65
TOTAL	4	76	5	11	78

गांव : कोंगोडु

144/2	0	11	5	0	29
144/1Pt	0	04	0	0	10

1	2	3	4	5	6
147/2	0	37	0	0	91
144/1Pt	0	12	0	0	30
145/4B	0	03	0	0	07
136/12	0	03	0	0	08
136/8A	0	14	0	0	34
136/6A	0	01	5	0	04
136/7Pt	0	01	0	0	02
136/2B	0	01	5	0	04
136/2A	0	04	5	0	11
135/9A	0	05	5	0	14
135/5A	0	05	5	0	13
135/4A	0	05	5	0	14
135/2B	0	07	0	0	17
135/2A	0	01	0	0	03
135/1B	0	03	0	0	08
135/1A	0	05	0	0	12
127/6B	0	04	5	0	11
127/6A	0	04	0	0	10
123/3B	0	07	5	0	18
123/2B	0	05	5	0	13
15/6B1	0	09	0	0	22
15/6B2, 6A	0	03	0	0	08
15/5B Pt	0	12	0	0	30
15/5A Pt	0	09	5	0	24
15/4 Pt	0	14	5	0	36
15/4Pt, 2Pt	0	05	5	0	13
15/3Pt	0	06	0	0	15
14/4B, 3A	0	21	0	0	52
15/3Pt	0	02	0	0	05
15/2B Pt	0	06	0	0	15
15/2 Pt	0	03	5	0	09
15/1 Pt	0	06	0	0	15
15/6B, 4B	0	08	0	0	20
13/4A, 3B	0	03	0	0	08
15/1 Pt	0	06	0	0	15
13/4A, 3B	0	12	0	0	30
13/1B2	0	07	0	0	17
TOTAL	2	69	5	6	69

[सं. ओ-12016/26/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 755.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from “EMAE-7 to ENDAMURU-EPS” in the A.P. state pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users) in the

land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE**ROU FLOW LINE FROM : EMAE-7 TO
ENDAMURU-EPS**

State : Andhra Pradesh

Mandal : Karapa

District : East Godavari

Village : Patharlagadda
& Gorri Pude

S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents.
1	2	3	4	5	6
65/5A	0	05	0	0	12
65/5B	0	11	0	0	27
65/5C	0	05	0	0	13
65/7	0	02	0	0	06
142/3B	0	27	0	0	67
65/8B	0	05	0	0	12
143/2B	0	12	0	0	30
143/1B	0	13	5	0	33
144/2Pt	0	09	0	0	22
Gorri Pude					
190/Pt	0	30	0	0	74
192/1B	0	10	0	0	25
192/2	0	20	0	0	50
192/8	0	08	0	0	20
193/Pt	0	35	5	0	75
191/1	0	08	0	0	20
191/2	0	02	5	0	06½
191/3	0	02	5	0	06
191/4	0	02	5	0	06
191/5	0	02	0	0	05
191/6	0	02	0	0	05½
191/7	0	02	0	0	05
205/1	0	09	0	0	22
210/Pt	0	03	0	0	07
205/2			0	11	5
TOTAL	2	34	0	5	77

Village : Peddapurappadu

67/2B	0	22	0	0	54
68/1B	0	05	5	0	13
68/1C	0	23	5	0	58
69/3B	0	18	0	0	45
70/2B	0	09	0	0	22
62/4B	0	07	0	0	17
62/3B	0	04	0	0	10
52/5A, 5B, 3B	0	31	5	0	78
TOTAL	1	20	5	2	97

Village : Vemulavada

1	2	3	4	5	6
308/2B	0	08	5	0	21
309/1BPt	0	07	0	0	17
310/7Pt	0	07	5	0	18
310/6BPt	0	05	0	0	12
310/5BPt	0	04	5	0	11
311/2Pt	0	09	5	0	23
312/8A	0	06	0	0	15
312/7Pt	0	04	5	0	11
312/6B	0	01	5	0	04
312/7Pt	0	03	0	0	08
312/6A	0	03	0	0	08
312/5C	0	02	0	0	05
312/5BPt	0	02	0	0	05
312/5A	0	02	0	0	05
324/9APt	0	13	5	0	33
324/8APt	0	17	0	0	42
324/5A	0	36	0	0	89
324/4A	0	13	0	0	32
392/2A	0	16	0	0	40
328/6B	0	05	0	0	12
325/2A	0	01	0	0	03
32/5C4	0	06	0	0	15
328/5C3	0	01	5	0	04
328/5A2	0	03	0	0	07
328/5C2#	0	03	0	0	08
328/5A1	0	03	0	0	07
328/5C1	0	03	0	0	08
324/8APt	0	17	0	0	42
392/1E1	0	11	0	0	27
392/1D1	0	06	0	0	16
392/1A1	0	09	0	0	22
391/9A, 9B	0	36	5	0	90
391/6A	0	04	5	0	11
391/1A	0	16	0	0	40
391/3A	0	04	0	0	10
391/4A	0	06	5	0	16
391/5A	0	05	0	0	12
472/2B	0	07	0	0	18
472/1B	0	11	5	0	28
470/1B	0	16	5	0	41
470/2A	0	01	0	0	02
419/1	0	12	0	0	30
436/1	0	02	0	0	05
432/3, 1B	0	23	5	0	58
433/2	0	12	5	0	31
434/2B	0	26	5	0	65
TOTAL	4	76	5	11	78

Village : Kongodu

1	2	3	4	5	6
144/2	0	11	5	0	29
144/1Pt	0	04	0	0	10
147/2	0	37	0	0	91

1	2	3	4	5	6
144/1Pt	0	12	0	0	30
145/4B	0	03	0	0	07
136/12	0	03	0	0	08
136/8A	0	14	0	0	34
136/6A	0	01	5	0	04
136/7Pt	0	01	0	0	02
136/2B	0	01	5	0	04
136/2A	0	04	5	0	11
135/9A	0	05	5	0	14
135/5A	0	05	5	0	13
135/4A	0	05	5	0	14
135/2B	0	07	0	0	17
135/2A	0	01	0	0	03
135/1B	0	03	0	0	08
135/1A	0	05	0	0	12
127/6B	0	04	5	0	11
127/6A	0	04	0	0	10
123/3B	0	07	5	0	18
123/2B	0	05	5	0	13
15/6B1	0	09	0	0	22
15/6B2, 6A	0	03	0	0	08
15/5B Pt	0	12	0	0	30
15/5A Pt	0	09	5	0	24
15/4 Pt	0	14	5	0	36
15/4Pt, 2Pt	0	05	5	0	13
15/3Pt	0	06	0	0	15
14/4B, 3A	0	21	0	0	52
15/3Pt	0	02	0	0	05
15/2B Pt	0	06	0	0	15
15/2 Pt	0	03	5	0	09
15/1 Pt	0	06	0	0	15
15/6B, 4B	0	08	0	0	20
13/4A, 3B	0	03	0	0	08
15/1 Pt	0	06	0	0	15
13/4A, 3B	0	12	0	0	30
13/1B2	0	07	0	0	17
TOTAL	2	69	5	6	69

[No. O-12016/26/2005-O.N.G.D.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 756.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाइपलाइन : केसनपल्लि (वे) 7 से केसनपल्लि जी.जी.एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए उपाखण्ड अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्रि एसट/के.जी.बेसिन,ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 23 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइपलाइन : केसनपल्लि (वे) 7 से केसनपल्लि (वे) जी.जी.एस.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश मंडल : मामिडिकुदुरु
जिला : पूर्व गोदावरी गांव : गोगन्मटम सिवारु करवाका

आर.एस. नं.	हेक्टेअर्स	एर्स	सेन्टेअर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
447/बी	0	09	0	0	22½
446/ए, 447/ए	0	24	0	0	59
439/ए, 445/ए, 446/बी	0	46	0	1	14
438/ए	0	18	0	0	45
जोड़	0	97	0	2	40½

मंडल : मलिकिपुरम गांव : केसनपल्लि

559/2ए/1पी	0	22	5	0	56
532/3पी	0	09	0	0	22
502/6पी	0	01	5	0	04
492/7पी	0	07	5	0	18
492/6पी	0	11	5	0	29
492/5बी	0	04	5	0	11
559/2ए/2	0	11	5	0	29
489/2ए/1	0	12	0	0	30
489/1ए	0	14	5	0	36
497/5ए	0	00	5	0	01
492/1बी	0	13	5	0	33
559/2B/पी	0	18	0	0	44
532/1पी	0	05	0	0	12
491/4पी	0	01	0	0	02
492/1ए	0	03	5	0	09
489/2ए/3	0	20	0	0	49
जोड़	1	56	0	3	85

गांव : केसनपल्लि सिवारु गोल्लमपलेम

569/ए	0	14	0	0	34
569/पी	0	14	0	0	34
564/2पी, 565/5पी	0	15	5	0	37½

1	2	3	4	5	6
564/2पी, 565/5पी	0	15	5	0	37½
564/2पी, 565/5पी	0	15	5	0	37½
552/बी	0	10	0	0	25
552/पीटी	0	04	0	0	10
552/जी	0	16	0	0	40
552/एफ	0	02	0	0	5
552/ई	0	03	5	0	8½
552/डी	0	04	0	0	10
552/सी	0	02	5	0	6½
552/बी	0	03	5	0	7½
552/ए	0	03	5	0	7½
555/जी	0	07	5	0	19
555/एफ	0	07	5	0	18½
555/ई	0	08	0	0	20
555/डी	0	03	5	0	09
555/सी	0	03	5	0	09
555/ए&बी	0	07	5	0	17½
559/एफ	0	03	5	0	09½
559/ई	0	03	5	0	09½
559/डी	0	03	5	0	09½
559/सी	0	03	5	0	09½
559/बी	0	03	5	0	09½
559/ए	0	03	5	0	09½
489/पी	0	09	0	0	22
495/पी	0	06	0	0	15
जोड़	1	93	5	4	87½

[सं. ओ-12016/27/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 756.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from “Kesanapalli (W) # 7 to Kesanapalli (W) G.G.S.” in the A.P. state pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.:

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM : KESANAPALLI(W)#7
TO KESANAPALLI(W) G.G.S.

State : Andhra Pradesh Mandal : Mamidikuduru
District : East Godavari Village : Karawaka H/O
Gogannamatham

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
447/B	0	09	0	0	22½
446/A, 447/A	0	24	0	0	59
439/A, 445/A, 446/B	0	46	0	1	14
438/A	0	18	0	0	45
TOTAL	0	97	0	2	40½

Village : Gollapalem H/O Kesanapalli

569/A	0	14	0	0	34
569/B	0	14	0	0	34
564/2P, 565/5P	0	15	5	0	37½
564/2P, 565/5P	0	15	5	0	37½
564/2P, 565/5P	0	15	5	0	37½
552/B	0	10	0	0	25
552/Pt	0	04	0	0	10
552/G	0	16	0	0	40
552/F	0	02	0	0	5
552/E	0	03	5	0	8½
552/D	0	04	0	0	10
552/C	0	02	5	0	6½
552/B	0	03	5	0	7½
552/A	0	03	5	0	7½
555/G	0	07	5	0	19
555/F	0	07	5	0	18½
555/E	0	08	0	0	20
555/D	0	03	5	0	09
555/C	0	03	5	0	09
555/A&B	0	07	5	0	17½
559/F	0	03	5	0	09½
559/E	0	03	5	0	09½
559/D	0	03	5	0	09½
559/C	0	03	5	0	09½
559/B	0	03	5	0	09½
559/A	0	03	5	0	09½
489/P	0	09	0	0	22
495/P	0	06	0	0	15
TOTAL	1	93	5	4	87½

Village : Kesanapalli

559/2A/1p	0	22	5	0	56
532/3p	0	09	0	0	22
502/6P	0	01	5	0	04
492/7P	0	07	5	0	18
492/6P	0	11	5	0	29
492/5B	0	04	5	0	11
559/2A/2	0	11	5	0	29

1	2	3	4	5	6
489/2A/1	0	12	0	0	30
489/1A	0	14	5	0	36
497/5A	0	00	5	0	01
492/1B	0	13	5	0	33
559/2B/P	0	18	0	0	44
532/1P	0	05	0	0	12
491/4P	0	01	0	0	02
492/1A	0	03	5	0	09
489/2A/3	0	20	0	0	49
TOTAL	1	56	0	3	85

[No. O-12016/27/2005-O.N.G.D.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 757. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाइप लाईन : "कैकलूरु 5 से लिगाल 1 जी.जी.एस. (द्वारा) लिगाल 8" तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्र एसट/ के.जि.बेसिन,ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 23 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाईन : कैकलूरु 5 से लिगाल 1 जी.जी.एस.
(द्वारा) लिगाल 8

राज्य : आन्ध्र प्रदेश मंडल : मुदिनेपल्लि
जिला : कृष्णा गांव : चिगुरुक्कोटा

आर.एस. नं.	हेक्टेस	एस	सेन्टेएस	एकस	सेन्टस
1	2	3	4	5	6
186/3A2P	0	00	5	0	01½
186/2D2P	0	00	5	0	00½
186/2C2	0	00	5	0	01
186/1E1	0	01	0	0	02½
186/2B2P	0	00	5	0	01

1	2	3	4	5	6
186/2A2P	0	00	5	0	01½
186/1E4	0	00	5	0	01
186/1E3	0	01	0	0	03
186/1E2	0	01	0	0	02
187/2D2	0	02	5	0	06
187/2D1	0	02	5	0	06
187/1A2	0	06	5	0	16
188/2B3	0	03	0	0	07
188/2A3	0	01	0	0	03
189/7C1	0	03	0	0	07
189/6C1	0	03	0	0	07
189/2C1	0	02	5	0	06
189/1C1	0	01	0	0	03
365/1M3	0	03	0	0	08
365/1M2	0	05	5	0	13
365/1M1	0	00	5	0	01½
188/2A4	0	02	0	0	05
188/1B1	0	02	0	0	05
214/1A	0	04	5	0	11
214/BP	0	02	0	0	05
213/2P	0	02	0	0	05
213/2P	0	02	0	0	05
199/3CP	0	05	0	0	12
199/3B1	0	00	5	0	01
163/1B	0	01	5	0	26
201/1A	0	20	5	0	51
160/1	0	01	5	0	04
161/2B	0	26	5	0	66
160/2	0	01	0	0	02
161/2A	0	03	0	0	08
161/1P	0	06	5	0	16
162/6P	0	10	5	0	26
162/5P	0	06	0	0	15
163/1E	0	02	5	0	06
163/3A	0	01	0	0	03
162/1P	0	05	5	0	14
163/3B	0	02	5	0	06
163/1A	0	07	0	0	17
163/1C	0	02	5	0	06
104/2C	0	06	5	0	16
104/2	0	18	5	0	46
106/P	0	01	5	0	04
109/P	0	05	5	0	12
231/3	0	01	0	0	03
231/1, 2	0	02	5	0	06
230/1P	0	01	0	0	02
228/P	0	05	5	0	14
215/2CP	0	08	0	0	20
215/2BP	0	04	0	0	10
215/2BP	0	05	0	0	12
TOTAL	2	26	0	5	57½

[सं. ओ-12016/28/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 757.—Whereas it appears to the Central Government that is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from “KAICALUR # 5 TO LENGALA # 1 GGS (via) LINGALA 8” in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of Users in the Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE**ROU FLOW LINE FROM : KAICALUR #5 TO LENGALA # 1 GGS (via) LINGALA 8**

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mudanepalli

District : Krishna

Village : Chigurukota

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
186/3A2P	0	00	5	0	01½
186/2D2P	0	00	5	0	00½
186/2C2	0	00	5	0	01
186/1E1	0	01	0	0	02½
186/2B2P	0	00	5	0	01
186/2A2P	0	00	5	0	01½
186/1E4	0	00	5	0	01
186/1E3	0	01	0	0	03
186/1E2	0	01	0	0	02
187/2D2	0	02	5	0	06
187/2D1	0	02	5	0	06
187/1A2	0	06	5	0	16
188/2B3	0	03	0	0	07
188/2A3	0	01	0	0	03
189/7C1	0	03	0	0	07
189/6C1	0	03	0	0	07
189/2C1	0	02	5	0	06
189/1C1	0	01	0	0	03
365/1M3	0	03	0	0	08
365/1M2	0	05	5	0	13
365/1M1	0	00	5	0	01½
188/2A4	0	02	0	0	05

1	2	3	4	5	6
188/1B1	0	02	0	0	05
214/1A	0	04	5	0	11
214/BP	0	02	0	0	05
213/2P	0	02	0	0	05
213/2P	0	02	0	0	05
199/3CP	0	05	0	0	12
199/3B1	0	00	5	0	01
163/1B	0	01	5	0	26
201/1A	0	20	5	0	51
160/1	0	01	5	0	04
161/2B	0	26	5	0	66
160/2	0	01	0	0	02
161/2A	0	03	0	0	08
161/1P	0	06	5	0	16
162/6P	0	10	5	0	26
162/5P	0	06	0	0	15
163/1E	0	02	5	0	06
163/3A	0	01	0	0	03
162/1P	0	05	5	0	14
163/3B	0	02	5	0	06
163/1A	0	07	0	0	17
163/1C	0	02	5	0	06
104/2C	0	06	5	0	16
104/2	0	18	5	0	46
106/P	0	01	5	0	04
109/P	0	05	5	0	12
231/3	0	01	0	0	03
231/1. 2	0	02	5	0	06
230/1P	0	01	0	0	02
228/P	0	05	5	0	14
215/2CP	0	08	0	0	20
215/2BP	0	04	0	0	10
215/2BP	0	05	0	0	12
TOTAL	2	26	0	5	57½

[No. O-12016/28/2005-O.N.G.D.-IV]

N. C. JAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 758.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यु. पाइपलाइन : 'के.वी.ऐ.जी. से मोरी-ई.पी.एस.' तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्र एस्सट/के.जि.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्र, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 23 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यु. पाइप लाईन : के.वी.ऐ.जी. से मोरी-ई.पी.एस.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : सखिनेटिपल्लि

जिले : पूरब गोदावरी

गांव : अंतर्वेदि सिवारु अतर्वेदिकरा

आर.एस. नं.	हेक्टेन्स	एस	सेन्टेएस	एकस	सेन्टस
667/4 pt	0	07	0	0	17½
669/A	0	09	0	0	23
669/B	0	04	0	0	10
669/C	0	03	0	0	07½
672/1 pt	0	03	0	0	06½
672/B	0	12	0	0	29½
672/pt	0	07	0	0	18
672/pt	0	05	0	0	12½
TOTAL	0	50	0	1	24½

[सं. ओ-12016/29/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 758.—Whereas it appears to the Central Government that is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from "KVAG TO MORI-EPS" in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE**ROU FLOW LINE FROM : KVAG TO MORI-EP**

State : Andhra Pradesh Mandal : Sakshinetipalli
District : East Godavari Village : Antervedi Kara
H/O Antervedi

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
667/4 pt	0	07	0	0	17½
669/A	0	09	0	0	23
669/B	0	04	0	0	10
669/C	0	03	0	0	07½
672/1 pt	0	03	0	0	06½
672/B	0	12	0	0	29½
672/pt	0	07	0	0	18
672/pt	0	05	0	0	12½
TOTAL	0	50	0	1	24½

[No. O-12016/29/2005-O.N.G.D.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 759.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यू. पाइपलाईन : 'के.डब्ल्यू.डी.जी. से केसनपल्लि जी.जी.एस.' तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्रि एसट/के.जि.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 23 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाईन : के.डब्ल्यू.डी.जी. से केसनपल्लि जी.जी.एस.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश			मंडल : मलीकिपुरम		
जिले : पूरब गोदावरी			गांव : केसनपल्लि		
आर.एस. नं.	हेक्टेर्स	एस	सेन्टेर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
574/p	0	06	5	0	16
416/1B	0	17	0	0	42
416/2	0	01	5	0	04

1	2	3	4	5	6
416/1A	0	07	5	0	18
420/11	0	07	5	0	19
510/1A	0	05	5	0	14
510/B	0	02	0	0	05
429/1A	0	05	5	0	13
429/1B	0	04	5	0	11
432/1	0	06	5	0	16
432/2	0	07	0	0	17
433/3A	0	13	5	0	33
433/1A	0	08	0	0	20
436/3PT	0	02	5	0	06
436/2PT	0	09	5	0	23
435/1B2	0	05	5	0	13
435/1B1	0	02	0	0	05
435/1A1	0	10	0	0	25
434/PT	0	01	0	0	03
(Govt. Land)					
497/3pt	0	03	5	0	09
TOTAL	1	26	5	3	12

[सं. ओ-12016/30/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 759.—Whereas it appears to the Central Government that is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from "KWDG TO KESANAPALLI GGS" in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE**ROU FLOW LINE FROM : KWDG TO KESANAPALLI GGS**

State : Andhra Pradesh Mandal : Malikipuram
District : East Godavari Village : Kesanapalli

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
574/p	0	06	5	0	16
416/1B	0	17	0	0	42

1	2	3	4	5	6
416/2	0	01	5	0	04
416/1A	0	07	5	0	18
420/11	0	07	5	0	19
510/1A	0	05	5	0	14
510/1B	0	02	0	0	05
429/1A	0	05	5	0	13
429/1B	0	04	5	0	11
432/1	0	06	5	0	16
432/2	0	07	0	0	17
433/3A	0	13	5	0	33
433/1A	0	08	0	0	20
436/3PT	0	02	5	0	06
436/2PT	0	09	5	0	23
435/1B2	0	05	5	0	13
435/1B1	0	02	0	0	05
435/1A1	0	10	0	0	25
434/Pt. (Govt. Land)	0	01	0	0	03
497/3pt	0	03	5	0	09
TOTAL	1	26	5	3	12

[No. O-12016/30/2005-O.N.G.D.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 760.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर.ओ.यु. पाइप लाईन : 'लिंगाला 11 से जी.सी.एस. II लिंगाला' तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन, अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्रि एसट/के.जि.वेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 23 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यु. पाइप लाईन : लिंगाला 11 से जी.सी.एस. II लिंगाला

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : मुदिनेपल्लि

जिले : कृष्णा

गांव : पेरिकीगूडेम

आर.एस. नं.	हेक्टेर्स	एर्स	सेन्टेएर्स	एकर्स	सेन्ट्स
831/2	0	08	0	0	20
835/1A	0	04	0	0	10
835/1B	0	06	0	0	15
835/1C	0	04	0	0	10
836/6B	0	02	0	0	05
836/6C	0	02	5	9	05½
850/1B	0	05	0	0	12
850/2B	0	02	5	0	06
850/3B	0	02	5	0	06
852/1B	0	05	0	0	12
852/3B	0	06	0	0	15
872/6B	0	16	0	0	39
871/6C	0	03	5	0	09
871/5C	0	03	0	0	07
871/4P	0	05	0	0	13
871/11B	0	01	0	0	03
871/14B	0	09	0	0	22
877/1A1	0	15	5	0	38
877/1A2	0	06	0	0	15
877/1BP	0	03	0	0	08
878/3P	0	07	5	0	19
876/2	0	02	0	0	05
884/7A	0	07	5	0	19
TOTAL	1	27	0	3	13½

[सं. ओ-12016/31/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 760.—Whereas it appears to the Central Government that is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from "LINGALA 11 TO GCS II LINGALA" in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of Users in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G. Basin, Godavari Bhavan, Base complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE**ROU FLOW LINE FROM : LINGALA 11 TO GCS II LINGALA**

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mudanepalli

District : Krishna

Village : Perikigudem

R.S. No.	Hectares	Acres	Centiares	Acres	Cents
831/2	0	08	0	0	20
835/1A	0	04	0	0	10
835/1B	0	06	0	0	15
835/1C	0	04	0	0	10
836/6B	0	02	0	0	05
836/6C	0	02	5	9	05½
850/1B	0	05	0	0	12
850/2B	0	02	5	0	06
850/3B	0	02	5	0	06
852/1B	0	05	0	0	12
852/3B	0	06	0	0	15
872/6B	0	16	0	0	39
871/6C	0	03	5	0	09
871/5C	0	03	0	0	07
871/4P	0	05	0	0	13
871/11B	0	01	0	0	03
871/14B	0	09	0	0	22
877/1A1	0	15	5	0	38
877/1A2	0	06	0	0	15
877/1BP	0	03	0	0	08
878/3P	0	07	5	0	19
876/2	0	02	0	0	05
884/7A	0	07	5	0	19
TOTAL	1	27	0	3	13½

[No. O-12016/31/2005-O.N.G.D.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 761.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर. ओ. यु. पाईप लाईन : 'अडविपालेम 1 ई. पी. एस से केसनपल्लि (वे) जी. जी. एस' तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए। और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का आर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्रि एसटीके.जि.बेसिन, ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमहेन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 23 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यु. पाईप लाईन : अडविपालेम 1 ई. पी. एस से केसनपल्लि (वे) जी. जी. एस

राज्य : आन्ध्र प्रदेश
जिले : पूर्व गोदावरी

मंडल : मलिकिपुरम

गांव : संकरगुप्तम

आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टे एर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
611/1B	0	09	5	0	24
611/1A	0	18	5	0	46
607/3H	0	06	0	0	15
607/3G	0	14	0	0	35
607/3E	0	04	5	0	11
607/3B	0	01	5	0	04
607/3F	0	04	0	0	10
607/3C	0	06	0	0	15
607/3D	0	03	5	0	09
607/3A	0	04	5	0	11
Total	0	72	0	1	80

गांव : केसनपल्लि

1	0	15	0	0	37
588/P	0	53	5	1	32
587/P	0	22	0	0	54
596/1P	0	05	5	0	13
596/4P	0	33	0	0	82
597/3P	0	92	5	2	28
597/1P	0	26	5	0	66
598/P	2	27	5	5	62
599/1	2	26	0	5	59
600/P	1	48	0	3	66
579/P	0	20	0	0	49
414/2P	0	14	0	0	34
596/3P	0	02	0	0	05
597/4P	0	02	0	0	05
48/3P	0	02	5	0	06
48/1A	0	04	5	0	11
48/1B	0	05	5	0	13
44/1A	0	10	5	0	26
25/4J	0	04	0	0	10
25/4H	0	02	5	0	06
25/7P	0	01	0	0	03
48/2D	0	02	5	0	06
48/1C	0	17	5	0	43
48/2A	0	01	5	0	04
48/1F	0	58	0	1	43
48/2G	0	14	5	0	36
25/4I	0	07	0	0	17
25/4E	0	09	0	0	22
48/1D	0	12	0	0	30
48/2E	0	15	0	0	12
24/2	0	06	0	0	15

1	2	3	4	5	6
24/3P	0	02	0	0	05
48/1E	0	07	5	0	19
48/2F	0	02	5	0	06
48/1H	0	15	0	0	37
48/2B	0	02	5	0	06
48/2C	0	02	5	0	06
48/2H	0	21	0	0	52
47/3	0	10	0	0	25
47/2	0	24	5	0	60
47/1	0	10	5	0	26
46/1D	0	13	5	0	33
46/1B	0	12	0	0	30
44/1C	0	16	0	0	40
46/1A	0	10	0	0	25
44/1B	0	01	0	0	03
25/4G	0	01	0	0	03
42/6P	0	01	0	0	03
42/5P	0	04	5	0	11
42/4P	0	05	5	0	13
42/1D	0	03	0	0	07
42/1C	0	04	5	0	11
42/2	0	05	5	0	14
42/1B	0	17	5	0	43
42/1A	0	03	0	0	07
25/4F	0	02	0	0	05
25/4A	0	04	0	0	10
25/4D	0	03	0	0	08
25/4B	0	02	5	0	06
25/1A	0	07	5	0	18
25/4C	0	02	5	0	06
24/1P	0	04	5	0	11
24/2	0	06	0	0	15
24/3P	0	02	0	0	05
25/1B	0	02	0	0	05
23/4P	0	03	5	0	09
46/1C	0	07	5	0	19
48/1G	0	06	5	0	16
Total	13	10	5	32	13

गांव : केसनपल्लि

497/3A	0	09	0	0	22
497/3B	0	07	5	0	19
435/1D1	0	11	5	0	29
435/1D2	0	11	5	0	29
433/3A	0	07	5	0	18
433/3B	0	09	0	0	22
433/4A	0	25	0	0	62
432/P	0	30	0	0	74
429/1P	0	18	0	0	45
510/1P	0	14	0	0	34
510/2P	0	21	0	0	52
515/1A1	0	12	0	0	30
515/1A2	0	09	0	0	22
419/2P	0	20	5	0	51

1	2	3	4	5	6
419/3P	0	01	5	0	04
419/1	0	12	5	0	31
419/4	0	01	0	0	02
420/8	0	07	5	0	18
420/9	0	09	5	0	24
420/7	0	07	5	0	19
420/6	0	07	5	0	18
420/4	0	10	5	0	26
420/5	0	06	5	0	16
413/3	0	05	5	0	13
420/3	0	09	5	0	23
420/2	0	08	6	0	21
420/1	0	07	5	0	18
413/6	0	17	5	0	43
413/5	0	07	0	0	17
413/4	0	09	5	0	23
413/2	0	06	0	0	15
413/1	0	11	5	0	28
414/3A	0	28	5	0	70
414/3B	0	02	0	0	05
414/1P	0	20	0	0	49
411/P	0	10	5	0	26
Un Surveyed/2	1	64	5	4	07
427/P	0	15	5	0	38
Total	5	93	0	14	63

[सं. ओ. 12016/32/2005 ओ. एन. जी. डी. IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 761.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from "ADA VIPALEM J EPS TO KESANAPALLI (W) GGS" in the A. P. State pipeline should be laid by the OIL & NATURAL GAS CORPORATION LTD.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of Users in the Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE
ROU FLOW LINE FROM ADAVIPALEM 1 EPS TO
KESANAPALLI(W)GGS

State : Andhra Pradesh Mandal : Malikipuram
District : East Godavari Village : Sankaraguptam

R.S. No.	Hectares	Areas	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
611/IB	0	09	5	0	24
611/1A	0	18	5	0	46
607/3H	0	06	0	0	15
607/3G	0	14	0	0	35
607/3E	0	04	5	0	11
607/3B	0	01	5	0	04
607/3F	0	04	0	0	10
607/3G	0	06	0	0	15
607/3D	0	03	5	0	09
607/3A	0	04	5	0	11
TOTAL	0	72	0	1	80

Village : Kesanapalli B IT-II

1	0	15	0	0	37
588/P	0	53	5	1	32
587/P	0	22	0	0	54
596/1P	0	05	5	0	13
596/4P	0	33	0	0	82
597/3P	0	92	5	2	28
597/1P	0	26	5	0	66
598/P	2	27	5	5	62
599/1	2	26	0	5	59
600/P	1	48	0	3	66
579/P	0	20	0	0	49
414/2P	0	14	0	0	34
596/3P	0	02	0	0	05
597/4P	0	02	0	0	05
48/3P	0	02	5	0	06
48/1A	0	04	5	0	11
48/1B	0	05	5	0	13
44/1A	0	10	5	0	26
25/4J	0	04	0	0	10
25/4H	0	02	5	0	06
25/7P	0	01	0	0	03
48/2D	0	02	5	0	06
48/1C	0	17	5	0	43
48/2A	0	01	5	0	04
48/1F	0	58	0	1	43
48/2G	0	14	5	0	36
254/I	0	07	0	0	17
25/4E	0	09	0	0	22
48/1D	0	12	0	0	30
48/2E	0	15	0	0	12
24/2	0	06	0	0	15
24/3P	0	02	0	0	05
48/1E	0	07	5	0	19
48/2F	0	02	5	0	06
48/1H	0	15	0	0	37

1	2	3	4	5	6
48/2B	0	02	5	0	06
48/2C	0	02	5	0	06
48/2H	0	21	0	0	52
47/3	0	10	0	0	25
47/2	0	24	5	0	60
47/1	0	10	5	0	26
46/1D	0	13	5	0	33
46/1B	0	12	0	0	30
44/1C	0	16	0	0	40
46/1A	0	10	0	0	25
44/1B	0	01	0	0	03
25/4G	0	01	0	0	03
42/6P	0	01	0	0	03
42/5P	0	04	5	0	11
42/4P	0	05	5	0	13
42/1D	0	03	0	0	07
42/1C	0	04	5	0	11
42/2	0	05	5	0	14
42/1B	0	17	5	0	43
42/1A	0	03	0	0	07
25/4F	0	02	0	0	05
25/4A	0	04	0	0	10
25/4D	0	03	0	0	08
25/4B	0	02	5	0	06
25/1A	0	07	5	0	18
25/4C	0	02	5	0	06
24/1P	0	04	5	0	11
24/2	0	06	0	0	15
24/3P	0	02	0	0	05
25/1B	0	02	0	0	05
23/4P	0	03	5	0	09
46/1C	0	07	5	0	19
48/1G	0	06	5	0	16
TOTAL	13	10	5	32	13

Village : Kesanapalli B IT-I

497/3A	0	09	0	0	22
497/3B	0	07	5	0	19
435/1D/1	0	11	5	0	29
435/1D/2	0	11	5	0	29
433/3A	0	07	5	0	18
433/3B	0	09	0	0	22
433/4A	0	25	0	0	62
432/P	0	30	0	0	74
429/1P	0	18	0	0	45
510/1P	0	14	0	0	34
510/2P	0	21	0	0	52
515/1A/1	0	12	0	0	30
515/1A/2	0	09	0	0	22
419/2P	0	20	5	0	51
419/3P	0	01	5	0	04
419/1	0	12	6	0	31
419/4	0	01	0	0	02
420/8	0	07	5	0	18

1	2	3	4	5	6
420/9	0	09	5	0	24
420/7	0	07	5	0	19
420/6	0	07	5	0	18
420/4	0	10	5	0	26
420/5	0	06	5	0	16
413/3	0	05	5	0	13
420/3	0	09	5	0	23
420/2	0	08	5	0	21
420/4	0	07	0	0	10
413/6	0	17	5	0	43
413/5	0	07	0	0	17
413/4	0	09	5	0	23
413/2	0	06	0	0	15
413/1	0	11	5	0	28
414/3A	0	28	5	0	70
414/3B	0	02	0	0	05
414/1P	0	20	0	0	49
411/P	0	10	5	0	26
Un Surveyed/2	1	64	5	4	07
427/P	0	15	5	0	38
Total	5	93	0	14	63

[No. O-12016/32/2005-O.N.G.D.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 762.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर. ओ. यू. पाइपलाइन : 'के. के. ऐ. जी. से कैकलूरु-12' तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमहेन्द्रि एसट/के.जि.बेसिन,ओ.एन.जी.सी. लि, गोदावरी भवन, राजमुहेन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची**आर.ओ.यू. पाइप लाइन : के. के. ऐ. जी. से कैकलूरु-12**

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : कैकलूरु

जिला : कृष्णा

गांव : राचप्रट्टनम

आर. एस. नं.	हेक्टेन्स	एर्स	सेन्टे एर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
157/2A	0	01	0	0	03
157/2B	0	01	0	0	03

1	2	3	4	5	6
156/4P	0	08	0	0	20
156/6A	0	03	0	0	08
156/6B	0	03	0	0	07
296/2C	0	04	5	0	11
293/1PT	0	15	5	0	38
263/PT	0	28	5	0	70
Total	0	64	5	1	60

गांव : काल्लपालेम

19/1	0	01	0	0	02
Total	0	01	0	0	02

[सं. ओ-12016/33/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 762.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from 'K.K.A.G.to KAIKALUR-12' in the A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G. Basin, Godavari Bhavan, Base complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE**ROU FLOW LINE FROM ; KKAG TO KAIKALUR-12**

State : Andhra Pradesh

Mandal : Kaikaluru

District : Krishna

Village : Rachapatnam

R.S.No.	Hectares	Ares	CentiAres	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
157/2A	0	01	0	0	03
157/2B	0	01	0	0	03
156/4P	0	08	0	0	20
156/6A	0	03	0	0	08
156/6B	0	03	0	0	07
296/2C	0	04	5	0	11
293/1PT	0	15	5	0	38
263/PT	0	28	5	0	70
Total	0	64	5	1	60

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक

गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमुन्द्रि,एसट/के.जि.बेसिन,ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमुन्द्रि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 23 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : पी.ओ.डी.बी. से पोन्नमंड ई. पी. एस.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : राजोल

जिला : पूर्व गोदावरी

गांव : पोन्नमंड

आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टे एर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
544/2B	0	05	0	0	12
544/3C	0	04	0	0	10
544/1B	0	09	5	0	24 1/2
543/1B	0	14	0	0	35
513/5B	0	09	5	0	23
513/2B	0	06	0	0	15 1/2
513/3B	0	01	0	0	02
513/4B	0	08	5	0	21
513/1D	0	05	5	0	13
513/1C	0	03	0	0	07
513/1B	0	06	0	0	15 1/2
514/4/B	0	09	0	0	22 1/2
514/3B	0	03	0	0	07 1/2
514/2B	0	04	5	0	11
514/1B	0	10	5	0	26 1/2
515/1A	0	17	5	0	43 1/2
515/P	0	10	5	0	26 1/2
515/1B	0	09	5	0	24
494/11B	0	03	5	0	09 1/9
494/9B	0	04	0	0	10
494/8B	0	04	0	0	10 1/2
491/7B	0	04	0	0	10
494/6B	0	04	5	0	11
494/5B	0	04	5	0	11
494/4B	0	03	5	0	09 1/2
494/2B	0	03	0	0	07
494/3B	0	01	5	0	04 1/2
494/1A	0	03	0	0	07 1/2
491/4D	0	05	0	0	12 1/2
491/4C	0	32	5	0	80
489,490	0	22	0	0	54
497/2	0	03	0	0	07
Total	2	34	5	5	84

[सं. ओ-12016/35/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 764.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from "PODB TO PONNAMANDA EPS" in the A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users) in the land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it is intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipe line under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K.G., Basin, Godavari Bhavan, Base Complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be hear in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM : PODB TO PONNAMANDA EPS

State : Andhra Pradesh

Mandal :Razole

District : East Godavari

Village : Ponnamanda

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
544/2B	0	05	0	0	12
544/3C	0	04	0	0	10
544/1B	0	09	5	0	24 1/2
543/1B	0	14	0	0	35
513/5B	0	09	5	0	23
513/2B	0	06	0	0	15 1/2
513/3B	0	01	0	0	02
513/4B	0	08	5	0	21
513/1D	0	05	5	0	13
513/1C	0	03	0	0	07
513/1B	0	06	0	0	15 1/2
514/4/B	0	09	0	0	22 1/2
514/3B	0	03	0	0	07 1/2
514/2B	0	04	5	0	11
514/1B	0	10	5	0	26 1/2
515/1A	0	17	5	0	43 1/2
515/P	0	10	5	0	26 1/2
515/1B	0	09	5	0	24
494/11B	0	03	5	0	09 1/2
494/9B	0	04	0	0	10
494/8B	0	04	0	0	10 1/2
494/7B	0	04	0	0	10
494/6B	0	04	5	0	11
494/5B	0	04	5	0	11
494/4B	0	03	5	0	09 1/2
494/2B	0	03	0	0	07
494/3B	0	01	5	0	04 1/2
494/1A	0	03	0	0	07 1/2
491/4D	0	05	0	0	12 1/2
491/4C	0	32	5	0	80
489,490	0	22	0	0	54
497/2	0	03	0	0	07
Total	2	34	5	5	84

[No. O-12016/35/2005-O.N.G.D.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 765.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में आर. ओ. यू. पाइप लाइन : 'एल. जी. डी. डी. से जी. सी. एस. लिंगाला' तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग राजमुहन्दि एसट/के.जी.बेसिन,ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड, गोदावरी भवन, राजमुहन्दि, आन्ध्र प्रदेश अधिसूचना की तारीख से 23 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : एल. जी. डी. डी. से जी. सी. एस. लिंगाला
राज्य : आन्ध्र प्रदेश मंडल : मुदिनेपल्लि
जिला : कृष्णा गांव : चिगुरूकोटा

आर. एस. नं.	हेक्टेर	एर्स	सेन्टेएर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6
377/3B2	0	10	0	0	25
377/3B1	0	05	5	0	14
367/1A1	0	06	0	0	15
367/1A2	0	02	5	0	06
योग	0	24	0	0	60

[सं. ओ-12016/36/2005-ओ. एन. जी. डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 765.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from "LGDD TO GCS LINGALA" in the A. P. State pipeline should be laid by the OIL & NATURAL GAS CORPORATION LTD.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed here to;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Corporation Ltd., Rajahmundry Asset/K. G., Basin, Godavari Bhavan, Base complex, Rajahmundry, Andhra Pradesh;

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

ROU FLOW LINE FROM LGDD TO GCS LINGALA

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mudinepalli

District : Krishna

Village : Chigurukota

R.S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
377/3B2	0	10	0	0	25
377/3B1	0	05	5	0	14
367/1A1	0	06	0	0	15
367/1A2	0	02	5	0	06
TOTAL	0	24	0	0	60

[No. O-12016/36/2005-O.N.G.D.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 766.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में ईस्ट गोदावरी जिला में ओदालारेवु वेन्दामुर्लनका कोमारागिरिपाल्म, थुम्मालापल्लि, गुनदुपुदि, सामन्थाकुरु, देवागुप्ताम, छल्लापाल्लि ओर सूरसेना यानाम गांव द्वारा ओदालारेवू से सूरसेना या नाम तक आयिल के परिवहन के लिये आयिल ओर नेचुरल गैस कार्पोरेशन द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जित करना आवश्यक है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दिये जाने की तारीख से 21 (इक्कीस) दिनों के भीतर, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने के संबंध में आक्षेप लिखित रूप में कामतेन्त आथोरिटी (अरो. वू उऊ), ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन, के. जी. बेसिन परियोजना, लालदेरु, राजमुन्दी, आन्ध्र प्रदेश को कर सकेगा।

अनुसूची

ऑयल नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड
ऊदलारेवु थक से यानाम ऑयल पाइपलाइन

जिला	मण्डल	गांव	सर्वे ने./सब-डिविजन ने	उ. का. अ. के लिए अर्जित की जाने वाली भूमि (हेक्टेयर में)
1	2	3	4	5
पुर्वा	आल्लावा-	ऊदलारेवु	787	
गोदावरी	राम		786	0.025
			787	0.25

1	2	3	4	5
पुर्वा	आल्लावा-	ऊदलारेवु	789	0.03
गोदावरी	राम		799	0.24
			800/2	0.01
			800/5	0.015
			800/9	0.05
			800/10	0.05
			802	0.24
			803/1	0.02
			803/2	0.005
			803/7	0.15
			803/9	0.02
			803/10	0.055
			803/11	0.01
			804/1	0.105
			804/2	0.13
			820/1	0.115
			820/2	0.01
			821	0.155
			822/1	0.17
			822/2	0.16
			823	0.025
			947/1	0.13
			947/2	0.05
			949/2	0.215
			963/4	0.025
			971/2	0.115
			972	0.575
			979	0.48
			981/1	0.05
			981/2	0.07
			981/5	0.055
			981/7	0.01
			981/8	0.265
			981/9	0.01
			988	0.115
			987	0.475
			969	0.08
			962	0.09
			970	0.08

योग

4.97

पुर्वा	आल्लावा-	बेबदाम-	82/1	0.035
गोदावरी	राम	ऊरलंका	82/2	0.06
			82/3	0.045
			82/5	0.055
			83/1	0.03
			98/2	0.05
			98/3	0.005
			98/4	0.055
			98/5	0.065
			99/1	0.01
			99/3	0.075
			99/4	0.065
			99/5	0.075
			99/6	0.03

1	2	3	4	5
पुर्वा	आल्लावा-	बेबदाम-	100	0.085
गोदावरी	राम	ऊरलान्का	101/1	0.03
			101/2	0.31
			103	0.03
			104/1	0.15
			104/4	0.12
			115/1	0.07
			115/2	0.075
			115/3	0.025
			116/3	0.1
			121/3	0.115
			121/4	0.13
			122	0.015
			123/1	0.095
			124	0.015
			135/1	0.125
			135/2	0.115
			136/1	0.01
			136/2	0.03
			137/1	0.095
			137/3	0.015
			137/4	0.01
			138	0.075
			168	0.2
			169	0.13
			172	0.115
			697/1	0.07
			697/3	0.135
			697/4	0.045
			697/5	0.04
			697/6	0.08
			697/7	0.075
			714/5	0.185
			715/6	0.05
			716/7	0.045
			717/1	0.115
			717/2	0.085
			718/5	0.185
			723	0.075
			724	0.395

योग

4.18

पुर्वा	आल्लावा-	कोमारागिरि-	1268	0.415
गोदावरी	राम	पाल्ताम	1269	0.235
			1270	0.04
			1442/1	0.15
			1442/2	0.055
			1442/3	0.01
			1457/1	0.105
			1457/2	0.035
			1457/3	0.18
			1458/1	0.1
			1458/2	0.3
			1459	0.03
			1462/1	0.035

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
पुर्वा	आल्लावा-	कोमारागिरि-	1462/2		0.105	पुर्वा	आल्लावा-	गुनदुपुदि	1242/3		0.115
गोदावरी	राम	पालाम	1463		0.03	गोदावरी	राम		1247/5		0.075
			1466/2		0.195				1247/8		0.07
			1467		0.115				1250		0.37
योग					2.02				1271/1		0.06
पुर्वा	आल्लावा-	तुम्मपाल्लि	173		0.05				1271/2		0.18
गोदावरी	राम		200/1		0.235				1271/3		0.16
			200/2		0.075				1274/1		0.08
			201/1A		0.09				1274/2A		0.03
			204		0.235				1274/2B		0.115
			325/3		0.15				1275/4		0.115
			325/4		0.105				1275/5		0.115
			325/5		0.03				1275/8		0.125
			326/1		0.075				1275/11		0.035
			326/2		0.035				1275/12		0.035
			341/1		0.03	योग					5.855
			341/2		0.08	पुर्वा	आल्लावा-	गुनदुपुदि	593		0.115
			341/3		0.02	गोदावरी	राम		605		0.375
			341/4		0.135				606		0.05
			342/5		0.03				608/2		0.05
			342/6		0.125				608/3		0.085
			344		0.03				609/1		0.005
			346		0.02				609/2		0.045
			348/1		0.17				610		0.015
			348/2		0.01				611		0.16
			361/1		0.11				683/2		0.215
			361/2		0.12				684/1		0.16
			362/3		0.115				685		0.03
			364/1		0.015				689/1		0.035
			364/2		0.08				689/2		0.18
			364/3		0.095				690/2		0.265
			364/4		0.015				691/1		0.02
			376		0.04				691/2		0.07
			377		0.05				692/1		0.115
			381/2		0.025				692/3		0.01
			381/3		0.01				698/1		0.125
			382/1		0.035				698/2		0.06
			382/2		0.04				699/2		0.075
			382/3		0.035				700/4		0.115
			382/4		0.045				701/1		0.245
			383		0.22				702		0.4
			385/4		0.03	योग					2.185
			386		0.03	पुर्वा	आल्लावा-	सामान्थाकुरु	45/1		0.355
			387/1		0.1	गोदावरी	राम		45/4A		0.4
			387/2		0.07				45/5		0.015
			388		0.085				66/1		0.075
			380		0.295				66/2		0.045
			1214		0.295				66/3		0.045
			1215/2		0.13				67/1		0.01
			1215/3		0.18				67/2		0.125
			1215/4		0.095				69		0.115
			1215/5		0.035	योग					1.185
			1241/1		0.09						
			1242/2		0.115						

[illegible]

1	2	3	4	5
पूर्वा	उप्पाला-	छाल्लापाल्लि	416/6	0.16
गोदावरी	गुप्तम		416/7	0.015
			504	0.155
			517/10	0.065
			517/11	0.04
			517/12	0.07
			517/13	0.115
			518/1	0.095
			518/4	0.055
			518/5	0.055
			518/6	0.03
			518/8	0.01
			518/10	0.06
			518/11	0.22
			518/12	0.005
			519/1A	0.07
			519/1B	0.035
			519/3	0.285
			520	0.115
			521	0.07
			522	0.06
योग				7.665
पूर्वा	उप्पाला-	सूरासेना	119	0.035
गोदावरी	गुप्तम	यानाम	120/7A	0.005
			120/8	0.085
			130/2A	0.01
			130/2B	0.13
			130/3	0.04
			130/4	0.04
			131/1	0.105
			132/2	0.005
			132/3	0.045
			132/4	0.06
			132/5	0.03
			133	0.16
			136/2	0.03
			136/4	0.03
			136/6	0.01
			136/7	0.155
			137	0.16
			158	0.36
			164	0.01
योग				1.505

[सं. ओ-12016/37/2005-ओ.एन.जी.डी.-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S. O. 766.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of Petroleum from Odalarevu GCS to S. Yanam of East Godavari District in Andhra Pradesh State a pipeline should be laid by the ONGC Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of

User in the lands in 1. Odalarevu 2. Bendamurlanka 3. Komaragiripatnam 4. Tummalapalli 5. Gundupudi 6. Samanthakurru 7. Devaguptam 8. Challapalli 9. S. Yanam Villages described in the Schedule annexed to this Notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may, within 21 days from the date on which the copies of this Notification, as published in the Gazette of India, are made available to the General Public, object in writing to the acquisition of the Right of User therein for laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, ONGC Ltd., K. G. Basin, Base Complex, Rajahmundry-533106. Andhra Pradesh

SCHEDULE**ONGC Ltd****ODALAREVU G.C.S. TO S. YANAM**

Distt.	Mandal	Village	Survey No./ Sub Division No.	Land to be acquired for R.O.U. (in Hectres)
1	2	3	4	5
East-	All-	Odalarevu	785	0.02
Godavari	avaram		786	0.025
			787	0.25
			788	0.135
			789	0.03
			799	0.24
			800/2	0.01
			800/5	0.015
			800/9	0.05
			800/10	0.05
			802	0.24
			803/1	0.02
			803/2	0.005
			803/7	0.15
			803/9	0.02
			803/10	0.055
			803/11	0.01
			804/1	0.105
			804/2	0.13
			820/1	0.115
			820/2	0.01
			821	0.155
			822/1	0.17
			822/2	0.16
			823	0.025
			947/1	0.13
			947/2	0.05
			949/2	0.215

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
East- Godavari	All- avaram	Odalarevu	963/4 971/2 972 979 981/1 981/2 981/5 981/7 981/8 981/9 988 987 969 962 970	0.025 0.115 0.575 0.48 0.05 0.07 0.055 0.01 0.265 0.01 0.115 0.475 0.08 0.09 0.08	East- Godavari	All- avaram	Bendamurl- anka	169 172 697/1 697/3 697/4 697/5 697/6 697/7 714/5 715/6 716/7 717/1 717/2 718/5 723 724	0.13 0.115 0.07 0.135 0.045 0.04 0.08 0.075 0.185 0.05 0.045 0.115 0.085 0.185 0.075 0.395
TOTAL				4.97	TOTAL				4.18
East- Godavari	All- avaram	Bendamurl- anka	82/1 82/2 82/3 82/5 8/1 98/2 98/3 98/4 98/5 99/1 99/3 99/4 99/5 99/6 100 101/1 101/2 103 104/1 104/4 115/1 115/2 115/3 116/3 121/3 121/4 122 123/1 124 135/1 135/2 136/1 136/2 137/1 137/3 137/4 138 168	0.035 0.06 0.045 0.055 0.03 0.05 0.005 0.055 0.065 0.01 0.075 0.065 0.075 0.03 0.085 0.03 0.31 0.03 0.15 0.12 0.07 0.075 0.025 0.1 0.115 0.13 0.015 0.095 0.015 0.125 0.115 0.01 0.03 0.095 0.015 0.01 0.075 0.2	East- Godavari	All- avaram	Komaragi- ripatnam	1268 1269 1270 1442/1 1442/2 1442/3 1457/1 1457/2 1457/3 1458/1 1458/2 1459 1462/1 1462/2 1463 1466/2 1467	0.415 0.235 0.04 0.15 0.055 0.01 0.105 0.035 0.18 0.1 0.3 0.03 0.035 0.105 0.03 0.195 0.115
TOTAL				2.02	East- Godavari	All- avaram	Tunmal- apalli	173 200/1 200/2 201/1A 204 325/3 325/4 325/5 326/1 326/2 341/1 341/2 341/3 341/4 342/5 342/6 344 346	0.05 0.235 0.075 0.09 0.235 0.15 0.105 0.03 0.075 0.035 0.03 0.08 0.02 0.135 0.03 0.125 0.03 0.02

1	2	3	4	5	6
East Godavari	All-avaram	Tummarapalli (Contd.)	348/1		0.17
			348/2		0.01
			361/1		0.11
			361/2		0.12
			362/3		0.115
			364/1		0.015
			364/2		0.08
			364/3		0.095
			364/4		0.015
			376		0.04
			377		0.05
			382/2		0.025
			381/3		0.01
			382/1		0.035
			382/2		0.04
			382/3		0.035
			382/4		0.045
			383		0.22
			385/4		0.03
			386		0.03
			387/1		0.1
			387/2		0.07
			388		0.085
			380		0.295
			1214		0.295
			1215/2		0.13
			1215/3		0.18
			1215/4		0.095
			1215/5		0.035
			1241/1		0.09
			1242/2		0.115
			1242/3		0.115
			1247/5		0.075
			1247/8		0.07
			1250		0.37
			1271/1		0.06
			1271/2		0.18
			1271/3		0.16
			1274/1		0.08
			1274/2A		0.03
			1274/2B		0.115
			1275/4		0.115
			1275/5		0.115
			1275/8		0.125
			1275/11		0.035
			1275/12		0.035
TOTAL					5.855
East Godavari	Allavaram	Gundupudi	593		0.115
			605		0.375
			606		0.05
			608/2		0.05
			608/3		0.085
			609/1		0.005
			609/2		0.045
East Godavari	Allavaram	Gundupudi	610		0.015
			611		0.16
			683/2		0.215
			684/1		0.16
			685		0.03
			689/1		0.035
			689/2		0.18
			690/2		0.265
			691/1		0.02
			691/2		0.07
			692/1		0.115
			692/3		0.01
			698/1		0.125
			698/2		0.06
			699/2		0.075
			700/4		0.115
			701/1		0.245
			702		0.4
TOTAL					2.185
East Godavari	Allavaram	Samanthakurru	45/1		0.355
			45/4A		0.4
			45/5		0.015
			66/1		0.075
			66/2		0.045
			66/3		0.045
			67/1		0.01
			67/2		0.125
			69		0.115
TOTAL					1.185
East Godavari	Allavaram	Devaguptam	503		0.045
			505		0.03
			506/1		0.175
			508/2		0.035
			508/3A		0.07
			508/3B		0.075
			508/3C		0.045
			507		0.065
			509		0.065
			518		0.085
			519/2		0.0

1	2	3	4	5
East-	Uppala	S. Yanam	119	0.035
Godavari	guptam		120/7A	0.005
			120/8	0.085
			130/2A	0.01
			130/2B	0.13
			130/3	0.04
			130/4	0.04
			131/1	0.105
			132/2	0.005
			132/3	0.045
			132/4	0.06
			132/5	0.03
			133	0.16
			136/2	0.03
			136/4	0.03
			136/6	0.01
			136/7	0.155
			137	0.16
			158	0.36
			164	0.01
TOTAL				1.505

[F. No. O-12016/37/2005-O.N.G.D.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2005

का.आ. 767.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1007, तारीख 08-04-2004 द्वारा, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा गुजरात राज्य में दहेज-वेमार-विजयपुर पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 15-6-2004 तक उपलब्ध करा दी गई थी;

और पाइपलाइन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अननुज्ञात कर दिया गया है;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित हैं, उस में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में

पाइपलाइनें बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्देश देती है कि पाइपलाइनें बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, पाइपलाइनें बिछाने का प्रस्ताव करने वाली गेल (इण्डिया) लिमिटेड में निहित होगा और तदुपरि, भूमि में ऐसे उपयोग का अधिकार, इस प्रकार अधिरोपित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, गेल (इण्डिया) लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

जिला	तहसील	गाँव	सर्वे नं.	आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
1	2	3	4	5
भरुच	भरुच	सीमलीया	91	0-53-00
	वागरा	सारन	316	0-11-40
		वहीयाल	516	0-21-00
			474	0-01-00
	आमोद	समनी	386	0-59-40
योग				01-45-80

[फा. सं. एल-14014/7/03-जी.पी.]

एस.बी. मण्डल, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 2005

S.O. 767.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 1007, dated 08-04-2004 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of Natural Gas through Dahej-Vemmar-Vijapur pipeline project in the State of Gujarat by the GAIL (India) Limited;

And whereas copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 15/06/2004:

And whereas the objections received from the public to the laying of the pipeline have been considered and disallowed by the competent authority:

And whereas the competent authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted its report to the Central Government:

And whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the

land specified in the schedule is hereby acquired for laying the pipeline:

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the Right of User in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest, on this date of the publication of this declaration, in the GAIL (India) Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Distt.	Tehsil	Village	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. (in Hectares)
1	2	3	4	5
Bharuch	Bharuch	Simaliya	91	0-53-00
	Vagra	Saran	316	0-11-40
		Vahiyal	516	0-21-00
			474	0-01-00
	Amod	Samni	386	0-59-40
			Total	01-45-80

[F. No.-L 14014/7/03-G.P.]

S.B. MANDAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2005

का.आ. 768.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि मध्यप्रदेश राज्य में मांगल्या (इंदौर) संस्थापन से हरियाणा राज्य में पियाला तथा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बिजवासन तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाईपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाईपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाईपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री लाल सिंह, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई—मांगल्या पाईपलाइन विस्तार परियोजना, भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, प्लॉट नं.-590, सेक्टर 21ए, फरीदाबाद-121001 (हरियाणा) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची			
तहसील : होडल	जिला : फरीदाबाद	राज्य : हरियाणा	
क्र. सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल है. में
1	2	3	4
1.	पैगलतु	78/2	0.1240
		3	0.0150
		9	0.0090
		65/1	0.0150
		2	0.1470
		9	0.1470
		12	0.1450
		19	0.1450
		22	0.1360
		63/2	0.0510
		3	0.1050
		9	0.1540
		12	0.1520
		19	0.1020
		20	0.0630
		21	0.1020
		22	0.0180
		46/3	0.1400
		8	0.1210
		13	0.1580
		14	0.0020
		17	0.0010
		18	0.1530
		23	0.1560
		43/3	0.1300
		8	0.1240
		13	0.1470
		18	0.1320
		23	0.0960
		25/3	0.1460
		8	0.1370
		13	0.1360
		18	0.1390
		23	0.1220
		22/2	0.1000
		8	0.0240
		9	0.1260
		12	0.0960
		13	0.0530
		18	0.1030
		19	0.0380
		22	0.0100
		22/23	0.1250
		63/2	गोछी नाला 0.1840
		8	
		9	
		10	
		11	
		12	

1	2	3	4	1	2	3	4
1.	पैगलतु (जारी)	136 (रास्ता)	0.0310	2.	कावरका (जारी)	15	0.0100
		378 (रास्ता)	0.0120			16	0.1060
		379 (रास्ता)	0.0310			17	0.0420
2.	कावरका	35/3	0.1470			25	0.1490
		8	0.0730			1/24	0.0150
		13	0.0730			57 (पिगौर नाला)	0.0990
		14	0.0020			58 (रास्ता)	0.0430
		30/1	0.0020			65 (रास्ता)	0.0560
		2	0.1480			70 (रास्ता)	0.0350
		9	0.1410	3.	पिगौर	35/9	0.1100
		12	0.1510			12	0.1380
		18	0.1020			19	0.0990
		19	0.0520			20/3	0.0440
		23	0.1390			19/18	0.1290
		25/1	0.0220			23	0.1490
		10	0.1470	4.	खिरबी	10/15	0.0590
		11	0.1540			16	0.1490
		20	0.1260			25	0.0870
		21	0.0850			9/21	0.0570
		22	0.0580			18/1	0.0530
		24/5	0.1190			10	0.1410
		6	0.0220			11	0.1460
		21/4	0.1440			20	0.1520
		6	0.0170			21	0.1220
		7	0.1310			22	0.0230
		14	0.0070			78 (होडल राजवाह)	0.0680
		15	0.1440			188 (रास्ता)	0.1370
		16	0.1460			20/1	0.0050
		25	0.1230			2	0.1380
		13/3	0.1490			9	0.1450
		8	0.1480			12	0.1430
		13	0.1500			19	0.1430
		14	0.0010			22	0.1430
		17	0.1220			23	0.0030
		18	0.0330			33/2	0.0680
		24	0.1500			3	0.0730
		11/1	0.0510			8	0.1440
		2	0.0250			13	0.0920
		9	0.0730			18	0.1410
		10	0.0400			23	0.1490
		12	0.0910			35/3	0.1170
		19	0.1560			4	0.0260
		22	0.0600			7	0.1390
		23	0.0890			8	0.0070
		5/10	0.0590			14	0.1420
		11	0.1360			17	0.0650
		20	0.1570	5.	बॉसवा	14/14	0.0020
		21	0.2250			17	0.1350
		4/5	0.1450			24	0.1410
		6	0.1420			34/4	0.0660
		15	0.1830			5	0.0740
		3/4	0.1640			6	0.0380
		7	0.1510			15	0.1410
		14	0.1530			16	0.1470

1	2	3	4	1	2	3	4
5. बॉसवा (जारी)	25	0.1440		5. बॉसवा (जारी)	15	0.1280	
	36/5	0.1070			16	0.0170	
	6	0.0060			130/11	0.0200	
	37/1	0.0400			130/20	0.1320	
	11	0.1460			21	0.1080	
	10	0.1450			170 (उजीना नाला)	0.2780	
	20	0.1420			128 (रास्ता)	0.0130	
	21	0.1170			178 (होड़ल राजवाह)	1.1360	
	56/1	0.1470			179 (नंदगाव राजवाह)	0.1430	
	2	0.1070			194 (रास्ता)	0.4300	
	9	0.0640			206 (रास्ता)	0.0620	
	10	0.0810			207 (रास्ता)	0.0370	
	12	0.1410			234 (रास्ता)	0.0310	
	19	0.1390			518 (रास्ता)	0.0120	
	56/22	0.1440			519 (रास्ता)	0.0310	
	61/2	0.1450			539 (रास्ता)	0.0120	
	8	0.0070			563 (रास्ता)	0.0120	
	9	0.1600		6. घसैड़ा	7/13	0.0010	
	12	0.0290			14	0.1170	
	13	0.1080			17	0.1360	
	18	0.1520			24	0.0120	
	23	0.1390			17/4	0.0800	
	82/3	0.1440			5	0.0690	
	8	0.1240			6	0.1530	
	13	0.1680			15	0.1500	
	18	0.1100			16	0.0970	
	23	0.1360			25	0.0110	
	87/3	0.1270			16/20	0.0040	
	8	0.1450			21	0.1210	
	18	0.1310			21/1	0.1480	
	18	0.1360			10	0.1510	
	23	0.1340			11	0.0820	
	107/3	0.1450			12	0.0700	
	8	0.1130			19	0.1540	
	13	0.1550			22	0.1470	
	17	0.0020			33/2	0.1430	
	18	0.1400			3	0.0070	
	23	0.0860			8	0.1350	
	24	0.0580			9	0.0160	
	110/3	0.0010			13	0.1500	
	4	0.1130			18	0.1540	
	7	0.0700			23	0.0850	
	14	0.1450			24	0.0680	
	17	0.1440			36/4	0.1520	
	24	0.1370			7	0.1520	
	128/4	0.1350			14	0.1420	
	5	0.0040			36/15	0.0130	
	6	0.1020			16	0.1370	
	7	0.0470			17	0.0090	
	15	0.1250			25	0.0950	
	16	0.1430			91 (रास्ता)	0.680	
	25	0.1350			92 (रास्ता)	0.0120	
	129/5	0.1400			101 (रास्ता)	0.0250	
	6	0.0870			306 (रास्ता)	0.0020	

1	2	3	4	1	2	3	4
7. भिड़की	75/3	0.1220		7. भिड़की (जारी)	25	0.1360	
	8	0.1430			189/5	0.1930	
	13	0.1430			6	0.0860	
	18	0.1400			15	0.0760	
	23	0.1350			96 (रास्ता)	0.0620	
	100/3	0.1340			162/13		
	4	0.0100			14	(खिरबी नाला)	0.0460
	7	0.1220			17		
	8	0.0210			18		
	14	0.1430			335 (रास्ता)	0.0310	
	17	0.1420		8. खाम्बी	1/5	0.0030	
	24	0.1430			6	0.0020	
	103/4	0.1450			2/1	0.0490	
	6	0.0510			10	0.1380	
	7	0.0900			11	0.1400	
	12	0.1470			20	0.1400	
	13	0.0010			21	0.1380	
	19	0.1430			5/1	0.1400	
	22	0.1370			10	0.1400	
	129/5	0.1400			11	0.1410	
	6	0.1410			20	0.1440	
	15	0.0260			21	0.1340	
	128/10	0.0070			9/1	0.1380	
	11	0.1130			10	0.1360	
	20	0.1420			11	0.1170	
	21	0.1390			9/12	0.0300	
	133/1	0.1470			19	0.1000	
	10	0.1400			20	0.0430	
	11	0.0700			21	0.0010	
	12	0.0450			22	0.1390	
	19	0.1420			17/2	0.1360	
	20	0.0780			9	0.1380	
	22	0.1150			12	0.1410	
	158/2	0.1420			19	0.1410	
	9	0.1500			22	0.1380	
	158/12	0.1430			27/2	0.1420	
	13	0.0090			9	0.1400	
	18	0.1240			12	0.1370	
	19	0.0240			19	0.1330	
	23	0.1480			22	0.1330	
	162/3	0.1410			39/2	0.1440	
	8	0.1350			8	0.0010	
	13	0.1160			9	0.1370	
	14	0.0020			12	0.0990	
	17	0.0610			13	0.0420	
	18	0.0830			18	0.1010	
	23	0.0010			19	0.0290	
	24	0.1440			23	0.1400	
	187/4	0.1470			51/3	0.1480	
	7	0.1430			8	0.1400	
	14	0.1430			13	0.1400	
	16	0.0230			18	0.1470	
	17	0.1170			23	0.1380	
	24	0.0090			64/3	0.1410	

1	2	3	4	1	2	3	4
8.	खाम्बी (जारी)	8	0.1330	8.	खाम्बी (जारी)	9	0.0910
		13	0.1390			10	0.0510
		18	0.1440			194/11	0.0050
		23	0.1390			12	0.1350
		77/3	0.1110			19	0.1410
		4	0.0290			22	0.1310
		7	0.0980			202/2	0.1400
		8	0.0410			9	0.1350
		13	0.0010			12	0.1430
		14	0.1430			19	0.1390
		17	0.1380			22	0.1360
		77/24	0.1310			218/2	0.1360
		90/4	0.1430			9	0.1420
		7	0.1390			12	0.1400
		90/14	0.1420			19	0.1390
		17	0.1380			22	0.1300
		24	0.1380			225/2	0.1100
		107/4	0.1400			3	0.0290
		7	0.1450			8	0.0320
		14	0.1070			9	0.0260
		15	0.0350			279 (रास्ता)	0.0120
		16	0.1030			280 (रास्ता)	0.1680
		17	0.0320			281 (रास्ता)	0.0120
		25	0.1320			284 (रास्ता)	0.0680
		120/5	0.1340			288 (रास्ता)	0.0430
		6	0.1310			292	
		15	0.1450			293 (पिगौर नाला)	0.2280
		16	0.1450			299 (रास्ता)	0.0250
		25	0.1360			382 (रास्ता)	0.0120
		136/5	0.1560			383 (रास्ता)	0.0120
		6	0.1250			391 (रास्ता)	0.0120
		15	0.1360			445 (रास्ता)	0.0120
		16	0.1400			448 (रास्ता)	0.0120
		25	0.1530			449 (रास्ता)	0.0120
		148/5	0.0760			466 (रास्ता)	0.0120
		6	0.0140			469 (रास्ता)	0.0120
		15	0.0020	9.	भूपगढ़ उर्फ टिकरी	15/5	0.1440
		147/1	0.0630			6	0.0020
		10	0.1270			13/25	0.0370
		11	0.1390			48 (रास्ता)	0.0210
		20	0.1360				
		21	0.1380				
		166/1	0.1440				
		10	0.1490				
		11	0.1350				
		20	0.1310				
		21	0.1400				
		175/1	0.1310				
		10	0.1410				
		11	0.1410				
		20	0.1330				
		21	0.0310				
		194/1	0.1020				
		2	0.0370				

[फा. सं. आर-31015/91/2004—ऑ. आर.-11]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 25th February, 2005

S.O. 768.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Manglya (Indore) terminal in the State of Madhya Pradesh, an extension pipeline to Piyala in the State of Haryana and Bijwasan NCT of Delhi should be laid by the Bharat Petroleum Corporation Limited:

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri Lal Singh, Competent Authority, Mumbai-Manglya Pipeline Extension Project, Bharat Petroleum Corporation Limited, Plot No. 590, Sector 21A, Faridabad-121 001 (Haryana).

SCHEDULE

Tehsil : Hodal District : Faridabad State : Haryana

Sl. No.	Name of Village	Survey No.	Area in Hect.
1	2	3	4
1.	Paingaltu	78/2	0.1240
		3	0.0150
		9	0.0090
		65/1	0.0150
		2	0.1470
		9	0.1470
		12	0.1450
		19	0.1450
		22	0.1360
		63/2	0.0510
		3	0.1050
		9	0.1540
		12	0.1520
		19	0.1020
		20	0.0630
		21	0.1020
		22	0.0180
		46/3	0.1400
		8	0.1210
		13	0.1580
		14	0.0020
		17	0.0010
		18	0.1530
		23	0.1560
		43/3	0.1300
		8	0.1240
		13	0.1470
		18	0.1320
		23	0.0960
		25/3	0.1460
		8	0.1370
		13	0.1360
		18	0.1390
		23	0.1220
		22/2	0.1000

1	2	3	4
1.	Paingaltu (Contd.)	8	0.0240
		9	0.1260
		12	0.0960
		13	0.0530
		18	0.1030
		19	0.0380
		22	0.0100
		22/23	0.1250
		63/2	
		8	
		9	
		10	0.1840
		11	(Gonchi Drain)
		12	
		136	(Rasta)
		378	(Rasta)
		379	(Rasta)
2.	Kanwarka	35/3	0.1470
		8	0.0730
		13	0.0730
		14	0.0020
		30/1	0.0020
		2	0.1480
		9	0.1410
		12	0.1510
		18	0.1020
		19	0.0520
		23	0.1390
		25/1	0.0220
		10	0.1470
		11	0.1540
		20	0.1260
		21	0.0850
		22	0.0580
		24/5	0.1190
		6	0.0220
		21/4	0.1440
		6	0.0170
		7	0.1310
		14	0.0070
		15	0.1440
		16	0.1460
		25	0.1230
		13/3	0.1490
		8	0.1480
		13	0.1500
		14	0.0010
		17	0.1220
		18	0.0330
		24	0.1500
		11/1	0.0510
		2	0.0250
		9	0.0730
		10	0.0400

1	2	3	4	1	2	3	4
2.	Kanwarka (Contd.)	12	0.0910	4.	Khirbi (Contd.)	23	0.1490
		19	0.1560			35/3	0.1170
		22	0.0600			4	0.0260
		23	0.0890			7	0.1390
		5/10	0.0590			8	0.0070
		11	0.1360			14	0.1420
		20	0.1570			17	0.0650
		21	0.2250	5.	Banswa	14/14	0.0020
		4/5	0.1450			17	0.1350
		6	0.1420			24	0.1410
		15	0.1830			34/4	0.0660
		3/4	0.1640			5	0.0740
		7	0.1510			6	0.0380
		14	0.1530			15	0.1410
		15	0.0100			16	0.1470
		16	0.1060			25	0.1440
		17	0.0420			36/5	0.1070
		25	0.1490			6	0.0060
		1/24	0.0150			37/1	0.0400
		57 (Pingor Drain)	0.0990			11	0.1460
		58 (Road)	0.0430			10	0.1450
		65 (Road)	0.0560			20	0.1420
		70 (Road)	0.0350			21	0.1170
3.	Pingore	35/9	0.1100			56/1	0.1470
		12	0.1380			2	0.1070
		19	0.0990			9	0.0640
		20/3	0.0440			10	0.0810
		19/18	0.1290			12	0.1410
		23	0.1490			19	0.1390
4.	Khirbi	10/15	0.0590			56/22	0.1440
		16	0.1490			61/2	0.1450
		25	0.0870			8	0.0070
		9/21	0.0570			9	0.1600
		18/1	0.0530			12	0.0290
		10	0.1410			13	0.1080
		11	0.1460			18	0.1520
		20	0.1520			23	0.1390
		21	0.1220			82/3	0.1440
		22	0.0230			8	0.1240
		78 (Hodal Distributary)	0.0680			13	0.1680
		188 (Road)	0.1370			18	0.1100
		20/1	0.0050			23	0.1360
		2	0.1380			87/3	0.1270
		9	0.1450			8	0.1450
		12	0.1430			13	0.1310
		19	0.1430			18	0.1360
		22	0.1430			23	0.1340
		23	0.0030			107/3	0.1450
		33/2	0.0680			8	0.1130
		3	0.0730			13	0.1550
		8	0.1440			17	0.0020
		13	0.0920			18	0.1400
		18	0.1410			23	0.0860
						24	0.0580

1	2	3	4	1	2	3	4
5. Banswa (Contd.)	110/3	0.0010		6. Ghasera (Contd.)	9	0.0160	
	4	0.1130			13	0.1500	
	7	0.0700			18	0.1540	
	14	0.1450			23	0.0850	
	17	0.1440			24	0.0680	
	24	0.1370			36/4	0.1520	
	128/4	0.1350			7	0.1520	
	5	0.0040			14	0.1420	
	6	0.1020			36/15	0.0130	
	7	0.0470			16	0.1370	
	15	0.1250			17	0.0090	
	16	0.1430			25	0.0950	
	25	0.1350			91 (Rasta)	0.0680	
	129/5	0.1400			92 (Rasta)	0.0120	
	6	0.0870			101 (Rasta)	0.0250	
	15	0.1280			306 (Rasta)	0.0020	
	16	0.0170		7. Bhiruki	75/3	0.1220	
	130/11	0.0200			8	0.1430	
	130/20	0.1320			13	0.1430	
	21	0.1080			18	0.1400	
	170 (Ujina Drain)	0.2780			23	0.1350	
	128 (Rasta)	0.0130			100/3	0.1340	
	178 (Hodal	1.1360			4	0.0100	
	Distributary)				7	0.1220	
	179 (Nandgaon	0.1430			8	0.0210	
	Distr.)				14	0.1430	
	194 (Rasta)	0.4300			17	0.1420	
	206 (Rasta)	0.0620			24	0.1430	
	207 (Rasta)	0.0370			103/4	0.1450	
	234 (Rasta)	0.0310			6	0.0510	
	518 (Rasta)	0.0120			7	0.0900	
	519 (Rasta)	0.0310			12	0.1470	
	539 (Rasta)	0.0120			13	0.0010	
	563 (Rasta)	0.0120			19	0.1430	
6. Ghasera	7/13	0.0010			22	0.1370	
	14	0.1170			129/5	0.1400	
	17	0.1360			6	0.1410	
	24	0.0120			15	0.0260	
	17/4	0.0800			128/10	0.0070	
	5	0.0690			11	0.1130	
	6	0.1530			20	0.1420	
	15	0.1500			21	0.1390	
	16	0.0970			133/1	0.1470	
	25	0.0110			10	0.1400	
	16/20	0.0040			11	0.0700	
	21	0.1210			12	0.0450	
	21/1	0.1480			19	0.1420	
	10	0.1510			20	0.0780	
	11	0.0820			22	0.1150	
	12	0.0700			158/2	0.1420	
	19	0.1540			9	0.1500	
	22	0.1470			158/12	0.1430	
	33/2	0.1430			43	0.0090	
	3	0.0070			18	0.1240	
	8	0.1350					

1	2	3	4	1	2	3	4
7.	Bhiruki (<i>Contd.</i>)	19	0.0240	8.	Khambi (<i>Contd.</i>)	19	0.1330
		23	0.1480			22	0.1330
		162/3	0.1410			39/2	0.1440
		8	0.1350			8	0.0010
		13	0.1160			9	0.1370
		14	0.0020			12	0.0990
		17	0.0610			13	0.0420
		18	0.0830			18	0.1010
		23	0.0010			19	0.0290
		24	0.1440			23	0.1400
		187/4	0.1470			51/3	0.1480
		7	0.1430			8	0.1400
		14	0.1430			13	0.1400
		16	0.0230			18	0.1470
		17	0.1170			23	0.1380
		24	0.0090			64/3	0.1410
		25	0.1360			8	0.1330
		189/5	0.1930			13	0.1390
		6	0.0860			18	0.1440
		15	0.0760			23	0.1390
		96 (Rasta)	0.0620			77/3	0.1110
		162/13				4	0.0290
		14 (Khirbi Drain)	0.0460			7	0.0980
		17				8	0.0410
		18				13	0.0010
		335 (Rasta)	0.0310			14	0.1430
8.	Khambi	1/5	0.0030			17	0.1380
		6	0.0020			77/24	0.1310
		2/1	0.0490			90/4	0.1430
		10	0.1380			7	0.1390
		11	0.1400			90/14	0.1420
		20	0.1400			17	0.1380
		21	0.1380			24	0.1380
		5/1	0.1400			107/4	0.1400
		10	0.1400			7	0.1450
		11	0.1410			14	0.1070
		20	0.1440			15	0.0350
		21	0.1340			16	0.1030
		9/1	0.1380			17	0.0320
		10	0.1360			25	0.1320
		11	0.1170			120/5	0.1340
		9/12	0.0300			6	0.1310
		19	0.1000			15	0.1450
		20	0.0430			16	0.1450
		21	0.0010			25	0.1360
		22	0.1390			136/5	0.1560
		17/2	0.1360			6	0.1250
		9	0.1380			15	0.1360
		12	0.1410			16	0.1400
		19	0.1410			25	0.1530
		22	0.1380			148/5	0.0760
		27/2	0.1420			6	0.0140
		9	0.1400			15	0.0020
		12	0.1370			147/1	0.0630

1	2	3	4
8.	Khambi (Contd.)	10	0.1270
		11	0.1390
		20	0.1360
		21	0.1380
		166/1	0.1440
		10	0.1490
		11	0.1350
		20	0.1310
		21	0.1400
		175/1	0.1310
		10	0.1410
		11	0.1410
		20	0.1330
		21	0.0310
		194/1	0.1020
		2	0.0370
		9	0.0910
		10	0.0510
		194/11	0.0050
		12	0.1350
		19	0.1410
		22	0.1310
		202/2	0.1400
		9	0.1350
		12	0.1430
		19	0.1390
		22	0.1360
		218/2	0.1360
		9	0.1420
		12	0.1400
		19	0.1390
		22	0.1300
		225/2	0.1100
		3	0.0290
		8	0.0320
		9	0.0260
		279 (Rasta)	0.0120
		280 (Rasta)	0.1680
		281 (Rasta)	0.0120
		284 ((Rasta)	0.0680
		288 (Road)	0.0430
		292 (Pingar	0.2280
		293 Drain	
		299 (Rasta)	0.0250
		382 (Rasta)	0.0120
		383 (Rasta)	0.0120
		391 (Rasta)	0.0120
		445 (Rasta)	0.0120
		448 (Rasta)	0.0120
		449 (Rasta)	0.0120
		466 (Rasta)	0.0120
		469 (Rasta)	0.0120
9.	Bhupgarh	15/5	0.1440
	alias Tikri	6	0.0020

1	2	3	4
9.	Bhupgarh alias Tikri	13/25	0.0370
	(Contd.)	48 (Rasta)	0.0210

[F. No. R-31015/91/2004-O.R-II]
HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2005

का.आ. 769.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि मध्य प्रदेश राज्य में मांगल्या (इंदौर) संस्थापन से हरियाणा राज्य में पियाला तथा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बिजवासन तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाईपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाईपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाईपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री वी.पी. पाठक, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई—मांगल्या पाईपलाइन विस्तार परियोजना, भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, एम.बी.-7, महाश्वेता नगर, महेन्द्र भटनागर मार्ग, उज्जैन-456010 (मध्य प्रदेश) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील : सुसनेर		जिला : शाजापुर	राज्य : मध्य प्रदेश
क्र. सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
1.	नाहरखेड़ा	84 (शास. भूमि)	0.5240
		85 (नदी)	0.0259
		86 (शास. भूमि)	0.1320
		87 (शास. भूमि)	0.1521
		83 (नदी)	0.0305
		80	0.2365
		79	0.1962
		77 (नदी)	0.0512
		58	0.0306
		59	0.1458
		61	0.0557
		62	0.0127
		63	0.2237
		53	0.3160
		51	0.1656
		125	0.0718

1	2	3	4	1	2	3	4
1.	नाहरखेड़ा	127 (शास. भूमि)	0.1977	3.	पिपलिया नानकर (जारी..)	451	0.0456
		37 (शास. भूमि)	0.0847			450	0.0410
		34 (शास. भूमि)	0.04673			447	0.1058
2.	उमरिया	667 (शास. भूमि)	0.8671			483 (शास. नाला)	0.0334
		132 (शास. नाला)	0.0327			626	0.0881
		120 (शास. भूमि)	0.0327			625	0.0682
		130 (शास. भूमि)	0.0028			624	0.0106
		134 (शास. नाला)	0.0274			624/1411 (शास. भूमि)	0.0435
		139 (शास. भूमि)	0.0141			289	0.0090
		140 (शास. भूमि)	0.0547	4.	बामनिया खेड़ी	275	0.0010
		151 (शास. भूमि)	0.2003			276	0.1097
		152 (शास. भूमि)	0.0005			277	0.0358
		150 (शास. भूमि)	0.0140			293	0.0010
		149 (शास. भूमि)	0.0084			292	0.2427
		181 (शास. नाला)	0.0403			301	0.0212
		180 (शास. भूमि)	0.2865			302	0.0295
		161 (शास. भूमि)	0.0168			304	0.0111
		164 (शास. भूमि)	0.3590			305	0.0425
		165 (शास. भूमि)	0.0108			353	0.1704
		173 (शास. भूमि)	0.0100			363	0.1039
		177 (शास. भूमि)	0.5287			366	0.0180
		166 (शास. भूमि)	0.0055			365	0.0998
3.	पिपलिया नानकर	90 (शास. भूमि)	0.0419			367	0.0224
		179 (शास. भूमि)	0.2270			371	0.0816
		180 (शास. भूमि)	0.6403			372	0.0842
		155 (शास. रास्ता)	0.1152			379 (शास. रास्ता)	0.0190
		159	0.2035			413	0.1028
		157	0.0426			412	0.0010
		156	0.0757			411	0.0200
		172 (शास. नाला)	0.0133			414	0.0079
		139	0.0640			417 (शास. नाला)	0.0213
		141	0.0114			415	0.0219
		140	0.2429			416	0.0381
		145	0.0342			470	0.0493
		152	0.0816			468/1255	0.0140
		146	0.0572			469	0.0109
		148	0.0878			468	0.0158
		149 (शास. रास्ता)	0.1862			467	0.0884
		346 (शास. रास्ता)	0.0142			471	0.0181
		335 (शास. रास्ता)	0.1965			466	0.0124
		345	0.0061			472	0.0823
		340	0.8000			465	0.1221
		339	0.1215			473	0.0031
		338	0.0768			474	0.1189
		337	0.0103			475	0.0203
		426 (शास. रास्ता)	0.0387			476	0.0737
		428	0.0664			477	0.0716
		429	0.1170			482	0.2028
		430	0.0808			480	0.1177
		461	0.0085			481	0.0152
		458	0.0811			364	0.0200
		459	0.0249			485	0.3000
		456	0.0697			483	0.0100
		452	0.0287	5.	मैना	393	0.0032

1	2	3	4	1	2	3	4
5	मैना (जारी..)	390	0.2132	5	मैना (जारी..)	1840	0.0220
		392	0.0034			1842	0.0264
		389	0.0258			1843	0.0224
	1048 (शास. रास्ता)		0.0313			1844	0.0140
		404	0.0949			1860	0.0193
		412	0.1854			1859	0.1034
		411	0.1310			1861	0.0124
		410	0.1122			1858	0.0150
		429	0.0269			1972	0.0102
		430	0.1483			1899	0.1582
		431	0.0789			2001	0.0985
		1032	0.0010			2002	0.0159
	1037 (शास. रास्ता)		0.0398			2003	0.2050
		1023	0.1812			2005	0.0284
		1024	0.1322			2004	0.0466
		1025	0.1154			2026	0.0843
		1026	0.0580			2017	0.0625
		1012	0.0874			2016	0.0389
		980	0.1131			2015	0.0456
		982	0.0876			2014	0.1362
		983	0.0292			2018	0.1327
		984	0.0745			2010 (शास. भूमि)	0.0482
		993	0.0307			2012	0.0400
		994	0.0767			1155	0.0300
		992	0.0529			989	0.0200
		991	0.0424			1013	0.0100
		1163	0.0526			432	0.0100
		1159	0.0615			391	0.0400
		1164	0.0618			981	0.0200
		1957	0.0633	6	बोरखेड़ी	731 (शास. नाला)	0.0491
		1156	0.0431			481	0.5212
		1154	0.0085			477	0.0375
	1640 (शास. नाला)		0.0353			482	0.0554
		1646	0.2185			475	0.0200
		1647	0.0010			476	0.0541
		1644	0.0196			478 (शास. नाला)	0.0498
		1757	0.0303			90	0.4114
		1756	0.0837			109 (शास. नाला)	0.0147
		1755	0.0202			92	0.3122
		1745	0.0143			93	0.0356
		1746	0.0653			94	0.0249
		1747	0.1070			97	0.0407
		1749	0.0131			96	0.0920
		1741	0.0339			83	0.1495
		1778	0.0162			81	0.0071
		1812	0.0320			67	0.0292
		1813	0.0063			69	0.0818
		1818	0.0961			80	0.0467
		1819	0.0039			70	0.1575
		1817	0.0197			71	0.0538
		1820	0.0750			72	0.0168
		1839	0.0012			60	0.0709
		1837	0.0412			59	0.1253
		1838	0.0656			23	0.0302

1	2	3	4	1	2	3	4
6.	बोरखेड़ी-(जारी)	24	0.0192	9.	मालन वासा-(जारी)	243	0.1235
		21	0.1228			345	0.0219
		13	0.1930			242	0.1168
		27	0.0070			347	0.0412
		12	0.0986			233	0.0865
		11	0.1022			232	0.0233
		1	0.0184			234	0.0212
		25	0.0100			227	0.1603
		84	0.0400			222	0.0823
	85 (शास. नाला)		0.0100			221	0.0777
7	गुराड़ी	877	0.0002			220	0.0147
		878	0.2816			217	0.1538
		879	0.0566			214	0.0897
	401 (शास. नाला)		0.0101			213	0.0917
		873	0.0151			212	0.0300
		876	0.2031	10	ननोरा	829	0.1041
		875	0.0002			830	0.0602
		874	0.0001			831	0.0586
		399	0.0001			833	0.0641
8	शत्रुखेड़ी	58	0.0040			834	0.0032
		57	0.0165			818	0.1593
		55	0.1784			817	0.0792
		54	0.1245			842	0.0494
		53	0.0847			843	0.0524
		52	0.0195			166 (शास. नाला)	0.0557
		56	0.2173			169	0.0160
		49	0.3374			170	0.1697
	48 (शास. नाला)		0.0530			144	0.1057
	47		0.7861			145	0.1269
	26 (शास. रास्ता)		0.0232			147	0.1328
	25		0.0641			148	0.0849
	23		0.1240			149	0.1743
	24		0.0016			150	0.0537
	10		0.4829			152	0.0397
	99 (शास. सड़क)		0.0315			153	0.1010
	231		0.3129			154 (शास. नाला)	0.0262
	11		0.0016			749	0.0010
	51		0.0100			745	0.0600
9	मालनवासा	737	0.1599			748	0.0100
		736	0.1657			837	0.0100
	358 (शास. नाला)		0.0497			841	0.0100
	293		0.0748	11	कादमी	274 (शास. रास्ता)	0.0362
	294		0.0418			278	0.0946
	303		0.0010			279	0.0032
	302		0.0977			277	0.1021
	323		0.0808			268	0.1318
	324		0.0822			267	0.0474
	300		0.0113			266	0.0361
	336		0.1447			261	0.0185
	337		0.0805			262	0.0620
	339		0.0786			248	0.2183
	251		0.0271			242	0.1511
	250		0.1035			235	0.1092
	344		0.0026			241	0.0118

1	2	3	4	1	2	3	4
11	कादमी (जारी..)	236	0.1530	12.	मेहतपुर (जारी..)	869	0.0636
		237	0.1826			876	0.1240
	104 (शास. रास्ता)		0.0475			877	0.0010
		112	0.0794			867	0.0074
		114	0.1115			866	0.1225
		116	0.0315			914	0.0063
		119	0.0621			915	0.1058
		120	0.0830			923	0.1747
	117 (शास. रास्ता)		0.0238			924	0.0864
		97	0.0119			925	0.0640
		64	0.0120			926	0.0245
	61 (शास. नाला)		0.0193			927	0.0445
		66	0.0677			928	0.0627
		67	0.1507		930 (शास. रास्ता)		0.0173
		69	0.0058			942	0.0496
		68	0.0394			931	0.0156
		65	0.0106			937	0.2500
		58	0.0107			952	0.0091
		57	0.0599			296	0.2491
		56	0.0444			296/1230	0.1321
		50	0.0516			297	0.1222
		49	0.0217			288	0.0010
	602 (शास. रास्ता)		0.0565			287	0.2409
		538	0.2318			299	0.0115
		546	0.0924			285	0.4215
		547	0.1370		244 (शास. नाला)		0.0273
		571	0.0672			243	0.0020
		570	0.1201			273	0.3271
		577	0.0739			272	0.1010
		568	0.1374			246	0.0816
		567	0.1662			247	0.1111
		566	0.2380			253	0.0206
		589	0.0873			252	0.1399
		591	0.1439			251	0.0372
		593	0.1868			265	0.3737
		608	0.0023		1 (शास. नाला)		0.1018
	609 (शास. रास्ता)		0.0477	13.	सोयत कला	1351/4	0.0100
		617/827	0.0520			1351/1	0.1100
		610	0.1572			1350	0.2000
		274	0.0400			1349/1	0.0400
		263	0.0200			1349/2	0.1600
		238	0.0100			1348	0.2300
		113	0.0400			1347	0.0800
		115	0.0100			1346 (शास. भूमि)	0.0200
		73	0.0300	14.	बिजनाखेड़ी	33	0.1028
		122	0.0100			34	0.1380
		40	0.0100			39	0.2138
12	मेहतपुर	897	0.1566			40	0.1448
		893	0.0734			42	0.1285
		894	0.0841			24	0.0945
		895	0.1417			20	0.1123
		885	0.2113			18	0.0256
	880 (शास. रास्ता)		0.0256			17	0.0780
		875	0.1200			13	0.0245

1	2	3	4
14. बिजनाखेड़ी (जारी..)	14	0.1194	
	11	0.1133	
	9	0.1362	
	3	0.0033	
	2	0.1296	
	1	0.1613	
15. निशानिया	481	1.7099	
16. डोंगर गाँव	446 (शास. रास्ता)	0.0219	
	445	0.1333	
	444	0.0648	
	443	0.0579	
	442	0.0209	
	441	0.2293	
	438	0.0484	
	437	0.1365	
	13	0.0461	
	12	0.1856	
	10	0.2054	
	9	0.0398	
	8	0.1226	
	440	0.0100	
17. पिपलिया खेड़ी	148	0.0929	
	146	0.2198	
	143	0.0514	
	144	0.0865	
	86	0.1277	
	83	0.0303	
	82	0.1322	
	75 (नदी)	0.0557	

[फा. सं. आर-31015/71/2004-ओ.आर.-11]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 25th February, 2005

S.O. 769.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Manglya (Indore) terminal in the State of Madhya Pradesh; an extension pipeline to Piyala in the State of Haryana and Bijwasan in the NCT of Delhi should be laid by Bharat Petroleum Corporation Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule, may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land

to Shri V.P. Pathak, Competent Authority, Mumbai-Manglya Pipeline Extension Project, Bharat Petroleum Corporation Limited, MB-7, Mahashweta Nagar, Mahendra Bhatnagar Marg, Ujjain-456 010 (Madhya Pradesh).

SCHEDULE

Tehsil : Susner District : Shajapur State : M.P.

Sl. No.	Name of Village	Survey No.	Area in Hectare
1	2	3	4
1.	Naharkheda	84 (Govt. Land)	0.5240
		85 (River)	0.0259
		86 (Govt. Land)	0.1320
		87 (Govt. Land)	0.1521
		83 (River)	0.0305
		80	0.2365
		79	0.1962
		77 (River)	0.0512
		58	0.0306
		59	0.1458
		61	0.0557
		62	0.0127
		63	0.2237
		53	0.3160
		51	0.1656
		125	0.0718
		127 (Govt. Land)	0.1977
		37 (Govt. Land)	0.0847
		34 (Govt. Land)	0.4673
2.	Umariya	667 (Govt. Land)	0.8671
		132 (Govt. Nala)	0.0327
		120 (Govt. Land)	0.0327
		130 (Govt. Land)	0.0028
		134 (Govt. Land)	0.0274
		139 (Govt. Nala)	0.0141
		140 (Govt. Land)	0.0547
		151 (Govt. Land)	0.2003
		152 (Govt. Land)	0.0005
		150 (Govt. Land)	0.0140
		149 (Govt. Land)	0.0084
		181 (Govt. Nala)	0.0403
		180 (Govt. Land)	0.2865
		161 (Govt. Land)	0.0168
		164 (Govt. Land)	0.3590
		165 (Govt. Land)	0.0108
		173 (Govt. Land)	0.0100
		177 (Govt. Land)	0.5287
		166 (Govt. Land)	0.0055
3.	Pipliya Nankar	90 (Govt. Land)	0.0419
		179 (Govt. Land)	0.2270
		180 (Govt. Land)	0.6403
		155 (Govt. Rasta)	0.1152
		159	0.2035
		157	0.0426
		156	0.0757

1	2	3	4	1	2	3	4
3.	Pipliya Nankar (Contd.)	172 (Govt. Nala)	0.0133	4.	Bamniya Khedi (Contd.)	414	0.0079
		139	0.0640			417 (Govt. Nala)	0.0213
		141	0.0114			415	0.0219
		140	0.2429			416	0.0381
		145	0.0342			470	0.0493
		152	0.0816			468/1255	0.0140
		146	0.0572			469	0.0109
		148	0.0878			468	0.0158
		149 (Govt. Rasta)	0.1862			467	0.0884
		346 (Govt. Rasta)	0.0142			471	0.0181
		355 (Govt. Rasta)	0.1965			466	0.0124
		345	0.0061			472	0.0823
		340	0.8000			465	0.1221
		339	0.1215			473	0.0031
		338	0.0768			474	0.1189
		337	0.0103			475	0.0203
		426 (Govt. Rasta)	0.0387			476	0.0737
		428	0.0664			477	0.0716
		429	0.1170			482	0.2028
		430	0.0808			480	0.1177
		461	0.0085			481	0.0152
		458	0.0811			364	0.0200
		459	0.0249			485	0.3000
		456	0.0697			483	0.0100
		452	0.0287	5.	Maina	393	0.0032
		451	0.0456			390	0.2132
		450	0.0410			392	0.0034
		447	0.1058			389	0.0258
		483 (Govt. Nala)	0.0334			1048 (Govt. Rasta)	0.0313
		626	0.0881			404	0.0949
		625	0.0682			412	0.1854
		624	0.0106			411	0.1310
		624/1411 (Govt. Land)	0.0435			410	0.1122
		289	0.0090			429	0.0269
4.	Bamniya Khedi	275	0.0010			430	0.1483
		276	0.1097			431	0.0789
		277	0.0358			1032	0.0010
		293	0.0010			1037 (Govt. Rasta)	0.0398
		292	0.2427			1023	0.1812
		301	0.0212			1024	0.1322
		302	0.0295			1025	0.1154
		304	0.0111			1026	0.0580
		305	0.0425			1012	0.0874
		353	0.1704			980	0.1131
		363	0.1039			982	0.0876
		366	0.0180			983	0.0292
		365	0.0998			984	0.0745
		367	0.0224			993	0.0307
		371	0.0816			994	0.0767
		372	0.0842			992	0.0529
		379 (Govt. Rasta)	0.0190			991	0.0424
		413	0.1028			1163	0.0526
		412	0.0010			1159	0.0615
		411	0.0200			1164	0.0618

1	2	3	4	1	2	3	4
5.	Maina (<i>Contd.</i>)	1957	0.0633	6.	Borkhedi	731 (Govt. Nala)	0.0491
		1156	0.0431			481	0.5212
		1154	0.0085			477	0.0375
		1640 (Govt. Nala)	0.0353			482	0.0554
		1646	0.2185			475	0.0200
		1647	0.0010			476	0.0541
		1644	0.0196			478 (Govt. Nala)	0.0498
		1757	0.0303			90	0.4114
		1756	0.0837			109 (Govt. Nala)	0.0147
		1755	0.0202			92	0.03122
		1745	0.0143			93	0.0356
		1746	0.0653			94	0.0249
		1747	0.1070			97	0.0407
		1749	0.0131			96	0.0920
		1741	0.0339			83	0.1495
		1778	0.0162			81	0.0071
		1812	0.0320			67	0.0292
		1813	0.0063			69	0.0818
		1818	0.0961			80	0.0467
		1819	0.0039			70	0.1575
		1817	0.0197			71	0.0538
		1820	0.0750			72	0.0168
		1839	0.0012			60	0.0709
		1837	0.0412			59	0.1253
		1838	0.0656			23	0.0302
		1840	0.0220			24	0.0192
		1842	0.0264			21	0.1228
		1843	0.0224			13	0.1930
		1844	0.0140			27	0.0070
		1860	0.0193			12	0.0986
		1859	0.1034			11	0.1022
		1861	0.0124			1	0.0184
		1858	0.0150			25	0.0100
		1972	0.0102			84	0.0400
		1899	0.1582			85 (Govt. Nala)	0.0100
		2001	0.0985	7.	Guradi	877	0.0002
		2002	0.0159			878	0.2816
		2003	0.2050			879	0.0566
		2005	0.0284			401 (Govt. Nala)	0.0101
		2004	0.0466			873	0.0151
		2026	0.0843			876	0.2031
		2017	0.0625			875	0.0002
		2016	0.0389			874	0.0001
		2015	0.0456			399	0.0001
		2014	0.1362	8.	Shatrughedi	58	0.0040
		2018	0.1327			57	0.0165
		2010 (Govt. Land)	0.0482			55	0.1784
		2012	0.0400			54	0.1245
		1155	0.0300			53	0.0847
		989	0.0200			52	0.0195
		1013	0.0100			56	0.2173
		432	0.0100			49	0.3374
		391	0.0400			48 (Govt. Nala)	0.0530
		981	0.0200			47	0.7861

1	2	3	4	1	2	3	4
8.	Shatrukhedi	26 (Govt. Rasta)	0.0232	10.	Nanora (Contd.)	147	0.1328
		25	0.0641			148	0.0849
		23	0.1240			149	0.1743
		24	0.0016			150	0.0537
		10	0.4829			152	0.0397
		99 (Govt. Road)	0.0315			153	0.1010
		231	0.3129			154 (Govt. Nala)	0.0262
		11	0.0016			749	0.0010
		51	0.0100			745	0.0600
9.	Malanwasa	737	0.1599			748	0.0100
		736	0.1657			837	0.0100
		358 (Govt. Nala)	0.0497			841	0.0100
		293	0.0748	11.	Kadmi	274 (Govt. Rasta)	0.0362
		294	0.0418			278	0.0946
		303	0.0010			279	0.0032
		302	0.0977			277	0.1021
		323	0.0808			268	0.1318
		324	0.0822			267	0.0474
		300	0.0113			266	0.0361
		336	0.1447			261	0.0185
		337	0.0805			262	0.0620
		339	0.0786			248	0.2183
		251	0.0271			242	0.1511
		250	0.1035			235	0.1092
		344	0.0026			241	0.0418
		243	0.1235			236	0.1530
		345	0.0219			237	0.1826
		242	0.1168			104 (Govt. Rasta)	0.0475
		347	0.0412			112	0.0794
		233	0.0865			114	0.1115
		232	0.0233			116	0.0315
		234	0.0212			119	0.0621
		227	0.1603			120	0.0830
		222	0.0823			117 (Govt. Rasta)	0.0238
		221	0.0777			97	0.0119
		220	0.0147			64	0.0120
		217	0.1538			61 (Govt. Nala)	0.0193
		214	0.0897			66	0.0677
		213	0.0917			67	0.1507
		212	0.0300			69	0.0058
10.	Nanora	829	0.1041			68	0.0394
		830	0.0602			65	0.0106
		831	0.0586			58	0.0107
		833	0.0641			57	0.0599
		834	0.0032			56	0.0444
		818	0.1593			50	0.0516
		817	0.0792			49	0.0217
		842	0.0494			602 (Govt. Rasta)	0.0565
		843	0.0524			538	0.2318
		166 (Govt. Nala)	0.0557			546	0.0924
		169	0.0160			547	0.1370
		170	0.1697			571	0.0672
		144	0.1057			570	0.1201
		145	0.1269			577	0.0739

1	2	3	4	1	2	3	4
11.	Kadmi (Contd.)	568	0.1374	12.	Mehatpur (Contd.)	247	0.1111
		567	0.1662			253	0.0206
		566	0.2380			252	0.1399
		589	0.0873			251	0.0372
		591	0.1439			265	0.3737
		593	0.1868			1 (Govt. Nala)	0.1018
		608	0.0023	13.	Soyat Kala	1351/4 (Govt. Land)	0.0100
	609 (Govt. Rasta)		0.0477			1351/1	0.1100
	617/827		0.0520			1350	0.2000
	610		0.1572			1349/1	0.0400
	274		0.0400			1349/2	0.1600
	263		0.0200			1348	0.2300
	238		0.0100			1347	0.0800
	113		0.0400			1346	0.0200
	115		0.0100	14.	Bijna Khedi	33	0.1028
	73		0.0300			34	0.1380
	122		0.0100			39	0.2138
	40		0.0100			40	0.1448
12	Mehatpur	897	0.1566			42	0.1285
		893	0.0734			24	0.0945
		894	0.0841			20	0.1123
		895	0.1417			18	0.0256
		885	0.2113			17	0.0780
	880 (Govt. Rasta)		0.0256			13	0.0245
	875		0.1200			14	0.1194
	869		0.0636			11	0.1133
	876		0.1240			9	0.1362
	877		0.0010			3	0.0033
	887		0.0074			2	0.1296
	888		0.1225			1	0.1613
	914		0.0063	15	Nishaniya	481	1.7099
	915		0.1058	16	Dongar Gaon	446 (Govt. Rasta)	0.0219
	923		0.1747			445	0.1333
	924		0.0864			444	0.0648
	925		0.0640			443	0.0579
	926		0.0245			442	0.0209
	927		0.0445			441	0.2293
	928		0.0627			438	0.0484
	930 (Govt. Rasta)		0.0173			437	0.1365
	942		0.0496			13	0.0461
	931		0.0156			12	0.1856
	937		0.2500			10	0.2054
	952		0.0091			9	0.0398
	296		0.2491			8	0.1226
	296/1230		0.1121			440	0.0100
	297		0.2222	17	Pipliya Khedi	148	0.0929
	288		0.0010			146	0.2198
	287		0.2409			143	0.0514
	299		0.0115			144	0.0865
	285		0.4215			86	0.1277
	244 (Govt. Nala)		0.0273			83	0.0303
	243		0.0020			82	0.1322
	273		0.3271			75 (River)	0.0557
	272		0.1010				
	246		0.0816				

[F. No. R-3105/71/2004-O.R.-II]

HARISH KUMAR. Under Secy.

नई दिल्ली, 1 मार्च, 2005

का. आ. 770.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1651 तारीख 11 जून, 2003 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, मेसर्स गैस ट्रांसपोर्टेशन एंड इनफ्रास्ट्रक्चर कम्पनी लिमिटेड की संप्रवर्तक कम्पनी मेसर्स रिलाएंस इण्डस्ट्रीस लिमिटेड के गोवा में उत्तरी/ दक्षिणी अपतट में खोज ब्लाकों और आन्ध्रप्रदेश में संरचनाओं से आन्ध्रप्रदेश राज्य में पूर्वी गोदावरी और पश्चिमी गोदावरी जिलों के विभिन्न उपभोक्ताओं तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए मेसर्स गैस ट्रांसपोर्टेशन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर कम्पनी लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 30 जून, 2003 को उपलब्ध करा दी गई थी

और पाइपलाइन बिछाने के संबंध में, जनता की और से प्राप्त आश्रयों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और अननुज्ञात कर दिया गया ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा(1)के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए आपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा(4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में पाइपलाइन बिछाने के संबंध में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, गैस ट्रांसपोर्टेशन एंड इनफ्रास्ट्रक्चर कम्पनी लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूचि

मंडल : आलपुर

जिल्हा : इस्ट गोदावरी

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

गांव का नाम	सर्वे सं। / सब डिविजन सं	आर ओ यू अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल			
		हेक्टर	एर	सि एर	
1	2	3	4	5	
1) बडुगुनिवानिलक	61/6	00	09	15	
	61/9	00	15	57	
	59	(सी एल)	00	01	20
	63/4	00	54	27	
	134	(जी एल)	01	44	79
	40/4	(जी एल)	00	07	40
	44/3	00	39	29	
	44/2	00	06	65	
	44/1	00	07	19	
	38/6	00	27	94	
	60	(सी एल)	00	29	90
	133	(जी एल)	01	44	72
	44/5	00	32	70	
	38/5	00	01	59	
	40/2	00	03	49	
	40/3	00	45	53	
	40/5	00	09	29	
	54/2	00	43	07	
	63/3	00	35	72	
	61/8	00	10	32	
43/1	00	23	68		
2) घौतमि गोदावरी रिवर	नदी दो गाँव के बीच में	(सी एल)	03	81	81
2) मडिकि	98/2	00	09	18	
	32	00	75	89	
	31/1	00	23	10	
	37/2	00	04	42	
	167/1	00	14	54	
	37/3	00	17	81	
	38/3	00	14	23	
	38/4	00	20	64	
	14/2	00	05	15	
	40/1	00	10	42	
	96/4	00	00	87	
	97/2	00	01	32	
	88	(सी एल)	00	07	33
	15/1	(जी एल)	00	00	46
	96/5	00	20	25	
	31/2	00	02	84	

1	2	3	4	5
2) मंडिके विंगर	47/2	00	28	99
	47/3	00	10	06
	47/5	00	00	10
	47/4	00	18	09
	39/7ए	00	02	17
	171/4ए	(मो एल)	00	07
	39/6	00	16	22
	95/4	00	19	31
	171/1की	(मो एल)	00	05
	2 2	(मो एल)	00	07
	167/5	(मो एल)	00	02
	39/7की	(मो एल)	00	03
	98/1	(मो एल)	00	08
	97/1	00	30	59
	172/2	00	26	33
	171/13की	00	03	04
	171/11की	00	07	30
	21/6	00	13	78
	172/5	00	13	07
	38/5	00	09	61
	16/4	00	14	95
	39/5	00	09	57
	171/14	00	10	88
	172/1	00	39	82
	170/1	00	14	53
	168/5	00	24	88
	168/4	00	17	82
	166/2	00	00	10
	167/4	00	17	84
	14/3	00	28	47
	95/3	00	12	23
	38/2	00	01	06
	95/2	00	28	37
	21/5	00	11	60
	21/4	00	00	10
	16/6	00	00	74
	16/5	00	31	51
	93/1	00	41	26
	89/1	00	01	17
	89/2	00	21	35
	89/3	00	20	40
	89/4	00	00	61
	95/5	00	25	66

1	2	3	4	5
मंडल : आतेयपुरम	जिल्हा : इस्ट गोदावरी		राज्य : आन्ध्र प्रदेश	
1) आतेयपुरम	20/9	00	03	47
	20/7ए	00	12	63
	20/6ए	00	27	90
	18/5मी	00	09	46
	18/4मी	00	06	37
	20/5	00	04	97
	79/1	00	33	03
	20/6बी	(मी एल)	00	55
	29/2ए	(मी एल)	00	84
	29/1	(मी एल)	00	03
	28	(मी एल)	00	69
	18/1बी	(मी एल)	00	56
	18/7मी		00	22
	16/1		00	01
	78	(मी एल)	00	06
	18/2ए		00	05
	29/2बी		00	04
	16/8		00	01
	29/4बी		00	03
	29/3बी		00	04
	18/6सी		00	06
	18/10		00	00
	18/9		00	01
	18/8सी		00	07
	20/6सी		00	00
	79/2		00	19
	20/4		00	00
	18/2बी	(जी एल)	00	01
	16/7बी	(जी एल)	00	24
	16/6		00	10
	20/3		00	00
	77/1		00	07
	20/11		00	20
	18/8ए		00	04
	77/2		00	01
	79/3		00	04
	20/12		00	02
	20/10		00	03
2) वसंतवाड	68/3	00	00	45
	72/18सी	00	05	51
	72/19सी	00	01	43
	72/20	00	14	60
	64/3	(जी एल)	00	34
	71/16	00	00	10

1	2	3	4	5	
2) वयंतवाड निगम	71/1	00	19	42	
	107/1	00	59	05	
	71/7ए	(जी एल)	01	21	
	72/16	00	00	40	
	67/18	00	00	10	
	70/5	00	28	02	
	67/12	00	04	70	
	71/2ए	00	05	82	
	70/6	00	00	10	
	64/1	00	00	17	
	67/17	00	10	40	
	67/16	00	04	20	
	67/15	00	09	15	
	72/17सी	00	03	20	
	67/13	00	06	67	
	70/4	00	07	34	
	67/11	00	02	37	
	67/10	00	01	16	
	67/9	00	00	37	
	67/19	00	12	42	
	109/8	00	43	04	
	68/2	00	05	01	
	72/15ए	00	00	10	
	67/14	00	03	69	
	72/4ए	(सी एल)	05	12	
	65/1	(सी एल)	00	96	
	68/1	(सी एल)	03	24	
	117/1ए2	(सी एल)	04	54	
	108	00	38	35	
	69	(सी एल)	07	05	
	72/18ए	00	05	36	
	72/17ए	00	05	68	
	72/19ए	00	00	10	
	64/2	(सी एल)	11	84	
	65/2	(सी एल)	09	25	
2) वसिस्ट गोदावरी रिवर	नदी दो गाँव के बीच में	(सी एल)	03	23	93
कुल	1	03	23	93	
3) बुधिलि	55/4	00	04	13	
	37/1	00	03	27	
	37/4ए	00	09	58	
	40/2	00	07	73	
	39/7	00	18	03	
	55/2	00	00	10	
	24	(सी एल)	06	57	
	37/3	00	07	45	
	38/1	00	19	95	
	60	(सी एल)	03	44	

1	2	3	4	5
3) मुन्चिनि निगम	37/2	00	17	19
	54	(बी एल)	00	33
	25/6	00	08	60
	40/1	00	03	88
	25/7	00	47	03
	61/3	00	23	53
	55/3	00	00	38
	39/5	00	38	98
	55/3	00	03	00
	41	(गो एल)	00	06
				43

क. व.

एडलः कडियप	जिल्हा : ईस्ट गोदावरी	राज्य : आन्ध्र प्रदेश
1) मुम्माडा	146	00 20 67
	246/9	00 08 53
	246/15	00 02 96
	247/3	00 19 61
	247/1	00 13 65
	247/2	00 10 12
	248/1	00 02 71
	144/2	00 08 58
	390/4	00 00 12
	65/3	00 07 66
	390/8	00 07 03
	246/6	00 07 78
	390/5	00 04 89
	247/4	00 06 12
	150/2	00 20 34
	151/2	00 10 69
	392/3	00 23 40
	390/6	00 12 32
	145/4	00 01 63
	89/4	00 08 23
	143/2	00 00 17
	144/3	00 07 77
	144/1	00 00 10
	151/3	00 11 70
	150/1	00 08 13
	145/6	00 09 67
	151/4	00 10 41
	154/1	00 41 36
	154/2	00 03 60
	41/4	00 01 53
	41/3	00 00 10
	143/1	00 04 52
	145/5	00 09 46
	144/4	00 20 72

1	2	3	4	5
1) मुम्बाई सिमेंट	363/2	00	03	47
	246/7	00	08	32
	374	00	00	82
	363/4	00	33	31
	271/2	00	23	72
	390/9	00	13	43
	402/2	00	28	55
	364	00	31	52
	69/2	00	30	01
	365	00	36	17
	392/1	00	14	19
	390/3	00	14	45
	345/2	00	33	78
	344/1	00	21	90
	269/3	00	00	75
	392/2	00	09	93
	402/1	00	18	35
	367	00	25	41
	270/2	00	00	10
	275	00	00	10
	274/2	00	16	95
	271/3	00	00	50
	348/1	00	00	48
	271/1	00	02	94
	363/1	00	04	41
	368	00	15	59
	389/4	00	13	51
	369/2	00	02	79
	369/1	00	11	91
	369/3	00	06	55
	369/4	00	05	98
	369/6	00	01	24
	370/1	00	21	99
	246/5	00	08	62
	261/2	00	47	93
	348/2	00	25	40
	389/7	00	07	63
	389/1	00	10	55
	389/10	00	00	10
	389/8	00	31	46
	269/2	00	14	39
	389/3	00	12	48
	262	00	45	60
	90/1	00	00	12
	260	00	00	10
	390/2	00	14	12

1	2	3	4	5
1) मुसमांडा निगम	272/1	00	27	35
	270/1	00	16	16
	363/5	00	04	29
	390/7	00	00	73
	269/1	00	15	50
	85/2	00	05	47
	246/4	00	00	10
	89/5	00	11	30
	88/1	00	00	10
	87	00	34	30
	84	00	09	51
	85/5	00	09	63
	389/2	00	01	55
	85/6	00	14	94
	388/5	00	02	68
	83/2	00	09	12
	83/1	00	14	71
	61/3	00	09	53
	65/4	00	41	27
	89/2	00	20	65
	65/2	00	00	50
	85/4	00	02	14
	153	(सी एल) 00	03	86
	62	(सी एल) 00	04	49
	43	(सी एल) 00	05	04
	139	(सी एल) 00	04	26
	342	(सी एल) 00	04	13
	142	(सी एल) 00	05	77

मंडलः मंडपेटा	जिल्हा : इस्ट गोदावरी	राज्य : आन्ध्र प्रदेश
1) एडिदा	94/1	00 04 77
	41/2	00 00 10
	41/3	00 14 40
	45/1	00 03 57
	81/3	00 04 54
	76/1	00 09 10
	81/4	00 10 87
	103/2	00 19 45
	44/1	00 31 50
	94/2	00 21 51
	40/2	00 22 61
	94/3	00 18 29
	94/4	00 09 30
	98/3	00 18 80
	95/1	00 01 53
	38/1	00 13 53

1	2	3	4	5	
1)एडिडा निरंतर	96/3ए	00	09	66	
	97/7	00	00	10	
	96/2	00	21	51	
	96/1	00	00	51	
	81/2	00	19	67	
	36/2बी	00	05	13	
	105	(सी एल)	11	50	
	39	00	21	42	
	43	(सी एल)	00	75	
	37	(सी एल)	05	67	
	40/1	00	03	03	
	42	(सी एल)	09	08	
	82	(सी एल)	09	08	
	101	(सी एल)	20	14	
मंडल: पेरवलि	जिल्हा : वेस्ट गोदावरी		राज्य : आन्ध्र प्रदेश		
1)कानूर अग्रहार	34	(सी एल)	00	05	48
	7/3ए2	(सी एल)	00	01	68
	7/3बी	(सी एल)	00	00	10
	7/1	00	12	02	
	7/2	00	10	07	
	8/2सी	00	01	21	
	8/2डि	00	39	54	
	5	00	00	29	
	8/2बी	(सी एल)	00	03	64
	7/3ए1	00	07	30	
	गोंव सीमा और 34 का बीच में	(जी एल)	00	08	55
	गोंव सीमा और 5 का बीच में	(जी एल)	03	25	69
2)कानूर जमिंदारि	187/6	00	04	69	
	187/8सी	00	07	23	
	187/3	00	03	59	
	187/4	00	05	52	
	187/8बी	00	00	31	
	196/4	00	06	35	
	187/7	00	08	30	
	186/9डि	00	00	35	
	187/5	00	06	88	
	173	00	00	30	
	353	00	25	72	
	196/3	00	06	68	
	197/3	00	23	65	
	197/6	00	16	50	
	169/15	00	09	20	
	31	(सी एल)	00	08	76
	207/8	00	00	79	

1	2	3	4	5
2) कानून जमिंदारि निरंतर	354	01	78	35
	32/7	(सी एल) 00	07	00
	187/10	00	00	38
	32/2	00	01	22
	33/2	00	03	82
	174/4	00	25	36
	207/3	00	13	86
	207/2बी	00	13	13
	207/2ए	00	02	16
	169/5	00	07	83
	174/3	00	02	11
	169/3	00	01	08
	34	(सी एल) 00	04	49
	169/2	00	10	03
	169/1	00	07	77
	171/3	00	00	28
	170/1	00	28	69
	175/7	00	23	21
	207/7	00	03	80
	169/4	00	05	09
	204/1	00	17	83
	169/6	00	27	15
	207/9बी	00	09	01
	207/1	00	00	78
	196/1	00	04	43
	196/5ए	00	15	00
	196/5बी	00	00	30
	204/3बी	00	15	89
	207/9ए	00	07	50
	204/2	00	14	52
	169/14	00	02	32
	206/3	00	14	70
	206/2	00	13	65
	206/1बी	00	04	54
	206/4	00	11	01
	188	(सी एल) 00	08	91
	207/6	00	03	49
	204/3ए	00	10	67
	187/9	00	24	57
	33/5	00	05	93
	360	00	19	48
	33/6	00	01	34
	30/2	00	08	21
	32/1	00	07	58
	33/7	00	00	10
	33/4	00	22	86

1	2	3	4	5
2) कानूनसमिति निरंतर	196/2	00	04	66
	355	00	52	53
	33/3	00	02	10
3) नाटुपल्ल	14/1	00	12	48
	44/8	00	00	23
	154/5	00	01	50
	53/1बी	00	01	79
	149/6	00	00	76
	14/4	00	01	63
	29/10ए	00	08	13
	29/9	00	03	79
	29/10बी	00	07	90
	53/1ए	00	09	70
	15/2 2	00	23	76
	45/2	00	14	90
	154/4	00	06	58
	43/3ए	00	11	23
	43/3बी	00	07	00
	54/5	00	00	10
	43/4	00	12	43
	49/8	00	06	60
	43/5	00	19	04
	43/6	00	04	95
	49/7	00	05	86
	40/11	00	00	40
	41/5	00	09	41
	45/1	00	10	50
	72/4	00	12	32
	54/4	00	12	95
	154/3	00	18	18
	75/1	00	02	36
	75/2	00	13	36
	16/8ए	00	12	81
	73/7	00	09	54
	154/7	00	05	92
	73/5	00	13	80
	16/6	00	16	85
	154/6	00	03	87
	72/7बी	00	00	42
	73/8	00	14	67
	72/5	00	10	03
	15/18बी	00	16	31
	72/2	00	06	24
	77/1	00	13	10
	74/6	00	22	85

1	2	3	4	5	
3)नाडुपल्ल निगम	17/6	00	00	10	
	73/4	00	03	01	
	77/3	00	00	10	
	154/10ए	00	01	93	
	14/2	00	12	98	
	15/18ए	00	05	78	
	50/2बी	00	00	21	
	54/1बी	00	15	36	
	72/7ए	00	03	16	
	15/21	00	07	76	
	50/3	00	14	83	
	54/2	00	08	46	
	149/4	00	00	10	
	149/1	00	07	70	
	149/2	00	08	53	
	29/11	00	10	02	
	47	(सी एल)	00	25	34
	150/2	00	07	61	
	89	(सी एल)	00	09	13
	42/4	00	01	30	
	43/8	00	09	63	
	50/4	00	25	69	
	41/4	00	17	66	
	149/5	00	10	78	
	16/5	00	01	16	
	54/1बी	00	00	54	
	54/1ए	00	06	78	
	150/1एफ	00	14	43	
	41/2	00	08	77	
	72/3	00	11	58	
	149/3	00	10	40	
	154/8	00	09	26	
	42/5	00	12	42	
	150/6	00	11	46	
	150/7	00	17	23	
	150/1ई	00	00	33	
	16/8बी	00	12	18	
	97	00	29	50	
	52	(सी एल)	00	19	56
	151	00	25	66	
	153/6	00	17	86	
	11	(सी एल)	00	07	01
	74/5	00	09	97	
	153/5बी	00	06	90	
	43/7	00	14	46	
	155/9	00	00	10	

1	2	3	4	5
3) नाडुपल्ले निरंतर	154/2	00	02	59
	41/6	00	12	74
	43/9	00	11	05
	41/3	00	05	86
	16/7	00	25	04
	72/1	(सी एल) 00	01	48

मंडल : ताडिपल्लिगुडेम	जिल्हा : वेस्ट गोदावरी	राज्य : आन्ध्र प्रदेश
1) आगुगालुनु	510/6	00 00 10
	504	00 05 64
	733/2	00 24 19
	575/2	00 36 51
	690/2	00 00 10
	630/9	00 06 24
	687/4सी	00 02 34
	52 2/6	00 08 36
	683/2	00 06 23
	694/1ए	00 03 20
	694/2ए	00 23 97
	694/2बी	00 15 62
	523/3बी	00 27 18
	630/5	00 07 24
	523/3एफ	00 00 39
	52 2/3	00 16 32
	52 2/4	00 14 41
	629/3ए	00 00 91
	629/3बी	00 02 00
	802/2	00 04 15
	635/7	00 37 05
	681/4	00 03 89
	681/3	00 07 35
	681/2	00 18 03
	681/1	00 10 32
	636/4बी	00 03 91
	636/4ए	00 00 48
	733/1	00 11 26
	687/4डि	00 05 64
	52 2/2	00 38 28
	579/4	(सी एल) 00 21 60
	736/1ए	00 00 22
	802/3	00 08 30
	629/2ए	00 03 36
	630/4	00 03 20
	683/1	00 09 42
	686	(सी एल) 00 02 70
	694/1बी	00 02 80

1	2	3	4	5	
1)आणुमानु निम्न	52 2/5	(सी एल)	00	02	88
	598/2		00	07	06
	603	(सी एल)	00	23	24
	629/4डि		00	07	73
	606	(सी एल)	00	03	93
	576	(सी एल)	00	55	65
	691/1	(सी एल)	00	11	11
	698	(सी एल)	00	10	35
	574	(सी एल)	00	03	54
	602	(सी एल)	00	12	27
	597	(सी एल)	00	05	36
	371	(सी एल)	00	07	08
	627/1	(सी एल)	00	22	22
	630/7		00	00	12
	693/1		00	12	27
	689/2		00	04	36
	689/1बी		00	06	84
	694/2सी		00	09	96
	635/6		00	18	32
	631		00	33	83
	632/4		00	01	98
	632/3		00	05	24
	598/1		00	89	80
	503		00	28	86
	693/2ए		00	11	03
	802/1		00	07	14
	630/10		00	16	52
	630/12		00	02	00
	630/11		00	06	07
	629/5बी		00	03	08
	629/5ए		00	02	38
	629/4बी		00	01	29
	629/4सी		00	03	06
	632/2डि		00	04	35
	692/1बी		00	05	68
	359/10		00	10	94
	600		00	30	00
	370/4		00	10	09
	370/3सी		00	15	18
	629/1		00	01	26
	690/5		00	05	34
	370/2		00	07	42
	692/1ए		00	07	22
	370/3बी		00	06	83
	370/3ए		00	04	61
	369/1सी		00	01	56

1	2	3	4	5	
1)आमगोलत निम्न	601/1ए	00	05	60	
	372/1	00	12	20	
	369/1बी	00	02	72	
	369/2ए	00	16	06	
	601/1बी	00	00	93	
	367/2ए	00	43	50	
	369/1ए	00	00	80	
	367/2बी	00	18	36	
	629/2बी	00	03	64	
	368/4	00	18	24	
	525/1	00	63	47	
	368/3	00	17	80	
	369/2बी	00	19	92	
	526/4डि	00	01	05	
	523/1	00	13	54	
	601/2ए	00	02	07	
	372/2	00	11	29	
	690/3बी	00	02	08	
	523/3ए	00	17	52	
	523/2	00	01	44	
	601/1एफ	00	08	84	
	367/3	00	03	24	
	601/1ई	00	03	98	
	601/1सी	00	04	73	
	795	00	44	46	
	595/2	00	02	70	
	596	00	29	95	
2)अरुल्ला अग्रहारम	10/3एफ	00	00	67	
	203/3	00	00	93	
	189	(सी एल)	00	02	28
	203/5	00	22	93	
	182	00	11	72	
	252	(सी एल)	00	08	75
	181/7बी	00	22	84	
	180/4	00	01	27	
	264/2	00	22	32	
	180/5	00	36	10	
	179	00	11	77	
	273	(सी एल)	00	15	31
	178/1	00	01	21	
	208/2	00	24	04	
	264/3	00	11	23	
	206/10	00	09	71	
	265/13	00	26	17	
	206/9	00	08	99	

1	2	3	4	5
2) अगुल्ला अगुल्ला निम्न	206/7	00	17	32
	265/12	00	06	61
	205	00	41	28
	175	(सी एल)	20	85
	183	(सी एल)	05	14
	208/3	00	10	28
	185/3	00	00	10
	92	(सी एल)	07	69
	265/8ए	00	00	19
	188	(सी एल)	01	60
	263/7	00	15	62
	262/1	00	02	44
	262/2	00	02	04
	204/2	00	02	95
	295/3	00	15	83
	295/1	00	14	51
	87	(सी एल)	13	42
	265/5	00	01	74
	137	(सी एल)	25	09
	136	(सी एल)	03	11
	203/4	00	23	78
	264/4	00	00	13
	13/4	00	12	80
	13/4	00	04	49
	13/3	00	00	46
	204/1	(सी एल)	02	73
	144/2	00	11	09
	145/2ए	00	05	30
	14/4	00	32	55
	91/1	00	23	55
	204/4	(सी एल)	02	50
	90/9ए	00	00	35
	90/9	00	00	50
	251/4	00	15	20
	11/1	00	22	17
	251/7	00	00	31
	14/2	00	15	65
	15	00	12	92
	265/4	00	04	21
	13/1	00	17	22
	265/7	00	09	23
	10/3	00	06	24
	12/1	00	12	80
	13/2	00	04	64
	10/4	00	10	33
	145/1	00	04	43

1	2	3	4	5
2) अमुल्ला अगहागम निगम	265/6	00	02	60
	185/3ए	00	42	01
	91/2	00	00	45
	140/1	00	23	73
	201/1	00	01	34
	144/3	00	07	16
	144/1	00	05	01
	145/3	00	10	43
	251/2	00	05	11
	141/1	00	16	79
	295/2	(जी एल) 00	27	40
	141/2	00	29	77
	142	00	10	00
	143/2	00	55	36
	172	00	31	05
	262/3	00	39	22
	251/6	00	13	51
	251/5	00	08	32
	204/3	(सी एल) 00	01	86
	173	00	55	79
3) जगन्नाद पुरम	589/3	00	13	92
	595/3	00	00	91
	594/1	00	04	41
	595/5बी	00	11	82
	592/3	00	16	32
	592/1बी	00	03	57
	592/1सी	00	09	00
	593/1ए	00	02	41
	590/2बी	00	14	56
	590/2सी	00	00	33
	594/3	00	00	61
	595/4	00	00	10
	609	(सी एल) 00	02	59
	597/1	00	11	31
	590/1	00	12	41
	590/2ए	00	01	92
	595/1बी	00	07	59
	595/2	00	09	54
	595/5ए	00	00	84
	598/5बी	00	02	07
	588	00	15	29
	589/1	00	10	94
	589/2	00	10	56
	596/1	00	09	26
	597/2	00	10	52

1	2	3	4	5	
4)कडकटल	32	(जी एल)	00	21	31
	33	(जी एल)	00	52	38
	59/2	(मी एल)	00	04	14
	2 69	(मी एल)	00	09	16
	12 2	(मी एल)	00	05	79
	7 6	(मी एल)	00	51	07
	7 5	(मी एल)	00	32	59
	67/1		00	17	75
	60	(मी एल)	00	04	29
	61/1		00	47	44
	271/1ए		00	12	29
	21/3		00	06	10
	62/2		00	06	92
	21/1		00	37	53
	68/1		00	05	34
	59/1		00	53	98
	67/2		00	11	90
	58/2		00	00	94
	27/2		00	33	46
	2 6/4		00	00	62
	2 6/1		00	19	11
	25/2सी		00	11	00
	25/2बी		00	54	51
	25/2ए		00	13	61
	25/1		00	06	00
	62/4ए		00	06	99
	67/3		00	11	27
	29/2		00	81	48
	21/2		00	11	30
	270		00	39	76
	66/3ए		00	27	00
	66/3बी		00	03	33
	66/2सी		00	04	80
	120		00	48	73
	62/6बी		00	33	39
	121		00	06	48
	271/2		00	13	19
	271/3		00	06	49
	271/4ए		00	00	50
	20/3		00	04	76
	62/1		00	05	86
5)कोन्डुपोलु	370	(जी एल)	00	86	74
	429	(मी एल)	00	02	89
	417/1		00	33	66
	335/3		00	31	18

1	2	3	4	5
5)कोन्डुपानु निरंतर	334	00	70	49
	428/1	00	02	60
	416	(सी एल)	03	16
	423/2	00	10	81
	417/3	00	00	10
	418	00	08	44
	333	(सी एल)	00	76
	427	(जी एल)	26	09
	426	(सी एल)	32	64
	335/2	00	09	31
	417/7	00	46	47
	335/1	(सी एल)	00	38
	369	(जी एल)	13	77
6)कुन्चनपल्लि	232/1	00	00	15
	287/1	(जी एल)	01	85
	254	(सी एल)	04	07
	253/1	00	13	85
	238/2	00	02	58
	238/3	00	29	48
	238/4	00	14	17
	239/5	00	12	71
	239/7	00	27	29
	223/2	00	24	62
	252/1	00	22	74
	223/1	00	01	31
	252/2	00	26	13
	285/1	00	74	09
	253/3	00	02	70
	285/2	(जी एल)	02	20
	219	00	22	70
	287/2	00	54	41
	276/2	00	26	63
	276/1	00	22	85
	277/5	00	03	85
	218	00	22	36
	217	00	11	74
	216	00	34	07
	215	00	38	46
	214/3	00	04	28
	214/2	00	15	09
	234	00	18	42
7)नवाबुफालेम	3/1	00	03	52
	2	(सी एल)	03	62
	5/2बी	00	11	08

1	2	3	4	5	
7)नवानुपालम निगम	1	(सी एल)	00	16	37
	5/3एफ		00	02	69
	5/2ए		00	07	80
	5/3बी		00	04	37
	5/3ए		00	02	65
	3/2		00	00	33
	5/6बी		00	11	80
	5/5		00	11	13
	5/7		00	00	10
	5/6ए		00	12	34
	5/1		00	00	95
	5/4		00	08	69
	5/3जी		00	05	03
8)ताडेपल्ले	1119/1सी		00	00	53
	1116	(सी एल)	00	14	03
	988/3		00	14	59
	1119/1बी		00	05	35
	1111/1		00	25	17
	1132/3ई		00	09	66
	1121/2बी		00	00	10
	1132/3डि		00	03	42
	1036		00	53	71
	1035/3ए		00	11	57
	1111/2		00	08	99
	1114/3		00	25	17
	1121/1बी		00	01	65
	1120/2बी		00	07	51
	1035/3बी		00	05	97
	1113/2सी		00	09	23
	1121/2ई		00	11	27
	1120/2सी		00	02	55
	1120/1		00	26	35
	1106/1ए		00	03	51
	1120/2ए		00	08	02
	1113/2बी		00	00	35
	1132/3जी		00	03	64
	1114/2		00	03	02
	1133/2	(सी एल)	00	17	04
	1058/3	(सी एल)	00	06	42
	1118	(सी एल)	00	01	69
	1119/1ए		00	09	29
	1033	(सी एल)	00	08	55
	1120/2ई		00	09	40
	1134/1		00	06	89
	1133/1		00	16	80

1	2	3	4	5
8) नाइपल्ल निगल	988/2	00	06	78
	1132/3नेच	00	06	58
	1035/2ए	00	03	60
	1132/3एफ	00	00	16
	1120/2डि	00	00	10
	987	00	66	90
	1115/2	00	13	66
	988/1	00	07	37
	1061/1	00	03	33
	989/6	00	00	10
	1035/2मी	00	13	43
	1035/2नो	00	10	59
	1132/3आई	00	02	47
	1029/2	00	00	10
	1035/1	00	08	20
	1035/4ए	00	07	80
	1030/5ए	00	04	00
	1030/4ए	00	06	74
	1030/4बी	00	11	43
	1030/4सी	00	03	28
	1030/5बी	00	00	28
	1030/2	00	05	98
	1029/4	00	14	19
	1029/3	00	14	98
	1029/8	00	09	00
	1029/9	00	41	36
	978/3	00	00	10
	978/4	00	09	10
	1115/1	00	21	66
	1035/4सी	00	01	63
	1030/1	00	24	69
9) नाइपल्ल गूडेन	6/1	00	20	33
	162/2	00	11	22
	6/2	00	20	33
मंडल उदाहरण	जिल्ला : वेस्ट गोवायरी	राज्य : आन्ध्र प्रदेश		
1) दमेलु	2/1	00	07	14
	1	(सी एल)	00	07
	2/2ए	00	01	74
2) कल्लदरि	259/7ए	00	02	13
	259/8ए	00	02	53
	259/3	00	12	40
	292/3सी	00	10	26
	275/3	00	29	83

1	2	3	4	5	
2)काल्दरि निरंतर	275/1		00	09	35
	275/2		00	08	56
	274/2ए		00	07	33
	274/1ए		00	07	72
	259/2बी		00	20	05
	274/1बी		00	05	51
	229/21		00	06	78
	272/7		00	00	78
	396	(सी एल)	00	02	74
	401	(सी एल)	00	21	44
	293	(सी एल)	00	15	38
	257	(सी एल)	00	03	86
	309	(सी एल)	00	12	73
	353	(सी एल)	00	05	59
	310	(सी एल)	00	07	45
	352/2	(सी एल)	00	00	86
	254/3ई		00	05	66
	259/5ए		00	17	46
	352/1बी		00	28	66
	229/10		00	02	37
	254/5		00	11	93
	254/2		00	09	86
	254/1		00	17	77
	229/22		00	06	62
	229/11		00	08	33
	229/9		00	00	10
	272/6		00	21	88
	254/6		00	05	66
	357/2ए		00	00	19
	274/1सी		00	08	87
	350/4		00	01	94
	385	(सी एल)	00	04	73
	351/5		00	26	76
	351/7		00	22	38
	351/4ए		00	00	10
	342/3		00	21	21
	342/2बी		00	12	27
	342/1बी		00	02	65
	342/1ए		00	00	10
	292/4		00	15	96
	254/4		00	01	31
	273/1		00	00	10
	356		00	36	35
	255/2		00	15	31
	410/1		00	34	25
	311/2ए		00	06	45

1	2	3	4	5
2) काल्दगि निरंन	399/3	00	84	44
	352/1ए	(सी एल) 00	23	51
	399/2	00	00	10
	400/1सी	00	00	19
	400/1ए	00	17	53
	400/2ए	00	02	07
	386/7सी	00	18	16
	259/6ए	00	01	97
	410/2ए	00	03	06
	311/1सी	00	00	10
	409/1ए	00	07	45
	256/1सी	00	10	65
	256/1ए	00	13	35
	259/5सी	00	03	52
	289/ए	(जी एल) 00	00	25
	259/5सी	00	14	75
	259/5डि	00	06	41
	291/3	00	11	86
	291/2	00	20	76
	290/3सी	00	04	50
	255/1	00	00	78
	290/3सी	00	16	48
	386/7सी	00	11	55
	370/6एफ	00	02	79
	311/1ए	00	18	33
	369	(सी एल) 00	00	67
	357/2सी	00	34	68
	357/4	00	06	45
	357/5	00	00	10
	387	00	16	79
	368	(सी एल) 00	07	37
	370/6ई	00	00	70
	398/3ई	00	15	00
	370/6जी	00	06	56
	384/1सी	00	26	41
	386/6सी	00	00	45
	398/3डि	00	23	36
	398/3सी	00	10	22
	255/3	00	18	53
	290/4	00	37	22
	290/5	00	05	98
	384/2	00	25	64
	386/6सी	00	00	10
	384/4सी	00	17	49
	384/4सी	00	10	87

1	2	3	4	5	
3)पमलपूडि	51	(सी एल)	00	07	33
	315/3की		00	02	08
	315/3ए		00	14	24
	315/3की		00	10	19
	56	(सी एल)	00	06	81
	312/2		00	03	33
	318	(सी एल)	00	02	02
	322	(सी एल)	00	11	77
	315/2		00	05	48
	11/5		00	00	59
	317	(सी एल)	00	04	14
	315/4		00	02	58
	20/1		00	04	34
	16/7		00	11	25
	11/8		00	13	58
	11/9		00	05	46
	17/3		00	06	84
	17/4		00	00	35
	17/5		00	11	42
	17/2		00	00	42
	17/10		00	00	14
	17/6		00	10	57
	17/7		00	08	76
	17/9		00	00	17
	17/8		00	04	17
	26/2		00	29	73
	53/17		00	21	66
	53/3की		00	05	21
	53/16		00	02	06
	321/1		00	02	65
	316/2		00	28	60
	316/1		00	18	76
	308/8		00	04	16
	308/9		00	02	20
	308/7		00	17	82
	308/5		00	04	64
	308/6		00	01	67
	308/2		00	08	01
	308/3		00	03	33
	308/1		00	18	61
	23		00	07	51
	21/2		00	29	11
	8/2		00	34	60
	312/3		00	13	59
	312/5		00	00	10
	312/4		00	17	59

1	2	3	4	5
3) पसलपूडि निरंतर	309/8	00	02	58
	312/7	00	04	42
	312/8	00	12	04
	309/4	00	02	72
	312/9	00	00	10
	11/3	00	00	67
	11/2	00	08	98
	11/1	00	09	58
	315/1	00	22	34
	24/4	00	14	55
	49/1	00	14	74
	312/1	00	00	33
	9/4	00	12	53
	9/1	00	01	18
	9/3	00	03	71
	9/2	00	00	41
	9/5	00	16	96
	24/3	00	17	65
	24/1	00	02	81
	24/2	00	12	60
	24/6	00	03	67
	24/7	00	00	10
	26/1	00	11	39
	12/4	00	09	94
	28/1	00	03	21
	11/6	00	14	87

[फा. सं. एल-14014/9/2003-जी.पी.]

एस. बी. मण्डल, अवर सचिव

New Delhi, the 1st March, 2005

S. O. 770.— Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural gas number S.O. 1651 dated the 11th June, 2003, issued under subsection (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of natural gas from the exploration blocks in the Northern/Southern Offshore of Goa and Structures in Andhra Pradesh of M/s Reliance Industries Limited, the promoter company of M/s Gas Transportation and Infrastructure Company Limited to various consumers of Districts East Godavari and West Godavari in the State of Andhra Pradesh by Gas Transportation and Infrastructure Company Limited;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 30th June, 2003;

And whereas the objections received from the public to the laying of the pipeline have been considered and disallowed by the Competent Authority;

And whereas the Competent Authority has, under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the Pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired, for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest, on this date of publication of the declaration, in Gas Transportation and Infrastructure Company Limited, free from all encumbrances.

Schedule				
Mandal : AEAMURU		District : East Godavari		State : Andhra Pradesh
Village	Survey No./Sub-Division No	Area to be acquired ROU		
		Hectare	Are	C-Are
1	2	3	4	5
1) Badugunivanilanka	61/6	00	09	15
	61/9	00	15	57
	59	(CL) 00	01	20
	63/4	00	54	27
	134	(GL) 01	44	79
	40/4	(GL) 00	07	40
	44/3	00	39	29
	44/2	00	06	65
	44/1	00	07	19
	38/6	00	27	94
	60	(CL) 00	29	90
	133	(GL) 01	44	72
	44/5	00	32	70
	38/5	00	01	59
	40/2	00	03	49
	40/3	00	45	53
	40/5	00	09	29
	54/2	00	43	07
	63/3	00	35	72
	61/8	00	10	32
	43/1	00	23	68
2) Gowtami Godavari River	River Between Village Boundaries (CL)	03	81	81
Total	1	03	81	81

1	2	3	4	5
3) Madiki	98/2	00	09	18
	32	00	75	89
	31/1	00	23	10
	37/2	00	04	42
	167/1	00	14	54
	37/3	00	17	81
	38/3	00	14	23
	38/4	00	20	64
	14/2	00	05	15
	40/1	00	10	42
	96/4	00	00	87
	97/2	00	01	32
	88	(CL) 00	07	33
	15/1	(GL) 00	00	46
	96/5	00	20	25
	31/2	00	02	84
	47/2	00	28	99
	47/3	00	10	06
	47/5	00	00	10
	47/4	00	18	09
	39/7A	00	02	17
	171/4A	(CL) 00	07	48
	39/6	00	16	22
	95/4	00	19	31
	171/1B	(CL) 00	05	72
	22	(CL) 00	07	01
	167/5	(CL) 00	02	79
	39/7B	(CL) 00	03	71
	98/1	(CL) 00	08	03
	97/1	00	30	59
	172/2	00	26	33
	171/13B	00	03	04
	171/11B	00	07	30
	21/6	00	13	78
	172/5	00	13	07
	38/5	00	09	61
	16/4	00	14	95
	39/5	00	09	57
	171/14	00	10	88
	172/1	00	39	82
	170/1	00	14	53
	168/5	00	24	88
	168/4	00	17	82
	166/2	00	00	10
	167/4	00	17	84
	14/3	00	28	47
	95/3	00	12	23
	38/2	00	01	06
	95/2	00	28	37

1	2	3	4	5
3) Madiki (Contd...)	21/5	00	11	60
	21/4	00	00	10
	16/6	00	00	74
	16/5	00	31	51
	93/1	00	41	26
	89/1	00	01	17
	89/2	00	21	35
	89/3	00	20	40
	89/4	00	00	61
	95/5	00	25	66

Mandal : ATREYAPURAM		District : East Godavari		State : Andhra Pradesh	
1) ATREYAPURAM	20/9		00	03	47
	20/7A		00	12	63
	20/6A		00	27	90
	18/5C		00	09	46
	18/4C		00	06	37
	20/5		00	04	97
	79/1		00	33	03
	20/6B	(CL)	00	00	55
	29/2A	(CL)	00	02	84
	29/1	(CL)	00	03	03
	28	(CL)	00	10	69
	18/1B	(CL)	00	03	56
	18/7C		00	22	30
	16/1		00	01	71
	78	(CL)	00	06	61
	18/2A		00	05	64
	29/2B		00	04	22
	16/8		00	01	31
	29/4B		00	03	43
	29/3B		00	04	10
	18/6C		00	06	33
	18/10		00	00	10
	18/9		00	01	40
	18/8C		00	07	68
	20/6C		00	00	10
	79/2		00	19	57
	20/4		00	00	28
	18/2B	(GL)	00	01	83
	16/7B	(GL)	00	24	62
	16/6		00	10	91
	20/3		00	00	10
	77/1		00	07	46
	20/11		00	20	61
	18/8A		00	04	20
	77/2		00	01	76
	79/3		00	04	28
	20/12		00	02	61
	20/10		00	03	62

1	2	3	4	5
2) VASANTAVADA	68/3	00	00	45
	72/18C	00	05	51
	72/19C	00	01	43
	72/20	00	14	60
	64/3	(GL) 00	34	51
	71/16	00	00	10
	71/1	00	19	42
	107/1	00	59	05
	71/7A	(GL) 00	01	21
	72/16	00	00	40
	67/18	00	00	10
	70/5	00	28	02
	67/12	00	04	70
	71/2A	00	05	82
	70/6	00	00	10
	64/1	00	00	17
	67/17	00	10	40
	67/16	00	04	20
	67/15	00	09	15
	72/17C	00	03	20
	67/13	00	06	67
	70/4	00	07	34
	67/11	00	02	37
	67/10	00	01	16
	67/9	00	00	37
	67/19	00	12	42
	109/8	00	43	04
	68/2	00	05	01
	72/15A	00	00	10
	67/14	00	03	69
	72/4A	(CL) 00	05	12
	65/1	(CL) 00	00	96
	68/1	(CL) 00	03	24
	117/1A2	(CL) 00	04	54
	108	00	38	35
	69	(CL) 00	07	05
	72/18A	00	05	36
	72/17A	00	05	68
	72/19A	00	00	10
	64/2	(CL) 00	11	84
	65/2	(CL) 00	09	25
3) VASISTA GODAVARI RIVER	Between River and Village Boundary	(CL) 03	23	93
4) VUCHCHILI	55/4	00	04	13
	37/1	00	03	27
	37/4A	00	09	58
	40/2	00	07	73
	39/7	00	18	03
	55/2	00	00	10
	24	(CL) 00	08	57

1	2	3	4	5
4) VUCHCHILI (Contd...)	37/3	00	07	45
	38/1	00	19	95
	60	(CL) 00	03	44
	37/2B	00	17	19
	54	(CL) 00	33	58
	25/6	00	08	60
	40/1	00	03	88
	25/7	00	47	03
	61/3	00	23	53
	55/3B	00	00	38
	39/5	00	38	98
	55/3A	00	03	00
	41	(CL) 00	06	43
Mandal : KADIYAM District : East Godavari State : Andhra Pradesh				
1) MURAMANDA	146	00	20	67
	246/9	00	08	53
	246/15	00	02	96
	247/3	00	19	61
	247/1	00	13	65
	247/2	00	10	12
	248/1	00	02	71
	144/2	00	08	58
	390/4	00	00	12
	65/3	00	07	66
	390/8	00	07	03
	246/6	00	07	78
	390/5	00	04	89
	247/4	00	06	12
	150/2	00	20	34
	151/2	00	10	69
	392/3	00	23	40
	390/6	00	12	32
	145/4	00	01	63
	89/4	00	08	23
	143/2	00	00	17
	144/3	00	07	77
	144/1	00	00	10
	151/3	00	11	70
	150/1	00	08	13
	145/6	00	09	67
	151/4	00	10	41
	154/1	00	41	36
	154/2	00	03	60
	41/4	00	01	53
	41/3	00	00	10
	143/1	00	04	52
	145/5	00	09	46
	144/4	00	20	72

1	2	3	4	5
1) MURAMANDA(Contd...)	363/2	00	03	47
	246/7	00	08	32
	37/	00	00	82
	363/4	00	33	31
	271/2	00	23	72
	390/4	00	13	43
	402/2	00	28	55
	364	00	31	52
	69/2	00	30	01
	365	00	36	17
	392/1	00	14	19
	390/3	00	14	45
	345/2	00	33	78
	344/1	00	21	90
	269/3	00	00	75
	392/2	00	09	93
	402/1	00	18	35
	367	00	25	41
	270/2	00	00	10
	275	00	00	10
	274/2	00	16	95
	271/3	00	00	50
	348/1	00	00	48
	271/1	00	02	94
	363/1	00	04	41
	368	00	15	59
	389/4	00	13	51
	369/2	00	02	79
	369/1	00	11	91
	369/3	00	06	55
	369/4	00	05	98
	369/6	00	01	24
	370/1	00	21	99
	246/5	00	08	62
	261/2	00	47	93
	348/2	00	25	40
	389/7	00	07	63
	389/1	00	10	55
	389/10	00	00	10
	389/8	00	31	46
	269/2	00	14	39
	389/3	00	12	48
	262	00	45	60
	90/1	00	00	12
	260	00	00	10
	390/2	00	14	12

1	2	3	4	5
1) MURAMANDA(Contd...)	272/1	00	27	35
	270/1	00	16	16
	363/5	00	04	29
	390/7	00	00	73
	269/1	00	15	50
	85/2	00	05	47
	246/4	00	00	10
	89/5	00	11	30
	88/1	00	00	10
	87	00	34	30
	84	00	09	51
	85/5	00	09	63
	389/2	00	01	55
	85/6	00	14	94
	388/5	00	02	68
	83/2	00	09	12
	83/1	00	14	71
	61/3	00	09	53
	65/4	00	41	27
	89/2	00	20	65
	65/2	00	00	50
	85/4	00	02	14
	153	(CL) 00	03	86
	62	(CL) 00	04	49
	43	(CL) 00	05	04
	139	(CL) 00	04	26
	342	(CL) 00	04	13
	142	(CL) 00	05	77

†

Mandal : MANDAPETA		District : East Godavari		State : Andhra Pradesh	
1) EDIDA	94/1	00	04	77	
	41/2	00	00	10	
	41/3	00	14	40	
	45/1	00	03	57	
	81/3	00	04	54	
	76/1	00	09	10	
	81/4	00	10	87	
	103/2	00	19	45	
	44/1	00	31	50	
	94/2	00	21	51	
	40/2	00	22	61	
	94/3	00	18	29	
	94/4	00	09	30	
	98/3	00	18	80	
	95/1	00	01	53	
	38/1	00	13	53	

1	2	3	4	5
1) EDIDA (Contd...)	96/3A	00	09	66
	97/7	00	00	10
	96/2	00	21	51
	96/1	00	00	51
	81/2	00	19	67
	36/2B	00	05	13
	105	(CL) 00	11	50
	39	00	21	42
	43	(CL) 00	00	75
	37	(CL) 00	05	67
	40/1	00	03	03
	42	(CL) 00	09	08
	82	(CL) 00	09	08
	101	(CL) 00	20	14
<hr/>				
Mandal : PERAVALI District : West Godavari State : Andhra Pradesh				
1) KANURU (AGRAHARAM)	34	(CL) 00	05	48
	7/3A2	(CL) 00	01	68
	7/3B	(CL) 00	00	10
	7/1	00	12	02
	7/2	00	10	07
	8/2C	00	01	21
	8/2D	00	39	54
	5	00	00	29
	8/2B	(CL) 00	03	64
	7/3A1	00	07	30
	Between Vg Boundary&Sy No 34	(GL) 00	08	55
	Between Vg Boundary&Sy No 5	(GL) 03	25	69
<hr/>				
2) KANURU (ZAMINDARI)	187/6	00	09	69
	187/8C	00	07	23
	187/3	00	03	59
	187/4	00	05	52
	187/8B	00	00	31
	196/4	00	06	35
	187/7	00	08	30
	186/9D	00	00	35
	187/5	00	06	88
	173	00	00	30
	353	00	25	72
	196/3	00	06	68
	197/3	00	23	65
	197/6	00	16	50
	189/15	00	09	20
	31	(CL) 00	08	76
	207/8	00	00	79

1	2	3	4	5
2) KANURU(ZAMINDARI)(Contd...)	354	01	78	35
	32/7	(CL) 00	07	00
	187/10	00	00	38
	32/2	00	01	22
	33/2	00	03	82
	174/4	00	25	36
	207/3	00	13	86
	207/2B	00	13	13
	207/2A	00	02	16
	169/5	00	07	83
	174/3	00	02	11
	169/3	00	01	08
	34	(CL) 00	04	49
	169/2	00	10	03
	169/1	00	07	77
	171/3	00	00	28
	170/1	00	28	69
	175/7	00	23	21
	207/7	00	03	80
	169/4	00	05	09
	204/1	00	17	83
	169/6	00	27	15
	207/9B	00	09	01
	207/1	00	00	78
	196/1	00	04	43
	196/5A	00	15	00
	196/5B	00	00	30
	204/3B	00	15	89
	207/9A	00	07	50
	204/2	00	14	52
	169/14	00	02	32
	206/3	00	14	70
	206/2	00	13	65
	206/1B	00	04	54
	206/4	00	11	01
	188	(CL) 00	08	91
	207/6	00	03	49
	204/3A	00	10	67
	187/9	00	24	57
	33/5	00	05	93
	360	00	19	48
	33/6	00	01	34
	30/2	00	08	21
	32/1	00	07	58
	33/7	00	00	10
	33/4	00	22	86

1	2	3	4	5
2) KANURU(ZAMINDARI)(Contd...)	196/2	00	04	66
	355	00	52	53
	33/3	00	02	10
Total				
3) NADUPALLE	14/1	00	12	48
	44/8	00	00	23
	154/5	00	01	50
	53/1B	00	01	79
	149/6	00	00	76
	14/4	00	01	63
	29/10A	00	08	13
	29/9	00	03	79
	29/10B	00	07	90
	53/1A	00	09	70
	15/22	00	23	76
	45/2	00	14	90
	154/4	00	06	58
	43/3A	00	11	23
	43/3B	00	07	00
	54/5	00	00	10
	43/4	00	12	43
	49/8	00	06	60
	43/5	00	19	04
	43/6	00	04	95
	49/7	00	05	86
	40/11	00	00	40
	41/5	00	09	41
	45/1	00	10	50
	72/4	00	12	32
	54/4	00	12	95
	154/3	00	18	18
	75/1	00	02	36
	75/2	00	13	36
	16/8A	00	12	81
	73/7	00	09	54
	154/7	00	05	92
	73/5	00	13	80
	16/6	00	16	85
	154/6	00	03	87
	72/7B	00	00	42
	73/8	00	14	67
	72/5	00	10	03
	15/18B	00	16	31
	72/2	00	06	24
	77/1	00	13	10
	74/6	00	22	85

1	2	3	4	5
3) NADUPALLE (Contd....)	17/6	00	00	10
	73/4	00	03	01
	77/3	00	00	10
	154/10A	00	01	93
	14/2	00	12	98
	15/18A	00	05	78
	50/2B	00	00	21
	54/1C	00	15	36
	72/7A	00	03	16
	15/21	00	07	76
	50/3	00	14	83
	54/2	00	08	46
	149/4	00	00	10
	149/1	00	07	70
	149/2	00	08	53
	29/11	00	10	02
	47	(CL) 00	25	34
	150/2	00	07	61
	89	(CL) 00	09	13
	42/4	00	01	30
	43/8	00	09	63
	50/4	00	25	69
	41/4	00	17	66
	149/5	00	10	78
	16/5	00	01	16
	54/1B	00	00	54
	54/1A	00	06	78
	150/1F	00	14	43
	41/2	00	08	77
	72/3	00	11	58
	149/3	00	10	40
	154/8	00	09	26
	42/5	00	12	42
	150/6	00	11	46
	150/7	00	17	23
	150/1E	00	00	33
	16/8B	00	12	18
	97	00	29	50
	52	(CL) 00	19	56
	151	00	25	66
	153/6	00	17	86
	11	(CL) 00	07	01
	74/5	00	09	97
	153/5B	00	06	90
	43/7	00	14	46
	155/9	00	00	10

1	2	3	4	5
3) NADUPALLE (Contd...)	154/2	00	02	59
	41/6	00	12	74
	43/9	00	11	05
	41/3	00	05	86
	16/7	00	25	04
	72/1	(CL) 00	01	48

Mandal : TADEPALLIGUDEM	District : West Godavari	State : Andhra Pradesh
1) ARUGOLANU	510/6	00 00 10
	504	00 05 64
	733/2	00 24 19
	575/2	00 36 51
	690/2	00 00 10
	630/9	00 06 24
	687/4C	00 02 34
	522/6	00 08 36
	683/2	00 06 23
	694/1A	00 03 20
	694/2A	00 23 97
	694/2B	00 15 62
	523/3B	00 27 18
	630/5	00 07 24
	523/3F	00 00 39
	522/3	00 16 32
	522/4	00 14 41
	629/3A	00 00 91
	629/3B	00 02 00
	802/2	00 04 15
	635/7	00 37 05
	681/4	00 03 89
	681/3	00 07 35
	681/2	00 18 03
	681/1	00 10 32
	636/4B	00 03 91
	636/4A	00 00 48
	733/1	00 11 26
	687/4D	00 05 64
	522/2	00 38 28
	579/4	(CL) 00 21 60
	736/1A	00 00 22
	802/3	00 08 30
	629/2A	00 03 36
	630/4	00 03 20
	683/1	00 09 42
	686	(CL) 00 02 70
	694/1B	00 02 80

1	2	3	4	5
1) ARUGOLANU(Contd...)	522/5	(CL) 00	02	88
	598/2	00	07	06
	603	(CL) 00	23	24
	629/4D	00	07	73
	606	(CL) 00	03	93
	576	(CL) 00	55	65
	691/1	(CL) 00	11	11
	698	(CL) 00	10	35
	574	(CL) 00	03	54
	602	(CL) 00	12	27
	597	(CL) 00	05	36
	371	(CL) 00	07	08
	627/1	(CL) 00	22	22
	630/7	00	00	12
	693/1	00	12	27
	689/2	00	04	36
	689/1B	00	06	84
	694/2C	00	09	96
	635/6	00	18	32
	631	00	33	83
	632/4	00	01	98
	632/3	00	05	24
	598/1	00	89	80
	503	00	28	86
	693/2A	00	11	03
	802/1	00	07	14
	630/10	00	16	52
	630/12	00	02	00
	630/11	00	06	07
	629/5B	00	03	08
	629/5A	00	02	38
	629/4B	00	01	29
	629/4C	00	03	06
	632/2D	00	04	35
	692/1B	00	05	68
	359/10	00	10	94
	600	00	30	00
	370/4	00	10	09
	370/3C	00	15	18
	629/1	00	01	26
	690/5	00	05	34
	370/2	00	07	42
	692/1A	00	07	22
	370/3B	00	06	83
	370/3A	00	04	61
	369/1C	00	01	56

1	2	3	4	5
1) ARUGOLANU(Contd...)	601/1A	00	05	60
	372/1	00	12	20
	369/1B	00	02	72
	369/2A	00	16	06
	601/1B	00	00	93
	367/2A	00	43	50
	369/1A	00	00	80
	367/2B	00	18	36
	629/2B	00	03	64
	368/4	00	18	24
	525/1	00	63	47
	368/3	00	17	80
	369/2B	00	19	92
	526/4D	00	01	05
	523/1	00	13	54
	601/2A	00	02	07
	372/2	00	11	29
	690/3B	00	02	08
	523/3A	00	17	52
	523/2	00	01	44
	601/1F	00	08	84
	367/3	00	03	24
	601/1E	00	03	98
	601/1C	00	04	73
	795	00	44	46
	595/2	00	02	70
	596	00	29	95
2) ARULLA(AGRAHARAM)	10/3F	00	00	67
	203/3	00	00	93
	189	(CL) 00	02	28
	203/5	00	22	93
	182	00	11	72
	252	(CL) 00	08	75
	181/7B	00	22	84
	180/4	00	01	27
	264/2	00	22	32
	180/5	00	36	10
	179	00	11	77
	273	(CL) 00	15	31
	178/1	00	01	21
	208/2	00	24	04
	264/3	00	11	23
	206/10	00	09	71
	265/13	00	26	17
	206/9	00	08	99

1	2	3	4	5
2)ARULLA(AGRAHARAM)(Contd..)	206/7	00	17	32
	265/12	00	06	61
	205	00	41	28
	175	(CL) 00	20	85
	183	(CL) 00	05	14
	208/3	00	10	28
	185/3B	00	00	10
	92	(CL) 00	07	69
	265/8A	00	00	19
	188	(CL) 00	01	60
	263/7	00	15	62
	262/1	00	02	44
	262/2	00	02	04
	204/2	00	02	95
	295/3	00	15	83
	295/1B	00	14	51
	87	(CL) 00	13	42
	265/5	00	01	74
	137	(CL) 00	25	09
	136	(CL) 00	03	11
	203/4	00	23	78
	264/4	00	00	13
	13/4B	00	12	80
	13/4C	00	04	49
	13/3	00	00	46
	204/1	(CL) 00	02	73
	144/2	00	11	09
	145/2A	00	05	30
	14/4	00	32	55
	91/1	00	23	55
	204/4	(GL) 00	02	50
	90/9A	00	00	35
	90/9B	00	00	50
	251/4	00	15	20
	11/1	00	22	17
	251/7	00	00	31
	14/2	00	15	65
	15	00	12	92
	265/4	00	04	21
	13/1B	00	17	22
	265/7	00	09	23
	10/3E	00	06	24
	12/1	00	12	80
	13/2	00	04	64
	10/4	00	10	33
	145/1	00	04	43

1	2	3	4	5
2)ARULLA(AGRAHARAM)(Contd..)	265/6	00	02	60
	185/3A	00	42	01
	91/2	00	00	45
	140/1	00	23	73
	201/1	00	01	34
	144/3	00	07	16
	144/1	00	05	01
	145/3	00	10	43
	251/2	00	05	11
	141/1	00	16	79
	295/2	(GL) 00	27	40
	141/2	00	29	77
	142	00	10	00
	143/2	00	55	36
	172	00	31	05
	262/3	00	39	22
	251/6	00	13	51
	251/5	00	08	32
	204/3	(CL) 00	01	86
	173	00	55	79
3)JAGANNADHA PURAM	589/3	00	13	92
	595/3	00	00	91
	594/1	00	04	41
	595/5B	00	11	82
	592/3	00	16	32
	592/1B	00	03	57
	592/1C	00	09	00
	593/1A	00	02	41
	590/2B	00	14	56
	590/2C	00	00	33
	594/3	00	00	61
	595/4	00	00	10
	609	(CL) 00	02	59
	597/1	00	11	31
	590/1	00	12	41
	590/2A	00	01	92
	595/1B	00	07	59
	595/2	00	09	54
	595/5A	00	00	84
	598/5B	00	02	07
	588	00	15	29
	589/1	00	10	94
	589/2	00	10	56
	596/1	00	09	26
	597/2	00	10	52

1	2	3	4	5
4) KADAKATLA	32	(GL) 00	21	31
	33	(GL) 00	52	38
	59/2	(CL) 00	04	14
	269	(CL) 00	09	16
	122	(CL) 00	05	79
	76	(CL) 00	51	07
	75	(CL) 00	32	59
	67/1	00	17	75
	60	(CL) 00	04	29
	61/1	00	47	44
	271/1A	00	12	29
	21/3	00	06	10
	62/2	00	06	92
	21/1	00	37	53
	68/1	00	05	34
	59/1	00	53	98
	67/2	00	11	90
	58/2	00	00	94
	27/2	00	33	46
	26/4	00	00	62
	26/1	00	19	11
	25/2C	00	11	00
	25/2B	00	54	51
	25/2A	00	13	61
	25/1	00	06	00
	62/4A	00	06	99
	67/3	00	11	27
	29/2	00	81	48
	21/2	00	11	30
	270	00	39	76
	66/3A	00	27	00
	66/3B	00	03	33
	66/2C	00	04	80
	120	00	48	73
	62/6B	00	33	39
	121	00	06	48
	271/2	00	13	19
	271/3	00	06	49
	271/4A	00	00	50
	20/3	00	04	76
	62/1	00	05	86
5) KONDRUPROLU	370	(GL) 00	86	74
	429	(CL) 00	02	89
	417/1	00	33	66
	335/3	00	31	18

1	2	3	4	5
5) KONDURUPROLU (Contd...)	334	00	70	49
	428/1	00	02	60
	416	(CL) 00	03	16
	423/2	00	10	81
	417/3	00	00	10
	418	00	08	44
	333	(CL) 00	00	76
	427	(GL) 00	26	09
	426	(CL) 00	32	64
	335/2	00	09	31
	417/7	00	46	47
	335/1	(CL) 00	00	38
	369	(GL) 00	13	77
6) KUNCHANAPALLI	232/1	00	00	15
	287/1	(GL) 00	01	85
	254	(CL) 00	04	07
	253/1	00	13	85
	238/2	00	02	58
	238/3	00	29	48
	238/4	00	14	17
	239/5	00	12	71
	239/7	00	27	29
	223/2	00	24	62
	252/1	00	22	74
	223/1	00	01	31
	252/2	00	26	13
	285/1	00	74	09
	253/3	00	02	70
	285/2	(GL) 00	02	20
	219	00	22	70
	287/2	00	54	41
	276/2	00	26	63
	276/1	00	22	85
	277/5	00	03	85
	218	00	22	36
	217	00	11	74
	216	00	34	07
	215	00	38	46
	214/3	00	04	28
	214/2	00	15	09
	234	00	18	42
7) NAVABUPALEM	3/1	00	03	52
	2	(CL) 00	03	62
	5/2B	00	11	08

1	2	3	4	5	
7) NAVABUPALEM (Contd...)	1	(CL)	00	16	37
	5/3F		00	02	69
	5/2A		00	07	80
	5/3C		00	04	37
	5/3A		00	02	65
	3/2		00	00	33
	5/6B		00	11	80
	5/5		00	11	13
	5/7		00	00	10
	5/6A		00	12	34
	5/1		00	00	95
	5/4		00	08	69
	5/3G		00	05	03
8) TADEPALLE	1119/1C		00	00	53
	1116	(CL)	00	14	03
	988/3		00	14	59
	1119/1B		00	05	35
	1111/1		00	25	17
	1132/3E		00	09	66
	1121/2B		00	00	10
	1132/3D		00	03	42
	1036		00	53	71
	1035/3A		00	11	57
	1111/2		00	08	99
	1114/3		00	25	17
	1121/1B		00	01	65
	1120/2B		00	07	51
	1035/3B		00	05	97
	1113/2C		00	09	23
	1121/2E		00	11	27
	1120/2C		00	02	55
	1120/1		00	26	35
	1106/1A		00	03	51
	1120/2A		00	08	02
	1113/2B		00	00	35
	1132/3G		00	03	64
	1114/2		00	03	02
	1133/2	(CL)	00	17	04
	1058/3	(CL)	00	06	42
	1118	(CL)	00	01	69
	1119/1A		00	09	29
	1033	(CL)	00	08	55
	1120/2E		00	09	40
	1134/1		00	06	89
	1133/1		00	16	80

1	2	3	4	5
8) TADEPALLE (Contd...)	988/2	00	06	78
	1132/3H	00	06	58
	1035/2A	00	03	60
	1132/3F	00	00	16
	1120/2D	00	00	10
	987	00	66	90
	1115/2	00	13	66
	988/1	00	07	37
	1061/1	00	03	33
	989/6	00	00	10
	1035/2C	00	13	43
	1035/2B	00	10	59
	1132/3I	00	02	47
	1029/2	00	00	10
	1035/1	00	08	20
	1035/4A	00	07	80
	1030/5A	00	04	00
	1030/4A	00	06	74
	1030/4B	00	11	43
	1030/4C	00	03	28
	1030/5B	00	00	28
	1030/2	00	05	98
	1029/4	00	14	19
	1029/3	00	14	96
	1029/8	00	09	00
	1029/9	00	41	36
	978/3	00	00	10
	978/4	00	09	10
	1115/1	00	21	66
	1035/4C	00	01	63
	1030/1	00	24	69
9) TADEPALLIGUDEM	6/1	00	20	33
	162/2	00	11	22
	6/2	00	20	33
Mandal : UNdrajavaram District : West Godavari State : Andhra Pradesh				
1) DAMMENNU	2/1	00	07	14
	1	(CL) 00	07	79
	2/2A	00	01	74
2) KALDHARI	259/7A	00	02	13
	259/8A	00	02	53
	259/3	00	12	40
	292/3C	00	10	26
	275/3	00	29	83

1	2	3	4	5
2) KALDHARI (Contd...)	275/1	00	09	35
	275/2	00	08	56
	274/2A	00	07	33
	274/1A	00	07	72
	259/2B	00	20	05
	274/1B	00	05	51
	229/21	00	06	78
	272/7	00	00	78
	396	(CL) 00	02	74
	401	(CL) 00	21	44
	293	(CL) 00	15	38
	257	(CL) 00	03	86
	309	(CL) 00	12	73
	353	(CL) 00	05	59
	310	(CL) 00	07	45
	352/2	(CL) 00	00	86
	254/3E	00	05	66
	259/5A	00	17	46
	352/1B	00	28	66
	229/10	00	02	37
	254/5	00	11	93
	254/2	00	09	86
	254/1	00	17	77
	229/22	00	06	62
	229/11	00	08	33
	229/9	00	00	10
	272/6	00	21	88
	254/6	00	05	66
	357/2A	00	00	19
	274/1C	00	08	87
	350/4	00	01	94
	385	(CL) 00	04	73
	351/5	00	26	76
	351/7	00	22	38
	351/4A	00	00	10
	342/3	00	21	21
	342/2B	00	12	27
	342/1B	00	02	65
	342/1A	00	00	10
	292/4	00	15	96
	254/4	00	01	31
	273/1	00	00	10
	356	00	36	35
	255/2	00	15	31
	410/1	00	34	25
	311/2A	00	06	45

1	2	3	4	5
2) KALDHARI (Contd...)	399/3	00	84	44
	352/1A	(CL) 00	23	51
	399/2	00	00	10
	400/1B	00	00	19
	400/1A	00	17	53
	400/2A	00	02	07
	386/7B	00	18	16
	259/6A	00	01	97
	410/2A	00	03	06
	311/1B	00	00	10
	409/1A	00	07	45
	256/1B	00	10	65
	256/1A	00	13	35
	259/5B	00	03	52
	289/A	(GL) 00	00	25
	259/5C	00	14	75
	259/5D	00	06	41
	291/3	00	11	86
	291/2	00	20	76
	290/3C	00	04	50
	255/1	00	00	78
	290/3B	00	16	48
	386/7C	00	11	55
	370/6F	00	02	79
	311/1A	00	18	33
	369	(CL) 00	00	67
	357/2B	00	34	68
	357/4	00	06	45
	357/5	00	00	10
	387	00	16	79
	368	(CL) 00	07	37
	370/6E	00	00	70
	398/3E	00	15	00
	370/6G	00	06	56
	384/1B	00	26	41
	386/6C	00	00	45
	398/3D	00	23	36
	398/3C	00	10	22
	255/3	00	18	53
	290/4	00	37	22
	290/5	00	05	98
	384/2	00	25	64
	386/6B	00	00	10
	384/4C	00	17	49
	384/4B	00	10	87

1	2	3	4	5
3) PASALAPUDI	51	(CL) 00	07	33
	315/3C	00	02	08
	315/3A	00	14	24
	315/3B	00	10	19
	56	(CL) 00	06	81
	312/2	00	03	33
	318	(CL) 00	02	02
	322	(CL) 00	11	77
	315/2	00	05	48
	11/5	00	00	59
	317	(CL) 00	04	14
	315/4	00	02	58
	20/1	00	04	34
	16/7	00	11	25
	11/8	00	13	58
	11/9	00	05	46
	17/3	00	06	84
	17/4	00	00	35
	17/5	00	11	42
	17/2	00	00	42
	17/10	00	00	14
	17/6	00	10	57
	17/7	00	08	76
	17/9	00	00	17
	17/8	00	04	17
	26/2	00	29	73
	53/17	00	21	66
	53/3B	00	05	21
	53/16	00	02	06
	321/1	00	02	65
	316/2	00	28	60
	316/1	00	18	76
	308/8	00	04	16
	308/9	00	02	20
	308/7	00	17	82
	308/5	00	04	64
	308/6	00	01	67
	308/2	00	08	01
	308/3	00	03	33
	308/1	00	18	61
	23	00	07	51
	21/2	00	29	11
	8/2	00	34	60
	312/3	00	13	59
	312/5	00	00	10
	312/4	00	17	59

1	2	3	4	5
3) PASALAPUDI (Contd...)	309/8	00	02	58
	312/7	00	04	42
	312/8	00	12	04
	309/4	00	02	72
	312/9	00	00	10
	11/3	00	00	67
	11/2	00	08	98
	11/1	00	09	58
	315/1	00	22	34
	24/4	00	14	55
	49/1	00	14	74
	312/1	00	00	33
	9/4	00	12	53
	9/1	00	01	18
	9/3	00	03	71
	9/2	00	00	41
	9/5	00	16	96
	24/3	00	17	65
	24/1	00	02	81
	24/2	00	12	60
	24/6	00	03	67
	24/7	00	00	10
	26/1	00	11	39
	12/4	00	09	94
	28/1	00	03	21
	11/8	00	14	87

[F. No. L-14014/9/2003-G.P.]
S. B. MANDAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 771.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ब्रूमलीन्द (असम) से शिलिबुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्थेल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपायध्व अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री प्रशान्त कुमार बरूआ, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगढ़ शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्वेल इंडिया लिमिटेड, पाइपलाइन मुख्यालय, डाक : उदयन विहार, गुवाहाटी, पिन - 781171. (असम) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

सर्कल : दोटमा		जिला : कोकराझार	राज्य : असम		
क्रम सं.	गाँव का नाम	दाग सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
1	प्रतापखाला (भाग 1)	450	0	00	93
		296	0	00	51
		295	0	01	77

[फा. सं. ओ-12016/10/2004-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 771.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Prosanta Kumar Borua, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pipeline Head Quarters, P.O. Udayan Vihar, Guwahati - 781171(Assam).

SCHEDULE

Circle : Dotma		District : Kokrajhar	State : Assam		
Sr. No	Name of the Village	Dag no.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
1	Pratapkhala (Part-I)	450	0	00	93
		296	0	00	51
		295	0	01	77

[No. O-12016/10/2004-O.N.G./D.O.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 772.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीमद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री प्रशान्त कुमार बरूआ, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीमद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पाइपलाइन मुख्यालय, डाक : उदयन विहार, गुवाहाटी, पिन - 781171. (असम) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

सर्कल : : गोसाईगँव		जिला : कोकराझार	राज्य : असम		
क्रम सं.	गाँव का नाम	दाग सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
1	श्रीरामपुर	505	0	00	37
		504	0	03	99
		24	0	10	58
		23	0	09	72
		22	0	11	28
		21	0	05	33
		435	0	07	05
		432	0	01	96
		499	0	01	44
		45	0	00	45
2	सिमुलटापु (भाग 3)	83	0	19	37
		84	0	00	49
		49	0	01	33
		82	0	01	44
3	सिमुलटापु (भाग 2)	261	0	00	20
		34	0	02	40
		247	0	01	03
4	सिमुलटापु ब्लाक	246	0	00	32
		195	0	23	35
		104	0	00	93

[फा. सं. ओ-12016/10/2004-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 772.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Prosanta Kumar Borua, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pipeline Head Quarters, P.O. Udayan Vihar, Guwahati – 781171(Assam).

SCHEDULE

Circle : Gossaigaon		District : Kokrajhar	State : Assam		
Sr. No	Name of the Village	Dag no.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
1	Shri Rampur	505	0	00	37
		504	0	03	99
		24	0	10	58
		23	0	09	72
		22	0	11	26
		21	0	05	33
		435	0	07	05
		432	0	01	96
		499	0	01	44
		45	0	00	45
2	Simultapu (Part-III)	83	0	19	37
		84	0	00	49
		49	0	01	33
		82	0	01	44
3	Simultapu (Part-II)	261	0	00	20
		34	0	02	40
		247	0	01	03
		246	0	00	32
		195	0	23	35
4	Simultapu Block	104	0	00	93

[No. O-12016/10/2004-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 773.— केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 18 दिसम्बर, 2004 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 3205 तारीख 14, दिसम्बर, 2004, पृष्ठ 9655 से 9658 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में

पृष्ठ 9656 पर स्तम्भ 1 में ग्राम " बासुगाँव टाउन (भाग 1)" के सामने :

(i) पंक्ति 1, *दाग* संख्या 693 के स्थान पर 960 पढ़ें

[फा. सं. ओ-12016/10/2004-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 773.— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas, number S.O. 3205, dated the 14th December'04, published at pages 9658 to 9661 in Part-II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 18th December, 2004 namely:-

In the schedule to the said notification:

At page 9659, against village "Basugaon Town (Part-I)".

(i) Line 1, for *Dag* no.693 read 960.

[No. O-12016/10/2004-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 774.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री प्रशान्त कुमार बरूआ, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पाइपलाइन मुख्यालय, डाक : उदयन विहार, गुवाहाटी, पिन - 781171. (असम) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

सर्कल : बरनगर(सरभोग)			जिला : बरपेटा		राज्य : असम	
क्रम सं.	गाँव का नाम	दाग सं.	क्षेत्रफल			वर्ग मीटर
			हेक्टेयर	एयर		
1	2	3	4	5		6
1	भुलुकाढोबा	560	0	00		27
		706	0	00		95
		707	0	00		45

[फा. सं. ओ-12016/9/2004-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 774.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Prosanta Kumar Borua, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pipeline Head Quarters, P.O. Udayan Vihar, Guwahati - 781171(Assam).

SCHEDULE

Circle : Barnagar(Sorbhog)		District : Barpeta	State : Assam		
Sr. No	Name of the Village	Dag no.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
1	Bhulukadoba	560	0	00	27
		706	0	00	95
		707	0	00	45

[No O-12016/9/2004-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 775. - केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगढ़ (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिनों के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री प्रशान्त कुमार बरूआ, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगढ़ शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पाइपलाइन मुख्यालय, डाक : उदयन विहार, गुवाहाटी, पिन - 781171. (असम) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

सर्कल : : सीडली		ज़िला : बंगाईगाव	राज्य : असम		
क्रम सं.	गाँव का नाम	दाग सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
1	पेटलागाव	446	0	1	85
		449	0	3	50
		254	0	3	42
		255	0	1	47
		256	0	4	60
		453	0	6	73
		454	0	7	42
		466	0	1	2
		455	0	0	34
		279	0	1	25
		280	0	0	58
		285	0	5	21
		284	0	2	19
		283	0	7	68
		282	0	26	61
		215	0	2	50
		217	0	6	78
		184	0	3	7
		177	0	2	56
		183	0	7	97
		182	0	9	9
		179	0	1	55
		180	0	5	86
		414	0	2	33
		394	0	20	81
2	डांगटोला	330	0	5	2
		354	0	16	8
		353	0	10	1
		352	0	5	97
		351	0	21	97
		343	0	0	25
		344	0	5	18
		342	0	3	62
		345	0	9	0
		340	0	2	31
		198	0	10	40
		199	0	18	85
		196	0	9	86
		197	0	10	54
		173	0	21	72
		172	0	0	81
		171	0	5	14
3	दबली	126	0	0	35
		125	0	33	43
		123	0	0	28
		119	0	14	46
		330	0	1	33
		122	0	0	35
		121	0	9	44

ब्लॉक : : सीडली		जिला : बंगाईगार्वे	राज्य : असम		
क्रम सं.	गाँव का नाम	दाग सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
		121	0	9	44
3	दबली	112	0	21	80
		111	0	0	62
		109	0	6	62
		108	0	3	37
		333	0	0	42
		106	0	4	1
		107	0	2	66
		4	0	13	67
		10	0	10	10
4	कमरडंगा	358	0	01	52
		357	0	09	45
		359	0	00	77
5	घिलागुरी	313	0	10	46
		15	0	20	24
		195/374	0	18	65
		202/379	0	5	32
		203/400	0	7	3
		204	0	28	13
		13	0	3	51

[फा. सं. ओ-12016/8/2004-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S O. 775.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Prosanta Kumar Borua, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pipeline Head Quarters, P.O. Udayan Vihar, Guwahati – 781171(Assam).

SCHEDULE

Circle : Sidi		District : Bongaigaon	State : Assam				
Sr. No	Name of the Village	Dag no.	Area				
			Hectare	Are	Sq.mtr.		
1	2	3	4	5	6		
1	Pellagaon	446	0	1	85		
		449	0	3	50		
		254	0	3	42		
		255	0	1	47		
		256	0	4	60		
		453	0	6	73		
		454	0	7	42		
		466	0	1	2		
		455	0	0	34		
		279	0	1	25		
		280	0	0	58		
		285	0	5	21		
		284	0	2	19		
		283	0	7	68		
		282	0	26	61		
		215	0	2	50		
		217	0	6	78		
		184	0	3	7		
		177	0	2	56		
		183	0	7	97		
		182	0	9	9		
		179	0	1	55		
		180	0	5	86		
		414	0	2	33		
		394	0	20	81		
		2	Dangtol	330	0	5	2
				354	0	16	8
				353	0	10	1
				352	0	5	97
				351	0	21	97
				343	0	0	25
				344	0	5	18
				342	0	3	62
345	0			9	0		
340	0			2	31		
198	0			10	40		
199	0			18	85		
196	0			9	86		
197	0			10	54		
173	0			21	72		
172	0			0	81		
171	0			5	14		
3	Dabaly	126	0	0	35		
		125	0	33	43		
		123	0	0	28		
		119	0	14	46		
		330	0	1	33		
		122	0	0	35		

Sr. No	Name of the Village	Dag no.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
3	Dabaly	121	0	9	44
		112	0	21	80
		111	0	0	62
		109	0	6	62
		108	0	3	37
		333	0	0	42
		106	0	4	1
		107	0	2	66
		4	0	13	67
		10	0	10	10
		358	0	01	52
		357	0	09	45
		359	0	00	77
4	Kamardanga	313	0	10	46
		15	0	20	24
5	Ghilaguri	195/374	0	18	65
		202/379	0	5	32
		203/400	0	7	3
		204	0	28	13
		13	0	3	51

[No. O-12016/8/2004-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 776.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री प्रशान्त कुमार बरूआ, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पाइपलाइन मुख्यालय, डाक : उदयन विहार, गुवाहाटी, पिन - 781171. (असम) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

सर्कल : : बंगाईगाँव		जिला : बंगाईगाँव		राज्य : असम	
क्रम सं.	गाँव का नाम	दाग सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
1	नयापारा (भाग 2)	31	0	00	43
		33	0	00	40
		38	0	03	08
2	खारिजा दलायगाँव	503	0	00	04

[फा. सं. ओ-12016/8/2004-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 776.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Prosanta Kumar Borua, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pipeline Head Quarters, P.O. Udayan Vihar, Guwahati - 781171(Assam).

SCHEDULE

Circle : Bongalgaon		District : Bongalgaon		State : Assam	
Sr. No	Name of the Village	Dag no.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
1	Nayapara(Part 2)	31	0	00	43
		33	0	00	40
		38	0	03	08
2	Kharija Dalaigaon	503	0	00	04

[No. O-12016/8/2004-O.N.G./D.O.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 777.— केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 18 दिसम्बर, 2004 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 3202 तारीख 14, दिसम्बर, 2004, पृष्ठ 9646 से 9648 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में

पृष्ठ 9648 पर स्तम्भ 1 में ग्राम "दाउतिझार" के सामने :

(i) पंक्ति 3, दृग संख्या 107 के स्थान पर 137 पढ़ें

[फा. सं. ओ-12016/2004-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 777.— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962)., the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas, number S.O. 3202, dated the 14th December '04, published at pages 9648 to 9649 in Part-II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 18th December, 2004 namely:-

In the schedule to the said notification:
At page 9649, against village "Dauthijhar".

(i) Line 18, for *Dag* no.107 read 137.

[No. O-12016/2004-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 778.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री प्रशान्त कुमार बरूआ, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पाइपलाइन मुख्यालय, डाक : उदयन विहार, गुवाहाटी, पिन - 781171. (असम) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

सर्कल : मारंग		जिला : मोरंगा		राज्य : असम	
क्रम सं.	गाँव का नाम	दाग सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एसर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
1	बिहिता गाँव	35	0	02	88
		40	0	11	96

[फा. सं. ओ-12016/6/2004-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 778.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Prosanta Kumar Borua, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pipeline Head Quarters, P.O. Udayan Vihar, Guwahati – 781171(Assam).

SCHEDULE

Circle :Mayong		District : Morigaon	State : Assam		
Sr. No	Name of the Village	Dag no.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
1	Bihita Gaon	35	0	02	88
		40	0	11	96

[No. O-12016/6/2004-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 779.— केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 18 दिसम्बर, 2004 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 3200 तारीख 14, दिसम्बर, 2004, पृष्ठ 9642 से 9643 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में

पृष्ठ 9643 पर स्तम्भ 1 में ग्राम "दिगायु पार" के सामने :

(i) पंक्ति 10, दाग संख्या 412 के स्थान पर 512 पढ़ें

[फा. सं. ओ-12016/5/2004-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 779.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas, number S.O. 3200, dated the 14th December '04, published at pages 9643 to 9644 in Part-II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 18th December, 2004 namely:-

In the schedule to the said notification:
At page 9644, against village "Digaru Par".

(i) Line 10, for *Page* no.412 read 512.

[No. O-12016/5/2004-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 780.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए,

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है :

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री प्रशान्त कुमार बरूआ, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पाइपलाइन मुख्यालय, डाक : उदयन विहार, गुवाहाटी, पिन - 781171. (असम) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

सर्कल : ब्रीकाघाट		जिला : गोलाघाट		राज्य : असम	
क्रम सं.	गाँव का नाम	दाग सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
1	नूमालीगढ़ बगीचा	9	0	85	86
2	मिकिर सागं बगीचा	1/97	0	00	24
3	बर चापरि बगीचा	56	0	01	98
		57	0	16	59
		53	0	02	02
		54	1	06	63
		47	0	00	32
		62	0	01	66
		46	1	10	77
		45	0	01	36
		59	0	03	92
		78	1	15	71
		74	0	07	72
		75	0	18	33
4	नूमालीगढ़ एन सी	1	0	95	16

[फा. सं. ओ-12016/4/2004-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 780.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Prosanta Kumar Borua, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pipeline Head Quarters, P.O. Udayan Vihar, Guwahati - 781171(Assam).

SCHEDULE

Circle :Bokahat		District : Golaghat	State : Assam		
Sr No	Name of the Village	Dag no.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
1	Numaligarh Bagisha	9	0	85	86
2	Mikir Chang Bagisha	1/97	0	00	24
3	Borchapari Bagisha	56	0	01	98
		57	0	16	59
		53	0	02	02
		54	1	06	63
		47	0	00	32
		62	0	01	66
		46	1	10	77
		45	0	01	36
		59	0	03	92
		78	1	15	71
		74	0	07	72
		75	0	18	33
4	Numaligarh N.C.	1	0	95	16

[No. O-12016/4/2004-O.N.G./D.O.-IV]

N. C. ZAKHUP. Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 781.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपायुक्त अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री प्रशान्त कुमार बरूआ, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पाइपलाइन मुख्यालय, डाक : उदयन विहार, गुवाहाटी, पिन - 781171. (असम) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

सर्कल : मोरिगाँव		जिला : मोरिगाँव		राज्य : असम	
क्रम सं.	गाँव का नाम	ढांगे सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
1	सोनाबारी डिक्चार्ग	4	0	00	26
		1	0	16	13
2	हाति हलगं	320	0	10	06
		310	0	02	63
		308	0	02	10
		307	0	01	44
		285	0	08	95
		264	0	04	30

[फ. सं. ओ-12016/2/2004-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 781.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Prosanta Kumar Borua, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pipeline Head Quarters, P.O. Udayan Vihar, Guwahati – 781171(Assam).

SCHEDULE

Circle : Morigaon		District : Morigaon		State : Assam	
Sr. No	Name of the Village	Dag no.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
1	Chounabari Dikchang	4	0	00	26
		1	0	16	13
2	Hati Hulung	320	0	10	06
		310	0	02	63
		308	0	02	10
		307	0	01	44
		285	0	08	95
		264	0	04	30

[No. O-12016/2/2004-O.N.G./D.O.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 782.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्थेल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री परितोष चक्रबोर्ती, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्थेल इंडिया लिमिटेड, पंप स्टेशन नं 7, डाक : मदारीहाट, जिला - जलपाईगुडी, पिन - 735220. (पश्चिम बंगाल) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

पुलिस थाना : तुफानगंज - 2			जिला : कूचबिहार		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लाठ	नया प्लाठ संख्या	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	छाठ मालका	21	1356	1356	0	5	61
			1075	1075	0	0	25
2	रामपुर	19	3024	3671	1	17	16
			7	187	1	10	43
			7	317			
			19	183	0	30	14
			8	176			
			8	177			
			8	178			
			8	179			
			8	182	0	56	80
			8	192			
			8	193			
			8	194			
			8	195			
			2	180	0	72	9
			2	181			

1	2	3	4	5	6	7	8
			1	1			
			1	2			
			1	3			
			1	4			
			1	5			
			1	6	0	68	68
			1	7			
			1	8			
			1	9			
			1	10			
			1	11			
			1	12			

[फा. सं. ओ-12016/1/2005-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 782.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Paritosh Chakraborty, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pump Station No. 7, P.O. Madarihat, Jalpaiguri District, Pin - 735220(West Bengal).

SCHEDULE

Police Station : Tufanganj			District : Coochbehar		State : West Bengal		
Sr No	Name of the Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Hectare	Area	Sq. mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8.
1	Chhat Bhalka	21	1356	1356	0	05	61
			1075	1075	0	00	25
2	Rampur	18	3024	3671	1	17	16
			7	187	1	10	43
			7	317			
			19	183	0	30	14
			8	176			
			8	177			
			8	178			
			8	179			
			8	182	0	56	80
			8	192			
			8	193			
			8	194			
			8	195			
			2	180	0	72	09
			2	181			
			1	1			
			1	2			
			1	3			
			1	4			
			1	5			
			1	6	0	68	68
			1	7			
			1	8			
			1	9			
			1	10			
			1	11			
			1	12			

[No. O-12016/1/2005-O.N.G./D.O.-IV]

N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 783.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री परितोष चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगढ़ शिलिगुरी पाइपलाईन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पंप स्टेशन नं 7, हाक : मदारीहाट, जिला - जलपाईगुड़ी, पिन - 735220. (पश्चिम बंगाल) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

SCHEDULE

Police Station: Raiganj		District : Jalpaiguri			State : West Bengal		
Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Dabgram	2	601	601	0	07	21
			604	604	0	11	10
			1610	1610	0	12	09
			1488	1488	0	05	18
			1487	1487	0	03	96
			1486	1486	0	02	26
			1484	1484	0	03	32
			1612	1612	0	00	25
			603	603	0	23	88
			1611	1611	0	04	53
			80	80	0	05	38
			79	79	0	67	96
			398	398	0	07	29
			396	396	0	08	15
			397	397	0	08	02
			395	395	0	13	45
			478	478	0	05	40
			367	367	0	22	74
			337	337	0	15	20
			368	368	0	14	45
			371	371	0	06	55
			374	374	0	01	78

[फा. सं. ओ-12016/2/2005-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 783.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Paritosh Chakraborty, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pump Station No. 7, P.O. Madarihat, Jalpaiguri District, Pin - 735220(West Bengal).

SCHEDULE

Police Station: Rajganj			District : Jalpaiguri		State : West Bengal		
Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Dabgram	2	601	601	0	07	21
			604	604	0	11	10
			1610	1610	0	12	09
			1488	1488	0	05	18
			1487	1487	0	03	95
			1486	1486	0	02	26
			1484	1484	0	03	32
			1612	1612	0	00	25
			603	603	0	23	88
			1611	1611	0	04	53
			80	80	0	05	38
			79	79	0	67	96
			398	398	0	07	29
			396	396	0	08	15
			397	397	0	08	02
			395	395	0	13	45
			478	478	0	05	40
			367	367	0	22	74
			337	337	0	15	20
			368	368	0	14	45
			371	371	0	06	55
			374	374	0	01	78

[No. O-12016/2/2005-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 784.- - केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगढ़ (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए ज़ूने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री परितोष चक्रबोर्ती, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पंप स्टेशन नं 7, डाक : मदारीहाट, जिला - जलपाईगुडी, पिन - 735220. (पश्चिम बंगाल) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

पुलिस थाना : समुस्तला			जिला : जलपाईगुडी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लाट संख्या	नया प्लाट संख्या	क्षेत्रफल		
					हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	उत्तर पारोकाठ	129	412	412	0	12	20
			410	410	0	12	57
			409	409	0	62	45
			408	408	0	02	29
			321	321	0	04	07
			320	320	0	00	69
2	चेपानी	127	1521	2317	0	05	72
			1520	2311	0	25	60
			1520	2316			
			1519	2313	0	27	62
			1519	2315			
			1518	2312	0	03	27
			1506	2312	0	08	25
			1506	2310			
			1507	2309	0	00	99
			1505	2307	0	04	19
			1503	2306	0	02	52
			1501	2305	0	04	19
			1427	2290	0	14	45
			49	99	0	01	67
			48	98	0	01	24
			425	991			
			425	792	0	01	88
			425	793			
			47	97	0	01	10
			35	93	0	07	80
			34	52			
			34	53	0	05	27
			34	54			
			25	49			
			25	50	0	04	82
			25	51			
			23	32			
			23	8			
			23	36	0	22	52
			23	37			
			23	40			
			22	31	0	04	81
			21	9	0	01	65
			21	30			
			3	7	0	03	56
			5	5	0	01	68

पुलिस थाना : समुअतला			जिला : जलपाईगुडी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लॉट संख्या	नया प्लॉट संख्या	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
3	कदमपुर	100	689	689	0	14	39
			688	688	0	10	08
			687	687	0	00	76
			1055	1055	0	00	28
			719	719	0	00	29
			718	718	0	07	31
			717	717	0	05	05
			716	716	0	13	28
			713	713	0	08	37
			711	711	0	01	90
4	पुखुरिया	83	153	153	0	04	93
			150	150	0	01	81
			148	148	0	08	65
			151	151	0	18	65
			58	58	0	00	66
			61	61	0	05	02
			62	62	0	01	82
			63	63	0	01	63

[फा. सं. ओ-12016/2/2005-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखू, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 784.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Paritosh Chakraborty, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pump Station No. 7, P.O. Madarihah, Jalpaiguri District, Pin - 735220(West Bengal).

SCHEDULE

Police Station : Samuktala			District : Jalpaiguri		State : West Bengal		
Sr. No	Name of the Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Hectare	Area	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Uttar Parokata	129	412	412	0	12	20
			410	410	0	12	57
			409	409	0	62	45
			408	408	0	02	29
			321	321	0	04	07
2	Chepani	127	320	320	0	00	69
			1521	2317	0	05	72
			1520	2311	0	25	60
			1520	2318			
			1519	2313	0	27	62
			1519	2315			
			1518	2312	0	03	27
			1506	2312	0	08	25
			1506	2310			
			1507	2309	0	00	99
			1505	2307	0	04	19
			1503	2306	0	02	52
			1501	2305	0	04	19
			1427	2290	0	14	45
			49	99	0	01	67
			48	98	0	01	24
			425	991			
			425	792	0	01	88
			425	793			
			47	97	0	01	10
			35	93	0	07	80
			34	52			
			34	53	0	05	27
			34	54			
			25	49			
			25	50	0	04	82
			25	51			
			23	32			
			23	8			
			23	36	0	22	52
			23	37			
			23	40			
			22	31	0	04	81
			21	9	0	01	65
			21	30			
			3	7	0	03	58
			5	5	0	01	68
3	Kadampur	100	689	689	0	14	39
			688	688	0	10	08
			687	687	0	00	76
			1055	1055	0	00	28
			719	719	0	00	29
			718	718	0	07	31
			717	717	0	05	05
			716	716	0	13	28
			713	713	0	08	37
			711	711	0	01	90

Sr. No	Name of the Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
4	Pukhuria	83	153	153	0	04	93
			150	150	0	01	81
			148	148	0	08	65
			151	151	0	18	25
			58	58	0	00	66
			61	61	0	05	02
			62	62	0	01	32
			63	63	0	01	63

[No. O-12016/2/2005-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 785.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री परितोष चक्रबोर्ती, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पंप स्टेशन नं 7, डाक : मदारीहाठ, जिला - जलपाईगुडी, पिन - 735220. (पश्चिम बंगाल) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

पुलिस थाना : कुमारग्राम			जिला : जलपाईगुडी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लाट संख्या	नया प्लाट संख्या	क्षेत्रफल		
					हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	पाकरीगुडी	54	378	1367	1	16	57
			378	1370			
			378	1371			
			378	1372			
			378	1375			

1	2	3	4	5	6	7	8
			368	1353			
			368	1354			
			368	1355			
			368	1356	0	62	54
			368	1357			
			368	1368			
			368	1369			
			349	1303	0	07	23
			348	1302	0	03	02

[फा. सं. ओ-12016/2/2005-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 785.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Paritosh Chakraborty, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pump Station No. 7, P.O. Madarihat, Jalpaiguri District, Pin – 735220(West Bengal).

SCHEDULE

Police Station: Kumargram			District : Jalpaiguri		State : West Bengal		
Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
1	2	3	4	5	Hectare	Are	Sq.mtr.
1	Pakriguri	54	378	1367			
			378	1370			
			378	1371	1	16	57
			378	1372			
			378	1375			

1	2	3	4	5	6	7	8
			368	1353			
			368	1354			
			368	1355			
			368	1356	0	62	54
			368	1357			
			368	1368			
			368	1369			
			349	1303	0	07	23
			348	1302	0	03	02

(No. O-12016/2/2005-O.N.G./D.O.-IV)
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 786.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ब्रूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री परितोष चक्रबोर्ती, सक्षम प्राधिकारी, ब्रूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पंप स्टेशन नं 7, हाक : मदारीहाट, जिला - जलपाईगुडी, पिन - 735220. (पश्चिम बंगाल) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

पुलिस थाना : कालघनी			जिला : जलपाईगुडी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लॉट संख्या	नया प्लॉट संख्या	क्षेत्रफल		
					हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	मालंगी चाय बगान	20	661	661	0	01	65
2	परमलगी	2	687	8	0	0	50
			12	9	0	28	6
			11	13	0	01	54

[फा. सं. ओ-12016/2/2005-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 786.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Paritosh Chakraborty, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pump Station No. 7, P.O. Madarihat, Jalpaiguri District, Pin - 735220(West Bengal).

SCHEDULE

Police Station : Kalchini			District : Jalpaiguri		State : West Bengal		
Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Malangi Tea Garden	20	681	681	0	01	85
2	Parmalangi	2	687	8	0	0	50
			12	9	0	28	6
			11	13	0	01	54

[No. O-12016/2/2005-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 787.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगढ़ (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री परितोष चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी, जूनालीमद शिलिगुरी पाइपलाईन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पंप स्टेशन नं 7, डाक : मदारीहाट, जिला - जलपाईगुडी, पिन - 735220. (पश्चिम बंगाल) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

पुलिस थाना : मदारीहाट			जिला : जलपाईगुडी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लाट संख्या	नया प्लाट संख्या	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	पश्चिम खैर बाडी	41	305	305	0	07	70
			178	178	0	01	62
			181	181	0	00	34
			181	1523			
			181	1524			
			180	180	0	01	10
			180	1522			
			180	1855			
			179	179	0	05	68
2	उत्तर रंगाली बाजना	40	969	969	0	02	17
			969	1885	0	04	26
			968	968			
			968	1884			
			981	981	0	08	60
			981	1891			
			981	1890			
			982	982	0	02	72
			987	987	0	00	25
3	मध्य रंगाली बाजना	23	182	399	0	09	12
			182	400	0	08	83
			183	183			
			183	1603			
			183	1602	0	04	51
			184	184			
			184	1604			
			184	1605	0	00	60
			186	186			
4	चापागुडी	24	579	571	0	05	12
			579	572			
			579	563			
			579	568	0	09	26
			577	567			
			577	569			
			581	565	0	08	79
			581	577			
			581	568			
			578	564	0	03	95
			576	570	0	08	57
			576	573			

पुलिस थाना : मदारीहाट			जिला : जलपाईगुड़ी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लाट संख्या	नया प्लाट संख्या	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
			582	578	0	05	70
			582	558			
			582	566			
			583	566	0	02	71
			583	555			
			583	579			
			575	574	0	00	31
5	उत्तर शिशुबाडी	19	220	639	0	06	52
			220	638			
			220	220			
			222	222	0	03	66
			225	225	0	04	66
			226	226	0	02	38
			227	227	0	05	57
			233	233	0	03	52

[फा. सं. ओ-12016/2/2005-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 787.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Paritosh Chakraborty, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pump Station No. 7, P.O. Madarihat, Jalpaiguri District, Pin - 735220 (West Bengal).

SCHEDULE

Police Station : Madarihat			District : Jalpaiguri		State : West Bengal		
Sr No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Paschim Khairbari	41	305	305	0	07	70
			178	178	0	01	68
			181	181	0	00	34
			181	1523			
			181	1524			
			180	180			
			180	1522	0	01	10
			180	1655			
			179	179			
			969	969	0	02	17
			969	1885			
			968	968	0	04	26
			968	1884			
			981	981			
2	Uttar Rangali Bazna	40	981	1891	0	08	60
			981	1890			
			982	982	0	02	72
			987	987	0	00	25
			182	399	0	09	12
			182	400			
			183	183			
			183	1603			
			183	1602	0	08	83
			184	184			
			184	1604			
			184	1605	0	04	51
			186	186			
			579	571	0	00	60
			579	572	0	05	12
			579	563			
3	Madhya Rangali Bazna	23	578	568			
			577	567	0	09	26
			577	569			
			581	585	0	08	79
			581	577			
			581	568			
			578	584	0	03	95
			578	570	0	09	57
			576	573			
			582	578	0	05	70
			582	558			
			582	566			
			583	566	0	02	71
			583	555			
			583	573			
4	Chapaguri	24	575	574	0	00	31

Police Station : Madarihat			District : Jalpaiguri		State : West Bengal		
Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
5	Uttar Sishubari	19	220	639			
			220	638	0	06	52
			220	220			
			222	222	0	03	66
			225	225	0	04	66
			226	226	0	02	38
			227	227	0	05	57
			233	233	0	03	52

[No. O-12016/2/2005-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 788.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि बूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री परितोष चक्रबोर्ती, सक्षम प्राधिकारी, बूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पंप स्टेशन नं 7, डाक : मदारीहाठ, जिला - जलपाईगुड़ी, पिन - 735220. (पश्चिम बंगाल) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

थाना : बागराकाठा			जिला : जलपाईगुडी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गॉट का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लॉट संख्या	नया प्लॉट संख्या	क्षेत्रफल		
					हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	शासमोड चाय बगान	15	253	253	0	10	27
			261	261	0	04	85
			260	260	0	00	95
			259	259	0	25	35
			252	252	0	09	35
			192	192	0	08	33
			257	257	0	00	58
			98	98	0	09	25
			234	234	0	03	33
			39	39	0	06	62
			247	552	0	08	49
			239	587	0	26	09
			239	591			
			239	592			
			239	593			
			239	594			
			239	595			
			239	596			
			239	597			
			239	598			
			239	599			
			239	600			
			239	601			
			239	602			
			239	603			
			239	604			
			239	605			
			239	606			
			239	607			
			239	609			
			239	615			
			479	561	0	00	25
			479	562			
			479	563			
3	नागराकाठा	7	258	258	0	01	07
			259	259	0	01	76
			242	242	0	00	70
			241	241	0	00	86
			240	240	0	00	68
			203	203	0	00	25

ब्लॉक : नागराकाठा			जिला : जलपाईगुड़ी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लाठ संख्या	नया प्लाठ संख्या	क्षेत्रफल		
					हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
3	नागराकाठा	7	202	202	0	08	82
			201	201	0	10	74
			200	200	0	08	99
			196	196	0	01	90
			195	195	0	00	81
			194	194	0	03	54
			190	190	0	02	03
			193	193	0	01	64
			191	191	0	01	05
			192	192	0	00	25
4	लुकसान चाय बगान	12	487	487	0	01	13

[फा. सं. ओ-12016/2/2005-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 788.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Paritosh Chakraborty, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pump Station No. 7, P.O. Madarihat, Jalpaiguri District, Pin - 735220(West Bengal).

SCHEDULE

Police Station : Nagrakata			District : Jalpaiguri		State : West Bengal		
Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Grassmore Tea Garden	15	253	253	0	10	27
			261	261	0	04	85
			260	260	0	00	95
			259	259	0	25	35
			252	252	0	09	35
			192	192	0	08	33
			257	257	0	00	58
			98	98	0	04	44
			234	234	0	09	40
			235	235	0	00	40
			39	39	0	10	09
			40	40	0	00	25
			247	552	0	09	47
			239/242	587	0	30	67
2	Bhagatpur Tea Garden	9	239/242	591			
			239/242	592			
			239/242	593			
			239/242	594			
			239/242	595			
			239/242	596			
			239/242	597			
			239/242	598			
			239/242	599			
			239/242	600			
			239/242	601			
			239/242	602			
			239/242	603			
			239/242	604			
3	Nagrakata		258	258	0	01	07
			259	259	0	01	76
			242	242	0	00	70
			241	241	0	00	88
			240	240	0	00	68
			203	203	0	00	25
			202	202	0	06	82
			201	201	0	10	74

Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
3	Nagrakata	7	200	200	0	08	99
			196	196	0	01	90
			195	195	0	00	81
			194	194	0	03	54
			190	190	0	02	03
			193	193	0	01	64
			191	191	0	01	05
			192	192	0	00	25
4	Luksan Tea Garden	12	487	487	0	01	13

[No. O-12016/2/2005-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 789.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्थेल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री परितोष चक्रबोर्ती, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्थेल इंडिया लिमिटेड, पंप स्टेशन नं 7, डाक : मदारीहाठ, जिला - जलपाईगुडी, पिन - 735220. (पश्चिम बंगाल) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

पुलिस थाना : माल-			जिला : जलपाईगुडी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लाट	नया प्लाट संख्या	क्षेत्रफल		
					हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	तुनबाडी चाय बगान	29	159	322	0	11	38
			159	323			
			159	325			
			159	326			
			159	328			
2	हाय हाय पाथार चाय बगान	43	108	387	0	29	73
			105	214	0	09	83
			102	206	0	01	44
			101	201	0	06	32
			91	91	0	03	92
			63	96	0	00	30
			64	93	0	00	25
			361	522	0	45	30
			361	523			
			362	520	0	01	07
			367	528	0	01	00
			367	506			
			368	529	0	01	21
			370	370	0	00	28
			360	519	0	00	33
			369	370	0	15	60
			369	63			
			369	967			
			369	66			
			356	510	0	26	65
			356	512			
			359	511			
			359	506	0	03	47
			359	507			
			359	512			
			498	514	0	02	56
			498	512			
			497	506	0	03	89
			497	509			
			497	507			
			497	512			

पुलिस थाना : माल-		जिला : जलपाईगुडी			राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लाठ	नया प्लाठ संख्या	क्षेत्रफल		
					हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
3	निधु ग्लेन्को चाय बगान	42	23	23	0	11	68
			23	23/155			
			23	23/156			
			23	23/157			
			23	23/158			
			6	6	0	1	84
			6	6/135			
			6	6/136			
			6	6/137			
			7	7			
	निधु ग्लेन्को चाय बगान	42	7	7/138	0	24	41
			7	7/139			
			7	7/140			
			7	7/189			
			9	9	0	02	43
			9	9/142			
			9	9/143			
			9	9/144			
			5	5	0	01	67
			3	3	0	02	45
4	रांगामाटी चाय बगान	31	1	1	0	02	65
			133	118/113	0	03	07
			115	115	0	05	38
			118	118/180	0	11	01
			118	118/181			
			118	118/182			
			118	118/183			
			118	118			
			116	116/175	0	20	11
			116	116/176			
			116	116/177			
			116	116/178			
			116	116/179			
			116	116			
5	रांगामाटी चाय बगान	39	1088	987	0	01	49
5	पश्चिम डामडाँम	39	40	40/105	0	04	00
			40	40	0	08	64
			41	41	0	08	82
			37	37	0	40	44
			4	4	0	43	42
			38	38	0	09	35
			25	25	0	15	88
			6	6	0	29	27
	उदलाबाडी	20	851	1432	0	25	35
			851	1433			
			851	1434			

पुलिस थाना : माल-			जिला : जलपाईगुडी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लॉट	नया प्लॉट संख्या	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
			850	1427			
			850	1428	0	16	19
			850	1431			
			706	1144	0	38	39
7	रानीचेरा चाय बगान	34	660	679			
			660	680	0	01	29
			660	681			
8	उत्तर फुलबाडी	12	117	117	0	28	72
			118	118	0	15	31
			107	107	0	19	39
			105	105	0	21	18
			99	99	0	07	12
			100	100	0	07	95
			101	101	0	03	45
			103	103	0	00	25
			61	61	0	00	29
			58	58	0	48	08
			59	59	0	16	15
			60	60	0	00	28
9	बागराकोटा चाय बगान	11	657	678	0	01	67
			655	676	0	36	26
			654	675	0	00	78
			653	674	0	17	22
			652	673	0	16	43
			650	671	0	00	81
			625	644	0	04	43
			648	670	0	35	64
			660	668	0	00	25
			646	665	0	11	31
			647	666	0	13	88
			644	663	0	06	84
			645	664	0	17	02
			643	662	0	11	95
			627	646	0	00	55
			198	200	0	25	08
			199	201	0	06	37
			236	203	0	00	25
10	मानाबाडी चाय बगान	21	317	461	0	34	99
			317	462			
11	कलागाइती	6	310	310	0	01	10
			311	311	0	49	35
12	वाशाबाडी चाय बगान	5	241	292	0	01	62
			240	291	0	02	21
			239	290	0	08	90
			233	270	0	02	48
			232	269	0	09	02

[फा. सं. ओ-12016/2/2005-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 787.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Paritosh Chakraborty, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pump Station No. 7, P.O. Madarihat, Jalpaiguri District, Pin – 735220(West Bengal).

SCHEDULE

Police Station : Mal			District : Jalpaiguri		State : West Bengal		
Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Tunbari Tea Garden	29	159	322	0	11	38
			159	323			
			159	325			
			159	326			
			159	328			
2	Hai Hai Pathar Tea Ga	43	108	387	0	29	73
			105	214	0	09	83
			102	206	0	01	44
			101	201	0	06	32
			91	91	0	03	92
			63	96	0	00	30
			64	93	0	00	25
			361	522	0	45	30
			361	523			
			362	520	0	01	07
			367	528	0	01	00
			367	506			
			368	529	0	01	21
			370	370	0	00	28
			360	519	0	00	33
			369	370	0	15	60
			369	63			
			369	967			
			369	66			

Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
			356	510	0	26	65
			356	512			
			359	511			
			359	506	0	03	47
			359	507			
			359	512			
			498	514	0	02	56
			498	512			
			497	506			
			497	509	0	03	89
			497	507			
			497	512			
3	New Glenco Tea Garde	42	23	23			
			23	23/155			
			23	23/156	0	11	68
			23	23/157			
			23	23/158			
			6	6			
			6	6/135	0	1	84
			6	6/136			
			6	6/137			
			7	7			
			7	7/138			
			7	7/139	0	24	41
			7	7/140			
			7	7/189			
			9	9			
			9	9/142	0	02	43
			9	9/143			
			9	9/144			
			5	5	0	01	67
			3	3	0	02	45
			1	1	0	02	65
			133	118/113	0	03	07
			115	115	0	05	38
			118	118/180			
			118	118/181			
			118	118/182	0	11	01
			118	118/183			
			118	118			
			116	116/175			
			116	116/176			
			116	116/177	0	20	11
			116	116/178			
			116	116/179			
			116	116			
4	Rangamati Tea Garden	31	1088	987	0	01	50
5	Paschim Dam Dim	39	40	105	0	04	00
			40	40	0	08	64
			41	41	0	08	82
			37	37	0	40	44
			4	4	0	43	42
			38	38	0	09	35
			25	25	0	15	88
			6	6	0	29	28

Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
6	Odlabari	20	851	1432	0	25	35
			851	1433			
			851	1434			
			850	1427	0	16	19
			850	1428			
			850	1431			
			706	1144	0	38	39
7	Rani Chera Tea Garden	34	660	679	0	01	29
			660	680			
			660	681			
8	Uttar Phulbari	12	117	117	0	28	72
			118	118	0	15	31
			107	107	0	19	39
			105	105	0	21	18
			99	99	0	07	12
			100	100	0	07	95
			101	101	0	03	45
			103	103	0	00	25
			61	61	0	00	29
			58	58	0	48	08
			59	59	0	16	15
			60	60	0	00	28
9	Bagrakote Tea Garden	11	657	678	0	01	67
			855	676	0	36	26
			654	675	0	00	78
			653	674	0	17	22
			652	673	0	16	43
			650	671	0	00	81
			625	644	0	04	43
			648	670	0	35	64
			660	668	0	00	25
			646	665	0	11	31
			647	666	0	13	88
			644	663	0	06	84
			645	664	0	17	02
			643	662	0	11	95
			627	646	0	00	55
			198	200	0	25	08
			199	201	0	06	37
			236	203	0	00	25
10	Manabari Tea Garden	21	317	461	0	34	99
			317	462			
11	Kalagaity	6	310	310	0	01	10
			311	311	0	49	35
12	Washabari Tea Garder	5	241	292	0	01	62
			240	291	0	02	21
			239	290	0	08	90
			233	270	0	02	48
			232	269	0	09	02

[No. O-12016/2/2005-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 790.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि बूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री परितोष चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी, बूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पंप स्टेशन नं 7, डाक : मदारीहाट, जिला - जलपाईगुड़ी, पिन - 735220. (पश्चिम बंगाल) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

पुलिस थाना : मटेली-		जिला : जलपाईगुड़ी			राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लाठ	नया प्लाठ संख्या	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	चालसा महाबाडी	16	323	323	0	00	55
2	सातकाया घाय बगान	18	403	555	0	24	12
			402	554	0	16	53
			401	553	0	01	93
			400	552	0	02	25
			321	394	0	28	72
			320	393	0	11	96
			316	381	0	00	49
			316	392			
			311	391	0	00	54
			137	143	0	07	32
			137	146			
			138	144	0	00	25
			138	147			
			125	132	0	00	96
			126	131	0	01	89
			124	130	0	01	84

पुलिस थाना : मठेली-			जिला : जलपाईगुडी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लाठ	नया प्लाठ संख्या	क्षेत्रफल		
					हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
			122	128	0	24	44
			121	126	0	03	93
			120	119	0	02	37
			111	112	0	05	31
			110	111	0	10	26
			98	99	0	00	25
			97	98	0	01	29
			96	97	0	31	83
			95	96	0	19	99
3	सोनगाछी चाय बगान	4	570	637	0	25	28
			240	292	0	05	82
				291			
			239	290	0	03	10
				289			
			235	287	0	29	80
				288			
			234	285	0	05	22
				286			
			233	300	0	00	80
			230	283	0	06	42
				284			
			231	231	0	02	79
			229	281	0	11	38
				282			
			226	276	0	00	43
			228	278	0	00	25
				279			
			227	277	0	13	21

[फा. सं. ओ-12016/2/2005-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर-सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 790.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Paritosh Chakraborty, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pump Station No. 7, P.O. Madarihat, Jalpaiguri District, Pin – 735220(West Bengal).

SCHEDULE

Police Station : Matell			District : Jalpaiguri		State : West Bengal		
Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Chalsa Mahabari	16	323	323	0	00	55
2	Sathkaya Tea Garden	18	403	555	0	24	12
			402	554	0	16	53
			401	553	0	01	93
			400	552	0	02	25
			321	394	0	28	72
			320	393	0	11	96
			316	381	0	00	49
			316	392			
			311	391	0	00	54
			137	143	0	07	32
			137	146			
			138	144	0	00	25
			138	147			
			125	132	0	00	96
			126	131	0	01	89
			124	130	0	01	84
			122	128	0	24	44
			121	126	0	03	93
			120	119	0	02	37
			111	112	0	05	31
			110	111	0	10	26
			98	99	0	00	25
			97	98	0	01	29
			96	97	0	31	83
			95	96	0	19	99
3	Songachhi Tea Garden	4	570	637	0	25	28
			240	292	0	05	82
				291			
			239	290	0	03	10
				289			
			235	287	0	29	80
				288			
			234	285	0	05	22
				286			
			233	300	0	00	80
			230	283	0	06	42
				284			

Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
3	Songachhi Tea Garden	4	231	231	0	02	79
			229	281	0	11	38
			282				
			226	276	0	00	43
			228	278	0	00	25
			279				
			227	277	0	13	21

[No. O-12016/2/2005-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

का. आ. 791.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि नूमालीगद (असम) से शिलिगुरी (पश्चिम बंगाल) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए आर्यल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री परितोष चक्रबोर्ती, सक्षम प्राधिकारी, नूमालीगद शिलिगुरी पाइपलाइन प्रसारण परियोजना, आर्यल इंडिया लिमिटेड, पंप स्टेशन नं 7, डाक : मदारीहाट, जिला - जलपाईगुडी, पिन - 735220. (पश्चिम बंगाल) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

पुलिस थाना : बीरपाडा			जिला : जलपाईगुडी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लॉट संख्या	नया प्लॉट संख्या	क्षेत्रफल		
					हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	बीरपाडा चाय बगान	9	647	647	0	09	09
			646	646	0	37	64
			637	637	0	13	46
			636	636	0	01	28
			634	634	0	54	38
			633	633	0	11	44

पुलिस थाना : बीरपाडा			जिला : जलपाईगुडी		राज्य : पश्चिम बंगाल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	पुराना प्लाट संख्या	नया प्लाट संख्या	क्षेत्रफल		
					हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
			638	638	0	05	06
			641	641	0	04	98
			640	640	0	01	72
			639	639	0	84	29
			627	627	0	02	50
			735	735	0	14	11
			642	642	0	02	15
			717	717	0	62	51
			718	718	0	03	75
			733	733	0	23	90
			714	714	0	06	14
			702	702	0	19	25
			703	703	0	01	90
			704	704	0	01	31
			705	705	0	28	61
			701	701	0	03	76
			871	871	0	43	83
			872	872	0	00	53
			877	877	0	02	91
			873	873	0	59	80
			874	874	0	01	16
			875	875	0	10	23
			870	870	0	01	41
			852	852	0	51	29
			420	420	0	01	30
			418	418	0	21	80
			419	419	0	37	28
			417	417	0	01	30
			411	411	0	74	24
			383	383	0	02	38
			382	382	0	02	74
			356	356	0	33	49
			365	365	0	03	09
			354	354	0	08	46
2	डांगपाडा	7	302	302	0	10	56
			306	306	0	02	48
			304	304	0	00	25
			303	303	0	00	25
			176	271	0	03	13
			163	270	0	02	62
			340	340	0	06	00
			218	218	0	00	90
			215	215	0	17	08
			214	214	0	04	73
			144	144	0	28	44
			145	145	0	04	31
			147	147	0	03	80
			153	153	0	02	01
			152	152	0	16	47
			342	342	0	12	91

[फा. सं. ओ-12016/2/2005-ओएनजी-डीओ-IV]

एन. सी. जाखूप, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd March, 2005

S. O. 791.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Numaligarh (Assam) to Siliguri (West Bengal), a pipeline should be laid by Oil India Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri. Paritosh Chakraborty, Competent Authority, Numaligarh-Siliguri Pipeline Expansion Project, Oil India Limited, Pump Station No. 7, P.O. Madarihat, Jalpaiguri District, Pin – 735220(West Bengal).

SCHEDULE

Police Station : Birpara			District : Jalpaiguri		State : West Bengal		
Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Birpara Tea Garden	9	647	647	0	09	09
			646	646	0	37	64
			637	637	0	13	46
			636	636	0	01	28
			634	634	0	54	38
			633	633	0	11	44
			638	638	0	05	06
			641	641	0	04	98
			640	640	0	01	72
			639	639	0	64	29
			627	627	0	02	50
			735	735	0	14	11
			642	642	0	02	15

Sr. No	Name of Village	Jurisdiction List No.	Old Plot No.	New Plot No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6	7	8
			717	717	0	62	51
			718	718	0	03	75
			733	733	0	23	90
			714	714	0	06	14
			702	702	0	19	25
			703	703	0	01	90
			704	704	0	01	31
			705	705	0	28	61
			701	701	0	03	76
			871	871	0	43	83
			872	872	0	00	53
			877	877	0	02	91
			873	873	0	59	80
			874	874	0	01	16
			875	875	0	10	23
			870	870	0	01	41
			852	852	0	51	29
			420	420	0	01	30
			418	418	0	21	80
			419	419	0	37	28
			417	417	0	01	30
			411	411	0	74	24
			383	383	0	02	38
			382	382	0	02	74
			356	356	0	33	49
			365	365	0	03	09
			354	354	0	08	46
2	Dangapara	7	302	302	0	10	56
			306	306	0	02	48
			304	304	0	00	25
			303	303	0	00	25
			176	271	0	03	13
			163	270	0	02	62
			340	340	0	06	00
			218	218	0	00	90
			215	215	0	17	08
			214	214	0	04	73
			144	144	0	28	44
			145	145	0	04	31
			147	147	0	03	80
			153	153	0	02	01
			152	152	0	16	47
			342	342	0	12	91

[No. O-12016/2/2005-O.N.G./D.O.-IV]
N. C. ZAKHUP, Under Secy.

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 2005

का. आ. 792.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (i) के अधीन जारी भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 10 जनवरी, 2004 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 59 तारीख 24 दिसम्बर, 2003 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेप की भूमि में जिसका माप 1444.800 हेक्टर (लगभग) या 3570.10 एकड़ (लगभग) है, कोयले का पूर्वक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी,

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि के भाग में कोयला अभिप्राप्य हैं :-

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है:-

(क) इससे उपाबंध अनुसूची “क” में वर्णित 5.30 हेक्टर (लगभग) या 13.09 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि:

(ख) इससे उपाबंध अनुसूची “ख” में वर्णित 543.35 हेक्टर (लगभग) या 1342.61 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों के खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई और तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है ।

टिप्पण 1. इस अधिसूचना के अन्तर्गत आनेवाले के रेखांक संख्या: एस.ई.सी.एल./बी.एस.पी./जी.एम.(पी.एल.जी)/लैंड: 293 तारीख 22 सितम्बर, 2004 निरीक्षण कलेक्टर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता 700001 के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व विभाग) ,सीपत रोड, बिलासपुर-495006 (छत्तीसगढ़) के कार्यालय में किया जा सकता है,

टिप्पण 2 उपरोक्त अधिनियम की धारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध है -

अर्जन के प्रति आक्षेप:-

8 (1) कोई व्यक्ति की किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 (1) के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा ।

स्पष्टीकरण:- इस धारा के अन्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएँ करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएँ केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए ।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, जो वह आवश्यक समझता है करने के पश्चात् वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के सम्बन्ध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशें और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा ।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो अधिकार में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि का किसी ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं ।

टिप्पण 3:- केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, 1 काउंसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता - 700001 को उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग II खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 4 अप्रैल 1987 के पृष्ठ 1397 से 1400 पर प्रकाशित अधिसूचना का० आ० सं० 905, तारीख 20 मार्च 1987 द्वारा सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है ।

अनुसूची “क”
केतकी अडर ग्राउंड प्रोजेक्ट, विश्रामपुर क्षेत्र
जिला - सरगुजा (छत्तीसगढ़)

सभी अधिकार

क्रमांक संख्या	ग्राम का नाम	ग्राम संख्या	पटवारी हल्का संख्या	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पण
01	जोबगा	275	45	सूरजपुर	सरगुजा	5.30	भाग
योग:- 5.30 हेक्टर (लगभग) या 18.09 एकड़ (लगभग)							

ग्राम जोबगा (भाग) में अर्जित किए जानेवाले प्लॉट संख्यांक:
969 से 982, और 987 (भाग)

सीमा वर्णन

क-ख रेखा ग्राम में बिन्दु “क” से प्रारंभ होती है और संख्या 969, 970, 971, 972, 975, 976, 977, 978, 987 की उत्तरी सीमा से होती हुई बिन्दु “ख” पर मिलती है ।

ख-ग रेखा प्लॉट संख्या 987 से और प्लॉट संख्या 982, 981, की पूर्वी सीमा से होते हुई बिन्दु “ग” पर मिलती है ।

ग-घ रेखा प्लॉट संख्या 974 की दक्षिणी सीमा से होते हुई बिन्दु “घ” पर मिलती है।

घ-क रेखा प्लॉट संख्या 974 और 969 की पश्चिमी सीमा से होते हुई आरंभिक बिन्दु “क” पर मिलती है ।

अनुसूची “ख”

खनन अधिकार

[illegible]

वन भूमि

क्रमांक संख्या	कम्पार्टमेन्ट नंबर	रेंज	डिवीजन	क्षेत्र (हेक्टर में)	टिप्पण
01	135	सूरजपुर	दक्षिणी सरगुजा	149.37	भाग
					योग:- 149.37 हेक्टर
कुल योग:- 393.98 + 149.37 = 543.35 हेक्टर (लगभग) या 1342.61 एकड़ (लगभग)					

(1) ग्राम जोबगा (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक:-

140(भाग), 141(भाग), 145(भाग), 146(भाग), 147, 148, 149(भाग), 150 से 153, 154
(भाग), 155(भाग), 156(भाग), 157(भाग), 194(भाग), 195, 196(भाग), 197(भाग), 19
8, 199, 200(भाग), 201(भाग), 20(भाग), 204(भाग), 205(भाग) 206(भाग), 207 से 21
6, 217(भाग), 218(भाग), 219(भाग), 220(भाग), 228(भाग), 230(भाग), 231 से 235,
236(भाग), 237(भाग), 238 से 416, 417(भाग), 418 से 434, 435(भाग), 437(भाग), 43
8, 439(भाग), 491(भाग), 492(भाग), 493 से 594, 595(भाग), 596(भाग), 597(भाग),
598(भाग), 599, 600, 601(भाग), 606(भाग), 607, 608(भाग), 641(भाग), 642(भाग)
, 644(भाग), 710(भाग), 712(भाग), 713(भाग), 714 से 718, 719(भाग), 720 से 723, 72
4(भाग), 725 से 830, 831(भाग), 841(भाग), 842(भाग), 843, 844, 845(भाग), 846
(भाग), 847 से 894, 895(भाग), 896, 897, 898[भाग], 902[भाग], 903[भाग], 905
[भाग], 906[भाग], 907[भाग], 909[भाग], 910[भाग], 915[भाग], 916[भाग], 917
[भाग], 918[भाग], 919, 920[भाग], 927[भाग], 928, 929, 930[भाग], 931[भाग],
932(भाग), और 1021 [भाग].

(2) ग्राम केतका (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक:-

1129(भाग), 1131(भाग), 1132(भाग), 1134(भाग), 1136(भाग), 1137, 1138(भाग), 1139
(भाग), 1140 से 1143, 1144[भाग], 1145[भाग], 1148[भाग], 1149[भाग], 1150 से 1159, 1160[
भाग], 1161 से 1165, 1166[भाग], 1198[भाग], 1199, [भाग], 1200[भाग], 1201 से 1203, 1204[भाग], 12
05 से 1211, 1212[भाग], 1213[भाग], 1255[भाग], 1257[भाग], 1258[भाग], 1259[भाग], 1260
से 1295, 1296[भाग], 1297[भाग], 1298[भाग], 1299[भाग], 1300 to 1305, 1306[भाग], 1323
[भाग], 1491(भाग), 1492[भाग], 1493(भाग), 1494(भाग), 1495[भाग], 1496(भाग), 1497, 1498[भाग]
1499 से 1537, 1538[भाग], 1539[भाग], 1540, 1541, 1542[भाग], 1543, 1544[भाग], 1547
[भाग] और 1572[भाग].

(3) ग्राम लाछा (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक:-

370[भाग], 371[भाग], 380[भाग], 381[भाग], 451[भाग], 484[भाग], 485 भाग], 486[भाग], 490[भाग], 491[भाग], 492to497, 498[भाग], 501[भाग], 528[भाग], 529(भाग), 533 से 537, 538[भाग], 552[भाग], 553to555, 556[भाग], 557[भाग], 558 से 571, 572 [भाग], 573[भाग], 574[भाग], 575[भाग], 588[भाग], 589भाग], 590से643, 645[भाग], 646से753, 754 [भाग], 757[भाग], 758[भाग], 759, 760, 761[भाग], 762, 763, 764[भाग], 765[भाग], 766से768, 769 [भाग], 770[भाग], 771[भाग], 781[भाग], 782[भाग], 783से795, 796[भाग], 797[भाग], 798से, 800, 801[भाग], 802[भाग], 806[भाग], 807से832, 833[भाग], 835[भाग], 836से838, 839[भाग], 840[भाग], 841[भाग], 842[भाग], 844[भाग], 845, 846[भाग], 847[भाग], 848[भाग], 849, 850[भाग], 851[भाग], 855[भाग], 876[भाग], 877से884, 885[भाग], 886[भाग], 890(भाग), 891से895, 896[भाग], 897[भाग], 898[भाग], 899[भाग], 900I से908, 909[भाग], 910[भाग], 911[भाग], 912[भाग], 918[भाग], 919 से923, 924[भाग], 925[भाग], 944[भाग], 948[भाग], 949, 950[भाग], 951[भाग], 952[भाग], और 975 [Part].

1. आरक्षित वन में अर्जित किए जानेवाले कम्पार्टमेन्ट संख्या: 135 (भाग) .**सीमा वर्णन**

क-घ रेखा ग्राम जोबगा में बिन्दु “क” से आरंभ होती है और प्लॉट संख्या 969, 974 और आरक्षित वन की सम्मिलित सीमा से होती हुई बिन्दु “घ” पर मिलती है ।

घ-घ1- रेखा आरक्षित वन कम्पार्टमेन्ट संख्या संख्यस 135 से होती हुई ग्राम
 ङ-च- लाछा में से प्रवेश करती है और प्लॉट संख्या 924, 925, 918, 909,
 छ-ज 910, 911, 912, 899, 896, 897, 898, 944, 948, 952, 951,
 950, 975, 370 से होती हुई बिन्दु “ज” पर मिलती है ।

ज-ज1- रेखा ग्राम लाछा के प्लॉट संख्या 370, 371, 380, 381, 975, 890,
 ज2-ज3 886, 885, 876, और प्लॉट संख्या 907, 855 की पश्चिमी सीमा से
 होती हुई बिन्दु पर “ज3” पर मिलती है ।

ज3-ज4- रेखा ग्राम लाछा के प्लॉट संख्या 855, 851, 850, 848, 847, 846,
 ज5-ज6 844, 842, 841, 840, 839, 835, 833, 806, 796, 797, 801,
 802, 782, 781, 754, 757, 758, 761, 764,, 765, 771 से होती
 हुई बिन्दु “ज6” पर मिलती है ।

- ज6-ज7- रेखा ग्राम लाछा के प्लाट संख्या 771, 770, 769, 451, 645 से प्लाट
ज8 संख्या 643, 492 की दक्षिणी सीमा प्लाट संख्या 491, 490, 486, 485,
484 से होती हुई बिन्दु “ज8” पर मिलती है ।
- ज8-ज9- रेखा ग्राम लाछा के प्लाट संख्या 484, 498, 501, 589, 588, 575,
ज10-झ 574, 573, 572, 528, 529 से, प्लाट संख्या 533 की पश्चिमी सीमा
बाद में प्लाट संख्या 538, 552, 556, 557 से होते हुई ग्राम केतका में
प्रवेश करती है और प्लाट 1139, 1138, 1136, 1134 से होती हुई
बिन्दु “झ” पर मिलती है ।
- झ-ञ- रेखा ग्राम केतका के प्लाट संख्या 1134, 1132, 1131, 1129, 1144,
ट-ठ 1145, 1149, 1148, 1160, 1166, 1198, 1199, 1200, 1204,
1212, 1213, 1259, 1258, 1257, 1255, 1296, 1297, 1298,
1299, 1306, 1323, 1496, 1495, 1494, 1493, 1492, 1498,
1491, 1544, 1542, 1547, 1539, 1538, 1572 से होती हुई ग्राम
जोबगा में प्रवेश करती है और प्लाट संख्या 237, 236, 230, 228,
217, 218, 219 220, 206, 205, 204, 202, 201, 200, 197,
196, 194, 417 से होती हुई बिन्दु “ठ” पर मिलती है ।
- ठ-ड-ढ रेखा ग्राम जोबगा के प्लाट संख्या 417, 157, 156, 154, 155, 149,
145, 146, 141, 140 से होती हुई बिन्दु “ढ” पर मिलती है ।
- ढ-ण रेखा ग्राम जोबगा के प्लाट संख्या 140, 435, 437, 439, 492, 491,
त-थ 595, 596, 597, 598, 601, 606, 608, 641, 642, 719, 644,
719, 713, 712, 724, 710, 831, 841, 842, 1021, 845, 846,
1021, 920, 927, 930, 932 से होती हुई बिन्दु “थ” पर मिलती है ।
- थ-थ1-द रेखा ग्राम जोबगा के प्लाट संख्या 932, 931, 930, 917, 918, 916
ध-न-क 915, 910, 909, 907, 906, 905, 903, 902, 895, 898 से होते हुई
आरक्षित वन में प्रवेश करती है और कम्पार्टमेन्ट नंबर 135 से होती हुई
आरम्भिक बिन्दु “क” पर मिलती है ।

[फा. सं. 43015/9/2003-पी.आर.आई.डब्ल्यू.]

बी. के. पण्डा, निदेशक

Ministry of Coal

New Delhi, the 24th February, 2005

S. O. 792.— Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, number S.O. 59 dated the 24th December, 2003 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in the Gazette of India in part-II, Section 3, sub-section (ii) dated 10th January, 2004, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 1444.800 hectares (approximately) or 3570.10 acres (approximately) in the locality specified approved thereto as also in the Schedule hereto annexed to that notification;

And, whereas, the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the following lands:-

- (a) The lands measuring 5.30 hectares (approximately) or 13.09 acres (approximately) described in Schedule 'A' appended hereto;
- (b) The rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 543.35 hectares (approximately) or 1342.61 acres (approximately) described in the schedule 'B' appended hereto;

Note 1- The plan bearing No:SECL/BSP/GM(Plg)/Land/293 dated the 22nd September, 2004 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Surguja (Chhattisgarh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta 700 001 or in the Office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur- 495 006 (Chhattisgarh)

Note 2- Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the above said Act, which provides as follows:-

Objection to Acquisition.

“8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7(i) has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation:- It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

- (2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either makes a report in respect of the land which has been notified under sub-section(1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendation on the objections together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.
- (3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.

Note: 3 The Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata 700001 has been appointed by the Central Government, as the competent authority under section 3 of the said Act, vide notification under S.O 905, dated the 20th March, 1987, published in Part-II, Section - 3, sub-section(ii) of the gazette of India, dated the 4th April, 1987 at pages 1397 to 1400.

Schedule 'A'

Ketki under Ground Project, Bistrampur Area District –Surguja (Chhattisgarh)

All Rights

Serial Number	Name of village	village number	Patwari halka number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1	Jobga	275	45	Surajpur	Surguja	5.30	Part
Total: 5.30 hectares (approximately) or 13.09 acres (approximately)							

1. Plot numbers to be acquired in village Jobga (Part):

969 to 982 and 987 (part).

Boundary Description

A-B Line starts in village Jobga from point "A" and passes along the Northern boundary of plot numbers 969, 970, 971, 972, 975, 976, 977, 978, 987 and meets at point "B"

- B-C Line passes through plot number 987 then passes along the Eastern boundary of plot numbers 982, 981 and meets at point "C",
- C-D Line passes along the Southern boundary of plot number 974 and meets at point "D",
- D-A Line passes along the Western boundary of plot number 974 and 969 and meets at the starting point "A"

Schedule 'B'

Ketki under Ground Project, Bistrampur Area District - Surguja (Chhattisgarh)

Mining Rights

Serial number	Name of village	Village number	Patwari halka number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1	Jobga	275	45	Surajpur	Surguja	190.65	Part
2	Ketka	61	45	Surajpur	Surguja	64.45	Part
3	Lachha	400	45	Surajpur	Surguja	138.88	Part
Total: 393.98 hectares							

Forest land

Serial number	Compartment number	Range	Division	Area in hectares	Remarks
1	135	Surajpur	South Surguja	149.37	Part
Total:- 149.37 hectares					
Grant total: 393.98+149.37=543.35 hectares (approximately) or 1342.61 Acres (approximately)					

1. plot numbers to be acquired in village Jobga (Part):-

140(Part), 141(Part), 145(Part), 146(Part), 147, 148, 149(Part), 150 to 153, 154 (Part), 155(Part), 156(Part), 157(Part), 194(Part), 195, 196(Part), 197(Part), 198, 199, 200(Part), 201(Part), 202(Part), 204(Part), 205(Part), 206(Part), 207 to 216, 217(Part), 218 (Part), 219(Part), 220(Part), 228(Part), 230(Part), 231 to 235, 236(Part), 237(Part), 238 to 416, 417(Part), 418 to 434, 435(Part), 437(Part), 438, 439(Part), 491(Part), 492(Part), 493 to 594, 595 (Part), 596(Part), 597(Part), 598(Part), 599, 600, 601(Part), 606(Part), 607, 608 (Part), 641 (part), 642(Part), 644(part), 710(Part), 712(Part), 713(Part), 714 to 718, 719(Part), 720 to 723, 724(Part), 725 to 830, 831(Part), 841(Part), 842(Part), 843, 844, 845(Part), 846(Part), 847 to 894, 895(Part), 896, 897, 898[Part], 902 [Part], 903[Part], 905[Part], 906[Part], 907[Part], 909[Part], 910[Part], 915[Part], 916[Part], 917[Part], 918[Part], 919, 920[Part], 927[Part], 928, 929, 930[Part], 931[Part], 932(Part), and 1021[Part].

2. Plot numbers to be acquired in Village Ketka [Part]:-

1129[Part], 1131[Part], 1132[Part], 1134[Part], 1136[Part], 1137, 1138[Part], 1139[Part], 1140 to 1143, 1144[Part], 1145[Part], 1148[Part], 1149[Part], 1150 to 1159, 1160[Part], 1161 to 1165, 1166[Part], 1198[Part], 1199[Part], 1200 [Part], 1201 to 1203, 1204[Part], 1205 to 1211, 1212[Part], 1213[Part], 1255 [Part], 1257[Part], 1258[Part], 1259[Part], 1260 to 1295, 1296[Part], 1297[Part], 1298[Part], 1299[Part], 1300 to 1305, 1306[Part], 1323[Part], 1491[Part], 1492{ Part}, 1493[Part], 1494[Part], 1495[Part], 1496[Part], 1497, 1498[Part], 1499 to 1537, 1538[Part], 1539[Part], 1540, 1541, 1542[Part], 1543, 1544[Part], 1547 [Part]& 1572[Part].

2. Plot numbers to be acquired in Village Lachha [Part]:-

370[Part], 371[Part], 380[Part], 381[Part], 451[Part], 484[Part], 485[Par], 486[P art], 490[Part], 491[Part], 492 to 497, 498[Part], 501[Part], 528[Part], 529[Part], 533 to 537, 538[Part], 552[Part], 553 to 555, 556[Part], 557[Part], 558 to 571, 52[Part], 573[Part], 574[Part], 575[Part], 588[Part], 589[Part], 590 to 643, 645[Part], 646 to 753, 754[Part], 757[Part], 758[Part], 759, 760, 761[Part], 762, 763, 764[Part], 765[Part], 766 to 768, 769[Part], 770[Part], 771[Part], 781[Part], 782[Part], 783 to 795, 796[Part], 797[Part], 798 to 800, 801[Part], 802[Part], 806[Part], 8 07 to 832, 833[Part], 835[Part], 836 to 838, 839[Part], 840[Part], 841[Part], 842 [Part], 844[Part], 845, 846[Part], 847[Part], 848[Part], 849, 850[Part], 851[Part] , 855[Part], 876[Part], 877 to 884, 885[Part], 886[Part], 890[Part], 891 to 895, 896[Part], 897[Part], 898[Part], 899[Part], 900 to 908, 909[Part], 910[Part], 911 [Part], 912[Part], 918[Part], 919 to 923, 924[Part], 925[Part], 944[Part], 948 [Part], 949, 950 [Part], 951[Part], 952[Part], & 975[Part].

4. Reserved Forest to be acquired: compartment Number: 135(Part) :-**Boundary Description**

A-D	Line starts in village Jobga from point "A" and passes along common boundary of plot numbers 969, 974 and Reserved Forest boundary and meets at point "D".
D-D1-E F-G-H	Line passes through Reserve Forest compartment no. 135 and enter in village Lachha and passes through plot number 924, 925, 918, 909, 910, 911, 912, 899, 896, 897, 898, 944, 948, 952, 951, 950, 975, 370 and meets at point "H".
H-H1 H2-H3	Line passes in village Lachha through plot numbers 370, 371, 380, 381, 975, 890, 886, 885, 876 and partly western boundary of plot number 907, 855 and meets at point "H3".
H3-H4- H5-H6	Line passes in village Lachha through plot numbers 855, 851, 850, 848, 847, 846, 844, 842, 841, 840, 839, 835, 833, 855, 796, 797, 801, 802, 782, 781, 754, 757, 758, 761, 764, 765, 771 and meets at point "H6".

- H6-H7-H8 Line passes in village Lachha through plot numbers 771,770,769,451,645 along southern boundary of plot numbers 643,492, and passes through plot numbers 491,490,486,485 484 and meets at point "H8".
- H8-H9-H10-I Line passes in village Lachha through plot numbers 484,498,501,589,588,575,574,573,572,528,529, Western boundary of plot number 533, then through plot number 538,552,556,557 and enter in village ketka and passes through plot numbers 1139,1138,1136,1134 and meets point "I".
- I-J-K-L Line passes in village Ketka through plot numbers 1134,1132, 1131,1129,1144,1145,1149,1148,1160,1166, 1198,1199,1200,1204,1212,1213,1259,1258,1257,1255, 1296,1297,1298,1299,1306,1323,1496,1495,1494,1493, 1492,1498,1491,1544,1542,1547,1539,1538,1572 and enter in village Jobga and passes through plot numbers 237,236,230,228,217,218,219,220,206,205,204,202,201, 200,197,196,194,417 and meets at point "L".
- L-M-N Line passes in village Jobga through plot number 417,157, 156,154,155,149,145,146,141,140 and meets at point "N".
- N-Q-P-Q Line passes in village Jobga through plot numbers 140,435,437,439,492,491,595,596,597,598,601,606,608, 641,642,719,644,719,713,712,724,710,831,841,842,1021, 845,846,1021,920,927,930,932 and meets at point "Q".
- Q-QI-R S-T-A Line passes in village Jobga through plot numbers 932,931,930,917,918,916,915,910,909,907,906,905,903, 902,895,898 and enter in Reserve forest and passes through compartment number 135 and meets at starting point "A".

[F. No. 43015/9/2003-PRIW]

B. K. PANDA, Director

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 2005

का. आ. 793.— केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन एवं विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना, जो भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड - 3, उपखण्ड (ii) तारीख 26-04-2003 में प्रकाशित की गई थी भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का. आ. 1253 तारीख 21-04-2003 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में, जिसका माप 1463.433 हेक्टर (लगभग) है, कोयले का पूर्वक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी,

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अभिप्राप्त है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन एवं विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्याक का.आ. 237, तारीख 22.1.2004 को अधिक्रमण करते हुए, उन बातों के सिवाय जो ऐसे अधिक्रमण से पहले की गई या करने से लोभ किया गया है, इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 1463.433 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि और उस पर के सभी अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती हैं।

टिप्पण 1: इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. ई.सी.एल./सी.एच यू.बी/मौजा/08 तारीख 27.10.2004 का उप आयुक्त, जिला - गोड्डा एवं पाकुड़ (झारखण्ड) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता 700001 के कार्यालय में या निदेशक तकनीकी (संचालन), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सेंकटोरिया, डाकघर - दिसैरगढ़, जिला - बर्दमान (प. बंगाल) पिन कोड सं0 713333 के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

टिप्पण 2: कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबन्धों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबन्ध है:---

“8 अर्जन के प्रति आक्षेप :-

- (1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी वाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आक्षेप कर सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इस धारा के अन्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जायेगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिये स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

- (2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम अधिकारी को लिखित रूप में की जायेगी और सक्षम अधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या बिधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है, वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा

की गई कार्यावाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट कन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा ।

- (3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितवद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता, यदि भूमि या किसी ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं ।

टिप्पण 3: - केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, 1 काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता - 700001 को अधिनियम के अधीन अधिसूचना सं० का.आ. 2520 तारीख 11 जून, 1983 द्वारा सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है ।

अनुसूची

ब्लॉक 1 एवं 2

चुपरबीटा ब्लॉक (राजमहल कोलफील्ड्स)

ब्लॉक	क्रम सं०	मौजा/ग्राम का नाम	थाना सं०	थाना	जिला	क्षेत्र हेक्टेयर	टिप्पणियां
प्रथम	1	चोटा पुरो सं	8	सुन्दर पाहाड़ी	गोड्डा	152.640	अंश
	2	गरीडीह सं	9	सुन्दर पाहाड़ी	गोड्डा	92.790	अंश
	3	पीपर जोरीया सं	10	सुन्दर पाहाड़ी	गोड्डा	37.100	अंश
	4	मीरचैतारी सं	11	सुन्दर पाहाड़ी	गोड्डा	89.400	अंश
	5	पोखरिया सं	12	सुन्दर पाहाड़ी	गोड्डा	53.624	अंश
	6	खेरासोल सं	13	सुन्दर पाहाड़ी	गोड्डा	103.272	अंश
	7	बरा धामनी सं	7	सुन्दर पाहाड़ी	गोड्डा	47.120	अंश
	8	माको मादगी सं	16	सुन्दर पाहाड़ी	गोड्डा	1.142	अंश
द्वितीय	1	जोरधीया सं	1	लिटीपाड़ा	पाकुड़	359.856	अंश
	2	चोटा मुरजोड़ा सं	2	लिटीपाड़ा	पाकुड़	157.840	अंश
	3	बड़ा मुरजोरा सं	3	लिटीपाड़ा	पाकुड़	137.437	अंश
	4	सिमलौंग सं	4	लिटीपाड़ा	पाकुड़	51.095	अंश
	5	अमरबीटा सं	7	लिटीपाड़ा	पाकुड़	26.931	अंश

1	2	3	4	5	6	7
6	बास बीता सं	8	लिटीपाड़ा	पाकुड़	57.720	अंश
7	मारगो सं	9	लिटीपाड़ा	पाकुड़	27.260	अंश
8	चोटा चटकम सं	10	लिटीपाड़ा	पाकुड़	16.640	अंश
9	धोवपाहाड़ सं	26	सुन्दर पाहाड़ी	गोड्डा	22.856	अंश
10	लाडा पाथर सं	27	सुन्दर पाहाड़ी	गोड्डा	28.710	अंश

कुल - : 1463.433 हेक्टेयर (अनुमानतः)
1463.433 हेक्टेयर (अनुमानतः)

ब्लॉक संख्या - 1

मौजा - छोटापुरा थाना संख्या - 8, थाना - सुन्दरपहाड़ी, जिला - गोड्डा

1(भाग), 2(भाग), 3(भाग), 4(भाग), 5, 6(भाग), 7(भाग), 8, 9, 10, 11(भाग), 20(भाग), 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153(भाग), 154, 155, 156(भाग), 157(भाग), 158(भाग), 208(भाग), 209(भाग), 210(भाग), 211, 213(भाग), 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221(भाग), 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257(भाग), 258(भाग), 261(भाग), 262(भाग), 263, 264, 265, 266, 267(भाग), 268(भाग), 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588,

589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814,

815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056(भाग), 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105.

मौजा - गरीडीह थाना संख्या - 9 थाना - सुन्दरपहाड़ी, जिला - गोड्डा

1(भाग), 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10(भाग), 11(भाग), 15(भाग), 17(भाग), 18, 19, 20, 21, 22(भाग), 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239,

240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417,

418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701(भाग), 702(भाग), 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713(भाग), 714(भाग), 716(भाग), 717, 718, 719, 720(भाग), 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771(भाग), 772, 773, 774, 775(भाग), 777(भाग), 778(भाग), 780(भाग), 781(भाग), 782(भाग), 783, 784, 785(भाग), 787(भाग), 788, 789, 790(भाग), 791(भाग), 795(भाग), 796(भाग), 797, 798(भाग), 799(भाग), 800(भाग), 805(भाग).

मौजा - पीपर जोरीया थाना संख्या - 10 थाना - सुन्दरपहाड़ी, जिला - गोड्डा

12(भाग), 13(भाग), 26(भाग), 27, 28, 29, 30, 31(भाग), 32(भाग), 34(भाग), 36(भाग), 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51(भाग), 52(भाग), 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186,

187(भाग), 188(भाग), 189, 190, 191, 192, 193(भाग), 194(भाग), 195(भाग), 207, 221(भाग), 223(भाग), 224(भाग), 234(भाग), 235(भाग), 236(भाग), 237, 238, 239, 240, 241, 242(भाग), 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260(भाग), 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376.

मौजा - मीरचैतारी थाना संख्या - 11 थाना - सुन्दरपहाड़ी, जिला - गोड्डा

11(भाग), 12(भाग), 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32(भाग), 52(भाग), 53(भाग), 54(भाग), 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65(भाग), 66(भाग), 67, 68, 69, 70, 71(भाग), 72(भाग), 75, 76(भाग), 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208(भाग), 209(भाग), 211(भाग), 242(भाग), 243(भाग), 244(भाग), 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254(भाग), 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380(भाग), 381(भाग), 382(भाग), 383(भाग), 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486(भाग), 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532(भाग), 533, 534, 535, 536(भाग), 537(भाग), 538(भाग), 539(भाग), 540(भाग), 541(भाग), 542(भाग), 543(भाग).

मौजा - पोखरिया थाना संख्या - 12 थाना - सुन्दरपहाड़ी, जिला - गोड्डा

49(भाग), 50(भाग), 51(भाग), 56, 57(भाग), 58(भाग), 59(भाग), 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91(भाग), 92,

93(भाग), 94(भाग), 95(भाग), 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204(भाग), 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229(भाग), 230, 231(भाग), 232(भाग), 234(भाग), 241(भाग), 242(भाग), 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301(भाग), 302(भाग), 303(भाग), 304(भाग), 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328(भाग), 329(भाग), 334(भाग), 335(भाग), 336(भाग), 337, 338, 339, 340, 341(भाग), 351(भाग), 352, 353, 354(भाग), 388(भाग).

मौजा - खेरासोल थाना संख्या - 13 थाना - सुन्दरपहाड़ी, जिला - गोड्डा

60(भाग), 61(भाग), 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72(भाग), 73(भाग), 83(भाग), 85(भाग), 86, 87(भाग), 88, 89(भाग), 93(भाग), 94(भाग), 95, 96, 97, 98, 99(भाग), 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332(भाग), 333(भाग), 334(भाग), 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414(भाग), 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493(भाग), 494(भाग), 496(भाग), 498(भाग), 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506(भाग), 507(भाग), 508(भाग), 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521(भाग), 522(भाग), 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542(भाग), 543(भाग), 544(भाग), 577(भाग), 578, 579, 580(भाग), 581, 582, 583(भाग), 584(भाग), 598(भाग), 600(भाग), 614(भाग), 615(भाग), 682(भाग), 683(भाग), 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712(भाग),

713(भाग), 714, 715(भाग), 732(भाग), 733, 734, 735, 736, 737(भाग), 738(भाग), 740(भाग), 741, 742(भाग), 743(भाग), 748(भाग), 749(भाग), 795(भाग), 796(भाग), 797(भाग).

मौजा - बरा धामनी धाना संख्या - 7 धाना - सुन्दरपहाड़ी, जिला - गोड्डा

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84(भाग), 85(भाग), 86(भाग), 87(भाग), 88(भाग), 89(भाग), 91(भाग), 92, 93, 94, 95(भाग), 96(भाग), 97(भाग), 98(भाग), 297(भाग), 298, 299(भाग), 305(भाग), 306, 307(भाग), 310(भाग), 311(भाग), 312(भाग), 313(भाग), 314(भाग), 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385(भाग), 386(भाग), 388(भाग), 389(भाग), 390(भाग), 393(भाग), 394(भाग), 395(भाग), 397(भाग), 398(भाग), 399(भाग), 445(भाग), 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470(भाग), 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477(भाग), 478(भाग), 504(भाग).

मौजा - माको मादगी धाना संख्या - 16 धाना - सुन्दरपहाड़ी, जिला - गोड्डा

16(भाग) एवं 19(भाग).

ब्लॉक संख्या - 2

मौजा - जोरधीया धाना संख्या - 1 धाना - लिटीपाड़ा, जिला - पाकुड़

1(भाग), 2(भाग), 3(भाग), 4 (भाग), 5(भाग), 6(भाग), 7(भाग), 8, 9, 10(भाग), 11(भाग), 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34(भाग), 35(भाग), 36(भाग), 37(भाग), 38(भाग), 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46(भाग), 47(भाग), 52(भाग), 53(भाग), 57(भाग), 58(भाग), 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124), 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343,

344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477(भाग), 481(भाग), 482(भाग), 483, 484, 485, 486(भाग), 487(भाग), 489(भाग), 490, 491, 492, 493(भाग), 515(भाग), 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798(भाग), 803, 804, 805, 806, 808, 810, 813(भाग), 815, 816, 818, 819, 820, 821..

मौजा - चोटा मुरजोड़ा थाना संख्या - 2 थाना - लिटीपाड़ा, जिला - पाकुड़

1(भाग), 11(भाग), 12(भाग), 13(भाग), 14(भाग), 16(भाग), 17(भाग), 18(भाग), 19(भाग), 20(भाग), 46(भाग), 47(भाग), 51(भाग), 59(भाग), 60(भाग), 61(भाग), 62(भाग), 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100(भाग), 101(भाग), 102(भाग), 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120(भाग), 124(भाग), 125(भाग), 126(भाग), 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173(भाग), 174, 175, 176, 177(भाग), 178(भाग), 179(भाग), 180(भाग), 181(भाग), 182(भाग), 183(भाग), 184(भाग), 185(भाग), 186(भाग), 187(भाग), 188(भाग), 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354,

355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789.

मौजा - बड़ा मुरजोड़ा थाना संख्या - 3 थाना - लिटीपाड़ा, जिला - पाकुड़

2(भाग), 3, 4, 5, 6, 7(भाग), 8(भाग), 9, 10, 11, 12, 13(भाग), 14(भाग), 15, 16, 17, 18(भाग), 21(भाग), 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29(भाग), 30, 31(भाग), 35(भाग), 36(भाग), 37(भाग), 56(भाग), 57(भाग), 58(भाग), 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66(भाग), 68(भाग), 69(भाग), 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84(भाग), 92(भाग), 93(भाग), 94(भाग), 95(भाग), 96, 97, 98(भाग), 99(भाग), 100(भाग), 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270(भाग), 271(भाग), 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 292(भाग), 293(भाग), 294(भाग), 300(भाग), 313(भाग), 316(भाग), 317(भाग), 318, 319, 320, 321(भाग), 326(भाग), 327(भाग), 328(भाग), 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355(भाग), 356(भाग), 359(भाग), 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401(भाग),

410(भाग), 411(भाग), 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 422(भाग), 423(भाग), 424(भाग), 425(भाग), 432(भाग), 449(भाग), 450(भाग), 451, 452, 453(भाग), 454(भाग), 455(भाग), 456(भाग), 457, 458, 459(भाग), 460(भाग), 464(भाग), 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567(भाग), 568(भाग), 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770(भाग), 771, 772, 773(भाग), 774(भाग), 778(भाग), 786(भाग), 787(भाग), 790(भाग), 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822(भाग), 823(भाग), 824(भाग), 825(भाग), 826, 827(भाग), 828(भाग), 829, 830, 831(भाग), 907(भाग), 915(भाग), 916(भाग), 917(भाग), 918, 919, 920, 921, 922(भाग)

मौजा - सिमल्लोंग थाना संख्या - 4 थाना - लिटीपाड़ा, जिला - पाकुड़

8(भाग), 9(भाग), 10(भाग), 11, 12(भाग), 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34(भाग), 35(भाग), 36, 37(भाग), 39(भाग), 40(भाग), 44(भाग), 45(भाग), 46, 47, 48(भाग), 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58(भाग), 59(भाग), 60(भाग), 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68(भाग), 69(भाग), 71(भाग), 72(भाग), 73, 74(भाग), 75, 76, 77, 78(भाग), 79(भाग), 80(भाग), 82(भाग), 92(भाग), 93(भाग), 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100(भाग), 126(भाग), 127(भाग), 128(भाग), 129(भाग), 130(भाग), 131(भाग), 132(भाग), 174(भाग), 200(भाग), 201(भाग), 209(भाग), 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219(भाग), 220(भाग), 221(भाग), 226(भाग), 227(भाग), 233(भाग), 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247(भाग), 248(भाग), 249(भाग), 250, 251, 252, 253(भाग), 255(भाग), 256(भाग), 258, 259, 260, 261, 262, 263(भाग), 264(भाग), 265(भाग), 266(भाग), 276(भाग), 277, 278(भाग), 279(भाग), 281, 282, 283, 284, 285, 286(भाग), 287(भाग), 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295(भाग), 303(भाग), 304, 305, 306, 307(भाग), 308(भाग), 309(भाग), 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317(भाग), 318, 319, 320, 321(भाग), 322(भाग), 325(भाग), 331(भाग), 332, 333(भाग), 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357(भाग), 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400(भाग), 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436(भाग), 437(भाग), 438(भाग), 439(भाग), 440, 441, 442, 443, 444(भाग), 449(भाग), 450, 451, 452(भाग), 462(भाग), 463(भाग), 464(भाग), 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474(भाग).

मौजा - अमरबीटा थाना संख्या - 7 थाना - लिटीपाड़ा, जिला - पाकुड़

1(भाग), 112(भाग), 113(भाग).

मौजा - वास बीता थाना संख्या - 8 थाना - लिटीपाड़ा, जिला - पाकुड़

1(भाग), 2, 3, 4(भाग), 5(भाग), 7(भाग), 8(भाग), 9(भाग), 68(भाग), 69(भाग), 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134(भाग), 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187(भाग), 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196(भाग), 197(भाग), 198(भाग), 206, 207, 208, 209.

मौजा - मारगो थाना संख्या - 9 थाना - लिटीपाड़ा, जिला - पाकुड़

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7(भाग), 9(भाग), 15(भाग), 16(भाग), 17, 18(भाग), 101(भाग), 102(भाग), 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111.

मौजा - चोटा चटकम थाना संख्या - 10 थाना - लिटीपाड़ा, जिला - पाकुड़

352(भाग), 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388(भाग), 389(भाग), 402(भाग), 403(भाग).

मौजा - धोवपाहाड़ थाना संख्या - 26 थाना - सुन्दरपहाड़ी, जिला - गोड्डा

1(भाग), 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27(भाग), 28, 29, 30(भाग), 31, 32, 33(भाग), 34(भाग), 35(भाग), 36(भाग), 37(भाग), 38(भाग), 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46(भाग), 47(भाग), 48(भाग), 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67(भाग), 68, 69(भाग), 74(भाग), 75(भाग), 76, 77, 78, 79(भाग), 80, 81, 82, 83, 84, 85(भाग), 94(भाग), 95, 96(भाग), 97, 98, 99, 100(भाग).

मौजा - लाडा पाथर थाना संख्या - 27 थाना - सुन्दरपहाड़ी, जिला - गोड्डा

3(भाग), 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132(भाग), 133(भाग), 134(भाग), 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148(भाग), 150(भाग), 151(भाग), 156(भाग), 161, 162, 163, 164, 165(भाग), 166(भाग), 246(भाग), 247(भाग), 248(भाग), 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257(भाग), 258(भाग), 259(भाग), 260(भाग), 261(भाग), 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 299, 300, 310(भाग).

सीमा विवरण**ब्लॉक - 1 (ए1 - ए18)**

- ए1 - ए2 यह रेखा जो मौजा चोटापुरो संख्या 8 के थाना - सुन्दरपहाड़ी, जिला - गोड्डा(झारखण्ड) संख्या में 221 ए1 बिन्दु से शुरू होकर और मौजा के प्लॉट संख्या 210, 209, 261, 262, 267, 268, 153 से गुजरती हुई मौजा चोटापुरी सं० 8 में प्लॉट सं० 158 की पूर्वी सीमा में बिन्दु ए2 पर मिलती है।
- ए2 - ए3 यह रेखा जो मौजा चोटापुरो संख्या 8 में ए2 बिन्दु से शुरू होकर संख्या 158, 157, 156 एवं प्लॉट सं० 1 एवं 2 से गुजरती हुई चोटापुरी सं० 8 के संख्या 01 के बिन्दु ए3 पर मिलती है।
- ए3 - ए4 यह रेखा जो मौजा चोटापुरो संख्या 8 के प्लॉट संख्या 01 में ए3 बिन्दु से शुरू होकर प्लॉट सं० 3, 4, 7, 6, 11 से गुजरती हुई मौजा चोटापुरो संख्या 8 के प्लॉट सं० 11 में बिन्दु ए4 पर मिलती है।
- ए4 - ए5 यह रेखा जो मौजा चोटापुरो संख्या 8 के प्लॉट सं० 11 में ए4 बिन्दु से शुरू होकर और प्लॉट सं० 20 से गुजरती हुई तथा मौजा चोटापुरो सं० 8 एवं गरिडीह सं० 9 की साझा सीमा को पार करती हुई गरिडीह सं० 9 के प्लॉट सं० 22, 21, 17, 15, 10, 11 एवं 1 से गुजरती हुई और मौजा पीपर जोरिया संख्या 10 एवं गरिडीह संख्या 9 की साझा सीमा में प्रवेश करती हुई और संख्या 24, 26, 31, 32, 34, 36, 13, 51, 52, 193, 194, 195, 198, 188, 187, 235, 236, 242, से गुजरती हुई प्लॉट संख्या 242 मौजा पीपर जोरिया संख्या 10 में ए5 बिन्दु पर मिलती है।
- ए5 - ए6 यह रेखा जो कि मौजा पीपर जोरिया संख्या 10 प्लॉट सं० 242 में ए5 बिन्दु से शुरू होकर और प्लॉट संख्या 243, 223, 260, 221 से गुजरती हुई और मौजा पीपर जोरिया संख्या 10 एवं मीरचैतारी संख्या 11 के साझा सीमा रेखा में प्रवेश करती हुई, और प्लॉट संख्या 11, 12, 75, 76, 72, 71, 67, 66, 65, 53, 52, 209, 208, 211, 243, 242 से गुजरती हुई मौजा मीरचैतारी और संख्या 11 के संख्या 254 में ए6 बिन्दु पर मिलती है।
- ए6 - ए7 यह रेखा ए6 बिन्दु मौजा मीर चैतारी संख्या 11 से शुरू होकर मौजा पोखरिया संख्या 12, मीर चैतारी संख्या 11 की साझा सीमा को पार करती हुई मौजा पोखरिया संख्या 12 के प्लॉट संख्या 243, 242, 241, 234, 232, 231, 229, 230, 59, 60, 58, 57, 55, 51, 50, 49, 91, 93, से गुजरती हुई ए7 बिन्दु प्लॉट संख्या 94 में मिलती है।
- ए7 - ए8 यह रेखा मौजा पोखरिया संख्या 12 के ए7 बिन्दु से शुरू होकर प्लॉट संख्या 94, 95 से गुजरती हुई और मौजा खेरासोल संख्या 13 एवं पोखरिया संख्या 12 की साझा सीमा रेखा में प्रवेश करती हुई प्लॉट संख्या 85, 87, 89, 99, 93, 94, 83, 73, 72, 60, 63, 61, 64, 542, 543, 544, 577, 580, 583, 584, 597 से गुजरती हुई मौजा खेरासोल संख्या 13 और प्लॉट संख्या 531 में ए8 बिन्दु पर मिलती है।
- ए8 - ए9 यह रेखा मौजा खेरासोल सं० 13, सं० 531 में ए 8 बिन्दु से आरंभ होकर और प्लॉट सं० 598, 614, 522, 521, 615, 508, 507, 506, 630, 498, 496, 494, 493, 683, 682, 715, 713, 712, 731, 732, 738, 740, 749, से गुजरती हुई प्लॉट सं० 748 में ए 9 बिन्दु पर मिलती है।
- ए9 - ए10 यह रेखा संख्या मौजा खेरासोल संख्या 13, प्लॉट संख्या 748 में ए9 बिन्दु से शुरू होकर और संख्या 742, 737, 743, 755 से गुजरती हुई और गुमानी नदी के पश्चिमी किनारे को पार करती हुई खेरासोल संख्या 13 के प्लॉट संख्या 795 में बिन्दु 10ए पर मिलती है।
- ए10 - ए11 यह रेखा मौजा खेरासोल संख्या 13, गुमानी नदी प्लॉट संख्या 795, में ए10 बिन्दु से शुरू होकर और प्लॉट संख्या 795, 796 से गुजरती हुई और गुमानी नदी के पश्चिम किनारे के पार कर प्लॉट संख्या 414, में प्रवेश करते हुए

और प्लाट संख्या 334, 333, 332, से गुजरते हुए और पुनः गुमानी नदी को पार करते हुए तथा प्लाट संख्या 124 गुमानी नदी से गुजरती हुई ए11 बिन्दु पर मिलती है।

- ए11 - ए12** यह रेखा गुमानी नदी एवं मौजा खेरासोल संख्या 13, के प्लाट संख्या संख्या 124 में ए11 बिन्दु से शुरू होकर और गुमानी नदी के पूर्वी किनारे एवं मौजा चोटा मुर जोरा संख्या 2 की साझा सीमा रेखा से गुजरती हुई तथा प्लाट संख्या 46, 47, 20, 19, 18, 17, 16, 14, 15, 13, 12, 11 से गुजरती हुई फिर गुमानी नदी के पूर्वी और मौजा मुरजोरा संख्या 2 की साझा सीमा रेखा को पार करती हुई गुमानी नदी से होकर प्लाट संख्या 388 में ए12 बिन्दु पर मिलती है।
- ए12 - ए13** यह रेखा ए12 बिन्दु से शुरू होकर प्लाट संख्या 301, 302, 303, 304, 329, 328, 334, 335, 336, 341, 351, 354 से गुजरती हुई और मौजा - पोखरिया संख्या - 12 एवं मिरचैतारी संख्या - 11 की साझा सीमा रेखा से होकर प्लाट संख्या 485, 486, 543, 542, 541, 540, 539, 538, 537, 536 से गुजरती हुई और गुमानी नदी के पश्चिम किनारे को पार करती हुई प्लाट संख्या 532 में ए13 बिन्दु पर मिलती है।
- ए13 - ए14** यह रेखा जो गुमानी नदी मौजा मारचैतारी संख्या 11 में ए13 बिन्दु से शुरू होकर गुमानी नदी के प्लाट संख्या 532 गुमानी नदी के पश्चिम किनारे को पार करती हुई इसी मौजा के प्लाट संख्या 382, 383, 380, 381 से गुजरती हुई मौजा मारचैतारी संख्या 11 एवं पीपर जोरिया संख्या 10 के साझा सीमा रेखा के बिन्दु ए14 पर मिलती हैं।
- ए14 - ए15** यह रेखा ए14 बिन्दु से शुरू होकर मौजा गरिडिह संख्या 9 में प्रवेश करते हुए, प्लाट संख्या 667, 668, 699, 805, से गुजरती हुई, प्लाट संख्या 669, को पार करते हुए तथा प्लाट संख्या 701, 702, 714, 713, 716, 720, 721, 669, 798, 796, 795, 791, 790, 787, 785, 782, 781, 780, 778, 777, 775, 771 से गुजरती हुई और मौजा गरिडिह संख्या 9 एवं बड़ा धामनी संख्या 7 की साझा सीमा रेखा से गुजरती हुई और प्लाट संख्या 87, 89, 91, 95, 96, 97, 98, 85 से गुजरती हुई मौजा बड़ा धामनी संख्या 7 में ए15 बिन्दु पर मिलती है।
- ए15 - ए16** यह रेखा मौजा बड़ा धामनी संख्या 7, प्लाट संख्या 84 में ए15 बिन्दु से शुरू होकर और प्लाट संख्या 230, 231, 232, 233 की उत्तरी सीमा में से गुजरती हुई प्लाट संख्या 318, 239, 314, 313, 312, 311, 310, 307, 305, 304, 303, 301, 299, 297, 385, 386, 388, 389, 390, 394, 395, 397, 398, 399, 375, 445, 504 से गुजरती हुई मौजा बड़ा धामनी संख्या 7 के ए16 बिन्दु पर मिलती है।
- ए16 - ए17** यह रेखा मौजा बड़ा धामनी के संख्या 7, प्लाट संख्या 504 में ए16 बिन्दु से शुरू होकर और प्लाट संख्या 504 से गुजरती हुई ए17 बिन्दु पर मिलती है।
- ए17 - ए18** यह रेखा मौजा बड़ा धामनी संख्या 7, के ए17 बिन्दु से शुरू होकर प्लाट संख्या 504, 470, 477, 478, से गुजरती हुई मौजा माको माधगी संख्या 16 की साझा सीमा रेखा में प्रवेश करती हुई और मौजा माको माधगी संख्या 16 के और प्लाट संख्या 19, 16, से गुजरती हुई मौजा चोटा पुरो संख्या 8 एवं माको माधगी संख्या 16 की साझा सीमा रेखा से गुजरती हुई और मौजा चोटा पुरो संख्या 8 के प्लाट संख्या 1056 के ए18 बिन्दु पर मिलती है।
- ए18 - ए1** यह रेखा मौजा चोटा पुरो संख्या 8 के प्लाट संख्या 1056 में ए18 बिन्दु से शुरू होकर प्लाट संख्या 215, 213, से गुजरती हुई प्लाट संख्या 221 मौजा चोटा पुरो संख्या 8 थाना - सुन्दर पहाड़ी, जिला गोड्डा में ए1 बिन्दु पर मिलती है।

सीमा विवरण

ब्लॉक - 2 (बी1 - बी27)

- बी1 - बी2** यह रेखा मौजा बड़ा धामनी संख्या 7, थाना सुन्दर पहाड़ी, जिला - गोड्डा प्लाट संख्या 100 के बी1 बिन्दु से शुरू होकर प्लाट संख्या 100, 101, 102, 103, से गुजरती हुई और गुमानी नदी के पूर्वी किनारे को पार करती हुई,

प्लाट सं० 1175, से गुजरती हुई और प्लाट संख्या 1161, 1162, 1165 के दक्षिणी सीमा से गुजरती हुई गुमानी नदी के दक्षिणी किनारे को पार करती हुई और मौजा - जोरडीहा संख्या 1 में प्रवेश करती हुई, प्लाट संख्या 813, 496, 489, 493 से गुजरती हुई मौजा जोरडीहा संख्या 1, थाना - लिट्टीपाड़ा जिला - पाकुड़ के प्लाट संख्या में 489 बिन्दु बी2 पर मिलती हैं।

- बी2 - बी3** यह रेखा मौजा जोरडीहा संख्या 1 के प्लाट संख्या 489 में बी 2 बिन्दु से शुरू होकर प्लाट संख्या 487, 486, 485, 482, 480, 477, 515 से गुजरती हुई मौजा जोरडीहा सं० 1 के प्लाट संख्या 515 में बी 3 बिन्दु पर मिलती है।
- बी3 - बी4** यह रेखा मौजा जोरडीहा संख्या 1 के प्लाट संख्या 515 में बिन्दु बी 3 बिन्दु से शुरू होकर और प्लाट संख्या 515, 798 से गुजरती हुई मौजा जोरडीहा संख्या 1 एवं छोटा चटकम संख्या 10 की साझा सीमा रेखा को पार करती हुई प्लाट संख्या 353, 354 के पश्चिमी सीमा से गुजरती हुई और प्लाट संख्या 352, 342, 403, 402, 388, 389 से गुजरती हुई, मौजा छोटा चटकम संख्या 10 एवं मोरगो संख्या 9 की साझा सीमा रेखा से गुजरती हुई प्लाट संख्या 7, 8, 9, 16, 15, 18, से गुजरती हुई मौजा मारगो संख्या 9 में बी4 बिन्दु पर मिलती है।
- बी4 - बी5** यह रेखा मौजा मारगो संख्या 9 में बी 4 बिन्दु से शुरू होकर और प्लाट संख्या 102, 101, 1 से गुजरती हुई, मौजा मारगो संख्या 9 एवं बांसभीटा संख्या 8 की साझा सीमा रेखा को पार करती हुई प्लाट संख्या 187, 191, से गुजरती हुई मौजा बांसभीटा सं० 8 में बी 5 बिन्दु पर मिलती है।
- बी5- बी6** यह रेखा मौजा बांसवीथा संख्या 8 में बी 5 बिन्दु से शुरू होकर इसी मौजा की प्लाट संख्या 205, 68, एवं प्लाट संख्या 25 के उत्तरी पूर्व किनारे से गुजरती हुई और प्लाट संख्या 9, 8, 4, 5, 1 से गुजरती हुई और मौजा बांसवीथा संख्या - 8 एवं जोरडीहा संख्या 1 की साझा सीमा रेखा को पार करती हुई और जोरडीहा संख्या 1 के प्लाट संख्या 807 से गुजरती हुई बी 6 बिन्दु पर मिलती है।
- बी6 - बी7** यह रेखा मौजा जोरडीहा संख्या 01 में बी 6 बिन्दु से शुरू होकर मौजा अमरबीथा संख्या 7 एवं जोरडीहा संख्या 1 की साझा सीमा रेखा को पार करती हुई और मौजा अमरबीथा प्लाट संख्या 1 से गुजरती हुई बी7 बिन्दु पर मिलती है।
- बी7- बी8** यह रेखा मौजा अमरबीथा संख्या 7 में बी 7 बिन्दु से शुरू होकर प्लाट संख्या 1 प्लाट संख्या 111 की पश्चिमी सीमा से गुजरती हुई, प्लाट संख्या 112, 113, 1 से गुजरती हुई मौजा अमरबीथा संख्या 7 में बी 8 बिन्दु पर मिलती है।
- बी8 - बी9** यह रेखा मौजा अमरबीथा संख्या 7 में बी 8 बिन्दु से शुरू होकर और मौजा बड़ा मुरजोरा संख्या 3 एवं अमरबीथा संख्या 7 की साझा सीमा रेखा में प्रवेश करते हुई, प्लाट संख्या 922, 920, 914, 916, 917, 918, 831, 828, 827, 825, 824, 823, 822, 790, 787, 786, 778, 770, 773, 774, 432, 567, 464, 460, 459 से गुजरती हुई बिन्दु बी 9 पर मिलती है।
- बी9 - बी10** यह रेखा मौजा बड़ा मुरजोरा संख्या 3 के प्लाट संख्या 448 में बी9 बिन्दु से शुरू होकर, प्लाट संख्या 455, 454, 453, 450, 425, 424, 423, 422, 410, 411, 401, 359, 355, 356 से गुजरती हुई और बड़ा मुरजोरा संख्या 3 एवं मौजा सिमलॉग संख्या 4 की साझा सीमा रेखा को पार करती हुई, प्लाट संख्या 37, 38, 40, 35, 34, 44, 45, 48, 69, 68, 67, 72, 71 से गुजरती हुई बिन्दु बी 10 पर मिलती है।
- बी10 - बी11** यह रेखा में मौजा सिमलॉग संख्या 4 के प्लाट संख्या 448 में बी 9 बिन्दु से शुरू होकर, प्लाट संख्या 98, 100, 256 257, 255, 253, 249, 247, 248, 257, 126, 127, 128, 132, 131, 174, और 432 से गुजरती हुई मौजा सिमलॉग संख्या 4 के प्लाट संख्या 558 में बी 11 बिन्दु पर मिलती है।

- बी11 - बी12** यह रेखा मौजा सिमलौंग संख्या 4 के प्लाट संख्या 74 में बी 10 बिन्दु से शुरू होकर, प्लाट संख्या 559 में बी 11 बिन्दु पर मिलती है।
- बी12- बी13** यह रेखा मौजा सिमलौंग संख्या 4 में बी 12 बिन्दु से शुरू होकर, प्लाट संख्या 559, 432, 174, 132, 131, 130, 129, 128, 257, 248, 247 से गुजरती हुई बी 13 बिन्दु पर मिलती है।
- बी13 - बी14** यह रेखा सिमलौंग संख्या 4 के प्लाट संख्या 247 में बी 13 बिन्दु से शुरू होकर, प्लाट संख्या 247, 233, 227, 226, 220, 221, 219, 200, 210 201, 295, 296, 297, 309, 307 से गुजरती हुई बी 14 बिन्दु पर मिलती है।
- बी14 बी15** यह रेखा मौजा सिमलौंग संख्या 4, प्लाट संख्या 307 में बी 14 बिन्दु से शुरू होकर, प्लाट संख्या 308, 303, 301, 333, 486, 483, 491, 492, 493, 481, 436, 437, 438, 439, 444, 449, 452, 464, 462, 463, 468, 474, 543, 400, 615, से गुजरती हुई और लादा नदी को पार करती हुई, मौजा सिमलौंग संख्या 4 एवं लादापाथार संख्या 27 की साझा सीमा रेखा पर बी 15 बिन्दु पर मिलती है।
- बी15 - बी16** यह रेखा जो साझा सीमा में बी 15 बिन्दु से शुरू होकर और मौजा लादापाथार संख्या 27 के प्लाट संख्या 167, 166, 165, 156, 151, 150, 148, 134, 133, 247, 246, 248, 257, 258, 259 से गुजरती हुई प्लाट संख्या 261 में बी 16 बिन्दु पर मिलती है।
- बी16 - बी17** यह रेखा जो मौजा लादा पाथार संख्या 27 के प्लाट संख्या 261 में बी 16 बिन्दु से शुरू होकर और प्लाट संख्या 261, 260, 310, 300 से गुजरती हुई, लादा पाथार संख्या 27 एवं धोपहाड़ संख्या 26 की साझा सीमा रेखा से गुजरती हुई और प्लाट संख्या 262, 67, 69, 74, 75 से गुजरती हुई प्लाट संख्या 100 में बी 17 बिन्दु पर मिलती है।
- बी17 - बी18** यह रेखा मौजा धोपहाड़ संख्या 26 के प्लाट संख्या 100 में बी 17 बिन्दु से शुरू होकर और प्लाट संख्या 100, 96, 94, 79, 85 से गुजरती हुई बी 18 बिन्दु पर मिलती है।
- बी18 - बी19** यह रेखा जो मौजा धोपहाड़ संख्या 26 एवं गुमानी नदी के दक्षिणी किनारे की साझा सीमा रेखा के बी 18 बिन्दु से शुरू होकर गुमानी नदी से गुजरती हुई तथा मौजा धोपहाड़ संख्या 26 के प्लाट संख्या 48, 47, 46, 37, 36, 38, 35, 34, 33, 30, 27, 26, 1 से गुजरती हुई, धोपहाड़ संख्या 26 एवं मौजा लादा पाथार संख्या 27 की साझा सीमा रेखा को पार करती हुई और गुमानी नदी से गुजरती हुई लादापाथार संख्या 27 के प्लाट संख्या 3, गुमानी नदी के दक्षिणी तट पर बी 19 बिन्दु पर मिलती है।
- बी19 - बी20** यह रेखा जो मौजा लादापाथार संख्या 27 के प्लाट संख्या 3 में बी 19 बिन्दु से शुरू होकर और मौजा लादापाथार संख्या 27 एवं सिमलौंग संख्या 4 के साझा सीमा रेखा से गुजरती हुई, प्लाट संख्या 363, 357, 358, 356, 331, 321, 322, 317, 280, 279, 278, 276, 286, 287, 265, 264, 263, 92, 93, 78, 79, 80, से गुजरती हुई मौजा सिमलौंग संख्या 60 के पश्चिमी किनारे पर बी 20 बिन्दु पर मिलती है।
- बी20 - बी21** यह रेखा बी20 बिन्दु से शुरू होकर प्लाट संख्या 60, 58, 8,9, 12 से गुजरती हुई और मौजा सिमलौंग संख्या 4 एवं बड़ा मुरजोरा संख्या 3 की साझा सीमा रेखा में प्रवेश करते हुई, प्लाट संख्या 326, 327, 328, 321, 317, से गुजरती हुई बी 21 बिन्दु पर मिलती है।
- बी21 - बी22** यह रेखा में मौजा बड़ा मुरजोरा संख्या 3 के प्लाट संख्या 317 में बी 21 बिन्दु से शुरू होकर और प्लाट संख्या 316, 313, 270, 271, 300, 294, 293, 292, 288 से गुजरती हुई गुमानी नदी में बी 22 बिन्दु पर मिलती है।

- बी22 - बी23** यह रेखा गुमानी नदी में बी22 बिन्दु से शुरू होकर और मौजा बड़ा मुरजोरा संख्या 3 एवं खेरासोल संख्या 13 की साझा सीमा रेखा को पार करती हुई तथा मौजा बड़ा मुरजोरा संख्या 3 के प्लाट संख्या 284, 223, 101, 100, 99, 98, 94, 95, 93, 92, 84, 69, 68, 66, 56, से गुजरती हुई बी23 बिन्दु पर मिलती है।
- बी23 - बी24** यह रेखा मौजा बड़ा मुरजोरा संख्या 3 के प्लाट संख्या 57 में बी23 बिन्दु से शुरू होकर और प्लाट संख्या 58, 29, 42, 37, 36, 35, 31, 21, 18 19, 14, 13, 8, 7, 2 से गुजरती हुई एवं मौजा बड़ा मुरजोरा संख्या 3 एवं छोटा मुरजोरा संख्या 2 की साझा सीमा में प्रवेश करती हुई और मौजा छोटा मुरजोरा संख्या 2 के प्लाट संख्या 188, 187, 186, 185, 184, 183, 182, 181, 180, 179, 178, 177, 173 से गुजरती हुई और गुमानी नदी और मौजा छोटा मुरजोरा संख्या 2 की साझा सीमा रेखा से होकर गुजरती हुई एवं गुमानी नदी प्लाट संख्या 124 को पार करती हुई पुनः गुमानी नदी और मौजा छोटा मुरजोरा संख्या 2 की साझा सीमा रेखा को पार करती हुई मौजा छोटा मुरजोरा संख्या 2 के प्लाट संख्या 125 में बी24 बिन्दु पर मिलती है।
- बी24 - बी25** यह रेखा मौजा छोटा मुरजोरा संख्या 2 के प्लाट संख्या 125 में बी 24 बिन्दु से शुरू होकर और प्लाट संख्या 126, 125, 120, 123, 102, 101, 100, 62, 60, 59, 51 से गुजरती हुई मौजा छोटा मुरजोरा संख्या 2 के प्लाट संख्या 704 में बी25 बिन्दु पर मिलती है।
- बी25 - बी26** यह रेखा मौजा छोटा मुरजोरा संख्या 2 के प्लाट संख्या 704 में बी 25 बिन्दु से शुरू होकर और प्लाट संख्या 704 से गुजरती हुई तथा मौजा जोरडीहा संख्या 1 एवं छोटा मुरजोरा संख्या 2 की साझा सीमा को पार करते हुई और प्लाट संख्या 820, 51, 262, 57, 58, 53, 131 से गुजरती हुई प्लाट संख्या 53 में बी 26 बिन्दु पर मिलती है।
- बी26 - बी27** यह रेखा मौजा जोरडीहा संख्या 1 के प्लाट संख्या 53 में बी 26 बिन्दु से शुरू होकर, मौजा जोरडीहा संख्या 1 के प्लाट संख्या 52, 46, 47, 48, 38, 34, 35, 36, 37 से गुजरती हुई प्लाट संख्या 2 के पूर्वी कोने पर बी27 बिन्दु पर मिलती है।
- बी27 - बी1** यह रेखा मौजा जोरडीहा संख्या 1 के प्लाट संख्या 2 में बी 27 बिन्दु से शुरू होकर, मौजा जोरडीहा संख्या 1 के प्लाट संख्या 3, 4, 5, 6, 7, 10, 11 से गुजरती हुई एवं मौजा जोरडीहा संख्या 1 और गरीडीहा संख्या 9 की साझा सीमा रेखा प्रवेश करती हुई, गुमानी नदी से गुजरती हुई मौजा बड़ा धामनी संख्या 7 एवं गरीडीहा संख्या 9 की साझा सीमा को पार करते हुई मौजा बड़ा धामनी संख्या 7 थाना - सुन्दर पहाड़ी, जिला - गोड्डा के प्लाट संख्या 100 में बी 1 बिन्दु पर मिलती है।

[फा. सं. 43015/10/2002-पी.आर.आई.डब्ल्यू.]
बी. के. पण्डा, निदेशक

New Delhi, the 24th February, 2005

S. O. 793.— Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 1253 dated the 21.04.2003 issued under sub-section (I) of section 4 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957. (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in the Gazette of India, in Part II, section 3, sub-section (ii) dated 26.04.2003, the Central Government gave notice of its intention to prospect for Coal in 1463.433 hectares (approximately) of land in the locality specified in the Schedule annexed to that notification.

And, whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable from the said land;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, number S.O. 237, dated 22.1.2004, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the land measuring 1463.433 hectares (approximately) in all rights as the schedule appended here to.

Note 1:- The plan bearing number ECL/CHUB/MOUZA/08 Dated 27.10.2004 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Dy. Commissioner, District, Godda and Pakur (Jharkhand)), or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata -700 001, or in the office of the Director Technical (Operation), Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, Post Office - Dishergarh, Dist. Burdwan (West Bengal). Pin Code Number 713 333.

Note 2:- Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), which provides as follows:-

“8 Objection to acquisition” :-

(1) Any person interested in any land in respect of which notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation .- It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of the coal and that such operation should not be undertaken by the Central Government or any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections together with the record of the proceedings held by him, for the decisions of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who will be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were enquired under this Act.”

Note – The Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata – 700001 has been appointed by the Central Govt. as the competent authority under the Act. Vide notification number S.O. 2520 dated 11th June, 1983.

Schedule**Block – First and Second
Chuperbhita Block (Rajmahal Coalfields)**

Block	Sl. no	Mouza village	Thana no.	Police station	District	Area hectares	Remarks
1st	1	Chota Puro No	8	Sundar-Pahari	Godda	152.640	Part
	2	Garidih No.	9	Sundar-Pahari	Godda	92.790	Part
	3	Piperjoria No.	10	Sundar-Pahari	Godda	37.100	Part
	4	Mirchaitari No.	11	Sundar-Pahari	Godda	89.400	Part
	5	Pokharia No.	12	Sundar-Pahari	Godda	53.624	Part
	6	Kherasole No.	13	Sundar-Pahari	Godda	103.272	Part
	7	Bara Dhamni No.	7	Sundar-Pahari	Godda	47.120	Part
	8	Mako-Madgi	16	Sundar-Pahari	Godda	1.142	Part
2nd	1	Jordiha No.	1	Littipara	Pakur	359.856	Part
	2	Chota Murjora No	2	Littipara	Pakur	157.840	Part
	3	Bara Murjora No.	3	Littipara	Pakur	137.437	Part
	4	Simlong No.	4	Littipara	Pakur	51.095	Part
	5	Amar Bitra No.	7	Littipara	Pakur	26.931	Part
	6	Basbita No.	8	Littipara	Pakur	57.720	Part
	7	Margo No.	9	Littipara	Pakur	27.260	Part
	8	Chota Chatkam No.	10	Littipara	Pakur	16.640	Part
	9	Dhouphar No.	26	Sundar-Pahari	Godda	22.856	Part
	10	Lada pathar	27	Sundar-Pahari	Godda	28.710	Part

Grand Total = 1463.433

1463.433 Hect. (Approximately)

Block No. 1

Plots to be acquired in Mouza Chotapuro Thana No.8
P.S. Sundarpahari Dist. Godda

1(P), 2(P), 3(P), 4(P), 5, 6(P), 7(P), 8, 9, 10, 11(P), 20(P), 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153(P), 154, 155, 156(P), 157(P), 158(P), 208(P), 209(P), 210(P), 211, 213(P), 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221(P), 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257(P), 258(P), 261(P), 262(P), 263, 264, 265, 266, 267(P), 268(P), 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788,

789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056(P), 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105.

Plots to be acquired in Mouza Garidih Thana No.9
P.S. Sundarpahari Dist. Godda

1(P), 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10(P), 11(P), 15(P), 17(P), 18, 19, 20, 21, 22(P), 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423.

424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701(P), 702(P), 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713(P), 714(P), 716(P), 717, 718, 719, 720(P), 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771(P), 772, 773, 774, 775(P), 777(P), 778(P), 780(P), 781(P), 782(P), 783, 784, 785(P), 787(P), 788, 789, 790(P), 791(P), 795(P), 796(P), 797, 798(P), 799(P), 800(P), 805(P).

Plots to be acquired in Mouza Piperjoria Thana No.10

P.S. Sundarpahari Dist. Godda

12(P), 13(P), 26(P), 27, 28, 29, 30, 31(P), 32(P), 34(P), 36(P), 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51(P), 52(P), 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187(P), 188(P), 189, 190, 191, 192, 193(P), 194(P), 195(P), 207, 221(P), 223(P), 224(P), 234(P), 235(P), 236(P), 237, 238, 239, 240, 241, 242(P), 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260(P), 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376.

Plots to be acquired in Mouza Mirchaitari, Thana No.11

P.S. Sundarpahari Dist. Godda

11(P), 12(P), 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32(P), 52(P), 53(P), 54(P), 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65(P), 66(P), 67, 68, 69, 70, 71(P), 72(P), 75, 76(P), 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208(P), 209(P), 211(P), 242(P), 243(P), 244(P), 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254(P), 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380(P), 381(P), 382(P), 383(P), 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486(P), 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532(P), 533, 534, 535, 536(P), 537(P), 538(P), 539(P), 540(P), 541(P), 542(P), 543(P).

Plots to be acquired in Mouza Pokhoria, Thana No.12

P.S. Sundarpahari Dist. Godda

49(P), 50(P), 51(P), 56, 57(P), 58(P), 59(P), 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91(P), 92, 93(P), 94(P), 95(P), 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204(P), 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 226, 227, 228, 229(P), 230, 231(P), 232(P), 234(P), 241(P), 242(P), 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255,

256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301(P), 302(P), 303(P), 304(P), 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328(P), 329(P), 334(P), 335(P), 336(P), 337, 338, 339, 340, 341(P), 351(P), 352, 353, 354(P), 388(P).

Plots to be acquired in Mouza Kherasole Thana No.13

P.S. Sundarpahari Dist. Godda

60(P), 61(P), 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72(P), 73(P), 83(P), 85(P), 86, 87(P), 88, 89(P), 93(P), 94(P), 95, 96, 97, 98, 99(P), 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332(P), 333(P), 334(P), 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414(P), 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493(P), 494(P), 496(P), 498(P), 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506(P), 507(P), 508(P), 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521(P), 522(P), 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542(P), 543(P), 544(P), 577(P), 578, 579, 580(P), 581, 582, 583(P), 584(P), 598(P), 600(P), 614(P), 615(P), 682(P), 683(P), 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712(P), 713(P), 714, 715(P), 732(P), 733, 734, 735, 736, 737(P), 738(P), 740(P), 741, 742(P), 743(P), 748(P), 749(P), 795(P), 796(P), 797(P).

Plots to be acquired in Mouza Bara Dhamni Thana No.7
P.S. Sundarpahari Dist. Godda

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84(P), 85(P), 86(P), 87(P), 88(P), 89(P), 91(P), 92, 93, 94, 95(P), 96(P), 97(P), 98(P), 297(P), 298, 299(P), 305(P), 306, 307(P), 310(P), 311(P), 312(P), 313(P), 314(P), 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385(P), 386(P), 388(P), 389(P), 390(P), 393(P), 394(P), 395(P), 397(P), 398(P), 399(P), 445(P), 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470(P), 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477(P), 478(P), 504(P).

Plots to be acquired in Mouza Mako Madgi Thana No.16
P.S. Sundarpahari Dist. Godda

16(P) & 19(P).

Block No. 2

Plots to be acquired in Mouza Jordiha Thana No.1
P.S. Littipara Dist. Pakur

1(P), 2(P), 3(P), 4(p), 5(P), 6(p), 7(P), 8, 9, 10(P), 11(p), 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34(p), 35(p), 36(p), 37(p), 38(p), 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46(p), 47(p), 52(p), 53(p), 57(p), 58(p), 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344,

345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477(p), 481(p), 482(P), 483(p), 484, 485, 486(p), 487(p), 489(p), 490, 491, 492, 493(p), 515(p), 516, 517, 518, 518, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798(p), 803, 804, 805, 806, 808, 810, 813(p), 814, 815, 816, 818, 819, 820, 821.

Plots to be acquired in Mouza Chota Murjora Thana No.2
P.S. Littipara Dist. Pakur

1(P), 11(P), 12(P), 13(P), 14(P), 16(P), 17(P), 18(P), 19(P), 20(P), 46(P), 47(P), 51(P), 59(P), 60(P), 61(P), 62(P), 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100(P), 101(P), 102(P), 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120(P), 124(P), 125(P), 126(P), 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173(P), 174, 175, 176, 177(P), 178(P), 179(P), 180(P), 181(P), 182(P), 183(P), 184(P), 185(P), 186(P), 187(P), 188(P), 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324,

325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789.

Plots to be acquired in Mouza Bara Murjora Thana No.3
P.S. Littipara Dist. Pakur

2(P), 3, 4, 5, 6, 7(P), 8(P), 9, 10, 11, 12, 13(P), 14(P), 15, 16, 17, 18(P), 21(P), 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29(P), 30, 31(P), 35(P), 36(P), 37(P), 56(P), 57(P), 58(P), 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66(P), 68(P), 69(P), 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84(P), 92(P), 93(P), 94(P), 95(P), 96, 97, 98(P), 99(P), 100(P), 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270(P), 271(P), 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 292(P), 293(P), 294(P), 300(P), 313(P), 316(P), 317(P), 318, 319, 320, 321(P), 326(P), 327(P), 328(P), 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337,

338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355(P), 356(P), 359(P), 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401(P), 410(P), 411(P), 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 422(P), 423(P), 424(P), 425(P), 432(P), 449(P), 450(P), 451, 452, 453(P), 454(P), 455(P), 456, 457, 458, 459(P), 460(P), 464(P), 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567(P), 568(P), 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770(P), 771, 772, 773(P), 774(P), 778(P), 786(P), 787(P), 790(P), 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822(P), 823(P), 824(P), 825(P), 826, 827(P), 828(P), 829, 830, 831(P), 907(P), 915(P), 916(P), 917(P), 918, 919, 920, 921, 922(P).

Plots to be acquired in Mouza Simlong Thana No.4, P.S. Littipara Dist. Pakur

8(P), 9(P), 10(P), 11, 12(P), 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34(P), 35(P), 36, 37(P), 39(P), 40(P), 44(P), 45(P), 46, 47, 48(P), 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58(P), 59(P), 60(P), 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68(P), 69(P), 71(P), 72(P), 73, 74(P), 75, 76, 77, 78(P), 79(P), 80(P), 82(P), 92(P), 93(P), 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100(P), 126(P), 127(P), 128(P), 129(P), 130(P), 131(P), 132(P), 174(P), 200(P), 201(P), 209(P), 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219(P), 220(P), 221(P), 226(P), 227(P), 233(P), 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247(P), 248(P), 249(P), 250, 251, 252, 253(P), 255(P), 256(P), 258, 259, 260, 261, 262, 263(P), 264(P), 265(P), 266(P), 276(P), 277, 278(P), 279(P), 281, 282, 283, 284, 285, 286(P), 287(P), 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295(P), 303(P), 304, 305, 306, 307(P), 308(P), 309(P), 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317(P), 318, 319, 320, 321(P), 322(P), 325(P), 331(P), 332, 333(P), 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357(P), 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400(P), 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418,

419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436(P), 437(P), 438(P), 439(P), 440, 441, 442, 443, 444(P), 449(P), 450, 451, 452(P), 462(P), 463(P), 464(P), 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474(P). Plots to be acquired in Mouza Amarbhita Thana No.7 P.S. Littipara Dist. Pakur 1(P), 112(P), 113(P).

Plots to be acquired in Mouza Bansbhita Thana No.8
P.S. Littipara Dist. Pakur

1(P), 2, 3, 4(P), 5(P), 7(P), 8(P), 9(P), 68(P), 69(P), 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134(P), 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187(P), 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196(P), 197(P), 198(P), 206, 207, 208, 209.

Plots to be acquired in Mouza Margo Thana No.9
P.S. Littipara Dist. Pakur

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7(P), 9(P), 15(P), 16(P), 17, 18(P), 101(P), 102(P), 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111.

Plots to be acquired in Mouza Chota Chatkam Thana No.10
P.S. Littipara Dist. Pakur

352(P), 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388(P), 389(P), 402(P), 403(P).

Plots to be acquired in Mouza Dhoupahar Thana No.26
P.S. Sundarpahari Dist. Godda

1(P), 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27(P), 28, 29, 30(P), 31, 32, 33(P), 34(P), 35(P), 36(P), 37(P), 38(P), 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46(P), 47(P), 48(P), 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67(P), 68, 69(P), 74(P), 75(P), 76, 77, 78, 79(P), 80, 81, 82, 83, 84, 85(P), 94(P), 95, 96(P), 97, 98, 99, 100(P).

Plots to be acquired in Mouza Ladapathar Thana No.27
P.S. Sundarpahari Dist. Godda

3(P), 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75,

76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132(P), 133(P), 134(P), 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148(P), 150(P), 151(P), 156(P), 161, 162, 163, 164, 165(P), 166(P), 246(P), 247(P), 248(P), 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257(P), 258(P), 259(P), 260(P), 261(P), 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 299, 300, 310(P).

BOUNDARY DESCRIPTION (BLOCK – 1)(A1-A18.)

A1-A2 :- Line starting from point A1 in mouza Chota Puro No. 8 of P.S. Sundar Pahari.- Dist. Godda, Jharkhand Plot No. 221 and passing through the Plot No. 210, 209 , 261, 262, 267, 268 & 153 meeting at point A2 in the Eastern Boundary of Plot No. 158 in Mouza Chota Puro No. 8.

A2-A3 :- Line starting from point A2 in Mouza Chota Puro No. 8 and passing through Plot No. 158, 157, 156 and Plot No. 1 & 2 and meeting at point A3 in Plot No. 1 of Chota Puro No. 8.

A3-A4 :- Line starting from point A3 in plot no. 1 of Chota Puro No. 8 and passing through plot no. 3, 4, 7, 6 , 11 and meeting at point A4 in plot no. 11 of Chota puro no 8.

A4-A5 :- Line starting from point A4 in plot no. 11 of Mouza Chota puro no. 8 and passing through plot no. 20 and crossing the common Boundary line of Mouza Chota Puro no. 8 and Garidih No. 9 and passing through Plot no. 22, 21, 17, 15, 10, 11 and 1 of Mouza Garidih no. 9 and entering in the common boundary line of mouza Piparjoria no. 10 and Garidih no. 9 and passing through plot no. 24, 26, 31, 32, 34, 36, 13, 51, 52, 193, 194, 195, 198, 188, 187, 235, 236, 242 and meeting at point A5 in plot no. 242 of Mouza Piparjoria no. 10.

A5-A6 :- Line starting from point A5 in Mouza Piparjoria no. 10 plot no. 242 and passing through plot no. 243, 223, 260, 221 and entering in the common boundary line of Mouza Piparjoria no. 10 and Marchaitari no. 11 and passing through plot no. 11, 12, 75, 76, 72, 71, 67, 66, 65, 53, 52, 54, 209, 208, 211, 243, 242 and meeting at point A6 in plot no. 254 of Mouza Marchaitari no. 11.

A6-A7 :- Line starting from pont A6 in Mouza Marchaitari no. 11 plot no. 254 and entering in the common boundary line of Mouza Pokharia no. 12 and Marchatari no. 11 and passing through plot no. 243, 242, 241, 234, 232, 231, 229, 230, 59, 60, 58, 57, 55, 51, 50, 49, 91, 93 and meeting at point A7 in Southern boundary of plot no. 94 in Mouza Pokharia no. 12.

- A7-A8 :- Line starting from point A7 in Mouza Pokharia no. 12 passing from plot no. 94, 95, and entering in the common boundary line of Mouza Kherasol no. 13 and Pokharia No. 12 passing through plot no. 85, 87, 89, 99, 93, 94, 83, 73, 72, 60, 63, 61, 64, 542, 543, 544, 577, 580, 584, 583, 597 and meeting at point A8 in plot no. 531 of Mouza Kherasol no 13.
- A8-A9 :- Line starting from point A8 in Mouza Kherasol no. 13 plot no. 531 and passing through plot no. 598, 614, 522, 521, 615, 508, 507, 506, 630, 498, 496, 494, 493, 683, 682, 715, 713, 712, 731, 732, 738, 740, 749, 748 and meeting at point A9 in plot no. 748.
- A9-A10:- Line starting from point A9 in plot no. 748 in Mouza Kherasol no. 13 and passing through plot no. 742, 737, 743, 755 and crossing the Western Bank of Gumani River and meeting at point A10 in plot no. 795 of Mouza Kherasol no. 13.
- A10-A11:- Line starting from point A10 in Gumani River plot no. 795 of Mouza Kherasol no. 13 and passing through plot no. 795, 796 and crossing the Western Bank of Gumani River and entering in plot no. 414 and passing through plot no. 334, 333, 332 and again crossing the Gumani river and passing through plot no. 124, Gumani river and meeting at point A11.
- A11-A12:- Line starting from point A11 plot no. 124 of Gumani river Mouza Kherasol no. 13 and passing through common boundary line and Eastern Bank of Gumani river and Chota Murjora no. 2 and passing through plot no. 46, 47, 20, 19, 18, 17, 16, 14, 15, 13, 12, 11 and crossing the common boundary line of Eastern Bank of Gumani river and Mouza Chota Murrjora no. 2 and passing through Gumani river and meeting at point A12 in plot no. 388.
- A12-A13:- Line starting from point A12 and passing through plot no. 301, 302, 303, 304, 329, 328, 334, 335, 336, 341, 351, 354 and entering in common boundary of mouza – Pokharia No. 12 and Mirchaitari No. 11 and passing through plot No. 485, 486, 543, 542, 541, 540, 539, 538, 537, 536 and crossing through the Western Bank of Gumani river in plot no. 532 and meeting at point A13.
- A13-A14:- Line starting from point A13 in Gumani river Mouza Marchaitari no. 11 and passing through plot no. 532 of Gumani river and crossing the Western Bank of Gumani river passing through the plot no. 382, 383, 380, 381 and meeting at point A14 common boundary line of Mouza Marchaitari 11 and Piparjoria no. 10.
- A14-A15:- Line starting from point A14 entering in Mouza Garidih No. 9 passing through plot no. 667, 668, 669, 805 crossing the plot no. 669 and passing through plot no. 701, 702, 714, 713, 716, 720, 721, 669, 798, 796, 795, 791, 790, 787, 785, 782, 781, 780, 778, 777, 775, 771 and passing through the

common boundary of Mouza Garidih no. 9 and Bara Dhamni no. 7 and passing through plot no. 87, 89, 91, 95, 96, 97, 98, 85 and meeting at point A15 Mouza Bara Dhamni no. 7.

A15-A16:- Line starting from point A15 in plot no.84 Mouza Bara Dhamani no. 7 and passing through the Northern Boundary of plot no. 230, 231, 232, 233 and passing through plot no. 318, 239, 314, 313, 312, 311, 310, 307, 305, 304, 303, 301, 299, 297, 385, 386, 388, 389, 390, 393, 394, 395, 397, 398, 399, 375, 445, 504 and meeting at point A16 of Mouza Bara Dhamani no.7.

A16-A17:- Line starting from point A16 plot no. 504 of Bara Dhamani no. 7 and passing through plot no 504 and meeting at point A17.

A17-A18:- Line starting from point A17 of Mouza Bara Dhamani no.7 passing through plot no. 504, 470, 477, 478 and enterign common boundary line of Mouza Mako Madhgi no16 and passing through plot no. 19, 16 of Mouza Mako Madhgi no 16 and passing through common boundary line of Chota Puro no. 8 and Mako Madhgi no 16 and meeting at point A18 in plot no. 1056 of Chota Puro no.8.

A18-A1 :- Line starting from point A18 plot no. 1056 of Mouza Chota Puro no. 8nad passing through plot no. 215, 213, and meeting at point A1 in plot no.221 of Mouza Chota Puro no. 8 at P.S. Sunder Paharhi, Dist. – Godda.

BOUNDARY DESCRIPTION OF BLOCK -2 (B1 – B27)

B1-B2 :- Line starting from point B1 mouza Bara Dhamni No-7, P.S. Sunderpahari, Dist. Godda, Plot No 100 passing through plot no 100, 101, 102, 103 and crossing the Eastern Bank of Gumani River and passing through Plot No 1175 and crossing the Southern Boundary of plot no 1161, 1162, 1165 and crossing the Southern Bank of Gumani River and entering in Mouza Jordiha No-1, Passing through plot no 813, 496, 489, 493 and meeting at point B2 in plct no 489 of Mouza Jordiha no-1, P.S.-Littipara,dist. Pakur.

B2-B3 :- Line starting from point B2 in plot no 489 Mouza Jordiha No-1 and passing through plot no 487, 486, 485, 482, 481, 480, 477, 515 and meeting at point B3 in plot no.515 of Mouza Jordiha no-1.

B3-B4 :- Line starting from point B3 plot no 515 Mouza Jordiha No-1 and passing through plot no-515, 798 and crossing the common Boundry line of Mouza Jordiha no-1 and Chota Chatkam no-10 and passing through Western Boundry of plot no 353, 354 and passing through plot no 352, 342, 403, 402, 388, 389 and passing through common boundary of Mouza Chota Chatkam no-10 and Morgo no-9 and passing through plot no.- 7, 8, 9, 16, 15, 18 and meeting at point B4 in Mouza Margo no-9.

B4-B5 :- Line starting from point B4 in Mouza Margo no.- 9 and passing through plot no. 102, 101, 1 and crossing the common boundary line of Mouza Margo no-9 and Bansbhita no. - 8 passing through plot no.187, 191 and meeting at point B5 in Mouza Bansbhita no. - 8.

B5-B6 :- Line starting from point B5 Mouza Bansbitha no-8 passing through plot no-205, 68 passing through North East corner of plot no 25 and passing through plot no 9, 8, 4, 5, 1 and crossing the common boundary line of Mouza Bansbitha no-8 and Jordiha no-1 and passing through plot no 807 of Jordiha no-1 and meeting at point B6.

B6-B7 :- Line starting from point B6 in Mouza Jordiha N0-1 crossing the common boundary line of Mouza AmarBitha No-7 and Jordiha No-1 and passing through plot no 1 of Amarbitha no-7 and meeting at point B7.

B7-B8 :- Line starting from B7 in Mouza Amarbitha no-7, passing through plot no-1, Western Boundary of plot no-111. Passing through 112, 113 and 1, meeting at point B8 in Mouza Amarbitha no-7.

B8-B9 :- Line starting from point B8 in Mouza Amarbitha no-7, and entering in common boundary line of Mouza Bara Murjora no-3, and Amarbitha no.-7, passing through plot no-922, 920, 914, 915, 916, 917, 918, 831, 828, 827, 825, 824, 823, 822, 790, 787, 786, 778, 770, 773, 774, 432, 567, 464, 460, 459 and meeting at point B9 in plot no-448.

B9-B10:- Line starting from point B9 in plot no-448 of Bara Murjora no-3, passing through plot no 455, 454, 453, 450, 425, 424, 423, 422, 410, 411, 401, 359, 355, 356 and crossing the common boundary line of Mouza Simlong no-4 and Bara Murjora no-3, Passing through plot no 37, 38, 39, 40, 35, 34, 44, 45, 48, 69, 68, 67, 72, 71 and meeting at point B10.

B10-B11:-Line starting from point B10 in plot no 74 of Mouza Simlong No-4, passing through plot no-98, 100, 256, 257, 255, 253, 249, 247, 248, 257, 126, 127, 128, 132, 131, 174 and 432 meeting at point B11 in plot no 558 of Mouza Simlong no-4.

B11-B12:-Line starting from B11 in plot no 558 of Mouza Simlong no-4 and meeting at point B12 in plot no 559.

B12-B13:-Line starting from point B12 in Mouza Simlong no-4, passing through plot no-559, 432, 174, 132, 131, 130, 129, 128, 257, 248, 247 meeting at point B13.

B13-B14:-Line starting from B13 plot no 247 of Mouza Simlong no-4, passing through plot no-247, 233, 227, 226, 220, 221, 219, 200, 210, 201, 295, 296, 297, 309, 307 and meeting at point B14.

B14-B15:-Line starting from point B14 Mouza Simlong no-4, plot no-307, passing through plot no-308, 303, 301, 333, 486, 483, 491, 493, 496, 481, 436, 437, 438, 439, 444, 448, 449, 452, 464, 462, 463, 468, 474, 543, 400, 615 and crossing the Lada River and meeting at common boundary of Mouza Simlong no-4 and Lada Patahar no-27 at point B15.

B15-B16:-Line starting from B15 at common boundary point and passing through mouza Ladapathar no-27 plot no-167, 166, 165, 156, 151, 150, 148, 134, 133, 247, 246, 248, 257, 258, 259, meeting at point B16 in plot no 261.

B16-B17:-Line starting from point B16 plot no 261 of Mouza Lada Pathar no-27 and passing through plot no-261, 260, 310, 300 and passing through common boundary line of Mouza Lada Pathar no-27 and Dhoupfar no-26 and passing through plot no- 262, 67, 69, 74, 75 and meeting at point B17 in plot no 100.

B17-B18:-Line starting from point B17 plot no 100 of Mouza Dhoupfar No-26 and passing through plot no-100, 96, 94, 79, 85 and meeting at point B18.

B18-B19:-Line starting from point B18 the common boundary point of Mouza Dhoupfar no-26 and Southern Bank of Gumani River and passing through Gumani river and plot no 48, 47, 46, 37, 36, 38, 35, 34, 33, 30, 27, 26, 1 of Mouza Dhoupfar no-26 and crossing the common boundary line of Mouza Ladapathar no-27 and Dhoupfar no-26 and passing through Gumani River and meeting at point B19 on the Southern Bank of Gumani River plot no.3 of Ladapathar no.27.

B19-B20:-Line starting from point B19 plot no-3 of Ladapathar no-27 and passing through the common boundary line of Mouza Simlong no-4 and Ladapathar no-27 passing through plot no-363, 357, 358, 356, 331, 321, 322, 317, 280, 279, 278, 276, 286, 287, 265, 264, 263, 92, 93, 78, 79, 80 and meeting at point B20 in West corner of plot no-60 in Mouza Simlong No-4.

B20-B21:- Line starting from point B20 passing through plot no-60, 58, 8, 9, 12 and entering in common boundary line of Mouza Bara Murjora No-3 and Simlong No-4, passing through plot no-326, 327, 328, 321, 317 and meeting at point B21.

B21-B22:- Line starting from point B21 plot no-317 of Mouza Bara Murjora no-3 and passing through plot no-316, 313, 270, 271, 300, 294, 293, 292, 288 and meeting at point B22 in Gumani River.

B22-B23:- Line starting from Point B22 in Gumani River and crossing the common boundary line of Mouza Bara Murjora no-3 and Kherasol no-13 and passing through plot no-284, 223, 101, 100, 99, 98, 94, 95, 93, 92, 84, 69, 68, 66, 56 of Mouza Bara Murjora no-3 and meeting in plot no.57 at point B23.

B23-B24:- 3Line starting from point B23 in plot 57 of Mouza Bara Murjora No-3 and passing through plot no-58, 29, 42, 37, 36, 35, 31, 21, 18,19, 14, 13, 8, 7, 2 and entering the common boundary line of Mouza Chota Murjora no-2 and Bara Muljora no-3 and passing in plot no-188, 187, 186, 185, 184, 183, 182, 181, 180, 179, 178, 177, 173 of Chota Murjora no-2, and passing through common boundary line of Mouza Chota Murjora no-2 and Gumani River and passing through Gumani River plot no-124 again crossing the common boundary line of Mouza Chota Murjora no-2 and Gumani River and Meeting at point B24 in plot no-125 of Mouza Chota Murjora no-2.

B24-B25:-Line starting from point B24 Mouza Chota Murjora no-2 plot no-125 and passing through plot no-126, 125, 120, 123, 102, 101, 100, 62, 60, 59, 51 and meeting at point B25 in plot no-704 Mouza Chota Murjora no-2.

B25-B26:-Line starting from point B25 plot no-704 of Chota Murjora No-2 and passing through plot no-704 and crossing the Common boundary line of Mouza Jordiha no-1 and Chota Murjora No-2 and passing through plot no-820, 51, 262, 57, 58, 53, 131 and meeting at point B26 in plot no-53.

B26-B27:-Line starting from point B26 plot no-53 of Mouza Jordiha no-1 passing through plot no-52, 46, 47, 48, 38, 34, 35, 36, 37 and meeting at point B27 on the Eastern corner of plot no-2.

B27-B1:- Line starting from point B27 in Mouza Jordiha no 1 plot no-2 passing through plot no-3, 4, 5, 6,7,10,11, of Mouza Jordiha no-1 and entering in common boundary line of Mouza Jordiha no-1 and Garideh no-9 and passing through Gumani River and crossing the common boundary line of Mouza Bara Dhamni no-7 and Garideh no-9 and meeting at point B1 in plot no-100 of Bara Dhamni no-7 P.S. Sunderpaharhi, Dist.-Godda.

[F. No. 43015/10/2002-PRIW]

B. K. PANDA, Director

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2005

का. आ. 794.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कैण्टीन स्टोर्स डिपार्टमेंट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण नं. II, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 84/95) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-2-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-14011/3/94-आई. आर. (डी. यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 7th February, 2005

S.O. 794.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 84/95) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court No. II, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Canteen Stores Department and their workman, which was received by the Central Government on 7-2-05.

[No. L-14011/3/94-IR (DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN,
GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE,
NEW DELHI**

I. D. No. 84/95

Shri R. N. Rai, Presiding officer.

In the matter of :

Shri Sunder Pal Sharma and other.
S/o Shri Jay Kishan Sharma,
R/o 335-C, Chhaju Colony,
Old Delhi, Gali Chanakaya Marg,
Durga Puri Chowk, Delhi.

Versus

General Manager,
Canteen Stores Department,
Adelphi, Bombay-400020.

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-14011/3/94-IR(DU) Central Government dt. 04-08-1995 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :

“Whether the action of the management of CSD in terminating of services of S/Shri Sunder Pal and Om Parkash, daily rated Mazdoor w.e.f. January,

1989 and July, 1986 respectively is justified? If not, to what relief the workmen are entitled to?”

The workmen/applicants have filed statement of claim but the statement of claim is not on the record. However, they have submitted their case on the basis of the matter agitated before the Labour Commissioner. There is claim case dt. 11-8-1995 and it has been stated that the respondents were requested to regularise the services of the workmen/applicants in the Canteen Stores Department, Delhi as done in the case of their casual labour number in three by the Area Depot Manager, Kirby Place, Delhi Cantt. Daily rated Mazdoors after rendering one year's continuous service in a department with not less than 240 days work in a year may acquire temporary status and they cannot be terminated without the issue of one month's notice or a months pay as these DRM's are governed under provision of ID Act, 1947. The above employees were employed in a Semi Commercial Deptt. under the Ministry of Defence and they are entitled to the protection of section 25-F of the ID Act and the termination of their service after many years regular services as stated above without notice and without payment of terminal gratuity is illegal and they are entitled to reinstatement with back wages. They were being paid on muster roll and were admitted to CSD employees Provident Fund.

It has been further stated that it is reliably learnt that all employees of various depots have been called for and were made regular after termination of the above named DRM's. The employees are industrial workers and are being paid on muster roll after having been sponsored by employment exchange. These workmen did not leave the services but their services were terminated by the department without any cause. Their names should be included in the list of seniority proposed by CSD Department, Delhi Cantonment and again alongwith other retrenched employees. AIR 1986-SC-584, 1978(1) SIR 349, AIR 1987-SC-3342, CWC No. 7707 of 1982, Writ Petition No. 125 of 1987, 1988(1) SLR-351-SC and several other cases of the Hon'ble Supreme Court and High Court have been cited in the so called statement of claim but no copy of the same has been supplied.

The management has filed written statement. In the written statement, the simple case of the management is that the employees have never been the regular employees of the respondent/management against any of the vacant posts. They never worked for 240 days continuously. They have been casual daily rated labours. They are not entitled to any notice or pay in lieu of notice. Their services were never terminated. There was no work for them so Shri Sunder Pal and Shri Om Parkash were disengaged. They are not entitled for any relief under the doctrine of res judicata. Shri Sunder Pal Sharma filed an original application No. 53/90 against the General Manager, Canteen Stores Department, Bombay and Area Manager, CSD Department, Delhi with the same causes of action and the said application was disposed of by the CAT, Principal Bench, New Delhi on 5th of July, 1994. The Hon'ble CAT directed the respondents to consider the case of the applicants for regularisation in Group “D” class

when their turn comes in accordance with the seniority list prepared by the management/respondent.

It was further directed that they should also be given preference over the outsiders considering the fact that they worked in the department for some time earlier. This was decided on 5th of July, 1994. No casual labour who are junior to the workmen/applicants have been taken in service so their case of 25-G and 25-H is not made out. The applicants have not come to the court with clean hands. They have already filed a case in the CAT but they got no relief as they were not regular employees and they were not on muster roll employees so they were not regularised. When they failed in the CAT, they have filed this case in this Tribunal. Shri Sunder Pal was engaged as casual labour, Delhi Department w.e.f. 23-6-1980 to June, 1989 and Shri Om Parkash was engaged from 11-09-1980 to July, 1986 but they are not regular employees and seniors to them have not been regularised. There is no vacancy for regularisation. No outsider has been taken into service.

The workmen/applicants have filed rejoinder. They have stated the averments of their claim.

Evidence of both the parties has been taken.

Heard arguments from both the sides and perused the papers on the record. It was submitted from the side of the workmen that they have worked for 7-8 years and they should have given preference over the outsiders when fresh appointments were made out the respondents have not done so. They have taken fresh hands and they have not regularised their services. It was submitted from the side of the workmen/applicants that in case the workmen/applicants have any grievances, they should approach the CAT from where their original case No. OA 53/90 was decided on 5th of July, 1994. Since the workmen/applicants were not found fit to be regularised and their case was refused, so concealing the facts, they have filed this case in this Hon'ble Tribunal. Their rights have already been decided by the CAT. I have perused the order of the CAT. Shri Sunder Pal Sharma and Shri Vishnu Paswan have filed O. A. No. 50/90. The Hon'ble CAT has written that applicant No. 1 has put in more than three years services besides being the member of scheduled caste while applicant No. 2 has put in about 9 years of service. In view of this, they deserve to be considered on priority basis. Considering the facts and circumstances of the case, the respondents have been directed that in case, any fresh appointment is made to the post held by the applicants, they should be given preference over the outsiders. According to the order of the Hon'ble Court, in case outsiders were appointed and preference was not given to these two workmen they should have approached the CAT for directing the management to comply with the order of CAT but they have not done so. It was submitted by the management that their case has already been considered and no outsider has been appointed against their posts. They were daily rated mazdoor and they were not appointed against any post. There is adjudication of the CAT of 5th of July, 1994 when they were not found fit to be regularised they moved this case despite the order of the CAT. In case, there was any

disobedience of the directions of the Hon'ble CAT, the workmen ought to have gone in contempt proceedings before the CAT. A fresh case on the same cause of action does not lie in this court or Tribunal. This indicates that the case of the workmen/ applicants was considered by the respondent and they were not found fit for regularisation. The workmen applicants have not proved their case so they are not entitled to get any relief. The reference is replied thus.

The action of the management of CSD in terminating the services of S Shri Sunder Pal and Om Parkash, daily rated Mazdoor w.e.f. January, 1989 and July, 1986 respectively is justified. The workmen/applicants are not entitled to get any relief as prayed for.

The award is given accordingly.

Dt. 28-1-05

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2005

का. आ. 795.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी. पी. डब्ल्यू. डी. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण नं. II, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 105/97) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-2-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42011/24 96-आई. आर. (डी. यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th February, 2005

S.O. 795.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 105/97) of the Central Government Industrial Tribunal: Labour Court No. II, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of CPWD and their workman, which was received by the Central Government on 7-2-05.

[No. L-42011/24/96-IR (DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE, NEW DELHI

I. D. No. 105/97

Shri R. N. Rai, Presiding officer.

In the matter of :

The General Secy., CPWD,
Karamchhari Union (Regd.),
Plot No. 1, Aram Bagh, Near Udasin Mandir,
New Delhi-05.

Versus

The Director General (Works) CPWD,
Nirman Bhawan, New Delhi-01

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-42011/24/96-IR(DU) Central Government dt. 09-07-1997 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :—

"Whether the demand of the union/workman (as per list below) for regularisation of their services as A. P. Os. after completion of 240 days of continuous services as casual workers with the management of C.P.W.D. is fair and just ? If not, what relief the workman are entitled to".

1. Shri Vinod Kumar
2. Shri Ashok Kumar
3. Shri Awdesh Kumar
4. Shri Gajendra Singh
5. Shri Krishan Pal

The workmen applicants have filed statement of claim through their union. It has been stated that the workmen have been working with the management satisfactorily and carrying on their signed jobs most effectively. However, despite the fact of their effectively and long years of services with the management, they are denied with the fruits of regularisation causing them irreparable financial losses.

That the impugned action of the management in not regularising is against all the canons of law and due to the above said action of the management the workmen have been denied with the established law i.e. equal pay for equal work. It is submitted that job security is a fundamental right of the workmen more over, it is stated that while their counterparts A. P. O. rendering the same service get more wages and benefits the above said employers are left with the status of casual workers with less salary, no other benefits like D. A., A. D. A., L. T. A., H. R. A. annual increments and facilities, medical facilities etc.

That the above said workmen are entitled for regularisation against their initial day of induct in the management with consequential benefits. That the workmen have a strong case in their favour and the rights of regularisation can't be denied to them. The policy of the management in not regularising the services of the workmen as A. P. Os. amounts to perpetuation of unfair trade practice resulting to moral degradation of the above said workmen.

The workmen applicants have filed their rejoinder and they have reiterated the averments stated in the statement of claim. The management has not filed written statement in this court but it was stated from the side of the management that the workman applicant have already been regularised and the dates of their regularisation has been given.

Evidence of both the parties has been taken.

Heard arguments from both the sides and perused the papers on the record. It was submitted from the side of the workmen applicants that they have filed this ID case for arrears of wages from the date of their initiation in service. Almost all the workmen started working in 1984 and they have been regularised in 1996. Three workmen have been engaged in 1984 and the rest two have been initially employed prior to 27-09-1985. They have been regularised on different dates from 1996. It was submitted from the side of the management that when the post were vacant, they were regularised. No posts were created so there is no question of their regularisation from the initial date of their posting. It transpires from letter dt. 21-08-1997 that all the workers have already been regularised on getting the allotment of the vacant posts in CPWD from the Deputy Director of Admn.-II. It is evident from the scheme which has come into force w.e.f. 01-09-1993 that all the casual employees who have rendered 240 days service will be offered temporary status and the casual labourers who acquired temporary status, they will get minimum of the pay scale for a corresponding regular group-D officials including DA, HRA and CCA. It has also been mentioned in this memo that benefits of increment at the same rate as applicable to a group-D employees would be taken into account for calculating pro-rata wages for every one year of service subject to performance of duty for at least 240 days. They have been granted leave encashment also. It has also been mentioned in para 6 of the Memo that after rendering three years continuous service after conferment of temporary status, the casual labour would be treated on par with temporary group-D employees for the purpose of contribution to the General Provident Fund. It transpires from the perusal of the Memo dt. 30th September, 1993 that the casual labourers who have performed 240 days will be given temporary status and when they obtained temporary status, they are entitled to get pay scale of a corresponding regular group-D officials including DA, HRA and CCA. The memo dt. 01-09-1993 specifically mentions that employee of temporary status will get the pay scale of a corresponding regular group-D officials including DA, HRA and CCA. According to this memo, the workman applicant after 240 days service have obtained temporary status and they are entitled to get pay scale of a corresponding regular Group-D officials including DA, HRA, CCA. As such, the casual labourers deserve to get scale of pay corresponding to regular group-D employees. In this letter, there is no question of creation of posts or otherwise. If the Memo of the Department of Personnel and Training, casual labourers is given effect to the workmen applicants are entitled to get pay scale corresponding to class-D employees. The management witness has also admitted that the employees concerned are prior to the imposition of the ban. A ban was imposed on 11th of May, 1985 that the casual labourers will not be regularised until a post is created. All these employees have been working prior to the imposition of the ban. As such, they deserve to get the pay scales of a corresponding class-D employees.

My attention was drawn to FLR 1982 (44) 299. The Hon'ble Supreme Court in Randhir Singh case has held

that equal pay should be paid for equal work. This is one of the fundamental right declared by the Constitution. According to Article 39(d) of the Constitution, there should be equal pay for equal work for both men and women. Directive principles of state policy also direct that equal pay should be given for equal work. Equality clause of the constitution must mean something to everyone. Article 14 of the Constitution enjoins the State not to deny any person equality before the law or the equal protection of the law.

In 1986, SC 584, the Hon'ble Supreme Court has held that the Central Government, the State Government and like wise all public sector undertakings are expected to function like model and enlightened employers. The principle of equal pay for equal work is an abstract doctrine which cannot be enforced in a court of law should ill-come from the mouths of the State and State Undertakings.

In 1991-i LLJ 320, the Hon'ble Supreme Court referring to Article 14, 16 and 39 of the Constitution of India held that daily rated workmen of public sector corporation should get equal pay for equal work. The daily rated workers are also to be paid the salary of the permanent employees performing the same work. In Surinder Singh's case, it was held that daily wages employees of Central Public Works Department are entitled to pay and allowances on par with permanent employees. According to this decision, the respondent is bound to pay equal pay to the daily rated workers. In this decision, CPWD was itself respondent so this decision is fully applicable in the present case. It is admitted that the workman applicants were daily rated employees from 1984. They have been regularised in 1996 but in view of the decisions cited above, they are entitled to get equal pay of permanent employee from the initial date of their engagement. The management is indulging in unfair labour practices and despite the knowledge of judgement of the Hon'ble Supreme Court still daily rated employees have to seek remedy through legal forums.

It was submitted that the ban of 1985 was not imposed when these casual labourers were initially engaged. According to the management witness, they have been working prior to the ban imposed and in view of Memo of 1993, they are entitled to get pay scale equivalent to Class-D regular employee as has been mentioned above.

The reference is replied thus :—

The demand of the union/workman (as per list mentioned above) for regularisation of their services as A. P. Os. after completion of 240 days of continuous services as casual workers with the management of C. P. W. D. is fair and just. The respondent is directed to treat the workmen applicants as casual labourers on whom temporary status has been conferred from their initial date of service. They are entitled to get the pay scales of corresponding group-D employees. The management is further directed to pay the workman applicants the pay scales corresponding to the pay scale of class-D regular employees from their initial date of engagement. The entire arrears of back wages be paid within two months

from the date of the publication of the award. In case of default, the workmen applicants will be entitled to 12% interest per annum on their entire back wages.

The award is given accordingly.

Dt. : 27-1-2005

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2005

का. आ. 796.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण नं. 11, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 202/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-2-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/137/99-आई. आर. (डी. यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th February, 2005

S.O. 796.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 202/99) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court No. 11, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Archaeological Survey of India and their workman, which was received by the Central Government on 7-2-05.

[No. L-42012/137/99-IR (DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE, NEW DELHI

I. D. No. 202/99

Shri R. N. Rai, Presiding officer

In the matter of :

Sh. Upendra Choudhary,
As represented by Akhil Bhartiya Puratatav
Sarvekshan, Kamgar Union,
E-26, (Old Qtr), Raja Bazar,
Baba Kharak Singh Marg,
New Delhi-01.

Versus

The Director General,
Archaeological Survey of India,
Janpath, New Delhi-11.

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-42012/137/99-IR(DU) Central Government dtd. 13-10-1999 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :

"Whether the action of the Director General, Archaeological Survey of India, Janpath, New Delhi in stopping from duty/terminating the services of Sh. Upendra Choudhary w.e.f. 28-3-97 and not regularising him in the pay scale of Rs. 750-940 is justified, valid and legal ? If not, to what relief the workman is entitled".

That Sh. Upender Choudhary S/o Sh. Dhanukdari Choudhary was initially engaged in the year 1991 as Muster Roll Beldar and posted in Archaeological Survey of India in Delhi circle and worked at Humayun Tomb Red Fort etc. under the control of above management. That the working days of workman as referred hereinabove have been confirmed by the management in its written statement submitted before the conciliation officer and some of by issuing the certificates to the workman.

That the workman demanded regularisation of his services through his trade union then the management annoyed and the services of workman were terminated w.e.f. 28-3-97 without any notice, notice pay, gratuity etc. and hundreds of junior workmen to him were retained like Sh. Kamlesh, Pitambar, Raj Kumar and some others were granted temporary status w.e.f. 1-9-93.

That the workman performed his duty from July, 1991 and till the date of illegal termination i.e. 28-3-97 continuously under the definition of continuous service provided under section 25B of the Industrial Disputes Act, 1947. That the workman had been performing his duty continuously and he was denied even equal pay for equal work as granted by the Deptt. of Personnel and Training vide its O. M. No. F. No. 49014/86-Estt.(C) dated 7th June, 1988.

That Sh. Upender Choudhary was performing the duty of casual workman as muster roll worker and had been performing the same day as the counter parts in the regular establishment as Beldar was doing and his duty hours were also the same but the management discriminated the workman even in the payment of equal pay for equal work while ignoring even the order of Govt. of India. Deptt. of Personnel and Training dated 7th June, 1988.

That thereafter the Deptt. of Personnel and Training have also issued O. M. No. 51016/2/90 Estt. (C) dated 10th September, 1993 and granted the temporary status and regularisation of casual workers w.e.f. 1-9-93 but the management have also not implemented in respect of the workman Sh. Upender Choudhary. Copy of the said O. M. is enclosed and marked as. That the Deptt. of Personnel and Training in its O. M. dated 10th September, 93 in para 6 have also inserted that if any additional benefits are admissible to casual workers in industrial establishment in view of the provision of Industrial

Disputes Act, 1947 the they shall continue to be admissible to such casual labourers and the same is reproduced as under :—

"No benefits other than those specified above will be admissible to casual labourers with temporary status. However, if any additional benefits are admissible to casual workers working in Industrial establishments in view of provisions of Industrial Disputes Act, they shall continue to be admissible".

That the workman was performing the duties as unskilled workman for maintaining the Humayun Tomb, Red Fort etc. as the said maintenance work and activities are covered under the definition of Industrial Disputes Act, 1947. That the management with a view to deny to permanent status to the workman retained Sh. Upender Choudhary as daily rated worker from July, 1991 and terminated his services when he demanded regularisation w.e.f. 28-3-97 which action of the management is unfair labour practice as envisaged in item 10 of 5th schedule under section 2(ra) as unfair labour practice and the same portion is reproduced as under :—

"To employ workmen as "badlis" casuals or temporaries and to continue them as such for years, with the object of depriving them of the status and privileges of permanent workmen".

That in the light of the provision of section 2(ra) of I. D. Act, 1947 the workman is entitled to be regularised in service in the time pay scale w.e.f. 28-3-97 in the pay scale of Rs. 750-940 and the revised pay scale of Rs. 2550-3200 w.e.f. 1-1-96 with all consequential benefits.

The management has filed written statement. In the written statement, it has been stated that the present application is liable to be dismissed as the Hon'ble Tribunal does not have the jurisdiction to try the present dispute as the same is not an Industrial Dispute. Further the claimant is not a worker as per Industrial Act, and moreover, being a matter not related to Industrial Dispute, the present claim should be dismissed. That the claimant has concocted false story and has not come out with the true story and has concealed the material facts from this Hon'ble Tribunal as such as claim is liable to be dismissed. In this matter the management is a Central Govt. Department under the Ministry of Human Resources Development, Department of Culture, Govt. of India and has been declared as Scientific and Technological Institution by Govt. of India vide notification No. 36016/2/89-Estt. Dated 27-10-89 published in the Gazette of India. Archaeological Survey of India is discharging its duties for the preservation and conservation of ancient and historical monuments and archaeological sites and remains which are declared to be of national importance under AM and ASR Act, 1958, regulation of archaeological excavations, implementation of the ancient monument and archaeological sites and remains Act, 1958, Rules, 1959. The Antiquities and Art Treasure Act,

1972, Rules 1973 etc. are also being performed by the Archaeological Survey of India.

That the present claim is liable to be dismissed as the Archaeological Survey of India is neither an Industry nor industrial establishment nor industrial undertaking so as to attract the provisions of ID Act as Archaeological Survey of India is performing sovereign functions of the state as enshrined in the Constitution of India in looking after the centrally protected monument of national importance spread over throughout the length and breadth of the country. As such the provisions of Industrial Disputes Act shall not apply to the employees or the daily wages casuals engaged as Muster Rolls by the A. S. I. That the present claim is liable to be dismissed as the sanctioned staff/personnel are governed by the CCS regulations and statutory instructions issued by the Department of Personnel and Training. The said staff is classified as non-industrial posts. Besides posts. Besides the regular establishment, A. S. I. also engages daily wages casual labourers on need basis periodically for removal of vegetational growth and special repair works etc. on Monuments like mosque, tombs, pillars, Hauzes, wells, walls, inscriptions, cemeteries, temples and gardens etc. which is purely of casual/temporary nature and carried out for short duration. The said casual labourers of following regional trades like beldars, bandhani, stone cutter, mason etc. are for doing periodical repair of the monuments for archaeological excavations. The period of such work usually ranges from 3/4 weeks to 10/11 weeks depending upon the quantum of work. The wages to such daily waged casual labourers are paid in accordance with the provisions of the minimum wages act.

That the respondent has not violated any Industrial Disputes Act or law and every action of theirs are within the ambit of law, as such the claim is liable to be dismissed. That the workman applicant has filed rejoinder and in his rejoinder, he has denied most of the paras of the written statement and has reiterated the averments of the statement of claim.

Evidence of both the parties has been taken.

Heard arguments from both the sides and perused the papers on the record. It was submitted from the side of the workman applicant that he was initially engaged as Muster Roll Beldar from 1991. He worked as Humayun Tomb Red Fort etc. under the control of the respondent/management. His services were terminated from 28-03-1997 though he was confirmed. Juniors to him have been retained. The names of the juniors retained have been given i.e. Shri Kamlesh Kumar, Shri Pitamber, Shri Raj Kumar and some others. These juniors have been given temporary status from 01-09-1993. It was also submitted from the side of the workman applicant that he is entitled to equal pay for equal work.

My attention was drawn to Office Memo dtd. 10th September, 1993 of the Department of Personnel and Training, according to which the benefits of regularisation should be given to the casual workmen. According to Office Memo dtd. 7th June, 1988 workers are to be

regularised in view of AM and ASR Act, 1958 but the workman applicant has not been regularised and his services have been terminated after continuous working of 6 years.

It was submitted from the side of the management that he was engaged for doing periodical work. There is no evidence in respect of the same and it has been admitted rather by the respondent that he worked continuously for 6 years. Juniors to him have been regularised. It was submitted by the respondents that the respondents are not industries and the court has no jurisdiction to decide the case. The job of the workman is of perennial nature and there is no question of creation of posts. The respondents carry systematic human activities. As such, in view of the Bangalore Water Supply, the ASI is an industry. In case, juniors to him have been retained, 25-G is attracted. The law laid down by the Hon'ble Supreme Court—first cum last go is also applicable in the instant case. The management has not repudiated the continuous working of the workman but much emphasis has been laid that the respondent is not an industry but according to tastes laid down in the Bangalore Water Supply, the respondent is an industry. It is not engaged in sovereign work. It was submitted from the side of the management that he was removed from service on 28-03-1997 but he has moved the case in 1999, as such, there is a gap of three years. There is delay and laches on the part of the workman applicant.

It was submitted from the side of the workman applicant that admittedly juniors to the workman applicant have been retained and the workman applicant has worked continuously for six years. The names of the juniors have also been mentioned as such the respondent should regularise the services of the workman applicant according to principles laid down by the Hon'ble Supreme Court of first cum-last go but the management has not followed this principle.

In 1995 (71) FLR 462 Sh. Vikram's Chaudhary case the Hon'ble Supreme Court has propounded the theory of 1st come last go. It implies that juniors cannot be retained and seniors cannot be dispensed with their services. The management has indulged in unfair labour practices. The juniors have been retained and the workman has been removed.

The workman applicant is a manual labour. He must be doing some work for his livelihood. There is delay and laches in filing the I. D. Act case so he deserves to get only 25% back wages.

My attention was drawn to 82 (99) Delhi Law Times, 1990-I-LLJ-20 and 1979 (38) FLR-SC. I have perused these cases. These cases relate to abandoned but in this case, there is no question of abandonment. From the side of the workman applicant, my attention was drawn to 2003(8) SCC, 334 and 2005(8) SCC 444, 1993, LLJ-35. I have gone through the decisions laid down. In the cases referred to above, there is no question of abandonment as such, the law cited by the management is not applicable

in the facts and circumstances of the case. There is delay in filing the case. As such, in view of the decision of the Hon'ble Supreme Court, the workman applicant is entitled to get 25% wages. The law cited by the management are not applicable.

The workman deserves to be reinstated from 28-03-1997 with 25% back wages in view of delay and latches.

The reference is replied thus :—

The action of the Director General, Archaeological Survey of India, Janpath, New Delhi in stopping from duty/terminating the services of Sh. Upendra Choudhary w.e.f. 28-3-97 and not regularising him in the pay scale of Rs. 750-940 is neither justified nor valid nor legal. The workman deserves to be reinstated with continuity of service and 25% back wages from the date of his termination i.e. 28-03-1997 and he is entitled to get the pay of a permanent employee from 28-03-1997. The management is directed to reinstate the workman applicant and make payment of arrears of wages within two months after publication of the award. In case of default, the workman applicant will be entitled to 12% interest on the entire back wages.

The award is given accordingly.

Dt. : 20-1-04

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 2005

का. आ. 797.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नं. 2, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 296/1999) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-2-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/59/1999-आई. आर. (बी. II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th February, 2005

S.O. 797.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 296/1999) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Dhanbad No. 2 as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Canara Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 8-2-2005.

[No. L-12011/59/1999-IR (B-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Biswas, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 296 of 1999

PARTIES :

Employers in relation to the management of Canara Bank and their workmen.

APPEARANCES :

On the behalf of the workmen : Mr. D. K. Verma Advocate.

On behalf of the employers : Mr. S. K. Aggarwal, Advocate.

State : Jharkhand

Industry : Bank

Dated, Dhanbad, the 27th January, 2005

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-12011/59/99-IR (B-II) dated 26th August, 1999.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Canara Bank, Patna in dismissing S/Shri Mahendra Prasad, Staff No. 26111, Peon, Canara Bank, Govindpur Branch, Shyamdahan Dhobi, Staff No. 17948 Clerk, Canara Bank, Govindpur Branch and Jawarahlal Gupta, Arm Guard, Canara Bank, Govindpur Branch, from the services of the company only on the basis of conviction made U/s. 323 of the IPC by the J. M. 1st Class, Dhanbad order dt. 21-8-96 in GR Case No. 3689/92 (appeal against which is pending in the Court of Dist. & Session Judge, Dhanbad) and without holding any enquiry and providing principle of natural justice after issue of chargesheet dt. 29-9-92 to all the concerned workmen is justified? If not, what relief the concerned workmen are entitled to?"

2. The case of the concerned workmen according to Written Statement submitted by the sponsoring on their behalf in brief is as follows :—

The sponsoring union submitted that the concerned workmen were falsely implicated in a criminal case by Senior Manager Mr. K. P. Baranwal in view of FIR lodged by him at Govindpur P. S. After receipt of the said FIR Govindpur P. S. started a case bearing No. 260/92. They submitted that the concerned workmen were found guilty.

by the Ld. Magistrate vide his order dt. 21-8-96, wherein they were convicted under Section 323 I. P. C. and ordered to be released on probation on executing bond with two sureties of Rs. 30,000 with the condition to maintain peace and good behaviour for one year. However, they were acquitted from the charges brought under Section 353/448/325 I. P. C. Against that order of conviction the concerned workmen preferred an appeal before the Appellate authority vide Criminal Appeal No. 135/96. They alleged that during pendency of the hearing of the said appeal management dismissed the concerned workmen on the basis of conviction passed by the Ld. Magistrate in Cr. Case No. 3609/92, without holding domestic enquiry though chargesheets were issued to them. During pendency of that appeal the concerned workmen also raised the present industrial dispute and challenged the validity and legality of dismissal order issued against them by the management for conciliation which ultimately resulted reference to this Tribunal. They submitted that vide order dt. 16-2-2001 learned Additional Sessions Judge, Dhanbad acquitted the concerned workmen from all charges after setting aside the order of conviction passed against them by the Ld. Magistrate and also simultaneously were discharged of the liabilities to file bonds as directed under the Probation of Offenders' Act. Thereafter, the management passed the order to reinstate the concerned workmen and allowed them to resume their duties. They submitted that the concerned workmen were not paid the wages for the intervening period from the date of dismissal i.e. 3-3-98 till the date of reporting the Bank on reinstatement in the service. They alleged that the management withheld the wages of the concerned workmen for the intervening period treated as "Not spent on duty," illegally and arbitrarily and violating the principle of natural justice. They submitted that the concerned workmen are very much entitled for the wages during the intervening period. Accordingly they submitted prayer to pass Award holding that the dismissal of the concerned workmen were illegal and justified and also directing the management to pay wages for the idle period i.e. from the date of dismissal to the date of reinstatement in their services.

3. Management on the contrary after filing Written Statement-cum-rejoinder have denied all the claims and allegations which the sponsoring union asserted in the Written Statement submitted on behalf of the concerned workmen. They submitted that on the ground of assaulting the Manager of the Bank, an FIR was lodged against the concerned workmen and on the basis of which a criminal case was started against them. After investigation Police submitted chargesheet and thereafter trial of that case was taken up by the Ld. Judicial Magistrate 1st Class, Dhanbad. After trial the accused persons were found guilty under Section 323 I. P. C. and were convicted accordingly but instead of pronouncement of any sentence they were released under the Probation of Offender Act on executing bond.

They submitted that as per Section 10(1)(b)(i) of Banking Regulations Act, 1949 no Banking Company shall employ or continue the employment of any person,

who has, or at any time, has been adjudicated insolvent, or suspended the payment or compounded with his creditor or, who has, or has been convicted by a criminal court for offence involved in moral turpitude. As per clause 19(3)(b) of the Bipartite Settlement dt. 19-1-1966, if the employee is convicted by any Court of law, he may be dismissed with effect from the date of conviction. There is also a similar provision under Chapter XI, Regulation 21(3)(a) of Canara Bank Service Code. They submitted that the workmen were convicted by Criminal Court for an offence involved in moral turpitude. The provisions of Banking Regulation Act imposes restriction on the Respondent Bank that the Bank employees convicted by a criminal court for an offence involved in moral turpitude shall no longer continue in the Bank irrespective of the fact whether the employee undergoes sentence of punishment or not. For the above purpose the conviction itself is enough. Since there was a statutory prohibition for the continuation of employment of the workmen in the Bank, the Board of Directors, the Competent Authority, in exercise of power conferred under Regulation 21(3)(a) read with Regulation 21(4) of Chapter XI of Canara Bank Service Code, dismissed the workmen from the services of the Bank.

However, the workmen on appeal were acquitted in the criminal case and the matter was placed before the Board of Directors and on examining the same, it was ordered to reinstate the workmen in the services of the Bank subject to the terms and conditions mentioned therein. Accordingly the concerned workmen were reinstated in the service subject to the terms and conditions mentioned therein. They submitted that since the concerned workmen were involved themselves in a criminal offence amounting to moral turpitude though they were later acquitted, they have disabled themselves from rendering the services on account of conviction. As the impugned order is completely justified in law and needs no interference. Consequently to the acquittal in the Criminal Case the concerned workmen were reinstated in service by order of the Competent Authority subject to the condition that the period of suspension of Sri S. D. Dhobi between 30-9-1992 to 7-2-1995 and the intervening period from the date of serving of dismissal order i.e. 3-3-1998 till his joining the Bank as one not spent on duty and therefore is not entitled to for any back wages. Similarly as regards Sri Mahendra Prasad, the intervening period and serving the dismissal order i.e. 28-3-98 till his joining the Bank was treated as one not spent on duty and therefore he was not entitled to get any back wages. In respect of Sri Jawaharlal Gupta the intervening period from the date of serving the dismissal order i.e. 27-2-1998 till his rejoining the Bank was treated as one not spent on duty and therefore he was not entitled for any back wages.

They submitted that the workmen were terminated from the services on account of conviction by the Criminal Court. Section 10(1)(d) of Banking Regulation Act, 1949 prohibits the Banking Company from employing or continuing the employment of any person who has been convicted by the Criminal Court for the offence involving moral turpitude. In view of the statutory prohibition for

continuing the employment of the workmen in the services of the Bank, the Competent Authority after considering the conviction, exercised the powers conferred under Regulation 21(3)(a) read with Regulation 21(4) of Canara Bank Service Code dismissed them from service of the Bank. The dismissal of the workmen were justified in law and therefore they were out of employment during the period for which the workmen now claim back wages. The workmen had not rendered any work in the Bank during that period when they were out of service. Therefore, the claim of the workmen for back wages is not maintainable and against the principle of service jurisprudence. Management accordingly submitted prayer to pass Award rejecting the claim of the workmen.

4. POINTS TO BE DECIDED :

"Whether the action of the management of Canara Bank, Patna in dismissing S/Sh. Mahendra Prasad, Staff No. 2611, Peon, Canara Bank, Govindpur Branch, Shyamdahin Dhobi, Staff No. 17948, Clerk, Canara Bank, Govindpur Branch and Jawaharlal Gupta, Arm Guard, Canara Bank, Govindpur Branch, from the services of the company only on the basis of conviction made U/S 323 of IPC by the J. M. 1st Class, Dhanbad order dt. 21-8-96 in Gr. Case No. 3689/92 (appeal against which, is pending in the Court of Distt. and Sessions Judge, Dhanbad) and without holding any enquiry and providing principles of natural justice after issue of chargesheet dt. 29-9-92 to all the concerned workmen is justified? If not, what relief the concerned workmen are entitled to?"

5. FINDING WITH REASONS :

It is admitted fact that the concerned workmen have been reinstated in service by the management after they were acquitted by the Appellate Court in connection with a Criminal Appeal No. 135/96 arising out of Gr. Case No. 3609/92. It is also admitted fact that the concerned workmen were dismissed from service with effect from 3-3-98 by the management when they were found guilty and convicted by the Ld. Magistrate in connection with Gr. Case No. 3609/92 (Govindpur P. S. Case No. 260/92) U/S 323 IPC. However, Ld. Magistrate instead of imposing any sentence released the convicts i.e. the accused persons on probation under Probation of Offenders Act on executing bond with two sureties with the condition to maintain peace and good behaviour for one year. Against that judgement and order of the Ld. Magistrate being aggrieved the convicts i.e. the concerned workmen preferred an appeal. As the workmen have already been reinstated in service, learned Advocate of both sides in course of hearing submitted that it is redundant to consider whether management was justified or not in dismissing them from service on the basis of order of conviction passed by the Ld. Magistrate withholding any domestic enquiry in view of chargesheet issued to them. Here only point for consideration is whether the concerned workmen are entitled to get back wages from the date of dismissal i.e. 3-3-98 till the date of their respective reinstatement

in service. It is the contention of the Ld. Advocate for the concerned workmen that as the concerned workmen were kept on probation under Section 4 of the Probation of Offenders Act by order of the Ld. Magistrate on executing a bond of Rs. 30,000 subject to condition that they will maintain peace and tranquility in the locality for a period of one year they are not to be dismissed from service in view of provision as laid down under Section 12 of the Probation of Offenders Act. Section 12 of the said Act speaks as follows :—

"Notwithstanding anything contained in any other law, a person found guilty of an offence and dealt with under the provisions of Section 3 or Section 4 shall not suffer disqualification, if any, attaching to a conviction of an offence under such law :

Provided that nothing in this Section shall apply to a person who, after his release under Section 4 is subsequently sentenced for the original offence."

In the decision reported in Supreme Court Labour Judgement page 443. Their Lordships of the Hon'ble Apex Court in para 14 observed as follows :—

"It was suggested that Section 12 of the Act completely obliterates the effect of any conviction and wipes out the disqualification attached to a conviction of an offence under such law. This argument, in our opinion, is based on a gross misreading of the provisions of Section 12 of the Act. The words, 'attaching to a conviction of an offence under such law' refer to two contingencies; (i) that there must be a disqualification resulting from a conviction and (ii) that such disqualification must be provided by some law other than the probation of Offenders Act. The penal Code does not contain any such disqualification. Therefore, it cannot be said that Section 12 of the Act contemplates an automatic disqualification attaching to a conviction and obliteration of the criminal misconduct of the accused. It is also manifest that disqualification is essentially different in its connotation from the word 'misconduct'. Disqualification, cannot be automatic consequence of misconduct, unless the statute so requires. Proof of misconduct may or may not lead to disqualification, because this matter rests on the facts and circumstances of a particular case or the language in which the particular statute is covered. In the instant case neither Art. 311(2) proviso (a) nor Rule 14(i) of the Rules of 1968 contain any express provision that the moment a person is found guilty of a misconduct on a criminal charge he will have to be automatically dismissed from service. Article 311(2) proviso (2) is an enabling provision which merely dispenses with the various stages of the departmental inquiry and the show cause notice. Rule 14 despite incorporating the principle of proviso (a) to Art. 311(2) enjoins on the disciplinary authority to consider the circumstances of the case before passing any order. Thus, in our opinion, it is a fallacy to presume that the conviction of a

delinquent employee simpliciter without anything more will result in his automatic dismissal or removal from service.”

Their Lordships discarded automatic dismissal or removal from service. On the contrary the submission of the management is that Banking Regulation Act imposed restrictions to the effect that when an employee of the Bank is convicted by any Court under Criminal law for an offence involving of moral turpitude shall no longer continue in the Bank irrespective of the fact whether the employees undergo the sentence of punishment or not. Learned Advocate for the management submitted that since there was a statutory obligation the competent authority in exercise of powers conferred under Regulation 21(3)(a) read with Regulation 21(4) of Chapter XI of Canara Bank Service code have dismissed the concerned workmen from the services of the Bank.

It is admitted fact that the concerned workmen being aggrieved with the order of the Ld. Magistrate preferred an appeal before the Court of Ld. District and Session Judge, Dhanbad which was registered as Criminal Appeal No. 135/96. It is therefore, clear that they preferred an appeal against the order of conviction and not against the order of keeping them under probation of Offenders Act. Any order passed under Section 4 of the Probation of Offenders should be considered as a subsequent step of the order of conviction with a view to give the convict an opportunity to correct himself in future and in such case the order of sentence is kept in abeyance. It is fact that as per Section 12 of the Probation of Offenders Act when a convict is dealt with under Sections 3 and 4 of the Probation of Offenders Act shall not suffer disqualification if any attaching to a conviction of an offence under such law or not. In para-14 of the judgement referred to above Their Lordships of the Hon'ble Apex Court discussed this issue clearly and observed to the effect that “In our opinion it is a fallacy to presume that the conviction of a delinquent employee simpliciter without anything more will result in his automatic dismissal or removal from service.” It is seen that immediately after passing the order by the Ld. Magistrate the concerned workmen were dismissed from service by the appropriate authority in view of Banking Regulation applicable to the employees as referred to above. As subsequently the concerned workmen were acquitted by the appellate Court question have come forward whether they are entitled to get back wages for the entire period of their dismissal. Ld. Advocate for the concerned workmen submitted that as the concerned workmen were kept on probation as per Section 12 of the Probation of Offenders Act they should not be disqualified from rendering service to the Bank. Here the picture appears to be quite different and for which I find difficult to support the contention of the Ld. Advocate for the concerned workmen. The matter would have been ended and question of application of Section 12 of the Probation of Offenders Act would arise if the concerned workmen would not prefer appeal against the order of conviction passed by the Ld. Magistrate. The concerned workmen did not prefer appeal against the order of keeping them on probation U/S 4 of the Probation of Offenders Act but

against the order of conviction. As the concerned workmen did not enjoy the privilege given by the Ld. Magistrate in his order under Section 4 of the Probation of Officers Act they were treated as convicts till the disposal of the appeal in question. Learned Advocate for the management accordingly relying on the decision reported in 1997 Supreme Court cases L & S (491), 1997 Supreme Court cases (L & S) (847) and 1998 II CLR-230 submitted that as the concerned workmen were convicted they are not entitled to get back wages though subsequently they have got the acquittal from the Appellate Court. Their Lordship of the Hon'ble Apex Court observed in the decision reported in 1997 Supreme Court Case (L & S) 491 :

“Question of back wages would be considered only if action by way of disciplinary proceedings has been taken against him and the action was found to be unsustainable in law and he was unlawfully prevented from discharging the duties. In that context his conduct becomes relevant. Each case is required to be considered in its own backdrop.”

Therefore, it is clear that if any order of dismissal is issued by the appointing authority relying on the order of conviction passed by the Court and subsequently if the said order of conviction is set aside by the Appellate forum the concerned employee is debarred from getting back wages. Accordingly relying on the decisions referred to above I hold that the concerned workmen are not entitled to get back wages in view of their claim. In the result, the following Award is rendered :—

“As the concerned workmen have already been reinstated in service, learned Advocates on both sides in course of hearing submitted that it redundant to consider whether management was justified or not in dismissing them from service on the basis of order of conviction passed by the Ld Magistrate withholding any domestic enquiry in view of chargesheet issued to them. So, no Award is passed in this regard. However, it is held that the concerned workmen are not entitled to get any back wages from the date of dismissal till the date of their respective reinstatement in service.”

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 798.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एन. एफ. रेलवे के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय गुवाहाटी, असम के पंचाट [संदर्भ संख्या 24(सी)/2002] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-2-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/100/2002-आई. आर. (बी. 1)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 798.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award [Ref. No. 24(c) of 2002] of the Industrial Tribunal, Guwahati, Assam now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of N. F. Railway and their workman, which was received by the Central Government on 8-02-2005.

[No. L-41012/100/2002-IR (B-I)]
B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

IN THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, GUWAHATI, ASSAM

Reference No. 24(C) of 2002

PRESENT :

Shri D. C. Choudhury, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Guwahati

In the matter of Industrial Dispute

BETWEEN :

The Management of the General Manager (P),
N. F. Railway, Maligaon.

Vs.

Their workmen Shri Thanu Ram Deka.

APPEARANCE :

Shri K. C. Sarma : For the Management
Advocate.

Shri K. K. Biswas : For the Workmen
Advocate.

Date of Award : 31-12-2004

AWARD

This Industrial Dispute has been registered on the basis of the reference made by Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi vide its letter No. L-41012/100/2002(IR) (B-I), dt. 24-10-2002 to adjudicate the dispute arising between the Management of N. F. Railway and its workman Shri Thanu Ram Deka on the following issue :

“Whether the action of the Management of N. F. Railway in denying absorption of Shri Thanu Ram Deka, Ex. Casual Labour to the temporary status under N. F. Railway, since 1994 along with other 9 (nine) Casual workers is justified ? If not, what relief Sri Thanu Ram Deka entitled to ?”

On receipt of reference, a reference case was registered in this Court and notices were issued both parties calling upon them to file their written statement/ addl. written statement and documents if any. In response to the notices both parties appeared in this court and filed their written statement. Both parties also adduced evidence both oral and documentary in support of their respective case.

The case of the workman in brief is as follows :

That the workman Sri Thanu Ram Deka got appointment as Casual Labour in 1974 in the N. F. Railway's construction to organization and continued to serve the Railway till 16-3-77 when his residential house at Bhaihata Chariali in the Kamrup District got burnt due to a devastating fire and all his belongings, including all the valuable documents relating to his service reduced to ashes.

That on consequent of the said Fire-accident the workman Sri Thanu Ram Deka lost all his self-control, got mentally derailed and suffered depression for quite a long span of years and undergone treatment under the famous psychiatrist Dr. Deepali Dutta of Guwahati.

That during those long spans of years of the workman's ailments the Management had neither retrenched his services nor communicated anything to his home address which postulates that Sri Thanu Ram Deka is still in Railway service and entitled to get all benefits in accordance with the Railway Rules.

That on being found medically fit the workman want to resume his duties on 6-3-97 with all valid medical certificates; but he was told by the Managements that since his name was not in the “LIVE CASUAL LABOUR REGISTER”, as on 1981, his resumption/re-instatement of service would not be allowed.

That the Management/N. F. Railway administration's such plea of disallowing the rightful claim of the workman for his resumption/re-instatement in service was but ridiculous and brazen decision. For, it is the duty of the administration/Management to record the names of all Casual Labours, both of the project/construction and open-line in the “Life Register”, as per Railway Board's directives whose names were in the Roll of Group-D employments, i.e. project Casual Labourers prior to 1-1-1981.

That the Management/the Railway administration has misrepresented the Hon'ble Supreme Court's judgment communicated vide Railway Board's circular No. PC/IV/86/DA-1 dated 24-9-86 which laid down that the project Casual Labourers who had completed 180 days service on or before 1-1-81 would continue to be brought under the scheme of absorption of project Casual Labours and their names should be enlisted by the departments and thereon had to be appointed by 31-3-87.

That as ill luck would have it, during the material period of absorption of the project Casual Labours in the eighties the workman Sri Thanu Ram Deka was in the sick-list and despite knowing the fact of his prolong sickness the N. F. Railway administration/Management *suo motu* did not think it to be expedient to enlist his name and regularise his service in the regular employment of Group-D staff at par his nine batch-mates who were absorbed as Gangmen, and thus arbitrarily deprived him of his rightful claim of re-instatement/absorption, albeit he is still in the Railway service as no Notice/Order of his retrenchment/termination has been issued so far.

That it is submitted that 9 (nine) casual labourers, junior to the workman Sri Thanu Ram Deka, were screened *vide* GM (Works) N. F. Railway/Maligaon's Memorandum No. W/FCW/(E-IM)(B)/PT-II dt. 11-7-94 and subsequently posted in Lumding Division, ignoring the claim of the workman Sri Thanu Ram Deka despite repeated representations and personal approaches to the Management by Sri Deka and this Union, both written and oral.

That Management in spite of having repeated notices from the ALC(C) Guwahati did not bother for the least to attend the joint discussion/conciliation which resulted "the dispute ended in a failure *ex parte* in absence of the N. F. Railway Management, particularly the management did not show any interest in attending in conciliation", as observed by the ALC(C)/Guwahati while referring the matter to the Ministry of Labour/New Delhi.

That the inaction and the wanton attitude of the N. F. Railway Management have violated the principles of Natural Justice and the set to Rules established by the Railway System itself for causing detrimental action to an employee by not giving his "Just dues" of legitimate claim and thereby hits the Articles—14, 16(1), 39(a) & 309 of the Constitution of India.

Under the above facts and circumstances the workman has prayed for passing an award for reinstatement of his service with all consequential benefits with their retrospective effect from the date of his due date of getting such redressal of grievances and direct the N. F. Railway Administration/Management to implement the order forthwith.

The case of the management in brief is as follows :

That the suit is not maintainable in present form in law as well as in fact and is liable to be dismissed.

That the suit is barred by law of limitation in as such as the workman/petitioner has filed the suit after a gap of twenty years according to his own submission which is beyond the period of limitation and as such the suit is liable to be dismissed.

That it was no fault of the management but for workman's own fault he himself debarred from getting re-engagement regularly in Railway.

That some *post facto* certificate, i.e. Police-certificate from P. S. at Baihata Chariali, certificate of village Head and Psychiatrist treatment certificate were submitted by the workmen in 1997 which is exactly twenty years later of the incident. All these were not submitted during the factual time.

That as soon as the Project works have been completed, the Casual project workers are automatically got discharged from the engagement as the person concerned was required only for the specified engagement. Any communication regarding retrenchment or is required even no notice was served to the workman in such engagement. The service of this type of workman was automatically demised due to completion of the project work.

That the workman on 1997 came to the office of the Management to resume his duties alongwith modically fit certificate. But the Management admitted the fact that as the name of the workman is not in the "LIVE CASUAL LABOUR REGISTER" he was not allowed to resume his duties. It may be mentioned here that in pursuant to directions given by the Hon'ble Supreme Court in their order dated 23rd Feb. 87, in W.P. No. 332 of 1986, the Ministry of Railways decided that the cases of project casual Labour who had worked such before 01-01-1981 and who were discharged due to completion of work or for want of further work, may be considered for absorption in Group "D" post. In this respect, wide circulation/publicity was given to all concerned to submit written representation with adequate documentary proof in this regard to as to reach the concerned Railway Divisional Office on or before 31-3-1987 for consideration/entry of their name's in the supplementary project live register. After verification, those whose names were found fit for absorption were absorbed accordingly in the Railway.

But the name of the instant workman was not borne or record i.e. "Supplementary Live Register", hence his case could not be considered. As soon as project works were over, or completed, the project casual labour was discharged from work, and therefore no rights subsist at all.

The representation of Sri Deka was found incomplete and without authentic documentary proof of having worked as construction casual labour. By this time, the workman has lost all rightful claims.

That the nine casual labour considered only on the basis of the record available in the office records and so they were screened/absorbed in regular service in Group 'D' post.

The management examined one witness while the union examined 3 witnesses. Both parties also adduced some documentary evidence. I have carefully scrutinised the entire evidences on the record and heard the argument advanced by learned counsel Shri K. C. Sarma appearing for the management and Shri K. K. Biswas appearing for the union.

There is no dispute between the parties that the workman Shri Thanu Ram Deka was working as Casual Labour under the Management. It is apparent from the evidence of the workman himself that since 1977 he is not working under the management as he was suffering from mental sickness. The workman also deposed that he recovered from mental illness in the year 1997 and he applied to the management for allowing him to resume his duties. But the management did not allow him. He also deposed that the management has regularised the service of persons who were working with him at the same time. It is admitted by workmen himself that his name is not there in the "LIVE CASUAL LABOUR REGISTER". It reveals from the evidence of the M. W. 1 Shri Parimal Ch. Dey that *vide* ext. 'A' Railway Board issued a circular stating that these workers who were working as casual labourer prior to 1981, their names should be entered in "LIVE CASUAL LABOUR REGISTER" and they were asked to apply within 31-3-87 with all documents. But

the name of the workman has not been entered in "LIVE CASUAL REGISTER" as the workmen did not apply for entry of his name in the Live Casual Register. It is apparent from the evidences of the workman himself that since 1977 to 1997 he did not work as casual labour under the management and he also did not apply for entry of his name in the Live Casual Register. Only in the year 1997 after a gap of 20 years the workman applied to the management to consider his case. Even the plea of the workman that he was suffering from mental sickness, other person of his family or near relative could have informed and applied to the management regarding these fact. Ext. '8' shows that Dr. D. Dutta issued a certificate to the effect that the workman Shri Thanu Ram Deka was under her treatment since 15-1-80 till 20-2-90, as he was suffering from mentally illness. She has issued fitness certificate to the workman w.e.f. 6-3-97. As there is no information and application to the management from the side of the workman, naturally his name did not find place in the Live Casual Register of the management. Only those employees whose name found place in the Live Casual Register were only absorbed.

In the above premises I hold that the action of the management of N. F. Railway denying the absorption of Thanu Ram Deka, ex-Casual Labour to the temporary status under N. F. Railway is justified.

However in the interest of justice I direct the Management of N. F. Railway to consider the case of the workman Shri Thanu Ram Deka for fresh appointment in a regular Group 'D' post under the management within a period of 6 (six) months.

Award is given under my hand and seal on this 31st December, 2004.

D. C. CHOUDHURY, Presiding Officer
नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 799.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न रेलवे के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 314/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 08-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/67/2002-आई. आर. (बी-1)]
बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 799.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (I. D. No. 314/04) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Ahmedabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Western Railway and their workmen, which was received by the Central Government on 08-02-2005.

[No. L-41012/67/2002-IR (B-I)]
B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Industrial Dispute No. 314/04

(Old ITC No. 65/2002 transferred from I. T.
Ahmedabad)

- (a) The Divisional Railway Manager (E),
Western Railway, Divisional Office,
Pratapnagar,
Baroda-394220.
- (b) The Carriage & Western Superintendent,
Western Railway, B. G. Ahmedabad
Railway Station,
Ahmedabad-380001 . . . First Party

V/s.

The Org. Secretary, the Association of
Railway,
And post employees, 15, Shashi Apartment,
Nr. Anjalee Cinema Vasna Road,
Ahmedabad-380007. . . Second Party

APPEARANCES :

First Party : Absent

Second Party : Absent

AWARD

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by Order No. L-41012/67/2002-IR (B-I) dated 20-09-2000 to this Tribunal for adjudication. The terms of reference is as under :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Divisional Railway Manager (E) Western Railway, Baroda/C.W.S. Ahmedabad in terminating the services of Shri Bharat Bhajibhai Vaghela is justified ? If not, what relief the concern workman is entitled to ?"

2. The second party was issued a notice to file the statement of claim by this Tribunal on 28th November, 2002. The date to file the statement of claim was 16-12-02. The appropriate Government has also directed the second party who has raised the dispute to file a statement of claim with relevant documents and list of reliance and witnesses to the Tribunal within 15 days of the receipt of the order.

3. However, opportunity was given by this Tribunal to file a statement of claim to the second party. The second party failed to submit a statement of claim after 2 years from the date of reference. Thus Tribunal has reason to believe that the second party is not interested in this dispute. The second party has failed to establish that his

termination is not just. Looking to the above observation I hereby pass the following order :

ORDER

The action of the first party in terminating service of Shri Bharat Bhajibhai Vaghela is just and proper. The second party is not entitled for any relief. Hence reference is rejected. No order as to cost.

Ahmedabad.

Date : 11-10-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 800.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न रेलवे के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 776/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 08-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/26/2002-आई. आर. (बी-1)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 800.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (I. D. No. 776/04) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Ahmedabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Western Railway and their workman, which was received by the Central Government on 08-02-2005.

[No. L-41012/26/2002-IR (B-1)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Industrial Dispute No. 776/04

**(Old ITC No. 25/2002 transferred from I.T.
Ahmedabad)**

(a) The General Manager,

Western Railway,
Mumbai-400 001.

(b) The Works Manager,

Western Railway Pratapnagar,
Baroda-390 004.

... First Party

V/s.

The Divisional Secretary,

Paschim Railway Karamchari Parisad,

Shastri Pole, Kothi,

Baroda-390 001.

... Second Party

APPEARANCES :

First Party : P.K. Handa (Absent)

Second Party : (Absent)

AWARD

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by order No. L-41012/26/2002-IR(B-I) dated 12-06-2002 to this Tribunal for adjudication. The terms of reference is as under :

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Western Railway in dismissing the services of Shri Ganpat A Parmar w.e.f. 01-06-1996, vide NIP No. E-308/Badi/7113 dated 31-05-1996 is justified ? If not, what relief the concerned applicant is entitled and from which date ?”

2. The second party was issued a notice to file the statement of claim by this Tribunal on 30-08-02. The date to file the statement of claim was 07-10-02. The appropriate Government has also directed the second party who has raised the dispute to file a statement of claim with relevant document and list of reliance and witnesses to the Tribunal within 15 days of the receipt of the order.

3. However, proper opportunity was given by this Tribunal to file a statement of claim to the second party. The second party failed to submit a statement of claim after 2 years and 4 months from the date of reference. Thus this Tribunal has reason to believe that the second party is not interested in the dispute. Thus the second party has not satisfactorily proved that his dismissal w.e.f. from 01-06-1996 is unjust. Looking to the above observation I hereby pass the following order :

ORDER

The action of the management of Western Railway in dismissing the services of Shri Ganpat A Parmar w.e.f. 01-06-1996, vide NIP No. E-308/Badi/7113 dated 31-05-1996 is justified. The workman is not entitled to any relief. The reference is hereby rejected. No order as to cost.

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 801.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न रेलवे के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 777/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 08-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/103/2001-आई. आर. (बी-1)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 801.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby publishes the award (I.D. No. 777/04) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Ahmedabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Western Railway and their workman, which was received by the Central Government on 08-02-05.

[No. L-41012/103/2001-IR (B-I)]
B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer
Industrial Dispute No. 777/04
(Old ITC No. 26/2002 transferred from I.T.
Ahmedabad)

The Divisional Manager,
Western Railway Pratapnagar,
Baroda-390 004. . . . First Party

V/s.

The General Secretary,
Paschim Railway Karamchari Parisad,
E/209, Sarvottam Nagar,
Nr. Railway Colony, Sabarmati,
Ahmedabad-380 019. . . . Second Party

APPEARANCES :

First Party : Shri R.D. Mathuresh

Second Party : (Absent)

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by Order No. L-41012/103/2001-IR(B-I) dated 07-12-2001 to this Tribunal for adjudication. The terms of reference is as under.

“Whether the action of the Divisional Railway Manager, Western Railway, Baroda in removing of Shri Narayan J. Bhil working under SM. Bhadarva w.e.f. 5-2-2000 is justified ? If not, what relief the concerned workman is entitled ?”

2. The second party was issued a notice to file the statement of claim by this Tribunal on 15-11-2002. The date to file the statement of claim was 18-11-2002. The appropriate Government has also directed the second party who has raised the dispute to file a statement of claim with relevant documents and list of reliance and witnesses to the Tribunal within 15 days of the date of receipt of the order.

3. However, proper opportunity was given by this Tribunal to file a statement of claim to the second party. The second party failed to submit the statement of claim after 3 years from the date of reference. Thus, this Tribunal has reason to believe that the second party is not interested in this dispute. Thus the second party has failed to prove that his removal is not just.

Looking to the above observation, I hereby pass the following order :

ORDER

The action of Divisional Railway Manager, Western Railway, Baroda in removing of Shri Narayan J. Bhil working under SM. Bhadarva w.e.f. 5-2-2000 is justified. The workman is not entitled to any relief. The reference is hereby rejected. No order as to cost.

Ahmedabad
Date : 12-10-2004

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 802.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न रेलवे के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 751/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 08-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/54/2001-आई. आर. (बी-1)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 802.—In pursuance of Section 17. of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (ID. No. 751/04) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Ahmedabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Western Railway and their workman, which was received by the Central Government on 08-02-05.

[No. L-41012/54/2001-IR (B-I)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer
Industrial Dispute No. 751/04
(Old ITC No. 37/2001 transferred from I.T.
Ahmedabad)

A. The Divisional Railway Manager,
Western Railway Pratapnagar,
Baroda-390 004.

B. The Asst. Electrical Engineer,
Western Railway,
Ahmedabad. . . . First Party

V/s.

The General Secretary,
Paschim Railway, Karamchari Parisad,
Sarvottam Nagar, Nr. Railway Colony,
Sabarmati, Ahmedabad. . . . Second Party

APPEARANCES :

First Party : P.K. Handa (Absent)

Second Party : B.K. Sharma

AWARD

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by Order No. L-41012/54/2001-IR(B-I) dated 03-09-2001 to this Tribunal for adjudication. The terms of reference is as under :

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Divisional Railway Manager, Western Railway, Baroda in withholding Shri Jayntilal C. who promoted as Armachar Winder Gr.-II w.e.f. 13-9-1995 but not relieved and issuing another order dated 28-6-2000 consequently relieving him w.e.f. 29-6-2000 and then denying economic benefits on promoted post w.e.f. 13-9-95 is justified ? If not, what relief the concerned workman is entitled.

2. During the course of proceeding the second party union has submitted a purshis by Ex. 6. The facts of this purshis is that Reference C.G.I.T.A No. 753/04 is pending before this Tribunal of the same terms of reference. The second party wants to proceed in Reference C.G.I.T.A No. 753/04. So that the union requested that the Reference C.G.I.T.A No. 751/04 is disposed of.

Looking to the above facts, I hereby pass the following order .

ORDER

The reference is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad,

Date : 12-10-2004

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 803. — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एन.एफ. रेलवे के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय गुवाहाटी, असम के पंचाट (संदर्भ संख्या रेफ. नं. आई (सी) 2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 08-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41011/17/2001-आई. आर. (बी-1)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 803.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. I (C) of 2002) of the Industrial Tribunal, Guwahati, Assam now

as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of N.F. Railway and their workman, which was received by the Central Government on 08-02-2005.

[No. L-41011/17/2001-IR (B-I)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE**IN THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, GUWAHATI, ASSAM**

Reference No. I (C) of 2002.

PRESENT :

Shri D. C. Choudhury, Presiding Officer

INDUSTRIAL TRIBUNAL, GUWAHATI

In the matter of an Industrial Dispute between :

The Management of,
N.F. Railway, Guwahati.

I/s

The General Secy Rail Mazdoor Union,
27/B, Rest Camp, Pandu, Guwahati-12.

Date of Award : 24-12-2004

AWARD

This Industrial Dispute has been registered on the basis of the reference made by Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi vide its Letter No. L-41011/17/2001 dated 31-10-2001 to adjudicate the dispute arising between the Management of N.F. Railway and its General Secy. Rail Mazdoor Union, Guwahati. On the following issue :

"Whether the action of the Management of N.F. Railway by not granting the arrears to the drawing staff such as C.D.M., H.D.M., D.M. & A.D.M. was justified ? If not, to what relief the workmen are entitled ?"

2. On receipt of reference, a reference case was registered in this Court and notices were issued both parties calling upon them to file their written statement/ addl. written statement and documents if any. In response to the notices both parties appeared in this court and filed their written statement Both parties also adduced evidences both oral and documentary in support of their respective case.

The case of the workmen in brief is as follows :

That in pursuance to the Railway Board's Circular dated 16-11-1984 the following percentages of up-gradation were sanctioned to the Drawing Staff of all Departments from 1-1-1984 :

CDM	=	25%
HDM	=	25%
DM	=	30%
ADM	=	20%
Total		100%

That the Drawing Cadres consisted of the following posts as on 1-4-84 :

- | | |
|-----|----------|
| (1) | CDM |
| (2) | HDM |
| (3) | DM |
| (4) | ADM |
| (5) | Tracers. |

That the Board vide their letter dated 10-7-85 decided that the posts of Tracers would be abolished gradually by converting the such posts to the Asstt. Draftsman within a period of 5 years and the posts of Asstt. Draftsman (ADM) would be the recruiting grade in the Drawing Cadre.

That in the said letter Board further indicated that the process for filling up the up-graded posts due to be created on abolition of posts of Tracers and creation of equal Nos. of posts of ADMs vide para 5.1 appearing on page no. 2 of said letter, and entire process and follow-up-actions were to be taken in pursuance of the Board's original letter dated 16-11-84.

That the staff promoted against additional higher grade posts created including resultant vacancies occurred in the next below grade were to be paid :

- (i) The benefits of proforma promotion from 1-1-84.
- (ii) Payments of arrears from 1-1-84 without taking into account the elements of shouldering higher responsibilities.

That the N.F. Railway Administration created the posts in different scales for the drawing staff as on 1-1-84 as under :—

CDM	= 25%	= 5 posts
HDM	= 25%	= 5 posts
DM	=	= 5 posts
ADM	=	= 3 posts
		= 18 posts

(This excludes the posts of Tracers to the tune of 18)

That the Rly. Board in their letter dated 7-11-90 elaborated the further actions to be taken on conversion of Tracers' posts as Asstt. Draftsman. The review was to be proceeded as on 1st April of each year in pursuance to the percentages prescribed in Board's letter 16-11-84.

That the Zonal Railway took up the matter and created the requisite Nos. of posts as per percentages prescribed in the Board's letter dated 16-11-84 and Memorandum was issued vide GM(P)/Maligaon's No. E/254/29/N Pt-I dated 3-7-91 and according to the said Memorandum on conversion of posts of Tracers to ADM

phase-wise the total Nos. of posts created in different scales were as under :

Cadre	Existing	Revised	Increased as on 1-4-86, 87 & 89	
CDM	5	9	4	2 + 1 + 1 = 4
HDM	5	10	5	2 + 1 + 2 = 5
DM	5	11	6	3 + 1 + 2 = 6
ADM	3	7	4	2 + 1 + 1 = 4

That the N.F. Railway Administration in reference to the Board's letter dated 16-11-84 filled up the above additional posts in terms of the policy spelled out replacing the selection rules with modified selection procedures as one time exemption and promoted the staff accordingly.

That the N.F. Railway Administration granted proforma promotions as sanctioned by the Board in their letter dated 16-11-84 and 25-6-85 but for manning the additional posts created, refused to pay the arrears of pay & allowances from the date of such creation of the posts.

That the restrictions imposed by the Board in Feb. 1987 that no incumbent can be promoted in the next higher grade unless he completed 2 years service in the substantive grade, cannot be applicable in this case since all the actions were taken in reference to the Board's letter dated 16-11-84.

That there has been a clear departures from the policy by the GM(P)/N.F. Railway/Maligaon in denying the payment of arrears to the Drawing staff of the Signal Department working under Chief Signal & Telecommunication Engineer/N.F. Railway, Maligaon.

That by violating the policy decision of the Rly. Board the N.F. Rly. Administration have invited an unfair and arbitrary action to hit the articles of 14, 16(1), 39(a) and 309 of the Constitutional provisions.

That by denying the due benefits of arrears of pay and allowances of the proforma promotions given to the Drawing Staff of CSTE's office, the N.F. Railway Administration have violated the principles of natural justice.

On the otherhand the case of the management in brief is as follows :

That, the suit is not maintainable in present form in law as well as in fact and is liable to be dismissed. The Rail Mazdoor Union is not a recognised union on N.F. Railway and as per Railway Board's instruction there is no provisions for any kind of formal/informal meeting/discussion with the unrecognised union from the Rly. Administration's sides.

In fact, the Railway Board vide their letter dated 25-6-85 which was circulated by the C.P.O. N.F. Railway vide letter dated 10-7-85 to various Heads of Departments decided that the posts of Tracers will be promoted to the post of Junior Draftsman in scale of Rs. 330-560 in the five different manner.

That instruction/Guidelines issued by Rly. Board from time to time in regard annual review of Drg. Cadre after abolition of the posts of Tracers after converting into ADM have since been followed and benefits given to the eligible candidates at the relevant period.

That, Railway Board's letter No. PC-III/84/UPG/9 dated 16-11-84 clearly mentioned that for the purpose of restructuring the cadre strength as on 1-1-84 will be taken into account and will include Rest Giver and Leave Reserve posts (para-3 of the said letter) para-4 of the said letter, it has clearly stated that "staff selected and posted against the Addl. high grade posts as a result of restructuring will have their pay fixed under rule-2018-B(FR 226) R-II w.e.f. 1-1-84. Their benefit of fixation effective from 1-1-84 will also be applicable to the chain/resultant vacancy. In effect, the benefit of fixation from 1-1-84 should be given against all vacancies which arise from restructuring. Addl. posts as a result of annual cadre review taking into account the category of erstwhile Tracer abolished and formed as ADM cannot be treated as restructuring post and benefit proforma fixation has been given without payment of arrears.

That the Rly. Board's instructions were to abolish the cadre of Tracer within five years from 1-1-84 and after abolition of Tracer converted into ADM 5 years completed on 31-3-89 and annual review could be done in 1991. Addl. posts as a result of annual review were to be fixed in as per normal rules and procedure in vogue. As such Rly. Board's instructions regarding residency period of 2 years in one grade before promotion to next grade was very much applicable as the posts were at directly as a result of restructuring and were filled in after receipt of Board's instructions.

In terms of GM(P)/MLG's Office Order No. E/254/29(W) Pt. I dated 4-6-92. Promotions of the CDM & HDM of S & T Deptt. were extended proforma promotion against the post become available as a result of annual review. In the office order, it was clearly mentioned that their subsequent increment may be given without any benefit of arrear pay at the respective bill preparing units such question of denial of arrear payment does not arise. The allegation brought against Rly. Administration regarding violation of constitution provision is baseless. The Hon'ble Tribunal may be pleased to dismiss the suit with cost.

Under the above facts and circumstances the management has prayed for dismissal of the reference with cost.

I have heard the argument advanced by learned counsel Mr. K.C. Sarma appearing for the management and Shri K.K. Biswas appearing for the Union. I have carefully scrutinised the entire evidences of the record, both oral and documentary.

Vide Ext. 'A' the Chief Personnel Officer of the N.F. Railway has sent the copy of Railway Board letter No. PC III/84/UPG/9 dated 16-11-84 to all Heads of Departments, All DRMs, All Distt. and Asstt. Officers of Non-divisionalised officers and others by that Circular. The

Railway Board decided to review the cadre and restructure Group C & D staff of Railway. The post of Tracers were decided to be abolished and were to be up-graded in phase manner vide Ext. 'B' the Chief Personnel Officer sent the copies of Railway Board's Letter No. PC III/84/UPG/X 19 dated 25-6-85 to various Heads of Deptts. In that Railway Board letter dated 25-6-85 it was decided by the Board that the post of Tracer will be up-graded as junior draftsman in the Scale of Rs. 330—560 in 5 different manner. The existing cadre of Tracer is to be Frozen and actual requirement reviewed and determined with Board's approval within 6 months. The upgradation is to be done in the following pattern :

- (i) Those who possess the diploma in Draftsmanship from recognised institutions will be upgraded as Junior Draftsman in scale of Rs. 330-560.
- (ii) Those who do not possess diploma in Draftsmanship but have completed 5 years of service as on 1-1-04 will be upgraded as junior Draftsman in scale of Rs. 330-560.
- (iii) The balance non-qualified Tracers will be progressively promotedly upgrading their posts as junior Draftsman (Rs. 330-560) as and when they complete 5 years of service or acquire the necessary qualification. The review will be done every six months commencing from 1-7-86.
- (iv) The vacancies which occur in the normal course in scale of Rs. 330-560 will continue to be filled as per existing pattern.
- (v) After the entire cadre of the Tracers has been fully accomplished in the higher grade post of Junior Draftsman in scale of Rs. 330-560, future vacancies in scale of Rs. 330-560 will be filled cent percent by direct recruitment of diploma holders in Draftsmanship.

It is manifestly clear from the Railway Board Circular dated 25-6-85 (Ext. B) that an employee will get the benefit of retrospective fixation of pay only from date of promotion. It appears from Ext. 'C' that the management gave the proforma promotion of drawing cadre of S & T Department (Drawing side) on 1-4-86, 1-4-87, 1-4-88 and 1-4-89 respectively against the post available as a result of review of the cadre. The circular was published on 4-6-92 and it was clearly mentioned in that circular that subsequent increment may be given to those employees who were given proforma promotion without any benefit of arrear pay.

For the purpose of restructuring the cadre strength as on 1-1-84 was to be taken into account and was to include Rest Giver and Leave Reserve posts. It is clear in para 4. 1 of Railway Board Circular dated 25-6-85 Ext. '1' and Ext. 'B' that the staff selected and posted against the additional higher grade posts as a result of restructuring will have their pay fixed under Rule 2018-B (FR-22C)-R-II w.e.f. 1-1-1984 on proforma basis

with current payments w.e.f. 1-1-85. The benefit of fixation will be applicable to the chain/resultant vacancies which arise from restructuring.

It is a settled principle of law that an employee can claim benefit of a higher post only from the date when he joins in that post. He can not claim benefit of arrear pay from the date of his pro forma promotion. I have absolutely no hesitation to hold that the action of the management of N.F. Railway by not granting the arrear to the Drawing Staff such as C.D.M., H.D.M., D.M. and A.D.M. was justified.

Award is given under my hand and seal on this 24th December, 2004.

D.C. CHOUDHURY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

क्र. आ. 804.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 49/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/29/2005-आई. आर. (विविध)]
बी. एम. डेविड, अव्वर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 804.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s O.N.G.C. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/29/2005-IR (Misc.)]
B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., LL.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 49/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 201/04

(Old Com. No. 3/03 in Ref. (I. T. C.) No. 120/99)

R.H. Patel

C/o ONGC Electrical & Allied Staff Association,
19, Pushpkunj Society, Near Sahkar Nagar,
Mahesana-384 002. Complainant

1/s.

The Director (Personnel/HR),
ONGC Ltd. Telbhavan,
Dehradun-248 003.

. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri R.C. Shukla

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Dispute, Act, praying that the opponent shall not change time bound promotion policy, in which a workman who completes six years of service in one post will get the promotion to next higher post. It is the say of the complainant that change of time bound promotion policy is a change of service condition. Hence prays that the opponent should be ordered to desist from any action of modifying R & P rules for electrical category and the service condition should not be change till the pending of reference case.

2. The brief facts of the complainant is that the Reference is pending before the Hon'ble Tribunal C.G.I.T.A. No. 201/04 as a Old I.T.C. No. 120/99 for adjudication. The management of O.N.G.C. trying to modify R & P rules without the consent of Electrical & Allied Staff Association. The action will change the service condition of Electrical category workman who are involved in the reference. As per the present R & P rules after completing of six years, the workman is getting promotion to next higher post and it is the time bound promotion policy and it is also service condition of the workman. The management have intimated their intention of change of time bound policy to the union through conciliation officer vide file No. RLC/AH/50(1)/2002 on 15/05/2002 a copy is enclosed as Annexure "B". Thus the intention of change of time bound promotion policy is change of service condition as per section 9-A and Schedule-IV of I.D. Act, 1947. Thus it is prayed that the Hon'ble Tribunal shall issue an order to opposite party to desist for any action of modifying R & P rules for electrical category workman without the consent of Electrical & Allied Staff Association and not to change the service condition till the Reference 120/04 is finalized.

3. A notice was issued to the opponent to file the Written Statement.

4. By Ex. 5 the opponent has filed the Written Statement. The brief facts are that complaint is not maintainable at law and the Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The complaint is ill founded and made on assumption. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the I.D. Act. The complainant is not concerned workman and alleged dispute is not connected with the main reference. Hence the complaint is required to be dismissed. The complaint is not maintainable at law, as it is filed on the ground of apprehension-assumption. The subject matter of present complaint is not connected with the pending Reference (ITC) No. 120/99. There is no such demand promotion in the main reference. The averments and contention made in the complaint are not true, hence denied by the opponent. It is denied that the management is trying to

modify recruitment and promotion rules with the other union. It is the privilege of the management to change any rule. It is denied that there will be change of any service conditions of the complainant. The management calls recognized unions and ASTD for the discussion for changing the R & P regulations and the union is not recognized union and their union has not a legal right to say anything about R & P. The complainant has not produced any proof of contravention of Section 33 of the I.D. Act. Thus it is prayed that the complaint should be dismissed with cost.

5. During the course of adjudication the representative of the complainant submitted a purshis by Ex. 6 and it is stated that the matter is settled with the management. Hence the present complaint may be disposed of accordingly.

6. Looking to the facts of this purshis Ex. 6 it is clear that the matter has been settled amicably and there is no grievance of the complainant regarding changing the R & P policy. Not only that the opponent has not committed any breach of section 33. Thus there is no violation of section 33 of the Industrial Disputes Act by the opponent. Looking to the Ex. 6 this complaint becomes infructuous and does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of the fact of Ex. 6 the parties have amicable settlement regarding the subject matter of the complaint. Hence this complaint is hereby disposed of. No order as to cost

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 805.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 48/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/28/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 805.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. I-30025/28/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID. Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., LL.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 48/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 201/04

[Old Com. No. 2/03 in Ref. (I, T. C.) No. 120/99]

V.G. Mansuriya,
C/o ONGC Electrical & Allied Staff Association,
19, Pushpkunj Society, Near Sahkar Nagar,
Mahesana-384 002. Complainant

V/s.

The Director (Personnel/HR),
ONGC Ltd., Telbhavan,
Dehradun-248 003. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri R.C. Shukla

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the opponent shall not change time bound promotion policy, in which a workman who completes six years of service in one post will get the promotion to next higher post. It is the say of the complainant that change of time bound promotion policy is a change of service condition. Hence prays that the opponent should be ordered to desist from any action of modifying R & P rules for electrical category and the service condition should not be change till the pending of reference case.

2. The brief facts of the complainant is that the Reference is pending before the Hon'ble Tribunal C.G.I.T.A. No. 201/04 as a Old I.T.C. No. 120/99 for adjudication. The management of O.N.G.C. trying to modify R & P rules without the consent of Electrical & Allied Staff Association. The action will change the service condition of Electrical category workman who are involved in the reference. As per the present R & P rules after completing of six years, the workman is getting promotion to next higher post and it is the time bound promotion policy and it is also service condition of the workman. The management have intimated their intention of change of time bound policy to the union through conciliation officer vide file No. RLC/AH/50(1)/2002 on 15/05/2002 a copy is enclosed as Annexure "B". Thus the intention of change of time bound promotion policy is change of service condition as per section 9-A and Schedule-IV of I.D. Act, 1947. Thus it is prayed that the Hon'ble Tribunal shall issue an order to opposite party to desist for any action of modifying R & P rules for electrical category workman without the consent of Electrical & Allied Staff

Association and not to change the service condition till the Reference 120704 is finalized.

3. A notice was issued to the opponent to file the Written Statement.

4. By Ex. 5 the opponent has filed the Written Statement. The brief facts are that complaint is not maintainable at law and the Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The complaint is ill founded and made on assumption. The opponent has not contravened any provisions of Section of the I.D. Act. The complainant is not concerned workman and alleged dispute is not connected with the main reference. Hence the complaint is required to be dismissed. The complaint is not maintainable at law, as it is filed on the ground of apprehension-assumption. The subject matter of present complaint is not connected with the pending Reference (ITC) No. 120/99. There is no such demand promotion in the main reference. The averments and contention made in the complaint are not true, hence denied by the opponent. It is denied that the management is trying to modify recruitment and promotion rules with the other union. It is the privilege of the management to change any rule. It is denied that there will be change of any service conditions of the complainant. The management calls recognized unions and ASTD for the discussion for changing the R. & P. regulations and the union is not recognized union and their union has not a legal right to say anything about R. & P. The complainant has not produced any proof of contravention of Section 33 of the I.D. Act. Thus it is prayed that the complaint should be dismissed with cost.

5. During the course of adjudication the representative of the complainant submitted a purshis by Ex. 6 and it is stated that the matter is settled with the management. Hence the present complaint may be disposed of accordingly.

6. Looking to the facts of this purshis Ex. 6 it is clear that the matter has been settled amicably and there is no grievance of the complainant regarding changing the R. & P. policy. Not only that the opponent has not committed any breach of section 33. Thus there is no violation of section 33 of the Industrial Disputes Act by the opponent. Looking to the Ex. 6 this complaint become infructuous and does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of the fact of Ex. 6 the parties have amicable settlement regarding the subject matter of the complaint. Hence this complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 806.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के

बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 47/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/27/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 806.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s O.N.G.C. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/27/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 48/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 201/04

[Old Com. No. 1/03 in Ref. (I. T. C.) No. 120/99]

S.I. Husen,
ONGC Electrical & Allied Staff Association,
Mahesana . . . Complainant

V/s.

The Director (Personnel/HR).
ONGC Ltd,
Dehradun-248 003. . . Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri R.C. Shukla

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the opponent shall not change time bound promotion policy, in which a workman who completes six years of service in one post will get the promotion to next higher post. It is the say of the complainant that change of time bound promotion policy is a change of service condition. Hence prays that the opponent should be ordered to desist from any action of modifying R. & P. rules for electrical category and the service condition should not be change till the pending of reference case.

2. The brief facts of the complainant is that the Reference is pending before the Hon'ble Tribunal C.G.I.T.A. No. 201/04 as Old I.T.C. No. 120/99 for adjudication. The management of O.N.G.C. trying to modify R & P. rules without the consent of Electrical & Allied Staff Association. The action will change the service condition of electrical category workman who are involved in the reference. As per the present R. & P. rules after completing of six years, the workman is getting promotion to next higher post and it is the time bound promotion policy and it is also service condition of the workman. The management have intimated their intention of change of time bound policy to the union through conciliation officer vide file No. RLC/AH/50(1)/2002 on 15/05/2002 a copy is enclosed as Annexure "B". Thus the intention of change of time bound promotion policy is change of service condition as per section 9-A and Schedule-IV of I.D. Act, 1947. Thus it is prayed that the Hon'ble Tribunal shall issue an order to opposite party to desist for any action of modifying R. & P. rules for electrical category workman without the consent of Electrical & Allied Staff Association and not to change the service condition till the Reference 120/04 is finalised.

3. A notice was issued to the opponent to file the Written Statement.

4. By Ex. 5 the opponent has filed the Written Statement. The brief facts are that complaint is not maintainable at law and the Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The complaint is ill founded and made on assumption. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the I.D. Act. The complainant is not concerned workman and alleged dispute is not connected with the main reference. Hence the complaint is required to be dismissed. The complaint is not maintainable at law, as it is filed on the ground of apprehension-assumption. The subject matter of present complaint is not connected with the pending Reference (ITC) No. 120/99. There is no such demand promotion in the main reference. The averments and contention made in the complaint are not true, hence denied by the opponent. It is denied that the management is trying to modify recruitment and promotion rules with the other union. It is the privilege of the management to change any rule. It is denied that there will be change of any service conditions of the complainant. The management calls recognised unions and ASTD for the discussion for changing R. & P. regulations and the union is not recognized union and their union has not a legal right to say anything about R. & P. The complainant has not produced any proof of contravention of Section 33 of the I.D. Act. Thus it is prayed that the complaint should be dismissed with cost.

5. During the course of adjudication the representative of the complainant submitted a purshis by Ex. 6 and it is stated that the matter is settled with the management. Hence the present complaint may be disposed of accordingly.

6. Looking to the facts of the purshis Ex. 6 it is clear that the matter has been settled amicably and there

is no grievance of the complainant regarding changing the R. & P. policy. Not only that the opponent has not committed any breach of section 33. Thus there is no violation of section 33 of the Industrial Disputes Act by the opponent. Looking to the Ex. 6 this complaint become infructuous and does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of the fact Ex. 6 the parties have amicable settlement regarding the subject matter of the complaint. Hence this complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 807.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 को 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 50/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[स. एल-30025/30/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 807.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s ONGC Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/30/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 50/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 201/04

[Old Com. No. 4/03 in Ref. (I. T. C.) No. 120/99]

J. B. Bhavsar,
C/o ONGC Electrical & Allied Staff Association,
19, Pushpkunj Society, Near Sahkar Nagar,
Mahesana-384002. Complainant

Versus

The Director (Personnel/HR),
ONGC Ltd, Telbhavan,
Dehradun-248003. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri R. C. Shukla

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Dispute Act, praying that the opponent shall not change time bound promotion policy, in which a workman who completes six years of service in one post will get the promotion to next higher post. It is the say of the complainant that change of time bound promotion policy is a change of service condition. Hence prays that the opponent should be ordered to desist from any action of modifying R. & P. rules for electrical category and the service condition should not be change till the pending of reference case.

2. The brief facts of the complainant is that the reference is pending before the Hon'ble Tribunal C.G.I.T.A. No. 201/04 as a Old I.T.C. No. 120/99 for adjudication. The management of O.N.G.C. trying to modify R. & P. rules without the consent of Electrical & Allied Staff Association. The action will change the service condition of Electrical category workman who are involved in the reference. As per the present R. & P. rules after completing of six years, the workman is getting promotion to next higher post and it is the time bound promotion policy and it is also service condition of the workman. The management have intimated their intention of change of time bound policy to the union through conciliation officer vide file No. RLC/AH/50(1)/2002 on 15-5-2002 a copy is enclosed as Annexure "B". Thus the intention of change of time bound promotion policy is change of service condition as per section 9-A and Schedule-IV of I.D. Act, 1947. Thus its prayed that the Hon'ble Tribunal shall issue an order to opposite party to desist for any action of modifying R & P rules for electrical category workman without the consent of Electrical & Allied Staff Association and not to change the service condition till the Reference 120/04 is finalised.

3. A notice was issued to the opponent to file the Written Statement.

4. By Ex. 5 the opponent has filed the Written Statement. The brief facts are that complaint is not maintainable at law and the Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The complaint is ill founded and made on assumption. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the I.D. Act. The complainant is not concerned workman and alleged dispute is not connected with the main reference. Hence the complaint is required to be dismissed. The complaint is not maintainable at law, as it is filed on the ground of apprehension—assumption. The subject matter of present complaint is not connected with the pending Reference (ITC) No. 120/99. There is no such demand promotion in the main reference. The averments and condition made in the complaint are not true, hence denied by the opponent. It is denied that the management is trying to modify recruitment and promotion rules with the other

union. It is the privilege of the management to change any rule. It is denied that there will be change of any service conditions of the complainant. The management calls recognized unions and ASTD for the discussion for changing the R & P regulations and the union is not recognized union and their union has not a legal right to say anything about R & P. The complainant has not produced any proof of contravention of Section 33 of the I.D. Act. Thus it is prayed that the complaint should be dismissed with cost.

5. During the course of adjudication the representative of the complainant submitted a purshis by Ex. 6 and it is stated that the matter is settled with the management. Hence the present complaint may be disposed of accordingly.

6. Looking to the facts of this purshis Ex. 6 it is clear that the matter has been settled amicably and there is no grievance of the complainant regarding changing the R & P policy. Not only that the opponent has not committed any breach of section 33. Thus there is no violation of Section 33 of the Industrial Dispute Act by the opponent. Looking to the Ex. 6 this complaint become infructuous and does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of the fact of Ex. 6 the parties have amicable settlement regarding the subject matter of the complaint. Hence this complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 808.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 51/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/31/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 808.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s ONGC Ltd. and their workman,

which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/31/2005-IR (Misc.)]
B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 51/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 201/04

[Old Com. No. 5/03 in Ref. (I. T. C.) No. 120/99]

K.T. Patel
C/o ONGC Electrical & Allied Staff Association,
19, Pushpkunj Society, Near Sahkar Nagar,
Mahesana-384002. Complainant

Versus

The Director (Personnel/HR),
ONGC Ltd, Telbhavan,
Dehradun-248003. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri R. C. Shukla

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Dispute Act, praying that the opponent shall not change time bound promotion policy, in which a workman who completes six years of service in one post will get the promotion to next higher post. It is the say of the complainant that change of time bound promotion policy is a change of service condition. Hence prays that the opponent should be ordered to desist from any action of modifying R. & P. rules for electrical category and the service condition should not be change till the pending of reference case.

2. The brief facts of the complainant is that the reference is pending before the Hon'ble Tribunal C.G.I.T.A. No. 201/04 as a Old I.T.C. No. 120/99 for adjudication. The management of O.N.G.C. trying to modify R. & P. rules without the consent of Electrical & Allied Staff Association. The action will change the service condition of Electrical category workman who are involved in the reference. As per the present R. & P. rules after completing of six years, the workman is getting promotion to next higher post and it is the time bound promotion policy and it is also service condition of the workman. The management have intimated their intention of change of time bound policy to the union through conciliation officer vide file No. RLC/AH/50(1)/2002 on 15-05-2002 a copy is enclosed as Annexure "B". Thus the intention

of change of time bound promotion policy is change of service condition as per section 9-A and Schedule-IV of I.D. Act, 1947. Thus it is prayed that the Hon'ble Tribunal shall issue an order to opposite party to desist for any action of modifying R. & P. rules for electrical category workman without the consent of Electrical & Allied Staff Association and not to change the service condition till the Reference 120/04 is finalized.

3. A notice was issued to the opponent to file the Written Statement.

4. By Ex. 5 the opponent has filed the Written Statement. The brief facts are that complaint is not maintainable at law and the Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The complaint is ill founded and made on assumption. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the I.D. Act. The complainant is not concerned workman and alleged dispute is not connected with the main reference. Hence the complaint is required to be dismissed. The complaint is not maintainable at law, as it is filed on the ground of apprehension—assumption. The subject matter of present complaint is not connected with the pending Reference (ITC) No. 120/99. There is no such demand promotion in the main reference. The averments and contention made in the complaint are not true, hence denied by the opponent. It is denied that the management is trying to modify recruitment and promotion rules with the other union. It is the privilege of the management to change any rule. It is denied that there will be change of any service conditions of the complainant. The management calls recognized unions and ASTD for the discussion for changing the R & P regulations and the union is not recognized union and their union has not a legal right to say anything about R & P. The complainant has not produced any proof of contravention of Section 33 of the I.D. Act. Thus it is prayed that the complaint should be dismissed with cost.

5. During the course of adjudication the representative of the complainant submitted a purshis by Ex. 6 and it is stated that the matter is settled with the management. Hence the present complaint may be disposed of accordingly.

6. Looking to the facts of this purshis Ex. 6 it is clear that the matter has been settled amicably and there is no grievance of the complainant regarding changing the R & P policy. Not only that the opponent has not committed any breach of section 33. Thus there is no violation of section 33 of the Industrial Dispute Act by the opponent. Looking to the Ex. 6 this complaint become infructuous and does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of the fact of Ex. 6 the parties have amicable settlement regarding the subject matter of the complaint. Hence this complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

ORDER

का. आ. 809.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 254/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/32/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 809.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s ONGC Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/32/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT AT AHMEDABAD**

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

**Com. C.G.I.T.A. No. 254/04 in Reference
No. C.G.I.T.A. No. 215/04**

[Old Com. No. 208/03 in Ref. (I. T. C.) No. 139/99]

Parmar Anilkumar Kantibhai,
I, Dattinagar Society,
B/h. Railway Station,
Kalol.

... Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad.

... Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Dispute Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen has raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Dispute Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Dispute Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Dispute Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in laws. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-2004

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

ORDER

का. आ. 810.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 255/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/33/2005-आई. आर. (विविध)]
बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 810.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s ONGC Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/33/2005-IR (Misc.)]
B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT AT AHMEDABAD**

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

**Com. C.G.I.T.A. No. 255/04 in Reference
No. C.G.I.T.A. No. 215/04**

[Old Com. No. 209/03 in Ref. (I. T. C.) No. 139/99]

Shrimali Rajestkumar Kalidas
Dalitvas Post Adalaj,
Tal. Dist. : G.Nagar. Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen has raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad-interim application and Tribunal has granted the status-quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Honble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in laws. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 811.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 256/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/34/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 811.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. ONGC Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 9-2-2005.

[No. L-30025/34/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 256/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 210/03 in Ref. (I. T. C.) No. 139/99]

Parmar Rajnikant Dhaneshkumar,
26, Siddharthnagar Society,
Somanth Road, Mehsana. . . . Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad. . . . Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Dispute Act, praying that

the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen has raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad-interim application and Tribunal has granted the status-quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Exs. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Exs. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in laws. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad.

Date 17-11-2004

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 812.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै.ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 257/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/35/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 812.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. O.N.G.C. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 9-2-2005.

[No. L-30025/35/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

**Com. C.G.I.T.A. No. 257/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04**

[Old Com. No. 211/03 in Ref. (I. T. C.) No. 139/99]

Sutaria Vikram Somchandbhai,
24, Narottampark Society,
B/H. Amrapali Cinema, Gomtipur,
Ahmedabad. Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that

the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen has raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying in change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the service the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Exs. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Exs. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in laws. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-2004

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 813.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 258/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/36/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 813.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. O.N.G.C. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/36/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 258/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 212/03 in Ref. (I. T. C.) No. 139/99]

Parmar Surendrabhai Babubhai,
Post Dhumasan, Tal, Kadi,
Dist. Mehsana, . . . Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad. . . . Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadha

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Dispute Act, praying that

the act of the opponent changing his service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen has raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Dispute Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Dispute Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in laws. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 814.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 259/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/37/2005-आई. आर. (विवाद)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 814.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. O.N.G.C. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/37/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 259/04 in Reference
No. C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 213/03 in Ref. (I. T. C.) No. 139/99]

Rakesh Dudhbhai Parmar,
B-120, Saraswatinagar,
IOC Road, Chandkheda,
Tal. Dist. G'nagar. Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Dispute Act, praying that

the act of the opponent changing his service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen has raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Dispute Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Dispute Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in laws. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 815.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 260/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/38/2005-आई आर (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 815.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/38/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 260/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 214/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Makwana Natvarbhai Somabhai,
Post Sahij, Vankar Vas,
Tal. Kalol Distt. : G'nagar . . . Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad . . . Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen has raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad-interim application and Tribunal has granted the status-quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed off accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Dispute Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Dispute Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 816.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक

अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 261/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/39/2005-आई आर (विविध)]
बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 816.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/39/2005-IR (Misc.)]
B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L. L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 261/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 215/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Parmar Jayeshkumar Nananbhai,
B-136, Sarwastinagar, IOC Road,
Chandkheda, Distt. : G'nagar . . . Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad . . . Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen has raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is

given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad-interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Exs. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Exs. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Dispute Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 817.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 262/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/40/2005-आई. आर. (विविध)]
बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 817.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/40/2005-IR (Misc.)]
B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L. L.M., Presiding Officer
Com. C.G.I.T.A. No. 262/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 216/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Leuva Pankajbhai Laljibhai,
At & Post, Sardhav,
Distt. : G'nagar. Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya
Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad-interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Exs. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Exs. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 818.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 263/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/41/2005-आई. आर. (विविध)]
बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 818.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. O.N.G.C. Ltd. and their workman,

which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/41/2005-IR (Misc.)]
B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L. L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 263/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 217/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Makavana Jyantibhai Danabhai,
10/20, Laxminagar Society,
Gujarat Housing Board, Chandheda,
Distt. : G'nagar. Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad-interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no

jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Exs. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Exs. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 819.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 264/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल 30025/42/2005-आई. आर. (विधि)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 819.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/42/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 264/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 218/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Makwan Prakash Kumar,
7, Jawahar Society,
B/h. Railway Station,
Kalol.

... Complainant

V/s.

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad.

... Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and *ad-interim* application and Tribunal has granted the *status-quo*.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed off accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 820.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 265/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/43/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 820.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/43/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

**Com. C.G.I.T.A. No. 265/04 in Reference
No. C.G.I.T.A. No. 215/04**

[Old Com. No. 219/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Barot Sahileshkumar Prakesh Kumar,
Kaligam,
Ahmedabad. Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and *ad-interim* application and Tribunal has granted the *status-quo*.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed off accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Dispute Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 821.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 266/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/44/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 821.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/44/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT AT AHMEDABAD**

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

**Com. C.G.I.T.A. No. 266/04 in Reference
No. C.G.I.T.A. No. 215/04**

[Old Com. No. 220/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Ghanshyam R. Jaiswal,
Shyamalbhai ni Chali,
Kaligam Sabarmati,
Ahmedabad. Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. Department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and *ad interim* application and Tribunal has granted the *status quo*.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workman. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, *i.e.* Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Exs. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Exs. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 822.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 267/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/45/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 822.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/45/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT AT AHMEDABAD**

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 267/04 in Reference
No. C.G.I.T.A. No. 215/04

(Old Com. No. 221/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99)

Kodar Singh S. Rathod,
745, Gujarat Housing Board,
Chandkheda,
Distt. Gandhinagar. Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Dispute Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. Department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and *ad interim* application and Tribunal has granted the *status quo*.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Exs. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Exs. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Ex. 11 the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 823.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 268/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/46/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 823.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s O.N.G.C. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/46/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT AT AHMEDABAD**

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 268/04 in Reference No.

C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 222/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Christan Johnson Rajnikant,
10, Jaitum Park Society,
Maninagar,
Ahmedabad.

... Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad.

... Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the service is the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Honble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Dispute Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workman. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Annexure the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Dated : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 824.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या

269/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/47/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 824.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. O.N.G.C. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/47/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 269/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 223/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Dinesh Kalidas Solanki,

Sahij Tal, Kalol,

Distt. Gandhinagar.

... Complainant

Versus

Group General Manager,

ONGC, Ahmedabad Project,

Avani Bhavan, Ahmedabad.

... Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The

opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workman. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Annexure the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Dated : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 825.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ.एन.जी.सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 270/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/48/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 825.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. O.N.G.C. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/48/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

**Com. C.G.I.T.A. No. 270/04 in Reference
No. C.G.I.T.A. No. 215/04**

[Old Com. No. 224/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Chaudhary Dipak Kumar Punjabhai,
B-116, Shantikunj Society,
IOC Road, Chandkheda,
Distt. Gandhinagar.

... Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad.

... Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and

ad interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workman. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Dispute Act by the opponent. Hence this complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Annexure the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 826.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में निर्यात और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 271/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/49/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 826.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s O.N.G.C. Ltd. and their workmen,

which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/49/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 271/04 in Reference No.

C.G.I.T.A. No. 215/04

(Old Com. No. 225/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99)

Parmar Ashok Manilal,
Sertha Post, Kasturinagar,
Dist. Gandhinagar.

... Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad.

... Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen has raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad-interim application and Tribunal has granted the status-quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act

and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed off accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Annexure the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 827.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 272/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/50/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 827.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/50/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 272/04 in Reference No.

C.G.I.T.A. No. 215/04

(Old Com. No. 226/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99)

Dinesh Fulabhai Chauhan,

Naz. Tal Daskroi,

Dist. Ahmedabad.

... Complainant

Versus

Group General Manager,

ONGC, Ahmedabad Project,

Avani Bhavan, Ahmedabad.

... Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen has raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad-interim application and Tribunal has granted the status-quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted

that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed off accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Annexure the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 828.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 273/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/51/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 828.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/51/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 273/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 227/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Gautambhai Jethabhai Parmar,
C/33, Indira Nagar, Motera Road,
Sabarmati, Ahmedabad. . . . Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhavan, Ahmedabad. . . . Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad-interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present

complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Annexure the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 829.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 274/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/52/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 829.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/52/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 274/04 in Reference No.

C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 228/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Solanki Vinodbhai Devsibhai.

Veljibhai no Kuvu.

C/33, Indira Nagar, Motera Road,

Sabarnati, Ahmedabad. . . . Complainant

Versus

Group General Manager.

ONGC, Ahmedabad Project.

Avani Bhavan, Ahmedabad. . . . Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad-interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the Opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Annexure the complaint is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 830.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 275/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/53/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 830.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/53/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT AT AHMEDABAD**

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 275/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

(Old Com. No. 229/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99)

Rathod Jaswantbhai Laljibhai,
9 New Ashoknagar Society,
Rajpur, Gomtipur, Ahmedabad. . . . Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhawan, Ahmedabad. . . . Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad-interim application and Tribunal has granted the *status-quo*.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Dispute Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Annexure the complaint is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 831.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 276/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/54/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 831.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/54/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., L.L.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 276/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

(Old Com. No. 230/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99)

Rathod Nareshbhai Jaswantbhai,

Sertha, Post Kastrinagar,

Distt. Gandhinagar.

... Complainant

Versus

Group General Manager,

ONGC, Ahmedabad Project,

Avani Bhawan, Ahmedabad.

... Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint Under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his Service conditions

is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad-interim application and Tribunal has granted the *status-quo*.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workmen. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Ex. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Ex. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Annexure the complaint is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 832.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 277/04) को प्रकटित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/55/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 832.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 277/04) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/55/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., LL.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 277/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 231/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Dipakkumar R. Khatri,
Sahebpura Chali, Bhutbungla,
Jawahar Chowk, Sabarmati,
Ahmedabad. Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhawan, Ahmedabad. Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that

the act of the opponent changing his service conditions is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workman. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Exs. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Exs. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Annexure the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 833.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. ओ. एन. जी. सी. लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 278/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-30025/56/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 833.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 278/04) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s O.N.G.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-30025/56/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. Kazi, B.Sc., LL.M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 278/04 in Reference No.
C.G.I.T.A. No. 215/04

[Old Com. No. 232/03 in Ref. (I.T.C.) No. 139/99]

Jayntibhai Natubhai Patel,
At Dhamasan Tal. Kalol.
Distt. Gandhinagar,
Ahmedabad.

... Complainant

Versus

Group General Manager,
ONGC, Ahmedabad Project,
Avani Bhawan, Ahmedabad.

... Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Hemal K. Acharya

Opponent : Shri K. V. Gadhia

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, praying that the act of the opponent changing his service conditions

is in violation of Section 33 and it is also prayed that the opponent should not interfere with the working of the complainant and for other relief.

2. The brief facts of the complainant is that he is working since last 10 years as a helper in D.B.G. Department. The complainant and other workmen have raised the dispute which is pending before the Industrial Tribunal being reference I.T.C. No. 139/99. He is doing the permanent work. He is denied the wages which is given to the permanent employee of the O.N.G.C. The opponent is trying to change the service conditions and intending to terminate the services of complainant. Thus the act of the opponent being improper and illegal. Before terminating the services the permission of the Tribunal is necessary. Hence he prayed the relief as per para 10 of the complaint. By Ex. 2 the complainant has filed and ad interim application and Tribunal has granted the status quo.

3. The opponent has submitted the Written Statement by Ex. 10. The brief facts are that the complaint is not maintainable at law and Hon'ble Tribunal has no jurisdiction. The opponent has not contravened any provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act and hence this complaint is not maintainable. It is also submitted that the complainant is not a concerned workman. Thus the complaint is not tenable. Hence it is prayed that the complaint is required to be dismissed with cost.

4. During the course of proceedings the complainant had submitted Ex. 11 and it was submitted that in view of order passed in Main Reference, i.e. Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 (Old No. 139/99), the present complaint is become infructuous. The complaint may be disposed of accordingly.

5. Looking to the order passed in Reference C.G.I.T.A. No. 215/04 as per Exs. 46 and 48, the Tribunal has granted the application Exs. 46 and 48 of the present complainant and direction was issued that there should not be change in the service conditions of the complainant till the final disposal of that reference.

6. Thus it is clear that the opponent has not committed any breach of Section 33A of the Industrial Disputes Act and looking to the facts of the complaint there is no violation of Section 33(A) of the Industrial Disputes Act by the opponent. Hence thus complaint does not survive in law. Hence I pass the following order :

ORDER

In view of Annexure the complaint is hereby disposed of. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 17-11-04

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 834.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार लंजीबर्ना लाइम स्टोन माईन्स के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचाट (संदर्भ संख्या 63/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-29011/6/2002-आई. आर. (विविध)]

बी. एम्. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 834.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 63/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Bhubaneswar as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Lanjiberna Lime Stone Mines and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-29011/6/2002-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
BHUBANESWAR**

PRESENT :

Shri N.K.R. Mohapatra,
Presiding Officer, C.G.I.T.-cum-Labour Court,
Bhubaneswar.

INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 63/2002**Date of Passing Award—24th January, 2005****BETWEEN**

The Management of :

1. The Chief Mines Manager,
Lanjiberna Limestone Mines of ICL India Ltd.,
At./Po. Lanjiberna, Dist. Sundargarh, Orissa.
2. M/s. Vaibhav Heavy Vehicles Limited,
Contractor, At./Po. Lanjiberna,
Dist. Sundargarh, Orissa.
3. M/s. Bhagwati Mines, Contractor,
At./Po. Lanjiberna, Dist. Sundargarh, Orissa.

.....1st Party—Management.

AND

Their Workmen represented through the
President, Lanjiberna Shramik Sangh,
At./Po. Lanjiberna, Dist. Sundargarh, Orissa.

.....2nd Party—Workmen.

APPEARANCES :

None. For the 1st Party—Management
None. For the 2nd Party—Workmen

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of Powers conferred by Clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) have referred the following dispute for adjudication vide their Order No. L-29011/6/2002/IR (M), dated 07-05-2002 :—

“Whether the demand of M/s. Lanjiberna Shramik Sangh, Lanjiberna for regularization of 12 numbers of dumper drivers and operators (as per Annexure) by M/s. OCL India Limited, Lanjiberna Limestone Mines, who were working since 1986 continuously through M/s. Bhagwati Mines is justified? If so, what relief the workmen are entitled to?”

**LIST OF THE WORKERS OF M/s. BHAGWATI
MINERS**

Sl. No.	Name of the Workers (S./Sri)	Designation
01.	Soma Sekhar Nair	Heavy Equipment Operator
02.	Aviram Kerketta	-do-
03.	Joseph Ekka	Quarry Equipment Operator
04.	Dilip Kumar Pandey	Asst. Quarry Equip. Operator
05.	Cyril Dung Dung	-do-
06.	Devanand Singh	-do-
07.	Karlus Kindo	-do-
08.	Jainath Bhagat	-do-
09.	Gabriel Minz	-do-
10.	Abraham Kandulna	Heavy Equip. Operator
11.	Madhu Patro	-do-
12.	Justin Minz	-do-

On repeated notice being sent the President, Lanjiberna Shramik Sangh, the representative of the workmen, neither turned up nor did he file any statement of claim in support of his case. On the other hand, he filed a petition dated 16th June, 2003 stating to have resolved the dispute with the Management and as such intended not to proceed with the case. The representative of the principal employer, Lanjiberna Limestone Mines of OCL India Limited also agreed to have resolved the dispute with the workers Union and as such there appears no dispute between the parties, the same having been resolved as contended by the principal employer and the President, Lanjiberna Shramik Sangh.

3. Hence, no dispute award is passed.

N. K. R. MOHAPATRA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 835.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स यूनाइटेड स्टीवडोरस् एसोसिएशन ऑफ कोचीन (प्रा.) लि., कोचीन स्टीमर एजेन्ट्स एसोसिएशन के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय, अर्नाकुलम के पंचाट [संदर्भ संख्या 7/1999(सी)] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-35011/6/1998-आई. आर. (एम.)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 835.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award [Ref. No. 7/1999(c)] of the Labour Court, Ernakulam as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/S. United Stevedores Assn. of Cochin (P) Ltd., Cochin Steamer Agents Association and their workmen which was received by the Central Government on 10-02-2005.

[No. L-35011/6/1998-IR (M)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT LABOUR COURT, ERNAKULAM

(IN THE LABOUR COURT, ERNAKULAM)

(Wednesday, the 22nd day of December, 2004)

PRESENT :

Smt. K. K. Utharan, B. Sc., LL.B.,
Presiding Officer

Industrial Dispute No. 7 of 1999 (Central)

BETWEEN

The president, Cochin Steamer Agents Association,
M/S United Stevedores Association, Cochin (P) Ltd.,
Willington Island, Cochin-682003.

AND

The workman of the above concern represented by
the General Secretary, United Employees
Association, Fletcher Building, Willington Island.

REPRESENTATIONS :

Sri B. S. Krishnan Associates,
Advocates,
Warriam Road, Kochi-16For Management

Sri. Jacob Chacko,
Advocate,
Market Road,
Kochi-11.For Workman

AWARD

This reference was made by the Central Government of India as per letter No. L-35011/6/98/IR(M) dated 5-2-1999. The dispute is between the Management of M/s. United Stevedores Association of Cochin (P) Ltd., and their workmen. The dispute referred is :

“Whether the managements of Cochin Steamer Agents Association and United Stevedores Association of Cochin (P) Ltd., Cochin is justified in not associating the union viz. United Employees Association. in their bilateral discussion including discussion on charter of demands and rationalisation of manning scale of the workers ? If not, to what relief the union is entitled to ?”

2. The above reference was accepted to file and issued summons to the parties. The parties appeared before court and the union filed a claim statement. Thereafter the management filed written statement. But when the case is posted today on 22-12-04 the counsel for the union submitted that he has no instruction from his party. Union called absent. Therefore I think that the union/workman is not at all interested to pursue the dispute any further and that no industrial dispute is pending to be adjudicated.

In the result, the reference is answered holding that there is no subsisting industrial dispute between the parties to be adjudicated upon.

Dictated to the Confidential Assistant transcribed and typed out by her, corrected by me and passed this the 22nd day of December, 2004.

This award will take effect one month after its publication in the Official Gazette.

Ernakulam, K. K. UTHARAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 836.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ई. सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचाट (संदर्भ संख्या 27/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/32/2002-आई. आर. (सी.एम.-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 836.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. 27/2002) of the Central Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour Court, Asansol as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of ECL and their workmen, received by the Central Government on 9-02-2005.

[No. L-22012/32/2002-IR (CM-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ASANSOL****PRESENT :**

Sri Md. Sarfaraz Khan, Presiding Officer.

REFERENCE NO. 13 OF 2002**PARTIES :**

Employers in relation to the management of
Pandeshwar Colliery of M/s. ECL., Distt. Burdwan
(WB).Management

 *Vrs.*

Sri Baleshwar Yadav, Ex-Timber Mistry,
represented by the Chief General Secretary, Koyala
Mazdoor Congress, Asansol.Workman

REPRESENTATIVES :

For the Management : Sri P. K. Das, Advocate.

For the Workman : Sri S. K. Pandey, General
(Union) Secretary, K.M.C., Asansol.

INDUSTRY : COAL STATE : WEST BENGAL

Dated 15-12-2004

AWARD

In exercise of the power conferred by clause (d) of Sub-Section (1) and Sub-Section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), Govt. of India, through the Ministry of Labour vide its Order No. L-22012/134/2001-IR (CM-II) dated 12-06-2002 has been pleased to refer the following dispute for adjudication by this Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Pandaveshwar Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd. in not referring the case of Sri Baleswar Yadav, Ex. Timber Mistry, to the Apex Medical Board for assessment of his age and forcefully superannuating him from service on 18-7-2000 is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?”

2. In pursuance to the summons issued through the Registered Post by the Tribunal both the concerned parties to the dispute appeared through their representatives and filed their separate sets of written statement in support of their respective claims.

3. The case of the workman concerned in brief compass as set-forth in his written statement is that Sri Baleshwar Yadav, Ex-Timber Mistry is the permanent employee of Pandaveshwar Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd. He had objected in the year 1987 to the wrong recording of his date of birth in the records of the

company which was written as 1-7-1936 and had requested the management to correct his date of birth as 1-7-1943 according to the C.M.P.F. records.

4. The further case of the union is that the management arbitrarily assessed his age as 48 years as on 18-7-1988 i.e. 18-7-1940. Sri Baleshwar Yadav again protested against this assessment, as this was not done according to the medical jurisprudence and the other records of the company such as CMPF records etc. were also not taken into consideration at the time of their assessment.

5. It is also the case of the union that the higher management of the company conceded to his demand, approved assessment of his age through an Apex Medical Board and fixed up a date of 14-8-1992 for the same. Since the workman concerned was on leave on the particular date, he could not appear before the Apex Medical Board and accordingly he informed the management and requested to the management for fixing another date for assessment of his age. But this was not done. The matter was kept pending for years together and ultimately he was forcefully superannuated w.e.f. 18-7-2000 which is quite illegal and unjustified. So a relief has been sought praying therein to direct the management to refer the case of Baleshwar Yadav to the Apex Medical Board for assessment of his age and to pay the workman his full back wages w.e.f. 18-7-2000.

6. On the other hand the case of the management in short is that the instant reference as raised by the union over the terms of reference is entirely misconceived one and the same does not come under the scope of the I.D. Act.

7. The main case of the management is that the workman had raised the dispute through S.R.F. supplied to him in the year 1987 as per norms and I.I. No. 76, the case of Sri Yadav was referred to the age determination committee and his age was assessed as 48 years as on 18-7-1988 and the same was communicated to the workman vide letter No. Pand/Age/Assessment/88/85 dated 1-2-1989. There after the workman concerned again made a representation for re-assessment of his age by challenging earlier age assessed and he was again given an opportunity by the management to appear before the Apex Medical Board on 14-8-1992 at 9.00 A.M. but he did not appear before the Medical Board for his age assessment. So in view of the facts and circumstances the management has prayed to hold that the action of the management is totally justified and the workman concerned is not entitled to any relief after his superannuation from service.

8. On perusal of the record it transpires that the case was fixed for hearing argument but in the mean time a petition was filed by the learned lawyer of the management jointly signed by the representative of both sides. It is stated in the said joint petition that the matter may be disposed of by directing the management to refer the concerned employee to the Apex Medical Board for determination of his age as per guidance of I.I. No. 76 of J.B.C.C.I.

9. It is the admitted fact that an opportunity by the management was given to the workman to appear before the Apex Medical Board on 14-8-1992 at 9.00 A.M. but the workman concerned did not appear before the Apex Medical Board for his age assessment. It is the definite case of the union that since the workman was on leave on that particular date so he could not appear before the Apex Medical Board and in this regard he had informed the management and requested for fixing another date for assessment of his age. This fact has not been controverted by the management in his pleading rather the management is silent on this point which go to support the claim of the union. The management should have considered the cogent ground of the absence of the delinquent employee and should have given an opportunity to appear before the Apex Medical Board for his age assessment as the workman was entitled for the same.

10. However in the light of the facts circumstances of the case and the joint submission made by the representatives of both sides. I am satisfied to hold that it is a fit case which must be referred to the Apex Medical Board for the determination of the age of the delinquent employee as per the spirit of the instruction No. 76 of J.B.C.C.I. Implementation Report. And as such it is hereby.

ORDERED

that let the management be directed to refer the delinquent employee to the Apex Medical Board for determination of his age within 15 days of the receipt of this award. The finding of the Apex Medical Board shall be final and binding upon both the parties. Accordingly the award be and the same is passed and the reference is disposed of.

Copies of the award be sent to the Ministry of Labour at the earliest for information and needful.

MD. SARFARAZ KHAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 837.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ई. सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण आसनसोल के पंचाट (संदर्भ संख्या 13/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/134/2001-आई. आर. (सी.एम.-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 837.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. 13/2002) of the Central Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour Court, Asansol as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of M/s. Eastern

Coalfields Ltd. and their workmen, received by the Central Government on 09-02-2005.

[No. L-22012/134/2001-IR (CM-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ASANSOL

PRESENT :

Sri Md. Sarfaraz Khan, Presiding Officer.

REFERENCE NO. 27 OF 2002

PARTIES : The Agent, Kalipahari (R) Colliery,
M/s. ECL., P.O. Kalipahari,
Distt. Burdwan (WB).Management

Vrs.

Sri Chota Kailash Paswan, Security Guard,
Damra Colliery, (Bengal Coal Damra), P.O.
Kalipahari, Distt. Burdwan.Workman

REPRESENTATIVES :

For the Management : None.

For the Workman : Sri S. K. Pandey, General
Secretary, K.M.C., Asansol, Distt.
Burdwan.

INDUSTRY : COAL

STATE : WEST BENGAL

Dated 15-12-2004

AWARD

In exercise of the powers conferred by clause (d) of Sub-section (1) and Sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), Government of India, through the Ministry of Labour vide its Order No. L-22012/32/2002-IR (CM-II) dated 05-08-2002 has been pleased to refer the following dispute for adjudication by this Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Damra Colliery under Sripur Area of M/s. ECL in dismissing Sh. Chota Kailash Paswan, Security Guard w.e.f. 9-4-1996 is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. After receipt of the aforesaid order of reference summons were issued to the respective parties through the Registered Post. Having received the summon A. Chakraverty, Advocate representing the union appeared and filed the written statement on behalf of the workman but in spite of service of the summons for the management nobody turned up to represent the management on 13-01-2003 and then the case was pending for the appearance of the management. Again a fresh notice was issued on 27-5-2004, but in spite of several adjournments the management did not turn up and ultimately the case was fixed for ex-parte hearing which was taken up for ex-parte hearing on 15-12-2004.

3. In brief compass the case of the workman concerned as per his written statement is that Sh. Chota Kailash Paswan has been working as a permanent Security Guard at Damra Colliery since long with unblemished record of service. The local management is claimed to be very much biased and prejudiced against the concerned workman and with an ulterior motive to victimise the concerned workman a false and frivolous charge-sheet dated 29-2-1996 was issued on the allegation that he absented from duty on 28-2-1996. He was also suspended with immediate effect.

4. The main case of the workman is that the allegation as levelled in the charge-sheet does not constitute any misconduct and the charge-sheet was issued by an un-authorised person. The enquiry is also claimed to be conducted in utter violation of the principles of natural justice through a biased and prejudiced enquiry officer and even no charge is established against the workman. The workman has been dismissed at the hands of an un-authorised person. Besides this neither the copy of the enquiry report and proceedings were supplied prior to the dismissal of the workman concerned nor any second show cause notice was issued. The dismissal order is also challenged to be too harsh and against the provision of the certified standing order of the company on the aforesaid facts the workman has sought a relief praying therein to set aside the dismissal order and to re-instate the workman with full back wages with the continuity of the service.

5. From perusal of the record it transpires that some photo copies of the documents have been filed by the side of the workman. Copies of the two charge-sheets dated 29-2-96 & 1-3-96. Reply of both the said charge-sheets. Copy of the enquiry report. Copy of the letter dated 29-3-96 sent by the Agent to the workman and the copy of the reply of the said letter dated 29-3-96 have been filed.

6. During the course of argument it was submitted by the workman side that on 28-2-96 the workman concerned had been out for half an hour answer the call of nature after intimating his colleague Sri Ramakant Ojha who informed the manager also. It is further submitted that on 1-3-96 he had been to the Acting Manager requesting him to remove suspension but without listening him he became furious and used filthy language which led to altercation.

7. On perusal of the record and the documents filed by the workman side it is clear that the delinquent employee was on duty on 28-2-96 in the second shift at the colliery cash office and at about 7.30 P.M. to 8.30 P.M. on 28-2-96 he had been to answer the call of nature towards the river side. He had intimated his colleague Ramakant Ojha who had informed the Manager in this regard during the course of inspection at the relevant time. The absence of the workman during the relevant time of inspection to answer the call of nature intimating his colleague, can't be said be deliberate. It is not possible to take permission or to intimate the management specially when the workman was under pressure to answer the call of nature. He had no alternative but to intimate his

colleague available during the relevant time as there was no any other security guard on duty. This act of absence for an hour from duty under the compelling circumstance beyond the control of the workman may not amount to a gross misconduct demanding dismissal of the employee. I do find force in the argument of the workman side and the grounds of absence appears to be satisfactory and reasonable. The management in spite of repeated issuance of notices by registered post and even having received the notices twice did not care to attend the Court to defend its case which led to the ex-parte hearing of the dispute. There is no material available on the record to contradict the contention of the union side. The fairness and validity of the enquiry proceeding and non-issuance of the second show cause before passing any punishment for the alleged misconduct has been challenged and there is none to answer and meet the challenge either on the facts or legal points. From the side of the management itself. These all facts go to show that the principles of natural justice has been ignored and the same has been violated.

8. In view of the above facts, circumstance materials available on the record and the discussion made. I am satisfied to hold that the punishment of dismissal for the alleged misconduct under the compelling circumstance and without any mala fide intention is not just and proper rather the same is too harsh which is totally disproportionate to the alleged misconduct even in case it would have been proved. And such the order of dismissal of the delinquent workman is hereby set aside and he is directed to be re-instated with the continuity of the service along with the full back wages. Accordingly it is hereby

ORDERED

that let an ex-parte award be and the same is passed. Copies of the award be send to the Ministry of Labour for information and needful. The reference is accordingly disposed of.

MD. SARFARAZ KHAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 838.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एन. सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 68/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/133/2001-आई. आर. (सी.एस.-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 838.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. 68/2002) of the Cent. Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour Court, Kanpur (U.P.) as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Northern Coalfields

Ltd., and their workmen which was received by the Central Government on 09-02-2005.

[No. L-22012/133/2001-IR (CM-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI SURESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, SARVODAYA NAGAR, KANPUR, U.P.

Industrial Dispute No. 68 of 2002

In the matter of dispute between :

The President
Rashtriya Colliery Mazdoor Congress
H.O. Water Board Colony
Harminder Road,
Hirapur,
Dhanbad (Bihar)

AND

The General Manager
Northern Coalfield Limited.
Khadia Project Khadia,
Khadia Post Office,
District Sonbhadra, U.P.

AWARD

1 Central Government, Ministry of Labour, vide notification No. L-22012/133/2001-IR (CM-II) dt. 23-8-02 has referred the following dispute for adjudication to this tribunal :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Northern Coalfield Ltd. in dismissing Sh. P. N. Sachan from services is legal and justified? If not to what relief the workman is entitled to?

2. In the instant case, the case after exchange of pleadings was fixed for evidence of parties. For this purposes repeated opportunities were granted to the contesting parties and notices in this regard have also been sent to the parties concerned. The concerned workman on few dates attended the proceedings of the case and made his initials on the order sheet itself. One such order sheet is of date 22-10-03 and in his presence the case was directed to come up for evidence on 19-2-04. On 26-5-04 when the case was taken up for hearing it was found that the workman is absent, however it is made clear that on previous date i.e. 26-5-2004 the workman was present and received the copy of the reply filed by the management. After 26-5-04 the concerned workman stopped coming in the case nor ever sent any application.

3. On 14-7-04 when the case was taken up for hearing and evidence of the parties, once again the workman was found absent, hence the workman was debarred from evidence. The representative for the management was also present and he made an endorsement on the ordersheet that employer too has not to adduce any evidence as the workman has not lead any

evidence in the case. The case was then posted for arguments on 13-10-04.

4. Therefore from the above it is obvious that the present case virtually a case of no evidence inasmuch as the concerned workman or the union espousing the case on his behalf have palpably failed to adduce evidence in support of the case. Under these circumstances the tribunal is left with no other option but to hold that the concerned workman/union is not entitled for any relief for want of evidence.

5. Accordingly held that the concerned workman/union is not entitled to get any relief in the case in pursuance of the present reference order for want of evidence and the claim of the workman is liable to be rejected which is hereby rejected.

6. Reference is answered in affirmative in favour of the workman and against the workman.

SURESH CHANDRA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 839.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एफ. सी. आई. के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, गोहावटी के पंचाट [संदर्भ संख्या 2(सी)/2004] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/265/2002-आई. आर. (सी.एम.-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 839.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award [Ref. 2 (C)/2004] of the Industrial Tribunal, Guwahati now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-2005.

[No. L-22012/265/2002-IR (CM-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, GUWAHATI, ASSAM

REFERENCE NO. 2(C) OF 2004

PRESENT :

Shri D.C. Choudhury, Presiding Officer
Industrial Tribunal, Guwahati.

In the matter of an Industrial Dispute between :

The Management of
Food Corporation of India,
Shillong

Versus

The District Secretary,
FCI Executive Staff Union, Silchar.

Date of Award ; 28-12-04

AWARD

The reference arising out of the Govt. Order No. L-22012/265/2002-(IR (CM-II) dt. 08-08-2003 relates to the dispute indicated in the schedule below :

“Whether the action of the management of Food Corporation of India, Regional Office, N.E.F. Region, Shillong in transferring entire staff from District Office, Silchar, NEFR to Distt. Office, Aizal and closing down District Office, Silchar is legal and justified ? If not, to what relief the employees of District Office, Silchar, NEFR under Regional Office, NEFR, Shillong, FCI are entitled ?”

On receipt of notice both the parties appeared and filed their written statement before this Tribunal. Management is taken step through their Deputy Manager Mr. R. Chawla. The Union side is absent without step. On perusal of ordersheet it is found that the union side is absent persistently for last 3 dates without any step. It appears to me that the union side is not interested to proceed with this matter. Consequently it appears to me there is no dispute between the parties at this stage. Accordingly no dispute award is hereby passed.

Given under my hand and seal of this tribunal on this 28-12-2004.

D. C. CHOUDHURY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 840.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी जी आई टी/एल सी/आर/12/93) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/278/1998-आई. आर. (सी.एम.-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 840.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award Ref. CGIT/LC/R/12/93 of the Cent. Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour court, Jabalpur now as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of WCL and their workmen, received by the Central Government on 09-02-2005.

[No. L-22012/278/1998-IR (CM-II)]
N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR
COURT, JABALPUR**

CASE NO. CGIT/LC/R/12/93

Shri C. M. Singh, Presiding Officer.

The Secretary,
Samyuktha Koyla Mazdoor Sangh,
PO Chandametta,
Distt. Chhindwara (MP)

.....Applicant

Versus

The General Manager,
Kanhana Area of WCL,
PO Dungaria,
Distt. Chhindwara (MP).

.....Non-applicant

AWARD

Passed on this 31st day of January, 2005.

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012/278/98-IR-(C.II) dated 14-1-93 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

“Whether the action of the management of Kanhana Area of W.C. Ltd. in relation to their Nandan Colliery No. 1 in dismissing the services of Shri Basodi S/o Imrath, General Mazdoor Category I w.e.f. 19-12-1988 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?”

2. After the reference order was received and registered in this tribunal, notices were issued to the parties to file their respective statement of claim etc. The workman filed his statement on claim, the management filed written statement and thereafter the workman filed rejoinder. The case was at the stage of cross-examination of management's witness by the workman. In spite of repeated notice, the workman remained absent and therefore on 28-1-2005, the service of notice on the workman held sufficient by this court. In spite of notice, the workman failed to appear for prosecuting the case.

3. It is very clear from the above circumstances that the workman has lost interest in the case and does not want to prosecute it. Therefore No Dispute Award is passed without any order as to costs.

C. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 841.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी जी आई टी/एल सी/आर/262/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/493/1998-आई. आर. (सी.एम.-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 841.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award Ref. CGIT/LC/R/262/99 of the Cent. Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of WCL and their workmen, received by the Central Government on 09-02-2005.

[No. L-22012/493/1998-IR (CM-II)]
N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR
COURT, JABALPUR**

CASE NO. CGIT/LC/R/262/99

Shri C. M. Singh, Presiding Officer.

The Vice President,
R.K.K.M.S (INTUC),
P.O. Chandametta,
Distt. Chhindwara

.....Applicant

Versus

The General Manager (IR),
W.C.Ltd., Coal Estate,
Civil Lines, Nagpur (M.S.)

.....Non-applicant

AWARD

Passed on this 27th day of January, 2005.

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012/493/98-IR (C.M.II) dated 26—28-7-1999 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

“Whether the action of the management of WCL, Nagpur in not promoting Shri Sunil Kumar Bhaisya, Pharmacist T & S Grade C of WCL, Kanhan Area (Hirdegargh Siding Dispensary of WCL, Kanhan area) to Pharmacist T & S Grade B is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?”

2. The case was at the stage of filing statement of claim. On 2-9-94 the date fixed in the reference, Shri A. K. Shashi, Advocate for the management filed a memorandum of settlement in Form “H”. On 27-1-2005 the date fixed in the reference, the execution of the aforesaid settlement deed was verified by the workman in person and the counsel for the management. Thus the deed of settlement is duly verified before me. The verification has been recorded on the back of Paper No. 7 of record. The terms of settlement are as under :—

“1. It is agreed by the Union and the workman himself viz Shri S.K. Vaishya that case No. R/262/99 pending before the Hon’ble CGIT will be withdrawn on promotion as the dispute has been resolved amicably.

2. This agreement will not be a precedent in future and has been agreed by the union that such similar case will not be raised in future by quoting this as an example.

3. This is full and final settlement in respect of the promotion of the employee concerned. Neither workman concerned himself nor through any Union shall raise any dispute in regard to this settlement at any level statutory or non-statutory, judicial or non-judicial.”

The parties have prayed that the award may be passed in terms of settlement.

3. I have perused the above terms of settlement deed which appears to be just, fair and lawful. I, therefore, record award in terms of settlement arrived at between the parties and made no order as to costs.

4. The copy of the award be sent to the Govt. of India, Ministry of Labour as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 842.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डब्ल्यू. सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी डी आई टी/एल सी/आर/155/94) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/175/94-आई. आर. (सी.एम.-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 842.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award Ref. No. CGIT/LC/R/155/94 of the Cent. Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Western Coalfields Limited and their workmen, received by the Central Government on 09-02-2005.

[No. L-22012/175/94-IR (CM-II)]
N. P. KESAVAN Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, JABALPUR**

CASE NO. CGIT/LC/R/155/94

Shri C. M. Singh, Presiding Officer.

The Organising Secretary,
Rashtriya Koyla Khadan Mazdoor Sangh
(INTUC),
At & P.O. Dungaria,
Distt. Chhindwara (MP).

Applicant

Versus

The General Manager,
Kanhan Area of Western Coalfields Limited,
At & PO Dungaria,
Distt. Chhindwara (MP).

Non-applicant

AWARD

Passed on this 2nd day of February, 2005.

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012/175/94-IR (C. II) dated 12-9-04 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

“Whether the action of the management of General Manager, Kanhan Area, Western Coalfields Ltd., Chhindwara is justified in granting designation of accounts clerk to Shri H. P. Gayatra from 3rd November 1989 in Grade II instead of 12-12-1982 the date from which he was utilised in accounts section. If not, what relief the workman is entitled to ?”

2. The reference order was received and registered in this tribunal on 19-9-94. It was at the stage of evidence of workmen/Union on 20-9-04 when the management filed Memorandum of settlement in Form-H arrived at between the parties. This memorandum of settlement was duly verified before me by the learned counsels for the parties.

3. I have perused the above Memorandum of settlement. The terms of settlement appears to be just, fair and lawful. I therefor record my Award in terms of Memorandum of settlement arrived at between the party and pass no order as to costs.

4. The copy of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 843.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस. ई. सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी जी आई टी/एल सी/आर/167/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/136/97-आई. आर. (सी.एम.-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 843.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award Ref. No. CGIT/LC/R/167/98 of the Cent. Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of SECL and their workman, received by the Central Government on 09-02-2005.

[No. L-22012/136/97-IR (CM-II)]
N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, JABALPUR**

CASE NO. CGIT/LC/R/167/98

Shri C. M. Singh, Presiding Officer.

The General Secretary,
Koyla Mazdoor Sabha (UTUC),
Sohagpur Area,
PO Dhanpuri,
Distt. Shahdol (MP).

Applicant

Versus

The General Manager,
Sohagpur Area, SECL,
PO Dhanpuri,
Distt. Shahdol (MP).

Non-applicant

AWARD

Passed on this 3rd day of February, 2005.

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012/136/97-IR (C.II) dated 30-7-98 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

“Whether the action of the General Manager, SECL, Sohagpur Area in not protecting basic of Shri Mithai Lal. Burhar No. 3 Colliery on his promotion from the post of Munshi is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?”

2. After the reference order was received and registered in this tribunal-cum-Labour Court, notices were issued to the parties to file their respective statements of claim. The case was at the stage of filing statement of claim by the workman. In spite of sufficient service of notice on the workman by registered AD post, he failed to appear and prosecute the case. Thereafter the notice was also sent to him under certificate of posting. In spite of it, he did not appear to prosecute the case. It clearly indicates that the workman does not want to prosecute this case.

3. Under the above circumstances, It is quite clear that the workman has no interest in prosecuting the case. Therefore No Dispute Award is passed without any orders as to costs.

4. The copy of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 844.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हरियाणा मिनरल्स लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक

अधिकरण, नई दिल्ली-II के पंचाट (संदर्भ संख्या 40/95) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-29012/99/94-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 844.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 40/95) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi-II as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Haryana Minerals Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-29012/99/94-IR (M)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, NEW DELHI

I. D. No. 40/95

Shri R. N. Rai, Presiding Officer

In the matter of :

Sh. Rajinder Prasad,
S/o Mandan Lal, R/o 2128,
Prem Nagar, West Patel Nagar,
New Delhi-08.

Versus

The Managing Director,
Haryana Minerals Ltd.,
703-704, Arunachal Building,
Barakhamba Road, New Delhi.

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-29012/99/94-IR (VIVIDH) Central Government, dt. 03/06-03-1995 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :—

“Whether the action of the management of M/s. Haryana Minerals Ltd. in terminating the services of Sh. Rajinder Prasad w.e.f. 21-12-92 is justified? If not, to what relief he is entitled and from what date”.

The claimant has filed statement of claim. In the statement of claim, it has been stated that the respondent management notified the vacancies to the employment exchange Narnaul and District Soldiers Board and to the

Department candidate for this selection and filling up the post of Asstt. accountant in Haryana Minerals Limited and the petitioner applied for the post in question and after facing selection the petitioner was appointed on 12-4-91 to the post of Asstt. Accountant and the petitioner was put on probation for a period of one year and after completion of 1 year probation period, the management did not extend the period of probation and therefore, the petitioner acquired the status of a confirm employee and therefore is entitled for all the service benefit including the benefit of ID Act, 1947.

That the petitioner has been working in the HML since his appointment to the entire satisfaction of all his superior and there has been no complaint of any type against the petitioner. It is submitted that the petitioner acquired the status of confirmed employee and therefore is entitled for all the benefit which are admissible under the Industrial Dispute Act, 1947.

That the management vide its order dated 21-12-92 retrenched the petitioner from service without following the procedure and the impugned order dated 21-12-92 is produced here as under :—

“Consequent upon reduction of mining operations and productions of the minerals your services have been found surplus in your category. Your services are hereby retrenched with effect from 21-12-92. Please collect the amount of one month's pay in lieu of notice and retrenchment compensation admissible to you under section 2-F(e) on 21-12-92 from the cash section”.

That the impugned order 21-12-92 passed by Chief Mining Engineer is illegal without jurisdiction against the mandatory provisions of the ID Act, 1947, against the principle of natural justice and therefore the same is liable to be quashed and the petitioner is entitled to re-instatement and service alongwith all the service benefits.

The management has filed written statement. In the written statement, it has been stated that in pursuance to the order of the Hon'ble Supreme Court of India dated 15th May 1992, passed in writ petition (C) No. 4677/1985 titled as M. C. Mehta etc. Vs. Union of India, all the mechanical stone crushers in Faridabad/Ballabgarh area had to face closure with effect from 15th August 1992. Further the Hon'ble Supreme Court directed the immediate stoppage of stone crushers in the union territory of Delhi/Faridabad-Ballabgarh complex, which had no valid licences from the appropriate authorities. Besides, the Central Pollution Control Board has also stopped some other stone crushers under section 31A of Air (Prevention and Control of Pollution) Act 1981. As a result almost all the stone crushers of the area have been ceased to operate.

The stone produced by various mining establishments in Faridabad and Ballabgarh area, is required to be crushed in the stone crushers so as to make it commercially useful as road metal or building stone and make it marketable. Due to closure of stone crushers who are the users of the stone produced by the mining industry of the area including the various mining establishments operated by Haryana Minerals Ltd. suffered

serious bolt. As a result the mining operations and production of minerals of these establishments have suffered a crisis causing a serious set back in these mining establishments.

In the circumstances the management was unable to provide employment to its workmen in the stone quarry in question. It was compelled to take appropriated legal steps for retrenchment of its workmen. In the aforesaid circumstance the management after going through/ complying all the provisions of law has taken a decision for retrenchment and passed the order dated 21-12-92 in consonance with the provisions of Industrial Disputes Act, 1947.

The services of the workman have been retrenched in compliance of Section 25(F) Chapter V-A of the Industrial Disputes Act, 1947 after going through all the requirements as contemplated therein. That the order of retrenchment dated 21-12-92 is just, legal and valid as the same have been passed in compliance with the provisions of Chapter V-A of Industrial Disputes Act, 1947. Section 25(F) has completely been followed. Pay in lieu of one month's notice and retrenchment compensation has been paid to the workman. Notice has also been given in compliance with Section 25(F).

The claimant has filed rejoinder. In his rejoinder he has reiterated the averments of his claim and has denied most of the paras of the WS. The evidence of both the parties has been taken.

Heard arguments from both the sides and perused the papers on the records.

It transpires from perusal of the records that the workman was absenting from 22-04-03 and he was not present despite knowledge. Notice has been sent to him still he did not turn up. It was submitted from the side of the management that due to the judgment of the Hon'ble Supreme Court in M. C. Mehta's case, the Units of the respondent in Union Territory of Delhi/Faridabad & Ballabgarh Complex were closed. The Central Pollution Board also stopped crushers under Section 31(A) of AIR (Prevention & Control of Pollution) Act, 1981 as such most of the workmen had to be retrenched. This workman was also retrenched in view of the orders of the Hon'ble Supreme Court and Central Control Board. Retrenchment compensation has been paid and no junior to the workman applicant has been taken into service as such the provisions of Section 25 F of the Industrial Disputes Act, 1947 is not attracted. Compensation has been paid and no fresh appointment has been taken as such 25 H of the Industrial Disputes Act, 1947 is also not applicable. The workman applicant is not entitled to get any relief as prayed for.

The reference is replied thus :—

The action of the management of M/s. Haryana Minerals Ltd. in terminating the services of the Rajinder Prasad w.e.f. 21-12-92 is justified. The workman applicant is not entitled to get any relief as prayed for.

The Award is given accordingly.

Dt. : 01-02-05

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 845.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय पुरातत्व विभाग के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 65/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/222/2001-आई. आर. (सीएम-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 845.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) of the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 65/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Kanpur (U. P.) as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Archaeological Survey of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-42012/222/2001-IR (CM-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI SURESH CHANDRA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, SARVODAYA NAGAR, KANPUR, U. P.

Industrial Dispute No. 65 of 2002

In the matter of dispute between :

Vyas Muni Dwivedi,
S/o Sh. Basant Rai Dwivedi,
Niwasi Village and Post Purauna,
District Reewan,
Reewan, M. P.

AND

The Superintendent,
Archaeological Survey of India,
Ballieguard Cottage Golaganj,
Lucknow.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide notification No. L-42012/222/2001/IR/CM-II, dated 6-8-02 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the Suptd. Archaeological Survey of India, Lucknow in terminating the services of Sri Vyas Muni Dwivedi a daily rate worker w.e.f. Dec. 95 and employing junior workman without giving him opportunity of employment is legal and justified ? If not to what relief the workman is entitled to ?

2. It is unnecessary to give full facts of the case as on 5-8-04 when the case was taken up for hearing, the auth. representative for the workman instead of adducing evidence of the workman has submitted before the Tribunal that as the workman is not turning up, hence is not inclined to prosecute with the present case. He also made an endorsement to this effect on the statement of claim filed by the workman. Before 5-8-04, the workman was given repeated opportunities by the tribunal to adduce his evidence, but he palpably failed to adduce any evidence in support of the case.

3. In view of the facts and circumstances of the case discussed above, the tribunal is left with no other option but to hold that the workman is not interested in prosecuting his case and accordingly the workman is not entitled for any relief as claimed by him for want of evidence.

SURESH CHANDRA, Presiding Officer
नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2005

का. आ. 846. — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सीमेंट कार्पो ऑफ इण्डिया के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली-II के पंचाट (संदर्भ संख्या 15/93) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42011/2/92-आई. आर. (विविध)]
बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 10th February, 2005

S.O. 846.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 15/93) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi-II as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Cement Corpn. of India and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-42011/2/92-IR (M)]
B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, NEW DELHI

I. D. No. 15/93

PRESENT :

Shri R. N. Rai, Presiding Officer

In the matter of :

The General Secy.,
Cement Corporation Karamchari Union,
Charkhi Dadri.

Versus

The General Manager,
Cement Corporation of India,
Charkhi Dadri.

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-42011/2/92-IR (Misc) Central Government, dt. 28-01-1993 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :—

“Whether the action of the management of CCI, Charkhi Dadri in not paying the compensation of wages for the period from 31-8-89 to 17-9-89 to all the workmen of coal handling section whose names are given with the demand notice is fair, just and legal ? If not, to what relief the workmen concerned is entitled to and from what date”.

The General Secretary on behalf of the workmen has filed statement of claim. In the statement of claim, it has been stated that present dispute relates to the following 31 workmen employed in Charkhi Dadri Cement Corporation of India Ltd. in Coal and Raw Material handling department. That Charkhi Dadri Cement unit was earlier managed by its former management of Dalmia Dadri Cement Ltd. who declared illegal closure of this unit on 18-3-80 and rendered its work force jobless except 95 without making payment of any compensation U/s 25F or 25FFF and other legal dues of the workers.

That on the persistent demand of the workman the Govt. of India later on taken over the said unit by promulgating Presidential Ordinance on 23-6-81 which was replaced with Parliament Act namely Dalmia Dadri Cement Ltd. (Transfer of Undertakings and Acquisition) Act, 1981. The Govt. simultaneously handed over its management to Cement Corporation of India Ltd., which is a public undertaking. The take over of above closed undertaking was mainly to provide employment to the employees who had rendered jobless.

That production capacity of the said unit at the time of closure was 750 MT per day. The management of CCI Ltd. after take over, however, decided to run the plant only with the production of 500 MT per day. The work force at the time of closure was 1600 workmen on muster rolls besides about 120 workers employed on the job of cement loading and unloading of coal and raw material handling. The management of CCI Ltd. however, determine the man power strength as 862 Muster rolls employees besides 33 workmen on the job of cement loading and 31 workers on the job of coal and raw material handling.

That seniority list of coal and raw material handling workers was also drawn as stated in para I about whose services were required every day. That wages and other service conditions of all the workers employed in cement industry in the country have settled on all India basis. The Govt. of India appointed tripartite wage board for cement industries who gave its recommendations in 1959 which were accepted by the Govt. and made effective from 1-1-60.

That it was allowed under the recommendations of 1st cement wage board that work on the job of cement

loading and coal and other raw material handling is allowed to be done through contract system due to uncertainty prevailing on these jobs on account of untimely supply of Railway Wagons. These recommendations were based upon Hyderabad Committee 1955. It was, however, recommended on the same time that the workmen employed on these jobs through contract system would be entitled to get the same rate of wages, D. A. Bonus, Medical facilities and other benefits which were made applicable for other departmental and regular employees.

That the workers whose names are mentioned at para 1 above are old employees employed in Charkhi Dadri Cement unit since the period of DDCL. These workers are in regular and continuously employment since the factory has been taken over by the CCI management. That the CCI management had been appointing or nominating different persons from time to time calling upon them as contractors on the job of coal and raw material handling. The actual control, however, always remained in the hands of CCI management itself with regard to each and every matter. The contractor is only a tool in the hands of CCI management having no independent status and control. Neither CCI management nor the contractors appointed by them since the date of take over are having any valid registration certificate and licence under the contract labour (R and A) Act.

That petitioner workers are legally entitled to get the loss of wages and or legal compensation for the period of forced unemployment from 31-8-89 to 17-9-89. They are further legally entitled to get minimum wages and all other lawful facilities and benefits alongwith past arrears at par with other regular and Deptt. workers.

The management has filed written statement. In the written statement, it has been stated that the reference has been made by the appropriate Govt. against the management of M/s. Cement Corporation of India Ltd., Charkhi Dadri on the presumption that the applicants are the workmen of the coal handling section of the respondent and this reference is contrary to the pleadings of the applicant who in their claim application has made a reference in para 12 of the claim statement that the respondent is appointing/nominating different persons from time to time calling them as contractors on the job of coal and raw material handling. Thus, apparently there is a contractor involved in the transaction which is within the knowledge of the applicants. The contractor has not been impleaded as a party either in the demand notice or in the reference. As such no demand notice is tenable against the respondent management viz-a-viz the dispute of contract labour. Thus the order of reference is bad in law on that score alone.

That there is no relationship of master and servant between the applicants and the respondent. Simply on the presumption of the applicants that the contract vests with the respondent, therefore no demand can be referred by the appropriate government without referring the dispute of relationship between the applicants and the respondent. The court cannot travel beyond the terms of reference and in the absence of any such reference no

demand notice/reference is tenable in the present form, hence the court cannot adjudicate upon this matter. Accordingly, the reference order is without jurisdiction.

That the applicants have not come to this Hon'ble Court with clean hands and concealed the facts. It is submitted that proceedings were initiated u/s 33c(1) by the Regional Labour Commissioner (C), Chandigarh in which S/Sh. Hawa Singh and Ram Gopal filed Writ against the said order in the Hon'ble High Court of Punjab and Haryana at Chandigarh with CWP No. 15091 of 1990 between K. K. Yadav, contractor (the then employer of the applicants) and the same was disposed of on 16-4-91 covering all the aspects pertaining to issue no. 2. After the matter was disposed of by the Hon'ble High Court no demand notice could be presented nor any reference could be made by the appropriate government on the principle of resjudicata. Even in respect of the claim of medical facilities as contemplated in statement the same is pending for adjudication before the Presiding Officer, Labour Court, Haryana at Hissar. Accordingly the applicants have misleded the Hon'ble Authority while filing the present demand notice. As such the present demand notice deserved to be dismissed on this score alone.

The respondent cannot affirm the appointment of 31 persons enlisted in the claim statement as the persons employed in coal and raw material handling department. The fact is that the coal and raw material handling job is being assigned to a registered licensed contractor for which licence have been obtained by the respondent as well as the contractor. Since these persons were never employed by the respondent, therefore the respondent management cannot affirm their employment in the coal and raw material handling department.

It is pointed out that the parliament enacted an act known as Dalmia Dadri Cement Limited Transfer and Undertakings (Act), 1981 and the unit was taken over by the Central Government and vested with respondent management. The object of the act is specific in nature and is not the same as alleged. The factum of production and employment is matter of record. The respondent is not aware about the working strength on the job of loading and unloading of coal and raw material handling as alleged by the Dalmia Dadri Cement Limited. No actual assessment has ever been made by the respondent. However, the assessment was made by the team experts for this particular job too as was done for other jobs and this assessment was made accordingly by the team.

The work of loading and unloading of coal and raw material handling is being assigned to the independent contractor from time to time by the respondent. These independent contractors have their own control and supervision regarding employment, working, wages disbursement etc. These independent contractors have their own licence under the contract labour (regulations and abolition) Act and the respondent management has also taken the licence as principle employer according to the Ibid Act. The contractors are not in any way tools in the hands of CCI management as alleged.

Being a principal employer the management is considering the aspect that the wage board Award is being implemented by the contractor in toto and no violation is being affected as alleged. It is incorrect that as per the wage board Award the position of a regular employee stands on the same footing as of the casual or intermittent employee working with the contractor. The workers of the coal and raw material handling engaged by the contractor are not similar to the regular workers of the respondent nor the work of the respondent nor the work of the loading and unloading of coal and raw material handling is regular in nature. As per the information of the respondent the contractors are paying wages to their workers according to the award co-related with the workload as fixed at different points since the work is purely of casual nature, therefore, the workers are entitled to wages through the contractor for the work performed. Thus the system of the contractor cannot be equated with regular employees as this work is admittedly not of regular nature as per the wage Board Award. The facilities are also provided to the contract labour as per the wage board award is our unit by the contractor. Thus the entire contention of lining the contract labour with time rate workers or regular workers is a wrongful concept made out by the applicants.

The General Secretary has filed rejoinder on behalf of the workman applicants. He has reiterated the averments of his statement of claim and has denied most of the paras of the WS. The evidence of both the parties have been taken.

Heard arguments from the side of the management. None was present from the side of the workman applicants. Perused the records.

The case of the workmen is that 31 workmen were employed in Charkhi Dadri Cement Corporation of India Limited in Coal and Raw Material Handling Department. The said Unit was taken by Dalmiya Dadri Cement Limited but subsequently by presidential ordinance on 23-06-1981 it was again taken away from the Dalmiya Dadri Cement Limited and its management was handed over to Cement Corporation of India Limited. The CCI started running the Unit. The workmen demanded regularisation but they were not regularised. They were doing the duty of coal handling and loading and unloading of raw materials. It was from the side of the management that these workmen were taken through the Contractor. There was no direct relationship of master and servant. The matter regarding the workmen was raised before the Labour Commissioner. Shri Hawa Singh and Ram Gopal filed writ against the order of the Labour Commissioner in the Hon'ble High Court of Punjab and Haryana at Chandigarh and the dispute was finally decided. The Writ Petition of the workmen Hawa Singh and Ram Gopal was rejected. These workmen are of the same category so they cannot sent demand notice. Their claim is barred by principle of resjudicata.

It was further submitted that it is the version of the workmen that they were engaged in coal handling and loading and unloading raw materials through the

Contractor. The work of handling coal and raw materials of loading and unloading is not a perennial nature of work. The Contractor has not been impleaded. The workmen applicants have filed written arguments. It is admitted that they were doing intermittent work of loading and unloading. They were not performing duties of permanent nature as such it was contract for service and not contract of service. The workmen applicants have no right for regularisation or reinstatement in view of the decision of the Hon'ble Punjab and Haryana High Court referred to above.

The referene is replied thus :—

The action of the management of CCI, Charkhi Dadri in not paying the compensation of wages for the period from 31-8-89 to 17-9-1989 all the workmen of coal handling section whose names are given with the demand notice is fair, just and legal. The workmen applicants are not entitled to get any relief as prayed for.

The award is given accordingly.

Dt. 01-02-2005

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 847.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल इन्स्टैण्ड कैपचर फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी जी आई टी/एल सी/आर/8/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42011/111/96-आई. आर. (डी. यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 847.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT/LC/R/8/98) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Jabalpur now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Central Inland Capture Fisheries Research Institute and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-42011/111/96-IR (DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

Case No. CGIT/LC/R/8/98

Presiding Officer : Shri C. M. Singh.

Shri Ram Taru,
At & Vill. Sanghavi,
PO Bharghar,
Pune-411042

... Applicant

Versus

The Director,
Central Inland Capture,
Fisheries Research Institute,
Barrackpore-743101

... Non-applicant

AWARD

Passed on this 4th day of February, 2005

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-42011/111/96-IR (DU) dated 1-1-98 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :

“Whether the action of the management of Director, Central Inland Capture Fisheries Research Institute Barrackpore (W. B.) in terminating the services of Shri Ram Taru w.e.f. 19-11-94 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled for ?”

2. After the reference order was received and registered, notices were issued to the parties to file their respective statements of claim. The case was at the stage of filing statement of claim by the workman. In spite of sufficient service of notice, the workman failed to appear and file his statement of claim.

3. It appears that the workman has no interest in prosecuting the case. Under the circumstances. No Dispute Award is passed without any order as to costs.

4. The copy of the award to sent to the Government of India, Ministry of Labour as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 848.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डायरेक्टर पोस्टल (एकाउन्ट्स) के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, नं.-II, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 178/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/54/99-आई. आर. (डी. यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 848.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 178/99) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, No. II, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Director Postal (Accounts) and

their workmen, which was received by the Central Government on 9-2-2005.

[No. L-40012/54/99-IR (DU)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE, NEW DELHI

I. D. No. 178/99

PRESENT :

Shri R. N. Rai, Presiding Officer

In the matter of :

Sh. Bishan Dutt,
S/o Sh. Shankar Dutt,
22-Khurshi Square, P & T Qtr.,
Civil Lines. Old Sectt.,
Delhi-54.

Versus

The Director of Accounts (Postal),
Old Secretariat,
Delhi-54.

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-40012/54/99-IR (DU) Central Government, dt. 30-7-1999 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :—

“Whether the action of the management of Director Postal (Accounts) in terminating the services of Sh. Bishan Dutt, casual labour, is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?”

That the claimant has filed statement of claim. In the statement of claim, it has been stated that the workman/applicant was engaged as casual labourer on and from 1-1-88 in the office of the Director of Accounts (Postal) Old Sectt. Delhi under Delhi Postal Circle. He was allowed to work uptill 12-11-90. When the workman reported for duty on 13-11-90 and onwards he was refused work and his service was terminated with verbal orders, while juniors were retained in service as casual labourers and some of them have even been appointed on regular basis. S/Shri Ombir Singh, Mohinder Kumar, Ashok Kumar and Lalit Prasad were subsequently retained in service ignoring the claim of the applicant in contravention of Section 25-H of the I. D. Act, 1947. S/Shri Pyare Lal and Raj Kumar who were junior to the applicant have been appointed on regular basis ignoring the claim of the applicant in violation of the rules on the subject. The management i.e. o/o Director of Accounts (Postal) Delhi has been giving wrongful and illegal breaks in the service of the workman/applicant with the sole intention of

denying him the benefit of regular and permanent workman status whereas the work assigned to him was of permanent and perennial nature.

The management on 10-12-90 requested the Zonal Employment Office Subzi Mandi, Delhi for some casual labourers and instead of retaining/reemploying the applicant the names of fresh candidates were approved for employment. There was no need of dispensing with the services of applicant w.e.f. 13-11-90 when the management was in need of casual labourers in the month of December, 1990. The action of the management falls within the Fifth Schedule (unfair labour practices) of the I. D. Act, 1947.

That a similarly circumstances I. D. Case No. 25/92 between some workers and the above mentioned management has been decided in favour of the workman by this Hon'ble Court. The copy of judgement is enclosed.

The management has filed written statement. In the Written Statement, it has been stated that the present application is liable to be dismissed as the petitioner has narrated a complete false story and has not come to the Hon'ble Tribunal with clean hands. That the present application is liable to be dismissed as the petitioner has no locus standi to file the present application.

The entire facts of petitioner is denied specifically until and unless specifically admitted and the present application merits dismissal in itself as it is a clear misuse of process of law. That the contention of petitioner with regard to "his services being terminated while his juniors were retained in service and some of them even have been appointed on regular basis ignoring the claim of workman" is factually false and wrong and as such application is liable to be dismissed.

That the contention of workman that management has been giving wrongful and illegal breaks in the service of the workman/applicant with the sole intention of denying him the benefit of regular and permanent workman status is totally false and frivolous and as such the application merits outright dismissal. That the contention of workman that work assigned to him was of perennial nature is false and denied and as such the application merits outright dismissal.

That the contention of workman that there was no need of dispensing with the service of the applicant w.e.f. 13-11-90 is totally false and as such denied and so the application merits outright dismissal. No one was appointed on the date of termination for the same job. That the contention of the workman that the case falls under fifth schedule (unfair labour practices) of I. D. Act, 1947 is false and denied. It is further denied that workman was not alternatively employed despite his best efforts. As such application merits outright dismissal.

It is specifically denied that I. D. Case No. 25/92 is applicable in present case as such application is liable to be dismissed. That the claim of workman is totally illegal and not maintainable as the same is based on false and concocted story and such application merits outright

dismissal. That the respondent is not an industry as such the application is liable to be dismissed.

That this Hon'ble Tribunal has no jurisdiction to try the present application.

That the D. A. (P) Delhi has been engaging casual labourers from time to time for intermittent nature of work in summer and winter season like filling of water in the coolers during summer seasons and destruction of out dated records cutting of time barred IPOs etc. such as manual labour work in the office in winter season.

That the applicant, Sh. Bishan Dutt was engaged as casual labourer for doing the intermittent nature of work for the specifically period as detail given under :—

Year	Month	Period	Actual working days
1988	Jan. 88	8-1-88 to	16 days
	Feb. 88	29-2-88	21 days = 37 days
1989	May 89	1-5-89 to	18 days
	June 89	31-7-89	22 days
	July 89	and	28 days
	Sept. 89	6-9-89 to	18 days
	Oct. 89	31-10-89	21 days = 97 days
1990	May 90	24-5-90	8 days
	June 90	to	21 days
	July 90	31-7-90	23 days
	and	and	
	Aug. 90	24-8-90	5 days
	Sept. 90	to	20 days
	Oct. 90		23 days
	Nov. 90	12-11-90	6 days = 106 days

It is very much clear from the details given above that the applicant was not engaged continuously as casual labourer. He was engaged for a different nature of job. He had never worked and completed 206 days in a calendar year of his engagement as casual labourer which is mandatory for consideration of giving temporary status and subsequent regularisation. As and when the services of the applicant were not required by the department he was informed for his discontinuation of job as a casual labourer. The applicant has not enforceable legal right to claim for his continuous deployment casual labourer as to claim of his seniority for engagement as casual labourer against any body else whether he was engaged prior to him or after his termination through employment exchange.

That S/Shri Pyarc Lal and Raj Kumar worked continuously for more than two years and completed 206 days attendance in each year as per guidelines of DOP&T, Govt. of India for regularisation and they were subsequently regularised. That there was no violation of Fifth Schedule since the Industrial Disputes Act is not applicable to the respondents.

That the applicant worked only in different short spell as daily rated mazdoor and that too for specific nature of work on each occasion and his services were dispensed

with on conclusion of the work for which he was engaged. It is further submitted that the applicant never worked for 206 days in a calendar year of his engagement as casual labourer. Therefore, question of offending any law does not arise when action was taken against him under the relevant rules which enable the authorities concerned to dis-engage him without assigning any reason. It is further submitted that the work was of intermittent nature for which the applicant engaged and subsequently dis-engaged on completion of work.

The workman applicant has filed rejoinder. In his rejoinder he has reiterated the averments of his claim statement and has denied most of the paras of written statement. The management has also denied most of the paras of statement of claim. Evidence of both the parties has been taken.

Heard arguments from both the sides and perused the papers on record.

It was submitted from the side of the workman that he was initially engaged from 1-1-88 in the office of the respondent and he worked up to 12-11-90. He was refused work on 13-11-90. Shri Omvir Singh, Shri Mohinder Kumar, Shri Ashok Kumar and Shri Lalit Kumar were retained in service ignoring the claim of the applicant in contravention Section 25H of the Industrial Disputes Act, 1947. Shri Pyare Lal, Raj Kumar junior to the applicant have been appointed on regular basis. He has been given wrongful break in service.

It was further submitted that in Industrial Dispute Case No. 25/92 the Presiding Officer has directed regularisation of Shri Prem Ballabh and Shri Rameshwar.

It was submitted from the side of the management that from time to time Seasonal Casual Labours are engaged. Shri Vishan Dutt worked for 37 days in 1988, in 1989 he worked for 97 days and in 1990 he worked for 106 days. He has never worked for 206 days of his engagement in a Calendar year. Shri Pyare Lal and Shri Raj Kumar worked continuously for more than two years and completed 206 days in each year so they were regularised. This fact is not borne out from the true copy of the attendance register submitted by the management. The workman applicant as per the attested copy of attendance register was engaged for a greater period than that of Raj Kumar.

It was submitted from the side of the workman that Shri Prem Ballabh and Shri Rameshwar filed I. D. No. 25/92. they have been regularised in the Pay Scales of Pyare Lal and Shri Raj Kumar. This workman also worked with them for the entire period as per the attendance register as such this workman has worked for the period for which Shri Prem Ballabh and Shri Rameshwar have worked so the discrimination cannot be made with the present workman.

It is of course true that the workman applicant has filed this ID case in 1999 where as the other two filed case in 1992. The Hon'ble Apex Court has held that delay and laches deprive a man of his right and remedy but in

ID Act case Article 137 of the Limitation Act is not applicable as such delay and laches cannot deprive the workman of his remedy and right. It is of course true that delay and laches defeat equity. He has come to the Court after a long gap of time. 2001 (1) 1st SLR is applicable in the facts and circumstances of the case. The workman applicant is entitled to get benefits of Section 25G of Industrial Disputes Act, 1947 even he has not completed 206 days service. The workman is a manual labourer. He has not filed case for nine years. It appears that he was engaged somewhere that is why he did not take care regarding filing of the case but he cannot be deprived of the right which has accrued to him.

In the facts and circumstances of the case the workman applicant is entitled to be regularised within one month after publication of the Award without any back wages and without continuity of service.

The reference is replied thus :

The action of management of Director Postal (A/c.) in terminating the services of Shri Vishnu Dutt, Casual Labour is neither legal nor justified. The workman applicant deserves to be regularised within one month from the publication of the Award without any back wages and without continuity of service. In case of default he will get an interest of 12% per annum.

The Award is given accordingly.

Date : 07-02-2005

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2005

का. आ. 849.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, नं.-II, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 18/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42011/81/99-आई. आर. (डी. यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th February, 2005

S.O. 849.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 18/2000) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, No. II, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Archaeological Survey of India and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-2005.

[No. L-42011/81/99-IR (DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN,
GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE,
NEW DELHI**

I. D. No. 18/2000

PRESENT :

Shri R. N. Rai, Presiding Officer

In the matter of :

General Secretary,
Akhil Bhartiya Puratatav Sarvekshan Kamgar
Union,
E-26, Raja Bazar (Old Qtrs),
Baba Kharak Singh Marg,
New Delhi.

Versus

The Director General,
Archaeological Survey of India,
Janpath, New Delhi.

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-42011/81/99-IR (DU) Central Government, dt. 27-1-2000 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :—

“Whether the action of the management of Archaeological Survey of India, New Delhi in not giving the pay scales of mali of CPWD to garden attendants working in ASI w.e.f. 1-1-73 in the scale of pay of Rs. 210-290 and from 1-1-86 in the scale of pay of Rs. 810-1150 and from 1-1-96 in the scale of pay of Rs. 2650-4000 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workmen are entitled”.

The General Secretary has filed statement of claim on behalf of the workmen. In the statement of claim, it has been stated that the Archaeological Survey of India (ASI) is performing the duties of maintenance of buildings, lawns, monuments, gardens, museum etc. That the garden attendants are performing duties of Malis in the establishment of ASI and they are getting wages in the old pay scale of Rs. 196-232 and after the revision of pay w.e.f. 1-1-86 in the pay scale of Rs. 750-940 and similarly the mali of CPWD (unskilled) were also getting pay scale of third pay commission in the grade of Rs. 196-232 w.e.f. 1-1-73 and subsequently revised after implementation of 4th pay commission in the pay scale of Rs. 750-940.

That the work of garden horticulture Deptt. of ASI was initially with the management of CPWD and thereafter the work of garden operation was directly came under the above management and the service condition of the old mali was recruited under the recruitment rule

of the CPWD and the management have changed the designation from mali to garden attendant but the duty of the garden attendant was/is remain the same as they were performing the duties under the administrative control of CPWD.

That proper pay scales were not given by the Central Government of the CPWD workers and an agreement was reached between the management of CPWD and its workmen through CPWD Mazdoor Union for re-categorisation/reclassification of the work charged and regular classified staff of CPWD as the same duties and responsibilities were performed by them.

That the Arbitrators had reclassified and recategorised the work of mali being an unskilled workmen to the semi skilled and similarly third pay commission had wrongly classified the status of mali working in the establishment of ASI in the nomenclature of garden attendant have to be changed at par with the mali of CPWD.

That the workmen of ASI in the category of garden attendant performing duties of mali are performing more arduous duties as their counter parts in the CPWD are performing. That both the categories of workmen as Industrial workmen of the Central Government and both were given pay scale as per recommendations of Central pay commissions for Central Government employees from time to time.

That after the implementation of said Arbitration Award the pay scale of mali were revised w.e.f. 1-1-73 on notional basis and the arrears of wages were also paid w.e.f. 1-4-81 in the pay scale of Rs. 210-290 subsequently Revised to Rs. 800-1150 w.e.f. 1-1-86 and after the acceptance of recommendations of fifth pay commission in the pay scale of Rs. 2650-4000.

That the workmen in the category of garden attendant performing duties of mali in the establishment of ASI were discriminated in the payment of wages in the pay scale of Rs. 210-290 w.e.f. 1-1-73 Rs. 800-1150 w.e.f. 1-1-86 and also denied the new pay scale of fifth pay commission of Rs. 2650-4000.

That as per Industry cum region workmen of ASI are also entitled to the wages in the pay scale of Rs. 210-290 w.e.f. 1-1-73 and the arrears in the said pay scale w.e.f. 1-4-81. That the Hon'ble Supreme Court in its judgement in the matter of Randhir Singh Vs. Union of India have recognised the same pay scale in the same category working in different departments of the Government so the workmen of ASI are also entitled to the same pay scale as their counter parts have been getting in the CPWD and both the departments are functioning directly under the control of Central Government.

That as per the recent judgement of Hon'ble Supreme Court in the matter of MCD Vs. Ganesh Razak and others held that the workmen can demand equal pay for equal work and the dispute can be adjudicated upon under section 10(1) of the Industrial Disputes Act, 1947.

That the malis under the above management are performing duties of digging of ground, trenching, preparation of beds, trimming, pruning of plants and also handle moving machines, hedge cutting and doing all kinds of gardening work and also knowing cultivation of common plants and seeds and knowing the methods of garden operations, manuring and erasing etc. and they were getting the pay scale of third pay commission in the pay scale of Rs. 196-232 revised w.e.f. 1-1-86 in the pay scale of Rs. 750-940 as per the recommendations of fourth pay commission.

That the department of CPWD as well as ASI both are under the control of Central Government so the workmen cannot be discriminated by the management after the implementation of the Arbitration Award on 20-12-93 referred to as Annexure-A hereinabove.

That the mali of ASI and mali of CPWD have been getting the pay scales of recommended by the Central Govt. Pay Commissions for Central Govt. Employees from time to time and after the acceptance of the Arbitration Award by the Central Govt. in CPWD denial of same facilities by the management of ASI is violative of principles of equal pay for equal work in the same employment i.e. the Central Govt.

That mali of CPWD/PWD and garden attendants of ASI are doing the work of mali in the same locality but the garden attendants of ASI are not getting skilled pay scales benefits and status after the implementation of arbitration Award dated 20-12-93 with retrospective date.

That the mode of employment ago of employment retirement and duty hours are same and similar in case of mali of CPWD/PWD and garden attendant of ASI so the workmen of ASI cannot be discriminated and two sets of employees in CPWD and in ASI doing the work of mali in the designation of garden attendant are similarly situated so there cannot be any disparity in respect of pay scales etc.

That the garden attendant of ASI are legally entitled to the same facility working in the same employment i.e. the Central Government on the analog of equal pay for equal work. That the workmen in the category of garden attendant performing the duties of mali are entitled to get pay scale of Rs. 210-290 w.e.f. 1-1-81 in the pay scale of Rs. 800-1150 w.e.f. 1-1-86 and after the implementation of recommendations of 5th pay commission in pay scale of Rs. 2650-4000 at par with their counter parts working in CPWD/PWD.

The management has filed written statement. In the written statement, it has been stated that the garden attendants are submitted the work of maintenance of the gardens in and around National Protected Monuments and Nurseries involving weedings, digging, hoeing, lawn moving, watering and other related works of gardens. The garden attendants are working in the pay scale of Rs. 2550-3200 as per recommendation of 5th Central Pay Commission.

It is clear that in CPWD the recruitment to the post of mali is made from unskilled of work charge staff recruited initially. Whereas in ASI the garden attendants are recruited directly as per normal rules and it is 1st entry point. Hence the service condition in the CPWD and ASI can not be compared.

That in reply to para 5 of statement of claim it is submitted that the agreement or the award between the management of CPWD and its workmen was for the re-categorisation and re-classification of the requirement of qualified staff of CPWD hence it is not applicable in ASI.

That in reply to para 6 of statement of claim it is submitted that the garden attendant is a entry point and directly recruited from the employment exchange and by inviting application through wide publicity as per rules. Hence unskilled workman of the semi-skilled workmen is not application in the ASI.

It is submitted that the duties of the garden attendants are indicated in para 3 above are normal works for the maintenance and development of the gardens. Hence the work can not be called as more arduous than duties of mali in CPWD. That in the ASI the garden attendants are inducted in the pay scale of Rs. 2550-3200 and subsequently promoted as Jr. Foreman in the pay scale of Rs. 2650-4000 as per rules. Hence the question of upgradation of entry scale does not arise.

It is submitted that the department of CPWD has been categorized as Industry but the ASI does not come under the purview of Industry depending on nature of works through the both are Central Govt. Departments. It is submitted that the minimum qualification required for mali in CPWD is 8th passed with aptitude test for garden works whereas in ASI there is no minimum qualification except desirable for the post of garden attendant. Hence the both posts can not be compared.

It is submitted that in the light of the facts given in the above paras. the garden attendants of the ASI are legally not entitled for any re-categorisation and re-classification on the basis of arbitration. It is submitted that as per recommendation of Vth Central Pay Commission vide paragraph 612 (55-128) on page 755 (copy attached for ready reference as annexure M-7) it has been mentioned that the entry scale of Rs. 750-940 pre-revised will be provided to the staff re-designated as mali. As future recruitment to posts at the lowest level should also be made only in this scale i.e. 750-940 mali helper will be promoted to the post of mali in the pay scale of Rs. 800-1150. In view of the recommendation of Vth Central Pay Commission there is no anomalies accrued as the pay scale of Rs. 750-940 to the garden attendant and Rs. 800-1150 (Rs. 775-1025) has been merged to Rs. 800-1150 to the Jr. Foreman. Hence there is no difference in the pay scales of horticulture staff in Archaeological Survey of India and staff working in CPWD.

The union has filed rejoinder. In his rejoinder he has denied most of the paras of the written statement and has reiterated the averments of his statement of claim.

The management has denied most of the paras of the statement of claim.

Heard arguments from both the sides.

Evidence of both the parties has been taken.

It was submitted from the side of the union that the work of the Garden Attendant of Horticulture Department of ASI was initially with the management of CPWD and thereafter it came under the above management and the service conditions remained the same. The management has changed the designation from Mali to Garden Attendant but the same duties are performed and the Garden Attendants of the management are entitled to get the pay at par with the Mallies of the CPWD.

It was further submitted that CPWD Mazdoor Union and CPWD entered into compromise and according to that compromise the Mallies of the CPWD are getting higher salary than the attendants of Garden of the management. In the compromise entered into by the Union and the CPWD the post of Malli was re-classified and re-categorized. The Garden Attendants of the management are entitled to get Equal Pay for Equal Work since 01-01-1973.

It was submitted from the side of the management that there was arbitration award in 1988 between CPWD and its Union and Mallies were re-classified but there is no such arbitration award with the Garden Attendants and the management so compromise entered into between the CPWD and its Union cannot be enforced in case of the Garden Attendants of the management. The 3rd Pay Commission designated the Mallies as Garden Attendants. In CPWD there is defined qualification. The Mallies should be 7th pass whereas in ASI there is no qualification. The 5th Central Pay Commission has given report regarding the pay scales of Garden Attendants and the same has been adopted by the management. The CPWD's Mallies are skilled but the Garden Attendants are semi-skilled. They are getting the pay scale on the basis of Central Pay Commission report.

It was further submitted that 1982 (42) FLR 299 MCD Vs. Ganesh Razak case of the Hon'ble Supreme Court is not applicable in the case of the Garden Attendants as they are discharging different duty from the Mallies of CPWD. The Mallies of CPWD are skilled workers whereas the Garden Attendants are semi-skilled so the principle of Equal Pay for Equal work is not applicable in the facts and circumstances of the present case.

It was submitted from the side of the management that ASI is not an industry and my attention was drawn to (1997) 4 SCC 257, this case is not applicable as is in respect of physical research laboratory. Horticulture Department has been declared as an industry by the Hon'ble Supreme Court and in view of the judgement of the Hon'ble Supreme Court in Bangalore Water Supply ASI is an industry as it is carrying on systematic activities. The law cited by the management and the workmen are not applicable in the facts and circumstances of the case. The matter is delayed. Pay Scale is demanded from

01-01-1973 in view of this fact also the workmen are not entitled to get any relief as prayed for. The case has been filed after long 17 years. Delay and laches defeat equity. The workmen are not performing the same duty as the Mallies of CPWD so the workmen of the present case are not entitled to get pay scales equivalent to the pay scales of the Mallies of CPWD.

The referene is replied thus :—

The action of the management of ASI, New Delhi is not giving the pay scales of Malli of CPWD to Garden Attendants working in ASI w.e.f. 01-01-1973 in the pay scale of Rs. 210—290 and from 01-01-1986 in the pay scale of Rs. 810—1150 and from 01-01-1996 in the pay scale of Rs. 2650—4000 is legal and justified. The workmen applicants are not entitled to get any relief as prayed for.

The Award is given accordingly.

Date : 08-02-2005.

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2005

का. आ. 850.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंटरनेशनल एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, नं.-II, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 14/95) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-11012/9/94-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवसर सचिव

New Delhi, the 14th February, 2005

S.O. 850.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 14/95) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, New Delhi-II as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of International Airports Authority of India and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-11012/9/94-IR (M)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE, NEW DELHI

I. D. No. 14/95

Sh. R. N. Rai, Presiding Officer.

In the matter of :

Shri A. S. Yadav

Versus

I. A. A. I.

CORRIGENDUM

In accordance with the Rule 28 of Industrial (Central) Rules, 1957, the following typographical mistakes and omission are rectified in the last para of page No. 4 of the Award.

1. The number 11 is replaced by 12 in the 2nd line.
2. The name of Shri Sudarshan Choudhary is inserted after Khali Ram in the 4th line.
3. The number 11 is replaced by 12 in the 5th line.

Similarly, the following typographical errors at page 10 of the Award are also rectified.

4. The number 11 is replaced by 12 in the 1st line of the 2nd para.
5. The number 11 is replaced by 12 in the 5th line of the concluding para.

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2005

का. आ. 851.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हिन्दुस्तान कॉपर लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 82/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 08-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-43012/15/99-आई. आर. (विविध)]
बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 14th February, 2005

S.O. 851.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 82/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Hindustan Copper Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 08-02-2005.

[No. L-43012/15/99-IR (Misc.)]
B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR****Case No. CGIT/LC/R/82/2000**

Shri C.M. Singh, Presiding Officer

Copper Mines Workers Union,
The General Secretary,
PO Malajkhand,
Balaghat.

.....Applicant

Versus

The Executive Director,
Malajkhand Copper Project of
Hindustan Copper Ltd.,
PO Malajkhand,
Balaghat.

.....Non-applicant

AWARD**Passed on this 28th day of January, 2005**

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its notification No. L-43012/15/99/IR(M) dated 24-5-2005 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :

"Whether the action of the management of Malajkhand Project of Hindustan Copper Ltd., Malajkhand in reverting Shri Chamarsingh S/o Jethoo Singh Pandre, Heavy Vehicle Driver from T.7 scale to Helper T.3 scale (without protecting his scale) is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. After the reference order was received and registered in this tribunal, notices were issued to the parties to file their respective statements of claim. The case was at the stage of filing the written statement by the management. On 18-1-2005—the date fixed in the case, an application on behalf of the management was filed on record whereby it has been submitted that the matter has been settled between the parties and ultimately after settlement, the Union has agreed not to pursue the present reference and has also written a letter dated 10-9-93 to this effect, the original of which is enclosed herewith as Annexure-A. Shri S.K. Rao, the learned counsel for the applicant verified the execution of letter marked Annexure "A" of record and Shri R.K. Gupta, Advocate for the management verified the execution of the above letter and submitted that the matter has been settled between the parties. He also identified the signature of Shri R.K. Chandra, the General Secretary of the Union.

3. It is quite clear from the above that the workman does not want to prosecute this case. Under the circumstances, No Dispute Award is passed without any order as to costs.

4. The copy of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2005

का. आ. 852.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हिन्दुस्तान कॉपर लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं. 1 के पंचाट (संदर्भ संख्या 41/95) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-43012/14/94-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 14th February, 2005

S.O. 852.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 41/95) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Dhanbad No. 1 as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Hindustan Copper Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 09-02-2005

[No. L-43012/14/94-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference U/s. 10(1)(d) of I.D. Act,
1947

Reference No. 41 of 1995

Parties :

Employers in relation to the management of
M/s. Hindustan Copper Ltd./Indian Copper
Complex, Mosaboni Mines.

Versus

Their Workmen

PRESENT :

Shri S. Prasad, Presiding Officer

APPEARANCES :

For the Employers : Shri D.K. Verma, Advocate.

For the Workman : None.

State : Jharkhand. Industry : Copper

Dated, the 25th January, 2005

AWARD

By Order No. L-43012/14/94-I.R. (Misc.) dated 28-4-1995/2-5-1995 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this tribunal

“Whether the action of the management of
M/s. Hindustan Copper Ltd./Indian Copper Complex,

Mosaboni Mines, in not regularising the service of
Shri Gunadhar Karak as Data Entry Operator and
denying consequential benefits is justified ? If not,
to what relief the workman is entitled ?”

2. In this case a petition has been filed on behalf of the concerned workman, Sri Gunadhar Karak, stating therein that after his separation from Company's service there remains no dispute with the company and as such he is not willing to contest the present reference case.

3. In view of the above, since there exists no dispute between the parties, I render a ‘No Dispute’ Award in the present industrial dispute.

S. PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2005

का. आ. 853.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. पैसिफिक मिनरल्स प्रा. लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 130/95) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 08-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-27012/2/95-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 14th February, 2005

S.O. 853.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 130/95) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Pacific Minerals (P) Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 08-02-05.

[No. L-27012/2/95-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

Case No. CGIT/LC/R/130/95

Shri C.M. Singh, Presiding Officer

Dr. R.C. Chandravanshi,
Lalbara Road, Warasconi,
Distt. Balaghat (MP).

.....Applicant

Versus

The Agent,
M/s Pacific Minerals P. Ltd.,
Nevta Mines, Post Balaghat,
Distt. Balaghat (MP)

.....Non-applicant

AWARD**Passed on this 27th day of January, 2005**

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-27012/2/95-IR (Misc.) dated 12th July 1995 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :

“Whether the action of the management of M/s Pacific Minerals Pvt. Ltd. in terminating the services of Dr. R.C. Chandrawanshi was justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?”

2. After the reference order was received and registered in this tribunal, notices were issued to the parties to file their respective statements of claim. The reference proceeded further and at the stage of filing rejoinder and documents, management filed settlement deed on 8-12-2004. The deed appears to be executed by the applicant and the management. On 8-12-2004, the date fixed in the case, Shri Vedanand Roy, Attorney for the management under-took to call workman before the court on 18-1-2005 for verification of the deed. On 18-1-2005 the date fixed in the case, when the case was called out, no one responded for the parties and therefore 27-1-2005 was fixed either for verification of the settlement on record or for filing rejoinder and documents by the workman. It was further ordered on that date if the workman does not turn up on the date fixed, it shall be deemed that he does not want to prosecute the case. Again on 27-1-2005 the date fixed in the case, when the case was called out, no one responded for the parties and therefore it is deemed that the workman does not want to prosecute the case.

3. It is quite apparant from the above that the workman has no interest in prosecuting the case. Under the circumstances, No Dispute Award is passed without any order as to costs.

4. Copy of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour as per rules.

C. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2005

का. आ. 854.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हिन्दुस्तान कॉपर लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं. 1 के पंचाट (शिकायत संख्या 8/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 09-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-43025/1/2005-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 14th February, 2005

S.O. 854.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Complaint

No. 8/2000) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Dhanbad No. 1 as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Hindustan Copper Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 09-02-05.

[No. L-43025/1/2005-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1,
DHANBAD**

In the matter of a reference Under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Complaint Under Section 33A of the I.D. Act, 1947).

Complaint No. 8 of 2000.

(Arising out of Reference No. 41 of 1995)

PARTIES :

Sri Gunadhar Karak, B. No. 9472,
Qr. No. C/6-4, Mosaboni No. 3,
At & P.O. Mosaboni Mines,
Dist. Singhbhum East. . . . Complainant.

Vs.

General Manager of M/s. Hindustan,
Copper Ltd./Indian Copper Complex,
At & P.O. Moubhandar,
Dt. Singhbhum. . . . Opp Party/
Management.

PRESENT :

Shri S. Prasad, Presiding Officer

APPEARANCES :

For the Complainant : None.

For the Opp. Party : Shri D.K. Verma, Advocate.

State : Jharkhand. Industry : Copper.

Dated, the 25th January, 2005.

AWARD

In this complaint case the complainant has filed a petition stating therein that after his separation from Company's services there remains no dispute with the Company and as such he is not willing to continue the aforesaid case.

2. Since there exists no dispute between the parties I pass a 'No Dispute' Award in this Complaint Case.

S. PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2005

का. आ. 855.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हरियाणा मिनरल लि. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली-II के पंचाट (संदर्भ संख्या 57/96) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-02-05 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-29012/1/96-आई. आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 14th February, 2005

S.O. 855.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 57/96) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, N. Delhi-II as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Haryana Minerals Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 14-02-05.

[No. L-29012/1/96-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT-II,
RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR,
RAJENDRA PLACE, NEW DELHI**

Shri R. N. Rai, Presiding Officer

I.D. No. 57/96

In the Matter of :

Sh. Ghanshyam S/o Sh. Yashwant Singh,
Vill. Banihari, PO. Thanwas,
Distt. Mohinder Garh (Haryana).

Versus

The Managing Director,
Haryana Minerals Ltd.,
Arunachal Building, 19,
Barakhamba Road, 703-704,
7th Floor, New Delhi-110001.

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-29012/1/96-IR (DU) Central Government Dt. 30-05-1996 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :

"Whether the action of the Management of Haryana Minerals Ltd., Faridabad in dismissing the services without giving any opportunity to workman Shri Ghan Shyam, Bills-Clerk w.e.f. 09-03-1994 is just

and legal ? If not, what relief the workman is entitled to ?"

The workman has filed statement of claim. In his statement of claim, it has been stated that the workman was appointed as a Bill Clerk and had been working as such from 20-3-1988. The services of the workman was regularised in the post of Bill Clerk vide order dt. 19/21-07-1991 and posted with Headquarter, Faridabad. The workman in furtherance of aforesaid order joined duty on 23-07-1990 and submitted his joining report. Since the initial appointment till the date of dismissal of services w.e.f. 09-03-1994 the workman has been discharging his duties to the satisfaction of all and with utmost sincerity and integrity. The pay scale of the workman was Rs. 950-990-1500 and was getting a salary of Rs. 2071.75 at the time of dismissal. Throughout the service period, the workman maintained unblemished record.

That as a Bill Clerk, the duty of the workman was to receive cash and to issue cash memo receipt. It was the duty of the Security Guard to issue gate pass/token to the vehicle entering the mines. The token is handed over to the Billing Clerk, who receives cash and issues receipt for the same. On 29-05-1993 and 30-05-1993 the duty timings of the workman were 10.00 a.m. to 6.00 p.m. As per duty rules, the Security Guard on duty was to collect the documents from the Billing Clerk i.e. from the workman. No Security Guard or any other person reported for duty and for collecting the documents from the workman. The workman left his place of work and again on 30-05-1993 the workman visited check post at about 8.00 a.m. with his records/documents for handing over the same either to the Security Guard or to the Billing Clerk, but none was on duty. The workman met two labourers at that point and enquired from them, who told the workman that there were 4 trucks inside the mines. Though the duty timings of the workman was 10.00 a.m. and since none was at the check post, the workman issued 4 tokens to the labourers. Thereafter, the Managing Director, who was also the Disciplinary Authority reached the place at about 8.30 a.m. and took away the record from the workman. The workman had explained the entire thing to the Managing Director, who did not bother to check with the labourers who were present and to whom the workman had issued tokens for the 4 vehicles.

That the workman was placed under suspension vide order dt. 31-05-1993 by the Corporate Marketing Manager, Shri Anil Chawla. The Corporate Marketing Manager was not the Disciplinary Authority to place the workman under suspension. Thereafter the workman was issued charge sheet dt. 04-10-1993 by the Managing Director, Shri Chander Singh and by the same charge sheet, he was also placed under suspension w.e.f. 31-05-1993. By the charge sheet dt. 04-10-1993, the workman was placed under suspension with retrospective effect, which is illegal and unsustainable in law. It is very strange that the workman was placed under suspension by the Corporate Manager and again by the Managing Director with retrospective effect, which itself indicate malafide and predetermination.

Vide charge sheet dt. 04-10-1993, the workman was charged for committing fraud on 30-05-1993 by allowing the vehicles to pass through check post without cash memo and gate passes, when he was posted at Bar Gujar. The charges are vague and indefinite and indicative of pre-determination of guilt. The words "found committing fraud" itself indicates the pre-determination of guilt without any enquiry and malafide attitude of the Managing Director. The very language of the charge sheet reflect the pre-determined mind of the Managing Director to finish off the workman. The charge sheet was replied by the workman vide his letter dt. 11-10-1993.

That one Shri Anil Chawala, Corporate marketing manager was appointed as Enquiry Officer, who placed the workman under suspension vide his letter dt. 31-05-1993. One Shri S.N. Kaushik was appointed as Presenting Officer. The enquiry conducted against the workman in pursuance to the charge sheet dt. 04-10-1993 was a fake and sham one. No procedure was followed. The Enquiry Officer and the Presenting Officer acted on their own whims and fancies and recorded the proceedings in the way they wanted it.

That the workman was never informed nor furnished any rules and regulations at any point of time which regulates the service conditions including disciplinary action. The charge sheet also does not disclosed under what rule charge sheet was issued and how the allegations would constitute misconduct and what was the misconduct. Even the enquiry proceedings and ultimate order of dismissal from service do not disclose the rules and regulations under which the action was taken against the workman. As aforesaid, the Corporate Manager was not the competent authority to place the workman under suspension. The retrospective suspension vide charge sheet dt. 04-10-1993 by the managing Director is again illegal and unsustainable in law.

That no enquiry report was furnished to the workman though the show cause notice dt. 15-01-1994 indicates that the report was attached with it. In fact, no such enquiry report was received by the workman along with the show cause notice. It is submitted that non-supply of enquiry report to the workman before passing the order of dismissal itself vitiates the entire action as it deprives the workman of due opportunity and being in gross violation of principles of natural justice. That the show cause notice 15-01-1994 and order of dismissal dt. 09-03-1994 are non speaking orders and no reasoning has been advanced. It is not clear how the charges were established and what were the evidence for proving the charges.

That the management imposed two punishments on the workman. The workman was fined of Rs. 2000 and also dismissed from service. The salary for the month of May, 1993 was never paid to the workman. The imposition of double punishment gravely prejudices the workman and is also illegal and invalid.

That the workman was not even asked whether he would be represented by a co-employee or not and

whatever recorded in the proceedings were recorded according to whims and fancies of the Presenting Officer. That no misconduct as alleged was committed by the workman. The findings of the enquiry if any is preverse and without any evidence. Since the workman has not been supplied with a copy of the enquiry report, he is unable to comment upon the enquiry report. It is submitted that the way in which the enquiry was conducted, was in gross violation of principles of natural justice and the procedure adopted was arbitrary, unreasonable and unfair. It is submitted that the dismissal from service is wholly disproportionate to the nature of charges alleged and is far in excess. Therefore, the action of the management is liable to be quashed.

The management has filed written statement. In the written statement, it has been stated that the claimant workman Shri Ghanshyam was appointed as Bill Clerk w.e.f. 20-03-1988 with the respondent company and was posted at its Bar Gurjar Mines. That on 30-05-1993 during the course of spot inspection it was found that the aforesaid workman in direct dereliction of his duty allowed trucks (bearing registration No. HR-29A 9665, HRU 6617 and HRU 6598) to pass through the check post without issuing any cash memo and gate pass which was a mandatory requirement before such trucks could pass through. Accordingly, the competent authority immediately placed Shri Ghanshyam under suspension w.e.f. 31-05-1993 vide letter No. HML-DLI/93/1342 of the same date and directed that the claimant workman should report for attendance to the Corporate Office pending enquiry. That a charge sheet in respect of the offences found to have been committed by the claimant was prepared on 04-10-1993 and served upon the workman.

That on 11-10-1993 the claimant filed his reply to the charge sheet and denied the charges levelled against him. That on the basis of the charges levelled against the claimant vide charge sheet No. HML/DLI/3844 dt. 04-10-1993, enquiry proceedings were initiated and were held on several dates and the workman/claimant participated in the enquiry proceedings and was afforded adequate opportunity of defending himself. Witnesses were examined and cross-examined during the course of enquiry and the enquiry proceedings were concluded. Thereafter, a show cause notice was issued to the workman/claimant calling upon him to show cause as to why penalty of dismissal should not be imposed upon him on the ground that he was involved in allowing trucks (bearing registration No. HR-29A 9665, HRU 6617 and HRU 6598) to pass through the check post without issuing any cash memo and gate pass which was the mandatory requirement before such trucks could pass through, which amounted to playing fraud on the company.

That subsequently the competent authority allowed personal hearing to the workman under suspension which fact was communicated to him vide respondent company's letter No. HML/DLI/94/6284 dt. 14-02-1994 wherein he was directed to appear before the managing Director for a personal hearing on 28-02-1994 at 11.00 AM in the Corporate Office of the respondent company at New Delhi.

That despite such an opportunity of personal hearing being given to him and despite a second chance given to the erring workman, he did not turn up on the said date in the Corporate Office and since 05-02-1994 the said workman under suspension has not reported for duty to the concerned authority.

That thereafter the competent authority was left with no other option but to issue dismissal order on Shri Ghanshyam, the claimant/workman as per service rules and the relevant bye laws on the basis of enquiry report vide their letter No. HML/DLI/94/6621 dt. 09-03-1994.

The workman applicant has filed rejoinder. In his rejoinder, he has reiterated the averments of his statement of claim and he has denied most the paras of the written statement.

Evidence of both the parties has been taken.

Heard arguments from both the sides and perused the papers on the record.

It was submitted from the side of the workman that his services were regularised at the post of Bill Clerk vide order dt. 21-7-1991 and he was posted at Headquarter, Faridabad. He has been discharging his duties satisfactorily. The management retrenched him vide order dt. 09-03-1994. It was alleged that the claimant workman during the course of spot inspection on 30-05-1993, it was found that the aforesaid workman in direct dereliction of his duty allowed trucks (bearing regn. No. HR-29A 9665, HRU 6617 and HRU 6598) to pass through the cheque posts without issuing any cash memo and gate pass which was a mandatory requirement before such truck could pass through. Accordingly, the competent authority immediately placed Shri Ghanshyam under suspension w.c.f. 31-5-1993 and he was directed to report for attendance to the Corporation office pending enquiry. The allegations of the Managing Director are false. As per different rules, the security guard on duty was to collect the documents from the billing clerk i.e. from the workman. No security guard or any other person reported for duty and collected the documents from the workman. The workman left his place of work and again on 30-05-1993, the workman visited check post at about 8.00 AM with documents for handling over the same either to the security guard or to the billing clerk but none was on duty. Two labourers told him that there were four trucks inside the mines and the H.M.L. staff is not available on duty. So all the truck are without token as there was none to give tokens to the truck. It has been further submitted that a false charge sheet dt. 04-10-1993 was served on him for committing fraud on 03-05-1993 by allowing the vehicles to pass through cheque posts without cash memo and gate passes when he was posted at Bar-Gujjar. Charges were fake and indicative of pre-determination of the guilt.

It was further submitted that Shri Anil Chawla, Corporate marketing manager conducted the enquiry and Shri S.N. Kaushik appointed as Presenting Officer. The enquiry conducted against the workman in pursuance of the charge sheet dt. 4-10-1993 was a fake and sham one. No procedure was followed. The enquiry officer and the

Presenting Officer acted on their own whims and fancies and recorded the proceedings in the way they wanted it. No enquiry report was furnished to him. He received no enquiry report. Non-supply of enquiry report to the workman before passing the order of dismissal itself vitiates the entire action as it deprives the workman of the opportunity to make representations. No speaking order was passed and no reasoning was advanced. The workman was fined Rs. 2000 and was also dismissed from service. It was submitted from the side of the management that charge sheet was served upon the workman. The claimant filed his reply to the charge-sheet and denied the charges levelled against him. The enquiry proceedings were initiated and were held on several dates and the workman applicant participated in the enquiry proceedings and was afforded adequate opportunity of defending himself. Witnesses were examined and cross-examined during the course of enquiry and the enquiry proceedings were concluded. A show-cause notice was issued to him as to why penalty of dismissal should not be imposed to him for the charges proved against him. The competent authority allowed personal hearing to the workman under suspension which was communicated to the workman by respondent/management vide letter dt. 14-2-1994. He was directed to appear before the managing Director for personal hearing on 28-02-1994. The workman did not turn up on the said date in the Corporate Office and hence dismissal order was issued against the workman applicant.

It was submitted by the workman applicant that there is no enquiry report so the copies of the enquiry report has not been supplied to the workman applicant. The Managing Director has punished the workman on the statement of witnesses and without any enquiry report. Shri Chawla was not competent to suspend him. It transpires from the perusal of the record that no enquiry has been held regarding the charges levelled against the workman applicant and there is no report of enquiry officer and no proper enquiry has been held and the workman applicant has not been given opportunity to produce his defence witnesses. As such, the enquiry is not fair.

The evidence of both the parties has been taken. The enquiry officer has not been produced but two management witnesses have deposed in the court and the workman applicant also has given his evidence. As such, there is no question of deciding the issue of preliminary enquiry as evidence by both the parties in support of the enquiry has already been given. It is quite obvious that no enquiry has been held and the workman applicant has been victimized and punished without any evidence in the enquiry proceedings.

It was submitted from the workman applicant that charges was confirmed against him as per paper 12 dated 11-10-1993 and inquiry was held on 03-12-1993 but there was no inquiry officer. Only two persons were present, Shri Ghanshyam charged employee and Shri S.N. Kaushik presenting employee. There is no name of the inquiry officer on the proceeding date 12-03-1993, only charged employee and the Presenting Officer have put their

signature. Paper No. 15 indicates that the workman produced one witness but he was not cross-examined. The inquiry was adjourned for 14-12-1993; on this day also there is signature of charged employee and the Presenting Officer, Shri S.N. Kaushik. Paper 16 is the inquiry-dated 21-12-1993. In this case also Shri Suresh Chand, Driver, Ghanshyam charged employee and Shri S.N. Kaushik, Presenting Officer are present. There is signature of the Driver, Shri S.N. Kaushik and Shri Ghanshyam. Even the name of the Enquiry Officer has not been mentioned in this paper. It establishes beyond any doubt that the inquiry proceedings were held on 03-12-1993, 07-12-1993 and 11-12-1993 but there is no name of the Enquiry Officer, as such the inquiry has been conducted in the absence of Enquiry Officer. No Inquiry Officer has been named anywhere. There is no Findings of the Enquiry Officer. The Managing Director has dismissed the workman from service without the report of the Enquiry Officer and the appellate authority has confirmed the order of the disciplinary authority.

It was further submitted from the side of the workman that in this case only four papers have been filed regarding Inquiry proceedings and there is no Enquiry Officer. I have tried to find out the name of the Inquiry Officer but the name of the Inquiry Officer has not been mentioned above. Affidavit of Shri S.N. Dubey, Dy. Mining Engineer and Shri S.N. Kaushik have been filed but in that affidavit also it has been stated that Inquiry was initiated and the workman participated and defended himself but there is no name of the inquiry officer. When a inquiry is conducted it is necessary that there must be an Inquiry Officer. The two witnesses who have been produced in this case are not the inquiry officer Shri S. N. Dubey has stated in his cross-examination that he was neither the inquiry officer nor Presenting Officer. The second witness is Shri S.N. Kaushik he is the presenting officer. He has not even mentioned the name of the Inquiry Officer. He has admitted in his cross-examination that the documents dated 03-12-1993 and 21-12-1993 do not bear the signatures of the Inquiry Officer nor the presence of the inquiry officer has been noted and instead the signature of the witness Shri S.N. Kaushik and the workman has been taken. This witness has also admitted that no record can be filed in the case too so that the copies of the proceedings of the inquiry were supplied to the workman. It is correct that Shri Dharampal was brought by the workman for recording to his statement as defence witness but his statement was refused to be recorded.

It was further submitted that from the perusal of the statement of these witnesses it becomes quit clear that no opportunity of cross-examination, the witnesses have been provided and Shri Dharampal, the witness brought by the workman applicant has not been examined but he was refused to be examined as such no opportunity to the workman/applicant has been given for affording evidence in his defence. No inquiry officer has been appointed. The managing Director has passed order of dismissal without any report of the inquiry officer, whimsically, illegally and arbitrarily. There is absolutely no inquiry worth the name and the workman applicant has been dismissed

without any evidence worth the name. Shri Anil Chawla is neither competent to suspend the workman and to conduct inquiry. The inquiry is a hollow sham.

The reference is replied thus.

It was argued from the side of the management that Haryana Minerals Limited has closed long long ago due to financial hardship. The unit has become sick. The Hon'ble Supreme Court in such circumstances has reduced the backwages. In this case also in view of the financial hardship of the respondent the backwages of the workman applicant are reduced to 50%.

The action of the management of Haryana Minerals Ltd., Faridabad in dismissing the services without giving any opportunity to workman Shri Ghanshyam, Bill-Clerk w.e.f. 09-03-1994 is neither just nor legal. The workman applicant is entitled to be reinstated w.e.f. 09-03-1994 with 50% back wages. The management is directed to reinstate the workman/applicant within two months after publication of the award and pay him 50% backwages. In case of default, the workman/applicant will be entitled to 12% interest per annum on the backwages.

The award is given accordingly.

Dt. 08-02-2005

R.N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 856.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एस.सी.सी.एल. के प्रबंधन के संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या एल.सी.आई.डी. नम्बर 134/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/1/2005-आई. आर. (सी-II)]

एन.पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 856.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. L.C.I.D. 134/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of SCCL and their workman, which was received by the Central Government on 15-02-05.

[No. L-22013/1/2005-IR (C-II)]

N.P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

PRESENT :

Shri Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated the 29th day of December, 2004

Industrial Dispute L.C.I.D. No. 134/2003

BETWEEN

Sh. G. Prabhuvaran,
S/o Yohan,
R/o KK 1, Filterbed,
Kalyan Khani Post,
Mandmarri Area,
Adilabad District-504 231. Petitioner

AND

The General Manager,
Singareni Collieries Company Ltd.,
Mandamarri,
Adilabad District. Respondent

APPEARANCES :

For the Petitioner : M/s. P. Nageswar Rao & R Murali
Krishna, Advocates

For the Respondent : M/s. K. Srinivasa Murthy, V.
Umadevi, C. Vijaya Shekar Reddy
& B.V.L. Vani, Advocates

AWARD

This is a case taken under Sec. 2 A (2) of the I.D. Act, 1947 in view of the judgment of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W.P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two others and notices were issued to the parties concerned.

2. The brief facts as mentioned in the petition are : That the Petitioner was appointed as badli filler in 1995 and worked at KK 5A incline. He was issued with charge sheet dated 29-1-2000 for his habitual absence. 25.25 of Standing Orders of the Respondent company, "Habitual late attendance or habitual absence from duty without sufficient cause". That the Petitioner was sick and suffering from ill-health and intimated his sickness to the Respondent and submitted all the medical certificates, in spite of which the case of the Petitioner was not considered and he was removed from service. Much has been said about the enquiry but this Court by an order dated 27-9-2004 stated that the domestic enquiry conducted is valid. That he submitted that the Petitioner may be reinstated into service with backwages, full attendant benefits. That actually it is averred in the petition that while the Petitioner is returning home he met with an accident and his right hand wrist fractured due to which he got pain in right shoulder, which was made known to the Respondent. In spite of this pain the Petitioner has completed the musters as per norms. The punishment of dismissal is disproportionate. Hence, he may be reinstated into service.

3. A counter was filed stating that he has put in only 106 musters in 1997, 59 musters in 1998 and

98 musters in 1999. Actually Respondent was magnanimous to consider the representation of the Petitioner dated 9-2-2001 where he assured that he will put in 22 filling musters every month and filled two tubs and more musters thereafter. The workman was given time from 16-2-2001 to improve his musters but he could not. During the year 75 working days, the Petitioner has put in only 15 musters and hence a regular enquiry was conducted and he was dismissed from service. Hence, he is not entitled for any relief.

4. The domestic enquiry conducted is declared as valid by this Court vide order dated 27-9-2004. Hence, arguments under Sec. 11A were heard by both the counsels.

5. It is argued by the Learned Counsel for the Petitioner that he has filed Medical Certificates. That he could not attend due to his ill-health and due to fractures. Hence, the punishment is disproportionate to his fault. Hence, his case may be considered sympathetically and he may be reinstated.

6. It is argued by the Learned Counsel for the Respondent that even if it is seen that this medical certificates are for 1999 what happened to this man when he was given a chance again to improve his work and on 9-2-2001 where the workman assured that he will put in 22 filling musters in every month and will fill two tubs, he was given three months time from 16-02-2001 to improve his musters and performance. But during the period there were 75 working days but he had put in only 15 musters. The fact is that having made up its mind yet, the company was fair enough in giving him a further chance and ultimately dismissed him vide order dated 4-7-2001 w.e.f. 26-7-2001. He did not improve himself. Hence, he deserves no sympathy. The dismissal order dated 4-7-2001 may be upheld.

7. It may be seen that the Petitioner's conduct is far from satisfactory after the issuance of charge sheet also he deserves no sympathy. From 1999 to 2002 he did not improve. He was appointed in 1995 and 1999 only he started absenting himself. Without giving him another chance he was dismissed. As the quality of mercy is not strained I give him one more chance with certain strict conditions. An award is passed directing the Respondent to reinstate the Petitioner as badli filler within 30 days after publication of this award on the starting pay of the badli filler as on that day. His past services shall not be counted for any purpose. His services shall be regularized as badli filler only if he puts in minimum musters for three consecutive years.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. K. Phani Gowri, Personal Assistant, transcribed by her, corrected and pronounced by me on this the 29th day of December, 2004.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidenceWitnesses examined for
the Petitioner

NIL

Witnesses examined for
the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 857.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एस.सी.सी.एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद (संदर्भ संख्या एल.सी.आई.डी. नम्बर 42/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-2-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/1/2005-आई. आर. (सी-II)]

एन.पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 857.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. L.C.I.D. 42/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of SCCL and their workman, which was received by the Central Government on 15-02-05.

[No. L-22013/1/2005-IR (C-II)]

N.P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT AT HYDERABAD****PRESENT :**

Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated the 3rd day of January, 2005

Industrial Dispute L.C.I.D. No. 42/2004**Between :**

Sh. Bandari Shankaraiah,
S/o Rajam,
C/o Smt. A. Sarojana,
4-5-592, Near Badichowdi,
Vegetable Market,
Kutbiguda, Hyderabad.

... Petitioner

And

1. The General Manager,
Singareni Collieries Company Ltd.,
R.G. I Area, Godavarikhani,
Karimnagar District.

2. The Colliery Manager,
GDK-5A incline,
Singareni Collieries Company Ltd.
Godavarikhani,
Karimnagar.

... Respondent

APPEARANCES :For the Petitioner : M/s A. Sarojana & K. Vasudeva
Reddy, AdvocatesFor the Respondent : M/s K. Srinivasa Murthy, C.
Vijayasekhar Reddy, Advocates**AWARD**

This is a case taken under Sec. 2 A (2) of the I.D. Act, 1947 in view of the judgment of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W.P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two others.

2. The brief facts as mentioned in the petition are That the Petitioner was appointed as badli filler in the year 1990 and later confirmed as coal filler. From 1-4-96 onwards he was hospitalized and he was under continuous treatment upto 18-8-96. It was intimated to the authorities from time to time. A charge sheet dated 9-3-97 was framed holding that the Petitioner was absent from duties for a period of 259 days during the year 1996 without sanctioned leave or sufficient cause. Various allegations were made against the domestic enquiry conducted but that need not be gone into as the Petitioner's Counsel conceded that the domestic enquiry is validly conducted. Petitioner submitted that he was issued with a charge sheet on 9-3-97 and he was dismissed on 10/11-2-98. That the dismissal is highly disproportionate as his absence is only due to sickness. Hence, he may be reinstated with back wages with continuity of service etc.

3. A counter was filed stating that the Petitioner was appointed as badli filler on 27-8-90 and later on confirmed as coal filler on 1-9-95. That the allegation of sickness is all false. He did not even attend the enquiry. That his actual attendance for 1994 was only 94 days, in 1995 is for 110 days, in 1996 is for 52 days and in spite of charge sheet being issued to him on 9-3-97, he did not improve himself at all and upto August, 1997 he has put in only 55 days.

4. No doubt, the Learned Counsel for the Petitioner argued a lot that some sympathy may be shown to him and the Respondent's counsel submitted that seeing his performance he may not be reinstated.

5. It may be seen that the moment he was made or even before he was made from badli filler to coal filler and first of all on 1-9-95 his attendance, even at the time of his promotion was very bad. Hence, giving him a chance an award is passed as follows : He shall be employed as badli filler on minimum pay scale on temporary basis within 30 days after publication of this award and his past services will not be taken into account for any purpose and his services be considered for confirmation only if he puts in minimum musters for three consecutive years.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. K. Phani Gowri, Personal Assistant, transcribed by her, corrected and pronounced by me on this the 3rd day of January, 2005.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for
the Petitioner

NIL

Witnesses examined for
the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 858.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एटोमिक एनर्जी सेंट्रल स्कूल प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद (संदर्भ संख्या एल.सी.आई.डी. नम्बर 127/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-2-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/1/2005-आई. आर. (सी-II)]

एन.पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 858.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. L.C.I.D. 127/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Atomic Energy Central School and their workman, which was received by the Central Government on 15-02-2005.

[No. L-22013/1/2005-IR (C-II)]

N.P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

PRESENT :

Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated the 21st day of December, 2004

Industrial Dispute L.C.I.D. No. 127/2003

BETWEEN :

Smt. G. Shusheela,
W/o Yadagiri,
R/o Housing Board,
Rajiv Nagar,
Moulali,
Hyderabad.

... Petitioner

AND

The Principal,
Atomic Energy Central
School-2, D.A.E. Colony,
E.C.I.L. (Post),
Hyderabad.

... Respondent

APPEARANCES :

For the Petitioner : M/s. G. Ravi Mohan, R. Devender
Reddy, G. Srinivasa Reddy & G.
Naresh Kumar, Advocates

For the Respondent : M/s. N. Rama Mohan Rao, K.S.V.
Subba Rao, Abhinand K. Shavili,
Siva & K. Srinivasa Prasad,
Advocates

AWARD

This is a case taken under Sec. 2 A (2) of the I.D. Act, 1947 in view of the judgment of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W.P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two others numbered in this Court as L.C.I.D. No. 127/2003 and notices were issued to the parties concerned.

2. The brief averments of the petition as stated by the Petitioner are : That the Petitioner was appointed as Sweeper/Attender in the Respondent school in the year 1991. Initially she was paid Rs. 400 p.m. Subsequently basing upon her industrious nature of job, her salary was enhanced to Rs. 1500. That she worked for 11 years continuously. Yet she has been dismissed from service orally from 1-11-2002. The Respondent instead of being a model employer has terminated her services without any notice or terminal benefits on 1-11-2002.

3. A counter was filed to the effect that the Respondent is not an 'industry'. That the dispute is not maintainable and that there was lot of reshuffling and she became surplus. Hence, she was disengaged. She is not entitled for any relief.

4. The Petitioner was examined as WW1. She marked Ex. W1 interview letter. Ex. W2 representation and she was cross examined. The Respondent also examined Smt. M. Secthamahalakshmi, Principal, Atomic Energy Central School-II, Hyderabad and she was cross examined.

5. While matters stood thus, this Court suggested for compromise if possible. Then the Respondent filed a memo of intimation of vacancy position. That there are vacancies at, (1) AECS, Mysore, (2) AECS, Kudankulam and (3) AECS, Kalpakkam. The petitioner's Counsel also filed a memo stating that the Petitioner agrees with the Respondent and willing to join at AECS, Mysore in a regular vacancy.

6. Hence, an award is passed in the following terms : The Petitioner, Smt. G. Shusheela, W/o Yadagiri aged about 35 years, shall be appointed at atomic Energy Central School, Mysore in a regular vacancy of Sweeper/Farash on using the good offices of the Respondent i.e.,

Atomic Energy Education Society, Mumbai as agreed by the Respondent herein. The appointment shall be made on or before 1st February, 2005 failing which the Petitioner shall be entitled to last drawn wages from 1st February, 2005.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. K. Phani Gowri, Personal Assistant, transcribed by her corrected and pronounced by me in the open Court on this the 21st day of December, 2004.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
--	--

WW1 : Smt G. Susheela	MW1 : Smt. M. Seetha- mahalakshmi
-----------------------	--------------------------------------

Documents marked for the Petitioner

Ex. W1 : Copy of interview letter dt. 22-6-1995.
Ex. W2 : Copy of representation to the Principal
dt. 21-6-95.
Ex. W3 : Copy of representation to the Chairman
dt. 20-9-96.
Ex. W4 : Copy of service certificate.
Ex. W5 : Copy of Ir. of the Management dt. 3-1-95 reg.
regularization of services.

Documents marked for the Respondent

Ex. M1 : Copy of statement showing WW1's total no. of
working days from 1991 to November, 2002.
Ex. M2 : Copy of statement showing WW1's total no. of
working days from February, 1998 to
November, 2002.
Ex. M3 : Copy of AEE's Ir. No. AEES/Academic Unit/
F1/97/297 dt. 24-4-1997.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 859.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एफ. सी. आई. प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद (संदर्भ संख्या एल. सी. आई. डी. नम्बर 63/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-12-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/1/2005-आई. आर. (सी-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 859.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. L. C. I. D. No. 63/2003) of the Central Government Industrial

Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of FCI and their workman, which was received by the Central Government on 15-2-2005.

[No. L-22013/1/2005-IR (C-II)]
N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

PRESENT :

Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated the 3rd day of January, 2005

INDUSTRIAL DISPUTE L.C.I.D. No. 63/2003

BETWEEN :

Sri P. Anjaiah,
S/o P. Jogaiah,
Ramapuram Village,
Nereducharla Mandal,
Nalgonda District. Petitioner

AND

1. The District Manager,
Food Corporation of India,
District Office,
Nalgonda.
2. The Senior Regional Manager,
Food Corporation of India,
Progressive Towers,
Khairatabad,
Hyderabad. Respondents

APPEARANCES :

For the Petitioner : M/s. K. K. Chakravarthy &
Y. Rama Krishna, Advocates

For the Respondent : M/s. B. G. Ravindra Reddy,
B. V. Chandra Sekhar, Advocates

AWARD

This is a case taken under Sec. 2A (2) of the I.D. Act, 1947 in view of the judgement of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W.P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two Others.

2. The brief facts of the petition are ; That the Petitioner worked at Kodada, under District Manager, Nalgonda from 1976, 1977 and subsequently also till 1980 as watchman at Kodada ARDC Godowns. He was taken from employment exchange at Nalgonda District. The then officer also gave a certificate to him. Subsequently, his services were terminated orally. He made several representations to the Management. He filed WP No. 7459/2001 before the Hon'ble High Court of A.P. along with

three others S/Sri Narasiah, Seshagiri Rao and P. Punnaiah. That the Hon'ble High Court of A.P. by an order dated 22-8-2001 directed the Management to consider their case under Sec. 25 (B) of the Industrial Disputes Act, 1947 on their fresh representation for appointment within a period of 3 months. Accordingly, he made a representation immediately along with his bio-data to consider his case. It was not considered. But the Management considered some other candidate stating that his name was not figured in the 110 persons identified by the Industrial Tribunal in ID No. 33/82. Again on 19-12-2001 he made representation to the Senior Divisional Manager, Hyderabad stating that his name was not recorded in attendance register in monthly payment of salary which was acknowledged by him with revenue stamp. The Management gave a reply on 19-8-2002 that their Advocate informed that one Mr. Seshagiri Rao was appointed and himself and P. Punnaiah were not considered. Hence, the record may be called for to give him proper relief.

3. A counter was filed stating that the Petitioner never worked as an employee in Food Corporation of India at any point of time and there is no relationship of employer and employee and therefore Sec. 2A (2) is not attracted. Accordingly, the Petition is liable to be rejected. Further, there is abnormal delay of 23 years. Hence, he is not entitled for any relief. That the allegation that he worked from 1976 to 1980 in the FCI godown and he was terminated from service till 1980 is not correct. The allegation that he filed writ petition and yet he was not considered is wrong. In fact, his name was not included in the industrial dispute, in spite of that he falsely submitted before the Hon'ble Court that he was one of the workers in the industrial dispute and his case to be considered for the award in ID No. 33/82 that he never worked at any point of time. He is not given specific dates of appointment and termination. Hence, the petition is liable to be dismissed.

4. The Petitioner examined himself as WW1 and deposed that he has worked in the FCI godown at Kodada Center under the District Manager, Nalgonda from 1976, 1977 and subsequently till 1980 as watchman. He was taken from the employment exchange. The then officer gave a certificate to him also. he was terminated orally. In the chief examination he deposed the facts as stated in petition. He also marked Ex. W1 a copy of the transfer certificate dated 31-7-1973. Ex. W2 is the office order appointing him along with others as watchman dated 7-5-76. Ex. W5 is the order of the Hon'ble High Court of A.P. and other documents were marked. In his cross examination he deposed that he was not a party in the ID 33/1982. That he was not sponsored by the employment exchange for any appointment if FCI. Again, the witness says that he was sponsored by employment exchange. As per Ex. W1 his case was rejected by the Food Corporation of India that he was not one of the 110 workers in ID 33/1982. That he filed the present ID after 23 years of his alleged termination.

5. He also examined one Assistant Grade III, Sri Ch. Prakasam, who deposed that he worked along with

the Petitioner as watchman from 1976 to 1979 at Kodada, FCI godown later, he was transferred to Miryalaguda FCI. That he and the Petitioner were appointed through employment exchange in the year 1976. He was made permanent in the year 1978. That the Petitioner is one month senior to him. In the cross-examination he deposed that the Petitioner joined as watchman on daily wages in the month of May, 1976.

6. The Assistant Manager (Contracts), Sri R. Lakshmi Narayana was examined as MW1. He deposed that the Petitioner never worked with the FCI and all the persons who had worked during the relevant time has raised an industrial dispute which was registered as ID No. 33/1982. An Award was passed on 19-12-1984 which is Ex. M1, the name of the Petitioner is not there. The Petitioner filed writ Petition No. 7459/2001 wherein he had stated that his name was included in the reference but the same is not correct. Ensuing the orders of the Hon'ble High Court of A.P. his name was considered as he had not worked with FCI in any point of time, his case was rejected. Ex. M2 is the copy of the order dated 19-4-2001 in WP No. 7459/2001. Ex. M3 is the copy of writ petition filed by the Petitioner in the Hon'ble High Court of A.P. He cannot confirm the genuinity of Ex. W2 office order dated 7-5-76 submitted by the Petitioner. In the cross-examination he deposed that he was not there during the year 1976—78. He is not aware of Ex. W16.

7. It is argued by the Learned Counsel for the Petitioner that he was dismissed in 1980 as watchman, Kodada ARDC Godown although he worked from 1976. He filed writ petition No. 7459/2001 but the orders were not implemented. That the contention that the Petitioner is not an employee and there is no employer and employee relationship is not correct. He relies on AIR 1949 Bombay page 141 wherein it was held, "as far as the Act is concerned, the Tribunal has power to adjudicate upon all matters in dispute between the employer and the worker" and he also relies on 1958 AIR Supreme Court cases page 1026, wherein it was held, that, "Where the workmen raise a dispute as against their employer, the person or persons regarding whose employment or non-employment the dispute is raised need not be, strictly speaking "workmen" within the meaning of the Act but must be persons in whose employment or non-employment the "workmen" as a class have a direct or substantial interest" He submits that the evidence of WW1 is created by a person who is still in job would have deposed falsely merely he is not a party in ID No. 33/1982 is not a valid ground to dismiss the case.

8. It is argued by the Learned Counsel for the Respondents that the Petitioner never worked in the corporation either as casual labour or as contract labour at any point. The evidence of WW2 is not at all correct. The Petitioner has not given any specific date in pursuance to the judgement of the Hon'ble High Court of A.P. where he has gone claiming falsely that he was one of the parties in ID No. 33/1982 before the Industrial Tribunal was found false. Hence, his case was not considered and he is not entitled for any relief.

9. It may be seen that the District Manager, appointed the Petitioner Sri P. Anjaiah temporarily as watchman on daily rated basis. MW1 says that he cannot say anything about the genuineness or otherwise of this Ex. W2. Only Ex. M1 wherein it was ordered that the Petitioners in the said ID 33/1982 be considered for fresh appointment in the new depots that are likely to be opened and also ordered for retrenchment compensation under Sec. 25F of the Act. Ex. M2 is the order of the Hon'ble High Court of A.P. wherein a direction is given to make a fresh representation and the Respondent to consider the same.

10. So it may be safely concluded that on this said direction he produced Ex. W2 and moreover when his colleague WW2 comes and deposes that he had worked along with the Petitioner it cannot be disputed. But one thing is clear, Ex. M3 the affidavit is sworn in by Shri N. Narasimha in ID No. 33/1982, he deposed that they filed ID No. 33/1982, the Petitioner's name is not there. In fact WW1 admitted that he is not one of the Petitioners. Any way the Hon'ble High Court of A.P. has directed to consider their names. When his name is not considered saying that he is not one of the parties in ID No. 33/1982 but in view of Ex. W2 and evidence of WW2, I hold that in respect of the fact that he is unable to give the exact dates perhaps due to lapse of time that he has worked. But approached this Court after lapse of more than two decades. In fact, he himself is not sure of what he wants. Because he only wants appointment but after a generation lapse he cannot come and ask for a fresh appointment, and hence, the only relief that can be given to him is that if there are casual/temporary vacancies available in future the Petitioner shall be given preference over others taking his date of appointment as 1976 and his age as on 1976 provided he is medically fit. However, this award will not disturb those who are working at present due to this award.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. K. Phani Gowri, Personal Assistant, transcribed by her, corrected and pronounced by me on this the 3rd day of January, 2005.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
WW1 : Sri P. Anjaiah	MW1 : Sri R. Lakshmi Narayana

WW2 : Sri Ch. Prakasam

Documents marked for the Petitioner

Ex. W1 : Copy of transfer certificate dt. 31-7-73
Ex. W2 : Copy of appointment order dt. 7-5-76
Ex. W3 : Copy of community, nativity and date of birth certificate dt. 13-11-98
Ex. W4 : Copy of representation dt. 2-8-2001
Ex. W5 : Copy of order of High Court in WP 7459/2001

Ex. W6 : Copy of notice issued by Respondent to WW1 dt. 25-9-2001
Ex. W7 : Copy of application dt. 29-9-2001.
Ex. W8 : Copy of Ir. No. IR. 32 (3)/2001 dt. 11-10-2001
Ex. W9 : Copy of WW1's letter dt. 18-10-2001
Ex. W10 : Copy of Ir. No. IR 32(3)/2001 dt. 20-10-2001
Ex. W11 : Copy of Ir. No. IR 32(3)/2001 dt. 12-11-2001
Ex. W12 : Copy of representation of WW1 dt. 26-11-2001
Ex. W13 : Copies of affidavits of WW1's colleagues
Ex. W14 : Copy of WW1's representation dt. 19-12-2001
Ex. W15 : Copy of Ir. written by advocate of WW1 dt. 21-1-2002
Ex. W16 : Copy of Ir. No. A2/159/2002 dt. 27-3-2002
Ex. W17 : Copy of employment card of WW1
Ex. W18 : Copy of WW1's representation dt. 13-6-2002
Ex. W19 : Copy of legal notice dt. 5-8-2002
Ex. W20 : Copy of reply received for Ex. W19 dt. 19-8-2002

Documents marked for the Respondent

Ex. M1 : Copy of award in ID No. 33/1982 of Industrial Tribunal, Hyderabad
Ex. M2 : Copy of order of High Court in WP 7459/2001
Ex. M3 : Copy of affidavit of P. Narasaiah
Ex. M4 : Authorization letter to depose in the Court.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 860.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एस. सी. सी. एल. प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद (संदर्भ संख्या एल. सी. आई. डी. नम्बर 136/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-2-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/1/2005-आई. आर. (सी-II)]
एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 860.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. L. C. I. D. No. 136/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of SCCL and their workman, which was received by the Central Government on 15-2-2005.

[No. L-22013/1/2005-IR (C-II)]
N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE
BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT AT HYDERABAD

PRESENT :

Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated the 29th day of December, 2004

INDUSTRIAL DISPUTE L.C.I.D. No. 136/2003

Between :

Sri Barla Ankoos,

S/o Ilaiah,

H.No. 60/63,

Mandamarri area,

Mandamari,

Adilabad District-504231

... Petitioner

AND

The General Manager,

Singareni Collieries Company Ltd.,

Mandamarri,

Adilabad District.

... Respondents

APPEARANCES :

For the Petitioner : M/s P. Nageswar Rao & R. Murali
Krishna, Advocates

For the Respondent : M/s K. Srinivasa Murthy, V.
Umadevi, C. Vijaya Shekar Reddy
& B.V.L. Vani, Advocates.

AWARD

This is a case taken under Sec. 2A (2) of the I.D. Act, 1947 in view of the judgment of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W.P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two others and notices were issued to the parties concerned.

2. The brief facts as mentioned in the petition are: That the Petitioner was appointed as coal filler and worked at KK 5 incline. He was issued with charge sheet for his habitual absence, 25.25 of Standing Orders of the Respondent company, "Habitual late attendance or habitual absence from duty without sufficient cause". That the Petitioner was sick and suffering from lumbago and Scitric Pain and intimated his sickness to the Respondent and submitted all the medical certificates, in spite of which the case of the Petitioner was not considered and he was removed from service. Much has been said about the enquiry but this Court by an order dated 27-9-2004 stated that the domestic enquiry conducted is valid. That he submitted that the Petitioner may be reinstated into service with back wages, full attendant benefits. That the punishment of dismissal is disproportionate. Hence, he may be reinstated into service.

3. A counter was filed stating that the Petitioner was appointed at KK5 incline on 6-6-78 as a Worker Trainee. That he was issued with a charge sheet dated 12/28-3-98 for habitual absence and a regular enquiry was

conducted. The Petitioner has put in only 70 musters in 1995, 100 musters in 1996 and only 16 musters in 1997. The workman has attended the enquiry and during the enquiry admitted his charges. Hence, he was dismissed on 16-12-98.

4. The domestic enquiry conducted is declared as valid by this Court vide order dated 27-9-2004. Hence, arguments under Sec. 11 A were heard by both the counsels.

5. It is argued by the Learned Counsel for the Petitioner that he has filed fitness certificates. That he could not attend due to his ill-health. Hence, the punishment is disproportionate to his fault. Hence, his case may be considered sympathetically and he may be reinstated.

6. It is argued by the Learned Counsel for the Respondent that it is seen that fitness certificates were not produced. Show cause notice along with Enquiry proceedings were sent by registered post acknowledgement due to his last known address and it was returned as undelivered by postal authorities. What happened to this man when a paper publication was given to that effect. He failed to respond to the paper publication also. Hence, he deserves no sympathy. The dismissal order may be upheld.

7. It may be seen that Petitioner's conduct is far from satisfactory after the issuance of charge sheet also, he deserves no sympathy. He was appointed in 1978 and 1995 only he started absenting himself. Without another chance being given to him he was dismissed. As the quality of mercy is not strained I give him one more chance with certain strict condition. An award is passed directing the Respondent to reinstate the Petitioner as coal filler within 30 days after publication of this award on the starting pay of the coal filler as on that day. As there is no mention as to when he has completed his training as coal filler his services from 1-1-80 till 16-12-98 shall be counted for terminal benefits and his services shall be regularized as coal filler only if he puts in minimum musters for three consecutive years.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. K. Phani Gowri, Personal Assistant, transcribed by her, corrected and pronounced by me on this the 29th day of December, 2004.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for
the Petitioner

NIL

Witnesses examined for
the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 861.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में एस. सी. सी. एल. प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या एल. सी. आई. डी. नम्बर 135/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/1/2005-आई आर (सी-II)]
एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 861.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. L. C. I. D. No. 135/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of SCCL and their workman, which was received by the Central Government on 15-2-2005.

[No. L-22013/1/2005-IR (C-II)]
N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT AT HYDERABAD**

PRESENT :

Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated the 29th day of December, 2004

INDUSTRIAL DISPUTE L.C.I.D. No. 135/2003**BETWEEN**

Sri Chand Pasha,
S/o S. K. Hussain,
No. 206; Hanuman Basti,
Bellampalli, Adilabad Dist. ... Petitioner

AND

The General Manager,
Singareni Collieries Company Ltd.,
Mandamarri area,
Mandamarri,
Adilabad District ... Respondents

APPEARANCES :

For the Petitioner : M/s P. Nageswar Rao & Murali
Krishna, Advocates

For the Respondent : M/s K. Srinivasa Murthy, V.
Umadevi, C. Vijaya Shekar Reddy
& B.V.L. Vani, Advocates

AWARD

This is a case taken under Sec. 2A (2) of the I.D. Act, 1947 in view of the judgement of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W.P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two others and notices were issued to the parties concerned.

2. The brief facts as mentioned in the petition are : That the Petitioner was appointed as Tunnel Mazdoor in 1990 and worked at Shantikhani, B.P.A. (P) Area. He was issued with charge sheet dated 4-8-99 for his habitual absence, for contravening 25.31, "Absence from duty without sanctioned leave or sufficient cause over staying beyond leave". That the Petitioner was sick and intimated his sickness to the Respondent and inspite of which the case of the Petitioner was not considered and he was removed from service. Much has been said about the enquiry but this Court by an order dated 27-9-2004 stated that the domestic enquiry conducted is valid. That he submitted that the Petitioner may be reinstated into service with back wages, full attendant benefits. He submits that actually it is averred in the petition that the Petitioner was sick and produced the relevant documents to prove his sickness and after his recovery, he joined duty. His sickness was in the knowledge of the Respondent. The punishment of dismissal is disproportionate to the alleged offence. Hence, the dismissal order dated 24-10-2001 may be set aside and the Petitioner may be resinstated into service with continuity of service and with all attendant benefits.

3. A counter was filed stating that the Petitioner was appointed as badli filler on 20-4-88. Later on he was drafted as tunnel mazdoor w.e.f. 1-9-90. That on 4-8-99 he was issued with a charge sheet for absence of duty without sufficient cause. So an enquiry was conducted. That the Petitioner was dismissed w.e.f. 9-10-2001. In fact he did not attend the enquiry as such the charges were proved. In fact a publication was also made in Eenadu daily newspaper. That the Respondent had no knowledge of his alleged sickness. Hence, the petition is devoid of merits. Hence, he is not entitled for any relief.

4. The domestic enquiry conducted is declared as valid by this Court vide order dated 27-9-2004. Hence, arguments under Sec. 11 A were heard by both the counsels.

5. It is argued by the Learned Counsel for the Petitioner that he has filed medical certificates. That he could not attend due to his ill-health. Hence, the punishment is disproportionate to his fault. Hence, his case may be considered sympathetically and he may be reinstated.

6. It is argued by the Learned Counsel for the Respondent that it is seen that the medical certificates were not produced. Show cause notice along with Enquiry proceedings were sent by registered post acknowledgement due to his last known address and it was returned with the endorsement of the postal Department that it was unclaimed. What happened to this man when a paper

publication was given to that effect. He has failed to respond to the paper publication also. Hence, he deserves no sympathy. The dismissal order may be upheld.

7 It may be seen that he was appointed in 1990 and he started absenting himself. Without giving another chance to him he was dismissed. As the quality of mercy is not strained I give him one more chance with certain strict conditions. An award is passed directing the Respondent to reinstate the Petitioner as Tunnel Mazdoor within 30 days after publication of this award on the starting pay of the Tunnel Mazdoor as on that day. His past services from 1-9-90 to 8-10-2001 shall be counted for pension purposes as no chance was given for counseling, only on condition that he puts in minimum masters for three consecutive years.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. K. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 29th day of December, 2004.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
NIL	NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 862.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एस. सी. सी. एल. प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या एल. सी. आई. डी. नम्बर 185/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/1/2005-आई आर (सी-II)]
एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 862.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. L. C. I. D. No. 185/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of SCCL and their workman, which was received by the Central Government on 15-2-2005.

[No. L-22013/1/2005-IR (C-II)]
N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

PRESENT :

Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated the 5th day of November, 2004

INDUSTRIAL DISPUTE L.C.I.D. No. 185/2003

Between :

Sri Gattaiah,
C/o 16-9-749/41,
Race Course Road,
Old Malakpet,
Hyderabad

... Petitioner

AND

1. The Managing Director,
The Singareni Collieries Co. Ltd.,
Kothagudem.

2. The General Manager,
The Singareni Collieries Co. Ltd.,
Ramagundam Area-1,
Karimnagar District

... Respondents

APPEARANCES :

For the Petitioner : M/s. G. Ravi Mohan, R. Devender Reddy, G. Srinivasa Reddy & G. Naresh Kumar, Advocates

For the Respondent : M/s K. Srinivasa Murthy, C. Vijaya Sekhar Reddy & S. Vijay Venkatesh, Advocates.

AWARD

This is a case taken under Sec. 2A (2) of the I.D. Act, 1947 in view of the judgement of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W.P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two others and numbered in this Court as L.C.I.D. No. 185/2003.

2. In spite of several adjournments given from 16-4-2004 for evidence of the Petitioner for 12 adjournments the Petitioner has not turned out. He is not evincing any interest in the case. Petitioner's counsel is also absent. There is nothing on record to support the case of the Petitioner. Hence, a 'Nil' Award is passed, Transmit.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Kum. K. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 5th day of November, 2004.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidenceWitnesses examined for
the Petitioner

NIL

Witnesses examined for
the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 863.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, ई. सी. एल. प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, असनसोल (संदर्भ संख्या 149/1999) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-12-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/165/1999-आई. आर. (सीएम-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 863.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award Ref. 149/1999 of the Cent. Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour Court, Asansol as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of ECL and their workmen, received by the Central Government on 15-2-2005.

[No. L-22012/165/1999-IR (CM-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, ASANSOL****PRESENT :**

Sri Md. Sarfaraz Khan, Presiding Officer

REFERENCE NO. 149 OF 1999**PARTIES**

The Agent,
Nageshwar Satgram Colliery,
P.O. Devchandnagar,
Distt. Burdwan (W.B.)

... Management

Vs.

Sri Lakhu Ruidas, U.G. Looseman ... Workman

REPRESENTATIVES

For the Management : Sri P. Goswami, Advocate

For the Workman : Sri Rakesh Kumar,
(Union) General Secretary,
K.M.Co., Asansol

INDUSTRY : COAL

STATE : WEST BENGAL

Dated 16-12-2004

AWARD

In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Govt. of India through the Ministry of Labour vide its Order No. L-22012/165/99/IR (CM-II) dated 30/31-8-1999 has been pleased to refer the following dispute for adjudication by this Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Benaly (R) Colliery in denying Medical Examination for age assesment to Sh. Ruidas, Underground Looseman is justified ? If not, to what relief Sh. Ruidas is entitled ?"

2. After receipt of the aforesaid order of reference summons were issued to the respective parties through the registered post and after having received the summons both the parties appeared in the Court through their representatives and filed their separate set of written statement in support of their respective claims.

3. The case of the union in brief compass as setforth in the written statement is that Sh. Lakhu Ruidas, U.G. Looseman Nageshwar Satgram Colliery had raised his age dispute in the year 1987 while returning of one copy of the service excerpts format and his case was considered by the Screening Committee at Area level and accordingly his case was recommended for assessment of his age by Apex Medical Board as per the guidelines of implementation instruction No. 76.

4. The main case of the workman concerned is that he was asked to appear before the Apex Medical Board at Kalla Hospital on 14-2-91 and at Bansra Hospital also on same day but local management directed him to send at Kalla. But unfortunately Apex Medical Board could not be held on 14-2-91 due to the reasons best known to the management. As per norms he should have been called again but since then he was not called to appear before Apex Medical Board. The workman concerned along with the union have been requesting and trying to get another date fixed by the Apex Board for the assessment of the age but it could not be yet be finalised. The management had admitted to dispose of the matter since the matter had already been sent to headquarters for taking necessary action in this regard but inspite of the assurance given, dispute could not yet be resolved. So it is prayed that the workman concerned be sent to Apex Medical Board for age assesment as he was not given chance to appear before the Apex board.

5. On the other hand the defence case of the management as per its written statement in short is that it is not correct to say that the concerned workman was directed to appear in two different places at the same time on the same date.

6. The main case of the management is that it was firstly decided to hold the sitting of Medical Board at Bansra Hospital and accordingly all the persons concerned were directed to appear at Bansra Hospital but Chairman of the Apex Medical Board intimated the office to change the venue from Bansra to Central Hospital at Kalla and to that effect Dy. Personnel Manager, Benali Colliery through an office order vide No. BC/AGENT/PER-67/91/211 dated 11/12 February, 91 informed all those persons requesting them to appear at Central Hospital at Kalla.

7. It is also the case of the management that the concerned union for the first time raised an Industrial dispute before the Assistant Labour Commissioner on 6-9-98 after a long seven years and in the light of the decision of Apex could the dispute regarding correction of age in the service record at the fag-end of service life ought not to be entertained and even the union did not disclose the reason preventing them to agitate the same in time and on the grounds of laches and delay on the part of union this matter be rejected and at present the workman concerned is not entitled to any relief.

8. In view of the pleadings of the parties and the materials available on the record I do find certain facts which are admitted one by the respective parties. So before entering into the discussion of the merit of the case I would like to mention the facts which are admitted one.

9. It is admitted fact that Sri Ruidas, Underground Looseman is an permanent employee of the colliery of M/s. E.C.L.

10. It is further admitted fact that Lakhu Ruidas, U.G. Looseman of Nageshwar Satgram Colliery had raised his age dispute in the year 1987 and his case after consideration and having found wrong entry of his age his case was recommended for the assessment of his age by Apex Board as per the guide lines of Implementation instruction No. 76.

11. It is also the admitted case that the workman was asked to appear before Medical Board at Bansra Hospital on 14-2-91 which was subsequently modified and the venue was fixed at Central Hospital at Kalla on the same date. It is the settled principles of law that the facts admitted need not be proved and as such I do not think necessary to discuss these admitted facts in detail.

12. From the aforesaid admitted fact it is clear that there was variation in the entry of the date of birth of the workman in service records so the Screening Committee of the Area level recommended of his case for assessment of age by the Apex Medical Board as per the guide lines of I.L. No. 76 and accordingly the workman concerned was directed to appear before the Apex Medical Board at Bansra Hospital on 14-2-91 which was modified on 12-2-91 and the venue was fixed at Central Hospital, Kalla on 14-2-91 which is proved from the photo copy of both the official letters filed by the union.

13. Now the main point to be decided is to see as to whether the Apex Board was held on the Scheduled date at scheduled modified venue at Central Hospital, Kalla

and whether the concerned workman appeared before the Board on that fixed date or not ?

14. It is clear from the averments made in para 3 of the workman that the workman attended Kalla Hospital along with P.O. of the colliery. But unfortunately Apex Board could not be held on 14-2-91 due to the reason best known to the management. It is also pleaded that the workman concerned and the union were requesting and trying to get another date fixed by the Apex board for the assessment of his age but the same could not be done till to-day. This fact has also been clearly stated in his affidavit filed in the Court by way of evidence. In course of cross exam. he clearly asserted the fact about his appearance before the medical Board. Where as this fact has neither been controverted in the W. S. of the management nor any chit of paper has been filed in the Court to show that the Apex Medical Board was held as per this Scheduled date at the fixed venue. It is specifically pleaded in para 2 of the W. S. filed by the management that contention of para 3 of the W. S. filed by the union is partially correct. Simply the contention of appearance at two different places of the Medical Board at the same time and same date has been contradicted. The remaining contention remained un-challenged meaning there by admitted by the management. So it is clear from the record itself that there is no fault on the part of the workman concerned due to which his age could not be assessed by the Apex Medical Board. If the Medical Board was not held on the scheduled date as per the programme, the workman should have been called again to appear before the medical Board for the assessment of his age as per the norms and provision of the Implementation Instruction guidance No. 76 and denied to that effect amounts to denial of the principles of natural justice.

15. The next important issue for the consideration is to see as to whether the Industrial Dispute regarding the correction of age in the service record was raised by the union before the Assistant Labour Commissioner after a long span of time.

16. In this context the workman has pleaded in para 5 of the W. S. that during the conciliation proceeding management had submitted their statement mentioning therein that the dispute be closed or keep it in abeyance as the matter has already been taken up by the ECL/H. Qtrs. or its amicable settlement. In support of the said facts the photo copy of the W.S. filed by the management before the A.L.C. (C) in the conciliation proceeding dated 24-12-98 has been filed. It is clear from the said written statement that recently ECL. H. Qtrs. vide its letter dated 31-10-98 and solicited the details of the age records of the workman concerned which was complied on 5-11-98. But the management did not take any final decision as yet and kept the matter pending.

17. From perusal of the above W. S. filed before the A. L. C. by the management it appears that a plea has been taken there that a date for the assessment of the age of the workman concerned was fixed on 14-2-1991 at 9.30 and he was asked to appear before the Apex Medical Board at Bansra Hospital but Sh. Lakhu Ruidas failed to appear

before the said Apex Medical Board at Bansra Hospital. Admittedly the workman was asked to appear in the Apex board on 14-2-91 at 9.30 at Bansra Hospital by order dated 8-2-91. But subsequently vide letter dated 12-2-91 the order dated 8-2-91 was modified and he was directed to attend Apex Medical Board at Central Hospital, Kalla instead of Bansra Hospital on 14-2-91 at 10.00 A.M. So the ground taken by the management that Lakhu Ruidas did not appear before the Apex Medical Board at Bansra Hospital on the scheduled date is quite absurd as the question after modification of the venue to attend the Apex Medical Board at Bansra Hospital does not arise. This lame excuse does not stand good. The circumstance go to show the victimising tendency of the management because of the fact that on 14-2-91 no Apex Medical Board was held as per schedule.

18. The Xerox copy of the minutes of the meeting held with the union i.e. K. M. C. at ECL. H. Quarters level dated 22-12-2002 has been filed in which age dispute of the workman was discussed and after discussion it was mentioned in item No. 20 of the minutes that the case of age assessment by Apex Medical Board of the workman is under examination. So it is clear that the delinquent workman has been regularly taking steps at every level for getting his age assessed by the Apex Medical Board. Besides this there is no period of limitation to raise the age dispute as well.

19. However in view of the above facts, circumstances, evidence, documents and the discussion made I am satisfied for hold that no Apex Medical Board was ever held on 14-2-91 at the modified scheduled venue at Central Hospital, Kalla and since the delinquent workman was not at fault and there is no any laches or delay on the part of the union. So for the ends of justice Sh. Lakhu Ruidas should have been called to appear before the Apex Board for the assessment of his age as per the guide lines of Implement Instruction No. 76 of JBCCI and in this circumstance I am further satisfied to hold that it is a fit case which must be referred to the Apex Medical Board for the assessment of the age of the delinquent employee and as such it is hereby

ORDERED

that let the management be directed to refer the delinquent employee to the Apex Medical Board for determination of his age within 15 days of the receipt of this award. The findings of the Apex Medical Board shall be final and binding upon both the parties. Accordingly the award be and the same is passed.

Copies of the award be sent to the Ministry of Labour for information and needful.

MD. SARFARAZ KHAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 864.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एस.सी.सी.एल. के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट

औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचात (संदर्भ संख्या एल.सी.आई.डी. नम्बर 41/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/1/2005-आई. आर. (सी-II)]

एन.पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 864.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. L.C.I.D. No. 41/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of SCCL and their workman, which was received by the Central Government on 15-02-2005.

[No. L-22013/1/2005-IR (C-II)]
N.P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

PRESENT :

Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated the 22nd day of November, 2004

Industrial Dispute L.C.I.D. No. 41/2004

BETWEEN :

Sh. V. Sridhar,
S/o Samaiah,
C/o Mrs. A. Sarojana,
4-5-92, Near Badichowdi,
Vegetable Market,
Kutbiguda, Hyderabad-27

... Petitioner

AND

1. The General Manager,
The Singareni Collieries Co. Ltd.,
Mandamarri Area,
Mandamarri.

2. The Colliery Manager,
The Singareni Collieries Co. Ltd.,
KK-5A incline, Kalyankhani,
Adilabad

... Respondent

APPEARANCES :

For the Petitioner : M/s A. Sarojana & K. Vasudeva
Reddy, Advocates

For the Respondent : M/s K. Srinivasa Murthy, V. Uma
Devi, C. Vijaya Shekar Reddy &
S. Vijay Venkatesh, Advocates

AWARD

This is a case taken under Sec. 2 A (2) of the I.D. Act, 1947 in view of the judgment of the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W.P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two other and numbered in this Court as L.C.I.D. No. 41/2004 and notices were issued to the parties concerned.

2. The brief facts as stated in the petition are : That the Petitioner was initially appointed as badli coal filler on 14-4-2000 with the Respondent. He became sick during the years 2002 and he used to apply for leave or used to intimate the authorities. He was issued with charge sheet for absenteeism and ultimately dismissed by the Respondent vide order dated 24-1-2004. Hence, he prays for reinstatement.

3. A counter was filed denying that the Petitioner became sick during the year 2000 and he never reported sick in the Company's hospital. As the charges have been proved he was dismissed.

4. The counsel for the Petitioner filed a memo on 22-11-2004 to withdraw the petition stating that, basing on the settlement entered into, the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., is willing to consider the case of the petitioner, for re-appointment. Hence, the Petitioner prays to permit him to withdraw LCID No. 41/2004 with liberty to file fresh case if required.

5. Respondent's Counsel is present. In view of the memo filed by the Counsel for the Petitioner, a 'Nil' Award is passed.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Sri J. Vijay Sarathi, LDC transcribed by him corrected and pronounced by me on this the 22nd day of November, 2004.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
NIL	NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 2005

का.आ. 865.—केन्द्रीय सरकार संतुष्ट हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उप-खंड (vi) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या

का.आ. 2230 दिनांक 19-8-2004 द्वारा यूरेनियम उद्योग जोकि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 19 में शामिल है, को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए दिनांक 15-9-2004 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उप-खंड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए दिनांक 15-3-2005 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/9/97-आई आर (पीएल)]

जे. पी. पति, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 24th February, 2005

S.O. 865.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required that in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of the clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2230 dated 19-8-2004 the service in Uranium Industry which is covered by item 19 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a period of six months from the 15th September, 2004.

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said by a further period of six months.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act. for a period of six months from the 15th March, 2005.

[No. S. 11017/9/97-IR (PL)]

J. P. PATI, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का.आ. 866.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पश्चिम रेलवे के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या केस सं सी.जी.आई.टी./एल.सी./आर./175/92) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/39/92-आई. आर. (बी-1)]

बी.एम. डेविड, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 866.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Case No. CGIT/LC/R/175/92) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Jabalpur now shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Western Railway and their workman, which was received by the Central Government on 14-02-2005.

[No. L-41012/39/92-IR (B-I)]
B.M. DAVID, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

Case No. CGIT/LC/R/175/92

Present :

Shri C.M. Singh, Presiding Officer

Shri Mangoo Singh,
S/o Chen Singh,
Through Secretary,
General Workers Union,
Railway Quarter S. 406-B,
Godhara.

... Applicant

Versus

The Divisional Electrical Engineer,
Construction Power,
Western Railway,
Ratlam.

The Divisional Railway Manager,
Western Railway,
Ratlam.

... Non-applicant

AWARD

Passed on this 19th day of January-2005.

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-41012/39/92-IRDU dated 12/8/92 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :

"Whether the action of the management of Divisional Electrical Engineer Construction Power, Western Railway, Ratlam in terminating the services of Shri Mangoo Singh S/o Chen Singh Ex-Khalasi without any chargesheet or enquiry is justified or not ? If not, to what relief the workman is entitled for ?"

2. The workman's (Applicant) case in brief is that he was recruited as casual labour on 21/4/1980 and had put in seven years of continuous service. He had acquired the status of temporary employee on 1st Dec. 1981 and his services were governed and protected by the relevant

provisions of the State Establishment Code and the Industrial Disputes Act, 1947. The workman had reported sick on 16/11/1987 and remained under medical treatment till 29-12-87. Both the medical certificates of sickness and fitness were issued by the Railway Doctor. However the management (non-applicant) terminated the services of workman orally without serving any written order. The management did not care to observe the procedure laid down in the State Railway Establishment Code. Later the workman along with Medical Certificates served notice dated 15-8-88 on the management, which remained un-replied by the management. The prayer of the workman is that the oral order dated 29-12-87 of his discharge be quashed and set aside and he be ordered to be re-instated in service with all back wages, benefits, privileges, seniority and bonus etc.

3. In their written statement, the management (Non-applicant) admitted that the workman was appointed as casual labour on 21st day of April 1980 and was granted temporary status on 1st day of December 1981. It has been pleaded on behalf of the management that for unauthorised absence of workman from duty from 23-3-87 to 30-3-87 and 29-4-87 to 3-8-87, S.F.-11 was issued to him which was still pending. That the workman remained present on duty from 4-8-87 to 11-11-87 and again absented himself from duty from 12-11-87 and abandoned the service.

4. In his rejoinder, the workman (Applicant) averred that the alleged S.F.-11 chargesheet for the alleged unauthorised absence from duty has already lapsed by afflux of time. The management did not issue and serve any notice on the workman. It has been also averred that the workman was under medical treatment of a Private Doctor from 16-11-87 to 29-12-87 and the Railway Doctor had issued a 'Duty Certificate' to him on the basis of the said medical certificate. The management did not take him on duty even after production of the said medical certificate from the Railway Doctor.

5. Shri D.N. Dixit, my learned predecessor in office after going through the written argument filed by the parties passed award dated 6-8-99 in favour of the management. The Honourable High Court of Madhya Pradesh vide order dt. 24-4-2004 passed in writ petition No. 471/2002 set aside award dated 6-8-99 and remanded the reference with direction that the tribunal shall consider the medical certificate issued by the Railway Doctor and other attending circumstances that the workman was not served with the notice said to have been issued by the department.

6. The workman Shri Mangoo Singh examined himself in support of his case and the management examined R.K. Kashive, Sr. Section Engineer, witness No. 1 and Daulat Warfe, pensioner witness No. 2 in order to defend the case. The parties also filed documents in support of their respective case which shall be referred in the body of this award at appropriate places.

7. I have heard Shri J.K. Ved, representative of the Union for the workman (Applicant) and Shri H.Y. Mehta,

Advocate, learned counsel for the management (non-applicant). I have very carefully gone through the entire evidence on record.

8. It is admitted to the parties that workman Mangoo Singh was appointed as casual labour on 21-4-1980 and was granted the status of temporary employee on 1-12-81.

9. It is stated by the workman Mangoo Singh in his rejoinder affidavit that he was under medical treatment of a Private Doctor and had produced Medical Certificate to cover period w.e.f. 16-11-87 to 29-12-87. It is further stated therein that the Railway Doctor had issued 'Duty Certificate' to him on the basis of the said medical certificate. That he was not taken on duty even on production of Railway Doctor's certificate. Against the above, it has been pleaded on behalf of the management that the workman remained absent from duty from 12-11-87 and thereafter he never turned up on duty. The same has been deposed by R.K. Kashive, management's witness No. 1 in his examination-in-chief. But the deposition made in this respect by Daulat Warfe Management's witness No. 2 is quite different. He deposed that the workman permanently remained absent from 13-11-87. In his cross examination, the workman Mangoo Singh stated that from 12-11-87, he was no doubt absent but was on leave and from 16-11-87 to 29-11-87 he was ill. From the above oral testimony of witnesses of management. It is not proved that the workman remained absent from duty from 12-11-87 as pleaded by the management. The workman has filed a photocopy of Duty Certificate purporting to have been issued by the Railway Doctor. The learned counsel for the management assailed this photocopy of 'Duty Certificate' by contending that it is inadmissible in evidence because it is not proved in accordance with law of evidence. He submitted that the workman did not examine the Railway Doctor as witness who gave the 'Duty Certificate', to give evidence in support of certificate. In this respect he placed reliance on 1983. LAB.L.C. 1285 in the case of Bengal Coal Co. Ltd. V Sew Pujan, Harjan. The following was held in the law cited above :

"In order to make the document or Certificate legally admissible the doctors giving the same must come and give evidence in support of the certificate, otherwise the contents of the certificate do not become admissible in law."

In the case at hand, according to statement of workman Mangoo Singh, he remained under medical treatment of a Private Doctor and on the basis of medical certificate issued by him, Railway Doctor issued 'Duty Certificate' to him. It clearly means that the original medical certificate was that which is said to have been issued by the Private doctor to the workman. But the said medical certificate has not been brought on record for proving the 'duty Certificate' said to have been issued by the Railway Doctor. More so, the workman has filed photostat copy of the alleged duty certificate on record. Besides the above, the workman has failed to examine the Railway Doctor who issued 'Duty Certificate'. Therefore

I am of the considered opinion that the photostat copy of 'Duty Certificate' is not legally admissible in evidence and thus the workman has failed to establish by medical evidence that he remained ill from 16-11-87 to 29-12-87.

10. It has been pleaded on behalf of the management in their written statement that the workman remained absent from duty without intimation from 23-3-87 to 30-3-87, 29-4-87 to 3-8-87 and thereafter remained absent from duty from 12-11-87 and abandoned the service. The onus of proving the above rests on the management. Shri R.K. Kashiv, management's witness No. 1 deposed on oath that the workman remained absent from duty from 22-3-87 to 30-3-87, 20-4-87 to 3-8-87 and thereafter remained permanently absent from 12-11-87. Daulat Warfe, management's witness No. 2 deposed that the workman remained absent from duty from 23rd February to 30 March, 29th April to 4th August, 13th October to 27th October and remained permanently absent from duty from 13th November, 87. The statement of this witness is contrary to the pleadings of the management. The above statement of the two witnesses are contradictory to each other. The management for proving unauthorised absence of workman from duty has filed photostat copies of muster rolls for the month of February to March 87, March to April 87 and so on up to November to December 87. These photostat copies of muster rolls have not been proved in accordance with law. None of the management's witnesses stated that those photostat copies are the true copies of the original Muster rolls. Both the management's witnesses deposed that the photostat copies of the Muster rolls do not bear initials or signatures of any responsible officer or official of the department. It is apparent from the perusal of photostat copies of muster rolls that they bear cuttings and over writings, uninitialled by any officer or official of the department. These photostat copies of the muster rolls cannot be placed reliance upon and have not been proved according to law. Thus the case of the management that the workman was habitual of remaining absent from duty is not at all proved.

11. It is fully established from the statement of workman Mangoo Singh made in his rejoinder affidavit, receipt of registered post, three acknowledgement cards and copy of notice dated 15-8-88 bearing signature of workman that he had served authorities with notice dated 15-8-88 by registered AD post. There is no evidence on record to indicate that the said notice was replied by the management. By the aforesaid notice, the workman had prayed that the oral order dated 29-12-87 of his termination be treated as null and void and he be reinstated in service with all back wages and benefits. Under the above circumstances, it cannot be held that the workman deliberately abandoned his service.

12. Shri D.N. Dixit, my learned predecessor in office held in Award dated 6-8-99 that the reference is barred by principle of limitation. It is to be noted here that the management has not taken any such plea in its written statement. It has been held in 1999-LLR-529 in the case of Ajaib Singh versus the Sirhind Co-operative Marketing-Cum-Processing Service Society Ltd. and

another that provisions of Article 137 of the Limitation Act are not applicable to the proceedings under the I.D. Act, 1947. Therefore the reference is not barred by the provisions of law of limitation.

13. Let it be assumed only for the sake of argument that there was unauthorised intermittent absence from duty by the workman. In that case, what was obligatory on the part of the management. It has been held by the Honorable Supreme Court of India in 1982 (1) All India Services Law Journal 319 that the absence without leave constitutes misconduct and it is not open to the employer to terminate service without notice and enquiry or at any rate without complying the minimum principle of natural justice. It has also been held therein that further rule 2302 of Railway Establishment Manual clearly prescribes the mode, manner and methodology terminating the services of temporary Railway Servant. Let it be also assumed only for the sake of argument that the workman abandoned the service in that case too, it was obligatory on the part of the management to give notice to him calling upon him to resume duty and also to hold enquiry before termination of service. My above view finds support in 1989 Administrative Tribunal cases 158 in the case of G. Krishnamurthy versus Union of India and others. It is not in the pleadings of the management that any notice was given to the workman, but during the evidence R.K. Kashiv management's witness No. 1 deposed that during the year 1987, he was posted as Sr. Section Engineer at Ratlam and he had informed on the notice board to the workman to resume duty immediately. But this witness on being cross-examined, failed to disclose if any such notice was sent to the workman by registered post. Daulat Warfe management's witness No. 2 during evidence of his cross examination deposed that it was informed on notice board that the name workman was struck off from muster-roll. The workman in his rejoinder affidavit has stated on oath that the management did not serve any notice on him before or after refusing him to resume duty. Thus it is fully established that the management did not serve any notice on the workman, did not make any enquiry regarding misconduct and only orally terminated his services. In this respect, the learned counsel for the workman submitted that the workman had acquired the status of a temporary employee, his service could not be legally terminated by oral order and by striking off his name from the muster roll in violation of the mandatory provisions contained in Sec 25F of the Industrial Disputes Act, 1947 and therefore the oral order dated 29-12-87 of termination of service of workman is invalid. He submitted that without giving him notice contemplated under Sec-25-F of the Industrial Disputes Act, 1947, the oral order dated 29-12-87 of termination of his service is void-ab-initio. In this respect, the learned counsel for the workman placed reliance on 1985(4) Supreme Court cases 201 in case of H.D. Singh versus Reserve Bank of India and others. I have very carefully gone through the law cited above. In the case at hand, the workman was granted status of temporary employee. No notice as contemplated in the provisions of Sec-25-F of the Industrial Disputes Act, 1947 was served on him by the management and orally he was

refused to join duty, no enquiry was conducted against him to prove the charge of misconduct, no notice was served on him calling upon him to resume duty and his name was struck off from the muster-roll. After having considered the facts and circumstances of this case very carefully I am of the considered view that the order dated 29-12-87 of terminating the services of the workman is not legal and is void-ab-initio.

14. In the result, the reference is answered as follows :

"The action of the management of Divisional Electrical Engineer, Construction Power, Western Railway, Ratlam in terminating the services of Shri Mangoo Singh, S/o Shri Chen Singh. Ex. Khalasi without any chargesheet or enquiry is not justified and he is entitled to the relief of being re-instated in service with all backwages and benefits."

15. The reference is allowed in favour of applicant and against the non-applicant with costs and the oral dated 29-12-87 of terminating the service of workman Mangoo Singh is set-aside. He shall be re-instated with all back wages and benefits attached to his post. He shall be deemed to be in continuous service from the date of termination till date i.e. the date of reinstatement. He shall be paid all back wages and other consequential benefits by the management as if he was not dismissed from the service.

16. The copy of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour as per rules.

C.M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 867. — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नार्थ मालावार ग्रामीण बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, कोजीकोडे, केरल राज्य के पंचाट [संदर्भ संख्या (सी)1/01] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/31/2000-आई. आर. (बी-1)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 867.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award [Ref. No. (C) 1/01] of the Labour Court, Kozhikode, Kerala State as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of North Malabar Gramin Bank and their workman, which was received by the Central Government on 14-02-2005.

[No. L-12011/31/2000-IR (B-I)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

7. It is in evidence that the management-Bank is a Scheduled Bank functioning under the provisions of the Regional Rural Banks Act 1976 and the Bank is bound by the directions and circulars issued by the Central Government and also by NABARD from time to time.

though WW1 has a case that the directions of NABARD are not binding on the Banks in the matter of the appointments. Ext. W1 makes it abundantly clear that the appointment was purely temporary and does not entitle the candidate for regularisation or for any preferential treatment on that ground. That is further evident from the circular issued from the Head Office wherein it is stated that the engagement will automatically come to an end on completing the period of temporary arrangement. There is also nothing to show that the workers under reference were working in substantive vacancies or were appointment in accordance with the provisions of any status or Rules. In view of the terms and conditions enunciated in the service contracts there is no charm in the contention of the workers that they have a right for regularisation. Perhaps, the management in its wisdom might have thought of employing workman on contract basis for their own reasons.

8. Some observations of the National Industrial Tribunal emphasising the need for regularisation of part-time sweepers-cum-messengers was highlighted by the learned counsel for the workers in support of their claim. But after considering the effect and binding nature of these observations the Honorable Apex Court has held in AIR 2001 SC 1028 that the Award of the National Tribunal could be made effective only with the nod of the Central Government. So the Bank is bound to follow the directions issued by the NABARD and Central Government in the matter of appointments. Even in the case of exigencies the appointments can be done by the management Bank functioning under the Regional Rural Banks Act only with the sanction and approval of the Central Government and by enhancing the staff strength which is prohibited by NABARD. It was also pointed out that as per another circular referred to in page 2 of the reply statement of the management that further recruitments even for filling up of vacancies arising out of natural wastages as a general measure except on compassionate grounds are prohibited. Moreover, regularisation cannot be made as a rule of 'thumb' on the basis of completion of years of service. It depends on various factors which have not been established in the present case. So, on an adequate consideration of the facts and circumstances emerged, I hold that the union has not succeeded in establishing the eligibility of 9 temporary messengers for regularisation.

9. In the result, an Award is passed holding that the service of 9 temporary messengers covered by the reference is not liable to be regularised and consequently they are not entitled for any further relief.

Dictated to the Confidential Assistant, transcribed by her, revised, corrected and passed by me on the 5th day of January 2005.

K. BALASUBRAMANIAN, Presiding Officer

APPENDIX

Witnesses examined on the side of the Workman :

WW1 : Sudhakaran P.O.

WW2 : Rameshan K. V.

Witnesses examined from the side of the Management :

Nil

Documents marked from the side of the Workman :

Ext. W1 : Series.

Ext. W1(a) : Appointment order given to Rameshan dtd. 28-10-1997.

Ext. W1(b) : Appointment order given to Rameshan dtd. 15-11-1997.

Ext. W1(c) : Appointment order given to Rameshan dtd. 14-2-1998.

Ext. W1(d) : Appointment order given to Rameshan dtd. 21-5-1998.

Ext. W1(e) : Appointment order given to Rameshan dtd. 30-5-1998.

Ext. W1(f) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 14-2-1998.

Ext. W1(g) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 14-2-1998.

Ext. W1(h) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 21-5-1998.

Ext. W1(i) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 30-5-1998.

Ext. W1(j) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 28-8-1998.

Ext. W1(k) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 28-10-1998.

Ext. W1(l) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 3-2-1999.

Ext. W1(m) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 2-8-1999.

Ext. W1(n) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 29-10-1999.

Ext. W1(o) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 29-1-2000.

Ext. W1(p) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 29-4-2000.

Ext. W1(q) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 29-7-2000.

Ext. W1(r) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 28-10-2000.

Ext. W1(s) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 3-2-2001.

- Ext. W1(t) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 2-5-2001.
- Ext. W1(u) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 1-11-2001.
- Ext. W1(v) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 31-1-2002.
- Ext. W1(w) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 2-5-2002.
- Ext. W1(x) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 30-4-2003.
- Ext. W1(y) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 28-7-2003.
- Ext. W1(z) : Appointment order given to Rajmohan dtd. 27-10-2003.

Documents marked from the side of the Management :

- Ext. M1 : True attested photostat copy of letter dtd. 14-2-1998 sent by the management to the worker K.V. Rameshan as temporary appointment messenger.
- Ext. M2 : Letter dated 15-11-1997 sent by the management to the worker K.V. Rameshan as temporary appointment messenger.
- Ext. M3 : NABARD Circular "N.N.B. IDD RR.CBD No. 4" 2753/337/93-94 dtd. 22-12-1993.
- Ext. M4 : NABARD Circular N.NB IDD.RR.CBD/1736/C-316 (Gen)/98-99 dtd. 19-9-1998.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 868.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार साउथ मालाबार ग्रामीण बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय कोजी कोडे, केरल राज्य के पंचाट [संदर्भ संख्या (सी) 9/99] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/26/99-आई. आर. (बी-1)]
सी. गंगाधरन, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 868.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award [Ref. No. (C) 9/99] of the Labour Court, Kozhikode, Kerala State as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of South Malabar Gramin Bank and their workman, which was received by the Central Government on 14-02-2005.

[No. L-12011/26/99-IR (B-I)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE
IN THE LABOUR COURT, KOZHICODE,
KERALA STATE

Dated this the 6th day of January, 2005

PRESENT :

Shri K. Balasubramanian, B.Com., LL.B., Presiding Officer

I.D. (C) 9/99

BETWEEN :

The Chairman,
South Malabar Gramin Bank,
P.B. No. 10, Head Office,
Malappuram-676505 ... Management

AND

The Convenor,
Co-ordination Committee,
South Malabar Gramin Bank,
Staff Association and
Officer Congress,
Atholi-673315 ... Union

REPRESENTATIONS :

Sri N. Ramakrishnan,
Advocate, Calicut ... For Management

Sri Sreekanth S. Nair,
Advocate, Calicut ... For Union

AWARD

The claim of 158 workers for regularisation in the service of the management—South Malabar Gramin Bank is the subject matter of reference. The dispute was referred to this Court as per order No. L-12011/26/99/IR (B-I) dated 28-10-1999.

2. In pursuance of the notice issued from this Court, both parties appeared and filed their respective statements. The gist of the statement filed by the Union representing the workers involved in the dispute is stated as follows :—

Management Bank is a Scheduled Bank sponsored by Canara Bank having 172 branches spread all over Malabar. The Bank initially used to employ sweepers on contract basis upto 31-12-1998. Thereafter these sweepers were directed to work without any contract as directed by the Bank. Even though they were termed as part-time sweepers, after the termination of contract labour in 1988, no specific hours of work was stipulated for their work and they were made to work for the entire working hours of the Bank. Apart from the work of sweeping they were also made to attend other jobs including that of peons, canteen attendants and domestic servants. They were given bonus and other service benefits for different years and in all respect treated as regular employees. In spite of this, they were only paid meagre amount of wages. The persons involved in the dispute were working as sweepers in the

Bank for more than 10 to 20 years without any interruption. The management, inspite of repeated requests has not taken any action for regularisation of their services. The action of the management is not justifiable. The services of these employees are indispensable for the normal functioning of the Bank. In these circumstances, the Union prays for regularisation of service of 158 workers involved in the dispute in the management Bank.

3. According to the management the workers under reference were engaged for sweeping works on contract basis/floor area basis and paid them through contingencies. They do not form personnel of RRB. Usually persons attending the works of sweeping will only have half an hour work in working days. There is no post of part-time sweeper under the management. So the persons involved in the dispute do not acquire any right for regularisation.

4. Evidence on the side of the Union consists of the oral evidence of WW1 and WW2 and Ext. W1, whereas that on the side of the management, MW1 and Exts. M1 to M4:

5. On the basis of rival pleadings and evidence the following points emerge for consideration :—

Whether the 158 persons involved in the dispute under reference are eligible for regularisation in the service of the management ? If so, further relief liable to be granted ?

6. Points :—The office bearer of the Union and one of the workers involved in the dispute while examined as WW1 and WW2 have given evidence about the length of service of the workers and the nature and extend of work undertaken by them. According to these witnesses the works start by 9 A.M. in the morning. They have to often remain till the Banks are closed and in the meanwhile apart from sweeping works they have to attend cleaning works, messenger duties, canteen duties, bringing water and even that of the peons. Ext. W1 is the copy of the minutes of the discussions held before the ALC (Central Ernakulam) between the representation of staff association and the management. As per Ext. W1, the management is seen to have agreed to absorb the casual sweepers as part-time sweepers. As against this evidence a Senior Manager of the management Bank has given evidence that the work of part-time sweepers will extend only to half an hour a day. According to him payment is made on the basis of floor area cleaned by them. The witness denied the engagement of these persons to attend extra works and according to him there is no such post of sweepers in the Bank. Ext. M1 is the copy of Office circular issued by the management Bank permitting the branches to engage labourers for cleaning the premises and bringing water to the premises. Remuneration for the work is also seen fixed as per the circular based on the carpet area of the respective branches. Ext. M2 is a revised wage circular, Ext. M3 is an intimation regarding the decision to enroll sweepers to EPF and Ext. M4 is an office order declaring 8.33% of the salary/wages as bonus to the eligible

employees. The eligibility criteria is also mentioned in Ext. M4.

7. According to the Union the workers were initially employed as sweepers on contract basis and thereafter they were working without any contract. They now claim to be the part-time sweepers. The claim of the union that the workers involved in the dispute were attending sweeping works for a considerable length of period is not seen disputed by the management. But as pointed out by the learned counsel for the management, the word 'part-time' implies that there is no prohibition for the workers to have employment in more than one place outside 'part-time' employment and earn money. It is not an exclusive employment under one employment. Literally the works begin in the morning and ends by the time they finish the work for that day. So their service could not be considered as continuous employment under one employment even in the absence of any evidence to show that they were working under any other employment during their period in question. That apart, MW1 has given evidence that there is no sanctioned post of sweepers and there is no evidence to the contrary. So, a direction for regularisation if given without reference to the existence of vacancies, every temporary employee or ad hoc employee who has been working in the Banks will have to be regularised despite the non-availability of any vacancy and irrespective of their eligibility for the post. Based on Ext. W1 circular, the learned counsel on behalf of the Union contended that the duties of sweepers which is perennial in nature is and indispensable for the functioning of the Bank and the can't now back out from their promise given in Ext. W1.

8. Ext. W1 was entered in to resolve an ongoing agitation. The undertaking given in Ext. W1 by the management to take casual sweepers as part-time sweepers is subject to the statutory nod of NABARD through SLCC which were in the final stages. There is nothing to show that the workers involved in the dispute were parties to Ext. W1. The reference is also not based on Ext. W1. The question of regularisation may arise only in two contingencies, firstly, on the availability of vacancies having a long duration where the workers were working on adhoc basis or daily wage basis appointed by a competent authority and continued from time to time and their services are otherwise required by the institution. The second type of situation is when the initial entry of the employee against the available vacancies is found to have suffered some flaw in the procedural exercise though the initial recruitment was lawful. But both these contingencies require one pre-condition that the initial entry of such an employee must be made against available sanctioned vacancy by following the rules and regulations governing such entry which has not been done in the case in hand.

9. The sweeping and cleaning works may be indispensable for carrying on the smooth running of the establishment. The workers involved may be attending sweeping works for a considerable length of period. But the mere fact that they have continued for a considerable length of time may be a moral consideration but not a

legal consideration to entitle them for regularisation nor they acquire any right for permanency. Such a direction if given, would amount to requisition of creation of posts though not required by the employer.

10. In the result, an award is passed holding that the workers involved in the dispute are not entitled for regularisation in the service of the management.

Dictated to the Confidential Assistant, transcribed by her, revised, corrected and passed by me on the 6th day of January, 2005.

K. BALASUBRAMANIAN, Presiding Officer

APPENDIX

Witnesses examined on the side of the Worker :—

WW1 Rajeev. K.

WW2 Sarasa. C.P.

Witnesses examined on the side of the Management :—

MW1 Jayaprakasan, A. P.

Documents marked on the side of the Workman :—

Ext. W1 Photostat copy of the minutes of discussion held before the Asst. Labour Commissioner (Central) Ernakulam on 3-11-90 over dispute dtd. 10-6-90 and agitation notice dated 10-9-1990 of South Malabar Gramin Bank Association.

Documents marked on the side of the management :—

Ext. M1 Memo No. 65/89-90 dtd. 25-11-1990 of the Industrial Relations Cell of the Management on the subject of sweeping charges.

Ext. M2 Memo No. 74/98 dated 24-12-1998 of the Personal Administration Department of the Management.

Ext. M3 Circular No. 85/97 dated 1-7-1997 of the Personnel Administration Department of the Management.

Ext. M4 Memo No. 10/91-92 dated 20-6-1991 of the Management.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 869.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 100/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/46/2004-आई. आर. (बी-1)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 869.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 100/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 14-02-2005.

[No. L-12012/46/2004-IR (B-I)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

PRESENT :

Shri E. ISMAIL, B. Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated the 25th day of November, 2004

INDUSTRIAL DISPUTE No. 100/2004

BETWEEN

The President,
State Bank Employees Union,
Central Bank Building,
2nd floor, Karl Marx Road,
Vijayawada.

... Petitioner

AND

The Asst. General Manager,
State Bank of India,
Zonal Office, No. 29-14-59,
Route No. 5 Road, Surya Rao Pet,
Vijayawada

... Respondent

APPEARANCES :

For the Petitioner : Nil

For the Respondent : M/s. B. G. Ravindra Reddy, B. V. Chandra Sekhar & P. Srinivasulu, Advocates

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-12012/46/2004-IR (BI) dated 23-7-2004 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the management of State Bank of India and their workman. The reference is.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of State Bank of India, Vijayawada Zone in withholding two increments in the time scale pay of Sh. N. Phanibhushanachari, Head Assistant is justified? If not, what relief the employee is entitled for?"

The reference is numbered in this Tribunal as I.D. No. 100/2004 and notices were issued to the parties.

2. In spite of several adjournments given from 11-10-2004 for filing of claim statement and documents for four adjournments including 25-11-2004 the petitioner has not turned-out with claim statement and documents. Petitioner is not evincing any interest. There is nothing on record to support the contention of the Petitioner. Hence, a 'Nil' Award is passed, Transmit.

Dictated to Sri J. Vijaya Sarathi, LDC transcribed by him corrected and pronounced by me on this the 25th day of November, 2004.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
--	--

NIL	NIL
-----	-----

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 870.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ बिकानेर एण्ड जयपुर के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय-II, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 30/96) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/228/94-आई. आर. (बी-1)]
सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 870.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 30/96) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-II, New Delhi as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner & Jaipur and their workman, which was received by the Central Government on 14-02-2005.

[No. L-12012/228/94-IR (B-I)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE, NEW DELHI

R. N. Rai, Presiding Officer.

I.D. No. 30/96

IN THE MATTER OF :—

Sh. Mahender Kumar,
House No. 164-C,
Jaipuria Mills,
Subzimandi, Clock Tower,
Delhi.

Versus

General Manager,
State Bank of Bikaner and Jaipur,
Head Office, Tilak Marg,
Jaipur-01

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-12012/228/94 IR (B-I) Central Government dt. 26-3-1996 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :—

“Whether the action of the management of SBBJ in terminating the service of Sh. Mahender Kumar, temporary peon w.e.f. 19-2-88 is fair and justified ? If not to what relief the concerned workman is entitled to” ?

That the claimant has filed statement of claim. In the statement of claim, it has been stated that the workman concerned was initially appointed as a peon on temporary basis at Bara Hindu Rao, Delhi Branch of State Bank of Bikaner and Jaipur w.e.f. 5-11-84 as per the letter of appointment dated 5-11-84 copy of which is being attached and marked annexure W/1 hereto. That before appointing the workman, the workman was interviewed by the Bank and his eligibility and suitability for the post of peon was also duly judged and verified by the bank.

That though the post/vacancy in which the workman was appointed from 5-11-84 was permanent and he was working quite satisfactorily therein, but the management instead of continuing the workman in the said permanent post/vacancy of peon at Bara Hindu Rao, Delhi Branch, terminated his services on 23-1-85, telling him that he had been appointed only for a limited period as per bank's policy for not giving employment to one person for more than 80 days.

That after termination of services of the workman from 23-1-85, the management continued to give employment to other persons at the same branch and at other branches of the bank also in Delhi, without offering

such further employment to the workman. That it was only after a gap of nearly three years that the workman was given appointment w.e.f. 12-11-87 at the same Bara Hindu Rao, Delhi Branch, but again as a temporary peon for only 30 days, which was continued by extending the same from time to time till 19-2-88, when his services were again terminated after the workman had worked quite satisfactorily even though post/vacancy in which he was appointed and was working was a permanent one.

That after terminating the services of the workman from 19-2-88, the management again continued to give employment to other persons including new hands and/or those whose initial dated of appointment were after the initial date of appointment of the workman, these appointments were given to such other persons both at Bara Hindu Rao, Delhi Branch and other branches of the bank in Delhi without offering the same to the workman.

That while the workman did not receive any information or intimation from the bank for his re-employment/absorption after 19-2-88, he came to know subsequently from other sources that the bank was going to invite applications from all persons who had worked as temporary peons in bank in the post for considering them for absorption in regular service and the workman then submitted an application for the above purpose through Bara Hindu Rao, Delhi Branch, however, the management never informed the workman about the fate of his application nor conveyed to him the reason, if any, for non-consideration of his case for absorption in regular services, although the workman was fully eligible for such absorption, the workman subsequently came to know that many of the ex-temporary peons whose initial dates of temporary appointment fell after the initial dates of the appointment of the workman and who were similarly situated as the workman were absorbed in service and given appointments as regular peons at one or the other branch of the bank in Delhi.

That the management did not publish the panel or list of the persons who had been selected for absorption in service and the workman was kept completely in dark as to the criteria adopted by the management for such absorption and also as to why the persons junior to him as temporary peons were given preference over him in such absorption in regular service.

The post/vacancy of peon in which the workman was appointed at Bara Hindu Rao, Delhi from 5-11-84 being permanent, the action of management in employing and treating him as a temporary and in terminating his services from 23-1-85 after the workman had satisfactorily worked for more than 2½ months was illegal and unjustified.

The workman was given re-employment at Bara Hindu Rao Branch, after a gap of nearly three years, from 12-11-87 but the management again acted illegally in employing and treating the workman as a temporary in spite of the post/vacancy in which he was appointed being permanent.

The only reason for termination of services of the workman on both the occasions i.e. from 23-1-85 and from 19-2-88 being that it was done in pursuance of management policy not to allow any one person to work for more than a fixed/limited period of 80 to 100 days at a time. Termination of services of the workman on both the occasions i.e. from 23-1-85 and from 19-2-88 stood vitiated and was illegal also for the reason of being violative of Section 25G of the Industrial Disputes Act inasmuch as that while terminating the services of the workman, persons who entered the service of the bank initially after the appointment of the workman were retained and continued in service of the bank.

The management has filed written statement. In the written statement, it has been stated that it is submitted that no letter of permanent appointment was ever issued by the bank to the workman. The workman was appointed for a fixed period against temporary vacancy. It is hereby explained that the interview is taken only by the bank manager and not by a recruitment board of the bank as in the case of permanent staff.

The post was purely temporary and he was appointed for a fixed period and therefore his services were terminated as per the terms of the memorandum dated 5-11-84. It is wrong that his services were terminated according to some policy. The workman has no right to dictate his terms to the management. The bank has its own right and uses its own discretion, as to appoint a person to a job on the merits of his qualifications, for a particular job.

The bank has no authority to appoint a person on permanent post unless the posts are approved by the Govt. for that the bank advertised in the leading papers that interested temporary/ex-temporary employs can submit their applications. The applications were to be submitted latest by and by (twice). The workman in question never applied against these vacancies. The bank has no authority or power under the law to fill permanent posts without advertisements and due procedure. In making such type of decisions not only there will be an utter indiscipline and nepotism, but also will be contrary to the law and to the provisions of the Indian constitution.

It is submitted that no temporary employee was regularised or appointed as a permanent employ in the manner as stated by the workman in question in the petition. It is true that the advertisements were published in the leading newspapers but it is denied that the workman has submitted any application against these to the bank or its Bara Hindu Rao Branch. No receipt to this effect has been filed by the workman. It is correct that the temporary/ex-temporary employs were selected in the permanent posts, who had applied for the said post against the notice of inviting applications as stated above. No person who did not apply for such posts under permanent vacancies were appointed.

It is wrong that the workman was appointed at the Bara Hindu Rao Branch from 5-11-84 as a permanent staff. The appointment was a temporary one which cannot

be converted into a permanent one. The workman never applied against the permanent vacancy advertised by the bank in 1987 and 1990 hence he cannot agitate his inaction in these proceedings.

The services to the workman were never terminated by the management, since the post was for a limited and fixed period dully mentioned in the memorandum and informed at the time of appointment. There is no question of termination of services of the workman and hence is not entitled for the relief claimed in the petition. There was justification in issuing the memorandum since the contents of the same have never been disputed or objected to by the workman.

In the present case the question is not of terminating of service, but of providing permanent post for providing a permanent post a procedure is laid down by the Finance Ministry, Government of India and the same is followed by the bank. The bank is a public institution and no personal interest are involved on taking the claimant on temporary post and when the bank had given a chance the workman failed to apply for the permanent job against the advertised vacancy. It is not denied that the workman was fully eligible for the post of peon but he never applied for the same when the application forms were invited by the bank.

The workman never remained in continuous service as defined under sec. 25B and therefore he cannot be said to be retrenched by the management and hence is not entitled for any retrenchment benefits. There was no unfair practice.

The workman applicant has filed rejoinder. In his rejoinder he has reiterated the averments of his statement of claim and has denied most of the paras of the written statement. The management has also denied most of the paras of claim statement. Evidence of both the parties has been taken.

Heard arguments and perused the papers on the record.

It was submitted from the side of the workman applicant that he was taken into service w.e.f. 05-11-84 as per the letter of appointment dated 5-11-84. His work was satisfactory. He was appointed against permanent vacancy but his services were illegally & arbitrarily terminated on 23-01-85. He was told that he has been appointed only for a short period.

After a gap of nearly three years the workman applicant was given appointment w.e.f. 12-11-87 for 30 days. Thereafter his services were terminated when the period of his appointment expired as such the workman applicant was posted two times. Once in 1984 and next in 1987 but in both the postings he has worked only for two months. It was further submitted by the workman applicant that he was appointed against permanent post but his services were terminated illegally. He should be regularised under Section 25 G of the Industrial Dispute Act, 1947.

It was submitted from the side of the management that the appointment was given on temporary basis due

to the increase of the work for a fixed period. When there was additional work he was given appointment from 05-11-84 to 23-01-85 and when the work was over his services were dispensed with. Similarly when there was additional work he was appointed from 12-11-87 to 19-2-88 and his services automatically came to an end on the expiry of specified period in the appointment letter.

It was submitted from the side of the management that the post were advertised in the newspaper as well as in the Head Office twice and the workman who have worked temporarily was asked to apply as a panel was to be prepared but this workman did not apply. The workman has asserted in his evidence that he applied for the post but his name was not included in the panel. The workman applicant in his cross-examination has admitted that he did not come to know of the advertisement as such it is wrong that he has applied for the post when there was advertisement. He has also stated that he was doing agricultural work so he did not come to know of the advertisement, as he did not read newspaper. The advertisement has been published on 31st July 1987. It has been published in the newspaper. The cutting of the newspaper is enclosed with the record. It indicates that there was wide advertisement but the workman applicant did not apply as he did not come to know of the advertisement as such opportunity was over and nothing was concealed while advertising for preparing panel. It was published in the Hindustan Times on 6/7-1-1987 as such it was published on two dates so it cannot be said that the management did not advertise the post when the panel was prepared. The workman applicant has been taken into service for a fixed period not exceeding 2-3 months on two different occasions. There is no retrenchment but he stopped his work when specified period was over. He should have appeared according to the advertisement but he did not apply and he has filed this ID case after a very long time in 1996 whereas for the last time he worked up to 18-2-88. He has filed this ID case after eight years.

From the side of the workman applicant my attention was drawn to 1990 I LLJ Pg. 445, 1990 I LLJ Pg. 443, 1991, 1999 ILB 909. I have perused the citation thoroughly but the citations are not applicable in the present facts and circumstances of the case. The workman applicant has been given appointment due to increase of additional work for a specified period so Section 2 (OO) of the Industrial Dispute Act, 1947 is not attracted. The workman applicant is not entitled to get any relief as prayed for.

The reference is replied thus :—

The action of the management of SBBJ in terminating the services of Shri Mahinder Kumar, temporary peon w.e.f. 19-02-88 is fair and justified. The workman applicant is not entitled to get any relief as prayed for.

The Award is given accordingly.

Date : 03-02-2005

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 871.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय-II, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 187/97) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/20/1997-आई. आर. (बी-I)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 871.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 187/97) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-II, New Delhi as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Standard Chartered Bank and their workman, which was received by the Central Government on 14-02-2005.

[No. L-12012/20/1997-IR (B-I)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER :
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II,
RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR,
RAJENDRA PLACE, NEW DELHI**

R. N. Rai, Presiding Officer.

I.D. No. 187/97

IN THE MATTER OF :—

Sh. Mahaveer Budhera
S/o Sh. Vasant Lal,
R/o 35/36, Trilok Puri, Delhi.

Versus

The Sr. Manager (HR)
Standard Chartered Bank,
Allahabad Bank Building,
17, Parliament Street,
New Delhi-110001.

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-12012/20/97 IR (B-I) CENTRAL GOVERNMENT DT. 05-11-1997 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :—

“Whether the action of the management of Standard Chartered Bank in terminating the services of Sh. Mahaveer Bhudera Sweeper/Cleaner is just fair and legal ? If not, what relief the workman concerned is entitled to and from what date.”

The case was put up on 30th November 2004 in the Lok Adalat and the matter was persuaded. It was again put up on 7th January, 2005. The parties entered into compromise. A cheque of Rs. 90,000 was given to the workman. Both the parties signed the compromise and the case was decided. Their remains no dispute between the parties.

The award is replied thus :—

No dispute award is given.

Dt. 24-01-2005

R.N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 872.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 157/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-2-05 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-34025/1/2005-आई. आर. (बी. II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 872.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 157/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Visakhapatnam Port Trust and their workman, which was received by the Central Government on 14-2-05.

[No. L-34025/1/2005-IR (B-II)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, HYDERABAD**

PRESENT :

Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated, the 10th Day of January, 2005

Industrial Dispute L.C.I.D. No. 157/2002

BETWEEN :

Sri D. Mohan Rao,
C/o B. Naga Raju,
D. No. 53-16-551,
Near M/s. Automotive Manufacturers
Limited, Maddilapalem,
Visakhapatnam-530022

... Petitioner

AND

1. The Chairman,
The Visakhapatnam Port Trust,
Visakhapatnam.
2. The Chief Mechanical Engineer,
Visakhapatnam Port Trust,
Visakhapatnam.

... Respondents

APPEARANCES :

For the Petitioner : Sri N. Sanni Babu,
Advocate

For the Respondent : M/s. K. Srinivasa Murthy,
V. Umadevi & C. Vijaya
Shekar Reddy, Advocates.

AWARD

This is a case taken under Sec. 2A(2) of the I. D. Act, 1947 in view of the judgement of Hon'ble High Court of Andhra Pradesh reported in W. P. No. 8395 of 1989 dated 3-8-1995 between Sri U. Chinnappa and M/s. Cotton Corporation of India and two others.

2. The brief facts as averred in the petition are : That he was appointed as Khalasi in Mechanical section in the year 1976. During the year 1981 he was terminated without assigning and giving any proper reason for his termination. That he approached the Visakhapatnam Port Trust on several times and submitted several letters but to no avail. The Respondent Management has not settled the wages and Provident Fund balance. He is having a big family and he may be reinstated and grant of Rs. 2,00,000 towards compensation for his termination without any proper reason.

3. A counter was filed stating that the Petitioner was appointed as Khalasi on 18-7-80. He was sponsored by the employment exchange and the appointment was made under Burma Repatriate Quota. Subsequently he was regularized in the post of Khalasi w.e.f. 6-10-80 and was placed on probation for a period of two years. He never worked from 1976. He has been sponsored by the employment exchange under Burma Repatriate Quota in 1979. Upon appointment in order to ascertain the genuineness of the Burma Repatriate Certificate submitted by the 71 employees including Mr. D. Mohan Rao, the Petitioner. The matter was referred to the Special Officer (RR) Office of the Collectorate Visakhapatnam vide his letter dated 8-4-81 confirmed that out of 71 Burma Repatriate Certificate 19 are forged certificates. The certificate submitted by the Petitioner was not genuine and he was terminated on 21-4-81. That in response to his representation dated 20-5-81, 5-10-82 and 18-10-82 letters were sent to him on 6-6-81, 9-10-82 and 12-11-82. One such employee Mr. Govinda Rao, Khalasi (Shore) who was appointed in Burma Repatriate Quota and whose Burma Repatriate Certificate was found to be not genuine and who was discharged from Port service w.e.f. 21-4-81 has raised an ID No. 70/89 before the Industrial Tribunal, Hyderabad which passed an award on 8-2-93 in favour of the Management. The Government of India vide letter dated 22-10-81 has stated that the action of the

Visakhapatnam Port Trust in terminating the services of the workman who have submitted false Burma Repatriate Certificate is in accordance with the Regulation 10 of the VPE (Recruitment, Seniority and Promotions) Regulation 1964 and thus does not appear to be unjustified or mala fide. He has filed the present ID after more than 20 years challenging the termination. Hence, the petition may be dismissed.

4. The Petitioner examined himself as WW1 and deposed that he was appointed in 1980 and regularized. That he was removed on the basis that the Burma Repatriate Certificate filed by him is a bogus one. But he went to Collectorate and informed the office that it was genuine. One Mr. Govinda Rao was removed. He filed a case before the Industrial Tribunal, Hyderabad. The certificate issued by the RR Section in Collector's office was not produced that is why the case was dismissed. Hence, he is entitled for reinstatement and compensation of Rs. 2,00,000. In the cross examination he deposed that he has not filed any document to show that he is a Burma Repatriate.

5. The Management examined Sri V. V. Satyanarayana as MW1, who deposed the facts stated as stated in the counter. He deposed that Ex. M1 is the Burma Repatriate Certificate dated 13-6-73. Ex. M2 is the letter of District employment exchange enclosing the list of candidates. The matter was referred to the Collector about the genuineness of the certificates which is Ex. M3. Ex. M4 is the reply letter stating that 19 are forged certificates. Ex. M5 is the termination letter. Ex. M6 is the extract of the regulation. Ex. M7 to M9 are the said replies to the representation of the Petitioner. That the Petitioner has again submitted another Burma Repatriate Certificate said to have been issued by Special Officer (RR) Visakhapatnam vide letter dated 28-5-81. The Respondent organization came to a conclusion that there is no justification to reopen the case on the basis of another Burma Repatriate Certificate. As the certificate initially submitted was certified to be forged one and the question of considering him again arises only when the employment exchange again sponsors his name. Hence, he is not entitled for any relief. In the cross examination he deposed that Ex. M13 is the letter from the Collectorate dated 3-8-81 is stating that 7 persons out of 19 persons are genuine Burma Repatriates. Accordingly, 7 persons were reinstated. It is not true to suggest that the Petitioner is one of the 7 vide Ex. M13 and that they are purposely not producing Ex. M13. Hence, the Petitioner is not entitled for any relief.

6. The Petitioner's Counsel argues that he was removed on 21-4-81 and only after his dismissal it was informed by the Collectorate on 3-8-81 that he is genuine repatriate. It is admitted by MW1 that they replied to the representations of the Petitioner on 3 occasions i.e., on 6-6-81, 9-10-82 and 12-11-82 and therefore he submits that he has been making representations and replies were given to him and therefore he should have been taken back into service but he was not taken for so many years. Hence, for his mental torture and being out of job he should

be given a compensation of Rs. 2,00,000 and reinstated with full back wages.

7. It is argued by the Learned Counsel for the Respondent that how could immediately the same officer change and say that he is a repatriate when earlier it was stated that he is not one of the repatriates and again his name ought to have been sponsored by the employment exchange and only then he would have been considered. He therefore submits that the Petitioner is not entitled for any relief and as he has approached the Hon'ble Court after a gap of 20 years the petition may be dismissed.

8. It may be noted that the Petitioner was sponsored by employment exchange as Burma Repatriate and he was given the job under the said quota and he was removed in 1981 and immediately on 3-8-81 the same authority informed that he is one of the genuine candidates. His name was already sponsored by the employment exchange and he was already given a job when his dismissal was found to be wrong that he has submitted a bogus certificate. He should have been reinstated but he was not. He was corresponding till 1982 and then he kept quiet. But the question is, what was he doing for 20 long years. Obviously he must have been gainfully employed somewhere else and no doubt, injustice has been done to him 20 years back but he thought of that injustice when any other avocation or job or business whatever he was doing came to an end and approached this Court by way of a chance litigation. Hence, he is not entitled for any back wages or any such relief but however, as his dismissal was wrong he shall be appointed as Khalasi within 30 days from the publication of this award on the minimum pay now applicable subject to his being found medically fit and giving relaxation in his age considering his age as on the date of the first date of appointment, failing which he will be entitled to monthly salary after 30 days of the publication of this award.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. K. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 10th day of January, 2005.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
WW1 : Sri D. Mohan Rao	MW1 Sri V. V. Satyanarayana

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

Ex. M1	: Copy of certificate dt. 13-6-73
Ex. M2	: Copy of Ir. No. CEO/609/21 dt. 4-10-79
Ex. M3	: Copy of Ir. N. E/J/19540 dt. 29-12-80
Ex. M4	: Copy of Ir. No. 4454/81 K. 4 dt. 8-4-81
Ex. M5	: Copy of Ir. No. E/J/5066 dt. 22-4-81

Ex. M6	: Extract of Regulation 10(2) of VPE's (RS & P) Regulations 1964
Ex. M7	: Copy of representation of WW1 dt. 20-5-81
Ex. M8	: Copy of representation of WW1 dt. 5-7-81
Ex. M9	: Copy of representation of WW1 dt. 18-10-82
Ex. M10	: Copy of statement of settlement of terminal benefits
Ex. M11	: Copy of notification dt. 26-3-93 of Mr. Govinda Rao
Ex. M12	: Copy of endt. No. F/8652/81, dt. 5-11-81
Ex. M13	: Copy of Ir. No. 4454/81 K. 4 dt. 3-8-81

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 873. — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 42/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-2-05 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/16/2003-आई. आर. (बी.-II)]

सी. गंगाधरन, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 873.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 42/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the annexure in the Industrial Dispute between the management of Union Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 14-2-05.

[No. L-12012/16/2003-IR (B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, HYDERABAD

PRESENT :

Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated, the 27th Day of December, 2004

Industrial Dispute No. 42/2003

BETWEEN :

Sri K. Balanarasaiah,
No. 2-3-645/A/26,
Premnagar,
Hyderabad-500013.

... Petitioner

AND

The Regional Manager,
Union Bank of India,
Regional Office, Latha Complex,
Nampally, Hyderabad-1.

... Respondent

APPEARANCES :

For the Petitioner : Sri Dhonday Ram Mane,
Advocate.

For the Respondent : M/s. C. R. Sridharan, G.
Narender Reddy, S.
Ramesh, M. Srinivas
Reddy & G. V. S. Ganesh,
Advocates.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-12012/16/2003-IR(B. II) dated 16-4-2003 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the employers in relation to the Management of Union Bank of India and their workman.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Union Bank of India in dismissing from service of Shri K. Balanarasaiah w.e.f. 25-10-1991 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?”

This reference was registered as Industrial Dispute No. 42/2003 and notices were issued to the parties.

2. The brief facts as averred in the claim statement are : that the Petitioner joined the services of the Respondent bank on 1-10-75 as sub-staff. He has studied upto 7th class. He was transferred to Hyderabad in the year 1978. In 1983 he was promoted as cashier cum clerk and was deputed to Bangalore for three weeks. After his training he was transferred to work as clerk at Kortla Branch, Kareemnagar District from 1983 to 1986. In 1986 he was transferred to Hyderabad regional office and at the main branch, Siddambar Bazaar, Hyderabad. During 1988-89 he was posted to Laldarwaja, Hyderabad the Petitioner's wife was suffering from cancer and he has three minor children and events took a serious turn and the health of his aged father deteriorated much, just to multiply his various and anxieties and the Petitioner having lost his peace of mind and his wife died in January, 1989. Shortly his aged father also expired. In this circumstances he suffered a mild heart stroke. The motherless minor children shattered him. He was unable to attend his duties punctually. That a domestic enquiry was conducted. He was unable to attend to the domestic enquiry which was concluded exparte. He was dismissed from service w.e.f. 25-10-1991. The Petitioner made several representations and ultimately approached the Assistant Labour Commissioner (C) on 19-8-2002. Thereafter a meeting was conveyed and a reference was made. Hence, the said dismissal order may be set aside and he may be taken into job.

3. A counter was filed by the Respondent. It is submitted that the order of reference is not valid and is liable to be rejected in limini by this Tribunal. The Petitioner has approached after 11 years. On this ground only reference is liable to be rejected at the threshold.

That he absented unauthorisedly from 29-1-91 to 4-2-91 and from 18-2-91 to 23-3-91. He was issued with charge sheet dated 6-5-91. An Enquiry Officer was appointed and enquiry was conducted. The Petitioner requested time but he did not come. He is not attending duties since 26-6-91. There are two minor charges also, two cheques returned due to insufficient funds, that one is for Rs. 3000 and the other is for Rs. 1500. He was again given a telegram is that enquiry will be conducted, but still he did not come for the enquiry. Two witnesses were examined, 18 documents were marked and he was dismissed. Previously he was unauthorisedly absent on several occasions and he was warned, censured, advised and his two increments were stopped. Hence, the reference may be ordered in negative.

4. A memo was filed conceding that the domestic enquiry is validly conducted. Hence, only question remains is whether the Petitioner is entitled for any relief under Sec. 11A or not.

5. Petitioner's Counsel argues that as there is no limitation under the Act and the very fact that the Government of India has thought it fit to refer the case means that an industrial dispute exists. He submits that the Hon'ble Supreme Court had decided in 2001-II-LLJ page 788 in Sapan Kumar Pandit Vs. U. P. State Electricity Board and others, where the Hon'ble High Court had quashed the reference stating that it is more than 15 years. It quashed it, but Hon'ble Supreme Court held, "Real test for deciding whether delay in making reference of industrial dispute material is existence or otherwise of dispute on date of reference—To decide it Government can inter alia take into account subsistence of conciliation proceedings—On facts, held, dispute in this case remained alive on date of reference—Hence quashing by High Court, or reference made more than 15 years dispute arose, held not justified". He also relied on 2003(2) LLJ page 1143 of Hon'ble High Court of Orissa wherein it was held that, "Award of Labour Court not to be invalidated merely on ground of delay in raising dispute—Once Government makes reference, there is presumption that dispute exists". In that case there was delay of 15 years. So he submits that merely because there is delay of 11 years, the dispute does not ceased to be a dispute. Hence, he may be reinstated with back wages.

6. The Learned Counsel for the Respondent submits that having slept for 11 years, having been dismissed in 1991 and during the enquiry also he did not attend the bank nor attended the enquiry and got up in 2002 and moved the case in the office of the Assistant Labour Commissioner (C) on 19-8-2002 itself is a ground not to give him any relief. The Learned Counsel for the Respondent relied on 2000 II LLJ page 1653 Supreme Court cases wherein it was held that, "Workman raising dispute after 13 years without justification—Denial of relief held proper". Their Lordships further observed, "In this case claim was made almost after a period of 13 years without reasonable or justifying ground and there was nothing on record to explain this delay as held by the Tribunal". He also relied on 2000(2) Supreme Court cases

page 455 wherein their Lordships held, "in spite of absence of a statutory limitation period, such power cannot be exercised to revive settled matters or to refer stale disputes—When a dispute becomes stale, held, would depend on the facts and circumstances of each case. In the instant case the workman was dismissed after lawfully and properly conducting the disciplinary proceedings, his dismissal was upheld in appeal and the benefits legally due to him were paid—Seven long years later he raised a dispute against his dismissal on the ground that two other employees dismissed in similar situation were reinstated—Reference of the said dispute at this stage, held, bad both on the grounds of delay as well as non-existence of an industrial dispute". He also relied on many more cases. Hence, he submits that the Petitioner is not entitled to the relief prayed for.

7. It may be noted that domestic enquiry has been conceded as validly conducted by the Learned Counsel Petitioner. I have gone through the chargesheet where the charges are made against him which appear to be clear and the chargesheet was issued on 6-5-91. He attended the enquiry on 10-7-91 and requested for 15 days adjournment. He did not attend the enquiry again which was adjourned to various dates and he has been continuously absent from 22-6-91 while the domiciles sword was hanging on his head and he did not attend the enquiry and a telegram was also given to him on 25-6-91 to report for duties. But he did not and he was dismissed on 25-10-91 and he kept quite till 19-8-2002. No doubt, delay itself is not prejudicial if sufficient reason is given. No doubt in the petition he gives a grim picture of his wife's death in 1989 from cancer, then his father expired but that happened in 1989 and he was absent in 1991, for which a chargesheet was issued. An enquiry was also held in 1991. He cannot say that for two years he was mourning. No doubt, one may mourn a lot on the death of one's wife or father or for life long, but it shall not effect one's duties. If that be the case, then no work in this world can be done and what explanation he has got that he continued mourning the death of his wife and father from 1991 to 19-8-2002 besides the absenteeism charges the other charges of dishonouring of cheques of Rs. 3000 and of Rs. 1500 without sufficient funds is not such a grave mistake. His absence also was not so bad, it was only for few days but he has absented himself again from 29-7-1991 till the enquiry was concluded and till he was dismissed, he did not attend. He is already aged about 50 years old he had in service for 16 years from 1-10-75 till 25-10-91. Hence, I am of the opinion that while confirming the order of dismissal, under the circumstances he may be given half month's wages for every year of service, that comes to 7½ months which is made into a round figure and the Respondent shall pay 8 months last drawn pay to him within 30 days after publication of this Award failing which he will be entitled to 6% p.a. interest on that amount after 30 days of publication of this award.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. K. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 27th day of December, 2004.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 874.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स एस. जी. एस. इंडिया प्रा. लि. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार अधिकरण/श्रेम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 76/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-02-2005 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-34012/2/2002-आई. आर. (बी.-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 874.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 76/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the annexure in the Industrial Dispute between the management of M/s. SGS India Private Limited and their workman, which was received by the Central Government on 14-2-2005.

[No. L-34012/2/2002-IR (B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT HYDERABAD

PRESENT :

Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated, the 6th Day of October, 2004

INDUSTRIAL DISPUTE No. 76/2004

BETWEEN :

Sri Ch. Guru Mahesh,

C/o Palle Satyavathi,

D. No. 22-81-SC, Durjupeta,

Visakhapatnam-530001.

... Petitioner

AND

The Branch Manager,

M/s. SGS India Private Limited,

D. No. 30-9-4/2, Sarada Street,

Dabagardens,

Visakhapatnam-530 024.

... Respondent

APPEARANCES :

For the Petitioner : M/s. S. Mohana Rao, S. Raju, N. V. Ramana & Veera Srinu, Advocates.

For the Respondent : Sri Y. Venkata Rao, Advocate.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-34012/2/2002-IR(B. II) dated the 2-5-2003 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the Management of M/s. SGS India Private Limited and their workman. The reference is,

SCHEDULE

"Whether the termination of service of Shri Ch. Guru Mahesh Ex. Junior Inspector, by the Management of M/s. SGS India Private Ltd., Visakhapatnam is legal and justified? If not, what relief is the workman is entitled to?"

This reference is numbered in this Tribunal as I. D. No. 76/2004 and notices were issued to the parties.

2. The Petitioner filed this petition against his termination vide letter dated 16-4-2002. A counter was also filed. While matters stood thus, the Petitioner filed a memo on 6-10-2004 requesting to withdraw the case as he is sick.

3. On 6-10-2004, Petitioner present, Sri P. V. S. N. Murthy, Jr. Inspector and General Secretary of M/s. SGS India Ltd., Staff Association, Visakhapatnam present and identified the Petitioner who filed the memo dated 6-10-2004, which was read over and explained to the Petitioner and he admitted the contents that he wants to withdraw the case. Accordingly a 'Nil' Award is passed. Transmit.

Dictated to Sri P. Kanaka Raju, LDC transcribed by him corrected and pronounced by me on this the 6th day of October, 2004.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner

NIL

Witnesses examined for the Respondent

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

क्र. आ. 875.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आन्ध्रा बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 52/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-2-2005 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/294/2003-आई. आर. (बी. II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 875.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 52/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the annexure in the Industrial Dispute between the management of Andhra Bank and their workman, which was received by the Central Government on 14-2-2005.

[No. L-12011/294/2003-IR (B-II)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, HYDERABAD**

PRESENT :

Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated, the 9th Day of December, 2004

Industrial Dispute No. 52/2004

BETWEEN :

The Zonal Secretary,
Andhra Bank Award Employees
Union, Visakhapatnam Zone,
C/o Andhra Bank, Seethammadhara Branch,
Visakhapatnam-530013. ... Petitioner

AND

The Asstt. General Manager,
Andhra Bank, Zonal Office,
Seethammadhara Branch,
Visakhapatnam-530013. ... Respondent

APPEARANCES :

For the Petitioner : Nil

For the Respondent : M/s. S. Udayachala Rao,
S. Vikramaditya Babu &
S. Mujib Kumar,
Advocates.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-12011/294/2003-IR(B. II) dated 22-3-2004 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the Management of Andhra Bank and their workmen. The reference is,

SCHEDULE

"Whether the demand of the Andhra Bank Award Employees' Union, Visakhapatnam Zone for filling up the existing vacancies for the post of Computer Operators (CTOs) from the Category of Clerk-cum-Cashier and defer the selection of the post of Joint Custodian Cashier (JCC-Category 'E') until such time by the Management of Andhra Bank, Zonal Office, Visakhapatnam is legal and justified? If not, what relief the concerned union is entitled to?"

The reference is numbered in this Tribunal as I. D. No. 52/2004 and notices were issued to the parties.

2. In spite of several adjournments given from for filing of claim statement and documents for 8 adjournments including 9-12-2004 the petitioner union has not turned out with claim statement and documents. The petitioner union continuously absent. There is nothing on record to support the case of the Petitioner union. Hence, a 'Nil' award is passed. Transmit.

Dictated to Sri P. Kanaka Raju, LDC transcribed by him corrected and pronounced by me on this the 9th day of Decembgr. 2004.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner	Witnesses examined for the Respondent
--	--

NIL

NIL

Documents marked for the Petitioner

NIL

Documents marked for the Respondent

NIL

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2005

का. आ. 876.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंडिकेट बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, हैदराबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 58/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-2-2005 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/1/2003-आई. आर. (बी. II)]

सी. गंगाधरन, अवसर सचिव

New Delhi, the 15th February, 2005

S.O. 876.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 58/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Hyderabad as shown in the annexure in the Industrial Dispute between management of Syndicate Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 14-2-2005.

[No. L-12012/1/2003-IR (B-II)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT AT HYDERABAD**

PRESENT :

Shri E. Ismail, B.Sc., LL.B., Presiding Officer

Dated the 29th Day of December, 2004

Industrial Dispute No. 58/2003**BETWEEN :**

Smt. Y. Prabhavati,
C/o E. Jangamaiah,
Vasanthnagar (Presiding Officer),
Canal Bund, Kamaiah Thopu,
Vijayawada. Petitioner

AND

The Dy. General Manager,
Syndicate Bank,
Zonal Office, Pioneer House,
6-3-653, Somajiguda,
Hyderabad-500482. Respondent

APPEARANCES :

For the Petitioner : Sri William Burra, Advocate.

For the Respondent : M/s. A. Krishnam Raju, G. Dinesh Kumar, G. V. N. Babu, N. Premanand Rao & K. Narsh Reddy, Advocates.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-12012/1/2003-IR (B. II) dated 19-5-2003 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 for adjudication to this Tribunal between the employers in relation to the Management of Syndicate Bank and their workman.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Syndicate Bank in terminating the services of Smt. Y. Prabhavathi, Ex-part-time Sweeper is justified? If not, what relief the workman is entitled to?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 58/2003 and notices were issued to the parties.

2. The brief facts as stated in the petition are : that the Petitioner was orally appointed as part time badli sweeper with the Respondent bank (Currency Chest) Vijayawada on 13-6-89 and continued till 3-9-2001. She was dismissed w.e.f. 4-9-2001 orally. She has worked for more than 240 days during the calendar year from 1993 to 1997. After dismissal she made both oral and written representation but to no avail. She has taken up the matter for conciliation before the ALCC(C), Vijayawada in the month of September, 2002. Meeting was conveyed but to no avail. Hence, the failure of conciliation and the reference to the Hon'ble Court. During 1993 to 1997 she has worked for 240 days and her termination without following Sec. 25F is illegal and against the provisions of law and also against the principles of natural justice. That the circular dated 5-9-98 which is made applicable to the cases prior to 5-9-98 i.e. from 1-1-1989 is against all cannons of law. Had it been known to the Petitioner that she is not entitled for regularization at the time of appointment on 13-6-89 she would have sought for better employment elsewhere. Now her age is barred. Hence, she may be directed to be reinstated and paid back wages from 4-9-2001.

3. A counter was filed stating that the Petitioner was engaged as a temporary badli time sweeper in Currency Chest, Vijayawada on various dates during the period between 13-6-89 and 4-9-2001. All she worked in temporary vacancies caused due to the leave/absence of regular part time sweepers. The currency chest is having regular part time sweepers for the purpose of clearing premises and whenever the regular part time sweepers avails leave, not reported for duty Smt. Y. Prabhavathi was being engaged. She did not work prior to 1-1-89 and started working only from 13-6-89. As such she was not entitled for empanelment as per instructions. A person who did not enter into employment through approved channels cannot have any right for regularization in his job irrespective of the length of service he has put in. Merely she worked for several days on daily wage basis, regularization cannot be made. Sec. 25 F is not applicable. Hence, the ID may be dismissed.

4. The Petitioner examined herself and deposed the facts as stated in the petition. In the cross-examination she deposed that she worked continuously from 1993 to 1997. Although it was 234 days in 1997 goes to 240 days including holidays. So it comes to 240 days and the said certificate is given by the bank itself.

5. Sri K. Vijaya Mohan was examined as MWI and he is Manager in Personnel Department at Regional office, Hyderabad of Syndicate Bank and admitted that the Petitioner was engaged between 13-6-89 and 4-9-2001 and stated all what he stated in the counter. In the cross-examination he deposed that he has not filed any attendance register. He denied that because of her continuous engagement for more than 240 days in a year she is entitled for reinstatement with back wages.

6. It is argued by the Learned Counsel for the Petitioner that although she has worked for five years for more than 240 days before termination of her service, no pay in lieu of notice, or any retrenchment compensation was paid. She submitted representation dated 24-12-2001 but the management turned down her request. The Petitioner is a workman defined under Sec. 2(s) and Sec. 25F is applicable and retrenchment compensation equivalent to 15 days average pay for every completed year of service should be paid. The continuous service defined under Sec. 25B of the Industrial Disputes Act, 1947, according to which if the workman during the period of 12 calendar months has actually worked under the employer for not less than 240 days it would be deemed that such person had continuous service for not less than one year. Hence, he may be reinstated with back wages.

7. It is argued by the Learned Counsel for the Respondent that she cannot be appointed in view of the circular No. 2564/98 dated 5-9-98 issued by the Respondent. Further there is a ban by the Government of India on fresh recruitment and Sec. 25F has no applicability. The regularization cannot be made as an ultimate rule. Hence, she is not entitled to any relief.

8. It may be seen that WWI has stated that there was a chart marked as Ex. W2 that she worked for 279 days in 1993, 361 days in 1994, 361 days in 1995, 290 days in 1996 and 234 days in 1997, in 1998 till she was removed worked for 3 days. It is not challenged that this Ex. W2 is false. In fact, the main contention of the Respondent bank is that because of some instructions to the bank, as she has not worked prior to 1-1-82 her case cannot be considered for regularization. If they could have accommodated her due to a circular which says that those who have worked prior to 1-1-82 will be regularized, she cannot be regularized because she has joined in 1992, still Sec. 25F should have been complied with and she should have been given one month notice or pay in lieu thereof besides retrenchment compensation 15 days pay for every completed year of service. One cannot simply throw away one person who has been working for 10 years without any compensation or even a notice. In fact her representation was also enclosed vide Ex. W7 that she belongs to SC community and has worked for 1710 days on temporary basis. In fact it was addressed by Senior Manager to the Regional Manager, Syndicate Bank. Hence, I hold that the management of Syndicate Bank in terminating the services of Smt. Y. Prabhavathi, Ex. part time sweeper is not justified. The Petitioner is entitled for reinstatement. Hence, an award is passed holding that the Petitioner is entitled for reinstatement as part time sweeper within 30 days from the publication of this award and as she is a poor lady and a part time sweeper and as the conditions have not been complied with, she is also entitled for 25% of the last drawn wages till the date of reinstatement, i.e. from 4-1-98 till she is reinstated.

Award passed accordingly. Transmit.

Dictated to Smt. K. Phani Gowri, Personal Assistant transcribed by her corrected and pronounced by me on this the 29th day of December, 2004.

E. ISMAIL, Presiding Officer

Appendix of evidence**Witnesses examined for
the Petitioner**

WW1 : Smt. Y. Prabhavathi

**Witnesses examined for
the Respondent**MW1 : Sri K. Vijaya
Mohan**Documents marked for the Petitioner**Ex. M1 : Copy of lr. dt. 22-1-97 from Manager,
Currency Chest to the RespondentEx. M2 : Copy of representation of WW1 dt. 21-1-98
to the RespondentEx. M3 : Details of No. of days worked by WW1 from
13-6-89 to 3-1-98Ex. M4 : Copy of representation dt. 19-3-99 from
WW1 to the RespondentEx. M5 : Copy of lr. dt. 1-6-99 from Sr. Manager to
Regl. ManagerEx. M6 : Copy of lr. dt. 30-7-99 from Manager,
Currency Chest to Regl. ManagerEx. M7 : Copy of lr. dt. 22-9-99 from Sr. Manager to
Regl. ManagerEx. M8 : Copy of representation dt. 24-12-2001 and
3-5-2001 from WW1 to RespondentEx. M9 : Copy of lr. dt. 11-11-2002 from Chief
Manager to ALC(C)/VJAEx. M10 : Copy of representation from WW1
dt. 3-5-2002

Ex. M11 : Copy of lr. from Petitioner to ALC(C)

Documents marked for the Respondent

Ex. M1 : Copy of circular No. 12/89 dt. 3-3-89

Ex. M2 : Copy of circular No. 1/94 dt. 5-5-94

Ex. M3 : Copy of circular No. 2564/98 dt. 5-9-98